

मतलब-संग्रह

(अर्थात् नव भाषा का उस्ताद)

जिसको
हिन्दी, अंगरेजी, उर्दू, बंगला, गुजराती,
मराठी, तैलंगी, दिलीवाल, मारवाड़ी,
नव भाषाओं में विद्यार्थियों और
सर्व साधारण के हितार्थ
रामलाल नेमाणी ने संग्रह कर
निज राम-प्रेस में
मुद्रित करवा
प्रकाशित
किया
चतुर्थ संस्करण

चलकसा

क्र. ११०७ इ.

मुख्य २१ डाकघर १५

॥ श्रीजी माय्या वयुं जावो हो व.चोतो सरी ॥

(मारवाडी घांओमें)

“नया वृद्धविवाह नाटक.”

यह वही खास चूरू, फतेहपुर, जसरापुर, रामगढ, की बोली में बनाया गया है। कैसीही जटागीनता में बैठेही एकबार पढ़नेसे हसने २ पेट फूल जायगा। पुस्तक क्या है शिक्षा और दिक्कती का भंडार है या यो कहिए मारवाडीयोकी वर्तमान दशा का चित्र है। इसकी समालोचना बड़े बड़े ममाचार पत्रोंने की है। जिनमें से एक पत्रकी समालोचना निम्नना काफी समझदार नीचे प्रकाश करते हैं। जगमग लगा के आद्योपान्त पढ़ जाईए—

“भारतमित्र कलकत्ता ता. २४ जुलाई सन् १८०६ ई०में लिखता है”

वृद्धविवाह नाटक—वावूभगवतीप्रसाद दारुशा ने यह पुस्तक मारवाडी भाषामें बनाई है। कपी है बहुतही सुन्दर। मूल्य है आठ आने मिलनेका पता रामलाल नेमाणी न० ५८ जुलापट्टी कलकत्ता है। मारवाडियों में बुढ़ों के विवाह की बड़ी चाल है। कैसाही बूढ़ा क्यों न हो बटे पोतो के होते भी उसे विवाहकी सुझती है। इस पोथी में बुढ़ापेके विवाह की खराबी दिखाई गई है। इसमें मारवाडी समाज का नकशा भी खासा जतारा है। पुस्तक को भाषा साफ और सरल है। कमपढ़े मारवाडी भी इसे खूब समझ सकेंगे। यदि इस पुस्तक की प्रभाव से मारवाडीयोको कुछ चेत होतो उनकी समाज का एक बड़ा दोष दूरही सता है।

सतरज चातुरी ।

अगर आपको सतरज के खेलने का सौक हो, और यदि बातको बातमें किसी को सात करने की इच्छा हो, तो इसे अवश्य मङ्गाइये यह किताब बड़ो मेहरात से तैयार की है, सतरज के खिलाडीयोकी बड़ी हो मतलब की किताब है, इसमें सतरज के “दो चाल से आठ चाल” तक के ७७ नकशे है, कीमत सब के सुभीते ही के निचे सिर्फ ॥१॥ जिनद बधी का ॥२॥ डाक मङ्गल ॥

रामलाल नेमाणी

मालिक “रामप्रेस”

न० ५८ जुलापट्टी कलकत्ता

MATLAB SANGRAH

Hindi, English, Urdu, Bengali, Gujarati,
Marathi, Telugu, Marwari,
and Delhiwal Languages

By

Ramlal Neman

PROPRIETOR OF RAM PRESS CALCUTTA

For the use of public

Published by the Author in his

RAM PRESS

All Rights Reserved

Price per copy Rs 2/4

Postage 5 As

REGISTERED UNDER ACT X X OF
1847 AND ACT X X V OF 1867

एकट (आइन) २० सन १८४७ और एकट २५ सन १८६७ ईसवीके मुताबिक
इस किताब की रजिस्टरी करायी गई है कोइ महाशय इसको या इसके आशय
को न छपावे नही तो नफेके बदले में मुकसान उठाना पड़ेगा ।



प्रकाशक—रामलाल नैमाणी

प्रोप्राईटर “रामप्रेस”

४८, काटन स्ट्रीट बहावलनगर, कलकत्ता ।

प्रिण्टर—श्रीहरिचन्द्र घाष



ग्रथकर्त्ता—रामलाल नेमाणी ।

भूमिका ।

-०१० १२ ०१०-

प्रिय पाठक !

आपतो भली भाँति जानते होंगे कि एकताके बिना किसी देशका उद्धार नहीं होता है। आजतक जितने देशकी उन्नति सुनने में आई है सबमें एकता ही प्रधान रही है। साथही इसके आपको यह भी मालूम होगा कि भाषा, भाव, भेष येही तीनों एकताके प्यारे सन्तान हैं जिनके प्यासे एकता आती है। जहाँ इन तीनों में किसीका अनादर होता है वहाँसे एकता दूर भागती है।

हमारे भारत वर्षका कुछ ऐसा ही दुर्भाग्य आ उपस्थित हुआ है कि इन तीनोंका जहाँना कौन कहें एक भी पूर्ण रूपसे नहीं वर्तमान है। तब भला एकता क्योंकर आयेगी ? जहाँ एककी भाषा दूसरा नहीं समझता और इसी लिये भाव भी एकसे दूसरेका नहीं मिलता। और देशके लिये क्या कहना है जहाँ एक भाषा ही नहीं बल्कि एक देश क्या जाने गया ? अब आप भली भाँति समझ सकते हैं कि वहाँ चाहे एकता क्यों कर आना पसन्द करेगी ? फिर हो चुका ! जहाँ एकता नहीं है वहाँ सब कुछका सत्यानाशही है भला बताइये ! इस बाँचारे दीन भारतका क्योंकर उद्धार हो सकता है ?

एक दिन मेरे मनमें सहसा यह बात उठ पड़ी कि कौन ऐसा उपाय है जिससे एक प्रान्तके हमारे भारत वासी दूसरे प्रान्तके भारतवासी से भली भाँति अपने भाव को प्रकाशकर मैत्री का परिचय दें एवं एक दूसरेके साथपूर्ण सहानुभूतिको बढ़ावें। मेरे मनमें जिस समय यह तरंग उठा था। कि ईश्वरने हमारी उच्छाको पूर्ण करनेके लिये बड़े २ महानुभावोंके हृदयमें भारतमें एक लिपि हो-के विचारका प्रादुर्भाव किया

यस ! सभी बड़े २ विद्वानों के हृदय में यह बात उठने लगी कि कैसे भारत में मात्रमें एक लिपि हो। निदान इसने प्रचारके लिये एक सभा स्थापित हो गई वहाँ उस सभाने भिन्न २ भाषावाकी कई एक पुस्तकें देव नागर अक्षर छपवाभी डाली अब मेरे माहसने मुझे दूना जोर दिया मैंने शत यह पुस्तक

तैयार की इसमें अनेक भाषाएँ हैं जैसे हिन्दी, अगरेजी, उर्दू, बंगला, गुजराती, मराठी, तैलगी, मारवाडी, दिल्लीवाल इनमें जितनी भाषाएँ दी गई हैं उनके अक्षर विन्यास जरूरी व्याकरण एवं बोल चालके शब्द देदिये गये हैं

ऐसे तो बिना स्वार्थके जगत्में कोई भी किसी काममें प्रवृत्त नहीं होता है पर मेरा अधिक परिश्रम अपने देशवासी भाइयों को परस्परमें अपने २ भावको जतानेही के लिये है

यदि केवल रुपयाही कमाने की इच्छा रहती तो आज कल हमारे देशके प्राय अधिकांश नव युवक उपन्यास ही के रसिया बनिक्र होते हैं तो मैं एक तिलश्मकी हवा पिलानेवाला उपन्यास ही निकालता जिससे औरोंकी भाति प्रत्यकर्ता होनेकी लालसा भी मिटजाती और कुछ रुपये भी हाथ लगते पर मेरे उद्योगने उधर ध्यान तक नहीं दिया मेरी बराबर यही उत्कट इच्छा बनी रही कि किस भाति हम चार देशके चार भाई इकट्ठे होकर अपने मनके भाव को जताकर सहानुभूति प्रकट करते बस ! इसी प्रबल इच्छाने ऐसे संग्रह करनेमें मुझे जोरकर प्रवृत्त कराया है इश्वरेच्छासे विद्वान् मनुष्योंने मेरे परिश्रम को सफल भी किया इस पुस्तकके तीन संस्करण हुए तीनों संस्करण हाथों हाथ विक्रमये अब चौथा संस्करण तैयार हुआ है इसमें अनेक सुधार भी किये गये हैं

परिधमके जाननेवाले तथा गुणग्राही पुरुषके पास इसका आदर दिन २ बढ़ता ही जाता है और आशामी है कि इस पुस्तकसे जिनको लाभ पहुँचेगा वे मुझे इसकी वृद्धि करने के लिये उत्साहित करेंगे क्योंकि हमारे शास्त्रकारोंने लिखा है कि- 'फलेन पारिचीयते' अर्थात् फलसे पदार्थ परिचित हो जाता है। इस लिये मेरा इसके विषय में उत्साह बढ़ताही जाता है

मैं इसके विषयमें कुछ अधिक कहना अनुचित समझता हूँ इस लिये पाठकों के सामने गुणप्रशंसा की दिठाई न कर केवल इसका उद्देश्य ही कह कर विराम लेता हूँ आशा है कि हिन्दुस्तानमें एकता फैलानेवाले महा पुरुष तथा व्यवसायमें अनेक भाषा से सम्बन्ध रखने वाले एवं अनेक भाषा में निपुणता प्राप्त करने वाले रसिक ज्ञान इसके प्रचारमें पूरी सहानुभूति देखावेंगे

आपका विनयी
रामलाल नेमाणी

हिन्दी	अंग्रेजी	उर्दू	बंगला	गुजराती	मराठी	तेलुगु	मलयाली	दिल्लीवाली
अ	A	ا	अ	अ	अ	अ	अ	अ
आ	A	آ	आ	आ	आ	आ	आ	आ
इ	I	اِ	ई	ई	ई	ई	ई	ई
ई	I	ای	ई	ई	ई	ई	ई	ई
उ	U	اُ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
ऊ	U	او	ऊ	ऊ	ऊ	ऊ	ऊ	ऊ
ए	E	اَ	ए	ए	ए	ए	ए	ए
ऐ	AI	آی	ऐ	ऐ	ऐ	ऐ	ऐ	ऐ
ओ	O	او	ओ	ओ	ओ	ओ	ओ	ओ
औ	AU	آؤ	औ	औ	औ	औ	औ	औ
अः	AN	اَن	अः	अः	अः	अः	अः	अः
आः	Ah	اِ	आः	आः	आः	आः	आः	आः
क	K	ک	क	क	क	क	क	क
ख	Kh	کھ	ख	ख	ख	ख	ख	ख
ग	G	گ	ग	ग	ग	ग	ग	ग
घ	Gh	گھ	घ	घ	घ	घ	घ	घ
ङ	N	نگ	ङ	ङ	ङ	ङ	ङ	ङ
च	C	چ	च	च	च	च	च	च

हिन्दी	अंग्रेजी	बर्दी	बंगला	गुजराती	मराठी	तेलुगु	मलयाळम	दिक्खिना
छ	Chh	छ	छ	छ	छ	छ	छ	छ
ज	j	ज	ज	ज	ज	ज	ज	ज
झ	jh	झ	झ	झ	झ	झ	झ	झ
ञ	Yan	ञ	ञ	ञ	ञ	ञ	ञ	ञ
ट	T	ट	ट	ट	ट	ट	ट	ट
ठ	Th	ठ	ठ	ठ	ठ	ठ	ठ	ठ
ड	D	ड	ड	ड	ड	ड	ड	ड
ढ	Dh	ढ	ढ	ढ	ढ	ढ	ढ	ढ
ण	N	ण	ण	ण	ण	ण	ण	ण
त	T	त	त	त	त	त	त	त
थ	Th	थ	थ	थ	थ	थ	थ	थ
द	D	द	द	द	द	द	द	द
ध	Dh	ध	ध	ध	ध	ध	ध	ध
न	N	न	न	न	न	न	न	न
प	P	प	प	प	प	प	प	प
फ	Ph	फ	फ	फ	फ	फ	फ	फ
ब	B	ब	ब	ब	ब	ब	ब	ब
भ	Bh	भ	भ	भ	भ	भ	भ	भ

हिन्दी	अंग्रेजी	उर्दू	बंगला	गुजराती	मराठी	तैलुंगी	माखाडी	दिखीवाल
म	M	م	म	म	म	మ	म	म
य	Y	ي	य	य	य	య	य	य
र	R	ر	र	र	र	ర	र	र
ल	L	ل	ल	ल	ल	ల	ल	ल
व	W	و	व	व	व	వ	व	व
श	Sh	ش	श	श	श	శ	श	श
ष	Sh	ش	ष	ष	ष	ష	ष	ष
स	S	س	स	स	स	స	स	स
ह	H	ه	ह	ह	ह	హ	ह	ह
ल	L	ل	ल	ल	ल	ల	ल	ल
ख	Xh	خ	ख	ख	ख	ఖ	ख	ख
त्र	TT	تر	त्र	त्र	त्र	త్ర	त्र	त्र
श	Gna	گنا	श	श	श	శ	श	श
क	K	ك	क	क	क	క	क	क
का	Ka	كا	का	का	का	కా	का	का
कि	Ki	كي	कि	कि	कि	కి	कि	कि
की	Ki	کي	की	की	की	కి	की	की
कु	KU	كو	कु	कु	कु	కు	कु	कु

हिन्दी	अंग्रेजी	उर्दू	बंगला	गुजराती	मराठी	तैलुंगी	मलयाळम	दिक्षीमाला
क	Ku	ک	कू	કૂ	कु	కూ	കൂ	३६
ख	Ke	کے	कै	કૈ	खै	కై	കൈ	३७
ग	Kai	گائی	कै	કૈ	गै	కై	കൈ	३८
घ	Ko	کھ	का	કા	घा	కా	കാ	३९
ङ	Kau	کھو	को	કો	ङा	కా	കാ	४०
च	Kan	کھن	कः	કઃ	चः	కః	കః	४१
छ	Kah	کھ	कः	કઃ	छः	కః	കః	४२
१	1	1	1	1	१	1	1	१
२	2	2	2	2	२	2	2	२
३	3	3	3	3	3	3	3	3
४	4	4	4	4	4	4	4	4
५	5	5	5	5	5	5	5	5
६	6	6	6	6	6	6	6	6
७	7	7	7	7	7	7	7	7
८	8	8	8	8	8	8	8	8
९	9	9	9	9	9	9	9	9
१०	10	10	10	10	१०	10	10	१०

विषयानुक्रमिका ।

हिन्दी भाग पहिला ।

१ खर वर्णमाला	१	२० धर्मशाला	८६
२ व्यञ्जन वर्णमाला	१	२१ तारका कायदा	८८
३ वारहखड़ी	२	२२ हुण्डी	१०१
४ दो अक्षरोंका लेसन	५	२३ पैठ	१०१
५ तीन अक्षरोंका लेसन	५	२४ परपैठ	१०२
६ चार अक्षरोंका लेसन	६	२५ कानूनी बातों का सचेप	१०२
७ सङ्ग सङ्गतपाठ	७	२६ जिनसों का तील और माप	१०३
८ घाणव्यनीति	१३	२७ मोती चउका हिसाब दाण	
९ पहाडे	१७	एक उपर	१०५
१० व्याकरण	२४	२८ तमखा गिनने का कोठक	१२८
११ छ भाषाका व्याकरण अंग्रेजीमें	४८	२९ अधिक मासका कोठक	१३०
१२ चौराशी सगोके नाम जाति, गुण,		३० व्याजका हिसाब	१३०
रग, वर्णन	७३	३१ दूसरेके मनमें धरा हुआ अङ्क	
१३ शिष्टोपदेश	७७	बताने की रीति	१३०
१४ नित्य प्रतिज्ञा	८२	३२ गणित	१३२
१५ ६ ऋतुओंका आहार बिहार	८३	३३ छोडे गाडी का किराया	
१६ ज्ञानोपदेश	८५	कानकता में	१३५
१७ व्यवहार शिक्षा	८६	३४ " धवर्द्ध में	१३५
१८ डाकका कायदा	८८	३५ " मद्रास में	१३६
१९ रेलका कायदा	८९	३६ कछावते	१३७

अङ्ग्रेजी भाग दूसरा ।

३७ इंग्रेजी वर्णमाला	१४५	४० लेसन	१८६
३८ नाम मनुष्योंका	१४८	४१ इंग्रेजी व्याकरण	१८२
३९ शहरोंके नाम	१५०	४२ अंग्रेजी और हिन्दी डिफरेंसरी	३२७

४३ सख्या	३७५	४५ उर्दू वर्णमाला	३७७
४४ अंग्रेजी महिला के नाम	३७६	४६ बारह खंडी	३८५

उर्दू भाग तीसरा ।

४७ अंग्रेजी उर्दू	३८७	४८ छ भाषा के विभक्ती और सर्वनाम	
४८ उर्दू व्याकरण	३८५	का कोष्टक	४१०

बङ्गला भाग चौथा ।

५० सरवर्णमाला	४१५	५१ व्याकरण	४२७
---------------	-----	------------	-----

गुजराती भाग पांचवा ।

५२ गुजराती अक्षर प्रकरण	४३१	५४ पाठ	४३५
५३ जोडा अक्षर प्रकरण	४३४	५५ व्याकरण	४३६

मराठी भाग छठा ।

५६ सोडी अक्षर सरवर्ण	४४७	६२ मराठी के प्रचलित शब्द	४५८
५७ बारह खंडी	४४८	६३ व्याकरण	४५८
५८ पाठ	४५१	६४ छ भाषाकी शब्दावली	४६३
५९ द्वितीपदेश	४५२	६५ पत्र व्यवहार	५१०
६० धर्म	४५३	६६ उपदेश रत्नमाला (अकल शिक्षनेकी	
६१ मराठी कथावते	४५७	वाते)	५८५



INDEXES

Subjects

page

PART I HINDEE

1 Vowels	1	19 Railway Regulations	93
2 Consonants	1	20 Charitable earahansary	96
3 Tables of letters twelve	2	21 Telegraphic rules	98
4 The lessons of words if two letters	5	22 Cheques	101
5 Do Do of three letters	5	23 Penth	101
6 Do Do of four letters	6	24 Purgenth	102
7 Timple sanskrit lessons	7	25 Collection of important rules	102
8 Morals of administration by Chanakya	13	26 Weights & measures of things	103
9 Tables	17	27 Tables and sums for weight of peals	105
10 Grammar	24	28 Tables of monthly pay	129
11 Grammar of five languages in English	48	29 Do of Adhik mas	130
12 Names varrites qualities &c of stones	73	30 Interest account "	130
13 Moral instructions	77	31 The mode of telling oppo- tes intended figures	130
14 Daily duty	82	32 Arithmetic	132
15 Food &c of every season	83	33 Calcutta Carriage rates	135
16 Moral Knowledge	85	34 Bomday Do Do	135
17 Business advises	86	35 Madras Do Do	136
18 Postal guide	89	36 Proverbs	137
		37 Sums of British cheques	145

PART II ENGLISH

38 English Alphabets	149	42 English Urdu Dictionary	327
39 Names of Persons	150	43 Numbers	375
40 Lessons	186	44 Names of English months	376
41 English grammar	192	45 Alphabets	377

PART III URDU

46	Comutation of Urdu letters	385	48	Urdu Grammar	395
47	English Urdu	387	49	Tables of losses of Nouns and pronouns six languages	410

PART IV BENGALI

50	Alphabet	415	51	Grammar	427
----	----------	-----	----	---------	-----

PART V GUJRATI

52	Gujarati simple letters	431	54	Lessons	435
53	Conjunctive letters	434	55	Grammar	436

PART VI MARATTI

56	Vowels	447	62	Ordinary Languages	458
57	Tables of letters twelve in number	448	63	Grammar	459
58	Lessons	451	64	Vacabulary of six languages	468
59	Monals of administration	452	65	Correspondence	510
60	Religious	453	66	Instructions for good morals	585
61	Proverbs	457			

فہرست بہ تفصیل مضامین
حصہ اول ہندی

۱۳	قواعد حکمرانی	۸	۱	تفصیل در بیان حروف عرب کی	۱
۱۷	بہارۃ	۹	۲	تفصیل در بیان حروف صحیح	۲
۲۴	قواعد ہندی	۱۰	۳	تحتی	۳
۴۸	قواعد پنج علوم بہ زبان انگریزی	۱۱	۴	سبق دو حرفی	۴
	اسماء سنگھاتے چوراسی مع اسم	۱۲	۵	سبق بہ حرفی	۵
۷۳	روایات و رنگ		۶	سبق چہار حرفی	۶
۷۷	نصیحت تعلیم	۱۳	۷	سبق آسان و در زبان سنسکرت	۷

۱۰۳	۲۶ وزن و پیمانہ احساس	۸۲	مروہ کی فرص ادائی
۱۰۵	۲۷ موتی چڑکا حساب دانہ ایک اڑپر	۸۳	بیاں طعام خوردنی موسم شش
۱۲۹	۲۸ نشتہ مشاعرہ ماہواری	۸۵	بمدد دصانہ
۱۳۰	۲۹ لوند کے ماہ کی نعرہ	۸۶	بایک دردیوی
۱۳۰	۳۰ سود کا حساب	۸۹	بایک منعلہ ذاکخانہ
	۳۱ دوسرے کے دل میں چپے ہوئے	۹۳	بامست منعلہ رباری
۱۳۰	۳۲ عدہ کے بدلیکی ترکیب	۹۶	ہرم شالہ
۱۳۲	۳۲ حساب	۹۸	بامست منعلہ نابوی
۱۳۵	۳۳ کلندہ کے گہرے گاڑی کا کرانہ	۱۰۱	کدی
۱۳۵	۳۴ نمٹنی کے گہرے گاڑی کا کرانہ	۱۰۱	کت معنی نقل ہندی دوبارہ
۱۳۶	۳۵ مہراس کے گہرے گاڑی کا کرانہ	۱۰۲	بیڈہ معنی ہندی سے تارہ
۱۳۷	۳۶ کھارنس	۱۰۲	بامست قوائیں عدالہ

حصہ دوم انگریزی

۳۷۵	۴۳ تعداد	۱۴۵	مروف تہجی
۳۷۶	۴۴ انگریزی کے نام	۱۴۹	دمنوں کے نام
۳۷۷	۴۵ تختی	۱۵۰	ہروں کے نام
	۴۶ آردر حروف تہجی کے استعمال	۱۸۶	میں
۳۸۵	۴۷ ترکیب	۱۹۲	واعد زبان انگریزی
		۳۲۷	نہی و انگریزی لغات

حصہ سوم اردو

۳۸۳	۴۹ نقشہ شش زبانی دریاں صابر	۳۸۳	انگریزی - اردو
۳۹۵	۵۰ واصلت	۳۹۵	واعد اردو

حصہ چہارم سنگلہ

۴۲۷	۵۱ قواعد سنگلہ	۴۱۵	تفصیل درندل حرف علت کی
-----	----------------	-----	------------------------

حصہ پنجم گجراتی

۴۳۵	۵۲ سن	۴۳۱	گجراتی حرف تہجی
۴۳۶	۵۵ قواعد علم گجراتی	۴۳۶	مشورہ حروف ہزلی گجراتی

૮ ચાણાક્ય નીતિ	૧૩	૨૪ પરપેઠ	૧૦૨
૯ પહાડા	૧૭	૨૫ અદ્યત નીયમ સમ્રાટ રાક્ષેપ	૧૦૨
૧૦ વ્યાકરણ પ્રથમ ભાગ	૨૪	૨૬ વસ્તુઓના તોલ માપ	૧૦૩
૧૧ પાંચ ભાષાનું અંગ્રેજીમાં વ્યાકરણ	૪૮	૨૭ મોતીના હીસાબ અને એટલે	
૧૨ જવાહરાતના ચોરાસી પથરના નામ,		દાણા ઉપર	૧૦૫
૨૩, ગુણ વગેરે	૭૨	૨૮ પગારનો હીસાબ ગણવાનું કોષ્ટક	૧૨૯
૧૩ શિક્ષાપદ્ધતિ	૭૭	૨૯ અધિક માસનું કોષ્ટક	૧૩૦
૧૪ નિલયપ્રતિકૃત	૮૨	૩૦ વ્યાજનો હીસાબ	૧૩૦
૧૫ ૭ ઋતુઓના આહાર વીહાર	૮૩	૩૧ બીજાના મનમાનો આકરો કરવાની	
૧૬ સારોપદેશ	૮૫	રીત	૧૩૦
૧૭ બવહાર શિક્ષા	૮૬	૩૨ ગણીત	૧૩૨
૧૮ પોસ્ટના નિયમો	૮૮	૩૩ ધોડા ગાડીનો દર કલકત્તાનો	૧૩૫
૧૯ રેલ્વેના કાયદા	૮૯	૩૪ " યુબાઇનો "	૧૩૫
૨૦ ધર્મરાજાઓ	૯૬	૩૫ " મદ્રાસનો "	૧૩૬
૨૧ તાર ખાતાની નિયમાવલી	૯૮	૩૬ કહેનતો	૧૩૭
૨૨ હુડી	૧૦૧		
૨૩ પેઠ	૧૦		

ભાગ ૨જો-ઈંગ્રેજી.

૩૭ ઈંગ્રેજી વર્ણમાલા	૧૪૫	૪૧ ઈંગ્રેજી વ્યાકરણ	૧૮૨
૩૮ મનુષ્યોના નામ	૧૪૮	૪૨ ઈંગ્રેજી અને હિન્દી ડિક્શનેરી	૩૨૭
૩૯ શબ્દરેખાનામ	૧૫૦	૪૩ સપ્તા	૩૭૫
૪૦ પાઠો	૧૫૬	૪૪ ઈંગ્રેજી મહીનાનું નામ	૩૭૬

ભાગ ૩ ઉર્દુ.

૪૫ ઉર્દુવર્ણપ્રયોગ નિયમ	૩૭૦	૪૮ ઉર્દુવ્યાકરણ	૩૮૫
૪૬ બારાક્શરી	૩૮૫	૪૯ ૭ ભાષીની વિભક્તિ અને સર્વના-	
૪૭ ઈંગ્રેજી-ઉર્દુ	૩૮૭	૫૦ મોનું કોષ્ટક	૪૧૦

भाग ४ थे अंगला-

५० २२२-५५	४२५	५२ व्याकरण	४२७
-----------	-----	------------	-----

भाग ५ मे गुजराती

५२ गुजराती भूगोल प्रकरण	४३१	५४ पाठ	४३५
५३ भूगोल प्रकरण	४३४	५५ व्याकरण	४३६

भाग ६ ठे मराठी,

५४ मराठी व्याकरण वर वर्णमाना	४४७	६२ अनित्य	४५८
५७ व्याकरण	४४८	६३ व्याकरण	४५९
५८ पाठ	४५१	६४ ७ व्याकरण शब्दकोष	४६३
५९ हिंदीपदेश	४५२	६५ ५१ व्याकरण	४६०
६० धर्म	४५३	६६ उपदेश वरमाना व्याकरण सीपराती	४६५
६१ अर्थ	४५७	वाते	४६५

मराठी भाग पडिला हिन्दी ।

१ स्वरवर्णमाना	१	१५ सहा सहा न वागणूची पडली	८५
२ व्यञ्जनवर्णमाना	१	१६ ग्रामीण	८५
३ वाराखंडी	२	१७ व्याकरण नीती	८६
४ दोन पक्षी शब्द	५	१८ पोखरात्यालीन कायदे	८८
५ तीन पक्षी शब्द	५	१९ वागणूडीचे कायदे	८९
६ चार पक्षी शब्द	६	२० इस्ट इन्डियन रेलवे वर धर्म	
७ सरळ संस्कृत पाठ	७	शाळा असलेल्या इंग्रजीनाचे	८९
८ वाणच नीती	१३	२१ सारयनाचे कायदे	८८
९ पाठ	१७	२२ कुडी	१०१
१० व्याकरण	२४	२३ पैठ	१०१
११ साडा भाषांचे व्याकरण	४८	२४ परपठ	१०२
१२ चौथागी रक्षाची नावे	७३	२५ स्टॅप पॅक	१०२
१३ शिचीपदेश	७७	२६ कोष्टके	१०२
१४ रोजची कर्तव्यकर्म	८२		

२० मोत्यांच्या किमतीचे कोष्टक	१०३	२२ चण्ड गणीत	१२२
२८ पगार मोजण्याचे कोष्टक	१२८	२३-२४-२५ कनकसो मुवई व मद्रास	
२८ अधिक साम निणय	१२०	येथील चौद्या गाव्याचे	१२५, १२५
३० व्याज याकारणो	१३०	माव्याची माहिती	१२६
३१ मतिताई माडमिण्याचोराति	१३०	२६ न्हर्णाचा कोप	१३०

भाग-दुसरा दुसरो ।

३० इपेजी वणमाना	१४५	३२ इपेजी शब्दा वरून जिन्या शब्द	
३८ मानमांचो नावे	१४८	का'टण्याचा कोश	१२०
३८ गहराचेनाव	१४०	३३ मर्या	३०५
४० धडे	१८६	३४ इपेजी महिन्यांची नावे	३०६
४१ इपेजी व्याकरण	१८२		

भाग ३ उट्ट ।

४५ वाराण्डो	३००	४८ उडट्ट व्याकरण	३८१
४६ उडट्ट वणमानाचे प्रयोग करणाचे नियम	३८५	४८ मजा भाषा विभक्ती व मयनामाचे कोश	४१०
४७ इपेजी भाषा उडट्ट	३८०		

भाग ४ वंगला ।

५० स्वरवर्णमाना	४१५	५१ व्याकरण	४२०
-----------------	-----	------------	-----

भाग ५ गुजराथी ।

५२ गुजराथी अक्षर प्रकरण	४२१	५४ धडे	४२५
५३ जोडाक्षर प्रकरण	४२४	५५ व्याकरण	४२६

भाग ६ मराठी ।

५६ सामबोध व मोडी मूळाचे	४४०	५७ एचिहित शब्द	४५८
५७ वाराण्डा	४४८	५८ व्याकरण	४५८
५८ धडे	४५१	५९ मजाभाषाचा कोश	४६२
५८ द्वितीपदेग	४५३	६० लेखन पद्धती	४६०
६० सामबा धर्म	४५५	६१ उपदेग वयमाया अक्षर निखण्णाची	४६५



पारस्य नैरेगा विद्या ।
वैरा-गा ।
७-विज्ञाने (राजपूताना)

यगजाननपद्मायै गजानन महर्निभम् ।

यनेकदत्तभक्तानामेकदन्तमुपाप्महे ॥ १ ॥

यत्नामि वाचस्पतिमन्त्रेण साराणि सन्धु यद्यमण्डलीय ।

मुक्ताऽक्षमूचत्वमुपेतियस्या सा समसादाऽस्तु सरस्वती य ॥ २ ॥

स्वरवर्णमाला ।

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ॠ
लृ	लृ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः

व्यञ्जनवर्णमाला ।

क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श
ष	स	ह	क्ष						
१	२	३	४	५	६	७	८	९	०

वारहखड़ी ।

क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	क	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	ख	खः ।
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	ग	गः ।
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घ	घः ।
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	च	चः ।
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छ	छः ।
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	ज	जः ।
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झ	झः ।
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	ट	टः ।
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठ	ठः ।
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	ड	डः ।
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढ	ढः ।
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णौ	ण	णः ।
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	त	तः ।
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थ	थः ।
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	द	दः ।

ध धा धि धी धु धू धे धै धो धौ ध धि धि ।
 न ना नि नी नु नू ने नै नो नौ न न ।
 प पा पि पी पु पू पे पे पो पौ प प ।
 फ फा फि फी फु फू फे फै फो फौ फ फ ।
 व वा वि वी वु वू वे वै वो वौ व व ।
 भ भा भि भी भु भू भे भै भो भौ भ भ ।
 म मा मि मी मु मू मे मै मो मौ म म ।
 य या यि यी यु यू ये यै यो यौ य य ।
 र रा रि री रु रू रे रै रो रौ र र ।
 ल ला लि ली लु लू ले लै लो लौ ल ल ।
 व वा वि वी वु वू वे वै वो वौ व व ।
 श शा शि शी शु शू शे शै शो शौ श श ।
 प पा पि पी पु पू पे पे पो पौ प प ।
 स सा सि सी सु सू से सै सो सौ स स ।
 ह हा हि ही हु हू हे हं हो हौ ह ह ।
 ज जा जि जी जु जू जे जै जो जौ ज ज ।

क ख ग घ ङ च छ ज्ञ भ य र ल व श ।
 द ण त थ द ध न प फ व भ म्य ।
 य ख ल य श थ स ह च्य ।

ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ
 ग न न न न न न न न न न ।
 स्व स्व ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह
 ण ण स स स स स स स स स स
 ण ण ह ह न न न ।

क ख ग घ ङ च छ ज्ञ भ य र ल व श ।
 द ण त थ द ध न प फ व भ म्य ।

क ख ग घ ङ च छ ज्ञ भ य र ल व श ।
 द ण त थ द ध न प फ व भ म्य ।

क ख ग घ ङ च छ ज्ञ भ य र ल व श ।
 द ण त थ द ध न प फ व भ म्य ।

क ख ग घ ङ च छ ज्ञ भ य र ल व श ।
 द ण त थ द ध न प फ व भ म्य ।

क ख ग घ ङ च छ ज्ञ भ य र ल व श ।
 द ण त थ द ध न प फ व भ म्य ।

क ख ग घ ङ च छ ज्ञ भ य र ल व श ।
 द ण त थ द ध न प फ व भ म्य ।

क ख ग घ ङ च छ ज्ञ भ य र ल व श ।
 द ण त थ द ध न प फ व भ म्य ।

दो अक्षरोंका लिसन ।

का	काकी	बाबा	बाबो	दादा	दादी
चा	चाची	नाना	नानी	मासा	मामी
छा	छाची	छोरा	छोरी	सासा	सानी
फा	फूफी	जीजा	जीजी	रास	नीना
भा	भर	चद	मन	भाना	सिध
ल	लाल	काला	देव	राग	रूप
ख	चद	सुख	मन	दिव	दास
य	साथ	मन	भानु	भगा	हरे
पि	रवि	दत्त	हरी	राम	कासी
व	दाज	रघ	कालु	दुर्गा	दीन
ढा	धनो	पिता	पुरी	खावो	पच्छा

ता दयालु है बाबा जाता है मामी भर्मतालु है काका कपालु है
 चा जाता है मामा अजनेर गया दादा दादी खर्ग में है चाची रसोई बनाती है
 ली बहुत पचन है भानु समता है कालु भागता है यह फल अच्छा है

तीन अक्षरोंका लिसन ।

दिये	जाने दो	किसको	कचोडो	सुनिधे
डका	क्याकहा	कहाताहूँ	सुनताहूँ	कहीतो
नीतो	प्राइये	बैठिये	देखिये	किसको
सकी	कौन है	बहो है	प्रायाहूँ	कहासे
ठना	रखना	व्यादा	पाराम	करोगे
रना	देदना	अकाल	करना	मधूर
रीव	चौपाया	विरण	यानक	रोता है
वर	कापना	रसीद	बादल	आते हैं
कसान	करना	लिखना	जमीन	अच्छी है
लाका	मदद	बधना	कितना	हमारी

रवि रति तीक्ष्णो भवति शरदि नभोमण्डलं निर्मलं भवति । षोड-
 देवो मुग्धप्रोध व्याकरणं प्रणीतवान् । पक्षिणो रात्रौ वृक्षशाखायां
 निवसन्ति । साधवः सर्वभूतेषु दयां कुर्वन्ति । कालीदासो बह्वनि
 काव्यानि रचितवान् । सज्जनो बाहुवलेन पृथिवीमजयत् । युधि-
 शिरः सदा सत्यमुवाच । उद्योगी पुरुषो लक्ष्मीमुपैति कापुरुषा
 एवदैवमवलम्बन्ते ।

चतुर्थ पाठः ।

पाटलिपुत्र नगरे चन्द्रगुप्तेनाम राजावभुव । चाणक्यश्चन्द्र-
 गुप्तस्य नरपतेरमात्य आसीत् । परशुरामः पृथिवीं निःक्षत्रियास-
 करोत् । धृतराष्ट्रो जन्मान्ध आसीत् तेन राज्यं न प्राप । रामः
 पितुरादेशात् सीतया लक्ष्मणेन च सह वनं जगाम । भीमो गदा-
 धातेन दुर्योधनस्य ऊरुं बभञ्ज । चन्द्रं दृष्ट्वा मनसो महान् हर्षो
 जायते । आकाशि रजन्त्यामसङ्ख्यानि नक्षत्राणि दृश्यन्ते रात्रौ
 प्रभातार्या पूर्वस्यां दिशि सूर्यः प्रकाशते । वसन्तागमे तरुषु लतासु
 च नवपक्षवानि कुसुमानि च जायन्ते ।

पञ्चम पाठः ।

यो वाल्ये विद्यां नोपार्जयति स चिराय सुखो भवति । यो
 दयालु भवति स दोनेभ्यो धनं ददाति । यः क्षुण्णो भवति स
 आत्मानमपि वञ्चयते । यो बन्धुवाक्येन शृणोति स विपद्माप्नोति ।
 प्रसिद्धताः । शास्त्रेणोचनया कालं यापयन्ति । सुखी निद्रया कल-
 हेन च समयमतिवाहयन्ति । यः शठेषु विश्वसिति स आत्मको

मृत्युमाह्वयति । यो विपदि सहायो भवति स एव यथार्थवन्धु ।
यो दुर्जनेन सह मैत्री करोति स पदे पदे विपदमाप्नोति । यस्य
कुल शीलं च न ज्ञायते न तस्मिन् सहसा विश्वसनीयम् । यत्नेन
विना किमपि न सिध्यति तस्मात् सर्वेषु कार्येषु यत्नः करणोयः ।

पठ, पाठ ।

सदा सत्यं ब्रूयात् । सर्वे मत्प्रवादिनमाद्रियन्ते तस्य वचसि
विश्वासं कुर्वन्ति च । यो हि मिथ्यावादी भवति न कोऽपि
तस्मिन् विश्वसिति ।

सदा प्रियं ब्रूयात् । प्रियवादी सर्वस्य प्रियो भवति ।

विद्या हि परमं धनम् । यस्य विद्याधनमस्ति स सदा सुखेन
कालं नयति । श्रमेण यत्नेन च विना विद्या न भवति तस्मात्
विद्यालाभाय श्रमो यत्नश्च विधेयः । विद्या विना वृथा जीवनम् ।

‘दालस्यं सर्वेषां दोषाणामाकरं । अलसा विद्यामुपाज्जयितुं
न शक्नुवन्ति धनं न लभन्ते । अलसाना चिरमेव दुःखम् । तस्या-
दालस्यं परित्यजेत् ।

मातापितरौ पुत्रार्थं बहून् क्लेशान् महति । तयोर्नित्यं प्रियं
कुर्यात् । कार्येन मनसा वाचा तयोर्हितं चिन्तयेत् । तयो-
स्ततः भक्तिमान् भवेत् । प्रांशाल्येऽपि तयोरवमानना न कार्या ।
तयोरनुमतिं विना न किञ्चित् कर्म कर्तव्यम् ।

सप्तम पाठ

अतिभोजः रोगमूलम् आयुक्षयकरम् । तस्मादतिभोजन
परिहरेत् ।

योऽस्मान्ध्यापयति सोऽस्माक परमो गुरुः । स हि पितृवत्
पूजनीयः । विद्यादाता जन्मदाता द्वाविव समानौ सम मान-
नीयौ च ।

क्रोध यत्नेन वर्जयेत् । क्रोधवशो न परप भाषेत न कसपि
ग्रहरेत् । क्रोधो हि सहान् शत्रुः ।

सर्व परवशं दुःखम् । सर्वमात्मवश सुखम् । एतदेव सुख-
दुःखयोर्लक्षणम् ।

परहिंसाया परापकारे च बुद्धिर्न कार्या । तयोः समं पापं
नास्ति ।

यथाशक्ति परेपासुपकारं कुर्यात् । परोपकारी हि परमो
धर्मः ।

अहङ्कारं परिहरेत् । नाहङ्कारात् परो रिपुः ।

सन्तुष्टस्य सदा सुखम् । य आत्मनः सुखमन्विच्छेत् स
सन्तोषमवलम्बते । सन्तोषमूलं हि सुखम् ।

षष्ठम. पाठ ।

गमिष्यामि

जाऊंगा ।

ब्रह्मानीमेवाऽऽगच्छामि ।

अभी आता हू ।

तत्र किं कार्यमस्ति ?

वहाँ क्या काम है ?

अद्य किं किं कुर्याम्

आज क्या क्या करूँ ?

भवन्त कुतल्या. ?

आप कहाँ से हैं ?

तव किन्नामस्ति ?

तेरा क्या नाम है ?

किं करणीयम् ?

क्या करना चाहिये ?

उत्तिष्ठ

उठ ।

प्रातःकालोजातः ।

सवेरा हुआ ।

पूर्वं किं पठनीयम् ?

पहिले क्या पढ़ना चाहिये ?

किमनेन पठितेन भविष्यति ?

इसके पढ़ने से क्या होगा ?

किं कथनीयम् ?

क्या कहना है ?

चालयामि

चलता हू ।

गच्छ

जाना ।

जनं देहि

जन दे ।

उत्तिष्ठामि

उठता हू ।

सर्वं उत्थापिताः

मन उठादिये ।

अयं किमध्यति ?

यह क्या पढ़ता है ?

न्यायशास्त्रम्

न्यायशास्त्र की

कदाऽऽगमिष्यसि ?

कब आयोगे ?

द्वितीये मासे

दोमहिने में ।

अस्य कदा जन्माभूत् ?

इसका कब जन्म हुआ था ?

कदा गतोसि ?
 किं कुर्याम् ?
 आनय
 शृणोसि
 अस्यां मञ्जुपायां किमस्ति ?
 नैव कीनचित्खल्वन्ततादिकं वक्तव्यम्
 विचार' कर्तव्यः
 क्व गच्छेय ?
 रामस्य उद्याने
 त्वं किं कर्तुं गच्छसि ?
 पोठाय व्रजामि ।
 भवान् कति वार्षिकः ?
 तव कति भातरो भगिन्यश्च ।
 यस्येच्छाऽस्ति ।
 भुञ्जीध्वम् ।
 अत्युत्तमा सम्पन्ना
 किं कथनीयम् ?
 प्रभूत भुक्तम् ।
 तर्हि उत्तिष्ठत ।
 चेवाणि कर्षन्तु ।
 व्रीहय'
 गोधूमा

कब आया है ?
 क्या कर ?
 लाइये ।
 सुनत ह ।
 इस सटूक में क्या है ?
 कभी किसी को भूठ बोलना नहीं चाहिये
 विचार करना चाहिये ।
 कहाँ चले ?
 रामकी बागमें ।
 तू क्या करने को जाता है ?
 पढ़ने के लिये जाता ह ।
 आप कितने वर्ष के हुए ?
 तेरे कितने भाई और बहिन है ।
 जिनकी इच्छा हो ।
 भोजन कीजिये ।
 बड़े उत्तम हुए है ।
 क्या कहना है ?
 बहुत भोजन किया ।
 तो उठिये ।
 खेत जोतो ।
 धान ।
 गेह

चाणक्यनौति ।

नानाशास्त्रोद्धृतं वक्ष्ये राजनीतिसमुच्चयम् । सर्वधीर्जासिद्धं
शास्त्रं चाणक्यं सारसग्रहम् ॥ मूलसूत्रं प्रवक्ष्यामि चाणक्येन
यथोदितम् । यस्य विज्ञानमोक्षेण मूर्खो भवति पण्डितः । विद्व
त्त्वञ्च नृपत्वञ्च नैवतुल्यं कदाचन । स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान्
सर्वत्र पूज्यते ॥ १ ॥ पण्डिते च गुणा सर्वे मूर्खे दीपा हि केवलम् ।
तस्मान्मूर्खसहस्रेषु प्राज्ञ एको विशिष्यते ॥ २ ॥ मातृवत् परदारेषु
पण्डित्येषु लोभवत् । आत्मवत् सर्वभूतेषु यः पश्यति स पण्डितः ॥ ३ ॥
किं कुलेन धनेनापि गुणहीनस्तु यो नरः । अकुलीनोऽपि शास्त्रज्ञो
दैवतैरपि पूज्यते ॥ ४ ॥ रूपयौवनसम्पन्ना विशालकुलसम्भवा ।
विद्याहीना न शोभन्ते निर्गन्धा इव किशुका ॥ ५ ॥ नक्षत्रभूषणं
चन्द्रो नारौणा भूषणा पतिः । एश्विनीभूषणं राजा विद्या सर्वस्य
भूषणम् ॥ ६ ॥ माता शत्रुः पिता वरुणः येन बालो न पाठितः ।
सभासध्ये न शोभन्ते हसमध्ये वक्त्रो यथा ॥ ७ ॥ वरमेको गुणी
पुत्रो न च मूर्खशतेरपि । एकश्चन्द्रस्तमो हन्ति न च तारागणो-
ऽपेसन् ॥ ८ ॥ लालयेत् पञ्चवर्षाणि दशवर्षाणि ताडयेत् । प्राप्ते तु
षोडशे वर्षे पुत्रं मित्रवदाचरेत् ॥ ९ ॥ एकेनापि सुवृक्षेण पुष्पितेन
सुगन्धिना । वासितं तदनं सर्वं सुपुत्रेण कुलं यथा ॥ १० ॥ एको
नापि कुपूक्षेण कोटरस्थेन वज्रिना । दहते तदनं सर्वं कुपुत्रेण
कुलं यथा ॥ ११ ॥ दूरतः शोभते मूर्खो लम्बशटपटावृतः । तावच्च
शोभते मूर्खो यान्त्किञ्चिन्न भाषते ॥ १२ ॥ विषादप्यमृतं याज्ञ-
समेध्यादपि काञ्चनम् । नोचादप्युत्तमं विद्या स्त्रीरत्र दुष्कृता
दपि ॥ १३ ॥ उत्सवे व्यसने चैव दुर्मित्रे शत्रु विग्रहे । राजद्वारे

श्मशाने च यस्तिष्ठति । न वान्धवः ॥ १४ ॥ परोक्षे कार्येहन्तार
 प्रत्यक्षे प्रियवादिनम् । वर्जयेत्तादृशं मित्रं विपकुम्भं पयो मुखम् ॥ १५ ॥
 सकृददृष्टं मित्रं यः पुनः सम्भास्यति ॥ स मृत्युमुपगच्छति ।
 गर्भमश्वतरौ , यथा ॥ १६ ॥ न विश्वमेदं विश्वं मित्रं चापि न ,
 विश्वसेतुः । कदाचित् कुपितं मित्रं सर्वदोषं प्रकाशयेत् ॥ १७ ॥
 उपकारगृहीतेन शत्रुणा शत्रुमुद्धरेत् । पादलग्नकरस्थेन कण्ठके
 नेव कण्ठकम् ॥ १८ ॥ न कश्चित् कस्यचिन्मित्रं न कश्चित् कस्य
 चिद्रिपुः । कारणेन हि जायन्ते मित्राणि रिपवस्तथा ॥ १९ ॥
 दुर्जनं प्रियवादी च नैव विश्वासकारणम् । सधु तिष्ठति निहान्ते
 हृदये तु हनाहलम् ॥ २० ॥ दुर्जनः परिहर्तव्यो विद्यायाऽलङ्कृतोऽपि
 स । मणिना भूषितः सर्पः किमसौ न भयङ्करः ॥ २१ ॥ नदीनां
 नखिना चैव शृङ्गिणा शस्त्रपाणिनाम् । विश्वासो नैव कर्तव्यः स्त्रीणां
 राजकुलस्य च ॥ २२ ॥ हस्ती हस्तसहस्रेण दशहस्तेन वाजिनः ।
 शृङ्गिणः शतहस्तेन स्थानत्यागिनः दुर्जनः ॥ २३ ॥ आपदर्थं धनं
 रक्षेद्द्वारान् रक्षेद्भनैरपि । आत्मानं सततं रक्षेद्द्वारैरपि धनैरपि ॥ २४ ॥
 परदारं परद्रव्यं परिवादं परस्य च । परिहासं गुरोः स्थाने चाप-
 ल्यञ्च विवर्जयेत् ॥ २५ ॥ त्यजेदेकं कुलस्यार्थं ग्रामस्यार्थं कुलं
 त्यजेत् । ग्रामं जनपदस्यार्थं आत्मार्यं पृथिवीन्त्यजेत् ॥ २६ ॥ चल-
 त्येकेन पादेन तिष्ठत्येकेन बुद्धिमान् । प्रसमीक्ष्य परस्थानं पूर्वं
 मायतनं त्यजेत् ॥ २७ ॥ लुब्धमर्थेन गृह्णीयात् क्रुद्धमञ्जलिकर्मणा ।
 मूर्खं हन्तोऽनुवृत्तेन तथा सत्येन परिहृतम् ॥ २८ ॥ अर्थनाशं मन-
 स्तापं ग्रहे दुश्चरितानि च । वस्त्रनाश्यापमानञ्च मतिमान् प्रका-
 शयेत् ॥ २९ ॥ धनधान्यप्रयोगेषु तथा विद्यागमेषु च । आहारे

व्यवहारे च त्यक्तानज्ज. सुखी भवेत् ॥ ३० ॥ धनिनः श्रावियो राजा
नदीवैद्यस्तु पञ्चम । पञ्च यत्र न विद्यन्ते तत्र वास न कारयेत् ॥ ३१ ॥
ग्रस्मिन् देशे न सम्मान न प्रीतिर्न च वान्धवाः । न च विद्यागम
कश्चि त्तं देशं परिवर्जयेत् ॥ ३२ ॥ मनसा चिन्तित, कर्म, वचसा
न प्रकाशयेत् । अन्यनचितकार्यस्य यतः सिद्धिर्न जायते ॥ ३३ ॥
कुटेश्च कुट्टिश्च कुभाय्यां कुनदीं तथा । कुद्रव्यश्च कुभोज्यश्च
वर्जयेच्च विचक्षणः ॥ ३४ ॥ षट्पाशेषोऽग्निशेषश्च व्याधिशेषस्तथैव च ।
पुनश्च वर्ज्यते यस्मात्तस्मात् शेषश्च कारयेत् ॥ ३५ ॥ चिन्ताज्वरो
मनुष्याणां वस्त्राणामातपो ज्वर । असौभाग्य ज्वर स्त्रीणां
मश्वानां मैद्युन ज्वरः ॥ ३६ ॥ अस्ति पुत्रो वशे यस्य व्रते भाय्यां
तथैव च । अभावे सति मन्तोप, स्वर्गस्थोऽसौ महीतले ॥ ३७ ॥
दुष्टा भाय्यां शठं मित्रं भृत्यश्चोत्तरदायकः ॥ ससर्पे च गृहे वासो
मृत्युरेव न सशयः ॥ ३८ ॥ माता यस्य गृहे नास्ति माय्या चाप्रिय
वादिनी । अरण्यं तेन गन्तव्यं यथारण्यं तथा गृहम् ॥ ३९ ॥ ऋण
कर्त्ता पिता शत्रु माता शत्रुर्हि चारिणी । भाय्यां रूपवती, शत्रुः पुत्र
शत्रु, क्षुपण्डितः ॥ ४० ॥ कौकिलानां स्वरूपं नारीणां पतिव्रतम् ।
विद्या रूपः कुरुपाणां क्षमा, रूपः तपस्विनाम् ॥ ४१ ॥ अविद्या
जीवनं शून्यं द्विक् शून्या चाप्य वान्धवा । पुत्रहीनः गृहशून्यसर्व
शून्य हरिद्रता । अदाता वशदोषेण कर्मदोषाहरिद्रता । उन्मादो
मातृदोषेण पितृदोषेण मूर्खता ॥ ४२ ॥ गुरुर्गर्भिणी जातीनां वर्णना
ब्राह्मणी गुरु । पतिरर्को गुरुः स्त्रीणां सर्वस्याभ्यागतो गुरुः ॥ ४३ ॥
अतिदर्पे हता लङ्का अतिमाने च कौरवाः । अतिदाने बलिर्वह्नः
सर्वमत्यन्तगर्हितम् ॥ ४४ ॥ वस्त्रहीनस्त्वज्जहारो घृतहीनश्च भोजनम् ।

स्तनहीना च या नारी . विद्याहीनश्च जीवनम् ॥ ४६ ॥ भोज्यं
 भोजनशक्तिश्च रतिशक्तिर्वरा स्त्रियः । विभवो दानशक्तिश्च नालपस्य
 तपसः फलम् ॥ ४७ ॥ पुत्रप्रयोजना दारा पुनःपिण्ड प्रयोजनः
 हितप्रयोजन मित्त धनं सर्वप्रयोजनम् ॥ ४८ ॥ दुर्लभं प्राकृतं वाक्यं
 दुर्लभः पुत्रपण्डितः । दुर्लभासदृशी भार्या दुर्लभः स्वजनः प्रियः ॥ ४९ ॥
 शैले शैले न माणिक्य मौक्तिकं न गजे गजे । साधवो नहि सर्वत्र
 चन्दनं न वने वने ॥ ५० ॥ अशोच्या निर्धनः प्राज्ञोऽशोच्यः पण्डित
 वान्धवः । अशोच्या विधवा नारी पुत्रपौत्रप्रतिष्ठिता ॥ ५१ ॥ अविद्या
 पुरुषः शोच्यः शोच्या मैथुनमप्रजम् । निराहाराः प्रजाः शोच्याः
 शोच्य राज्यमराजकम् ॥ ५२ ॥ कुलीनैः सह सम्पर्कं पण्डितैः सह
 मित्रताम् । जातिभिश्च समं मेलं कुर्वाणो न विनश्यति ॥ ५३ ॥
 कष्टा वृत्ति पराधीना कष्टो वासो निराश्रयः । निर्धनो व्यवसायश्च
 सर्वकष्टा दरिद्रता ॥ ५४ ॥ तस्करस्य कुतो धर्मदुजनस्य कुतः
 क्षमा । विद्यानाश्वकुतः स्नेहः कुतः सत्यञ्च कामिनाम् ॥ ५५ ॥
 प्रेषितस्य कुतो मानः कोपनस्य कुतः सुखम् । कुतः स्त्रीणां सती
 त्वञ्च कुतो प्रीतिः खलस्य च ॥ ५६ ॥ दुर्बलस्य बलं राजा बालानां
 रोदनं बलम् । बलं मूर्खस्य मौनत्वं ज्ञौराणामनृतं बलम् ॥ ५७ ॥
 यो ध्रुवाणि पण्डित्यञ्च अध्रुवं परिवसेवते । ध्रुवाणि तस्य नश्यन्ति
 अध्रुवं नष्टमेव च ५८ ॥ शुष्कं मासं स्त्रियो दृष्ट्वा बालाकं स्तरुणं
 दधि । प्रभाते मेथुनं निद्रां सद्यः प्राणहराणि षट् ॥ ५९ ॥ सद्यो-
 मासं नवान्नञ्च बालास्त्री घोरभोजनम् । घृतमुष्णोदकञ्चैव सद्यः प्राण
 कराणि षट् ॥ ६० ॥ सिंहादेकं वकादेकं षट्शनस्त्रीणि गर्हभात् ।
 वायसात् पञ्च शिचेच्च चत्वारि कुक्कुटादपि ॥ ६१ ॥

१ से १०० तक का ।

१	११	२१	३१	४१	५१	६१	७१	८१	९१
२	१२	२२	३२	४२	५२	६२	७२	८२	९२
३	१३	२३	३३	४३	५३	६३	७३	८३	९३
४	१४	२४	३४	४४	५४	६४	७४	८४	९४
५	१५	२५	३५	४५	५५	६५	७५	८५	९५
६	१६	२६	३६	४६	५६	६६	७६	८६	९६
७	१७	२७	३७	४७	५७	६७	७७	८७	९७
८	१८	२८	३८	४८	५८	६८	७८	८८	९८
९	१९	२९	३९	४९	५९	६९	७९	८९	९९
१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०	१००

१ से १० तक का पहाडा ।

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०
३	६	९	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०
४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०
५	१०	१५	२०	२५	३०	३५	४०	४५	५०
६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	६०
७	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	६३	७०
८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	६४	७२	८०
९	१८	२७	३६	४५	५४	६३	७२	८१	९०
१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०	१००

अक्षर	स्थान	नाम
अ, आ, कवर्ग और विसर्ग	कण्ठ	कण्ठ्य
इ, ई, चवर्ग और य श	तालु	तालव्य
ऋ ऌ र और टवर्ग	मूर्धा	मूर्धन्य
स ख ल और तवर्ग	दन्त	दन्त्य
उ ऊ और पवर्ग	ओष्ठ	ओष्ठ्य
ए ऐ	कण्ठ और तालु	कण्ठतालव्य
ओ औ	कण्ठ और ओष्ठ	कण्ठोष्ठ्य
अनुस्वार और ङ ज म ण न	नासिका जिह्वा का अग्रभाग	नासिक्य
ह ढ	स्रष्ट कर मूर्धा से मिलने पर	द्विस्रुष्ठ

(१३) जानना चाहिये अकारादि सानुनासिक होते हैं और सानुनासिक के जानने के लिये इनके सिरपर * ऐमा चिन्ह लिखते हैं जिस को अर्ध चन्द्र कहते हैं जैसे —**आँस**

स्वर यह हैं —

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ऌ ए ऐ ओ औ अ अ व्यञ्जन यह हैं —
क ख ग घ ङ । च छ ज झ ञ । ट ठ ड ढ ण । त थ द ध न । प फ ब भ म ।
य र ल व श ष । स ह ष त्र ष ।

इन अक्षरों के भागे 'कार' के जोड़ने से उन्ही अक्षरों का बोध होता है कि जिन के भागे यह लगाया जाता है, जैसे —अकार से 'अ' और मकार से 'म' समझा जाता है ।

सन्धि ।

(१४) जब दो अक्षर निकट रहने पर मिल जाते हैं तो उन के मेल से जो विकार होता है उस को सन्धि कहते हैं । सन्धि तीन प्रकार की होती है—स्वरसन्धि व्यञ्जन और स्वरसन्धि ।

(१५) स्वर के साथ स्वर का मेल होनेसे जो विकार होता है उसको स्वरसन्धि

कहते हैं और, स्तर या व्यञ्जन के साथ व्यञ्जन का मेल होनेसे जो विकार होता है उसकी व्यञ्जन सन्धि और विसर्ग के साथ व्यञ्जन वा स्वर के मेल होनेसे जो विकार होता है उसे विसर्ग सन्धि कहते हैं ।

स्वरसन्धि ।

(१६) जब दो स्वस्वर या दीर्घ इकट्ठे हों तो दोनों मिलकर एक दीर्घ स्वर हो जाता है । जैसे — राम + भुज = रामाभुज , हिम + पालय = हिमापय , विद्या + चर्यो = विद्यार्यो , गदा + पाघात = गदाघात , कवि + इन्द्र = काविन्द्र मही + ईश्वर = महीश्वर , महती + इच्छा = महतीच्छा , साधु + उपाय = साधुपाय गुरु + ऊह = गुरुह , बधु + ऊहनम् = बधुहनम् , स्वयम्भू + उदय = स्वयम्भूदय ।

(१७) यदि अकार या आकार के पागे इकार या इकार हों तो दोनों मिलकर एकार हो जाता है उकार या ऊकार हों तो दोनों मिलकर ओकार हो जाता है , और ऋकार हों तो अर् हो जाता है और ऋकार ऊपर आकर ऐक हो जाता है । जैसे —

नर + इन्द्र = नरेन्द्र , गण + इश = गणेश , रमा + ईश = रमेश , भाग्य + उदय = भाग्योदय , महा + उस्ताव = महास्ताव , जन + ऊर्गि = जनोर्गि , गङ्गा + ऊर्गि = गङ्गोर्गि हिम + ऋतु = हिमर्तु महा + ऋषि = महर्षि आदि ।

(१८) यदि अकार या आकार के पागे एकार या ऐकार हों तो दोनों मिलकर ऐकार हो जाता है और यदि आकार या ओकार हों तो ओकार हो जाता है । जैसे —

नाम + एव = नामेव तथा + एव = तथैव परम + ऐश्वर्य = परमेश्वर्य , महा + ऐश्वर्य = महेश्वर्य , सुन्दर + ओदन = सुन्दरीदन , महा + औपध = महौपध , महा + औदाय = महौदाय आदि ।

(१९) यदि इ इ उ ऊ अक्षरों से मिले स्वर उन के पागे हों तो इ ई को यू उ ऊ को वृ ऋ ऋ को र् और ए को ल् से बदल देते हैं । जैसे—

यदि + अपि = यद्यपि , इति + आदि = इत्यादि प्रति + उत्तर = प्रत्युत्तर , नि + ऊन = न्यून , अति + ऐश्वर्य = अत्यैश्वर्य , अति + ओज = अत्योज , अति + औदार्य = अत्यौदार्य , अनु + अय = अन्वय , सु + भागत = स्वागत , अनु + इत = अन्वित , अनु + एषण = अन्वेषण , पित्र + अनुमति = पितृनुमति माह + आनन्द = मातृानन्द ।

(२०) यदि ऐ ऐ ओ ओ के आगे भिन्न स्वर होते ए को अच् ऐ को आय ओ को अच् और ओ को आच् से बदल देते हैं । अकार या आकार पूर्व अक्षर से मिलता है और य कार या वकार आगे वाले स्वर से मिलता है । जैसे —

ने + अन = नयन ने + अक = नायक , पो + अन = पवन पो + अक = पावक इत्यादि ।

व्यञ्जनसन्धि ।

(२१) यदि क च ट त प के आगे ग घ ज झ द ध ब भ य र ल व अथवा कोई स्वर रहे तो क को ग से, च को ज से, ट को ड से, त को द से, और प को व से बदल देते हैं । जैसे —

दिक् + गज = दिग्गज , दिक् + अम्बर = दिग्म्बर , अच् + आदि = अजादि ,
पट् + आनन = पढानन , जगत् + इश = जगदीश ।

(२२) यदि क च ट प त के आगे कोई सानुनासिक अक्षर हो तो क को छ, च को अ, ट को ण, त को न और प को म से बदल देते हैं । जैसे—प्राक् + मुख = प्राङ्मुख , जगत् + नाथ = जगन्नाथ ।

(२३) यदि त और द के आगे च और छ होती त और द को च से बदल देते हैं और द के आगे ट और ठ होती त और द को ट से बदल देते हैं । जैसे—उत् + चारण = उच्चारण , तत् + टीका = तट्टीका ।

(२४) यदि त और द के आगे ज और झ या ड और ढ होती त और द को ज और ड से बदल देते हैं । जैसे—उत् + ज्वल = उज्ज्वल , भवत् + डमरु = भवडमरु , ।

(२५) यदि त और द के आगे श होती तो त और द के स्थान में च और श के स्थान में छ हो जाता है । जैसे —तत् + शब्द = तच्छब्द आदि ।

(२६) यदि त और द के आगे ङ होती त और द के स्थान में द और ङ के स्थान में ध हो जाता है । जैसे—तत् + हित = तद्धित , ।

(२७) यदि त और द के आगे ल होती त और द के स्थान में भी ल हो जाता है । जैसे —उत् + लङ्घन = उल्लङ्घन आदि ।

(२८) यदि अनुस्वार के पश्चात् कोई स्पर्श वर्ण हो तो उसी का पचम वर्ण उसके स्थान पर होता है। जैसे - ट + कार = टङ्कार म + भव = मङ्गव इत्यादि

(२९) यदि ऋस्व स्वर के पश्चात् छ हो तो छ के स्थान में च सहित छ होता है और यदि दीर्घ स्वर हो तो दोनों प्रकार प्रगट होता है। जैसे - गज + छाया = गजच्छाया, श्री + छाया = श्रीच्छाया या श्री छाया इत्यादि ।

विसर्ग सन्धि ।

(३०) स्वर या व्यञ्जन के साथ विसर्ग का मिल होने से जो हिर फेर होता है उसे विसर्ग सन्धि कहते हैं ।

(३१) यदि विसर्ग के पहले इ और उ जो और उसके पश्चात् क, ख, प और फ होते विसर्ग के स्थान में प हो जाता है। जैसे — नि + कपट = निष्कपट, दु + प्राप = दुस्प्राप इत्यादि ।

(३२) यदि विसर्ग के पहले ऋस्व अ हो और उसके पश्चात् ग, घ, ङ, ज, झ, ञ, ड, ढ, ण, द, ध, न, ब, भ, म, य, र, ल, व, और ह होती विसर्ग और पहले का ऋस्व अ दोनों के स्थान पर ओ हो जाता है और यदि अकार पश्चात् में होती वहु इस रूप में अ लिखा जाता है। जैसे,—तेज + मय = तेजोमय, मन + रथ = मनोरथ, भ्रम + अवधान = मनोऽवधान इत्यादि ।

(३३) यदि विसर्ग के पश्चात् च छ होती उसके स्थान पर श हो जाता है, इसी प्रकार यदि त, थ होती म और ट, ठ होती विसर्ग की जगह पर प जुवा करता है, जैसे — नि + चल = निचल, धनु + टङ्कार, = धनुष्टङ्कार, नि + तार = निस्तार इत्यादि ।

(३४) यदि विसर्ग के पहले अ आ, के सिवाय और कोई स्वर हो और उसके पश्चात् ग, घ, ङ, ज, झ, ञ, ड, ढ, ण, द, ध, न, ब, भ, म, य, र, ल, व और ह होती विसर्ग के स्थान पर र् हो जाता है। जैसे — नि + गुण = निर्गुण, बहि + मुग्ध = बहिर्मुग्ध इत्यादि ।

(३५) यदि विसर्ग के पहले आ के स्थान पर अ, इ और उ स्वर होती विसर्ग का लोप हो कर उसके पहले का ऋस्व स्वर दीर्घ स्वर हो जाता है। जैसे — पुन + रमते = पुनारमते नि + रोग = नोरोग, शम्भू + राजते = शम्भुराजते इत्यादि

दूसराभाग ।

शब्द विचार ।

(३६) जो आवाज सुनाई देती है उसी को शब्द कहते हैं । शब्द दो प्रकार के होते हैं—ध्वन्यात्मक और वर्णात्मक ।

(३७) ध्वन्यात्मक शब्द से केवल ध्वनि या आवाज सुनाई देती है जिस को न हम लिख सक्ते न बोल सक्ते हैं और न उसका उच्चारण कर सक्ते हैं । जैसे—किसी बाजे का सुर और जन्तुओं की बोली ।

(३८) वर्णात्मक शब्द उस वर्ण समुदाय को कहते हैं जिस से किसी अर्थका बोध होता है और उसको हम ठीक २ लिख पढ़ सक्ते हैं और उसका उच्चारण भली प्रकार से कर सक्ते हैं, जैसे—रामकृष्ण दामोदर माधव ।

(३९) व्याकरण में इसी प्रकार से दो भेद हैं—सार्थक और निरर्थक ।

(४०) जिस शब्दका कुछ अर्थ निकलता है उसको सार्थक कहते हैं, जैसे—पशु पक्षि आदि ।

(४१) जिस शब्द से किसी अर्थ का बोध नहीं होता उसको निरर्थक कहते हैं, जैसे—भल बल ।

(४२) अर्थ भी दो प्रकारके होते हैं—वाच्य और लक्ष्य ,

(४३) जिस शब्दका जो अर्थ नियत किया गया है उसी में उसका प्रयोग किया जावे तो उस अर्थ को वाच्य कहते हैं, जैसे—गधा एक पशु है ।

(४४) यदि कोई शब्दको उसको अमन्वी या नियुक्त अर्थके सिवाय किसी और अभिप्राय में उसका दूसरा अर्थ प्रगट करने के लिये प्रयोग में लावे तो उस अर्थ को लक्ष्य कहते हैं, जैसे—वह मनुष्य गधा है अर्थात् मूर्ख है ।

(४५) सार्थक शब्दके तीन भेद होते हैं—सञ्ज्ञा, क्रिया और अव्यय ।

(४६) सञ्ज्ञा पदार्थ के नाम को कहते हैं, जैसे—पेढ, नटी, पर्वत आदि ।

(४७) क्रिया काम को करने वा होनेको कहते हैं, जैसे—पाया, गया आदि ।

(४८) अव्यय वह शब्द है जिस में कारकों के कारण विकार नहीं, जैसे—और, यदि, परन्तु आदि ।

संज्ञा ।

(४८) सञ्ज्ञा तीन प्रकार की होती है—रुढ़ी, यौगिक और योग रुढ़ी ।

(५०) रुढ़ी सञ्ज्ञा उन शब्दों को कहते हैं जिनके टुकड़े सार्थक नहीं सके, जैसे,—घर, वन, घोड़ा आदि ।

(५१) यौगिक सञ्ज्ञा उन शब्दों को कहते हैं जो प्रकृति प्रत्यय वा शब्दों के योग से बनते हैं, जैसे—गर्भवत्ती प्रियालय ।

(५२) योग रुढ़ी सञ्ज्ञा वह है जो अपने पदों से अर्थको कोटकर किसी विशेष अर्थको प्रगट करती है जैसे—पीताम्बर ।

(५३) पाद भेद सञ्ज्ञाके और भी है—(१) जाति वाचक जिस से सामान्य रूप का ज्ञान होता है, जैसे—वृक्ष, घोड़ा । (२) व्यक्ति वाचक सञ्ज्ञा से केवल एक ही मनुष्य वा वस्तु के नाम का बोध होता है, जैसे—रोम गोपाल इत्यादि ।

(३) गुण वाचक सञ्ज्ञा किसी सञ्ज्ञा के साथ जोड़ी जाती है जिसका कि वह गुण प्रकाश करती है । यह विशेषण कहलाती है और जिसका गुण प्रकाश किया जाय उसको विशेष्य कहते हैं, जैसे—ऊँचा वृक्ष । (४) भाव वाचक सञ्ज्ञा से पदार्थों के व्यापार का बोध होता है, जैसे—ऊँचा से ऊँचाई । (५) सर्वनाम वह सञ्ज्ञा है जो सञ्ज्ञा के स्थान पर जोड़ी जाती है, जैसे—मोहन अपने खेत में गया ।

(५४) सञ्ज्ञा के तीन भङ्ग लिङ्ग वचन और कारक हैं ।

(५५) हिन्दीमें लिङ्ग उस चिह्न को कहते हैं जिस से स्त्रीवाचक और पुरुष वाचक शब्दों का ज्ञान होता है । इस चिह्न या जाति भेद से सञ्ज्ञा वाचक शब्द पुलिङ्ग और स्त्रीलिङ्ग होते हैं । पुलिङ्ग से पुरुष जाति और स्त्रीलिङ्ग से स्त्रीजाति का बोध होता है । संस्कृत में त्रयसक लिङ्ग भी होता है । यह हिन्दीमें नहीं होता इस से किसी जोड़े का बोध नहीं होता, जैसे—ईंट, पत्थर । जिनके जोड़े नहीं होते उनका पुलिङ्ग और स्त्रीलिङ्ग बोलचाल के व्यवहार से विशेषण और क्रिया लगाकर समझ लेते हैं, जैसे—बड़ाघर, छोटीघात, धूआँउठा, धिनगारो चमकी ।

(५६) हिन्दीमें पुलिङ्ग से स्त्रीलिङ्ग बनाने के चार चिह्न हैं—‘इ’ ‘इन’ ‘नी’ और ‘आईन’ पर बहुत से स्थान पर ‘इन’ के बदले ‘न’ और ‘आईन’ के बदले ‘नी’ मानते हैं, जैसे—नर नारी, मामी भालीन, या मालन, मोर, मोरनी, मिथर मिसराइन या मिसरानी ।

(५७) जिन पुलिग शब्दों में अकार या आकार रहता है उन में ई प्रत्यय करके स्त्रीलिङ्ग बनाया जाता है और उनके अन्तिम स्वर का लोप हो जाता है, जैसे—
देव देवी, घोडा घोड़ी, नर नारी, दास दासी ।

(५८) यदि व्यापार करने वालों के वाचक शब्द के अन्त में अ या आ होती 'अ' या 'आ' को 'इन' या 'न' से बदल देते हैं, जैसे—सोनार सोनारिन कसेरा कसेरिन या कसेरन ।

(५९) किसी किसी व्यापार वाचक पुलिग और स्त्रीलिङ्ग में दोनों नियम नियुक्त रहते हैं, जैसे —

अहीर	अहीरीन	अहीरन	अहीरी
चमार	चमारिन	चमारन	चमारी

(६०) पशु पक्षि वाचक अकारान्त पुलिग शब्दों में नी प्रत्यय के लगाने से स्त्रीलिङ्ग शब्द बन जाता है, जैसे— सिह सिहनी, मोर मोरनी ।

(६१) प्रायः उपनाम वाची पुलिग शब्दों में 'आइन' ता 'न' या 'पानी' और 'नी' प्रत्यय लगाने से स्त्रीलिङ्ग हा जाता है, जैसे —

चौमे	से	चौवाइन,	चौवन
पडा	से	पडाइन,	पडानी आदि

(६२) बहुत से पुलिग शब्दों का स्त्रीलिङ्ग भिन्न २ शब्दों से प्रकाश किया जाता है । जैसे —

पुलिग	स्त्रीलिङ्ग
राजा	रानी
बाप	मा
पिता	माता
भाई	बहिन

(६३) वचन सख्या का नाम हैं । हिन्दीमें उसके दो भेद हैं—एक वचन जिस से एक वस्तु का बोध होता है और बहु वचन से एक से अधिक वस्तु का बोध होता है, जैसे—लडका पढता है और लडके पढते हैं । आदर भाव के प्रगट करने में एक वचन के स्थान में भी-बहु वचन का प्रयोग होता है, जैसे पण्डित जी आए । बहु वचन के पांच चिन्ह हैं—ओ, ओं, ए, ए और आ ।

(६४) जिस से सञ्ज्ञा का सम्बन्ध क्रिया के साथ हो उसे कारक कहते हैं । कारक के आठ भेद हैं—(१) कर्त्ता (२) कर्म (३) करण (४) सम्प्रदान (५) अपादान (६) सम्बन्ध (७) अधिकरण और (८) सम्बोधन ।

(६५) काम के करने वाले को कर्त्ता कहते हैं । इसका मुख्य चिह्न 'ने' है, जैसे —राम ने देखा । कर्म वह है जिस पर क्रिया का व्यापार संपूर्ण होता है जैसे —राम ने किताब वाले को देखा । इसका मुख्य चिह्न 'को' है । करण से किसी कार्य की सिद्धि पाई जाती है, जिसका चिह्न 'से' है, जैसे —रामने कुत्तेको लगाही से मारा । जिसके निमित्त क्रिया प्रयोग में आई जाती है, उसको सम्प्रदान कहते हैं । इसका चिह्न 'के लिये' 'को' और 'के' और 'के हेतु' या 'के अर्थ' है, जैसे —मोहन अपने भाईके लिये एक किताब लाया । अपादान विभाग को कहते हैं, जिसका चिह्न 'से' है जैसे —उस से पत्र आउते हैं, सम्बन्ध से वस्तुओं का परस्पर अधिकार प्रगट होता है जिसका चिह्न 'का' 'की' 'के' होता है, जैसे —'रामका घोड़ा । जो कर्त्ता और कर्म के द्वारा उभन दोनों की क्रियाओंका आधार हो उसे अधिकरण कहते हैं, जिसका चिह्न 'में' और 'पर' है, जैसे —साधु कुटी में रहता है । राम चटार पर बैठा है । जिस से कोई किसी को पुकार कर उस का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करे उसको सम्बोधन कहते हैं, इसकी चिह्न 'हे', 'अरे', 'हरे', 'भो', 'हो' और 'ए' होते हैं जैसे —हे राम । इत्यादि ।

(६६) क्रिया और कारक का सम्बन्ध जिस से जाना जाता है उसकी विभक्ति कहते हैं । हिन्दी में कारकों के चिह्न विभक्ति हैं जो कि सञ्ज्ञा शब्दोंके अन्त में आने से यह अपने २ कारकों को प्रकाश करते हैं, जैसे —

अकारान्त पुष्पिणी मनुष्य शब्द ।

कारक	एकवचन	बहुवचन
१ कर्त्ता	मनुष्य या मनुष्यने	मनुष्य या मनुष्योंने
२ कर्म	मनुष्य को	मनुष्यों को
३ करण	मनुष्य से	मनुष्यों से
४ सम्प्रदान	मनुष्य के लिये	मनुष्यों के लिये
५ अपादान	मनुष्य से	मनुष्यों से
६ सम्बन्ध	मनुष्य का, की, के	मनुष्यों का, की, के

७ अधिकरण *

मनुष्य में

मनुष्यों में

८ सम्बोधन *

हे मनुष्य !

हे मनुष्यो !

इसी प्रकार और भी सब जानो ।

(६७) सर्वनाम की परिभाषा पहले ही हो चुकी है । इस का कोई लिंग नियत नहीं है । यह जिस सज्ञा के बदले में आता है उसी के अनुसार इसका लिंग बनाया जाता है, जैसे — पुरुषने कहा मैं आठ * गा । स्त्रीने कहा मैं आठ गी ।

(६८) इसके पाँच भेद हैं—पुरुष वाचक जिससे किसी प्राणी या वस्तु का बोध होता है जैसे—मैं, तू, वह । संकेत वाचक जो इशारे से किसी वस्तु को प्रगट करते हैं, जैसे—यह, वह, इधर, उधर । सम्बन्ध वाचक, जैसे—जो, सो प्रश्न वाचक जैसे—कौन, क्या आदि । अनिश्चय वाचक जैसे—कोई, सर्वनाम जिसके उच्चारण से कुछ निश्चय नहीं हो ।

(६९) पुरुष वाचक सर्वनाम के तीन भेद हैं—उत्तम पुरुष बोलने वाले को कहते हैं, जैसे—मैं, हम । मध्यम पुरुष सुनने वाले को कहते हैं या जिस से कोई बात की जावे, जैसे—तू, तुम । अन्यम पुरुष अन्य पुरुष को कहते हैं या वह जिस की बात की जावे, जैसे—वह, वे ।

उत्तम पुरुष की कारक रचना ।

कारक	एकवचन	बहुवचन
१ कर्ता	मैं, मैंने	हम, हमने
२ कर्म	सुझको, सुझी	हमको, हमें
३ करण	सुझ से	हम से
४ सम्प्रदान	मेरे लिये	हमारे लिये
५ अपादान	सुझ से	हम से
६ सम्बन्ध	मेरा, री, रे	हमारा, री, रे
७ अधिकरण	सुझ में	हम में
८ सम्बोधन *		

मध्यम पुरुष की कारक रचना ।

कारक	एकवचन	बहुवचन
१ कर्ता	तू, तूने	तुम, तुमने

२ कर्म	तुम्हको तुम्हे	तुम्हको, तुम्हे
३ कारण	तुम्ह से	तुम्ह से
४ सम्प्रदान	तेरे लिये	तुम्हारे लिये
५ अपादान	तुम्ह से	तुम्हसे
६ सम्बन्ध	तेरा, ते, ती	तुम्हारा, ते, ती
७ अधिकरण	तुम्ह में	तुम्ह में
८ सम्बोधन *		

अन्यम पुरुषकी कारक रचना ।

कारक	एकवचन	बहुवचन
१ कर्त्ता	वह, उस ने	वह, वे, उन्होंने
२ कर्म	उम्हको, उम्है	उम्हको, उम्हें
३ कारण	उस से	उस से, उन्होंने से
४ सम्प्रदान	उसके लिये	उसके लिये, उन्होंनेके लिये
५ अपादान	उस से	उस से, उन्होंनेसे
६ सम्बन्ध	उम्हका के, की	उम्हका, उन्होंनेका, के, की
७ अधिकरण	उस में	उस में, उन्होंने में
८ सम्बोधन *		

(७०) इन तीनों बहुवचन में प्रत्यय 'लोग लगाकर बोला और लिखा जाता है जैसे—हम लोग हम लोगोंने। इसी प्रकार और कारकों में भी 'लोगों' लगाया जाता है।

(७१) सक्रिय वाचक भवनाम के उच्चारण से किसी वस्तु का निश्चय रूप इसारि से प्रगट किया जाता है; जैसे,—यह घोड़ा। यह पासके लिये और 'वह' दूर की वस्तु के लिये प्रयोग किया जाता है।

(१) 'यह' शब्दकी कारक रचना ।

कारक	एकवचन	बहुवचन
१ कर्त्ता	यह, इसने	यह, ये, इन्होंने
२ कर्म	इसको, इसे	इनको, इन्हें

* सयनाम में सम्बोधन नहीं होता ।

३ करण	इस से	इन से, इन्हीं से
४ सम्प्रदान	इसके लिये	इनके लिये, इन्हींके लिये
५ अपादान	इस से	इनका, इन्हीं से
६ सम्बन्ध	इसका, के, की	इनका, इन्हीं का, के, की
७ अधिकरण	इस में	इन में, इन्हीं में
८ सम्बोधन *		

(२) 'वो' की रचना पहले ही हो चुकी है

(३२) जो सर्वनाम वाक्य में कहीं दूर संज्ञा से सम्बन्ध रखता है उसकी सम्बन्ध वाचक सर्वनाम कहते हैं । यह 'जो' या 'जीन' चोर इनका सम्बन्धी 'सो' या तीन सम्बन्ध वाचक सर्वनाम है । इनकी कारक रचना इस प्रकार है —

कारक	एकवचन	बहुवचन
१ कर्त्ता	जो जीन, जिमने	जिनने जिन्होंने
२ कर्म	जिसका, जिसे	जिनको, जिन्हों, जिन्होंको
३ करण	जिस से	जिन से, जिन्हों से
४ सम्प्रदान	जिसके लिये	जिनके लिये, जिन्होंके लिये
५ अपादान	जिम से	जिन से, जिन्हों से
६ सम्बन्ध	जिमका के, की	जिमका, जिन्होंका के की
७ अधिकरण	जिस में	जिन में, जिन्होंमें
८ सम्बोधन *		

कारक	एकवचन	बहुवचन
१ कर्त्ता	सो (तीन) तिमने	सो (तीन) तिन्होंने
२ कर्म	तिमको, तिसै	तिमको, तिन्हे
३ करण	तिस से	तिम से
४ सम्प्रदान	तिमके लिये	तिमके लिये
५ अपादान	तिस से	तिम से
६ सम्बन्ध	तिसका, के, की	तिमका, तिन्होंका, के की
७ अधिकरण	तिस में	तिम में, तिन्हों में
८ सम्बोधन *		

(७३) अनलय वलक सवतल से कलसो वतु कल नलय रुड डगत नही होता, जैसे —कोई, सड, कुकु ।

	(१) कोई	(२) सड
कारक	एकवचन	बहुवचन
१ कर्ता	कोई, कलसीने	सड डवने डडोने
२ कर्म	कलसी को	सडको, डडो को
३ करण	कलसी से	सड डे, डडो डे
४ सम्पदान	कलसी के कलये	सडके डलये डडोके डलये
५ अपादान	कलसी डे	सड डे, डडो डे
६ सम्बन्ध	कलसीकल, के, की	सडकल, डडोकल, के की
७ अधिकरण	कलसी डें	सड डें, डडो डें
८ सम्बोधन		

(७४) शड्ड 'कोई' कल 'बहुवचन नही' होता डर इसके डलगे 'लोग' वढलने से डल इसको दोडलर कलने से इसकल बहुवचन बनलल , जैसे —कोई लोग कलते हैं डल कोई २ कलते हैं ।

(७५) 'कुकु' डरलडल वलकल सवतलड है । इससे इसके रुड नही बनते, जैसे —कुकुवलत, कुकुलोग ।

(७६) 'इस' 'उस' 'जलस' 'तलस' डोर कलसके डलगे 'सल' डोर इन शड्डों के डलडल डकलर को ऐ', वैं, 'तैं', डोर कै' से वडल कर सलदृशकल शड्ड बनल लेते हैं, डोर इसी डकलर इनके 'स' को 'तनल' से वडल कर डरलडल वलकल शड्ड तनल लेते हैं, जैसे —ऐसल वैंसल, जैंसल, तैंसल, कैसल इतलल उतलल, जलतलल, तलतलल, कलतलल ।

(७७) कलसी सललको डलडर देने के ललये उसकल डरयोग बहुवचन सवतलड के सलड करते हैं, जैसे—डड डलते है (डें डललल ड) तुड डलते हो (तु डललल है) डर डड डें तुड के वडले डलड कलल डललल है, जैसे—डलड डलते हैं, वे डलते हैं (वड डललल है) ।

(७८) डल कलरों के डलललतु उसके सम्बन्ध की डरयोग करते हैं तो उसके वलशेय के स्थलन डें 'डडलल' 'डडने' 'डडनी' से वडल देते हैं डोर डल कल नलज वलकल सवतलड डगत कलल डललल है तो इन्ही वलशेयके डलगे "डलड" शड्ड को वढल देते हैं, जैसे — वड डडलल कलड डलड कर लेतल है ।

क्रिया ।

(७६) क्रिया कामको कहते हैं जिस से 'होने' या 'करने' का अर्थ किसी काल पुरुष और वचनके साथ पाया जाए नहीं तो 'होने' और 'करने' के समान होता या करना' के पागे कारक आकर वे सञ्ज्ञा के समान हो जावेंगे, जैसे — उसको होना मन्ना है । क्रिया धातु से बनती है ।

(८०) धातु वह है जिस से कोई काम सम्भत्ता जाए और उसके अंत में 'ना' हो ।

(८१) धातु के दो भेद हैं अकर्मक और सकर्मक । जिस क्रिया का काम कर्त्ता ही पर समाप्त हो जाए उसको अकर्मक क्रिया कहते हैं, जैसे — मोहन सोता है । जिस क्रिया का काम कर्त्ता पर समाप्त न होकर कर्मपर समाप्त हो उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं, जैसे — मोहन किताब पढ़ता है । इसके सिवाय कर्त्ता के लिए वचनके समान जो क्रिया हो उसको कर्त्ता प्रधान कहते हैं; जैसे — सबका खाता है । और जिस क्रिया का लिए वचन कर्म के लिए वचन के अनुसार हो उस क्रिया को कर्म प्रधान कहते हैं, जैसे — छोड़ा देखा जाना है ।

(८२) क्रिया के करने में जो समय लगता है उसको काल कहते हैं । इसके तीन भेद हैं — भूत, भविष्य, वर्त्तमान ।

(८३) भूत से काम में प्रारम्भता और सम्पूर्णता दोनों पाई जाती है, जैसे — गया । जो क्रिया प्रारम्भ भी न हुई हो उसका काल भविष्य कहलाता है; जैसे — जाएगा और जो क्रिया प्रारम्भ हुई हो पर समाप्त न हुई हो उसको वर्त्तमान कहते हैं जैसे — जाता है ।

(८४) भूत ६ प्रकार का होता है — सामान्य भूत, आसन्न भूत, पूर्ण भूत, अपूर्ण भूत, संदिग्ध भूत, और हेतुहेतुमद्भूत । भूतकी विशेषता जिस में न हो उसको सामान्य भूत, जिस को समाप्त हुए बिलम्ब न हुआ हो उसे आसन्न भूत, जिसको समाप्त हुए बहुत बिलम्ब हुआ हो उसे पूर्ण भूत, जिसके होने में शका हो उसे संदिग्ध भूत और जो कारण और फल सहित भूत की दशा की सूचित करता है, उसको हेतुहेतुमद्भूत कहते हैं, जैसे — हुआ, हुआ है, हुआ था, होता था, हुआ होगा और होता ।

(८५) भविष्य का कोई भेद नहीं है, जैसे — होगा ।

(८६) वर्त्तमान काल तीन प्रकार के होता है — सामान्य, संदिग्ध और तात्का

लिक। सामान्य वर्तमान में उसकी विशेषता नहीं पाई जाती, जैसे—बैठता है। सदिध वर्तमान कालसे शका का बोध होता है, जैसे—बठना होगा। और जो काम उपस्थित समयमें होता है उसको तात्कालिक वर्तमान कहते हैं, जैसे—बैठ रहा है।

(८६) क्रिया के तीन भेद और हैं—विधि, 'सभावना पूर्वकालिक। विधि से भावा, सभावना से क्रियाके होनेका सभव और पूर्वकालिक या अपूर्ण क्रिया से किसी क्रिया का हो चुकना और दूसरी क्रियाकी अपेक्षा सूचना पाई जाती है, जैसे—तू उठ, वह उठ उठकर आदि।

(८७) हेतु हेतुमद्भूत, विधि और सामान्य भूत के साधनसे क्रिया के संपूर्ण रूप बनाए जाते हैं। १ प्रेकी व्याकरण के ६८ दृष्ट से ८० तक केवल क्रियाके साधित दृष्टांतों की देखो पर उन में कालके नाम और रूप द्वगुकी वगकरण की नियमावली के अनुसार रखे गए हैं इस लिये केवल उनके साधित दृष्टांतों की देखना उचित है।

विक्रित

(८८) कुछ धातु ऐसे हैं जो कभी कभी बदल जाते हैं। उनकी विक्रित धातु कहते हैं। जैसे—“जाना” का भूत हुआ गया।

(८९) आदर सूचक विधिमें जब मध्यम पुरुष को आदरके लिये प्रयोग में लाते हैं तो ‘आप’ को ‘तुम’ के स्थान में लाकर धातु का ‘न चिह्न उठाकर ‘इये’ के लगाने से आदर सूचक क्रिया बनाई जाती है। जैसे—आप खाइये।

प्रेरणार्थक

(९०) प्रेरणार्थक क्रिया वह क्रिया कहलाती है जिसमें कि एक कर्म से अधिक हो जैसे—रामसोहन को लड्डू खिलाता है। क्रिया चाहे अकर्मक हो या सकर्मक परंतु प्रेरणार्थक होने ही से अकर्मक से सकर्मक एक कर्मक से द्विकर्मक और द्विकर्मक से त्रिकर्मक हो जाते हैं। जैसे—वह उठता है, वह उसको उठाता है, वह उसको अपने भाई से उठवाता है।

यौगिक क्रिया ।

(८१) जो क्रिया दो धातुओं के योग से बनती है उसको यौगिक क्रिया कहते हैं । जैसे — देख सकना । यह कई प्रकारसे बनती है —

(१) मध्यम पुरुष विधिके आने उठना बैठना आना पडना सुकना खानना लेना पीर देना लगानेसे यौगिक क्रिया बनती है जैसे — बील उठा आबैठा खागया, देख आया गिर पड़ा मारडाला खालिया पीर चलदिया टे चुका ।

(२) सामान्य भूतके अन्तर्गत् करना, धातु की क्रिया पुरुष लिंग और वचन के अनुसार लगाने से यौगिक क्रिया बनती है, जैसे — वह पढ़ा करता है इसके बनाने के पीर भी अनेक भेद हैं ।

ऊदन्त ।

(८२) धातु से जो ऐसा प्रत्यय को निकाले कि जिस से कर्तृत्व का बोध होता है तो उस प्रत्यय को क्त कहते हैं और वह क्त जिसके अन्तर्गत् हो उसको ऊदन्त कहते हैं जैसे — दाता ।

(८३) भाषाकी ऊदन्तीय संज्ञा पांच प्रकार की है — कर्तृवाचक, कर्मवाचक, करण वाचक, भाव वाचक और क्रियाद्योतक ।

(८४) कर्तृवाचक संज्ञा बनाने की रीति यह है कि धातुके आकार को एकार करके उसके आगे 'वाला' या 'हारा' 'इ' या 'वेया' वैदानी से ऊदन्त बनता है, जैसे खानेवाला, जानेहारा जठना से जड़िया, लडना से लड़ेया । इसी प्रकार 'सार' 'हार' 'घा' 'ई', आत् 'ज' 'पालु' 'कड़', 'खोडा डी, पीर 'एल' आदि की भी उसी प्रकार बढ़ाने से ऊदन्त बनता है, जैसे मिलनसार, होनहार, भूला रीती, पैराक, जडाऊ, भगडालु बुझकड, खेसाडी, युझैल ।

(८५) कर्म वाचक ऊदन्त सामान्य भूतके आगे 'हुआ' लगाने से बनता है, जैसे — बोया हुआ खेत, ।

(८६) करण वाचक संज्ञा के बनाने में कभी २ धातु ही को ज्यों का त्यों बीलते हैं, — जैसे — बेलना । कभी २ उसके आकार को उठा देते हैं, जैसे — बेलने । कभी २ लघुता के लिये उसके आगे 'ई' बढा देते हैं, जैसे — बेलनी ।

(८४) कर्तृतीय भाव वाचक से केवल व्यापार ही का बोध होता है । यह धातु के चिह्न को लोप कर देनेसे, धातु के चिह्न का आकार उड़ा देने से, उसके चिह्न के बदले 'आय' लगाने से, सामान्य भूत के भागे 'ई' या 'इट' या 'वट' या 'त' तो 'स', 'प' और 'आ' लगानेसे बनता है, जैसे —कूट, फाट, लूट, लेन देन, घटाप, बटाव लिखाई, पटाई, लिखावट, बनावट, बचत बढती, पियास या ध्यास, मिनाप, घेरा आदि । यह एकवचन मध्यम पुरुष विधि के प्रथम अक्षर को दीर्घ करने से भी बनता है जैसे —चलना, टलना से चाल, टाल ।

(८५) हेतुहेतुद्वय ही को कभी-२ क्रियाद्योतक मन्था मानते हैं, जैसे —दौडता आता है । और कभी २ उसके भागे 'हुषा' लगा देते हैं, जैसे—दौडता हुषा आ गिरा । और यहा जब क्रिया विशेषण होता है तो दो बार आता है, जैसे—लडका दौडता दौडता आता है ।

तद्धित ।

(८८ सञ्ज्ञा के भागे प्रत्यय लगा कर उसका अर्थ बदल देनेसे तद्धित कहलाता है । जैसे —दूधवाला ।

(१००) कर्तृवाचक तद्धित 'वाना', 'ई', 'वी', 'इयाँ', 'एला', 'आ', 'मा' 'वान', 'वन्त', 'न' और 'तु' प्रत्यय लगाने से बनता है, जैसे—लकड़हारा, आमवाला, धनी, तपस्वी, अटलिया, घरैला, गानवान्, बुद्धिमान् कुलवन्त, दयालु और कपाल । ऐसा ही ऐत, 'एन', 'इला', और 'र' प्रत्ययसे पटैत घाएल, रखीला, लुहार आदि बनते हैं ।

(१०१) 'इत' प्रत्यय से कर्म वाचक तद्धित बनता है, जैसे—दुषित 'अ', 'इ', और 'इक' से सम्बन्ध का अर्थ निकलता है, जैसे—वैष्णव, दानव मानवी सासारिक । 'इया' से स्त्रीलिङ्ग का बोध होता उससे न्यूनता प्रगट होती है, जैसे—डिन्ना से डिभियाँ ।

समास ।

(१०२) विभक्ति रहित दो तीन शब्दों के मेल को समास कहते हैं कि जिनसे एक पद का बोध होता है, जैसे राजद्वार द्वारपाल आदि ।

(१०३) समास के छ भेद है—तत्पुरुष, कर्मधारय, बहुव्रीहि, द्विगु, इन्द्र और अव्ययीभाव ।

(१०४) विशेषण और विशेष्य के समानाधिकरण को कर्मधारय समास कहते हैं, जैसे—महाराज, सत्पुरुष इत्यादि ।

(१०५) अव्ययीभाव पद में कर्त्ता और कर्म की विभक्ति न हो और उत्तर पदका अर्थ प्रधान हो, तो ऐसे समय तत्पुरुष, समास होता है, जैसे—पुरुषोत्तम, नरसिंहावतार ।

(१०६) कई एक पदों के मेल से एक समासिक पद बन कर अपने अर्थ को छोड़ कर किसी सहेतित अर्थ को जो प्रकाश करता है उसको बहुव्रीहि समास कहते हैं, जैसे मिठ बोना, भृगूनैनी ।

(१०७) सख्यावाचक शब्द के साथ यदि समास हो और दोनों पद प्रधान समझ जायें तो ऐसे समास को द्विगु समास कहते हैं, जैसे—त्रिलोक, पञ्चतत्त्व ।

(१०८) दो या दो से अधिक शब्दों में 'और' शब्द और सख्या वाचक शब्दका लोप हो तो ऐसे समास को इन्द्र कहते हैं, जैसे—मातापिता, ज्ञातपाव, नाककान ।

(१०९) अव्ययीभाव वह समास है जिस में पूर्व पद का अर्थ कुछ प्रधान रहें और दूसरे पदके मिलाने से क्रिया विशेषण हो जावे, जैसे—दिनरात, हरषडी मतिहिन् ।

(११०) जिस शब्दका आकार सदा एक ही होता है और जिसमें लिङ्ग वचन और कारक का विकार नहीं होता उसको अव्यय कहते हैं, जैसे—अव, तथापि ।

(१११) अव्यय के चार भेद हैं—क्रिया विशेषण, सम्यन्त्र बोधक, समुच्चय बोधक और विस्मयादि बोधक ।

(११२) जिस शब्द से क्रिया का गुण प्रगट हो उसको क्रिया विशेषण कहते हैं, जैसे—खोड़ा, शीघ्र दौड़ता है ।

(११३) काल वाचक क्रिया विशेषण से क्रिया की विशेषता में काल-वा

समय का बोध होता है जैसे — अब, तब, कब, जब, काल, परसों, तरसों, गरसों, नित्य, शीघ्र, पश्चात्, प्रथम, तत्काल, निदान, सुरन्त, बारबार, आदि ।

(११४) स्थान वाचक क्रियाविशेषण से क्रिया की विशेषता में किसी स्थान का बोध होता है, जैसे — यहाँ, वहाँ, कहीं, जहाँ, तहाँ, जिधर, तिधर, किधर, इधर, उधर, परे, परे, निचे, उपर, बाहर, भीतर, पासपास, सबत्र आदि ।

(११५) प्रकार वाचक क्रिया विशेषण से क्रिया की विशेषता में किसी प्रकार को बोध का बोध होता है, जैसे — इतना, कितना, जितना, तितना, बहुत, कुछ, थोड़ा, एक बेर, दो बेर, अत्यन्त आदि ।

(११६) स्वीकार निषेध वाचक क्रिया विशेषण से किसी क्रिया के होने या न होने का बोध होता है, जैसे — हाँ, अवश्य नहीं, मत, तो, निश्चय आदि ।

(११७) निश्चय वाचक क्रिया विशेषण से क्रिया की विशेषता निश्चय रूप के प्रगट होने का बोध होता है, जैसे — अभी, तभी, कभी, अभी, यहाँ, कहीं, ज्योंही, त्योही, इत्यादि । इन्हींको कभी कभी २ दोहराकर भी बोलते हैं, जैसे — ज्यों ज्यों भीजे कामनी त्वा त्वा भारी होय । शुणवाचक शब्द भी क्रिया विशेषण हो जाते हैं, जैसे लड़का अच्छा पढ़ता है ।

(११८) बहुत से शब्दों में 'करके' 'पूर्वक' या 'से' लगाने से क्रिया विशेषण बनता है, जैसे — विनय पूर्वक, घबड़ा करके, बुद्धि बल से ।

(११९) सवन्ध वाचक अव्यय से वाक्य की सत्ता और उसके साथ दूसरे शब्दों का सवन्ध प्रगट होता है, जैसे — नाव नदीके तीर का लगी ।

(१२०) जो शब्द दो पदों या वाक्यों या इनके अंशों के मध्य में आकर हर एक पद, वाक्य या इनके अंशों को जुटो २ क्रिया समेत अव्यय को मिलाते हैं या अलग करते हैं वे समुच्चय बोधक अव्यय कहलाते हैं, जैसे — और, एवं यथा, तथा, यदि, जो, तो, यद्यपि, कि, भी, फिर, पुन तथापि, तोभी । इनके सिवाय जो अलग करते हैं वे विभाजक कहलाते हैं, जैसे — या, अथवा, पर, किन्तु, परन्तु चाहे या, क्योंकि, वरच, न न, या या ।

(१२१) जिन शब्दों से अन्त कारण की व्यवस्था प्रगट होती है वह विधियाँ हैं ।

बोधक अव्यय कहलाते हैं। इनके कई भेद हैं। पीछा या शोक बोधक चाह !
 अहहह ! ओ होहोहो ! हाय २ ! आनन्द बोधक या आसुर्य बोधक वाह ! वाह !
 जय-जय ! मिरादर या लज्जा बोधक छी ! छीकी ! दुः २ ! क्रिय !

तृतीय भाग ।

वाक्य रचना ।

(१२२) वाक्य-विचार-से शब्दों के द्वारा वाक्यों की रचना करनेका ज्ञान होता है ।

(१२३) शब्दों के वह समूह जिन से कि पूरा २ मतलब समझा जाता है वाक्य कहलाते हैं जोकि अपने अपने भेद अर्थात् योग्यता, आकाङ्क्षा और आसक्ति से संयुक्त होते हैं ।

(१२४) पदार्थों के बांधा रहित परस्पर सम्बन्ध की योग्यता कहते हैं, जैसे —
 छोड़ो छिनछिनाता है । यहा छोड़े और छिनछिनाने का परस्पर सम्बन्ध है ।

(१२५) पदों में परस्पर अभिव्यक्ति होने की चाह या आकांक्षा कहते हैं, जैसे —
 “लडका छोड़ा” में क्रिया की आकांक्षा है । किन्तु “लडका छोड़े पर सवार है”
 यह वाक्य है ।

(१२६) आसक्ति पदों की समीपता को कहते हैं, जैसे —यहा ‘बालक’
 कहते हैं ‘रोता है’ इसमें समीपता का अभाव है । ‘बालक रोता है’ यह वाक्य
 पूरा है ।

(१२७) जो वाक्य अपने अर्थ को बिना किसी और वाक्य की सहायता के
 पूरा करे वह स्वतंत्र कहलाते है और जो किसी वाक्य की सहायता से अपना मत-
 लब पूरा करे वह आश्रित वाक्य कहलाते है, जैसे —वह लडका जो कल आया
 था आज नहीं आया । इसमें दो वाक्य हैं जो दूसरा पहले के अधीन है ।

उद्देश्य और विधेय ।

(१२८) उद्देश्य और विधेय रहित कोई वाक्य नहीं होता ।

(१२८) जिसके विषय में जो कुछ कहा जाता है वह उद्देश्य कहलाता है और जो कुछ जिसके लिये कहा जाय वह कहना विधेय कहलाता है । वाक्य में उद्देश्य पहले और विधेय पीछे आता है । क्रिया सदा विधेय होती है । सकर्मक क्रिया के बाद कर्म रहता है, जैसे —रामने खून मारा ।

पद योजना का क्रम ।

(१३०) पद योजना की सरल रीति यह है कि पहले कर्त्ता फिर कारण, फिर कर्म और तत्पश्चात् क्रिया आती है, जैसे —पक्षि पर से उड़ते हैं ।

(१३१) समझाने की विधिपता और कन्ध की आवश्यकता के कारण कभी कभी कोई शब्द अपने ठीक २ स्थान पर नहीं रखे जाते, जैसे,—पानी बली बहुरि रघुराई ।

(१३२) जो पद जिस में सम्बन्ध रखे उसको उसी के पास बिठाना चाहिये, जैसे —परिश्रमी लडके पठन पाठन करके अपने गुरु को सुतुष्ट करते हैं ।

(१३३) प्रश्न के विषय में प्रश्न वाचक सर्वनाम या क्रिया विशेषण आता है और यदि वाक्यप्रश्नात्मक प्रश्न वाचक हो तो सर्वनाम वाक्य के पहले रहता है, जैसे —वह कब जायगा । क्या वह छोड़ा है ? जहाँ प्रश्न वाचक शब्द कोई न हो वहाँ योमने यानि के स्वर से पहचाना जाता है, जैसे —हैं । वह आगया ।

कर्त्ता और क्रिया का पन्वय ।

(१३४) कर्त्ता ही सदा वाक्य का उद्देश्य हुवा करता है । सकर्मक क्रिया सदा अपने कर्त्ता के लिये शुरुष और वचन के अनुसार हुवा करती है, जैसे —राम रोता है ।

(१३५) सकर्मक क्रिया के होने पर सामान्य भूतकालिक और उस के योग से वही हुई और क्रियाओं के कर्त्ता के ने चिह्न लगाया जाता है, जैसे —रामने पुस्तक पढ़ी ।

(१३६) 'को' सहित कर्म कारक की विभक्ति होने पर क्रिया को लिंग वचन कर्म के अनुसार रहता है और 'को, सहित कर्म कारक की विभक्ति होने पर क्रिया

सदा पुलिग एक वचन में प्रयुक्त रहती है, जैसे — रामने घोड़े की देखा, लडकीने लड्ड खाए।

(१३७) सामान्य सामान्य पूर्ण और अपूर्ण भूत कालों के सिवाय सकर्मक क्रिया का लिग वचन कर्त्ता के अनुसार हुवा करता है, जैसे, — लडका पुस्तक पढेगा।

(१३८) अनेक क्रियाओं का एकैसा कर्त्ता पहली क्रिया से संयुक्त रहता है और बाकी क्रियाओं के साथ उस कर्त्ता के आधार रहता है, जैसे — वह न खाता है न पीता है सदा प्रीकृत रहता है।

(१३९) यदि भिन्न लिङ्ग सहित कर्त्ताओं की एक क्रिया होती क्रिया का लिङ्ग वचन अन्तिम कर्त्ता के अनुसार होता है और इसमें कोई कर्त्ता का वचन बहुवचन होता उस कर्त्ता की क्रिया के पाठ ही विधाना उचित है क्योंकि क्रिया का वचन इस अवकाश में बहुवचन होता है।

(१४०) यदि कोई सव्यां वाचक या समुदाय वाचक कोई शब्द अनेक लिङ्ग सहित अनेक कर्त्ताओं और क्रिया के बीच में आजावे तो बहुवचन पुलिङ्ग में क्रिया रखी जाती है, जैसे — रामगोपाल, अपनी स्त्री समेत सब चले गए।

(१४१) आदर सूचक शब्द के साथ क्रिया सदा बहुवचन में रहती है, जैसे — पण्डितजी आए।

(१४२) यदि अनेक कर्त्ता के समुदाय से एक या बहुवचन का बोध हो तो उसी बोध के अनुसार क्रिया का भी वचन बना रहेगा, जैसे — कपडा, लत्ता, रुपया, पैसा मेरा सब लुट गया। गोपीराम, राधाकिशन, देवीपाण्डे सब मेरे नाम को रोते हैं।

(१४३) एक वचन कर्त्ताओं के बीच में विभोजक शब्द के जाने से क्रिया एक वचन की होती है, जैसे — राम या गोविन्द कल आजाएगा।

(१४४) यदि तीनों पुरुष किसी वाक्य में एक ही क्रिया के कर्त्ता हों तो क्रिया अन्यम पुरुष की अपेक्षा मध्यम पुरुष और मध्यम पुरुष को अपेक्षा उत्तम पुरुष के अनुसार होती है, जैसे — वह हम-तुम आवेगा। वह और हम आवेगा। वह और तुम आवेगा। हम-तुम आवेगा।

(१४५) यदि दो कर्मों से एक उद्देश्य और दूसरा विधेय हो तो उद्देश्य के आगे 'को' विभक्ति रहती है पर विधेय के आगे लोप हो जाती है, जैसे — रामने रामण को अपने तीर को निशाना बनाया।

(Hindi)	ट ठ ड ढ ण	त थ द ध न।
(Guzrati)	ટ ઠ ડ ઢ ણ	ત થ દ ધ ન।
(Bengali)	ট ঠ ড ঢ ণ	ত থ দ ধ ন।
(English)	T Th D Dh N	T Th D Dh N
(Urdu)	ٹ ٲ ڈ ڊ ڻ	ت ٲ د ڊ ن

(Hindi)	प फ व भ म य र ल व श ष स ह
(Guzrati)	પ ફ વ ભ મ ય ર લ વ શ ષ સ હ
(Bengali)	প ফ ব ভ ম য র ল ব শ ষ স হ
(English)	p ph B Bh M Y R L W Sh Sh S H
(Urdu)	پ ٲ ب ڀ م ي ر ل و ش ش س ه

(Hindi)	ख व ज्ञी
(Guzrati)	ક લ જી
(Bengali)	ক্ষ ত্র জ্ঞী
(English)	Xh Tr Gni
(Urdu)	خ ٲ ڄ

The letters of the alphabets of all the languages mentioned herewith are divided into two main classes—*Svara* (the vowels) *Vyanjan* व्यन्जन (the consonants)

The vowels are the letters which can be sounded by themselves. The Consonants are the letters which can not be sounded without the help of the vowels. Both of them are well explained in the above

compounded long vowels, The sign () is called अनुस्वार and अनुनासिक the nasal dot, forms a nasal sound by, placing on any of the letters and the sign is called विसर्ग or अयोग बाह half sounding h with colon like two dots, which by placing after any last letter of any word sounds like half H, as —प्राय (*prāyah*) which means nearly, but if it is placed in the midst of any letter, the letter placed after the विसर्ग gives a double sound of the same letter, —दुःख as (*dukh*) which means, sorrow

In many of the words the consonants are sounded without the help of the vowels, as राम् in which case the sign (,) हलन्त called in Bengali, हसन्त should be placed at the lower extremity of the letter to show that the letter in question is sounded without the help of a vowel, as —राम *Rām*.

|| The position of a letter from which the sound of the letter comes out is called, its स्थान or position

च क are called मयुक्त व्यञ्जन the compounded consonants, for, they are compounded from क and र, which become च क्न is compounded from त and र, which become क्न

The consonants are 36 in all There are 25 letters from क to स which are called अक्षरवर्ग the tangible letters, as the tip of the tongue touches the position from which the letter is pronounced They are divided into five वर्ग (classes), and each वर्ग or class contains five letters क ख ग घ ङ are called कवर्ग *Kauary*, च छ ज झ ञ are called चवर्ग *Chanary*, ट ठ ड ढ ण are called टवर्ग *Tauary* त थ द ध न are called तवर्ग *Tauary*, प फ ब भ म are called पवर्ग *Pauary* य र ल and व are called अन्तस्थ *Antasth* the last letters ग प स ह are called the ऊष्ण वर्ग *Ushma uarna* च चा कवर्ग and ह are pronounced from the throat and hence they are called कटस्थ वर्ग *Kanthasth uarna* the guttural letters इ ई चवर्ग and य ग pronounced

from palatae and hence they are called तालव्य वर्ण *Tālaṃya uarna* palatal letters

उ ञ and ष वर्ण are pronounced from lips which are called ओष्ठ्य *Oshtasth* the labial letters

क ख ट वर्ण र च and in Marhatti ङ (pronounced like l' by turning the tip of the tongue) are called मूर्धन्य *Mūrdhanya* cerebral letters, as they are pronounced from Cerebrum

ट ठ त वर्ण with ङ and च are pronounced from the teeth and hence they are called दंत्य वर्ण *Dantasth uarna* dental letters

ए ऐ are pronounced from the throat and palate and are called कण्ठातालव्य वर्ण *Kanthatālaṃya uarna* guttural-palatal letters

ओ औ are pronounced from the lips and throat they thus are, called कण्ठोष्ठ्य वर्ण, *Kanthaoshtasth uarna* the guttural labial letters

ब is pronounced from the teeth and lips and hence it is called दन्तोष्ठ्य वर्ण *Dantaoshtasth uarna* the labial dental letters

The nasal dot or अनुस्वार *Anuswār* is pronounced from nose called अनुनासिक वर्ण *Anunasik uarna* the letter on which the nasal dot is placed are called the अनुनासिक or nasal letters. The letters coming at the end of each five वर्ग *uarg* or classes are ङ ज ण न म They are also taken under the headings of the अनुनासिक वर्ण *uarna*. Any letter of any वर्ग *uarg* or class placed under its अनुनासिक वर्ण gives the sound of the nasal dot or अनुस्वार, as — गङ्गा or गंगा = Ganges (ग) जम्बू or जंबू = (jambū in Cashmere), चञ्चल or चंचल = *Chanchal* (frolicsome) ठण्डा or ठंडा *thandā* = cool or cold) अन्त or अंत = *ant* (end)

COMPOUND LETTERS

Hindi, Marhatti, Guzratī and Bengali languages have many words, that are borrowed from the Sanskrit language which con-

खर सन्धि ।

Two long or short vowels when coming together become long when compounded as,—राम + अनुज = रामानुज (Ram's brother), विद्या + आनय = विद्यानय (School), कवि + इन्द्र + कवीन्द्र (Lords of Poets) साधु + उपाय = साधूपाय (Proposals from sage)

If *īlar* and *īlar* may come to be used after *ālār* and *dlār* they are then changed into *ekār*, *ūlār* and *ulār* into *okār* and *ulār* into *ar*, when they are brought together to form a compound word as 'नर + इन्द्र + नरेन्द्र (The lord of men) गण + ईश = गणेश (The Herd of the Shiva's attendance), भाग्य + उदय = भाग्योदय (To be lucky) जल + उन्नि = जलोन्नि waves, महा + ऋषि = महर्षि (a great sage)

If *elār* and *alār* may come to be compounded with *ālār* and *dlār* they become *aulār* and when *alār* and *aulār* come to be used thus with them, they become *aulār* as —

नाम + एव = नामैव, तथा + एव = तथैव, परम + ऐश्वर्य = परमैश्वर्य, महा + ऐश्वर्य = महैश्वर्य, सुन्दर + औदन = सुन्दरौदन, महा + औपध = महौपध ।

If any other short sounding-letter may be compounded with इ ई उ अ, then इ ई is changed into य, उ अ into व् ऋ ॠ into र् and ल्, as — यदि + अपि = यद्यपि, इति + आदि = इत्यादि, नि + जन = न्यून, प्रति + ऐश्वर्य = प्रत्यैश्वर्य, अनु + अय = अन्वय, सु + आगत = स्वागत, माह + आनन्द = माहानन्द पितृ + अनुमति = पितृनुमति ।

If the different letters are to be compounded with ए ऐ ओ औ, ए is changed into अय, ऐ into आय, ओ into अव् and औ into आव्, while *ālār* and *alār* become united with its preceding letter and *yalār* or *tealār* with those, coming after them, as —

ने + अय = नयन, ने + अय = नायक ओ + अय = अयन, ओ + अय = पावक ।

VYANJAN SANDHI व्यञ्जन सन्धी । OR COMPOUNDS OF CONSONANTS

If ग घ ज झ ढ ध व भ स य र न व or any vowel be preceded by क च त ट प then क is changed into ग, च into ज, त into द, ट into ड and प into व, as —

दिक् + गज = दिग्गज, अच् + आदि = अजादि पट् + आनन = पडानन, जगत् + ईश = जगदीश ।

If any nasal letter be preceded by the above consonants it is changed into the last letter of its वर्ग *varḡ* or class, as — प्राक् + मुख = प्राप्मुख, जगत् + नाय = जगन्नाय etc

If च and छ are preceded by त and द, then त and द are changed into च, similarly if ट and ठ are preceded by त and द, then त and द are changed into ट, as — उत् + चारण = उच्चारण, तत् + टीका = तटीका ।

If ज and झ or ड and ढ be preceded by त and द, then त and द are changed into ज or ड, as — उत् + ज्वल = उज्ज्वल, भवत् + डमरु = भवडमरु ।

If श is preceded by त and द then त and द is changed into च and श is changed into छ, as, — तत् + शब्द = तच्छब्द ।

If ह is preceded by त and द, then त and द are changed into द, and ह is changed into घ, as — तत् + हित = तद्वहित ।

If ल is preceded by त and द, त and द are then changed into the same ल, as — उत् + लहन = उल्लहन ।

If any tangible letter is preceded by any nasal letter, it is changed into the last or the 5th letter of its वर्ग *varḡ* or class, as — ट + कार = टकार ।

If ह्र is preceded by any short vowel sound, ह्र is then changed into च्छ *chchh* and, if preceded by long vowel sound, it takes the same form or remains unchanged, as — मन + छाया = मज्जछाया, श्री + छाया = श्रीच्छाया or श्रीछाया ।

विसर्ग सन्धि ।

VISARG SANDHI

If a विसर्ग is preceded by इ and उ and is followed by क ख प and फ it is then changed into व, as —नि + कपट = निष्कपट ।

If a विसर्ग is preceded by *alār* and is followed by ग, च, ड, ज, झ, ञ, ट, ठ, ड, ध, न, ब, भ, य, र ल व, and ह, *visarg* and *alār* both are then changed into ओ and if it is followed by *alār* it is then changed into *olār* as —मन + रय = मनोरय, मन + अवधान = मनोवधान ।

If a *visarg* is followed by च and छ, it is then changed into य, similarly followed by त and थ, it is changed into स, and if it is followed by ट and ठ it becomes then द, as —नि + चल = निचल, धनु + टट्टार = धनुटट्टार, मि + तार = निस्तार ।

If a *visarg* is preceded by any vowel except *alār* and *olār* and is followed by ग, च, ड, ज, झ, ञ, द, ध, न, ब, भ, म, य, र, ल, व and ह, *visarg* is then changed into र, as —नि + गुण = निगुण ।

If a *visarg* be preceded by *olar*, superceded by the vowels अ, इ, उ, the short vowel sound preceded by the *visarg* is changed into its corresponding long without its use any longer, as —पुन. + रमेत = पुनारमेत, नि + रोग = निरोग ।

The सन्धि *Sandhi* the compound of the words are used alike in the different languages Hindi, Bengali, Guzerati and Marhatti, be cause the source of these languages is Sanscrit from which they have taken their different forms and changes

General rules of grammar used in all the languages in speaking and writing

1 - Whatever is heard is called शब्द or *hals habd* or *lafz* a sound They are of two kinds सार्थक or *sārthak* or *mauzū* an articulate and निरर्थक or *Nirarthak* or *mohmil* an inarticulate

(2) In Bengali an inflected word called *पद* *pōd* is divided into five parts—*विशेष* *visheshyō* a qualified word i. e. noun or word for a noun *विशेषण* *visheshan* an adjective *संबन्ध* *sambōnān* a pronoun *अव्यय* *abyōy*, a conjunction and *क्रिया* *kriyā* a verb

(3) In Guzratī *शब्द* *shabd* a word is divided into two parts—*विकारी* *wikārī*, a word of which the form is changeable by suffixes or prefixes and *अविकारी* *Awikārī*, a word the form of which is not changeable

(4) *विकारी* *shabd* *wikārī shabd* a changeable word is divided into two parts—*विषय* *viśhay pad* being the names of living beings, qualifications, things or the words used for a noun, while the other part is *क्रियापद* *kriyāpad* being a name for the words like doing going etc i. e. a verb

(5) *विषय* *viśhay pad* name is divided into five parts—*नाम* *Nām*, a noun, *सर्वनाम* *Sarvanam*, a pronoun, *विशेषण* *visheshan* an adjective, *क्रियापद* *kriyāpad*, a verb and *अव्यय* *avyaya* a conjunction

(6) In the Marhatti language a word is divided into *निष्ठ* *siddhā* not derived from any other word and *साधित* *sadhīt*, a derivative word. It is again divided into two parts *सुविभक्तिक* *Sauiibhaktik* word with case ending and *अविभक्तिक* *Auiibhaktik* word without case ending or *अव्यय* *Awyaya* Conjunction

(7) Thus a word in Marhatti language is divided into eight parts four of them namely—*नाम* *Nām* a noun, *सर्वनाम* *Sarvanam* a pronoun, *विशेषण* *Viśheshan* an adjective and *क्रिया* *kriyā* a verb have the case endings and the remainder four without case endings are *क्रिया विशेषण* *kriyā viśheshan* an adverb *अव्यय* *avyaya* a Conjunction, *शब्द योगी* *Shabdayogī* a preposition and *हेतु* *prayogī* an interjection

NOUN

(8) मध्या *Sanḥyā* (H) اسم *Isim* (U) विशेष *Visheshya* or मन्दा (B) नाम *Nām* (G) नाम *Nam* (M) Noun (E) the names of any person place or thing are divided in all these languages in different parts

(9) In Hindi it is divided into three parts according to its natural forms They are रुटी *rūṭhī* a noun in the form of a simple word, as—घर *ghar* house वन *ban* forest

(10) यौगिक *yauṅik* compound noun is formed by the help of other word, as—गर्भवती *garbhavati* pregnant formed from गर्भ *garbha* pregnancy and वती *vati* a suffix to form a feminine gender; योग रुटी *yog rūṭhī*, a kind of noun which gives a different Meaning on compounding with any other word, as—पीताम्बर *Pitāmber* a kind of yellow dress, formed from पीत *Pit* yellow and अम्बर *ambar* a cloth

(11) It is again divided into five parts—जातिवाचक *Jāti wachak* expressing a form Common to all, as,—घोड़ा *ghora* a horse, व्यक्तिवाचक *vyakti wachak* a proper noun expressing only one name of a particular person or thing as—राम *Rām* लखनऊ *Lucknow* ताज महल *Tāj mahal* &c गुण वाचक *gun uachak* an adjective is used with any other noun to which it qualifies It is called विशेषण *Visheshan* an adjective भाव वाचक *Bhāva uachak*, an abstract noun denotes the name of a quality as—ऊँचा *ūnchā* high to ऊँचाई *ūnchāi* height; सर्वनाम *Sarvanām* a pronoun used in place of a noun; as—मोहन अपने खेत में गया *Mohan apne khet mein gayā* Mohan went to his field

(12) In Urdu there are so many kinds of nouns that they are too numerous to mention herewith

(13) In Bengali the five kinds of nouns are—वाचि *Vyōkti*

proper, as — गोपीनाथ Gopi nāth Bhattachārya, गोविन्द चन्द्र
गोविन्दो Gobindō chandra Banerji वृक्ष vṛkṣa names of things, as —
फल phal fruit, मूल mūl root, आम am mango, जाति jāti common
as — मनुष्य mōnushyō man, गौ gow cow सिंह sīṅh lion जान Bhdwa
abstract, as — गमन gōmōn going जोजन bhājōn feeding

(14) In Marhatti noun is divided in three parts — सामान्य
samanya common as — फल phāl tree, जानवर janāwar animal,
विशेष vishesh proper, as — गोविदा Gorinda काशी Kāshī गंगा Gangā
Ganges, and भाव वाचक Bhāva vachak abstract, as — मनुष्यपद Ma
nushyapan manliness भलाई bhalai goodness

(15) In Guzerāti there are only two kind of nouns सामान्य
sāmānyu common, as — साप sap serpent, गाम gām village विशेष
vishesh proper, as — भाइ भगवदास मोतीराम Bhai Mangal Das Moti
Ram

(16) In all the languages mentioned herewith the nouns have
gender, number and case

GENDER

(17) Gender shows whether male is meant or female. The names
of males are masculine and those of females the feminine, while
things without life are neuter. In all these languages the gender is
called लिंग लिङ्ग masculine is called पुल्लिङ्ग Pulling feminine is called
स्त्रीलिङ्ग stṛiling and neuter is called नपुंसक लिङ्ग Nupunsak ling. In
Urdu they are called مذکر muzakkar مؤنث Muannas and مؤنث
mul hannas respectively. Things without life are also spoken of as
males and females and to point out their gender is very difficult
to the foreigners.

(18) In Hindi there are four terminations for forming a feminine gender from the masculine —इन *in as*, पंडितान *Panditān* or wife of *Pandit* a priest न ना *as*, दुल्हन *dulhan* a bride, नौ *ni as* ब्राह्मणी *Brāhmanī* a wife of a Brahman आनी *ani as* —खतरानी *Khatrānī* a female *khatrī*

(19) The masculines ending in *ālār* or *alā* are changed into *ālār* (ई) when the feminine is to be formed

AKARANT THE WORDS ENDING IN AKA'R (a)

Masculine	Feminine
देव <i>dew</i> God	देवी <i>dewī</i> goddess
दाम <i>dās</i> servant	दासी <i>dāsī</i> maid servant
हिरन, <i>huran</i> male deer	हिरनी <i>huranī</i> female deer

ālārānī THE WORDS ENDING IN ālār

Masculine	Feminine
घोड़ा <i>ghorā</i> horse	घोड़ी <i>ghorī</i> mare
गधा <i>gadā</i> he-ass	गधी <i>gadhī</i> she-ass
बकरा <i>bakarā</i> he goat	बकरी <i>bakarī</i> she goat

(20) The words denoting the names of the persons having any occupation have *ālār* or *alār* in their ending, *alār* is changed into *in* or *na*

Alārānī WORDS ENDING AKA'R

Masculine	Feminine
सोहार <i>sonār</i> gold smith male	सोहारिन <i>sonārīn</i> female of gold smith
लोहार <i>lohār</i> black smith (male)	लोहारिन <i>lohārīn</i> female of black-smith

Masculine

कसेरा *laserá* brazier

ठठेरा *thathetá* brazier

Feminine

कसेरिन, कसेरन *laserin* or *laseran*
brazieress

ठठेरिन, ठठेरन *thatherin* or *thathan*
brazieress

(2) The gender or many words in Hindi is pointed out by different words, as —

Masculine

राजा *Rajá* king

भाई *Bháí* brother

मा *Má* mother

Feminine

रानी *Rání* queen

बहिन *Bahin* sister

बाप *Báp* father

(22) If the masculines ending in ई (*í*), it is changed into इन *in* or ना *na*, as —

Masculine

माली *Málí* gardner

तेली *Telí* oilman

Feminine

मालिन, मालन, *Malin* or *málan*
wife, of a gardner

तेलिन, तेलन *Talin* or *telan* oilwoman

(20) The masculines being the names of the birds and flesh eating or other quadrupeds have the ending नी *ní* for their feminines —

Masculine

सिंह *Singh* Lion

मोर *Mor* Peacock

Feminine

सिंहनी *singhní* lioness

मोरनी *morní* peahen

(24) Among the names of the living beings many words are always used in one gender only Thus the word मछली *Machhlí* is always used in feminine The masculines of such nouns are formed by placing नर *nar* before them, as — नर मछली *nar machhlí* a male fish, similarly the words used only in the masculines form their feminines by placing नी *ní* before them

(25) The neuter words that have their ending *á* are generally used in masculine, as— कपडा *kaprá* cloth, दया *dayá* favour; माया *mayá* capital पर्दा *pardá* screen, मुर्दा *murdá* deadbody

(26) words ending in *i* are generally feminine, as— लकड़ी *lakri* timber, पगड़ी *pagri* turban

(27) Urdu is the mixture of Hindi Persian and Arabic and therefore the feminine is formed accordingly

(28) Arabic words of the form تَعْلِيل *taf'il* are feminine as, تحریر *tahrir* 'writing', تَکْوِيْن *ta'wīn* 'speech' The word تَعْوِيْذ *'ta' wīḏ* 'an amulet', is an exception to this rule

(29) Persian verbal nouns ending in *sh* are feminine as, کَشَش *kashash*, 'attraction' from کَشَادَن *kashādan* to attract

(30) Arabic verbal nouns ending in ت (*t*) are feminine, as, رَحْمَة *rahmat*, 'mercy' The words قَامَة *qamat*, 'stature' etc are exceptions

(31) The following are the twenty one letters of the alphabet in the feminine gender—

ب be (*b*) پ pe (*p*) ت te (*t*) ث te (*t*) ظ ze (*z*) چ che (*ch*) ح he (*h*) خ khe (*kh*) د dāl (*d*) ذ dāl (*d*) ر rā (*r*) ز ze (*z*) ج je (*j*) ح he (*h*) ف fe (*f*) و wo (*w*) ه he (*h*) ي ye (*y*), or in other words all characters spelt with two letters together with د dāl (*d*) ذ dāl (*d*) and ز rā (*r*) and و wo (*w*) are feminine

(32) Some words such as مُوَلِّد *mulid*, 'a servant' &c are applicable to either sex, and are therefore in the masculine or in the feminine according to the context

(33) Some feminine nouns are masculine or feminine according as they form part of compound verbs or not, Thus گُذارش *guzāsh* *kūyá*, 'requested' being a compound word turned from the feminine

noun *guzarish* 'requested' into a masculine form But the word is feminine in the phrase *مدری گذارش meri guzarish*, 'my request'

(54) Substantives standing for inanimate object have no gender in Persian, but in Arabic as in Hindustani they are either masculine or 'feminine' according as the custom allows the one or the other certain words are of different genders according to their use in Hindustani and in the language to which they belong Thus *مدرسه madrasa* 'a college,' is feminine in Arabic, but masculine in Hindustani

(55) Let us now observe that in Hindi all parts of speech except the conjunction have genders, of which many have their corresponding genders and many have not, (they being confined to one gender only) Thus the adjective *اچھا achchhá*, 'good,' is masculine having its feminine *اچھی achchhi*, the interjection *اے are* 'O' is masculine having its corresponding feminine *اری are* the adjective *دूर dur*, 'far' is always feminine, having no corresponding masculine, the words *برابر barābar* 'equal' to are masculine, they have no corresponding feminine

(56) The word *اوقات aulat* is masculine when it means 'time' and feminine when it signifies 'circumstances' Thus we say *اونکے اوقات unke aukat záya huue*, 'their time is lost', *اونکی اوقات کنا هی unki aukat I ya hai*, 'what are his circumstances' (i.e. he is worth nothing), similarly *اردو urdú* is masculine when it means 'army,' and feminine when it signifies the Hindustani language

(57) The idiom of the Hindustani language requires the word *طرف taraf*, 'towards,' to be used sometimes in the masculine and sometimes in the feminine, thus we say *میری طرف meri taraf*, 'towards me' (in the feminine, and *شہر کے حارطرف shahr ke chārṭraf*

taraf, towards the four sides of the city, ১০ all around it (in the masculine) Its plural *atraf* اطراف always masculine

(38) The words *bulbul* بلبل, 'nightingale' etc are used in the masculine by some authors and in the feminine by others

(39) Formerly the word *sair* سير 'walk,' was used in the masculine, but the modern authors use it in the feminine

(40) In the Bengali language the feminine generally formed from a masculine word by changing the ending *a* into *ā* অা—

Masculine

বাম *bāma* handsome man

ক্বীণ *khīṇa* weak man

মনোহর *mōnoharā* a heart
enchanting man

কোকিল *koḥilā* male cuckoo

Feminine

বামা *bāmā* a handsome lady

ক্বীণা *khīṇā* a weak lady

মনোহরা *mōnoharā* a heart
enchanting lady

কোকিলা *koḥilā* female cuckoo

(41) The syllable *ākṣ* অক্ being the last syllable of a masculine word, forms its feminine by changing অ *ā* into ই *i* and ক *k* into কা *kā* as—

Masculine

নাযক *nāyāk* leader

পাচক *pāchak* digestive

গায়ক *gāyāk* songster

Feminine

নাযিকা *nāyikā* leaderess

পাচিকা *pāchikā* digestive

গায়িকা *gāyikā* songstress

(42) Common nouns belonging to masculine gender change their endings অ *ā* into ই *i* for feminine, as—

Masculine

মানুষ *mānūsh* man

হংস *hōṇsh* male swan

কুরংগ *kurāṅg* male deer

সর্প *sarp* male serpent

ছাগ *chhāg* he-goat

বাঘ *bāghra* tiger

Feminine

মানুষী *mānūshī* woman

হংসী *hōṇsī* female swan

কুরংগী *kurāṅgī* female deer

সর্পী *sōrpi* female serpent

ছাগী *chhāgī* she goat

বাঘী *bāghrī* tigress

(13) The words that have their endings ई वां तान् अन् are in the masculine, which are changed into ऐ नन् and नन्, for faminines as — धनी *Dhani* rich man, धनिनी *Dhanini* rich lady, मान *Man* man of dignity, तानिनी *Manini* lady of dignighty, रूपवान् *Rūpavān* handsome, रूपवती *Rūpavati* handsome lady बुद्धिमान् *Buddhiman* intelligent man, बुद्धिमती *Buddhimati* intelligent lady, श्रीमान् *Srīmān* tittle for man, श्रीमती *Shrīmatī* tittle for lady

(14) The *alānt* of the words ending in न्य क्त्त र्त्त द्त्त is changed into ऐ when their faminine gender is formed as — स्वर्णम् *Swarnmay* golden, स्वर्णमयी *Swarnmayi* golden, मृत्तम् *Mṛtṇmay* earthen, मृत्तमयी *Mṛtṇmayi* earthen, हिक्त्तम् *Hikṭar* favourable, हिक्त्तमयी *Hikṭari* favourable, सहचर *Sahchar* attendant, सहचरी *sahchari* confidante

(15) For pointing out the faminines of the adjectives लघु, उर्व, मृदु and others the *alānt* (a) of their ending is changed into its corresponding *īdrant* (ī), as, — लघु *Laghu* small, लघुनी *Laghuī* small उर्व *guru* great, उर्वी *guruī* great, मृदु *Mṛdu* sweet, मृदुनी *mṛduī* sweet

(16) Words प्रथम द्वितीया and तृतीया in their ending अ is changed into ई for pointing out faminine while the others like them complete words ending in अ is changed into ई, as — प्रथम *Pratham* first, प्रथमनी *prathamā* first, द्वितीय *Dvitiya* socond, द्वितीया *dvitiyā* second, चतुर्थ *Chaturth* fourth, चतुर्थी *chaturthi* fourth षष्ठ *shasth* sixth, षष्ठी *shashthi* sixth, एकादश *ekadash* eleventh, एकादशी *ekadashi* eleventh, सप्तम *saptam* seventh, सप्तमी *Siptamī* seventh, काल *kāl* time, काली *kālī* time, गौर *gau* man of white complexion गौरी *gauṛi* lady of white complexion तरुण *taruṇ* youth, अरुणी *taruṇi* young lady, कुमार *lumar* prince, कुमारी *lumarī* princess, नर्तक *nartak*, actor नर्तकी *nartakī* actress सुन्दर *sundar* beautiful, सुन्दरी *sundarī* beautiful lady, नट *nat* dancer नटी *nati* danceess, नदी *nōd* river, नदी *nōdī* river, घट *ghṭ* water jar घटि *ghṭi* water jar, लदल *Ladal* plantain tree, लदली *ladali* plan-

tain tree, লিশোর *lishor* man of 16 years, লিশাবী *lishor* lady of 16 years, পট *pōt*, cloth পট *pōt* cloth, নাগ *nag*, male serpent নাগী *nagi* female serpent, আমলক *amlōk*, myrabalan আমলকী *āmlōkī* myrabalan

(47) Many masculine words have their feminines by different words in Bengali and Gujrati as — জনক *jōnōk* father, জননী *janōnī* mother, পিতা *pitā* father, মাতা *mātā* mother, বর *bōr* bride-groom, বন *lonyā* bride, ভ্রাতা *bhāṭā* brother ভগিনী *bhōgini* sister, নর *nōr* man, নারী *nārī* woman, পুরুষ *purush* man, স্ত্রী *strī* woman, রাজা *rājā* king, রানী *ragyā* queen, অম্মা *āṁmā* Adam, অম্মাণী *āṁmānī* Eve, বিদ্বান *vidwān* educated man, বিদ্বাণী *viduṣhī* educated woman, কন্দ্র *kandṛa* Mahadō, কন্দ্রাণী *rudranī* Pārwaṭī মাতুল *mātul* maternal uncle, মাতুলানী *matulani* maternal aunt, যুব *jubā* young, যুবতী *jubotī* fare, ভব *bhōw*, Shiv ভবানী *bhawani*, Pārwaṭī বরুণ *warun*, Neptune বরুণানী *warurani* wife of neptune ইন্দ্র *indrō* the king of deties, ইন্দ্রাণী *indhani* the queen of deties, পাপিয়ান *pāpiyān*, sinner পাপিয়ানী *pāpiyānī* wife of sinner

রাজা *rājā* king, রানী *rānī* queen, বাবু *bābu* bridegroom, বাবু *bāhu* bride, সাসুর *sasaro* father-in-law, সাসু *sasu* mother-in-law, ভ্রাতা *bhāṭā* brother, ভগিনী *bhōgini*, ভগিনী *bhābhī* brother's wife, পুরুষ *purush* man, স্ত্রী *strī* woman, পায় *pāro* buffalo (male), পেস *bhen* buffalo (female), অখল *ākhālō* bull, গায়া *gāya* cow, মোর *moṛ* a peacock, ধল *dhal* peashen

(8) Many masculines have double feminines having some difference in their meaning, as — শুদ্র *shūdrā* low caste, (১) শুদ্রা *shudrā* a woman of low caste, (২) শুদ্রী *shudrī* wife of a low caste অস্ত্রিয় *āshōtriyō* warrior caste, (১) অস্ত্রিয়া *āshōtriyā* a woman of warrior caste, (২) অস্ত্রিয়া *āshōtriyī* wife of a warrior caste, বৈশ্য *vaiśhyō* trading caste, (১) বৈশ্যা *vaiśhyā* a woman of trading caste, (২) বৈশ্যা *vaiśhyī* wife of a trading caste,

(49) There are many masculines that have their feminines either by

मकनातीम	थोड़ा ग्लासीपन लिये सफेद चमक पत्थर ।
सिन्दूरिया	सफेदपन लिये गुनाबो ।
लीली	जात नीलम की नीलम से नरमपन और थोड़ा जर्द ।
विरुज	हलका सव्ज रमकी छाटोडा में है ।
मरगज	जात पर्चे की रंग सव्ज लेकिन पानी नहीं ।
पिनोनिया	सव्ज के ऊपर सुर्व क्रीटादार ।
वांशी	सव्ज हलका मग समसे नरम होता है लेकिन पालिस अच्छा होता है ।
दुरेनजफ्	कच्चे धान के माफिक पालिस अच्छा होता है ।
सुलेमानी	काला ऊपर सफेद डोरा ।
आलेमानी	भूरा रंगदार ऊपर डोरा जात सुलेमानी की ।
जजेमानी	रंग पाश के माफिक ऊपर डोरा जात सुलेमानी की ।
मिथार	सव्ज ऊपर भूरा रंग की रेशा ।
तुरमावा	गुलाबीपन लिये जर्द होता है पत्थर बौहत नरम ।
अइवा	गुलाबी ऊपर बड़े बड़े क्रीटा ।
आबरी	कालापन लिये सोने के माफिक ।
लाजवरद	लाल ऊपर सब जगह सोने के क्रीटा रहता है ।
कुदरत	काला ऊपर सफेद और जर्द दाग होता है ।
चिप्ती	काला ऊपर सोने का क्रीटा थार सफेद डोरा मालूम देता है ।
रुनेसम	जात दो अगुरी और सफेद जिस में कपूरे उस से अच्छा होता है ।
लास	जात मारवर की ।
मारवर	रंग पाश के माफिक रंग लाल और सफेद मिला होने से मकराना कहते हैं ।
दानाफिरग	पिसता के माफिक थोड़ा सव्ज होता है ।
कमोटी	काला सोने के कमकी परीक्षा होती है ।
दारचना	दारचीना के माफिक रंग मुमलमान लोग तसवीर बनाते हैं ।

इकीक कुलवहार भवज	पनके साथ जर्द मिला है सुसलमान जप की माला बनाते है पत्थर जन में होता है ।
हानन	गुलाबी मयला हिलाने से हिलता है ।
मिजरी	सफेद ऊपर स्याम दूरुख दीखता है ।
मुनेजप	सफेद में ज्ञान के भाफिक लकीर होती है ।
वाहरवा	पीला जिसका बोरखा भाला बनता है कपूर कहते है ।
भरना	मटिया जिस में पानी देने से सब पानी भर जाता है ।
भगवसरी	आख के सुर में मैं पड़ता है ।
टातला	जरदपन लिये सफेद जैसे गुना सख की भाफिक ।
मकड़ी	माटापन लिये हुए काला ऊपर मकड़ी के जाल के भाफिक ।
मगीया	सख के भाफिक सफेद इस का घड़ीकालाकुट बनता है ।
गुदडी	नाना प्रकार फकीर लोग पहनते हैं ।
कानला	सव्जपन लिये सफेद ।
सिफरी	सव्जपन लिये आममानी ।
हदीद	भुरापनलिये स्याह यजन का भारी होता है सुसलमान लोग माला से जाप करते है ।
हवास	मोनापन लिये सव्ज होता है दवाई में काम आता है ।
नींगली	स्याही और सुरखी मिनी हुई जात भाफिक की ।
ढेडी	काला इस की खल तथा कटोरा बनता है ।
इकीक	रंग सब प्रकार इसका छडी का मूठ तथा कटोरा तथा गिम्लीना होता है ।
गरी	रंग सब प्रकार ऊपर सफेद सत होता है इसका कटोरा तथाजूहार तोलने का वाट होता है ।
मीया	काला इस की नाना प्रकार की मूर्ति बनती है ।
सिमाक	लाल जर्द थोडा स्याह मयला होता है ऊपर सफेद जरद गुलाबी छीटा इस का खल कटोरा बनता है ।
सुमा	सफेद मटिया इसका कटोरा तथा खल बनती है ।

पनधन	घोड़ा सब्जपन लिये छुण काला इस का खिलोना बनता है ।
अमलीया	थोड़ा कालापन लिये गुलाबी इस की खल बनती है ।
डूर	कट्ये के माफिक इस की खल बनती है ।
तिलीयर	काला ऊपर सफेद छोटा इस की खल बनती है ।
खारा	सब्जपनलिये काला इसकी खल बनती है ।
पायजहर	सफेद पागके माफिक धिपके घाय पर घिस कर लगाने से घाय सुख जाता है ।
सिरखडी	रंग मिट्टी के माफिक इसका खिलोना बनता है जखम पर घिस कर लगाने से जखम भर देता है ।
जहर मोरा	थोड़ा सफेद पन लिये सब्ज इसका गुण कोई चीज में धिप मिश्राय कटोरा में धर देने से धिप का दोष जाता है ।
रघात	साल रातने बुखार आवे जिस के गले में बाधने से आराम होता है ।
सोहन मखी	नीला दवाई में पड़ता है ।
हजरतयउद	सफेद मिट्टीके माफिक पौमावकी बीमारीमें फायदा करता है ।
सुरमा	काला आखका अच्छन होता है ।
पारस	काला नीले के साथ लगाने से सोना होता है ।

सग बहुत है लेकिन ये ८४ सग औहरी लोगों में प्रसिद्ध है सग का अङ्ग सब का शीतल है लेकिन सोधने से भय्य करने से अङ्ग बदल जाता है नगीने का घाट चौकीने कु कुतबी कहते हैं छ कौने कु छटास कहते हैं आठ कोनेकु अठास कहते हैं पानघाट कु दरावघाट कहते हैं गोलघाट कु गिरदा कहते हैं हीर का खोटा तुरमलौ माणिक का खोटा नरम पत्थर का खोटा पयगु नीलम का खोटा लोनी समीया का खोटा करकेतक् मूगे का खोटा कहरवा गोमेदकका खोटा तुरपावा मुखराज का खोटा सुनेला मोती का खोटा बिनायती मोती

शिक्षोपदेश ।

सबसे पहले हर एक काम में परब्रह्म परमेश्वर सच्चिदानन्द का ध्यान करना चाहिए क्योंकि परमेश्वर का नाम प्रथम नेने से कार्य की सिद्धि होती है ।

प्रथमे नाजित विद्या द्वितीये नाजित धनम् ।

तृतीये नाजित पुण्य चतुर्थे किं कश्चित् ।

१ प्रथम विद्या सीखने का उद्योग करना चाहिये । क्योंकि विद्या पुरुष का अन्तःस्वरूप है विद्या गुण धन है विद्या भोगकी देनेवाली है सुखकी करनेवाली है विद्यासे यश कीर्ति होती है राज्य सम्मान होता है विद्या बिना नर पशु समान है ।

२ आदमी को उद्यम हमेशा करना चाहिये केवल भाग्यके भरोसे रहना अच्छा नहीं, उद्यम करने से विद्या लक्ष्मी, यश और सुख मिलती है ।

३ माता पिता, बड़ाभाई, गुरु, मानिक और अपने से बड़ों की सेवा बन्दगी हमेशा करनी चाहिये, जो बड़ोंकी सेवा नहीं करते, उनको धर्मकी प्राप्ति नहीं मिलती ।

४ पुरुष का गृहकार और पारुषी का मूल बोलनी है बोलने के वक्त लज्जा नहीं रखनी, पाँच आदमीयोंके सामने विचार कर बोलना, जवाब का ठीक उत्तर देना नम्रता के साथ सीठा बचन बोलना, अभिमान का बचन मरुतुन नहीं निकालना बोलते वक्त क्रोध नहीं लाना सबके आशुवान होकर नहीं बोलना, किसी को कड़वा स्तनी ऐसा बचन नहीं बोलना, दो आदमी अलग बात करते होय जिसके बीचमें नहीं बोलना ।

कवित्त ।

सीखो सब काम धन धामकी सुधारनेकी
सीखो अभिराम वाम राखन इक्षुरमें
सीखो असवारी हय हाथी सुखयानहुकी
सीखो मममेर काटदेन परि घरमें
सीखो मरुधाम गढ कोटके गिरायने को
तिरबोह सीखो महानदीनके पुरमें ।

सौख्यो हीरा हेम और मसन परिचा रघु
धोन्धोन सोख्यो सब सौख्यो गयो धुरमे ॥

५ इतनो का विश्राम नहो करना—१ मूर्ख २ युवती स्त्री ३ जुवारी ४ बदमाश
५ चोर ६ दयाहीन ७ रणहीन ८ भडवा ९ लबाड १० दशमन ११ बालेदार
१२ रोगी १३ अनजान १४ नशावाज १५ अग्नि १६ जन्म १७ मर्ष ।

६ इतनों से बैर नहीं रखना—१ गुरु २ पण्डित ३ स्त्री ४ धेटा ५ बालक
६ छद्म ७ मित्र ८ विप्र ९ वैद्य १० पड़ोसी ११ रसोइया १२ राज्य कारवारी ।

७ इतनो से विवाद नहीं करना—१ राजा २ गुरु ३ बलवान पक्षवाला
५ तपस्वी ६ मूर्ख ७ दीर्घ रोगी ८ अन्धायु ।

८ इतनों गुप्त रखना—१ यन्त्र २ मन्त्र ३ औषधि ४ दान ५ मान ६ अपमान
७ द्रव्य ८ सुकृत ९ गृहस्थिद्व १० खोटाकर्म ११ मर्मकी बात ।

९ इतनों से हमी ठहा नहीं करना—१ नशावाज २ नादान ३ बीमार ४ मूर्ख
५ बालक ६ गरीब ७ मुसाफिर ८ मतवाला ९ धावला ।

१० इतनी ठौर बास नहीं करना—जहा अपना बान्धव नही १ मित्र नहीं २
विद्याका प्रचार नहीं ३ वैद्य नहीं ४ धनकी प्राप्ति नहीं ५ अपनी बड़ाई नहीं ।

११ इतनी ठौर मोनपना रखना—१ देवपूजा में २ जाप में ३ सन्ध्या कर्म में
४ मैथुन में ५ मूत्रने में ६ दिशाफिरने में ७ भोजन में ।

१२ इतना गुण मोटा—१ बड़पना २ विनय ३ परोपकार ४ सुपाय दान ५ निय
प्रज्ञता ६ प्रभुभक्ति ७ धर्मके काम में प्रीति ।

१३ इतना हृदय में धरना १ गुरुवचन २ भलीविद्या ३ सुननता ४ परोप-
कार ५ नियम ६ सन्तोष ७ प्रभुस्मरण ।

१४ इतना बढावना—१ कीर्ति २ गुण ३ कला ४ सुपुत्र ५ कुल ६ क्षमा
७ सुशीलता ।

१५ इतने बाना छोडना नहीं—गुरुभक्ति २ दया ३ धर्म ४ विनय ५ सत्य
६ सुशीलता ७ तप ।

इतना दुख के पात्र हैं—१ राजा अनोत २ खोटे गांव का बाग ३ नीचकुल
की सेवा ४ असंपूर्णविद्या ५ स्त्री कलहकारिणी ६ पण्डितोंकी मूर्खकी मित्रताई

० गुराव भोजन ८ विधवा स्त्रीका योवन ८ मूर्ख भर्तार भागे स्त्रीके खेदकी लहर
१० निधेनता ११ कन्या वधुत ।

इतनों की तमि नहीं होती—१ राजा २ स्त्री ३ विप्र ४ समुद्र ५ अग्नि ६ उदर
७ यम ।

इतने गुरुगुण्य है—१ अणुकर्ता पिता २ माता व्यभिचारिणी ३ पुत्रमूर्ख
४ रूपनी भाव्या ।

इतना मरम्मी के साथ है—१ अहङ्कार २ लज्जा ३ निदयता ४ कठोर वचन
५ नीच पात्र वस्त्र ।

इतनों का जहा तथा आदर होता है—१ विद्वान २ शरीर ३ धनवान
४ रूपवती स्त्री ५ पान ६ सुपारी ।

इतना नहीं करना—१ कुमन्त्र २ कुशिल ३ अतिलोभ ४ कपट ५ मद्यपान
६ विषय ७ वृथाक्रिया ८ राग ९ द्वेष १० भूठ योचना ११ कलेश १२ चुगली १३ पर
निन्दा १४ परहिंसा १५ विस्वामघात १६ पापका व्यवहार १७ पापका उपदेश
१८ सोच में शोक १९ हर्ष में सुखी २० गड़ बसुका सोच २१ परवसु ऊपर प्रीति
२२ अनिष्ट यन्त्र परस्वान्नी २३ अस्माधि २४ पूर्वविरुद्ध काम ।

मत्तपुरुष इकवर्ग—१ दयावन्त २ लज्जावन्त ३ क्षमावन्त ४ धिनयवन्त ५
शास्त्र जाननेवाला ६ विग्रेय ज्ञानता जाननेवाला ७ धर्मको जाननेवाला ८ परोप
कारको जाने १० किया हुआ उपकारको जाने ११ मिष्ट वचन बोली १२ सोमदृष्टि
१३ सत स्मृति १४ गुणग्राहकता १५ गुरवाई १६ सर्वका वस्त्र १७ मिष्टाचारका पक्षी
१८ प्रतिप्रवन्त १९ आदिपणायह २० अभिमानी न रहे २१ पापक्रियासे रक्षित ।

स्त्रीदोष—१ अहङ्कार २ अतिलोभ ३ भूठ ४ कपट ५ मूर्खता ६ दिना विचार
७ निर्दयता ये सात दोष स्त्री जन्मे तिसके साथ जन्मे और पुरुष से स्त्रीका आहार
दुगुणा लज्जा योगुणी काम अष्टगुणा होता है ।

दोस्तीके षट्प्रकार—लेना, देना कहना सुनना, भोजन करना और भोजन
कराना लेकिन दोस्ती हर किसी के साथ नहीं करनी दुनियामें मतलबी पार बहुत है ।

दोस्त तीन तरह के होते हैं—अपना दोस्त, दूसरा दोस्तका दोस्त, तीसरा
दुश्मन का दुश्मन इसी तरह तीन तरहके दुश्मन होते हैं प्रथम अपना दुश्मन

मन दूसरा दोस्तका दुश्मन तीसरा दुश्मन का दोस्त और ज्ञान से देखो तब कोई किसी का दुश्मन नहीं होता फल अपना बदफैल सोची अपना दुश्मन है मुनासिब अपना बदफैल मिटाना ।

सुख सात प्रकार—१ रोगरहित काया २ माथेकरजानही ३ स्त्रीसुपात्र ४ पुत्र-पौत्रादिक ५ पञ्चमहाजनो में प्रतिष्ठवान ६ सगाकुटम्बादिकचारपक्षकरिसहित ७ यात्रादिक बिना आजीविका अर्थ विदेश न जाय ।

विद्या सोटी चौद प्रकार—१ आकाशगामिनी २ परशरीर प्रवेशिनी ३ ग्रहपरा जयिनी ४ वशीकरनी ५ भूतादिदमनी ६ सुवर्णसिद्धी ७ रससिद्धी ८ रजितसिद्धी ९ मोक्षनी १० स्तम्भनी ११ परावर्त्तनी १२ बन्धनोभिनी १३ सर्घसम्पत्कारी १४ शिवपदसाधिनी ।

विद्या छोटी चवदे प्रकार—१ राग पिछान २ रसायन विधि ३ व्याकरण पढ़ना ४ ज्योतिषशास्त्र का ग्यान ५ वेदान्त का जानना ६ नृत्यगीत ७ नटबाजी ८ घोड़े का चढ़ना ९ रथ लाकना १० धनुर्विद्या ११ जल का तिरना १२ धैर्य बचन बोलना १३ दूसरे के चित्तकी बात नखनी १४ ब्रह्मज्ञान ।

रत्न चौद.—१ चक्र २ मण्डित ३ कामपद्म ४ लक्ष्मी ५ मन्त्री ६ स्त्री ७ हस्ति ८ घोडा ९ कामधेनु १० गज ११ दण्ड १२ कुत्र १३ वैद्य १४ अमृत ।

छत्तिस विनोद —१ विद्या २ बुद्धि ३ गणित ४ लिखित ५ चित्र ६ नृत्य ७ कवित्व ८ कथा ९ श्रवण १० दर्शन ११ वार्ता १२ जल १३ पुष्प १४ फल १५ यन्त्र १६ मन्त्र १७ शास्त्र १८ श्रम १९ गज २० तुरङ्गम २१ रथ २२ यात्रा २३ कला २४ क्रीडा २५ कलत्र २६ कर २७ युद्ध २८ तत्व २९ गीत ३० विज्ञान ३१ पक्षी ३२ पतित ३३ वक्रत्व ३४ आखटका ३५ सम्पत्ता ।

अपना मतलब बिनाको उद्यमकरे नहीं
लज्जा बिना मग़ा़म में कोई झुके नहीं
प्रेम की प्रीति बिना रसरीत जाने नहीं
शील बिना मत्त के साथ मिले नहीं
नेमधरे बिना निश्चय पद मिले नहीं
देह धरे बिना परमार्थ साथ मिले नहीं
ध्यान बिना मन की गति धमे नहीं

ज्ञान बिना सुक्तिमार्ग मिले नहीं । दया जैसा धर्म नहीं, अपयश जैसा मरण नहीं । धर्म जैसा मित्र नहीं, पाप जैसा शत्रु नहीं, विद्यावान के कोड़ विदेश नहीं । समर्थवान के कोड़े भी भार नहीं सहनत करनेवाले के कोड़ दूर नहीं । मिष्टवचन बोलनेवालेका कोई दूसरा नहीं, क्रोध जैसा धिय नहीं, चमा जैसा अमृत नहीं । लोभ जैसा दुःख नहीं, सन्तोष जैसा सुख नहीं पण्डित उसको कहना जिसमें सर्व गुण होवे धनवान उसको कहना जिसमें सदा सन्तोष रहे सुखी उसको कहना जिसका चित्त चञ्चल नहीं, सावधान जिसकी कहना धन, यौवन, आयुका भरोसा रखे नहीं । शूरवीर उसको कहना जो स्त्रीके स्नेहवश नहीं होय बुद्धिमान उसको कहना दूसरेको दुःख देवे नहीं बडा उसको कहना जो परोपकार करे दरिद्री उसको कहना जिस्की आशा बहुत, चोर उसको कहना, जो अपनी सम्पदा आप भोगे, सभा शोभिता बोले नहीं, सीखजी बात मुने नहीं, जिसको गूगा जानना कही बात समझे नहीं, जिसको पगू जानना, क्रोध बस होय, उसको अन्धा जानना ।

१ गुस्सा आवे जब बोलनेके पहिले एकसे दसतक गिनना । और जो बहुतही गुस्सा आवे तो एकसे से तक गिनो इससे गुस्से के जोशमें पाप नहीं होगा और वो प्रादमी कोई बखत दुःख भी नहीं पावे ।

२ सतोष न रखनेसे बहुत नुकसान होता है, इसवास्ते जो कुछ अपने को मिले घरमें आनंद मानना चाहिए

३ विश्वासघात करके दुःख के बखत मित्रको छोडना नहीं ।

४ जिस्की प्राप्ति खरचसे ज्यादा बोही श्रीमत्त और जिस्की प्राप्ति खरचसे थोडी वो गरीब ।

५ दूसरे ने दिया हुआ दुःख शांतचित्तसे सहना पण उसको बदले का दुःख न पहुँचाना इसको सहन शीलता कहते है, यह गुण बडा अमोलिक है इस सुातविक चलना बडा कठोण है ।

६ प्रतिष्ठा पूर्वक रहना चाहते हो तो ऋण मतलो और किसी के आगे हाथ न फैलाओ ।

७ यदि चाहते हो कि ससार में अपना कोई शत्रु न होतो क्रोध को तिनाश्रुदो अर्थात् शान्त भाव धारण करो ।

८ पच बनकर किसी से न मिलो ।

नित्य प्रतिकृत्य

आदमीको चाहिये कि रात घण्टा १ बाको रहे जल विस्तार परसे उठ कर अपने दृष्टदेव का ध्यान एकाग्रचित्त से करे उस वक्त बुद्धि ठीक रहती है, इस लीक के, और परलोकके अनैका कार्य सिद्ध होते हैं। अगर इतना जलदीसे नहीं उठ सके, तब भी सूर्योदय होनेके पहिले जरूरी उठना उचित है। फराकत ही कर ठण्डे जलसे मुख धोना, फिर तेल का मर्दन कर स्नान करना, भय स्नानके गुण चेतन्य मुख करि शुभकर्म करनेवाले भाव शुद्धि का हेतु होता है स्नान हृदय के ताप रुधिर के कोष, मनकी ग्लानी, शरीर की दुर्गन्ध, आलस्य, सौच इतनों को दूर करती है, शरीर की कान्तीको बढ़ाती है, और कफ, वायु, हिचकी, छलटौ, छर, चीणता इतने रोगवालेको वा नींद से उठकर, नींद जाती हो उस वक्त, मैथून, करके, भोजन करके, इतनोकी स्नान करना मना है, और उष्ण जलसे स्नान कर शीतल भोजन नहीं खाना, शीतल जल से स्नान कर उष्ण भोजन नहीं खाना, और सवेरे स्नान करने के बाद देवदर्शन पूजन ईश्वर का स्मरण करना, अगर स्थिरता हो तो धर्मशास्त्र सुनना या पढ़ना धर्मशास्त्र सुनने का फल ज्ञान है, ज्ञान का फल मुक्ति है, और भोजन के समय मिष्ट वस्तु चिकनी चरकी खट्टो इत्यादि सब तरह का पाना जिससे शरीर खून का साफ रहता है, भोजन के समय प्रथम जल नहीं पीना, अग्निको मन्द करता है, और भोजन धीरे धीरे करना। अति खट्टा, अति तौखा, अति गर्म अति शीतल, अति रुखा भोजन नहीं करना, भोजनके अन्तमें दूध वा गडकी, छाछ पीना, भोजन करने के बाद दोनो हाथकी इथनी घिस कर तीन वक्त नेत्रोंके उपर फेरना, जिससे नेत्ररोग नहीं होय, नेत्र ठण्डा रहे, पीछे तम्बूल खाकर कदम पचास टहलना पीछे सोना चाहो तो बार्द करवट दाबके सोना वा चित्तधोना जिससे भोजन अच्छा पचता है, भोजनकी दो घण्टा बाद, शीतल जल पीना, और सन्ध्या समय ईश्वर का स्मरण करना, और सन्ध्या समय मैथून, भोजन, सोना, विद्यापढ़ना, इतना मना है, और फजिर उपाकाल हो उस वक्त आठ घुट पानीका पीनेसे अमृत जैसा गुण होता है, और नित्य प्रति शरीरको दबाना, स्तीरुण करना, फिकर करना

इत्यादिसे शरीर कमजोर होता है और बायीं अन्न भोजन, हस्तस्त्रीका सङ्ग करना, सूर्यके तावडे या मेवना, सुन्हा समय निद्रा लेनी, प्रभात समय मैथुन करना इतनी बात प्राणको हरण करती है और नया अन्न, नया हृत वालास्त्री, चीर भोजन गर्मजन्मसे खान इतने प्राणके पोषण करनेवाले हैं । बहुत जल पीनेसे, बिना भुग आहार करनेसे, दिन में सोनेसे, रात्री में जागरण, करनेसे, दम्भ और पेयावकी द्वाजत रोकनेसे, इतने कारणोंसे रोग की उत्पत्ति होती है और मूर्खके सामने बैठके, उत्तम हृद्दके नीचे, जलको जगह में, गडके स्थान में, गोबरके ढेरमें गमथानमें, जिम तर्फ की पवन आती हो उस के सामने या रस्ते में इतनी ठौर मनमुच करमा नहीं चाहिये ।

ऋतुओंका आहार विहार ।

यसन्तऋतु—(१. च, वैशाख) इस ऋतुमें कोपकी प्राप्त हुआ जो कफ सो, रोगों को उत्पन्न करे जठराग्निको नाश करे इस लिये शहत सयुक्त हरड खाय तो कफ दूर होय और भ्रमण करे ।

ग्रीष्म ऋतु—(ज्येष्ठ आषाढ) इस ऋतुमें मुख्य सब प्राणी मात्रका बल हर लेता है इसवास्ते हृत्तादिक की मघा छायाका सेवन उचित है । शुद्धसयुक्त हरड शीतल जल आदि मधुर द्रव्य और हलका भोजन, दाख, चिकाना द्रव्य, शिखरन, मिर्चीका शयत, शीतल जलमें पैरना, फुहारा आदिका छुडाना, कर्पूर चन्दनादिक का नेप, दिनका सोना, घटेकी हवा, चीरका भोजन इत्यादि और भी अच्छी रवतु ये सब इस ऋतुमें पथ्य है और कडवी तीक्ष्ण वस्तु नोन खटाई दाह करनेवाली वस्तु खेद दाह धूप कुपथ्य है ।

वर्षा ऋतु—(आश्विन, भाद्रपद) मेघानोन सयुक्त हरड, खटाई, चिकाना द्रव्य, नोन, मिर्ची, पीपल मिरच, सोठ पिपलामूल, चित्रका, मेघानोन इनसे सयुक्त दही और मछा गर्म पानी, कुए का जल मफेदवस्त्र, इनका भोजन भ्रमण करना इतना पथ्य है और मैथुन, दिनका सोना, खेद धूपमें रहना, तलावका जल, दही वनध्यान ये कुपथ्य है ।

शरद ऋतु—(आश्विन, कार्तिक) वर्षा ऋतु में उपजा जो पित्त सो सरद ऋतु में कोपकी प्राप्त होय उसने दूर करनी के वास्ते मिर्ची सयुक्त हरडका सेवन

और मिश्रीकी आदि ले मीठीवस्तु चावल मुग तलावका जल, गर्मदूध ये पथ्य हैं और दिनका सोना, पूर्वकी वायु, तीक्ष्ण वस्तु नोन, खटाइ धूप, ये कुपघ्न है ।

हेमन्त ऋतु—(भगवण, पौष) इस ऋतु में ताजा घृत, गेहूँ उड़द, गुड़, मोठा दही, नमक, तेल का मटन, तिल, मिश्री आदि मीठा द्रव्य सोठसयुक्तहरड, नवा वस्तु इतना पथ्य है ।

शिशिर ऋतु—(माघ, फाल्गुन) इस ऋतु में मिरिच, अदरक,, सेधानमक, बडा, गुड़, दही, पीपलसयुक्त हरड, तथा हेमन्त ऋतु में लिखा सोई पथ्य है ।

वसन्त ऋतु में कफका कोप

घ्रीष्म ऋतु में वायुका सञ्चय और कफकी शान्ति ।

वर्षा ऋतु में वायुका कोप पित्तका सञ्चय ।

शरद ऋतु में पित्तका कोप वायुकी शान्ति ।

शिशिर ऋतु में कफका सञ्चय ।

वायुका कोप इतने प्रकार से होता है—जलकी वस्तु थोड़ी वस्तु सूखी वस्तु अति शीतल वस्तुको खानेसे अति खेदसे चिन्तासे भयसे सन्ध्या समय मैथुन करने से रात्रि को जागरण करने से जलमें तैरनेसे धातुका क्षीणपनासे अन्न की अजीर्णतासे ।

पित्तका कोप—गर्म तीखी वस्तु कड़वी वस्तु खानेसे निमक खटाइके खानेसे क्रोध करनेसे तापडाको सेवासे मध्याह्न समय भूख मारनेसे प्यासके रोकनेसे पित्तका कोप होता है पित्तके उदय में मीठी वस्तु पर दील होता है ।

कफका कोप—चिकने द्रव्यसे मीठा द्रव्यसे शीतल भोजन से दिनको सोनेसे अग्नि मन्दतासे ।

कफके उदय में खट्टी वस्तुकी अभिलाषा रहती है ।

ज्ञानोपदेश ।

जगतमें पदार्थ चार—धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष इनका साधन करना ।
कुविषय सात प्रकार—जूआ खेलना २ भास भक्षण ३ मदिरा पीना ४ वेश्या गमन
५ परस्त्री गमन ६ जीवहिसा ७ चोरी इनकी त्यागना ।

भय सातप्रकार—१ यहलीक २ परलोक ३ अकस्मात् ४ अजीवका ५ आधान
६ अपयश ७ मरण इनका हमेशा भय रखना ।

यम पाचप्रकार—१ सत्यवचन २ दया ३ चोरी न करना ४ व्यवहार ५ ब्रह्मचर्य ।

नियम पाचप्रकार—१ गुरुसेवा २ सन्तोष ३ सरलता ४ अक्रोध ५ शोच ।

नवधामिनि—१ श्रवण २ कीर्तन ३ चिंतन ४ सेवन ५ वन्दन ६ ध्यान
७ स्मृता ८ समता ९ एकता ।

पुण्य सातप्रकार—१ अन्न खानेको देनेसे २ पानी पीलाने से ३ यज्ञ देनेसे ४ रह-
नेकी स्थान देनेसे ५ सोने बैठनेकी आमन देनेसे ६ और गुणिजन को शील सन्तोष
ज्ञान ध्यान में बड़े हीय जिनकी प्रशंसा करनेसे ७ और उन्हीकी सेवा बन्दगी
करनेसे ।

वैराग्य तीनप्रकार—१ दुःखगर्भित २ मोहगर्भित ३ ज्ञानगर्भित जिसमें ज्ञान-
गर्भित वैराग्य श्रेष्ठ है ।

पट्कर्म—१ देवपूजा २ गुरुसेवा ३ दान ४ तप ५ शास्त्र पठना ६ वैराग्यभाव-
धरना ।

धर्मसे आलस्यन चारप्रकार—१ वाचना २ पूकना ३ परवर्तना ४ अतुषेचा
अथवा १ धर्मकथा २ ध्याना ३ पढ़ना ४ गुणना ।

मतभेद पाचप्रकार—१ कोई परवस्तु स्वभावको माने कोई अद्वयको माने
३ कोई कालको माने ४ कोई निययको माने ५ कोई कर्मके उदयको माने मतभेद
इन पाचोंको माने सोही ज्ञानी है ।

गुरुनक्षत्र—काम क्रोध मोह लोभकी जीत लिया पाप कर्मसे विरक्त विषय से
विरक्त आपदा में धीर रखे मुक्तिमार्गको जाने समारको असार जाने ।

साधु लक्षण—रामदेव से रहित असावान् दयावन्त, ज्ञानवन्त, पापका शत्रु, क्रोध
मान माया लोभ व्याधे नहीं, आत्माके स्वरूपको जाने, समता में अवलोक, योग पालने
वाला दुःख सहनेवाला, मरणका भय नहीं, पञ्चेन्द्रियकी जीतनेवाला ज्ञानका उपयोग
करनेवाला धर्मका मण्ड ।

साधुकी परीक्षा—बालजीव होयसो भेग देखे, मध्यम जीव होय सो आचरण देखे, पण्डित हो सो ज्ञानतत्त्व देखे परीक्षा करे ।

तपलक्षम्—मनकी इच्छाको रोकना, ब्रह्मचर्य पालना, शीतलस्रभाव रखना, ज्ञान साथ एकताभाव रखना, खोटा ध्यान धरना नहीं, बकबद करना नहीं, झूठ बोलना नहीं, क्रोध मान कपटाई, लोभसे विरक्त प्रभुके ध्यान समुक्त जिसको तपस्वी कहना ।

क्रिया लक्षण—जिस क्रियासे शुद्ध आत्माका अनुभव होय वही शुद्धक्रिया है ज्ञान सहित क्रिया सुक्तिमार्ग का कारण है, परमात्मा द्रव्यका अनुभव योगका सोई बीज ध्यानका अभ्यास करना यही सुक्तिमार्ग है, क्रिया करना प्रति धरना धर्मशास्त्रको मानना क्रियाकी विधि जाने जिसकी मद्दत करे क्रिया जानने की इच्छा करना सुदृढ़ता लोभ प्रतिद्वन्द्वता अज्ञानता भय सठता संतुमरता इनके मद्दसे क्रियाका प्रारम्भ करे, तो निष्फल होता है । जबतक मनस्थिर नहीं होय तबतक शास्त्रोक्त क्रिया करे सो सर्व निरर्थ होता है ।

ज्ञानी—गई बसुको याद करे नहीं, अगाही बसुकी इच्छा नहीं, शीत तथा सुख दुःखको गिने नहीं, मान अपमानको समानपने माने, शुद्ध क्रिया करे, फलकी इच्छा करे नहीं, द्रव्यगुण पर्यायको जाने ममता बटावे नहीं ज्ञान ध्यानमें सावधान रहे ।

ब्रम्हज्ञानी लक्षण—अच्छी बसु मिलने से हर्ष नहीं करे, भीर विगाड होनेसे शोक नहीं करे, अपना स्वभावसे चलायमान नहीं होवे वही ज्ञानी होय ।

बहिरात्मा लक्षण—जिसके विषय, क्रोध, मान, कपटाई, लोभ होय, तत्त्वकी रुची नहीं गुण ऊपर देख धरे आत्माकी पहचान नहीं ।

अन्तरात्मा लक्षण—जिसके तत्त्वकी रुचि होय ज्ञान होय योगवृत्ति होय मोक्षको जीत लिया अप्रमादीपना होय ।

परमात्मा लक्षण—जिसकी गई है उपाधि कर्मसे विरक्त केवल ज्ञानी ।

व्यवहार शिक्षा ।

१ आदमी को धन प्राप्ति करनेका उद्यम हमेशा करना चाहिये । संसार का काम भोग सब धन के आधीन है ।

२ भाजीविका छ' प्रकार से है—तेती करनेसे २ बिद्या से ३ व्यापार करने से ॥ नौकरो करने से ५ कारीगरी करने से ६ जानवर पालने से

७ उत्तम सो दुखिसे कमाता है मध्यम सो हायसे कमाता है, अधम सो पगो से कमाता है, अधमाधम सो मस्तक से बोझा उठाकर कमाता है ।

४ व्यवहार जगत में बहुत तरह का है, लेकिन जो व्यवहार अपने से इनसके सो करना । व्यवहार आदमी का स्वरूप है, व्यापार, का फल भोगना वा देना । जिस व्यवहार में बहुत आदमियोंको नफा दीखे सो व्यवहार, अपने घरकी पूजीका बल और देगकालका प्रसङ्ग देख फायदे रूपी काम करना, प्रथम थोड़ा करना फिर लाभ देखे तो ययायोय्य करना और बहुत धधा करनेवाला अथवा बहुत लोभके काम में जानेवाला आगिर निशय ठगाता है ।

५ जिसके घरमें पैदा होय अथवा पैदामे खर्च ज्यादा होय, धंधा बहुत होय, जबाबिया होय, इतनोंको उधार देना नहो चाहिये ।

६ लुब्धा आदमी से गिपाही से वा विप्रसे लेन देनका व्यवहार नहीं रखना ।

७ अपना व्यवहार सुद रखना व्यवहार सुद जिसका धन सुद धन सुद जिसका आहार सुद, आहार सुद जिसका देह सुद ।

८ हिसाब कोमीका अपनी बही में दुरुस्त रखना, रुपैया लेना निकले यो तकाजा करके ले लेता, अगर देना निकले तो तुरत चुकती देदेना । अपने घरमें रुपैया पड़ा रहे जिसकी जोखिम मिटे दूसरे का चहसान रहे नही और हिसाब को सफाई होय ।

९ लेन देनका खाता बहुत दिनोंतक नहीं चलाना, हिसाबका अलसेट किसीसे नहीं रखना, अगर अलसेट पडे तक कोगिश करके जल्दी निमटाना, अपने घरमें कुछ कामरपडकर घरमें फँसला होय जतक अटालत नहीं जाना ।

१० रुपैया किसीको देना सो प्रथम बही वा कागजमें नाम लिखकर पीछे देना अपना खाता तैयार रखना, देतावरोकी चिट्ठी आवे सो अथवा चिट्ठी लिखनेके बख और खाता खताने के बख इतना हरकिसीके सामने लिखना वाचा नहीं ।

११ दस्तावेज किसीसे कराना सो पक्का कराना और अपना दस्तावेज दूसरे को खूब समझ नूझ कर देना ।

१२ सेन देनका व्यवहार घरवालोंसे अथवा ममतावालोंसे काम रखना अगर काम पड़े तो दो एक बातका ज्यादा खुलासा कर लेना चाहिये ।

१३ आठत किसीसे करनी सो पक्की आसामी से करनी, भगडा अससेट करने वालोंसे काम नहीं डालना । और आदृतियेको चिट्ठी देना जिम्मे मतलब रूपी काम हरफो में समाचार लिखना ।

१४ गुमास्ता रखना सो लिखने पढने में दुस्त होय, मेहनती होय खातिरै वाला होय जिसको रखना और अनजान को कुविषयी को नहीं रखना ।

१५ गुमास्तागिरी करनी होवे तो प्रथम सेठसे पेटभर रोजगारका खुलासा कर लेना चाहिये, अपने से काम बन सके जितना सभावना काम मेहनत और चौकसे ककटारीके साथ करना ।

१६ दलाली करनी होवे तो मेहनत करना सरम नहीं रखनी बडे आदमी-योंकी खुशामद करनी और ज्यादा रोजगार का ठब बाधना ।

१७ अपने घरमें पैदा होवे सो देख लेना पैदा होवे जिससे खर्च कम करना छोटे काममें रुपैया खर्च नही करना, बनसके जहातक कर्जदार नहीं होना ।

१८ दिना बिसारे कोईकाम नहीं करना, अगर सलाह किसीसे लेना चाहिये (जिसको पाच भले आदमी सराहते होय अक्तदार होय दयावान होय तिनसे लेना ।

१९ व्यवहारके काम में साच रखना झूठा भरोसा किसीको नहीं देना, किसी का मुलाहजा रखकर झूठ नहीं बोलना सरम नहीं रखना, अत्यन्त लोभकी काममें जाना नहीं, आलस करना नहीं, हर किसीका विश्वास करना नहीं, अपने मतलब में जोशियार रहना ।

२० चिट्ठीमें मतलवरूपी बातें लिखना चाहिए व्यर्थज्यादा समाचार न बढाना चाहिए ।

२१ जिस चिट्ठीका जबाब लिखना होय पहिले आई हुईचिट्ठीकी बाचके तब फिर जबाब लिखना चाहिए ।

डाकका कायदा ।

हिन्दी मनीषारडर ।

डाकद्वारा मनीषारडर भेजने में ५ रुपये तक १० रुपये पर १५ रुपये पर १० फीस देना पड़ता है, फिर पन्द्रह से ऊपर २५ तक १० फीस और २५ से अधिक रुपये के मनीषारडर पर अधिक महसूल लगता है ।

एक आदमी के नामका एक मनीषारडर डाक की मारफत रु० १०० तक होता है अगर इसमें ज्यादा रुपये का मनीषारडर उसी दिन कराना होवे तो दूसरे आदमी के नामका दूसरा मनीषारडर होने सक्ता है ।

१ जो चिट्ठी चारों तरफ से बन्द होती है उसे पढ़ने का किसीको अधिकार नहीं यदि चिट्ठी पौन तोले तक बजनकी हो तो बाधे जाने का टिकट लगाना चाहिये और पौन तोले से ऊपर डेढ़ तोले तक एक आने का टिकट, लगाया होगा ।

बैरंग या कम महसूली चिट्ठीका महसूल इसी हिसाब से दुगुना लगता है ।

जवाबी कार्ड उन्हें कहते हैं जो दो कार्ड जुड़े हुये दो पैसोको मिलता है उन मेंसे १ पर हाल लिखा जाता है दूसरा जिस पर रिप्लाई (Reply) शब्द लिखा है जवाब को लिये खाली सायम होता है हा वैयक्त इसपर भेजनेवाला अपना पता लिख सकता है ।

पैकट ।

यह दोनों तरफ से किनारों को तरफ खुला होता है इसमें पुस्तकें छपी हुए कागज छपने के लिये छायकी मिछी कापियां भेजी जाती है इसका महसूल १० तोले तक बाधे जाने और फिर हर दस तोले तक के लिये बाधे भागा बढ़ता है ।

नमूना ।

नमूने की वस्तु भी बाधे जाने में १० तोले तक भेजी जा सकती है और फिर हर दस तोले पर बाधे जाने बढ़ा होता जाता है ।

पारसल का खर्चा ।

तोले १०) तक १)	तोले २४०) तक ॥१)
तोले ४०) तक १)	तोले २८०) तक १)
तोले ८०) तक ॥१)	तोले ३२०) तक १)
तोले १२०) तक ॥१)	तोले ३६०) तक १)
तोले १६०) तक ॥१)	तोले ४००) तक १)
तोले २००) तक ॥१)	तोले ४४०) तक १)
	तोले ४८०) तक १)

४८० तोले के ऊपर २००० तोले तक हर ४० तोल का १)

पार्सल ।

४४० तोले के भीतर तक पार्सल बिगर रजिस्ट्रि किये जासक्ता है पर इससे ऊपर बिना रजिस्ट्री के नहीं जासक्ता । बैरंग पारसल नहीं जाता । रजिस्ट्रि कराई का १/४ टिकट अधिक लगाया जाता है । पारसल दो हजार तोले तक जासक्ता है । मगर एकही पारसल ४४० तोले से ज्यादा होने से उस पार्सल का, मसुमूल दूना लिया जाता है ।

वेल्थुपेवल पोष्ट ।

पारसल, कागज, किताब, रेलवे मालकी रसीद इत्यादि जिस धनीकी पोंड्याकी उसके पाससे मालका रुपैया लेना होवे तो डाकवाला पोंड्या सक्ता है और इसका कमिशन मनिपांडर के मुजब लिया जाता है जिस धनीकी कोइ चीज भेज्या है और वह धनी उसका रुपैया न देवे तो डाकवाला मान धनी को माल फिरती पोंड्या कर फक्त एक तरफ का मसुमूल लेता है ।

डाक में फोई ऐसी चीज रवाना न करना जिससे पाग लगजावे या डाक का नुकसान होजावे या डाकवानों को तकलीफ पहुचे जैसे की बारूद, टोपी, गोरा, नील, ग्रीसा, चर्क वगैरे और फोई ऐसी नाजुक और गमाली चीज होवे कि चाहे यह कैसे ही दुस्ती से बन्दकर के रवाना किया होवे फिर भी उस को रस्तामें या पार्सलों की रगड से नुकसान पहुचे उसको सरकार हजेंको जिम्मेदार नहीं होगी और डाकवानों को हुकम है की ऐसी चीज न लवें ।

बीमा कराना ।

हरिज वस्तु के यथोचित पहुँच नके लिये उसका बीमा हो सकता है बीमा की वस्तु ५० रुपये तकका हो तो और महसूल के उपरान्त ५ देना पड़ता है और फिर ५० या उसके हिस्से पर ५ देना होता है ।

बीमा चिट्ठी रजिस्टर्ड या रजिस्ट्रार पार्सल का होता है और अन रजिस्टर्ड पार्सल का नहीं हो सकता ।

रवानगी की रसीद ।

हरिज अनरजिस्टर्ड पार्सल या चिट्ठी एक पैकेट बगैरह की रसीद एक पैकेट टिकट लगाकर भेजनेवाला ले सकता है उसपर पाने जानेका नाम पता लिखकर एक पैसा का टिकट लगाकर डाक घरमें पेश करना होता है ।

रेलके माल की रसीद ।

रेलके माल (पार्सल) की रसीद खुली चिट्ठी में रजिस्ट्री करके रजिस्ट्री गृहा ५० पी० के तौर पर रवाना करना चाहिये और उसकी मालियत १००० से अधिक न होनी चाहिये और उसके लिफाफे पर भेजनेवाले की सही रहनी चाहिये कि पानेवाले के कहने से यह माल भेजा जाता है फिर वह रसीद पानेवाले के सुकाम के डाकघर पर पहुँचने पर पानेवाला डाकघर में उसकी लागत जमा करके रसीद छुड़ा सकता है और फिर उस रसीद को रेलके स्टेशन पर पेश करके अपना मगाया माल छुड़ा सकता है और उस मात्रकी लागत का रुपया मनीभांडर द्वारा उस मालके भेजनेवाले के पास डाक के कर्मचारी लोग पहुँचा देंगे ।

लेट फ्री (देर से पत्रके चलान का महसूल ।)

लेट लेटर फ्री के हिमाय से ज्यादा लगा कर डालना चाहिये । अगर (plat form) पर कोई वस्तु न हो तो (late letter fee) का ॥ लगा कर (train letter) वस्तु में रवाना करना चाहिये और यदि किसी स्टेशन में १ मीलके अन्दर कोई नेटर वस्तु न हो तो बिना (late letter fee) लगाए train letter box में letter रवाना हो सकता है ।

खारिज टिकट ।

को टिकट एक बार मोहर लग कर खारिज हो गया और वह दुबारा न लगाया

चाहिये क्योंकि इससे सकार का नुकसान होने के कारण दो माल के जेल और जुर्माने की सजा दी गई है। फटे टिकट भी न लगाने चाहिये।

यदि कोई डाक में छोड़ी हुई चीज वापिस मंगाना हो तो उसके लिये १) फीम दरखास के साथ जमा करना चाहिये जिसकी कि पूरी जाच होने पर वापिस मिल सकती है।

यदि कोई चीज किसी खास डाक में रखाना करना हो तो १५ मिनिट डाक की रवानगी के पहले डाक घर में पहुँचानी चाहिये और साथ ही Registered Letter पर १) और un registered पर १)। का टिकट लगा देना चाहिये।

फसलकत्ता बडामजार हावडा बवई और मद्रास के स्टेशनों पर गाड़ी के लैटर बक्स में चिट्ठी न डालना चाहिये और यदि plat form पर कोई letter box हो तो उसमें आध आने का टिकट वतौर कि मैं फसलानी जगह जाता हूँ अगर मेरी कोई चिट्ठी पत्नी आवे तो इस पते से सेरे पास रखाना हो जाना चाहिये। इससे चिट्ठी पत्नी के मिलने में देर नहीं होती। चिट्ठी खोलने के पहले डाकघर की मोहर देपना चाहिये कि यह कब चली और कब अपने पास पट्ट चली चाहिये। अगर देरी से पहुँचे तो उसकी चिट्ठी निकात कर खाली निकाफा रिपोर्ट के साथ सुपरि-एन्टेण्ड को पास भेजना चाहिये कि फिर कभी ऐसी देर न हो।

सेविंग बैंक ।

सेविंग बैंक में रुपया जमा करने के दो स्तर रखे गए हैं (१) तो बच निम्न में रुपया जमा करने पर ६ महीने बाद नोटिम दे कर रुपया वापिस मिलता है जिस पर ११ सालाना सैकडे के निसाब से व्याज मिलता है और (२) रुपया जमा करने पर जो चाहे तब रुपया वापिस लिया जा सकता है जिसमें व्याज ३ १/२ मिलता है क्योंकि हमें में एकवार सोम या शनि को रुपया मिलसक्ता है। दोनों सालता २००० से ज्यादा नहीं जमा हो सकता और नावाचिग के नाम से १००० से ज्यादा जमा नहीं किया जासक्ता।

रुपया जमा करवाले को पामबुक नामक एक छोटी सी किताब चन्द्रेजी या उसके मन माफिक और कोई किताब उसी देशी भाषा की चापी हुई मिलती है जिस देशके डाक घर में वह रुपया जमा करता है।

जिस पर कि उसका नाम टिकाना और खाते का नम्बर रहता है। पहने यह

किताब मुफ्त दी जाती है, अगर उसकी गनती से यह किताब खो जाय तो १) जमा करने पर दूसरी प्रति उसकी दी जाती है। इस किताब में जो रकम दर्ज की जाती है उसीके अनुसार सर्कार रुपया देती है। इसलिये उसकी रजम आदि को डाकघर में चलाने के पहले जोशियारी से देख लेना चाहिये।

यदि कोई किसी और जगह जाना चाहे यो यदि वहाँ के डाकघर में सेविग बैंक का कारबार जारी हो तो उसका खाता जारी होने से ३ महीने बाद वहाँ के डाकघर में बदल दिया जासकता है जिसके लिये एक दरखास्त और अपना पासबुक डाक पाने में पेश करना चाहिये पर एक हेंड आफिस से दूसरे हेंड आफिस में १६ वीं मार्च से ३१ वीं मार्च तक नहीं बदला जासकता।

रजवाड़ी डाकघर ।

देशी रजवाड़ी डाकघर केवल भारतवर्ष में ५ पाच है—चाय्या, ग्वालियर, भिंद नाभा और पटियाला जिनके साथ सर्कार ने चिट्ठी पत्ती के बदल बदल का प्रबन्ध इसी गाइड के नियुक्त नियमोपगों और महमूल के अनुसार किया गया है। सर्कारी चिट्ठी लिफाफे पोस्टकार्ड पर रियासत का नाम निगान छपा रहता है जो कि उसी रजवाड़ी लेटर बक्स में डाला जा सकता है कि जिस रजवाड़े का उन पर नाम निगान रहता सर्कारी लेटर बक्स में डालने से बैरग हो जाते है।

जब जहाँ देश से परदेश जाना हो तो डाक मुन्सी को अपना पता लिख कर दरखास्त लिख देना चाहिये।

रेलका कायदा ।

१ गाड़ी की रवानगी के कमसे कम १० मिनट पहले टिकट लेकर स्टेशन पर मुसाफिर को हाजिर हो जाना चाहिये।

२ कानकता, हवड़ा, यौरामपुर, चन्दननगर, मेमारी, बरेल्लान, भासानभोल, वैद्यनाथ, मोकामा, पटना, बाकीपुर, दीनापुर, गया, आरा, भोगलसराय, प्रागजी, जव्वलपुर, कापुर, पठावा, टुण्डला, पत्नीगढ और दिल्ली के स्टेशनों पर मुसाफिर जब चाहे तब दिन के समय अपना मान लगेज में दे सकते हैं और टिकट खरीद सकते हैं।

मनेजर या डिस्ट्रिक्ट ट्राफिक सुपरिण्टेण्डेंट महोदय की सेवा में दस्तावेज के साथ भेजना चाहिये ।

१५ ४४ घण्टे पहले नोटिस भेजने से जगानी या मर्दानी गाड़ी या खाना (कम्पाट मेट) रिक्त (स्वतन्त्र) मिल सकती है यदि नोटिस दे देने पर स्वतन्त्रता के प्राप्त करने को दरकार न हो तो इस विषय का भी नोटिस देना चाहिये नहीं तो ४ घण्टे की गाड़ी के पहले घंटे का ५ और फि एन घण्टे का १) इनकारो नोटिस न पहुँचने तक का लगता है ।

१६ ऐसी स्वतन्त्रता की गाड़ी या खाने में किसी स्टेशन पर ठहर नहीं सकते क्योंकि जहा चटना दरकार होगा वहा से वहा तकका समय २ मइमून देना पड़ेगा और जितना समय लगेगा उतना मइमून और ऊपर से उस गाड़ी का किराया १५ से नियम के अनुसार देना पड़ेगा

१७ कुत्तों का मइमून हर २५ कोस का १) लगता है और अम्बाला कानका लैन में ॥) । कोई यात्री बिना हुकुम पसेञ्जर गाड़ीमें कुत्ता नहीं ले जासता । इसका एक खाता अलग गार्ड की पिछली गाड़ी में रहता है । कुत्ते के गले में पट्टा और मिकनी रहनी चाहिये ।

१८ कनकसे की हुगली नदी का पुल जहाज के वास्ते खोल दिया जाता है आगवोट परभानेवाले हवडे के यात्रियोंसे दाम नहीं लिया जाता ।

१९ कनकसे या बगई होकर लदन जाने वाले यात्रियों को बी० आर० एस० एन० कम्पनी के मनेजर एजेण्ट को सूचीपत्र लिखना चाहिये जिस से उनकी कलफता हवडा, सीरामपुर, ताडकेखर, हुगली, बर्दान, नलहाटी, रानीगज, मधुपुर, सांजेशगज, भागलपुर, जमालपुर, मुंगेर, मोकामाघाट, घटना, मिर्जापुर, बाकीपुर, दिवाघाट, गया, दीनापुर, आरा, बक्सर, मोगलसराय, बाकीपुर, कानपुर, प्रागजी, आगरा, अलीगढ, दिल्ली इत्यादि से टिकट मिल सकता है ।

धर्मशाला ।

१ हवडा स्टेशन के पास ही राजा शिवधर बागला की बनाई धर्मशाला है ।
२ ताडकेखर में "ताडकेखर और बैद्यपुर नामक दो धर्मशाला मइमून सत्तीश खन्दागिरि और मानू विपिन विहारी सेनाकी है । दोनों में सदाव्रत बटता है ।

३ अजीमगञ्ज स्टेशन के पास ही दुतर्फा बहुसिध बहादुर और राय धनपत सिध की धर्मशाला केवल जैनी और भोसवानो के लिये बनी है। खानेका समाज खूब मिलता है।

४ सागनपुर स्टेशन के पास ही अजीमगञ्ज के राय धनपत सिध बहादुर की "जैनधर्मशाला" है जिसमें २०० मनुष्य ठिक सकते हैं। दूसरी तोडमनकी धर्मशाला में १०० मनुष्यों की गुञ्जायश है।

५ गिरीडिह स्टेशन के पास ही पारसगाय के यात्रियों ही के लिये सुरशीदा बाद के राय धनपत सिध की धर्मशाला खड़ी है।

६ मोकामा स्टेशन के पास लाला भगवानदाम बागला की धर्मशाला है। यहाँ भोजन की सामग्री किफायत दाम पर बिकती है।

७ पटने में ३ धर्मशाला है—एक स्टेशन के पास लाला गुरमुखराय सरावगी की, दूसरी मगनेश तनाय के पास स्टेशन से पाव कोस पर खर्गवासी लाला अनन्त लाल अगरवाल की है। स्टेशन से आधकोस पर बीच चौक में यहाँ के मारवाड़ी समाज ने तीसरी धर्मशाला बनवाई है।

८ बाक्रीपुर स्टेशन के दोतर्फा लाला जोई और खर्गवासी लाला छोटेलास की धर्मशालाएँ बनी हैं। सब चीजे यहाँ पास की दुकानों पर सुभीते से मिलती हैं।

९ गयास्टेशन के ठीक सामने शिवप्रसाद झुनझुनवासे की धर्मशाला केपत सनातन धर्मावलम्बियों के लिये बनी है। इसमें ५०० मनुष्यों तक की बसेरा दिया जाता है। दूसरी बौद्ध गया मन्दिर के पास बौद्ध यात्रियों के लिये महा बौद्धावलम्बी समाज ने बड़ा एकत्रित करके बनाई है।

१० मिर्जापुर में सेठ भैरामस बमोधर की धर्मशाला मौजूद है।

११ बिन्ध्याचल में स्टेशन के पास सेठ शिवनारायण बलदेवदास सिधायिया की धर्मशाला है।

१२ जैनी स्टेशन के सटोक उत्तर की ओर सेठ बिष्णरीमान कुष्ठमान की धर्मशाला है, जहाँ पर कि सदाव्रत भी बटता है। इन्दी की बनाई धर्मशाला ओप्रागराज में है जहाँ सब प्रकार की वस्तु मिल सकती है।

१३ कानपुर—स्टेशनसे पाव कोस के लग भग सेठ वैजनाय रामनाथ की धर्मशाला है। स्टेशन से ४०० गज के लग भग उत्तर पश्चिम के कोण पर सेठ तुलसीराम शिवप्रसाद की धर्मशाला है।

१४ पोगरा—भागरा फोर्ट स्टेशन से ४०० गजके लगभग उत्तर पश्चिम के कोण पर लाला रामविश्वनाथ सरावगी की धर्मशाला है इसमें ब्राह्मण का वासा है और खाने पीनेका बहुत आराम है ।

१५ अलीगढ़ में स्टेशन के पास ही भाला अयोध्याप्रसाद की धर्मशाला है । इस में २० मनुष्यों का निर्वाह होता है इसके पासको दुकानों पर सुभीतेसे भोजन का सामान मिलता है और इसीके पास बड़ा भारी एक तलाव स्नान सभ्याके लिये उपस्थित है ।

१६ दिल्ली में लाला जहामल की धर्मशाला स्टेशन से पाव मीलके लगभग है ।

तारका कायदा ।

१ बिजली के तार द्वारा जो समाचार मिलते हैं और भेजे जाते हैं उसको तार कहते हैं । यह तीन प्रकार के होते हैं । अर्जेन्ट (खुरी) पार्डीनरी (मामूनी) डिफर्ड (चार आनेवाला)

२ तारके महसूलका नियम ।

तारका दर्जा	शब्दकी संख्या	दर	हर एक शब्दका दर	तार देनेका वा तार धरसे समाचार पाने का समय
अर्जेन्ट (खुरी)	१६	२)	५	दिन रात २४ घण्टे खुला रहता है
पार्डीनरी (मामूनी)	१६	१)	५	५ बजेसे ८ बजे रात तक परन्तु अर्जेन्ट तारके बाद भेजा जाता है
डिफर्ड (साधारणसे माधारण)	१०	१)	५	५ बजेसे ८ बजे तक लिया जाता है परन्तु खबर सब से पीछे भेजी जाती है ।

तार भेजने वाले को तार धर से रसीद दी जाती है ।

३ किसी वस्तुका महसूल यदि मूल से अधिक लेलिया गया हो वह अधिक

महसूल उसको वापस दिया जाता है अगर मैजनेवाला अधिक टिकट लगाकर कोई वस्तु भेजता है तब उसको अधिक टिकट वापस नहीं मिलता जबतक कि सुपरिण्टेण्डेंट, चेक आफिस, गवर्नमेण्ट टेलीग्राम डिपार्टमेण्ट कनकता की पास दरखास्त न दे।

४ अगर तार भेजने वाला हिन्दुस्तानमें खबर भेजने के निमित्त फारम लिखकर तार घरमें देदे और रवाना होने के पहले भेजना न चाहे तो उसको दिये हुए महसूल से दोषाना पैसा काट कर वापस दिया जाता है। तार भेजनेवाला वा तार घर का किरानो फारम पर टिकट लग जाने और उस पर मोहर पड़ जाने पर उसका दाम दरखास्त देनेसे लौट दिया जाएगा। खबर के रवाना हो जाने पर दाम जमा करने से खबर रोक दिया जा सकता है। अगर तार भेजनेवाला खबर रुकने की सूचना तार हो द्वारा जानना चाहे तो वह फिरती तारके महसूल जमा करने पर तार द्वारा जान सकता है नहीं तो डाक द्वारा उसको खबर रुकने की सूचना मिल सकती है। यदि पानेवाला खबर पा गया हो तो पानेवाले को उपरोक्त काररवाई के होजाने पर उस तारके खारिज हो जाने की सूचना दे दी जायगी।

५ यदि तार भेजने वाला किसी मनुष्यके पास सरकारी चाक्री में खबर भेजते समय जवाब के लिये पहले महसूल जमा करना चाहे तो चार चार पैसे कम जमा नहीं करा सकता। एक पाने का भाग नहीं दिया जाता है। जवाबी तार भेजना वाला फारम पर (R P) जवाबी महसूल में पढ़े और उसका दाम भी लिख सकता है।

६ जवाबी तारका पानेवाला जवाब भेजने की जिम्मेदार नहीं है।

७ तार भेजने वाला यदि एकही तार घरके डाक हाउस में बंद एक मनुष्य के पास समाचार भेजना चाहे तो एक ही महसूल में भेज सकता है परन्तु हरपक्ष स्थान के लिए चारपाना और एकही महसूल में भेज सकता है परन्तु पहिला पक्ष एक ही मनुष्य के पास भेजने में दूसरा महसूल देना होगा और दोप के पास केवल चारपाना कापी कराईया और चार पाना दाम में अधिक महसूल का समाचार पक्ष आयगा। इस प्रकार के तार भेजने वाले से उत्तर पक्ष में महसूल नहीं लिया जायगा है।

८ तार पाने वाला यदि तार घरमें पांच मौल में अधिक दाम उसका तार वहा में डाक द्वारा भेजा जायेगा।

८ जिस स्थान में तारघर न हो यदि वहाँ तार भेजा जाय तब यह तार उस स्थान के समीप वाला तार घर में जायगा और वहाँसे तार भेजने वाले के कहने अनुसार चाहे तो डाक द्वारा समाचार भेजा जायगा चाहे वहाँ तार घर के पिछन द्वारा भेजा जायगा । इस दशमें तार भेजने वाले को तार घर के पिछन का खर्चा देना पड़ेगा और तार के फारम पर (X P) लिखना पड़ेगा । यदि तार घर के आदमी के खर्चा से कम दाम तार भेजने वाले टाखिल करेगा तब उसका समाचार डाक द्वारा भेजा जायगा ।

१० तार घर से डाक द्वारा जब तार भेजा जाता है तो भेजने वाली से डाक महसूल नहीं लिया जाता ।

छापेखाने में तारभेजने के नियम ।

११ यदि कोई तार भेजने वाला सर्वसाधारण के भलाई के निमित्त कोई समाचार पत्रों में छापने के निमित्त भेजना चाहे तब उसको नीचे लिखे हुए दर से महसूल देना पड़ता है ।

दरजा	कितना शब्द तक भेज सकता है ।	कमसे कम कितना देना होगा	४८ वा ५४ से हर एक छ शब्द अधिकका	ठिकाना
ओरडोगरी (साधारण)	४८	१)	१)	ठिकाने के भी शब्द जोड़ जायगे
डिफर्ड (माध्याह्निक साधारण)	५४	१)	१)	"

१२ तार भेजने वाले को अपने समाचार पत्र (News paper) के ठिकाने पर टेलीग्राफ के डाइरेक्टर जनरल के वंशी में रजिटर किया हुआ नाम लिखना चाहिये । ऐसे समाचार पत्र की तालिका (फेहरिस्त) तारघरे नियमावली में लिखे हुए रहते हैं । समाचार पत्र सरकारी तार आफिस में रजिस्टरी के क्रिये भेजा जाता है ।

१३ समाचार पत्र में कोई तार द्वारा समाचार भेजना चाहे तो केवल २४०

शब्द एक बार भेज सकता है यदि इससे अधिक शब्द आन-पड तब हर एक २४० शब्द के पीछे M T F क्रमशः खिन्न कर आगे का समाचार दूसरे तारमें लिखना चाहिये M T F का महसुल नही देना पडता ।

१४ तार घरके डाइरेक्टर जनरल से आग्रा लेकर समाचार पत्र का सम्पादक वैरज समाचार तार द्वारा मगा सकता है ।

१५ तार भेजनेवाले के दस्तखत किये हुए और विषय लिखे हुए फारम केवल तीन दिन गवर्नमेण्ट के तार आफिस में रहते हैं इसके पीछे गवर्नमेण्ट टेलीग्राफ डिपार्टमेंट कलकत्ता के चेक आफिस में भेज दिये जाते हैं तब वहा चार मासतक सभास कर रहते हैं । फिर नष्ट कर दिये जाते हैं ।

१६ यदि तार भेजनेवाला वा पानेवाला अपने नाम के भेजे हुए वा भेजाए हुए फारम फिर देखना चाहे तो गवर्नमेंट टेलीग्राफ डिपार्टमेंट कलकत्ता के चेक आफिस के सुपरिण्टेण्डेण्ट के पास तीन दिन के भीतर दरखास्त पत्र और ज़ामिनी देकर वह फारम लेकर देख सकते हैं ।

१७ उपरोक्त कापी के पानेवालों को हर एक सी शब्द वा उसके अशका १) आना देना पडता है ।

हुण्डी ।

सिन्धु कलकत्ता सुभस्यान भाईजी श्रीरामगोपाल बट्टीप्रसाद योग्य लिखी अजमेरसे अनूपचंद हरदियाल केन श्री जैगोपाल बाचिज्यो अपरच हुण्डी १ रुपये ५००) अ के पांचसोहकी निमे रुपये अठारहसोके दूने पूरे यहा रखे दानमल शिव-प्रसाद पास मिति चैत्र वदी ८ बार रबी से मुहत्त दिन ५१ इक्कावन पीछे नेमी साहयोग्य रुपये हुण्डी बलण दीज्यो मितो चैत्र वदी ८ सबत् १८६२ । दसव्या ।

पैठ ।

सिन्धु कलकत्ता सुभस्यान भाईजी श्रीरामगोपाल बट्टीप्रसाद योग्यलिखी अजमेरसे अनूपचंद हरदीयाल केन श्रीजैगोपाल बाचिजी अपरच हुण्डी १ रुपये ५००) अ के पांचसोकी निमे रुपये अठारहसोके दूने पूरे यहा रखे दानमल शिव-प्रसाद पास मिति चैत्र वदी ८ बार रबी से मुहत्त दिन ५१ इक्कावन पीछे नेमी साहयोग्य रुपये हुण्डी बलन दीज्यो लिखी यो परन्तु रखेवाला धनी कहता है कीं

हुण्डी खोई गइ, इसवास्तु पैठ लिख देते हैं कि 'आप अपनी रोकड़, रजनावा, खाता सब बहियोंको चौकस देख तपासके इस पैठ की रीति प्रमाण सीकार दाम दीजियेगा कदाचित् हुण्डी पड़िले मीकर गई होवे तो पैठ रह समझ वाच करके फेर दीजियेगा सनद नग २ आपके ऊपर लिखी है उनमें से एक सनद का रुपये मुजरे देवेगे । मिती चैत्र सुदी १० । सम्बत् १८६२ ।

परपैठ ।

सिधयो कनकता सुभस्थान भाई जी श्रीरामगोपालजी बट्टीप्रसादजी जोग लिखी अजमेर से अनूपचंद हरदियाल केनथोत्तेगोपाल बाँचिजी उपरस हुण्डी किता १ रुपैया ५००) अ के पाँच सो के दुने पत्र यहा रखे दानमल शिवप्रसाद पाम सिती चैत्र बदी ८ बार रबीसे सुहत दिन ५१ इकावन पौछे नामी साह जोग रुपैया हुण्डी चलन दीज्यो लिखी थी, तथा पैठ लिखी है मिती चैत्र सुदी १३ सो भी रखेवाला धनी कहता है कि खोई, गई, इसवास्तु परपैठ लिख देते हैं आप वहाँ अपनी सब बहियोंको चौकस देख तपास के परपैठ लिखे प्रमाण सकार दाम दीजियेगा कदाचित् हुण्डी अथवा पैठ आगे सकार चुक्या जावे तो यह परपैठ रही समझ वाचके फेर दीजियेगा सनद नग ३ आपके ऊपर लिखी है जिसमें से सनद नग १ का रुपैया हम मुजरे देंगे मिती बैशाख बदी ५ सम्बत् १८६२ दसखत ।

कानूनी बातों का सचेष्ट,

वार्जा लेनेका स्टाम्प ।

यदि कर्ज १० रुपयेसे अधिक न हो तो १) का स्टाम्प लेकर उसपर लिखना होगा और दमसे ५० तक २) पचाससे १००) रु० तक ३) एकसौसे २००) तक ४) फिर २००) से ६०० तक ५) रु० ३०० से ४०००) तक ६) रुपयेका टाप लेना फिर दमसे ऊपर हर सैकड़े पर ७) अधिक लगाना होगा ।

रसीदका स्टाम्प ।

रसोद अगर २०) रुपयेसे कमकी हो ता सादे कागजपर भी लिखी जा सकती है और २५) रुपया या इससे अधिककी हो तो उसपर १) एक आने का रसीदी टिकट लगाना पड़ेगा, ऐसा नहीं करनेमें लिखने लिखानेवाले दोनों अपराधी समझे जावेगे ।

रसूम-अदालत ।

यदि किसीको दीवानी नालिश कमी होती जो टावा ५) रुपयेसे कम होती
 1=) का स्टाम्प लगाना होगा फिर पाचसे १०) तक ॥) का और फिर हर पाचके
 हिस्सेके लिये । =) बढ़ाते रहना होगा अर्थात् १०) के दावे को रसूम ७) रुपये
 होगी हजार रुपये तक फो रसूम में इसी तरह ७) रुपये फो सैंकडा बढेगा फिर
 ५०००) हजारतक ५) रुपये सैंकडा और फिर १००००) तक फो २५) पर १०)
 ५० और दस हजारसे ज्यादा १०) ५० रसूम अदालत होती है और ३०) हजारसे
 अधिक एक दावे में (बिना विशेष कारणके नहीं) लिया जाता है अगर प्रादम दखल
 या बाकी हो तो बाधो फिस लगेगी और तजबीज सानी भी प्रायना यदि डिम्पे के
 दिनसे १०) दिनके भीतर होती फीस बाधो लगेगी पीछे पूरी ।

बैनामा बगैरह ।

बैनामा लिखानेमें बिकरी की हुई मानियत ५०) रुपये से ज्यादा न हो गे ५) के
 स्टाम्प पर लिखा जावेगा ५०) से अधिक १००) तक १) का १००) अधिक १०००)
 तक १) फो सैंकडा बढेगा फिर हजार से ऊपर हर ५००) पर ३) रुपये बढेंगे ।

किराया नामा ।

किराये नामेको सरखेन भी कहते हैं जिन्में किराये के गट्टे से लेके टिप्पे
 इकारके दिनतक १०) रुपयेसे अधिक न हो गे १) के स्टाम्प पर लिखा जावेगा और
 १०) से ५०) तक ५) और ५०) से १००) तक १) फिर हर सैंकडे पर एक डिमाव ।
 बडे बडे चड्डेको तो पोंकी मुनामा

सम्पाट सप्तम एडरड १०१ भारतके राजपराय बडे गट्ट ३१ प्रान्तीय गवर्नर १०

लेफ्टिनेंट गवर्नर १५ एक्सेक्यूटिव गवर्नर १३ चैंसलर १३ पोलिटिक्स
 एलेक्ट ११

जिनमें का तौह और भाप ।

बिनाशतौ सिका ।

४ फादिग का १ पेनी
 १ पेनी का ८ पाई
 १२ पेनीकी १ गिल्लिंग

१० गिल्लिंग की
 ४ गिल्लिंग का
 २१ गिल्लिंग की

अंग्रेजी औषधीय तेल ।

१५ पेन्मकी	१ थोट
२४ सेनकी	१ स्क्रुपल
३ स्क्रुपलका	१ ड्राम
८ ड्रामका	१ ओंस
१२ ओंसका	१ पौंड

कपड़े का वा जमीन का नाप

२॥ इंचोका	१ नेल
४ नेलका	१ क्वार्टर
४ क्वार्टरका	१ गज
१ गजका	१ एल
१२ इंचोका	१ फुट
१२ फुटका	१ गज
५१ गजका	१ पोल
४० पोलका	१ फरलौंग
८ फरलौंगका	१ मैल
३ मैल	१ लीग
६०॥ मैलकी	१ डिग्री
१७६० गजकी	१ मैल

कागज का ।

२४ शीटका	१ क्वॉयर
१०॥ क्वॉयरका	१ टोकन
२० क्वॉयरका	१ रीम
१ रीमका	१ बडल
२० रीमका	१ बेल

महाराष्ट्र देश का तेल ।

८० तौलेका	१ सेर
५ सेरकी	१ पसेरो

८ पसेरीका	१ मन
-----------	------

२० मनकी	१ खडो
१२० खेरका	१ पक्का

मोती का तेल ।

१६ बीसवासी का	१ बदाम
१६ बदाम का	१ दुकडा
१०० दुकडे का	१ चउ
१३३३ टका की	१ रत्ती
२४ रती का	१ टाक

मराठी जमीन का नाप

२० चौरचकाठीकी	१ पाड
२० पाडकी	१ बीघा
३२० बिघाका	१ चाडूर
१६ चौरसघाना का	१ गडा
४० गुठेकी	१ एकर

अंग्रेजी वक्त ।

६० सेकण्ड की	१ मिनट
६० मिनट की	१ घटा
२४ घटेका	१ दिन
७ दिनका	१ हफता
४ हफतेका	१ महीना
१२ महिने का	१ वर्ष

जुंझार का तेल कलकत्ते में

कलकत्ता दर रुपये १) भर की रत्ती ६४
सुम्बईकी रत्ती १०० जिसकी रत्ती १०३
उतरती है ।

जैपुर दिल्ली और बनारस की रत्ती १००
जिसकी रत्ती ८८० उतरती है ।

मोती चउका हिसान दाणा १ ऊपर.

रत्ती	चउ	दाकडा	रत्ती	चउ	दाकडा
१)	•	३॥	१०१)	१॥	१४॥॥
२)	•	४॥	१०२)	१॥	१५॥
३)	•	५॥	१०३)	१॥	१६॥
४)	•	६॥	१०४)	१॥	१७॥
५)	•	७॥	१०५)	१॥	१८॥
६)	•	८॥	१०६)	१॥	१९॥
७)	•	९॥	१०७)	१॥	२०॥
८)	•	१०॥	१०८)	१॥	२१॥
९)	•	११॥	१०९)	१॥	२२॥
१०)	•	१२॥	११०)	१॥	२३॥
११)	•	१३॥	१११)	१॥	२४॥
१२)	•	१४॥	११२)	१॥	२५॥
१३)	•	१५॥	११३)	१॥	२६॥
१४)	•	१६॥	११४)	१॥	२७॥
१५)	•	१७॥	११५)	१॥	२८॥
१६)	•	१८॥	११६)	१॥	२९॥
१७)	•	१९॥	११७)	१॥	३०॥
१८)	•	२०॥	११८)	१॥	३१॥
१९)	•	२१॥	११९)	१॥	३२॥
२०)	•	२२॥	१२०)	१॥	३३॥
२१)	•	२३॥	१२१)	१॥	३४॥
२२)	•	२४॥	१२२)	१॥	३५॥
२३)	•	२५॥	१२३)	१॥	३६॥
२४)	•	२६॥	१२४)	१॥	३७॥
२५)	•	२७॥	१२५)	१॥	३८॥
२६)	•	२८॥	१२६)	१॥	३९॥
२७)	•	२९॥	१२७)	१॥	४०॥
२८)	•	३०॥	१२८)	१॥	४१॥
२९)	•	३१॥	१२९)	१॥	४२॥
३०)	•	३२॥	१३०)	१॥	४३॥
३१)	•	३३॥	१३१)	१॥	४४॥
३२)	•	३४॥	१३२)	१॥	४५॥
३३)	•	३५॥	१३३)	१॥	४६॥
३४)	•	३६॥	१३४)	१॥	४७॥
३५)	•	३७॥	१३५)	१॥	४८॥
३६)	•	३८॥	१३६)	१॥	४९॥
३७)	•	३९॥	१३७)	१॥	५०॥
३८)	•	४०॥	१३८)	१॥	५१॥
३९)	•	४१॥	१३९)	१॥	५२॥
४०)	•	४२॥	१४०)	१॥	५३॥
४१)	•	४३॥	१४१)	१॥	५४॥
४२)	•	४४॥	१४२)	१॥	५५॥
४३)	•	४५॥	१४३)	१॥	५६॥
४४)	•	४६॥	१४४)	१॥	५७॥
४५)	•	४७॥	१४५)	१॥	५८॥
४६)	•	४८॥	१४६)	१॥	५९॥
४७)	•	४९॥	१४७)	१॥	६०॥
४८)	•	५०॥	१४८)	१॥	६१॥
४९)	•	५१॥	१४९)	१॥	६२॥
५०)	•	५२॥	१५०)	१॥	६३॥
५१)	•	५३॥	१५१)	१॥	६४॥
५२)	•	५४॥	१५२)	१॥	६५॥
५३)	•	५५॥	१५३)	१॥	६६॥
५४)	•	५६॥	१५४)	१॥	६७॥
५५)	•	५७॥	१५५)	१॥	६८॥
५६)	•	५८॥	१५६)	१॥	६९॥
५७)	•	५९॥	१५७)	१॥	७०॥
५८)	•	६०॥	१५८)	१॥	७१॥
५९)	•	६१॥	१५९)	१॥	७२॥
६०)	•	६२॥	१६०)	१॥	७३॥
६१)	•	६३॥	१६१)	१॥	७४॥
६२)	•	६४॥	१६२)	१॥	७५॥
६३)	•	६५॥	१६३)	१॥	७६॥
६४)	•	६६॥	१६४)	१॥	७७॥
६५)	•	६७॥	१६५)	१॥	७८॥
६६)	•	६८॥	१६६)	१॥	७९॥
६७)	•	६९॥	१६७)	१॥	८०॥
६८)	•	७०॥	१६८)	१॥	८१॥
६९)	•	७१॥	१६९)	१॥	८२॥
७०)	•	७२॥	१७०)	१॥	८३॥
७१)	•	७३॥	१७१)	१॥	८४॥
७२)	•	७४॥	१७२)	१॥	८५॥
७३)	•	७५॥	१७३)	१॥	८६॥
७४)	•	७६॥	१७४)	१॥	८७॥
७५)	•	७७॥	१७५)	१॥	८८॥
७६)	•	७८॥	१७६)	१॥	८९॥
७७)	•	७९॥	१७७)	१॥	९०॥
७८)	•	८०॥	१७८)	१॥	९१॥
७९)	•	८१॥	१७९)	१॥	९२॥
८०)	•	८२॥	१८०)	१॥	९३॥
८१)	•	८३॥	१८१)	१॥	९४॥
८२)	•	८४॥	१८२)	१॥	९५॥
८३)	•	८५॥	१८३)	१॥	९६॥
८४)	•	८६॥	१८४)	१॥	९७॥
८५)	•	८७॥	१८५)	१॥	९८॥
८६)	•	८८॥	१८६)	१॥	९९॥
८७)	•	८९॥	१८७)	१॥	१००॥
८८)	•	९०॥	१८८)	१॥	१०१॥
८९)	•	९१॥	१८९)	१॥	१०२॥
९०)	•	९२॥	१९०)	१॥	१०३॥
९१)	•	९३॥	१९१)	१॥	१०४॥
९२)	•	९४॥	१९२)	१॥	१०५॥
९३)	•	९५॥	१९३)	१॥	१०६॥
९४)	•	९६॥	१९४)	१॥	१०७॥
९५)	•	९७॥	१९५)	१॥	१०८॥
९६)	•	९८॥	१९६)	१॥	१०९॥
९७)	•	९९॥	१९७)	१॥	११०॥
९८)	•	१००॥	१९८)	१॥	१११॥
९९)	•	१०१॥	१९९)	१॥	११२॥
१००)	•	१०२॥	२००)	१॥	११३॥

भोती चउका हिसाव दाणा १ ऊपर.

रत्ती	घर	दाकडा	रत्ती	घर	दाकडा
३१)	५।	१२।/१	४१)	११॥	१७१/॥
३२)	५॥	८।३॥	४२)	१२।	७॥
३३)	५॥	७/॥	४३)	१३॥	८॥/॥
३४)	६	५५।	४४)	१२॥	१७१।
३५)	६।	३१/।	४५)	१३।	११५
३६)	६॥	२१।/१	४६)	१३॥	१११/
३७)	६॥	१५३॥	४७)	१३॥	२११३।
३८)	७	१३॥/१	५०)	१४।	७।॥
३९)	७।	२/॥	५१)	१४॥	१८।/१
४०)	७।	२॥/॥	५२)	१५	४॥/॥
४१)	७॥	४)	५३)	१५।	१६१/॥
४२)	८	४१/॥	५४)	१५॥	४/॥
४३)	८।	७१३॥	५५)	१६	१६१/॥
४४)	८॥	१०।	५६)	१६॥	५३
४५)	८॥	१३३॥	५७)	१६॥	१८॥/॥
४६)	८	१६।/॥	५८)	१७।	८/
४७)	८।	२०४/॥	५९)	१७॥	२२४३
४८)	८॥	२४॥/॥	६०)	१८	१२०३॥
४९)	१०	४१/॥	६१)	१८॥	३।
५०)	१०।	८॥/१	६२)	१८॥	१८३।
५१)	१०॥	१४।३॥	६३)	१८।	१५।/॥
५२)	१०॥	२११/॥	६४)	१८॥	२।३।
५३)	११	३५॥	६५)	२०	१८॥
५४)	११॥	१०५॥	६६)	२०॥	१२॥

मोती चउका हिसाव दाणा १ ऊपर-

रत्ती	चउ	दोकडा	रत्ती	चउ	दोकडा
६८)	२१	५॥॥	७॥८)	३२॥	१॥॥
६९)	२१।	२४।८	७।९)	३२।	१॥॥
६९)	२१॥	१८॥॥	७॥९)	३३॥	१०॥॥
६।८)	२२।	१२॥॥	७॥९)	३४।	१६।
६।८)	२२॥	७॥॥	७॥८)	३४॥	२१॥॥
६।९)	२३।	३।॥॥	७॥९)	३५॥	२॥॥
६।९)	२३॥	२४।	७॥९)	३६	८॥॥
६॥८)	२४	२०।८	८)	३६॥	१६।॥
६॥८)	२४॥	१७।॥	८)	३७	२४॥॥
६॥८)	२५	१४॥८	८)	३७॥	७।
६॥९)	२५॥	१२॥॥	८)	३८।	१५॥॥
६॥९)	२६	१०।॥	८)	३८॥	२४।॥
६॥९)	२६॥	८॥॥	८।८)	३८॥	८॥॥
६॥९)	२७	७॥॥	८।८)	४०	१८।॥
६॥९)	२७॥	७।	८।९)	४०॥	३॥॥
७)	२८	७।॥	८।९)	४१।	१४।८
७)	२८॥	७।८	८।९)	४२	१।॥
७)	२८	८।॥	८।९)	४२॥	११॥॥
७९)	२८॥	८॥॥	८।९)	४३	२३॥॥
७।८)	३०	११।८	८॥९)	४३॥	११।८
७।८)	३०॥	१३।८	८॥९)	४४।	२४।८
७।९)	३१	१६।८	८॥९)	४५	१२।८
७।९)	३१॥	१८॥॥	८॥९)	४५॥	१।८
७॥९)	३२	२२॥॥	८)	४६॥	१५।

मोति चउका हिसाव दाणा-१. ऊपर

रत्ती	चउ	टोकडा	रत्ती	चउ	टोकडा
१५१)	१२८॥	२३१।	१६॥१)	१५७	१६१॥
१५२)	१३१	६।॥	१६२)	१५८।	८॥१
१५३)	१३२	१४॥१॥	१६३)	१५८॥	४॥॥
१५४)	१३३	२३॥१।	१६४)	१६०॥	२३०॥१।
१५५)	१३४।	८।१।	१६५)	१६१॥॥	१८१
१५६)	१३५।	१८॥१।	१६६)	१६३	१४॥॥
१५७)	१३६॥	३॥१॥॥	१६७)	१६४।	१०॥१।
१५८)	१३७॥	१४।१।	१६८)	१६५॥	७।॥
१५९)	१३८॥॥	१॥॥	१६९)	१६६॥॥	४।१।
१६०)	१३८॥॥	१२॥॥	१७०)	१६८	११॥॥
१६१)	१४०॥॥	२४।१॥	१७१)	१६८	२४॥॥
१६२)	१४२	११॥१॥	१७२)	१७०	२२॥॥॥
१६३)	१४३	२४॥१॥॥	१७३)	१७१॥	२५॥१॥॥
१६४)	१४४।	१३॥१।	१७४)	१७२॥॥	२०॥१
१६५)	१४५॥	२१॥॥	१७५)	१७४	२०॥॥॥
१६६)	१४६॥	१६॥१॥॥	१७६)	१७५।	२०॥१
१६७)	१४७॥॥	६॥॥	१७७)	१७६॥	२१॥
१६८)	१४८॥॥	२१॥॥॥	१७८)	५७७॥॥	२२॥॥॥
१६९)	१५०	१२।१॥	१७९)	१७८	२३॥१
१७०)	१५११	३॥१।	१८०)	१८०॥	१॥॥
१७१)	१५२।	२०॥॥॥	१८१)	१८१॥॥	२३॥॥
१७२)	१५३॥	१२॥॥	१८२)	१८३	५॥१।
१७३)	१५४॥॥	४॥॥॥	१८३)	१८४।	८॥१
१७४)	१५५॥॥	२२१॥॥	१८४)	१८५१	१२॥

मोती चउका हिसाव दाणा १ ऊपर.

रत्ती	घउ	दोकडा	रत्ती	घउ	दोकडा
१८१	१८६॥	१६॥१)	१८१/)	२१८।	१॥
१८२	१८८	२१॥	१८२/)	२२०॥	१५१/॥
१८३	१८८॥	१६॥	१८३/)	२२२	६/॥
१८४	१८०॥	६॥१)	१८४/)	२२३।	२०१/॥
१८५	१८२	१२॥१)	१८५/)	२२४॥	१६॥
१८६	१८३।	१८॥१॥	१८६/)	२२६।	६/॥
१८७	१८४॥	॥	१८७/)	२२७॥	२३०॥
१८८	१८६	८/	२०)	२२८	१६॥॥
१८९	१८७।	१५॥॥	२०/)	२३०॥	१०/॥
१९०	१८८॥	२३॥१)	२०१)	२३२	४/)
१९१	२००	७॥॥	२०१/)	२३३।	२३१/॥
१९२	२०१।	१६॥॥	२०१/)	२३४॥	१८॥
१९३	२०२॥	१/॥	२०१/)	२३६।	१३१/॥
१९४	२०४	११/॥	२०१/)	२३७॥	८/॥
१९५	२०५।	२१॥१)	२०१/)	२३८।	५६॥
१९६	२०६॥	७/॥	२०१/)	२४०॥	१॥
१९७	२०८	१८॥॥	२०१/)	२४२	२३०॥॥
१९८	२०८॥	४/	२०१/)	२४३॥	२११/।
१९९	२१०॥	१७॥	२०१/)	२४५	१८१/।
२००	२१२।	५/।	२०१/)	२४६॥	१७॥॥
२०१	२१३॥	१८॥	२०१/)	२४८	१६१॥
२०२	२१५।	६॥	२०१/)	२४८॥	१५॥॥
२०३	२१६।	२०॥॥	२०१/)	२५२	१५॥॥
२०४	२१७॥	१०॥	२१)	२५२॥	१५॥

मोती चउका हिसाब दाणा १ ऊपर.

रत्ती	घउ	दोकाडा	रत्ती	घउ	दोकाडा
२११)	२५४	१६॥	२२॥)	२८१॥	१५॥
२११)	२५५॥	१७॥	२२॥)	२८२॥	२॥
२११)	२५७	१८॥	२२॥)	२८४॥	१४॥
२११)	२५८॥	२०॥	२२॥)	२८६॥	२॥
२११)	२६०	२३॥	२२॥)	२८८	१५॥
२११)	२६१॥	१॥	२२॥)	२८९॥	३॥
२११)	२६२॥	४॥	२२॥)	३०१॥	१७॥
२११)	२६४	८॥	२२॥)	३०३	७॥
२११)	२६६॥	१२॥	२२॥)	३०४॥	२२॥
२११)	२६७॥	१६॥	२२॥)	३०६॥	१२॥
२११)	२६८॥	२२	२२॥)	३०८	३॥
२११)	२७१	२॥	२२॥)	३०९॥	१८॥
२११)	२७२॥	८॥	२२॥)	३११॥	११॥
२११)	२७४	१४॥	२२॥)	३१३	३॥
२११)	२७५॥	२१॥	२२॥)	३१४॥	२१॥
२२॥)	२७७॥	४॥	२२॥)	३१६॥	१४॥
२२॥)	२७८॥	११॥	२२॥)	३१८	७॥
२२॥)	२८०॥	२०॥	२२॥)	३१९॥	१७॥
२२॥)	२८२	३॥	२२॥)	३२१॥	२२॥
२२॥)	२८३॥	१२॥	२२॥)	३२३	१६॥
२२॥)	२८५	२२॥	२२॥)	३२४॥	११॥
२२॥)	२८६॥	७॥	२२॥)	३२६॥	७॥
२२॥)	२८८	१८	२२॥)	३२८	२॥
२२॥)	२९०	३॥	२२॥)	३३०	—

भोति चउका हिसाब दाणा १ ऊपर

रत्ती	खंड	दोकडा	रत्ती	खंड	दोकडा
२४१)	२४१॥	२२१॥	२४१॥)	२०४॥	११॥
२४१॥)	२४२॥	१८१॥	२४१॥॥)	२०६॥	२०॥
२४१॥॥)	२४३॥	१८१॥	२४१॥॥॥)	२०८॥	३॥
२४१॥॥॥)	२४४॥	१६१॥	२४१॥॥॥॥)	२०८॥॥	१२॥
२४१॥॥॥॥)	२४५॥	१५॥	२४१॥॥॥॥॥)	२०८॥॥॥	२२॥॥
२४१॥॥॥॥॥)	२४६॥	१४॥॥	२४१॥॥॥॥॥॥)	२०८॥॥॥॥	३०॥॥
२४१॥॥॥॥॥॥)	२४७॥	१४॥॥॥	२४१॥॥॥॥॥॥॥)	२०८॥॥॥॥॥	१८॥॥
२४१॥॥॥॥॥॥॥)	२४८॥	१४॥॥॥॥	२४१॥॥॥॥॥॥॥॥)	२०८॥॥॥॥॥॥	४१॥॥
२४१॥॥॥॥॥॥॥॥)	२४९॥	१५॥	२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२०८॥॥॥॥॥॥॥	१५॥॥॥
२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२५०॥	१६॥	२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२०८॥॥॥॥॥॥॥॥	२॥
२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२५०॥॥	१८॥	२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२०८॥॥॥॥॥॥॥॥॥	१४॥॥
२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२५०॥॥॥	१८॥॥	२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२०८॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥	२॥
२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२५०॥॥॥॥	२२॥	२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२०८॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥	१५॥॥
२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२५०॥॥॥॥॥	१॥	२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२०८॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥	४१॥॥
२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२५०॥॥॥॥॥॥	२॥	२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२०८॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥	१८॥॥
२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२५०॥॥॥॥॥॥॥	३०॥॥	२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२०८॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥	८॥
२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२५०॥॥॥॥॥॥॥॥	११॥॥॥	२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२०८॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥	२२॥
२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२५०॥॥॥॥॥॥॥॥॥	१६॥	२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२०८॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥	११॥
२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२५०॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥	२१॥॥	२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२०८॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥	४१॥॥
२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२५०॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥	२॥	२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२०८॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥	२०॥॥
२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२५०॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥	८॥	२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२०८॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥	१२॥
२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२५०॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥	१४॥॥	२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२०८॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥	४१॥
२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२००॥	२१॥	२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	४१५॥	२२॥
२४१॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥)	२०२॥	२०॥॥	२०॥	४१०॥	१५॥॥

भोती चउका हिसाब दाणा १ ऊपर

रत्ती	चउ	दोशडा	रत्ती	चउ	दोशडा
२७/)	४१२॥	८।	२८/)	४६७।	१४॥
२७/)	४२१॥	३।	२८/)	४६८।	१८।
२७/)	४२३।	२२॥	२८/)	४७१।	२४॥
२७/)	४२५।	१७।	२८/)	४७३॥	५०।
२७/)	४२७।	१३	२८/)	४७५॥	११।
२७/)	४२८।	८॥	२८/)	४७७॥	१७॥
२७/)	४३१।	५३	२८/)	४७८॥	२४॥
२७/)	४३३।	१॥	२८/)	४८१॥	७।
२७/)	४३५	२४	२८/)	४८३॥	१५।
२७/)	४३७	२१॥	२८/)	४८५॥	२७॥
२७/)	४३८	१८॥	२८/)	४८८	७॥
२७/)	४४१	१८॥	२८/)	४८०	१६॥
२७/)	४४३	१७॥	२८/)	४८२।	१।
२७/)	४४५	१६॥	२८/)	४८४।	११॥
२७/)	४४७	१६।	२८/)	४८६।	२२
२८/)	४४८	१६॥	२८/)	४८८॥	८/
२८/)	४५१	१७॥	२८/)	५००॥	१८॥
२८/)	४५३	१८॥	२८/)	५०२।	६॥
२८/)	४५५	२०	२८/)	५०४॥	१८॥
२८/)	४५७	२२।	२८/)	५०७	६॥
२८/)	४५८	२४॥	२८/)	५०८	२०
२८/)	४६१।	२॥	२८/)	५११।	८॥
२८/)	४६३।	६।	२८/)	५१३।	२२॥
२८/)	४६५।	१०	२८/)	५१५॥	१२॥

मोती चउका हिसाब दाणा १ ऊपर

रत्ती	चउ	दोकडा	रत्ती	चउ	दोकडा
३००)	५१७॥	२॥०	३१॥०)	५७०॥	२३॥
३००)	५१८॥	१८	३१॥०)	५७२॥	२४॥
३००)	५२२	८	३१॥०)	५७५॥	१॥
३००)	५२४॥	७॥	३१॥०)	५७७॥	३॥०
३००)	५२६॥	१७॥०	३१॥०)	५७८॥	६॥०
३००)	५२८॥	८॥०	३१॥०)	५८२	८॥
३००)	५३०॥	२॥०	३१॥०)	५८४॥	१२॥
३००)	५३२॥	२०॥०	३२०)	५८६॥	१६॥०
३००)	५३५	१४॥	३२०)	५८८॥	२१०
३००)	५३७॥	८॥	३२०)	५८९॥	७॥०
३००)	५३८॥	२०॥०	३२०)	५८३॥	६॥
३००)	५४१॥	२८॥०	३२०)	५८५॥	११॥०
३००)	५४३॥	१८॥	३२०)	५८८	१८०
३००)	५४६	१४॥०	३२०)	६००॥	२४॥
३००)	५४८॥	१०॥	३२०)	६०२॥	६॥
३००)	५४०॥	७॥	३२०)	६०५	१४०
३००)	५४२॥	४॥	३२०)	६०७॥	२२॥
३००)	५४५	२॥	३२०)	६०८॥	५॥
३००)	५४७॥	७॥०	३२०)	६१२	१४॥०
३००)	५४८॥	२३॥०	३२०)	६१४॥	२३॥०
३००)	५४९॥	२२॥०	३२०)	६१६॥	८॥०
३००)	५५३॥	२२॥०	३२०)	६१८	१८॥०
३००)	५५६	२२॥	३२०)	६२१॥	४॥
३००)	५५८॥	२२॥०	३२०)	६२३॥	१५०

મોતી ચડકા હિસાવ દાણા ૧ ડપર.

રસો	ચઘ	દોકાઢા	રસો	ચઘ	દોકાઢા
૨૨૧)	૬૨૬।	૨/૩	૨૪૧)	૬૮૪।	૧૨૩
૨૨૨)	૬૨૮	૧૪/૩	૨૪૨)	૬૮૬	૧૧૧
૨૨૩)	૬૨૯	૧૧/૨	૨૪૩)	૬૮૮।	૮૧/૩
૨૨૪)	૬૩૨।	૧૪	૨૪૪)	૬૮૯	૮।
૨૨૫)	૬૩૫	૨૩/૩	૨૪૫)	૬૯૪।	૭૧/
૨૨૬)	૬૩૮	૧૬/૧	૨૪૬)	૬૯૬	૬/
૨૨૭)	૬૪૦	૪/૧	૨૪૭)	૬૯૮।	૬/
૨૨૮)	૬૪૨	૨૦/	૨૪૮)	૭૦૧	૭।
૨૨૯)	૬૪૫।	૧૦	૨૪૯)	૭૦૪।	૮/
૨૩૦)	૬૪૭	૧।	૨૫૦)	૭૦૬	૯
૨૩૧)	૬૫૦	૧૭।	૨૫૧)	૭૦૮।	૧૧
૨૩૨)	૬૫૨	૮	૨૫૨)	૭૧૧	૧૨
૨૩૩)	૬૫૫	૭	૨૫૩)	૭૧૪।	૧૩
૨૩૪)	૬૫૭।	૧૮/	૨૫૪)	૭૧૬	૧૪
૨૩૫)	૬૫૮	૧૦/૧	૨૫૫)	૭૧૮	૧૮।
૨૩૬)	૬૬૨।	૪/	૨૫૬)	૭૨૨	૨૨
૨૩૭)	૬૬૪	૨૨/૩	૨૫૭)	૭૨૪	૨૪
૨૩૮)	૬૬૭	૧૭	૨૫૮)	૭૨૭	૨૬
૨૩૯)	૬૬૮	૧૧/૧	૨૫૯)	૭૨૮	૨૮
૨૪૦)	૬૭૨	૬	૨૬૦)	૭૩૦	૨૨/
૨૪૧)	૬૭૪	૨।	૨૬૧)	૭૩૪	૨૪/
૨૪૨)	૬૭૬	૨૧/	૨૬૨)	૭૩૭	૨૦
૨૪૩)	૬૭૮	૧૮/	૨૬૩)	૭૩૮	૧૭/
૨૪૪)	૬૮૧	૧૬/	૨૬૪)	૭૪૨	૦

मोती चउका हिसाब दाणा एक ऊपर-

रत्ती	चउ	दोकडा	रत्ती	चउ	दोकडा
३६१)	७४५	८	३७१)	८०८	१०१॥
३६२)	७४७॥	१६॥	३७२)	८११	४१॥
३६३)	७५०	२॥	३७३)	८१३॥	२४१
३६४)	७५२॥	८॥१	३७४)	८१६	१८१
३६५)	७५५	१८१॥	३७५)	८१८	१४॥
३६६)	७५८	५	३७६)	८२१॥	१०॥
३६७)	७६०॥	१५१॥॥	३७७)	८२४॥	७१
३६८)	७६२	१॥१	३७८)	८२७	४१॥
३६९)	७६५॥	६२॥	३७९)	८३०	१॥
३७०)	७६८॥	२॥	३८०)	८३२॥	२४१॥
३७१)	७७१	१३	३८१)	७३५	२२४॥
३७२)	७७३॥	१	३८२)	८३८	२११
३७३)	७७६	१४॥	३८३)	८४०॥	२०१॥
३७४)	७७८	३१	३८४)	८४३॥	२०
३७५)	७८१॥	१७॥	३८५)	८४६	२०
३७६)	७८४	७१	३८६)	८४८	२०॥१
३७७)	७८६॥	२२॥	३८७)	८५१॥	२१॥
३७८)	७८८॥	१३॥	३८८)	८५४॥	२२॥१
३७९)	७९१	४१)	३८९)	८५७	२४॥
३८०)	७९४॥	२०॥	३९०)	८६०	२
३८१)	७९७	१२॥	३९१)	८६३	४॥
३८२)	८००	५१	३९२)	८६५॥	७४॥
३८३)	८०२॥	२३१	३९३)	८६८॥	११॥
३८४)	८०५	१६१॥	३९४)	८७१	१५॥

મોતી ચણકા હિસાવ દાણા ૧ ઊપર.

રત્તો	ચણ	દોકઢા	રત્તો	ચણ	દોકઢા
૨૧/૧	૬૨૬।	૨/૩૩	૨૪૫/૧	૬૮૪।	૧૩/૩૩
૨૨/૧	૬૨૮।	૧૪/૩૩	૨૪૫/૨	૬૮૬।	૧૧/૩૩
૨૩/૧	૬૩૧	૧૫/૧	૨૪૫/૩	૬૮૮।	૮/૩૩
૨૪/૧	૬૩૨।	૧૪/૩	૨૪૫/૪	૬૮૯।	૮।
૨૫/૧	૬૩૫।	૨૩/૩૩	૨૪૫/૫	૬૯૦।	૭/૩૩
૨૬/૧	૬૩૮	૧૬/૩૩	૨૪૫/૬	૬૯૧।	૬/૩૩
૨૭/૧	૬૪૦।	૪/૩૩	૨૪૫/૭	૬૯૨।	૬/૩૩
૨૮/૧	૬૪૨।	૨૦/૧	૨૪૫/૮	૭૦૧।	૭।
૨૯/૧	૬૪૫।	૧૦/૩૩	૨૪૫/૯	૭૦૪।	૮/૩૩
૩૦/૧	૬૪૭।	૧।	૨૪૫/૧૦	૭૦૬।	૮/૩૩
૩૧/૧	૬૫૦	૧૭।	૨૪૫/૧૧	૭૦૮।	૧૧/૩૩
૩૨/૧	૬૫૨।	૮/૩૩	૨૪૫/૧૨	૭૧૧।	૧૨/૩૩
૩૩/૧	૬૫૫	૧/૩૩	૨૪૫/૧૩	૭૧૪।	૧૩/૩૩
૩૪/૧	૬૫૭।	૧૮/૧	૨૪૫/૧૪	૭૧૬।	૧૮/૩૩
૩૫/૧	૬૫૮।	૧૦/૩૩	૨૪૫/૧૫	૭૧૮।	૨૨/૩૩
૩૬/૧	૬૬૨।	૪/૩૩	૨૪૫/૧૬	૭૨૨	૧૩/૩૩
૩૭/૧	૬૬૪।	૨૨/૩૩	૨૪૫/૧૭	૭૨૪।	૬।
૩૮/૧	૬૬૭	૧૭	૨૪૫/૧૮	૭૨૭	૧૧/૩૩
૩૯/૧	૬૬૮।	૧૧/૩૩	૨૪૫/૧૯	૭૨૮।	૧૬/૩૩
૪૦/૧	૬૭૨	૬/૩૩	૨૪૫/૨૦	૭૨૨	૨૨/૩૩
૪૧/૧	૬૭૪।	૨।	૨૪૫/૨૧	૭૨૪।	૩/૩૩
૪૨/૧	૬૭૬।	૨૪/૩૩	૨૪૫/૨૨	૭૨૭	૧૦/૩૩
૪૩/૧	૬૭૮।	૧૮/૩૩	૨૪૫/૨૩	૭૨૮।	૧૭/૩૩
૪૪/૧	૬૮૧।	૧૬/૩૩	૨૪૫/૨૪	૭૩૨।	૦

भोती चउका हिसाव

टाका २ म चढता	चढ	दोकाडा	टाका १ म चढता	चढ	दोकाडा
१)	३३०	०	२६)	१२३	१८३॥
२)	१६५	०	२७)	१२	२२३॥
३)	११०	०	२८)	११३	३॥/१
४)	८२॥	०	२९)	१११	१३
५)	६६	०	३०)	११	०
६)	५५	०	३१)	१०३	१४३०॥
७)	४७	१४१॥	३२)	१०१	६॥
८)	४११	०	३३)	१०	०
९)	३६॥	१६॥॥	३४)	८॥	२०॥/॥
१०)	३२	०	३५)	८१	१८॥/॥
११)	३०	०	३६)	८	१६१/॥
१२)	२७१	०	३७)	८३	१६१॥
१३)	२५१	१२॥	३८)	८॥	१८१/॥
१४)	२३॥	७॥	३९)	८१	२१॥
१५)	२२	०	४०)	८१	०
१६)	२०॥	१२॥	४१)	८	४३॥
१७)	१८१	१६१/॥	४२)	७३	१०३॥
१८)	१८१	८१/१	४३)	७१	१०॥
१९)	१७१	११३॥	४४)	७॥	०
२०)	१६॥	०	४५)	७१	८१/॥
२१)	१५॥	२१॥	४६)	७	१०१/१
२२)	१५	०	४७)	७	२१
२३)	१४१	८३०॥	४८)	६३	१२३
२४)	१३॥	०	४९)	६३	२३१/२
२५)	१३	२०	५०)	६३	१०

मोती चउको हिसाव दाणा १ ऊपर.

रत्ती	घठ	दोकाडा	रत्ती	घठ	दोकाडा
४५१	११६६।	१२०॥	४६१	१२४२	१२४
४५२	११६६॥	११	४६११	१२४५।	२०॥
४५३	११६६॥	६॥	४६१११	१२४८॥	५
४५४	११७३	८।	४६१११	१२५२	१४॥
४५५	११७६।	७।	४६१११	१२५५।	२४॥
४५६	११७८॥	७।	४६११११	१२५८॥	१०
४५७	११८२॥	७॥	४६११११	१२६२	२०॥
४५८	११८६	८॥	४७	१२६५॥	७।
४५९	११८८।	८।	४७१	१२६८॥	१८०॥
४६०	११८२॥	१०॥	४७१	१२७१	६०॥
४६१	११८५॥	१२॥	४७११	१२७५॥	१८०।
४६२	११८८	१५	४७१	१२७८	७।
४६३	१२०२।	१७॥	४७११	१२८२।	२०॥
४६४	१२०५॥	२१।	४७११	१२८५॥	८०॥
४६५	१२०८	•	४७१११	१२८८	२४०॥
४६६	१२१२।	४०॥	४७१११	१२८२॥	१४।
४६७	१२१५॥	८०॥	४७१११	१२८६	४०॥
४६८	१२१८॥	१३०॥	४७११११	१२८८।	२०॥
४६९	१२२२	१८॥	४७११११	१३०२॥	११०॥
४७०	१२२५॥	२०॥	४७११११	१३०६।	३०।
४७१	१२२८॥	२२॥	४७१११११	१३०८॥	२०॥
४७२	१२३२	२३॥	४७११११११	१३१२	१३।
४७३	१२३५।	२४॥	४७१११११११	१३१६॥	६॥
४७४	१२३८॥	२५॥	४७११११११११	१३२०	•

भोती वजका हिसाब

टाक २ में घटता	घउ	दोकडा	टाक १ में घटता	घउ	दोकडा
१)	४३०	०	२६)	१२॥	१८६॥
२)	१६५	०	२७)	१२	२२६॥
३)	११०	०	२८)	११॥	३॥/१
४)	८२॥	०	२९)	११	१३
५)	६६	०	३०)	११	०
६)	५५	०	३१)	१०॥	१४॥०१
७)	४७	१४॥॥	३२)	१०	६)
८)	४१	०	३३)	१०	०
९)	३६॥	१६॥॥	३४)	८॥	२०॥/॥
१०)	३३	०	३५)	८	१०॥/॥
११)	३०	०	३६)	८	१६॥/॥
१२)	२७॥	०	३७)	८॥	१६॥/१
१३)	२५	१३॥	३८)	८॥	१८॥/॥
१४)	२३॥	७/१	३९)	८	२१॥
१५)	२२	०	४०)	८	०
१६)	२०॥	१२॥	४१)	८	४७)
१७)	१८	१६॥/॥	४२)	७॥	१०॥/॥
१८)	१८	८१/१	४३)	७॥	१७/६
१९)	१७	११॥/॥	४४)	७॥	०
२०)	१६॥	०	४५)	७	८१/१
२१)	१५॥	२१/६	४६)	७	१७/१
२२)	१५	०	४७)	७	२
२३)	१४	८०॥॥	४८)	६॥	१२॥
२४)	१३॥	०	४९)	६६	२१/६
२५)	१३	२०	५०)	६॥	१०

मोती चउका हिसाब

टाक १ में घटता	चउ	दोकाडा	टाक १ में घटता	चउ	दोकाडा
५१)	६।	२२।	७६)	४।	८६।
५२)	६।	८१।	७७)	४।	३।
५३)	६।	२२।	७८)	४।	२३।
५४)	६।	११।	७९)	४।	१७।
५५)	६।	०	८०)	४।	१२।
५६)	५।	१४।	८१)	४।	७।
५७)	५।	३।	८२)	४।	२।
५८)	५।	१८।	८३)	३।	२२।
५९)	५।	८।	८४)	३।	१७।
६०)	५।	०	८५)	३।	१३।
६१)	५।	१५।	८६)	३।	८।
६२)	५।	७।	८७)	३।	४।
६३)	५।	२३।	८८)	३।	०
६४)	५।	१५।	८९)	३।	२०।
६५)	५।	७।	९०)	३।	१६।
६६)	५।	०	९१)	३।	१२।
६७)	४।	१७।	९२)	३।	८।
६८)	४।	१०।	९३)	३।	४।
६९)	४।	३।	९४)	३।	१।
७०)	४।	२१।	९५)	३।	२२।
७१)	४।	१४।	९६)	३।	१८।
७२)	४।	८।	९७)	३।	१५।
७३)	४।	२।	९८)	३।	११।
७४)	४।	२०।	९९)	३।	८।
७५)	४।	१५।	१००)	३।	५।

मोती चउका हिसाव

टोक १ में चढता	चउ	टोकडा	टोक १ में चढता	चउ	टोकडा
१०१)	३।	११३॥	१२६)	२॥	११॥॥
१०२)	३	२३१०॥	१२७)	२॥	८॥॥)
१०३)	३	२०१॥	१२८)	२॥	७॥/
१०४)	३	१७१/	१२९)	२॥	५॥/
१०५)	३	१४१०॥	१३०)	२॥	३॥॥
१०६)	३	१११/	१३१)	२॥	१॥॥
१०७)	३	८१॥	१३२)	२॥	०
१०८)	३	५१॥	१३३)	२।	२३॥
१०९)	३	२॥	१३४)	२।	२१॥।
११०)	३	०	१३५)	२।	१८।
१११)	२॥	२२।	१३६)	२।	१७॥।
११२)	२॥	१८॥॥	१३७)	२।	२५॥॥
११३)	२॥	१७॥	१३८)	२।	१४॥
११४)	२॥	१४॥॥	१३९)	२।	१२॥॥
११५)	२॥	११॥॥	१४०)	२।	१०॥॥
११६)	२॥	८॥॥	१४१)	२।	८॥॥
११७)	२॥	७॥॥	१४२)	२।	७॥॥
११८)	२॥	४॥॥	१४३)	२।	५॥॥
११९)	२॥	२॥	१४४)	२।	४॥॥
१२०)	२॥	०	१४५)	२।	३॥॥
१२१)	२॥	२२॥॥	१४६)	२।	२॥॥
१२२)	२॥	२०॥॥	१४७)	२।	२४॥॥
१२३)	२॥	१८॥॥	१४८)	२	२२॥॥
१२४)	२॥	१६॥	१४९)	२	२१॥॥
१२५)	२॥	१४	१५०)	२	२०

मोति चउका हिसाब

टाक १ में चउता	चउ	दोकाडा	टाक १ में चउता	चउ	दोकाडा
१५१)	२	१८॥०॥	१७६)	१॥	१२॥
१५२)	२	१७/॥	१७७)	१॥	११॥
१५३)	२	१५॥	१७८)	१॥	१०॥
१५४)	२	१४॥०॥	१७९)	१॥	९॥
१५५)	२	१२॥॥	१८०)	१॥	८॥
१५६)	२	११॥	१८१)	१॥	७॥
१५७)	२	१०॥	१८२)	१॥	६॥
१५८)	२	९॥/॥	१८३)	१॥	५॥
१५९)	२	८॥०॥	१८४)	१॥	४॥
१६०)	२	७॥	१८५)	१॥	३॥
१६१)	२	६॥/॥	१८६)	१॥	२॥
१६२)	२	५॥	१८७)	१॥	१॥
१६३)	२	४॥	१८८)	१॥	०॥
१६४)	२	३॥	१८९)	१॥	०॥
१६५)	२	२॥	१९०)	१॥	०॥
१६६)	१॥	१॥	१९१)	१॥	०॥
१६७)	१॥	०॥	१९२)	१॥	०॥
१६८)	१॥	०॥	१९३)	१॥	०॥
१६९)	१॥	०॥	१९४)	१॥	०॥
१७०)	१॥	०॥	१९५)	१॥	०॥
१७१)	१॥	०॥	१९६)	१॥	०॥
१७२)	१॥	०॥	१९७)	१॥	०॥
१७३)	१॥	०॥	१९८)	१॥	०॥
१७४)	१॥	०॥	१९९)	१॥	०॥
१७५)	१॥	०॥	२००)	१॥	०॥

मोती चउका हिसाव-

टाक १म चढता	चउ	दोकडा	टाक १म चढता	चउ	दोकडा
२०१)	१॥	१४१॥	२२६)	१।	२११)।
२०२)	१॥	१३१॥	२२७)	१।	२०१)
२०३)	१॥	१२१॥	२२८)	१।	१८१॥
२०४)	१॥	१११॥	२२९)	१।	१८१॥
२०५)	१॥	१०१॥	२३०)	१।	१८१॥
२०६)	१॥	१०१॥	२३१)	१।	१०१॥
२०७)	१॥	८१॥	२३२)	१।	१०१॥
२०८)	१॥	८१॥	२३३)	१।	१०१॥
२०९)	१॥	७१॥	२३४)	१।	१०१॥
२१०)	१॥	७१॥	२३५)	१।	१०१॥
२११)	१॥	६१॥	२३६)	१।	१०१॥
२१२)	१॥	५१॥	२३७)	१।	१०१॥
२१३)	१॥	४१॥	२३८)	१।	१०१॥
२१४)	१॥	४१॥	२३९)	१।	१०१॥
२१५)	१॥	३१॥	२४०)	१।	१०१॥
२१६)	१॥	२१॥	२४१)	१।	१०१॥
२१७)	१॥	२१॥	२४२)	१।	१०१॥
२१८)	१॥	११॥	२४३)	१।	१०१॥
२१९)	१॥	११॥	२४४)	१।	१०१॥
२२०)	१॥	०	२४५)	१।	८१॥
२२१)	१।	२४१॥	२४६)	१।	८१॥
२२२)	१।	२४१॥	२४७)	१।	८१॥
२२३)	१।	२४१॥	२४८)	१।	८१॥
२२४)	१।	२४१॥	२४९)	१।	८१॥
२२५)	१।	२४१॥	२५०)	१।	८१॥

मोती चउका हिसाव-

टांक १ में चढता	चउ	दोकडा	टांक १ में चढता	चउ	दोकडा
२५१)	१।	६।३॥	२७६)	१	१८१।
२५२)	१।	५।३॥	२७७)	१	१८२।
२५३)	१।	५।३॥	२७८)	१	१८३।
२५४)	१।	४।३॥	२७९)	१	१८४।
२५५)	१।	४।३॥	२८०)	१	१८५।
२५६)	१।	३।३॥	२८१)	१	१८६।
२५७)	१।	३।३॥	२८२)	१	१८७।
२५८)	१।	२।३॥	२८३)	१	१८८।
२५९)	१।	२।३॥	२८४)	१	१८९।
२६०)	१।	१।३॥	२८५)	१	१९०।
२६१)	१।	१	२८६)	१	१९१।
२६२)	१।	॥३।	२८७)	१	१९२।
२६३)	१।	॥३।	२८८)	१	१९३।
२६४)	१।	०	२८९)	१	१९४।
२६५)	१	२४।॥	२९०)	१	१९५।
२६६)	१	२४।	२९१)	१	१९६।
२६७)	१	२४।॥	२९२)	१	१९७।
२६८)	१	२४।	२९३)	१	१९८।
२६९)	१	२४।॥	२९४)	१	१९९।
२७०)	१	२४।	२९५)	१	२००।
२७१)	१	२४।॥	२९६)	१	२०१।
२७२)	१	२४।	२९७)	१	२०२।
२७३)	१	२०।३॥	२९८)	१	२०३।
२७४)	१	२०।३॥	२९९)	१	२०४।
२७५)	१	२०	३००)	१	२०५।

भोती चउका हिसाव

टांक १ में चउता	चउ	दोकडा	टांक १ में चउता	चउ	दोकडा
२०१)	१	८१/१	२०६)	१	१८॥
२०२)	१	८१/१	२०७)	१	१८॥
२०३)	१	८१/१	२०८)	१	१८॥
२०४)	१	८१/१	२०९)	१	१८॥
२०५)	१	८१/१	२१०)	१	१८॥
२०६)	१	८१/१	२११)	१	२४॥
२०७)	१	८१/१	२१२)	१	२४॥
२०८)	१	८१/१	२१३)	१	२४॥
२०९)	१	८१/१	२१४)	१	२४॥
२१०)	१	८१/१	२१५)	१	२४॥
२११)	१	८१/१	२१६)	१	२४॥
२१२)	१	८१/१	२१७)	१	२४॥
२१३)	१	८१/१	२१८)	१	२४॥
२१४)	१	८१/१	२१९)	१	२४॥
२१५)	१	८१/१	२२०)	१	२४॥
२१६)	१	८१/१	२२१)	१	२४॥
२१७)	१	८१/१	२२२)	१	२४॥
२१८)	१	८१/१	२२३)	१	२४॥
२१९)	१	८१/१	२२४)	१	२४॥
२२०)	१	८१/१	२२५)	१	२४॥
२२१)	१	८१/१	२२६)	१	२४॥
२२२)	१	८१/१	२२७)	१	२४॥
२२३)	१	८१/१	२२८)	१	२४॥
२२४)	१	८१/१	२२९)	१	२४॥
२२५)	१	८१/१	२३०)	१	२४॥

मोती चउका हिसाब .

टाक १ में चढता	चउ	दोकडा	टाक १ में चढता	चउ	दोकडा
३५१)	II	१८)।	३८०)	II	११II/II
३५२)	II	१८II	३८५)	II	१०IIII
३५३)	II	१८IIII	३८०)	II	८II/II
३५४)	II	१८IIII	३८५)	II	८II)II
३५५)	II	१८IIII	४००)	II	७II
३५६)	II	१८IIII	४०५)	II	६IIII
३५७)	II	१८IIII	४१०)	II	५IIII
३५८)	II	१८IIII	४१५)	II	४II)।
३५९)	III	१८IIII	४२०)	II	३II/
३६०)	III	१८IIII	४२५)	II	२II/।
३६१)	III	१८IIII	४३०)	II	१II
३६२)	III	१८IIII	४३५)	II	II/II
३६३)	III	१८IIII	४४०)	II	०
३६४)	III	१८IIII	४४५)	II	२४II
३६५)	III	१८IIII	४५०)	II	२३II/।
३६६)	III	१८IIII	४५५)	II	२२II०।
३६७)	III	१८IIII	४६०)	II	२१IIII
३६८)	III	१८IIII	४६५)	II	२०IIII
३६९)	III	१८IIII	४७०)	II	२०II
३७०)	III	१८IIII	४७५)	II	१८IIII
३७१)	III	१८IIII	४८०)	II	१८II
३७२)	III	१८IIII	४८५)	II	१८II
३७३)	III	१८IIII	४९०)	II	१७II/II
३७४)	III	१८IIII	४९५)	II	१६II/II
३७५)	III	१८IIII	५००)	II	१६

तमखा गिनने का फॉस्टक।

१) रुपये में १०००, रुपये तक हररोज का तमगा

१. प्र. सं. की [००००, प्र. सं. म. सं.]	२८ दीगला	२९ दीगला	३० दीगला	३१ दीगला
१	०	०	०	०
२	०	०	०	०
३	०	०	०	०
४	०	०	०	०
५	०	०	०	०
६	०	०	०	०
७	०	०	०	०
८	०	०	०	०
९	०	०	०	०
१०	०	०	०	०
११	०	०	०	०
१२	०	०	०	०
१३	०	०	०	०
१४	०	०	०	०
१५	०	०	०	०
१६	०	०	०	०
१७	०	०	०	०
१८	०	०	०	०
१९	०	०	०	०
२०	०	०	०	०
२१	०	०	०	०
२२	०	०	०	०
२३	०	०	०	०
२४	०	०	०	०
२५	०	०	०	०
२६	०	०	०	०
२७	०	०	०	०
२८	०	०	०	०
२९	०	०	०	०
३०	०	०	०	०
३१	०	०	०	०
३२	०	०	०	०
३३	०	०	०	०
३४	०	०	०	०
३५	०	०	०	०
३६	०	०	०	०
३७	०	०	०	०
३८	०	०	०	०
३९	०	०	०	०
४०	०	०	०	०
४१	०	०	०	०
४२	०	०	०	०
४३	०	०	०	०
४४	०	०	०	०
४५	०	०	०	०
४६	०	०	०	०
४७	०	०	०	०
४८	०	०	०	०
४९	०	०	०	०
५०	०	०	०	०
५१	०	०	०	०
५२	०	०	०	०
५३	०	०	०	०
५४	०	०	०	०
५५	०	०	०	०
५६	०	०	०	०
५७	०	०	०	०
५८	०	०	०	०
५९	०	०	०	०
६०	०	०	०	०
६१	०	०	०	०
६२	०	०	०	०
६३	०	०	०	०
६४	०	०	०	०
६५	०	०	०	०
६६	०	०	०	०
६७	०	०	०	०
६८	०	०	०	०
६९	०	०	०	०
७०	०	०	०	०
७१	०	०	०	०
७२	०	०	०	०
७३	०	०	०	०
७४	०	०	०	०
७५	०	०	०	०
७६	०	०	०	०
७७	०	०	०	०
७८	०	०	०	०
७९	०	०	०	०
८०	०	०	०	०
८१	०	०	०	०
८२	०	०	०	०
८३	०	०	०	०
८४	०	०	०	०
८५	०	०	०	०
८६	०	०	०	०
८७	०	०	०	०
८८	०	०	०	०
८९	०	०	०	०
९०	०	०	०	०
९१	०	०	०	०
९२	०	०	०	०
९३	०	०	०	०
९४	०	०	०	०
९५	०	०	०	०
९६	०	०	०	०
९७	०	०	०	०
९८	०	०	०	०
९९	०	०	०	०
१००	०	०	०	०

अधिक मास का कोष्ठक ।

जिद	२ चाखोज २ चैत	आषाढ	जिद	वैशाख	भाद्रपद	भाषाढ
१८८६	१ घोष चखो १८८८	१८०१	१८०४	१८०७	१८०८	१८१२
१८१५	१८१७	१८२०	१८२३	१८२६	१८२८	१८३१
१८३४	१८३६	१८४८	१८४२	२ चैत १८४५	१८४७	१८५०
१८५३	१८५५	१८५८	१८६१	१८६४	१८६६	१८६८
१८७२	१८७४	१८७७	१८८०	१८८३	१८८५	१८८८

अधिक मास पाच वर्ष में दो आते हैं और जय महीना बहुत वर्ष से 'कार्तिक' मगसर घोष, ये तीन महीनों में से होता है और जिस वर्ष में जय महीना होता है उसी वर्ष में अधिक महीना अवश्य होता है ।

व्याजका हिसाब ।

कम्पनी कागद का प्यार परसेट का व्याज मास ६ से मिलता है जिसका पूलता व्याज वर्ष १८ में दुना रुपया होता है ।

व्याज मास १२ से पूलता कलाने से रुपैया नीचे लिखे हुये वर्षोंमें दुना होता है ।

व्याज दर ॥, सैकडे का वर्ष १२ में दुना रुपैया होता है ।

व्याज दर ॥, सैकडे का वर्ष ७ मास १० में दुना रुपैया होता है ।

व्याज दर १) सैकडे का वर्ष ५ मास ११ में दुना रुपैया होता है ।

रुपैया १) जिसका व्याज दर रुपैया १) सैकडे के हिसाब से दर वर्ष पूलता व्याज कलाने से वर्ष १०० में रुपैया १०१२२४ होता है ।

दूसरे की मनसे धरा हुआ अक बताने की रीति ।

प्रथमरीति—मनसे धरे हुये अको को ३ तीनसे गुणाकार करना, उस

गुणाकार में १ मीलाना फिर उसको ३ तीगसे गुणाकार करना उसीमें मनमें धरा हुआ अर्द्ध मीलाने के वो जोड़ जो मगुण मनमें धरा हुआ अर्द्ध बतावेगा उसको बताना उसमें उस जोड़ पर पहीना ३ का अर्द्ध आवेगा सी तीग का अर्द्ध छोड़के बाकी का जो बचे उसको मनका अर्द्ध समझना ।

जैसे कीसीके मनमें धरा हुआ अर्द्ध ४ है । जब ४ को तीग से गुणाकार कीया तो १२ हुआ । फिर उसमें १ मीलाना तो १३ हुआ फिर तीराको तीनका गुणाकार कीया तो ३८ हुआ, फिर उसमें मनमें धरा हुआ ४ का अर्द्ध मिनाने से ४३ हुआ इसके उपरका ३ का अर्द्ध छोड़ देनेसे वोही ४ मनमें धरा हुआ अर्द्ध समझना चाहिये ।

दूसरी रीति—मनमें धरे हुये अर्द्धमें १ मीलाना पीछे उसको ३ का गुणाकार करना, उस गुणाकार में फिर १ मीलाना, जो जोड़ आवेगा उसमें मनमें धरा हुआ अर्द्ध मीलाने के मनका भाग बताने वाले को बताना, अर्द्ध बताने वालीने उस जोड़ में से ४ बाद करके उसको ४ से भागाकार करना, जो भागाकार आवेगा उसको मनका अर्द्ध जानना जैसे मनमें धरी हुई सख्या १० है उसमें १ मीलाने से ११ हुआ ११ को तीनका गुणाकार कीया तो ३३ हुआ, फिर १ मीलाना तो ३४ हुआ फिर मनमें धरा हुआ, अर्द्ध १० मीलानेसे ४४ हुआ, उसमें ४ बाद दीया तो ४० रहा फिर ४ से भागाकार कीया तो १० भागाकार हुआ यही १० उसका मन का अर्द्ध है ।

तीसरी रीति—मनमें धरे हुये अर्द्ध को दुना करना फिर उसमें ४ मीलाना फिर उसको ५ से गुणाकार करना, उस गुणाकार में १२ मीलाना फिर उसको १० से गुणाकार करने से जो सख्या होगी वो मनमें अर्द्ध बताने वाले को बताना अर्द्ध बताने वालीने उसमें से ३२० बाद करके जो बाकी बचे उसके उपर की दो सुन्य लडाकर बाकी जो रहैगा वोही उसका उत्तर है ।

जैसे—मनमें धरी हुई सख्या ५० है अब ५० को दुना करने से १०० हुआ उसमें ४ मीलाने से १०४ हुआ इसको ५ का गुणाकार करने से ५२० हुआ ५२० में १२ मीलाने से ५३२ हुआ, ५३२ को १० गुणा करने से ५३२० हुआ, इसमें ३२० बाद करने से ५००० रहा इसो ५००० के उपर की दो सुन्य लडा देने से वोही मनमें धरा हुआ अर्द्ध ५० रह गया ।

गणित ।

Arithmetic.

१—गणित करने की विद्या को अथ गणित और Arithmetic कहते हैं ।

२—जिससे संख्या का रूप प्रगट किया जाता है उसको अथ Number कहते हैं ।

जोड़ के नियम ।

३—दो या दो से अधिक संख्याओं को इकट्ठी करने के काम को जोड़ कहते हैं । और जोड़ने से जो संख्या आती है उस को योग फल कहते हैं ।

४—जोड़ के चिन्ह को धन कहते हैं । जिन संख्या के आगे यह + चिह्न रखा जाता है, तो उसकी जोड़ने का मतलब निकलता है । और यह = चिह्न बराबर का कहलाता है । जैसे '— $४ + ४ + २ + २ = १२$

५—चारमें चार मिलाया तब आठ हुआ , आठ में दो जोड़ा तब दश हुआ , दशमें तीन मिलाया तब तेरह हुआ । एही तरह को योग फल कहा जाता है । इस प्रकार के जोड़ को मिश्र जोड़ कहते हैं ।

जोड़का उदाहरण '—५	५५३८		१३४५६
८	२५६७	२	७८८०१
७	३८५८	३	२३४८५
६	४३२१	४	६७८८०
५	५७३५	५	१२३४५
४	६७५४	६	२३४५०
३	३६५४	७	४५७२५
जोड़ ३८	३२४२८	जोड़ २७	५४०५०

जोड़ ३१८२२७

६—एक प्रकार के कई फल वस्तु को इकट्ठा करने के कार्य को मिश्र जोड़ कहते हैं जैसे '—सात रुपये आठ आने, नौ रुपये बारह आने और तीन रुपये दश आने इन सब को जोड़ने से बीस रुपये चौदह आने हुए ।

घटाना ।

किसी बड़ी संख्या में से छोटी संख्या के घटाने के काम को घटाना कहते हैं घटाने के चिन्ह यह "—" है इसको ऋण कहा जाता है और यह चिह्न घटाने के

निमित्त सख्या के बाम भाग रखा जाता है । बड़ी मन्था को जमा कहा जाता है और छोटी सख्या को खर्च कहते हैं और जो बचता है उसको बाकी कहते हैं ।

यथा—

२५४ इसको जमा कहते हैं

१०८ खर्च कहते हैं

१४५ बाकी कहते हैं

घटाने की उदाहरण

$$\begin{array}{r} ८ \\ ४ \\ \hline ५ \end{array} \quad \begin{array}{r} १४४५ \\ १४५८ \\ \hline ८८७ \end{array}$$

$$\begin{array}{r} \text{प्रश्न } २४ \\ ७ \\ \hline १७ \end{array} \quad \begin{array}{r} २३४५६७ \\ ४३२१० \\ \hline १८१३५७ \end{array}$$

२७—८=१८ | २२०३१—२०४५=२०१८६ | २४५८—२२ उत्तर २४३७

एकही जातिके दो सख्या के आपस में घटाने के कामका भिन्न घटाना कहते हैं ।

र० भा० पा०

र० भा० पा०

$$\begin{array}{r} \text{उदाहरण } २२४ \parallel \\ ८५ \parallel \\ \hline १३५ \parallel \end{array}$$

$$\begin{array}{r} ४४४५११५ \\ २१०५३ \\ \hline २३४०५४ \end{array}$$

गुणाकार ।

एक सख्या को कई एक बार सचित्त रीति से जोड़ने की क्रिया को गुणाकार कहते हैं । जो सख्या कई एक बार जोड़ी जाती है उसको गुण्य कहते हैं और जो जोड़ी जाती है उसको गुणक कहते हैं । गुणा करने के पचात जो सख्या आती है उसको गुणन फल कहते हैं । यथा—

उदाहरण

२२४ गुण्य

५ गुणक

११२० गुणन फल

गुणाकार चिह्न ' × ' यह है यह चिह्न दो सख्या के मध्य में आता है ।

यथा—

२२४ × ५ = ११२०

गुणाकी उदाहरण

प्रश्न

$$\begin{array}{r} २२४५ \\ ८ \\ \hline १७८६० \end{array}$$

$$\begin{array}{r} २२४५६ \\ ५५ \\ \hline १६२२८० \\ १६२२८० \\ \hline १०८५०८० \end{array}$$

$$\begin{array}{r} २२३४५६ \\ ८ \\ \hline २०१११०४ \end{array}$$

३६—भार्गव बहुत भाया काम । गर्व बहुत
गया काम ।

३७—आधीमा पूतको माघी नोख देखे ।
(मारवाडी)

३८—अपनी खाय पराई तस्से से मुख
जाय गेव के धक्के ।

३९—आजही मूड मूडया और आज
ही सोले पडे ।

४०—आशिक की खुदा जरदे या कर
दे कस्मी परदे ।

४१—अपनी माको डायन कोई नहीं
बताता ।

४२—आनि की तो खाली पौन ही पौन है

४३—आगे पोछे नीम तसे ।

४४—आगे आगरा पोछे लाहौर ।

४५—आगे आगे सेर पिरागे । (मारवाड़ी)

४६—आख्या देखी परसराम कभीन भूठी
डोय ।

४७—आप डूबते मोथनी ले डूबे जिन-
मान ।

४८—इकमत के दो मत कै ।

४९—इन्द्र की मा भी धासी रही ।

५०—इधर पडेती कूषा अधर पडे तो
खार्द ।

५१—इदही के चाद होगए ।

५२—इति श्री होगई ।

५३—उलटी गत भगवान की, गई सिटझू
माय काबुलमे मेवा करा टीट
बजने माय ।

५४—उलटा ही उलटा पासा पडता है
सीधा तो पडताही नहीं ।

५५—उलटा चोर कोतवाल को डंडे

५६—ऊतगाय में कुम्हार मेहता

५७—ऊट बिलाई का सा जोडा ।

५८—ऊट चढेन कुत्ता खाय ।

५९—ऊत गया दखन, वही का लाया
लच्छन ।

६०—ऊपर चढ कर देवा घर घर यही
लेखा ।

६१—ऊत गए की बिट्टी चार्द बाचे
उसको रोम दीछाई ।

६२—एक से एक दो से ग्यारा ।

६३—एक अधा एक कोठी रोम मिलाई
जोडी ।

६४—एक हाथ से ताखी कभी नहीं
बजतो ।

६५—एक तनदुबर्ती हजार नियामत ।

६६—एक मियान में दो तरवार नहीं
रहती ।

६७—एक पथ दो काज ।

६८—एक नखा सौ दु ख ररे ।

६९—ऐरन की चोरों करे, करे सुई का
दाम ।

७०—ऐव करनेकी भी चुनर चाहिए ।

७१—घोटके सोये कानी काबुल बात
बावे बडी बडी ।

७२—घोसर चूकी डोमडो गावै तान
बेतान ।

- ७२—करम दलिद्री मुलाकात बादशा
हों की।
- ७४—वाला पछर बैस बराबर।
- ७५—काणो भाव एक खोले या
भींचे।
- ७६—काणी, को, काजल ही नहीं
सुझाता।
- ७७—कै इसा मोती चुगै के लघण कर
जाय।
- ७८—काल करै नी आज कर आज करै
सो भव। भीसर बीते जात हैं बहुरी
करो गे कव।
- ७९—कामो के साख नहीं लोभी के
नाक नहीं।
- ८०—काठ कौ हाडी एक बारही चढे।
- ८१—कहा राम राम कहा टैं टैं।
- ८२—कुत्ते की पूछ बारा बरस दबी रही
पर जब निकली तय टेढी कौ टेढी।
- ८३—कामाज आवे डरता निखडू आवे
लडता।
- ८४—काम जोर गुस्सा जादा, यही मार-
खाने का इरादा।
- ८५—कु लडकी का गझा नहीं है।
- ८६—कभी गाढी नायमें कभी नाय
गाडी में।
- ८७—किस बिरते पर तत्ता पामी।
- ८८—कोई गाये होली कोई गाये
दीयानी।

- ८९—काठ का चबू है।
- ९०—खजूर खाय सो भाई पर चढे।
- ९१—खसम मरेका घोखा नहीं सपना
सच्चा चाहिये।
- ९२—खाना सोई अपना पहरना सोई
जग का।
- ९३—सुटी हार निगन गई।
- ९४—छोटा घेठा छोटा पैसा मोके का
इधियार।
- ९५—गले में गूदड़ पडा सिर में गुलाब
- ९६—गाय गया सुता जागे।
- ९७—गुरु से चेला मारका।
- ९८—गंगाजीको श्वायवी विप्रन ने व्यवहार
डूबजाय तो डूबजाय पार जाय तो
पार।
- ९९—गांव बसायो बाणियां पार पडे
तब जानिया।
- १००—गगा न्हार गोमती भाई खसमको
रोवती।
- १०१—गानर की पु गी, बाजी तो बलाई
नही तो तोड खार।
- १०२—गुड दिधि मरे तो लहर क्यों दे।
- १०३—गुरु चेला लालची दोनो खेले दांव
- १०४—गोद के को छोडकर पेट के की
प्राप्त न करे।
- १०५—गरीबकी लोफ जगत की भाभी।
- १०६—जर, जमो, जून, जोर पर।
- १०७—जान धुभ कर कुपम कुटे।
- १०८—जहर सायगो सो मंगा।

- १०८—जाट बोला जाटनी इसी गांव
में रहना, कट बिनाई से गई हाजी
हाजी कहना ।
- ११०—छुनमी जाय पर छुनम न जाय ।
- १११—जोरु न जाता खुदा से नाता ।
- ११२—जैसे करनी वैसा फल ।
- ११३ जू जू भोजी कामनी । तू तू
भारी होय ।
- ११४—जाने सो पावे सोवे सो खोवे ।
- ११५—जान से हाथ धो बैठे ।
- ११६—जिसको नदे मोला उसको दे
पासपु होला ।
- ११७—ठग ठग ठगाये ठाकर ।
- ११८—तूफिर डाल डाल में फिरपान पान
- ११९—तीन के मन तेरा मे ।
- १२०—तरवार का घाय सुखे बात का
घाव न सुखे ।
- १२१—तीन में न तेरा मे ।
- १२२—तीन सुहाली तेरह थाली, बाटन
वाली सत्तर जनी ।
- १२३—तीन पाच मत कर ।
- १२४—तीन बूलाए तेरह आए भई राम
की बाणी राघो चेतन यू छठ बोले
दे डाल मे पाणी ।
- १२५—तुम्ही और नही सुम्ही ठौर नहीं
- १२६—तीतर छोड़ बाभी में दीही भटजी
भए निराले ।
- १२७—तेरी सिल सिल मेरी छाती ।
- १२८—तीन लोक से मथुरा न्यारी ।
- १२९—दगा किसी का सगा नहीं ।
- १३०—थूक के चाटना अच्छा नहीं ।
- १३१—देखना मो भुलना नहीं ।
- १३२—दुगाले में लपेट कर मारना
- १३३—दनासके दियाना न मसजिदके
ताना ।
- १३४—दूधका जला छाक फक न
पीता है ।
- १३५—देव से टाना बडा ।
- १३६—देखानेखी जोकरे सो पीछे
पकताय ।
- १३७—दिन दूना रात चौगुना ।
- १३८—दुबधा में दोठ गए माया मिली
न राम ।
- १३९—दो हाथों में लट्ठु है ।
- १४०—दूसरे की थाली में लड्डु बडा
दिखता है ।
- १४१—धरम को जड सदा हरी ।
- १४२—धन धनीका गुवाल के हाथ में
लकाढी ।
- १४३—धरमका धरम करम का करम ।
- १४४—दिन दुपहरे चन्दा करे ।
- १४५—धरमका धक्का मत देना ।
- १४६—धीरे धीरे ठाकरा धीरे सब कुछ
होय । माली सीचे रात दिन फटतु
आए फल होय ।
- १४७—धी मरी जवाई चीर
- १४८—नार सुई घर सपति नासो
मु डसु डाय भए सन्यासो ।

१४८—न रातकी नींद है न दिनकी
चैन है ।

१५०—नाई ! नाई ! मेरे सिर में कितनी
बाल जोड़ींगी सो सामने गिर जायगी

१५१—नई जोगध काठकी मुद्रा ।

१५२—नई नायन वासका नहरना ।

१५३—नबाव का नाती बन गया ।

१५४—नगाह खाने में तूती की आवाज
कौन सुनता है ।

१५५—नादानती दांस्ती जीका जजाल

१५६—नाचम लगी फिर घु घट किसका

१५७—नामर्दी खुदाने दी मार मार तो
कर ।

१५८—नीम हकीम खतरे जान ।

१५९—नामी चोर मारा जाय नामी
साह कमा खाय ।

१६०—पर उपदेश कुशल बहुतेरे ।

१६१—पर की बुराई चेतती अपनाही
बुरा ही ।

१६२—पर्वों में परमेश्वर है ।

१६३—पासा पडे अनाही जीते ।

१६४—पचायती क्या मत्तलव ।

१६५—पतली टालके खानेवाले है ।

१६६—पेट फूल कर कुप्पा होगया ।

१६७—प्रितिका निभाना खाडेको धार
है ।

१६८—पेटमें कतरनी मूँह से राम राम

१६९—पानो पीकर जात पूकना ।

१७०—पराए सुख दुबली ।

१७१—पापी का घन परले जाय,

धोबी का घन गधा खाय ।

१७२—पैर से गाठ देवे सो हाथ से
कोनी खुले ।

१७३—पूतके लच्छन पालने दीखे ।

१७४—पट्टे फारसी बेचे तेल, यह देखो
कुदरत का खेल ।

१७५—पाँच उ गलौया पड़'चा भारी है ।

१७६—पैसेकी छोकरी टका टाट मूँडाई
का ।

१७७—फलाने की जड़ पतालमें ।

१७८—फूटे भाग फकीर की भरी चिलम
गिर जाय ।

१७९—फलाने का नाक सो हाथ जम्मा ।

१८०—फुक देदेकर पेर रखना ।

१८१—फिर सोच ।

१८२—फूवड चाले सौघर हाले ।

१८३—फटे कपडे मत देख—दिल्ली का
घर दूर है ।

१८४—खत के बीए मीती निपजे ।

१८५—खरकी मा कबतक खेर मनावेगी ।

१८६—खत करे सो आदमी क्या करे ।

१८७—बीती ताय बिचार दे आगे की
सुध लेय ।

१८८—बिल्लीने भाग से छीका टूट पड़ा ।

१८९—बलतो भाग से गिरना है ।

१९०—बाही में मूतने से क्या बेर निक
लता है ।

१९१—ब्याहने न गए तो बरातमें सो गए

- २६८—लैनाही मौखा देना न सीखा ।
 २७०—लक्ष्मी किधर जाके राजी हुई ।
 २७१—लाघो नश्रकर लुट गया ।
 २७२—लपोह संख है ।
 २७३—लाख पर दीया कोड पर धजा ।
 २७४—लैना एक न देना दो ।
 २७५—वह दिन कहा कि मियाँ के पाँव में जूती ।
 २७६—सावन के पधे की हराही हरा संभता है ।
 २७७—छुरदास की कारी कमरी चट्टे न दूजो रग ।
 २७८—सोना और सुगन्ध ।
 २७९—सूखे पर नाव चलाता है ।
 २८०—साप छकुन्दर वाली हो रही है ।
 २८१—सख की आधो भली, दुःख की एक भी निकमी ।
 २८२—साँच की आँच नहीं ।
 २८३—सत्तर में न बहत्तर में ।
 २८४—साठो सो पाठा ।
 २८५—साली नहीं तो मास हीसे दिखगी ?
 २८६—सारस किसी जोड़ी है ।
 २८७—सीधी भद्रुनी से घी नहीं निकलता ।
 २८८—सौधर्मात्मा की नाव में एक पापी बैठ जाय तो सारी नाव डूब जाय ।
 २८९—सिध और बकरी एक घाट पानी पिये ।

- २८०—मकल दुडुनकी मिजाज परियोंका
 २८१—सगे की जठ मगा है ।
 २८२—सतराज किसी चान है ।
 २८३—साईं टेठी आगिया बैरो मकल
 अछान, टुक एक भीना मोहर का
 लाखों करे मनाम ।
 २८४—सौ में एक सहस्र में जाना मध के ऊपर ऐचा ताना । ऐचे ताने करी पुकार कच्चे से रहना नु शिथार
 २८५—सेर की हाही न सेवा सेर कैसे रहि ?
 २८६—सिधों का मुह किसने धोया है ?
 २८७—सोना गया कारण के साथ ।
 २८८—सुलफे बाज किसके, टम लगाई खिसके ।
 २८९—सेर एक चून उधाराही कोई घी दे तो, गटक मखौदा कर खूरी कोई गुड दे तो । मरती पडती खालूरी कोई फर देतो ।
 २९०—सदा दिवानो सन्त घर आठो पहर आनद ।
 २९१—समन्दर में रहना मगर मच्छ से बँर ।
 २९२—हाकिम हारे, मुह में सारे ।
 २९३—हाथ की हाथ खाय ।
 २९४—हाथों के पिछे कुत्ते भुसाही करते हैं ।
 २९५—हाथ में लिया कासा फिर मंगने का क्या सासा ।

MATLAB-SANGRAH

CAPITAL LETTERS

A ए	B बी	C सी	D डी	E ई	F एफ
G जी	H एच	I आई	J जे	K के	L एल
M एम	N एन	O ओ	P पी	Q क्यू	R आर
S एस	T टी	U यू	V वी	W डबल्यू	X एक्स
Y वाई	Z जेड				

SMALL LETTERS

a ए	b बी	c सी	d डी	e ई	f एफ
g जी	h एच	i आई	j जे	k के	l एल
m एम	n एन	o ओ	p पी	q क्यू	r आर
s एस	t टी	u यू	v वी	w डबल्यू	x एक्स
y वाई	z जेड				

MANUSCRIPT LETTERS [CAPITAL]

A B C D

ए बौ सौ डो

E F G H

ई एफ् जौ एच्

I J K L M

आइ जे के एल् एम्

N O P Q R

एन् ओ पौ क्यु आर

S T U V

एस टौ यु वौ

W X Y Z

डब्ल्यु एक्स वाई जेड

MANUSCRIPT LETTERS [SMALL]

a b c d e f g h

ए बो सो डी ई एफ जी एच

i j k l m n o p

आई जे के एल एम एन ओ पी

q r s t u v w x

क्यू आर एस टो यु वी डब्ल्यू एक्स

y z

वाई जेड।

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

Geometrician.

VOWELE स्वर

A	A	E	EE	U	OO
अ	आ	इ	ई	उ	ऊ
RI	RI	LRI	LRI	E	AI
रि	रि	लरि	लरि	ए	ऐ
O	OU	AN	AH		
औ	ओ	अ	अ		

CONSONANTS व्यञ्जन

K	KH	G	GH	N	CH
क	ख	ग	घ	ङ	च
CHH	JH	N	T	TH	
छ	झ	न	त	ठ	
D	DH	N	T	TH	D
ड	ढ	ण	त	थ	द
DH	N	P	PH	B	BH
ध	न	प	फ	ब	भ
M	Y	R	L	V	SH
म	य	र	ल	व	श
S	S	H			
स	स	ह			

BARAKHARI बाराखरी

K	KA	KI	KEE	KU	KOO
क	का	कि	की	कु	कू
KE	KAI	KO	KOU	KUN	KAN
के	कै	को	कौ	कुं	कण

मनुष्यों के नाम

Ram	राम	Singh	सिंह	Ramsingh	रामसिंह
Pokur	पोकर	Mull	मुल	Pokarmull	पोकरमुल
Gokul	गोकुल	Chand	चंद	Gokulchand	गोकुलचंद
Bihari	बिहारी	Lall	लाल	Biharilall	बिहारलाल
Sew	सिख	Purshad	प्रसाद	Sowpurshad	सोवप्रसाद
Dhan	धान	Raj	राज	Dhanraj	धानराज
Chet	चत	Ram	राम	Chetram	चतराम
Gouri	गौरी	Shankar	शंकर	Gourishankar	गौरिशंकर
Durga	दुर्गा	Dutt	दत्त	Durgadutt	दुर्गादत्त
Sham	श्याम	Sookh	सुख	Shamsookh	श्यामसुख
Jongal	जुगल	Kisor	किसोर	Joogalkisor	जुगलकिसोर
Brij	ब्रज	Mohan	मोहन	Brymohan	ब्रजमोहन
Moorli	मुरली	Dhur	धर	Moorlidhur	मुरलीधर
Ram	राम	Kison	किसन	Ramkison	रामकिसन
As	आस	Karan	करन	Askaran	आसकरन
Raj	राज	Rup	रूप	Rajrup	राजरूप
Kison	किसन	Gopall	गोपाल	Kisongopai	किसनगोपाल
Parma	परमा	Nand	नंद	Purmanand	परमानंद
Lichhmi	लक्ष्मी	Narayan	नारायण	Lichhminarayan	लक्ष्मीनारायण
Jadu	जादू	Roy	राय	Jaduroy	जादुराय
Raghoo	रघु	Nath	नाथ	Raghoonath	रघुनाथ
Ram	राम	Chandar	चंदर	Ramechandur	रामचंदर
Bhairoo	भैरव	Dan	दान	Bhairoodan	भैरुदान
Tej	तेज	Pal	पाल	Tejpall	तेजपाल
Gopi	गोपी	Ballabh	बल्लभ	Gopiballabh	गोपीबल्लभ
Hur	हर	Dial	दयाल	Hurdial	हरदयाल
Debi	देवी	Bux	बख्श	Debibux	देवीबख्श

शहरोंके नाम.

Post-Office	Zillah	पोष्ट ऑफिस	जाला
Abu +	Sirohi	आबु	+ सारोही
Agra +	Agra	आगरा	+ आगरा
Ahmedabad +	Bombay	अहमदाबाद	+ मुंबई
Ahmedabad +	Ahmedabad	अहमदाबाद	+ अहमदाबाद
Ahmednagar +	Bombay	अहमदनगर	+ मुंबई
Ajmer, +	Ajmer	अजमेर	+ अजमेर
Ajmergarh	Jaipur	अजमेरगढ़	जैपुर
Ajodhya +	Fyzabad	अज्योध्या	+ फैजाबाद
Ajodhya	Bankura	अज्योध्या	बांकुरा
Ajodhya	Burdwan	अज्योध्या	बरद्वान
Akbarpur	Gaya	अकबरपुर	+ गया
Akbarpur	Cawnpur	अकबरपुर	कानपुर
Akbarpur +	Fyzabad	अकबरपुर	+ फैजाबाद
Alibag +	Kolaba	अलिबाग	+ कोलाबा
Aligarh x	Agra	अलिगढ़	+ आग्रा
Aligarh	Fatehgarh	अलिगढ़	फतेहगढ़
Aligarh	Tonk	अलिगढ़	टोंक
Alipur x	Bengal	अलिपुर	+ बेंगाल
Alipur	Delhi	अलिपुर	दिल्ली
Alipur	Muzaffargarh	अलिपुर	मुजफ्फरगढ़
Alipur	Wardha	अलिपुर	वरधा
Alipur	Surat	अलिपुर	सुरत
Alipur Duar x	Jalpaiguri	अलिपुरदुआर	+ जल्पाईगुरी

+ यह निसान तारघरका है

Alipur Khera	Mainpuri	अलिपुरखेड़ा	भैरपुरी
Alipur Sridan	Sialkot	अलिपुर सेदा	सियालकोट
Allahabad	Bahawalpur	अलाहाबाद	भावलपुर
Allahabad	× Agra	अलाहाबाद	× आग्रा
Allahabad city	× Agra	अलाहाबाद सिटी	× आग्रा
Allahabad fort	× Agra	अलाहाबाद फोर्ट	× आग्रा
Allahabad } Kutchery }	× Agra	अलाहाबाद कचेरी	× आग्रा
Allahabad	Gujranwala	अलाहाबाद	गुजरानवाला
Alwar	Alwar	अलवर	अलवर
Amraoti	× Berar	अमरावती	× बेरार
Amritsar	× Punjab	अमृतसर	× पंजाब
Anantapur	× Madras	अनन्तपुर	× मद्रास
Atola	Ahmednagar	आठोला	अहमदनगर
Akola	× Berar	आकाला	× बेरार
Almora	× Agra	आल्मोड़ा	× आग्रा
Andheri	Thana	अंधरी	थाना
Arrah	Bihar	आरा	बिहार
Arvi	+ Wardha	आरवी	× वरधा
Arvi	Pooná	आरवी	पुना
Asop	Marwar	आसोप	मारवाड़
Aurangabad	{ Hyderabad Deccan	औरंगाबाद	× हैदराबाद दिक्कान
Aurangabad	Bulandshahr	औरंगाबाद	बुलंदशहर
Aurangabad	Murshidabad	औरंगाबाद	मुर्शिदाबाद
Aurangabad	× Gaya	औरंगाबाद	× गया
Aurangabad	Sitapur	औरंगाबाद	सितापुर
Aurangabad	Gurgoan	औरंगाबाद	गुरगॉन
Aurangabad	Kheri	औरंगाबाद	खेरी

+ यह निगलन तारपरका है

Aurangabad	Umballa	औरंगाबाद	अम्बाला
Azamgarh - x	Agra	अजमगढ	x आग्रा
Badnera	Amraoti	बडनेरा	उमरावती
Bahawalpur x	Punjab	बाहवलपुर	x पञ्जाब
Bahraich x	Oadh	भरेच	x अवध
Bahrampur	Fatehpur	बहरामपुर	फतेपुर
Bahrampur	Gurdaspur	बहरामपुर	गुरदासपुर
Bihampur	Umballa	बहरामपुर	अम्बाला
Baidyanath } Denghur }	x Sonthal	बैजनाथ देवपुर	x सोनथल
Bakhtiarpur	Monghyr	बख्तियारपुर	मुंगेर
Bakhtiarpur x	Patna	बख्तियारपुर	x पटना
Balrampur	Manbhoom	बलरामपुर	मानभूम
Balrampur	Gonda	बलरामपुर	गोंडा
Balasure x	Bengal	बालासोर	x बेंगाल
Balla x	Agra	बलिया	x आग्रा
Balla	Faaidpur	बलिया	फरीदपुर
Banda x	Agra	बांदा	x आग्रा
Banda city	Agra	बांदा सिटी	आग्रा
Banda	Saugar	बांदा	सागर
Banda	Ratnagiri	बांदा	रत्नागिरी
Bandikui	Jampur	बांटीकुई	जैपुर
Banglore	Madras	बङ्गलोर	मद्रास
Bankipore	Bihar	बांकिपुर	बिहार
Bankura	Bengal	बाकुरा	बेंगाल
Bara-bank	Oadh	बाराबंकी	अवध
Barabazar	Calcutta	बडाबजार	कलकत्ता
Barabazar	Mymensingh	बडाबजार	मैमसिंघ
Barabazar	Mainpuri	बडाबजार	मैनपुरी

+ यह निशान तारघरका है

Bata	+	Ghazipur	बारा	×	गान्धीपुर
Bara	+	Allahabad	बारा	×	अलाहाबाद
Bara	×	Unao	बारा	×	उन्नाव
Barhabhum		Manbhum	बारहभूम		मानभूम
Baraut	+	Merut	बारौत	×	मेरठ
Baraut	×	Allahabad	बारौत	×	अलाहाबाद
Barbigha		Monghyr	बारबाघा		मुंगेर
Barailly	+	Barailly	बरेल्ला	×	बरेल्ला
Barh		Jhansi	बारह		बासा
Barh	+	Patna	बारह	×	पटना
Barah	×	Gaya	बारा	×	गया
Barhaj	+	Gorakhpur	बरहेज	×	गोरखपुर
Barhalganj		Gorakhpur	बरहलगज		गोरखपुर
Barhampur		Shahabad	बरहमपुर		आलाहाबाद
Barisal	+	Bengal	बैरसाल	×	बेनाल
Baroda	+	Gujarat	बरोदा	×	गुजरात
Barrackpore	+	Bengal	बारकपुर	×	बेनाल
Basti	+	Basti	बस्ती	×	बस्ती
Basti city	×	Basti	बस्ती सिटी	×	बस्ती
Basti-Guzan		Jullundur	बस्ती गजन		जालंधर
Basti-Khark	+	Muzaffargarh	बस्ती खरक	+	मुजफ्फरगढ़
Beawar	+	Merwara	बियावर (नवानगर)	×	मेरवाड़ा
Begumpur		Patna	बेगमपुर		पटना
Begusarai	+	Monghyr	बेगुसराय	×	मुंगेर
Beha		Rar-Bareilly	बिहना		रायबरेली
Belgaum	+	Bombay	बेलगाँव	×	मुंबई
Bellary	×	Bellary	बेलारी	×	बेलारी

× यह निशान तार धरका है

Benares city (Kashee) +	Benares	बनारस सिटी (काशी) ×	बनारस
Berhampore ×	Ganjam	बहरमपुर	+ गजाम
Berhampore city +	Ganjam	बरहामपुर सिटी	+ गजाम
Berhampore +	Murshidabad	बरहामपुर	+ मुर्शिदाबाद
Bettiah +	Champaran	बिनाया	+ चम्पारन
Bhadrak +	Balasore	भदरक	+ बालासोर
Bhagalpur city +	Bhagalpur	भागलपुर सिटी	+ भागलपुर
Bhagalpur	Gorakhpur	भागलपुर	गोरखपुर
Bharatpur city +	Bharatpur	भरतपुर सिटी	+ भरतपुर
Bharatpur	Murshidabad	भरतपुर	मुर्शिदाबाद
Bhatinda Ry Station +	Ferozepore	भटीन्डा	+ फिरोजपुर
Bhavnagar +	Kathiawar	भावनगर	+ काठियावाड
Bhilwara +	Mewar	भीलवारा	+ मेवाड़
Bhiwani ×	Hissar	भिवानी	+ हिसार
Bhopal +	Bhopal	भोपाल	+ भोपाल
Bhubaneshwar	Puri	भुवनेश्वर	पुरी
Bhuj ×	Cutch	भुज	+ कच्छ
Bhusaval ×	Khandesh	भुसावल	+ खानदेश
Biher	Patna	बिहार	पटना
Biher	Partabgarh	बिहार	प्रतापगढ़
Biher	Unao	बिहार	उन्नाउ
Bihta	Patna	बिहटा	पटना
Bihta	Umballa	बिहटा	अम्बाला
Bijapur +	Bijapur	बीजापुर	× बीजापुर

Bijnor	+	Bijnor	विजनाग	,	विजनाग
Bekaneer		Gurgaon	बाकानेर		गुरगाव
Bikaner	+	Bikaner	बाकानेर	×	बाकानेर
Bilaspur	+	Bilaspur	बिलासपुर	+	बिलासपुर
Bilaspur		Bulandshahr	बिलासपुर		बुलदशहर
Bilaspur		Umballa	बिलासपुर		अंबाला
Bilaspur		Rampur	बिलासपुर		रामपुर
Bissau	+	Jaipur	बिसाऊ	+	जयपुर
Bogra	+	Bogra	बोगरा	×	बोगरा
Bombay	×	Bombay	बुम्बई	×	मुम्बई
Brindaban	+	Muttra	बृन्दावन	×	मथुरा
Broach	×	Broach	भरोच	×	भरोच
Bud Gaya		Gaya	बुधगया		गया
Bakhtiarpur		Bakhtiarpur	बागतिआरपुर		बागतिआरपुर
Bulandshahr	×	Bulandshahr	बुलदशहर	+	बुलदशहर
Bundi	×	Bundi	बूंदी	+	बूंदी
Balrampur		Manbhum	बलरामपुर		मानभूम
Balrampur	+	Gond	बलरामपुर	×	गोन्ड
Burdwan	×	Bengal	बर्दवान	×	बंगाल
Burhanpur		Khandwa	ब्राह्मपुर		खडवा
Burnagar		Gaikwar	बरनगर		गायकवाड
Buxar	×	Arrah	बक्सर	+	आरा
Byculla	×	Bombay	बयकला	×	मुम्बई
Calcutta	×	Calcutta	कलकत्ता	×	कलकत्ता
Cawnpore	×	Cawnpur	कानपुर	+	फापुर
Chaibassa	×	Singhbhum	चाइबासा	×	सिंघभूम
Chakia		Muzapur	चक्रिया		मिनापुर
Chakardharpur	×	Singhbhum	चकरधरपुर	×	सिंघभूम

+ यह निशान नगरका है

Kamakhy Hill	Kainrup	कामक्षा		कामरूप	
Kamptee	× Nagpur	कामठी	×	नागपुर	
Kamtaul	+ Darbhanga	कामटेला	×	दुर्भंगा	
Kanauy-City	+ Fatehgarh	कन्नौजसिटी	+	फतेहगढ़	
Kanwant	Jaipur	कावट		जयपुर	
Kaputhala	× Kapurthala	कपुरथाला	+	कपुरथला	
Karachi	+ Karachi	कराची	+	कराची	
Karanja	× Akola	कारजा	+	आकोला	
Karanja	Kolaba	कारजा		कोलाबा	
Karanja	Wardha	कारजा		वरधा	
Karanja	Poona	कारजा		पुना	
Karauli	Karauli	करोली		करोली	
Karnal	+ Karnal	करनाल	×	करनाल	
Kashipur	Naini Tal	कासीपुर		नैनीताल	
Kashipur	Hamirpur	कासीपुर		हमिरपुर	
Kashipur	Backergunge	काशीपुर		बाकरगंज	
Kashipur	Manbhum	कासीपुर		मानभूम	
Katihar	× Purnea	कटिहार	+	पुरनिया	
Katni	+ Jubbalpur	कटनी	+	जबलपुर	
Katrasgarh	+ Manbhum	कतरासगढ़	+	मानभूम	
Khagria	+ Monghyr	खगड़िया	+	मुंगेर	
Khamgaon	× Berar	खामगाव	+	बेराट	
Khandwa	+ Nirmar	खंडवा	+	निगाड	
Kharagpur	Midnapore	खडगपुर		मिदनापुर	
Kharchi	× Marwar	खारची	+	मारवाड	
Kheri	+ Oudh	खेरा		अवध	
Kheta sarai	+ Jaunpur	खेतासराय		जूनपुर	
Khetri	+ Jaipur	खेतड़ी	+	जयपुर	

+ यह निशान तार धरका है

Madras	+	Madras	मदरास	+	मदरास
Madura	+	Madras	मदुरा	+	मदरास
Mahajan		Bikaner	माहाजन		निकानेर
Mahiganj	+	Rangpur	माहीगज	×	रंगपुर
Mainpuri	+	Mainpuri	मैनपुरी	+	मैनपुरा
Makhdumpur		Gaya	मखदमपुर		गया
Makrana		Marwar	मकराना		मारवाड
Malda	+	Malda	मालदा	+	मालदा
Malegaon		Basim	मालेगांव		बसीम
Malegaon champ	+	Nasik	मालेगांवचाप	+	नासिक
Malegaon Bazar		Akola	मालेगांव बजार		आकोला
Malegaon Budruk		Poona	मालेगांव बद्रुक		पुना
Malkapur		Kolhapur	मलकापुर	×	कोल्हापुर
Malkapur	+	Buldana	मालकापुर	×	बुलडाना
Malhargarh		Jaora	मल्हारगड		जावरा
Mandlay	+	Mandlay	माटले	+	मांडले
Mandawa	+	Jaipur	मडावा	+	जयपुर
Mandsaur By Sta	+	Gwalior	मदसौर	×	ग्वालियर
Mandvi		Surat	माडवा		सुरत
Mathabhangax		Cooch Behar	मायाभांगा	+	कूचबिहार
Mankachar	+	Goalpara	माणकाचर	×	गोवालपारा
Masulipatam	+	Madras	मसलीपटण	+	मदरास
Matigara		Darjeeling	माटीगडा		दार्जिलिंग
Meerut city	×	Agra	मेरठसिटी	+	आगरा
Myurbhanya		Bangal	मयुरभंज		बेगाल

—X यह निशान तार प्रका है—

Mhow	+	Indore	मड	+	इंदोर
Midnapore	x	Midnapore	मिदनापुर	+	मिदनापुर
Mirzapur	+	Mirzapur	मिर्जापुर	+	मिर्जापुर
Mirzapur	x	Murshidabad	मिरजापुर	x	मुर्शिदाबाद
Mirzapur	x	Shahjahanpur	मिरजापुर	x	शाहजहानपुर
Mirzapur	+	Saran	मिरजापुर	+	सारन
Mokamah	x	Patna	मोकामा	x	पटना
Monghyr	x	Monghyr	मुंगेर	x	मुंगेर
Moradabad	x	Moradabad	मोरादाबाद	x	मोरादाबाद
Morena	x	Gwalior	मोरेना	x	ग्वालियर
Motihari	x	Champaran	मोतिहारी	x	चम्पारन
Moulmein	+	Amherst	मौलमेन	x	अम्हस्ट
Mughal-Sarai	+	Benares	मोगलसराय	x	बनारस
Multan	x	Multan	मुलतान	x	मुलतान
Mundwa		Marwar	मुन्दावा		मारमार
Murtazapur		Ahola	मूर्तिजापुर		आहोला
Muttra	+	Muttra	मथुरा	x	मथुरा
Muzaffarnagar	x	Muzaffarnagar	मुजफ्फरनगर	x	मुजफ्फरनगर
Muzaffarpur	x	Muzaffarpur	मुजफ्फरपुर	x	मुजफ्फरपुर
Mymensingh	x	Mymensingh	मैमनसिंह	x	मैमनसिंह
Nababganj		Dacca	नबाबगंज		ढाका
Nababganj		Cawnpur	नबाबगंज		कानपुर
Nababganj		Barilly	नबाबगंज		बरेला
Nababganj		Allahabad	नबाबगंज		अलाहाबाद
Nababganj		Fatehgarh	नबाबगंज		फतेहगढ़
Nababganj		Gonda	नबाबगंज		गोंदा
Nababganj		Unao	नबाबगंज		उन्नाव
Nadia	+	Nadia	नदीया	x	नदीया

x यह निशान तार धरता है

Nagour	Marwar	नागौर		मारवाड
Nagpur	Nagpur	नागपुर	x	नागपुर
Nahargarh	Kotah	नाहारगढ़		कोटा
Naihata	24 Pargnas	नाईहारी	x	२४ परगना
Naini-Tal	Naini Tal	नैनीताल	x	नैनीताल
Nalbari	Kamrup	नलबाडी		कामरूप
Nalhati	Birbhum	नलहटा		बीरभुम
Nandgaon	Nasik	नांदगांव	x	नासिक
Nandgaon	Kolaba	नांदगाव		कोलाबा
Nandgaon Kazi	Amraoti	नांदगांवकाजी		अमरावती
Nandgaon poth	Amraoti	नांदगावपेठ		अमरावती
Nandura	Buldana	बान्दुरा निमगाव		बुलडाना
Nimgaon				
Nandura	Amraoti	बान्दुरा पेशवा		अमरावती
Peshwa				
Napasar	Bikaner	नापासार		बीकानेर
Nasirabad	Khandesh	नसीराबाद		खानदेश
Nasirabad	Rae Bareilly	नसीराबाद		रायबरेली
Nasirabad	Larkana	नसीराबाद		लाकराना
Nasirabad	Tippera	नसीराबाद		टीपरा
Narnandi	Hissar	नारनूड		हिसार
Narwal	Cawnpur	नारवल		फानपुर
Narwana	Rohtak	नारवाना		रोहतक
Nasik	Nasik	नासीक		नासीक
Nasirabad	Ajmer	नसीराबाद	x	अजमेर
Nathdwara	Mewar	नाथद्वारा	+	मेवाड
Nourangabad	Amratsar	नौरंगाबाद		अमृतसर
Nawadah	Gaya	नवाडा	x	गया

Nawagarh	Bilaspur	नवागढ़	बीलासपुर
Nawagarh	Manbhum	नवागढ़	मानभूम
Nawalgarh +	Jaipur	नौलागढ़	जयपुर
Nawanagar -	Shahabad	नवानगर	साहाबाद
Neemuch x	Gwalior	निमच	ग्वालियर
Nepal	Nepal	नेपाल	नेपाल
Nellore x	Madras	नेलोर	मद्रास
Nilphamari x	Rangpur	निलकामारी	रंगपुर
Nimkathana x	Jaipur	निमकथाना	जयपुर
Noakhuli x	Bengal	नोखाकुली	बेंगाल
Nohar	Bikaner	नोहर	बिकानेर
Nowgaon x	Assam	नौगांव	आसाम
Ootcamund x	Madras	उतकामंड	मद्रास
Orai x	Agra	ओराइ	आगरा
Pabna +	Bengal	पबना	बेंगाल
Pachamba	Hazaribagh	पचम्बा	हजारीबाग
Pah Marwar	Marwar	पालामारवाड	मारवाड
Pali	Hardoi	पाली	हरदोइ
Pali	Mirzapur	पाली	मिर्जापुर
Pali	Kolaba	पाली	कोलाबा
Pali	Kaira	पाली	कैरा
Parasnath	Hazaribagh	पारसनाथ	हजारीबाग
Parbatsar	Marwar	परबतसर	मारवाड
Partabgarh x	Oudh	परताबगढ़	अवध
Partabgarh	Alwar	परताबगढ़	अलवर
Partabgarh-city	Partabgarh	परताबगढ़सिटी	परताबगढ़
Patna	Bahraich	पटना	भरैच
Patna	Nasik	पटना	नासिक
Patna city x	Patna	पटनासिटी	पटना

x यह स्थान तार परका है

Patna Dangar	Naini-Tal	पाटनादगर	नेनीताल
Peshawar ×	Panjab	पेशावर	× पंजाब
Phalera	Jaipur	फुलेरा	जयपुर
Phalodi	Marwar	फुलोदी	मारवाड
Pilibhut ×	Agra	पीलीभीत	× आगरा
Poona ×	Bombay	पुना	× मुंबई
Puri ×	Bengal	पुरी	× बेंगाल
Parnea ×	Bihear	पुर्निया	× बिहार
Purullia ×	Bengal	पुरलिया	× बेंगाल
Rae-Bareilly ×	Oudh	रायबरेली	× अवध
Raipur ×	Raipur	रायपुर	+ रायपुर
Raipur	Ahmedabad	रायपुर	अहमदाबाद
Raipur	Bankura	रायपुर	बांकुरा
Raipur	Birbhum	रायपुर	बीरभुम
Rajaldesar	Bikanor	राजलदेसर	विकानेर
Rajgarh	Bikanor	राजगढ	विकानेर
Rajgarh ×	Rajgarh	राजगढ	+ राजगढ
Rajgarh	Mirzapur	राजगढ	मिर्जापुर
Rajgarh Alwar	Alwar	राजगढ अलवर	अलवर
Rajgarh	Nahan	राजगढ	नाहान
Rajgarh	Ajmer	राजगढ	अजमेर
Rajkot ×	Bombay	राजकोट	× मुंबई
Rajshahi ×	Bengal	राजसाही	× बेंगाल
Ramesvaram ×	Madura	रामेस्वर	× मदुरा
Ramgarh } ×	Alwar	रामगढ	× अलवर
Alwar			
Ramgarh ×	Jaipur	रामगढ	× जयपुर
Ramgarh	Hazaribagh	रामगढ	हजारीबाग
Ramgarh	Ludhiana	रामगढ	लुधियाना
Ramgarh	Shahabad	रामगढ	साहीबाद

× यह निशान तार परका है

Ranagarh	x	Jaipur	रामगढ़	x	उंट
Ranagarh		Naini-Tal	रामगढ़		नैनीताल
Ranagarh		Chittagong	रामगढ़		चिटगंग
Ramnagar		Champaran	रामनगर		चम्पारन
Ramnagar	x	Benares	रामनगर	+	बनारस
Ramnagar		Naini-Tal	रामनगर		नैनीताल
Ramnagar	x	Gujranwala	रामनगर	x	गुजरांवाला
Ramnagar		Bara-Banki	रामनगर		बाराबंकी
Ramnagar		Fyzabad	रामनगर		फैजाबाद
Ramnagar		Purnea	रामनगर		पूरनिया
Ramnagar		Rowah	रामनगर		रिवा
Ramnagar	x	Sultanpur	रामनगर	x	सुलतानपुर
Ramnagar	x	Jammu	रामनगर	x	जम्मू
Ramnagar		Darbhanga	रामनगर		दरभंगा
Rampur		Mymansingh	रामपुर		मैमनसिंह
Rampur		Moradabad	रामपुर		मुरादाबाद
Rampur		Rewah	रामपुर		रिवा
Rampur		Jaunpur	रामपुर		जौनपुर
Rampur		Saharanpur	रामपुर		सहारनपुर
Rampur		Muzaffargarh	रामपुर		मुजफ्फरगढ़
Rampur		Bashahr	रामपुर		बसहर
Rampur		Kalsahandi	रामपुर		कालाहंडी
Rampur		Hoshangabad	रामपुर		होशंगाबाद
Rampur		Gorakhpur	रामपुर		गोरखपुर
Rampur		Chitaldroog	रामपुर		चिटानद्रुग
Rampur		Tumkur	रामपुर		तुमकूर
Rampur		Azamgarh	रामपुर		आज़मगढ़
Rampur		Ghazipur	रामपुर		ग़ाज़ीपुर

x यह निशान तार धरका है ।

Rampur	Gujianwala	रामपुर		गुजरानवाला
Rampur	Srinagar.	रामपुर		श्रीनगर
Rampura	Kathiawar	रामपुरा		काठियावाड़
Rampura	Ahmedabad	रामपुरा		अहमदाबाद
Rampura	Orai	रामपुर		घोराय
Rampur-Hat x	Birbhum	रामपुरहाट	x	बीरभूम
Ranaghat x	Nadia	रानाघाट	x	नदिया
Ranchi x	Ranchi	रांची	+	रांची
Rangoon	Rangoon	रगून		रगून
Rangpur	Kathiawar	रंगपुर		काठियावाड़
Rangpur	Mazaffargarh	रंगपुर		मुजफ्फरगढ़
Rangpur	Kathiawar	रंगपुर		काठियावाड़
Rangpur	Rangpur	रंगपुर		रंगपुर
Rangpur-Bazar	Rangpur	रंगपुरबजार	+	रंगपुर
Rangpura	Sialkot	रंगपुरा		सियालकोट
Raniganj x	Burdwan	रानीगंज	x	बरधमान
Raniganj	Purtabgarh	रानीगंज		पुर्ताबगढ़
Raniganj	Purnea	रानीगंज		पूरनिया
Raniganj	Mymansingh	रानीगंज		मैमनसिंह
Ranisarai	Azamgarh	रानीमराय		आजमगढ़
Rasulabad	Gujrat	रसुलाबाद		गुजरात
Rasulabad	Cawnpur	रसुलाबाद		कानपुर
Rasulabad	Unao	रसुलाबाद		उनाओ
Rasulabad	Tippera	रसुलाबाद		टिपेरा
Rasulabad	Waidha	रसुलाबाद		वधौ
Rasulpur	Burdwan	रसुलपुर		बरधमान
Rasulpur	Muttra	रसुलपुर		मथुरा
Rasulpur	Gurgaon	रसुलपुर		गुरगांव

Rasulpur	Rai Bareilly	रसुलपुर	रायबरेली
Rasulpur	Saran	रसुलपुर	सारन
Rasulpur x	Sialkot	रसुलपुर	x सियालकोट
Rasulpur(chack)	Lyallpur	रसुलपुर	लियालपुर
Ratangarh +	Bikaner	रतनगढ़	x बिकानेर
Ratangarh	Bynori	रतनगढ़	+ बिकानेर
Ratannagar +	Bikaner	रतननगर	+ बिकानेर
Ratanpur	Bilaspur	रतनपुर	बिलासपुर
Ratanpur	Khulna	रतनपुर	खुलना
Ratanpur	Kathiawar	रतनपुर	काठियावाड़
Ratnagiri	Malda	रतनागिरी	मालदा
Rawal pindi x	Rawalpindi	रावलपिंडी	x रावलपिंडी
Pawatsar	Bikaner	रावतसर	बिकानेर
Rehabari	Lakhimpur	रेहाबारी	लखीमपुर
Rowah	Rowah	रिवा	रीवा
Rewari +	Gurgaon	रेवाड़ी	x गुरगांव
Rewari R S	Gurgaon	रेवाड़ी, थार, एस,	गुरगांव
Rohtak +	Rohtak	रोहतक	+ रोहतक
Rohtak city	Rohtak	रोहतक सिटी	रोहतक
Rohtas	Shahabad	रोहतस	शाहाबाद
Rohtas	Jhelum	रोहतस	झेलम
Roorkee	Shahranpur	रूरकी	शाहरानपुर
Roorkee R S	Shahranpur	रूरको, थार, एस,	शाहरानपुर
Rutlam x	Rutlam	रतलाम	x रतलाम
Sargardighi	Murshidabad	सागर डिगघी	मुरशीदाबाद
Sakrigali x	Shibganj	सकरीगली	+ साहिबगंज
Saktigarh +	Budwan	सकटीगढ़	+ बरदान
Sal uabad	Gaya	साकोराबाद	गया

x यह निशान तार धरका है

Salom	✓	Salem	सालिम		सालिम
Salkia	+	Howrah	सलकिया	×	इवडा
Salkucha		Goalpara	सलकूचा		खालपाडी
Salmai		Pune	सालमारी		पुरनिया
Salon		Rai Bareilly	सालन		राय बरेली
Samastipur	+	Daibhanga	समस्तीपुर	×	दरभंगा
Sambalpur	+	Sambalpur	सम्बलपुर	×	सम्बलपुर
Sambhar	+	Malwar	साम्भर	×	माढवाड
Sanwad	+	Indore	सानावद	×	इन्दौर
Sanchor	×	Marwar	सचोर		मारवाड
Sandaino	×	Marnai	सदराव	×	माढवाड
Sanganer	×	Jaipur	सगानेर	×	जैपुर
Sardaisahi		Bikaner	सरदारसहर		बीकानेर
Sasaram		Gaya	समाराम		गया
Satara	×	Satara	सातारा	×	सातारा
Saugor		Saugor	सागर		सागर
Seoni chappra		Seoni	सेवनी छपरा		सेवनी
Seoni-chhindwara		Chhindwara	सेवनी छींदवारा		होसङ्गावाड
Seoni-malwa		Hoshangabad	सेवनी		होसङ्गावाड
Shahabad	×	Hyderabad (Deccan)	शाहाबाद	+	हैदराबाद
Shahabad		Kanai	शाहाबाद		करनाल
Shahabad		Hardoi	शाहाबाद	×	हरदोई
Shahabad		Rampur [State] V P	शाहाबाद		रामपुर रस ट्युपी
Shahapur		Nonkhali	शाहापुर		नोखाखाली
Shahapur	×	Thana	शाहापुर	×	थाना
Shahapur	×	Belgaum	शाहापुर	×	बेलगाम

+ यह निशान तार चरका है

Shahapur	Kathiawar	शाहापूर,		काठियावाड
Shaharanpur +	Shaharanpur	शहारनपूर	×	शहारनपुर
Shahebganj +	Backerganj	साहेबगज	×	बाकरगज
Shahebganj ×	Bardwan	साहेबगज	×	बरदान
Shahganj	Fyzabad	शाहगज		फैजाबाद
Shahganj ×	Jaunpur	शाहगज	×	जौनपुर
Shahganj	Mirzapur	शाहगज		मिर्जापुर
Shahganj	Agra	शाहगज		आगरा
Shahganj	Bhopal	शाहगज		भोपाल
Shahagarh	Sangor	शाहगढ़		सागर
Shahagarh	Sultanpur	शाहगढ़		सुल्तानपूर
Shahjahanpur*	Shahjahanpur	शाहजहानपूर	×	शाहजहानपुर
Shahjahan pur city } ×	Shahjahanpur	शाहजहानपूरसिटी +		शाहजहानपुर
Shahjahanpur +	Shahjahanpur	शाहजहानपूर	+	शाहजहानपुर
Shahpur	Mandala	शाहपूर		माडला
Shahpur	Nimar	शाहपूर		निमाड
Shahpur	Muzaffernagar	शाहपूर		मुजफ्फर नगर
Shahpur	Gurdaspur	शाहपूर		गुरदासपूर
Shahpur	Kangia	शाहपूर		कांगरा
Shahpur	Birbhum	शाहपूर		बीरभूम
Shahpur ×	Shahpur	शाहपूर	×	शाहपुर
Shahpur	Shahpur	शाहपूर		शाहपुर
Shahpur }	Hyderabad (Sind)	शाहपूर		हैदराबाद (सिंद)
Shahpur	Ambala	शाहपूर		अम्बाला
Shahpur	Gorakhpur	शाहपुर		गोरखपूर
Shahpur	Mamwali	शाहपुर		मैनवाली
Shahpura +	Mewar	शाहपुरा		मीवाड

× यह निगान तार घरका है ।

Salem	✓	Salem	सालिम	✓	सालिम
Salkia	+	Howrah	सर्नाकिया	×	हवडा
Salkucha		Goalpara	सनकुचा		ग्यालपाडी
Salma		Pune	सालमारी	-	पुरनिया
Salon		Rai Bareilly	सालन		राय बरैली
Samastipur	+	Daibhanga	समस्तीपुर	×	दरभंगा
Sambalpur	+	Sambalpur	सम्बलपुर	×	सम्बलपुर
Sambhar	+	Malwar	साभर	×	माडवाड
Sanavad	+	Indore	सानावद	×	इन्दौर
Sanchor	×	Marwar	सचोर		मारवाड
Sanderio	×	Malwar	सदराव	×	माडवाड
Sanganer	×	Jaipur	सगानेर	×	जैपुर
Sardarshahi		Bikaner	सरदारसहर		बीकानेर
Sasaram		Gaya	ससराम		गया
Satara	×	Satara	सातारा	×	सातारा
Saugor		Saugor	सागर		सागर
Seonchappra		Seoni	सेवनी छपरा		सेवनी
Seoni-chhindwara		Chhindwara	सेवनी छींदवारा		हीसङ्गावाड
Seoni-malwa		Hoshangabad	सेवनी		हीसङ्गावाड
Shahabad	×	Hyderabad (Deccan)	शाहाबाद	+	हैदराबाद
Shahabad		Kanul	शाहाबाद		कारनाल
Shahabad		Hardoi	शाहाबाद	×	हरदो
Shahabad		Rampur [State] V P	शाहाबाद		रामपुर इस्ट ट्युपी
Shahapur		Noakhali	शाहापुर		नोखाखाली
Shahapur	×	Thana	शाहापुर	×	थाना
Shahapur	×	Belgaum	शाहापुर	×	बेलगाँव

+ यह निशान तार सरकारी है

Shahapur	Kathianwar	शाहपुर		काठियावाड
Shaharapur +	Shaharanpur	शहारनपुर	×	शहारनपुर
Shahobganj +	Bickerganj	साहेबगज	×	बाकरगज
Shahobganj ×	Bardwan	साहेबगज	×	बरहान
Shahganj	Fyzabad	शाहगज		फैजाबाद
Shahganj ×	Jaunpur	शाहगज	×	जौनपुर
Shahganj	Mirzapur	शाहगज		मिर्जापुर
Shahganj	Agra	शाहगज		आगरा
Shahganj	Bhopal	शाहगज		भोपाल
Shahagarh	Sangor	शाहगढ़		सागर
Shahagarh	Sultanpur	शाहगढ		सुल्तानपुर
Shahjahanpur*	Shahjahanpur	शाहजहानपुर	×	शाहजहानपुर
Shahjahan } pur city }	Shahjahanpur	शाहजहानपुरसिटी +		शाहजहानपुर
Shahjahanpur +	Shahjahanpur	शाहजहानपुर +		शाहजहानपुर
Shahpur	Mandla	शाहपुर		माडला
Shahpur	Nimar	शाहपुर		निमाड
Shahpur	Muzaffernagar	शाहपुर		मुजफ्फर नगर
Shahpur	Gurdaspur	शाहपुर		गुरदासपुर
Shahpur	Kangia	शाहपुर		कागरा
Shahpur	Birbhum	शाहपुर		बीरभूम
Shahpur ×	Shahpur	शाहपुर	×	शाहपुर
Shahpur	Shahpur	शाहपुर		शाहपुर
Shahpur }	Hyderabad (Sind)	शाहपुर		हैदराबाद (सिंद)
Shahpur	Amabali	शाहपुर		अम्बाला
Shahpur	Gorakhpur	शाहपुर		गोरखपुर
Shahpur	Mainwali	शाहपुर		मैनवाली
Shahpura +	Mowar	शाहपुरा		मेवाड

× यह निशान तार घरका है ।

Shahpura	Jubblepur	शाहपुरा	छावलपुर
Shahpara	Mandla	शाहपुरा	मंडला
Shahpara x	Betul	शाहपुरा	+ बेटूल
Shahzadpur +	Pabna	शहजादपुर	+ पबना
Shahzadpur	Allahabad	शहजादपुर	एलाहाबाद
Shahzadpur	Shahzadpur	शहजादपुर	शहजादपुर
Shahzadpur	Fyzabad	शहजादपुर	फैजाबाद
Shamli	Muzaffernagar	शामली	मुजफरनगर
Shamnagar	Amritsar	शामनगर	अमृतसर
Shampur	Bijnor	शामपुर	बिजनौर
Shampur	Monghyr	शामपुर	मुंगेर
Shamsabad	Attock	शमसाबाद	अटक
Shamsabad	Fatehgarh	शमसाबाद	फतेहगढ़
Shamsabad	Agra	शमसाबाद	अगरा
Shamsabad	Allahabad	शमसाबाद	एलाहाबाद
Shamshernagar	Gaya	शमशेरनगर	गया
Shamshernagar	Sylhet	शमशेरनगर	+ सिनहट
Shankarganj	Rai Bareilly	शकरगंज	रायबरेली
Shankarganj	Jaunpur	शकरगंज	जौनपुर
Shankarganj	Allahabad	शकरगंज	एलाहाबाद
Shankarganj x	Peshawar	शकरगंज	+ रेशावर
Shankerpur	Chanda	शकरपुर	चंदा
Shankerpur	Bhagalpur	शकरपुर	भागलपुर
Sholgaon x	Akola	शिंगाव	+ आकोला
Sholgaon	Khandesh	शिंगाव	खानदेश
Sholgaon	Buldana	शिंगाव	बुलढाना
Sholgaon Atola	Buldana	शिंगाव	बुलढाना
Sholgaon Darya		शिंगाव	

Shergarh	Birailly	शेरगढ़	घरैली
Shergarh	Muttra	शेरगढ़	सूधरा
Shergarh	Montgomery	शेरगढ़	मॉंटिंगोमरी
Shergarh	Marwar	शेरगढ़	माडवाड
Shergarh-kotah	Kotah	शेरगढ़ कोटा	कोटा
Shergarh R S	Ferozepur	शेरगढ़ चार, एस,	फिरोज़पुर
Sherghati	Gaya	शेरघाटी	गया
Sherpur	Bogra	शेरपुर	बोगरा
Sherpur	Pilibhit	शेरपुर	पीलीभीत
Sherpur	Patna	शेरपुर	पटना
Sherpur kalan	Ludhiana	शेरपुर कला	लुधियाना
Sherpur Town	Mymensingh	शेरपुर टाउन	मैमनसिंह
Shikarpur x	Sukkur	शिकारपुर	सक्कर
Shikarpur	Nadra	शिकारपुर	नदिया
Shikarpur	Shikarpur	शिकारपुर	शिकारपुर
Shikarpur	Cutch	शिकारपुर	कच्छ
Shikarpur	Champaran	शिकारपुर	चम्पारन
Shikohabad R s	Mainpuri	शिकोहाबाद चार, एस,	मैनपुरी
Shikohabad	Mainpuri	शिकोहाबाद	मैनपुरी
Shillong +	Kashi hills	शिलांग	काशी हिल्स
Shirgaon	Thana	शरगांव	थाना
Shirgaon	Satara	शरगांव	सतारा
Takharbhadra	Amraoti	टकरबेडा	अमरावती
Talegaon x	Wardha	तलेगांव	वरधा
Togat garh	Marwar	तामदमढ़	माडवाड़
Tajganj	Agra	ताजगंज	आगरा

+ यह निम्नान्तर घरका है

Tajunpeth	Akola	ताजनापीठ	अकोला
Tajpur	Darbhanga	ताजपुर	दरभंगा
Tajpur	Bynour	ताजपुर	बिजौर
Tajpur	Husarpur	ताजपुर	हुसियार
Tajpur	Howrah	ताजपुर	हवडा
Takalghat	Nagpur	टाकनघाट	नागपुर
Tellara +	Akola	तौलदारा ×	अकोला
Tezpur +	Assam	तेजपुर +	आसाम
Thakurdwar	Bombay	ठाकुरदा	बुधद
Thane ×	Poona	थाना	पुना
Thugaon	Amraoti	थुगाव	अमरावती
Trichinopoly ×	Trichinopoly	ट्रीचिना पली ×	ट्रीचिना पली
Trimbak	Nasik	ट्रीम्बक	नासिक
Udaipur	Mewar	उदेपुर	मिर्जापुर
Ujjin ×	Indore	उज्जैन ×	इन्दौर
Unao +	Unao	उनाव +	उनाव
Viramgam +	Ahmedabad	वीरम गांव +	अहमद बाद
Wadhwan ×	Kathianwar	वडवान ×	काठियावाड
Wadnera	Wardha	वडनेरा	वरधा
Wardha ×	Wardha	वरधा +	वरधा
Yeotmal ×	Wardha	ययतमहन् ×	वरधा

इंग्रेजी वर्णमाला (Alphabets) में पांच स्वर होते हैं a, e, i, o, u, और w और y भी कभी स्वर (vowel) होते हैं और कभी व्यंजन (consonant) जबकि w या y इन पांच स्वरों के पश्चात् आते हैं तब तो स्वर (vowel) होते हैं और जब पहले आते हैं तो व्यंजन होते हैं जैसे city (सिटी) शहर, cow (काउ) गाय you (यू) तुम, we (वी) हम

जानना चाहिये कि इंग्रेजी में a से 'अ' समझा जाता है और n पर & ऐसा निशान लगाने से 'आ' समझा जाता है i से 'ई' और r पर ऐसा ' ' निशान लगाने से 'ई' इ (दीर्घ) समझी जाती है और c से 'ए' और n से 'ऐ' और o से 'ओ' और ou से 'औ' जाना जाता है

इंग्रेजी वर्णमाला में तकार, थकार, दकार, धकार, भकार, फकार, क्षकार, खकार, चकार, छकार और पकार नहीं हैं t और d को तकार और दकार के लिये ही प्रयोग करते हैं जो कि सबदाकार और ङकार के वास्तविक प्रयोग किये जाते हैं परन्तु जब कि तकार और दकार के वास्ते t और d का प्रयोग करते हैं तब उनके बीच एक शून्य लगा दिया जाता है कि जिसमें व तकार और दकार न पड़ कर, तकार और दकार हा पड़े जाय, B में H (ह) के मिलाने से भकार और उसी तरह पर th से ठकार और थकार, dh में धकार और ढकार, Gh से गकार, jh से जकार, kh से खकार sh से शकार और ph से फकार समझा जाता है, चकार और छकार के लिये इस भाषा में कोई समान अक्षर नहीं है पर Ch से चकार और ch से छकार का काम लिया जाता है और xh और से ksh 'क्ष' का काम लिया जाता है

अब इंग्रेजी भाषा में किस किस अवस्था में किस किस अक्षर से क्या क्या उच्चारण होता है सो आगे लिखेंगे, ऊपर जो लिम आए हैं सो केवल रोमन (Roman) * की नियमावली के अनुसार लिखे गए हैं

a, o, i, o, u, स्वर का जो अलग अलग नाम है यदि इसी प्रकार इनका उच्चारण हो तो यह long Vowel कहे जाते हैं और नहीं तो Short Vowel कहलाते हैं

१ A का उच्चारण पांच प्रकार से होता है —

(१) 'ए' के समान, जैसे fate (फेट) नसीब, gate (गेट) फाटक, lame (लेम) लगना इत्यादि

(२) 'ऐ' के समान, जैसे man (मैन) आदमी fat (फैट) मोटा, (चरबीदार) Cat (कैट) बिल्ली, आदि

वर्णमाला के अक्षरों के द्वारा अन्य भाषा की लिखावट वाले उच्चारण सहित भी इंग्रेजी में लिखते हैं

Tajnapeth	Alola	ताजनापीठ	अकोला
Tajpur	Darbhangha	ताजपुर	दरभंगा
Tajpur	Bijnour	ताजपुर	बिजनौर
Tajpur	Husarpur	ताजपुर	हुसियार
Tajpur	Howrah	ताजपुर	हवडा
Takalghat	Nagpur	टाकलघाट	नागपुर
Telhara +	Alola	तौलहार	अकोला
Tezpur +	Assam	तेजपुर	आसाम
Thakurdwar	Bombay	ठाकुरद्वार	सुवई
Thanr x	Poona	थाना	पूना
Thugaon	Amraoti	थुगांव	अमरावती
Trichinopoly x	Trichinopoly	ट्रीचिना पल्ली x	ट्रीचिना पल्ली
Trimbak	Nasik	ट्रीम्बक	नासिक
Udaipur	Mewar	उदैपुर	मेवाड
Ujjin x	Indore	उज्जैन x	इन्दौर
Unao +	Unao	उनाव +	उनाव
Viramgam +	Ahmedabad	वीरम गांव +	अहमद बाद
Wadhwan x	Kathiawar	वडवान x	काठियावाड
Wadnera	Wardha	वडनेरा	वरधा
Wardha x	Wardha	वरधा +	वरधा
Yeotmal x	Wardha	ययतमहल x	वरधा

इंग्लिश बर्णमाला (Alphabet) में पाँच स्वर होते हैं a, e, i, o, u, और w और १ गोल स्वर (vowel) होते हैं और सभी व्यंजन (consonant) क्योंकि w ता १ दा पाँच स्वरों के पश्चात् आते हैं सपत्ता स्वर (vowel) होते हैं और जब पढ़ते आते हैं तो ध्वनि हात है जैसे city (सिटी) घर, cow (काउ) या you (यू) मुम, we (वी) हम

जानना चाहिये कि इंग्लिश में a में 'अ' समझा जाता है और a पर ६ उगा निशान 'गान' से 'आ' समझा जाता है। e में 'इ' और i पर 'ऐ' निशान लगाते हैं। e (दीप) समझी जाती है और o में 'ओ' और u में 'उ' और n में 'ओ' और ou में 'औ' जाना जाता है

इंग्लिश बर्णमाला में तबल, धकार, दकार, पकार, भकार, फकार, तबल गघार, शकार, खकार, छकार आर पकार नहीं हैं। आर d को तबल और दकार के बिने ही प्रमाण करते हैं। ज हि सपदा दकार और दकार के सामन प्रयोग किये जाते हैं। परन्तु जब हि तबल और दकार के पारत d आर t का प्रयोग करते हैं तब उनके नीचे एक द्यन्त लगा दिया जाता है कि जिसमें व तबल और दकार में वर, दकार और दकार ही पड़े जायें, B म H (द) क मिलने से भकार और उगी तरह प h से दकार और धकार, th में पकार और दकार, Gh में पकार, jh से भकार, kh से भकार, sh म शकार और ph म पकार समझा जाता है, यकार और छकार के लिये इग भाषा में कोई समान अक्षर नहीं है पर Ch में यकार और ch में य छकार का काम दिया जाता है और xh और y hsh 'क्ष' का काम दिया जाता है

अब इंग्लिश भाषा में किन किन अवस्था में किन किन अक्षर से क्या क्या उच्चारण होता है सो आगे लिखेंगे, उपर जो लिखा आया है सो केवल रोमन (Roman) * की नियमावली के अनुसार लिखे गए हैं

a, e, i, o, u, स्वर का जो अर्थ अर्थ नाम है यदि इसी प्रकार इनका उच्चारण हो सो वह long Vowel कहें जाते हैं और नहीं तो Short Vowel कहलाते हैं

१ A का उच्चारण पाँच प्रकार में होता है—

(१) 'न' के समान, जैसे fate (फेट) नलीय gate (गेट) पाठक, lame (लैम)

रिगदा इत्यादि

(२) 'म' के समान, जैसे man (मैन) आदमी fit (फिट) मेथ, (परबंदार) Out

(फिट) चिल्ली, आदि

* इंग्लिश बर्णमाला के अक्षरों के द्वारा अन्य भाषा की लिखावट इनके उच्चारण गहिता को इंग्लिश भाषा में रोमन (Roman) कहते हैं

- (१) 'ऑ' के समान, जैसे ball (बॉल) गेंद, Call (कॉल) पुकारना, tall (टॉल) लम्बा
 (४) 'आ' के समान, जैसे la (लार) दूर, father (फादर) पिता, Cask (कास्क)
 पीपा, आदि
 (५) 'अ' के समान, जैसे Woman (वुमन) स्त्री, German (जर्मन) जर्मनी
 का निवासी

(२) ई E का उच्चारण भी पांच प्रकार का होता है —

- (१) 'इ' के समान जैसे Mete (मीट) नाप, Meet मीट मिलना, मुलाकात करना, me
 (मी) मुझे, she (शी) वह (स्त्री), be (बी) होना
 (२) 'ए' के समान, जैसे met (मेट) मिला, Net (नेट) जाल, Pest (पेस्ट)
 आपत्त, leg (लेग) टांग
 (३) 'अ' के समान, जैसे Merchant (मरचेंट) व्यापारी, Herd (हर्ड) झुण्ड
 (बीपाए का), her (हर) उसका, उमको
 (४) 'ह' के समान, जैसे Mero (मियर) केवल, here (हियर) यहां
 (५) अतः वी O का उच्चारण नहीं होता, जैसे Care (केअर) होशियार able (एबिल)
 योग्य, लायक

I का उच्चारण भी इसी तरह पांच प्रकार है —

- (१) आई के समान—Fine (फाइन) अच्छा, सुमोना, दण्ड, Kind (काइण्ड) कृपाछ
 मिहर्षी, Mind (माइण्ड) मन, Find (फाइण्ड) मिला, प्राप्त होना, Grind (ग्राइण्ड) पीसना,
 Bind (बाइण्ड) बाधना Blind (ब्लाइण्ड) अंधा
 (२) इ के समान जैसे Pin (पिन) आलपीन Bit (बिट) काटना, Pit (पिट)
 गढा आदि
 (३) ई के समान जैसे Famine (फैमिन) अकाल (अन्न का अभाव) कष्ट, Fatigue
 (फैटीग) थकावट, तकान Machine (मैशीन) यन्त्र कल, Marine (मैरीन) मल्लाही,
 Quinine (किनिन) कुनैन (दवा सुखार की)
 (४) 'अ' के समान, जैसे Bird (बर्ड) पक्षी, परन्द, Gird (गर्ड) बाधना, सिडक,

मले, मत

- (५) 'आय' के समान, जैसे Fire (फायर) अग्नि, आतिश, आग, I
 (आइ) खीकनाक Sire (सायर) बाप
 O का भी पांच प्रकार का है —

(१) 'ओ' के समान जैसे Notice (नोटिस) विज्ञापन, इश्वरिहार, Note (नोट) बिह, निदान Quote (क्वोट) दकना

(२) 'ऊ' के समान Lose (लूज) खोना Do (दू) करना Two (टू) दो, Whose (हूज) किसका, थिमका

(३) 'औ' के समान, जैसे Not (नॉट) नहीं, Dot (डॉट) शून्य, तुकता, Mock (मॉक) मुह बिहाना

(४) 'अ' के समान, जैसे None (नन्) कोई नहीं, Done (डन्) किया Love (लव) मेह करना, प्यार करना

(५) 'उ' के समान जैसे Brook (ब्रुक) नाल, नहर Book (बुक) पुस्तक, किताब Hook (हुक) पकडने का काटा

U का भी उच्चारण पांच प्रकार है —

(१) 'उ' के समान, जैसे Put (पुट) रखना Truth (ट्रूथ) सचा, Bull (बुल) सांड

(२) 'ऊ' के समान, जैसे Brute (ब्रूट) जलु, जानवर, Flute (फ्लूट) बशी, Fruit (फ्रूट) फल, बर

(३) 'औ' के समान, जैसे Cut (कट) काटना, But (बट) परन्तु Nut (नट) सुपारी

(४) 'यो' के समान, जैसे Endure (इण्ड्योर) सहनकरना, बरदास्त करना, Manure (मैन्योर) खाद

(५) 'यू' के समान, जैसे Tube (ट्यूब) नल, Mute (म्यूट) खामोश, पुप जानना चाहिये कि भिन्न अक्षरों का उच्चारण एकही सा होता है जैसे a, e, i, o और u जिनके उदाहरण हम ऊपर देखेके हैं Fate (फेट) नतीका, Mail (मेल) जिरह, डाक, Play (प्रे) प्रार्थना करना, उपासना करना, Flign (फेल) हील या बहाना करना, There (देयर) वहाँ, देखो इनके यणों का उच्चारण, इन उदाहरणों में अ' के समान है, इसीतरह पर और भा जानो

c अक्षर का उच्चारण इमेनी भाषा में कभी 'क' होता है और कभी 'स' परन्तु जानना चाहिये कि यदि c के पश्चात् a, o, u में से कोई भी स्वर लिया हुआ हो तो उसका उच्चारण 'क' होता है, जैसे cut (कट) बिर्नी, col (कॉल) झोपडा cut (कट) काटना इत्यादि ऐसे समय जब बि c का उच्चारण 'क' के समान होता है तो इस c को hard c (हार्ड सी)

(३) 'ऑ' के समान, जैसे ball (बॉल) गेंद, Call (कॉल)

(४) 'फा' के समान, जैसे fa (फार) दर, father (प
पीपा, आदि

(५) 'अ' के समान, जैसे Woman (वुमन) स्त्री,
का निवासी

(२) ई E का उच्चारण भी पांच प्रकार का होता है —

(१) 'ई' के समान जैसे Meet (मीट) नाप, Meet मीट

(मी) मुझे, she (शी) वह (स्त्री), be (बी) होना

(२) 'ए' के समान, जैसे met (मेट) मिला, Net (

आपत, leg (लेग) टांग

(३) 'अ' के समान, जैसे Merchant (मरचेंट) व्याप

(चीपाए का), her (हर) उसका, उसकी

(४) 'इ' के समान, जैसे Mero (मियर) केवल, here (हि

(५) 'अ' की ॥ का उच्चारण नहीं होता, जैसे Care (केअर)

शेअर, लायन

I का उच्चारण भी इसी तरह पांच प्रकार है —

(१) आई के समान—Fine (फाइन) अच्छा, जुर्माना, दण्ड, I
मिहाना, Mind (माइण्ड) मन, Find (फाइण्ड) मिलना, प्राप्त होना, (
Bind (बाइण्ड) बाधना Blind (ब्लाइण्ड) अंधा

(२) इ के समान जैसे Pin (पिन) आलपीन Bit (बिट)
गड़ा आदि

(३) ई के समान जैसे Famine (फैमिन) अकाल (अा का अभाव
' फैटीग) थकावट, त्यान Machine (मैशीन) यन्त्र, कल, Marina
minno (किनिन) कुनैन (दवा बुखार की)

(४) 'अ' के समान, जैसे Bird (बर्ड) पक्षी, परन्द, Gird (गेट

गमन

(५) 'आय' के समान, जैसे Fire (फायर) अग्नि, आतिश, आग,

(६) 'सी' के समान, जैसे Sire (सायर) बाप

पांच प्रकार का है —

(१) 'ओ' के समान जैसे Notice (नोटिस) विज्ञापन, इशतिहार, Note (नोट) चिट्ठा, निगान Quote (कोट) दूकना

(२) 'ऊ' के समान Lose (लूज) खोना Do (दू) करना Two (टू) दो, Whose (हुज) जिसका, Whim (विम) कपड़ा

(३) 'औ' के समान, जैसे Not (नॉट) नहीं; Dot (डॉट) शून्य, चुकता; Mock (मॉक) गृह विद्याला

(४) 'अ' के समान, जैसे None (नन्) कोई नहीं, Done (डन) किया Love (लव) प्रेम करना, प्यार करना

(५) 'उ' के समान जैसे Brook (ब्रुक) नाला, नहर Book (बुक) पुस्तक, किताब Hook (हुक) पकड़ने का काटा

U का भी उच्चारण पाच प्रकार है —

(१) 'उ' के समान, जैसे Put (पुट) रखना Truth (ट्रूथ) सच्चा, Bull (बुल) साँढ

(२) 'ऊ' के समान, जैसे Brute (ब्रूट) जानवर, Flute (फ्लूट) बंशी, Fruit (फ्रूट) फल, वर

(३) 'अ' के समान, जैसे Cut (कट) काटना, But (बट) परन्तु, Nut (नट) मूखी

(४) 'या' के समान, जैसे Endure (इण्ड्यूर) सहनकरना, बरदास्त करना Manure (मैन्यूर) खाद

(५) 'यू' के समान, जैसे Tube (ट्यूब) नल Mute (म्यूट) खामोश, गुप

मानना चाहिये कि भिन्न अक्षरों का उच्चारण एकही सा होता है जैसे a, e, i, o और u

प्रत्येक उदाहरण हम ऊपर देखे हैं Fate (फेट) नसीब, Mail (मेल) गिरह, डाक, Fry (फ्रै) श्रापना करना, उपासना करना, Feign (फेन) झूठ या बहाना करना, There (थेयर) वहाँ, वस्तु इनके वर्णों का उच्चारण इन उदाहरणों में 'अ' के समान है, इसीतरह पर और

और जाना

c अक्षर का उच्चारण इंग्रेजी भाषा में कभी 'क' होता है और कभी 'स' परन्तु जानना चाहिये कि यदि c क पश्चात् n, o, u में से कोई भी स्वर लिखा हुआ हो तो उसमें उच्चारण 'क' होता है, जैसे cat (कैट) बिल्ली, col (कॉल) चोपड़ा cut (कट) काटना इत्यादि

एक समय जब कि c का उच्चारण 'क' के समान होता है तो हम c को hard c (हार्ड सी) कहते हैं

cram (کرائم) دھسنا

dram (ڈرام) घूट گھوٹ

gram (ग्रैम) चना جينا

clap (क्लैप) ताली माली

slap (स्लैप्) थप्पड 𑂔𑂱𑂔𑂰

bled (بلیڈ) خون بہا ہوا

पैदा किया (bred) (ब्रेड)

fict (फ़ैट) रगडना لڙڪو

stom (स्टेम्) डाल

step (स्टेप) डग, दमक قدم

grim (ग्रिम्) भयङ्कर ترشرو

brim (ब्रिम्) किनारा كسار

crib (क्रिब्) पलंगडी پلنگري

clip (کلیپ) } کترنا، छाटना
تراشا - تراشا

slip (स्लिप) फिसलना

clot (क्लॉट) घक्का دھکا

plot (پلٹ) उपाय تصویر

crop (कॅप) फसल وصل

prop (प्रॉप्) टिकाओ ٲیکاو

frog (फेंग) मेंढک

club (کلب) سونڊا چوب

glut (گلت) } نام تک پتہ مہرنا
شکم درواری کونا

گندی عورت (slut) گندی سڑی

shut (शद्) बन्द करना

stud (स्टड) अस्तबल اسندل

| less (लेस) कम کم

fell (फैल्) गिराना **گراانا**

hell (हेल) नर्क

tell (टैल्) कहना کہنا

bell (बेल) घण्टा

volt (وولٹ) } گھڑی کا پیمانہ

buff (बफ) घुसा کھوسا

puff (پف) } ہوا کا جھونکا

ہوسى ہول (ہل)

سولانا (लल्) मुलाना

| dull (डल्) मूख

band (बैण्ड) जमघम جمعات

hand (हैण्ड) हाथ هاند

land (लैण्ड) भूमि رسی

put (पैण्ड) होपना طابو

wand (वैण्ड) बाल ریت

bend (बेण्ड) झुकाना جھکانا

rend (रेण्ड) फाटना لہارنا

best (बेस्ट) } सब से अच्छा
 } सब سے عمدہ

pent (पेण्ड) पाच دس

rest (रेस्ट) आनन्द آرام

bind (बाइण्ड) बांधना باندھنا

find (फाइण्ड) मिलना ملنا

mind (माइण्ड) मन دل

kind (काइण्ड) दयाकारी مہربان

hind (हाइण्ड) पीछे پیچھے

cost (कास्ट) खर्च خرچہ

fold (फोल्ड) मोटना موڑنا

told (टोल्ड) कहा کہا

gold (गोल्ड) सोना سونا

sold (सोल्ड) बेचा فروخت کیا

bust (बस्ट) अघूरी मूर्ति بھڑکائی

dust (डस्ट) धूल گرد

duck (डक्) बतख تطغ

luck (लक) भाग्य مہدر

tuck (टक्) जाल حال

bask (बास्क) धाम खाना دھوب

dark (डार्क) अंधरा تاریک

hark (हार्क) सुनो سُنو

mark (मार्क) चिह्न نشان

lest (लेस्ट) कम से कम کم سے کم

nest (नेस्ट) घोंसला گھونسلہ

file (फाइल) फाइल

while (व्हाइल) अवलोकन

dome (डोम) कल गमर

home (होम) घर گھر

lost (लॉस्ट) खोया گم

felt (फैल्ड) माखम किया معلوم کیا

melt (मैल्ड) पल गया گل-گیا

dine (डाइन) } खाई जीमना

fine (फाइन) } खूबसूरत

fine (फाइन) } खूबसूरत

fine (फाइन) } खूबसूरत

fine (फाइन) } खूबसूरत

fine (फाइन) } खूबसूरत

fine (फाइन) } खूबसूरत

fine (फाइन) } खूबसूरत

fine (फाइन) } खूबसूरत

fine (फाइन) } खूबसूरत

fine (फाइन) } खूबसूरत

fine (फाइन) } खूबसूरत

fine (फाइन) } खूबसूरत

fine (फाइन) } खूबसूरत

fine (फाइन) } खूबसूरत

fine (फाइन) } खूबसूरत

LESSON 1st (लेसन) पहिला पाठ

Me (मैं) मुझे
 We (हम) हम
 Us (अस) हमको
 So (सो) ऐसा
 Or (ऑर) अथवा
 Of (ऑफ) का
 If (इफ) अगर, यदि
 Am (एम) हूँ
 Do (डू) करना
 Go (गो) जाना
 I (आइ) मैं
 An (ऐन्) एक
 To (टू) को, तरफ

As (एज्) जैसा
 No (नो) नहीं
 Be (बी) होना
 By (बाइ) पास
 In (इन्) भीतर
 Up (अप्) ऊपर
 At (एट) } तरफ, पास, को, दर
 } طرف पास - को - در
 Is (इज्) है
 It (इट्) वह, यह
 He (ही) वह
 My (माइ) मेरा

Is he in ? क्या वह भीतर है ?
 Do I go ? क्या मैं जाऊँ ?
 He is up वह ऊपर है
 If I go in अगर मैं भीतर जाऊँ
 Do as I do मैं करूँ जैसा करो
 If I go up अगर मैं ऊपर जाऊँ
 Go on चले
 If I be ऊपर में होऊँ
 I go up मैं ऊपर जाता हूँ
 Am I to go ? क्या मुझे जाना पड़ेगा या
 क्या मैं जाने को हूँ ?
 It is so वह ऐसा है
 He is to go वह जाने को है
 Is he in it ? क्या वह उसके भीतर है ?

Do it यह करो
 I go मैं जाता हूँ
 I am मैं हूँ
 He is वह है
 By me मेरे पास
 Is he in or am I in ? क्या मैं भीतर हूँ
 अथवा वह है ?
 Is he up ? क्या वह ऊपर है ?
 As he is, so I am जैसा वह है, वैसा
 मैं हूँ
 If he be in it अगर वह उसके अन्दर
 होवे
 We do हम करते हैं

LESSON 2nd (लेसन) दूसरा पाठ.

And (एण्ड) और اور
 All (ऑल) सब साम
 Cap (कैप) टोपी توبی
 Eat (ईट) खाना کھانا
 At (एट) खाया کھایا
 For (फॉर) वास्ते واسطے
 Sit (सिट) बैठना بیٹھنا
 Tho (थो) वह وہ
 Put (पुट) रखना رکھنا
 You (यू) तुम تم
 Are (आर) हैं, हैं, ہیں
 Ask (आस्क) पूछना پوچھنا
 May (मे) सकना سکا
 Not (नॉट) नहीं نہیں

Him (हिम) उसको اُسکو
 Pen (पेन) कलम قلم
 Bed (बेड) बिछौना بچھڑا
 Bad (बैड) बराब حراب
 One (वन) एक ایک
 Who (हू) जो, कौन کون - جو
 Try (ट्राई) चेरा करना کوشش کرنا
 Run (रन) दौटना دوڑنا
 Buy (बाई) खरीदना خریدنا
 Can (कैन्) सकना سکا
 How (हाउ) कैसा کیسا
 Boy (बॉय) लड़का لڑکا
 Say (से) कहना کہا
 Cut (कट) काटना کاٹنا

Can you run ?

It is a new box

Got a pen for him

He did not ask me

He is my son

Don't let him go out

Why do you cry ?

He is ill

Who got my hat ?

क्या तुम दौट सकते हो ?

यह नया सन्दूक है ?

उसके वास्ते एक कलम लाओ

उसने मुझ से नहीं पूछा

यह मेरा लड़का है

उसको बाहर मत जाने दो

तुम क्यों चिल्लाते हो ?

यह बीमार है

मेरी टोपी किसने पाई ?

Don't see it

He is too old man

Now go one by one

Get a new bag for him

यह मत देसों

वह बहुत बूढ़ा आदमी है

अब एक एक करके जाओ

उसके वास्ते एक नया येन' लाओ

LESSON 3rd (लेसन) पाठ तासरा

Now (न्यू) म्या ५१-१,

Why (व्हाइ) } क्यों, किसनास्ते
 } کیوں - کیوں

Day (ਦਿ) ਦਿਨ ੨੧ - ੭੩

Now (नाउ) अय ॥

Lot (लेट) परधानगा देना

Son (सन्) بیٹا - پسر

Yes (यह) हाں

III (इल) चामार मरुस

D d (डिड) किया ७५

Cry (काइ) चिलाना, रोना جلا - ٤,

H₁₃ (हिज) उत्तर K₁₃

Hot (हॉट) गरम گرم

Sun (सन्) सूर्य, आफताब

See (सी) देखना 1443

Old (ओल्ड) बूढ़ा, पुराना - پورانا - بڑھا

Got (गाह) पाया, मिला १० - ७५

Get (गेट) लाना, पाना ७४ - ७५

Out (आउट) बाहर

Hat (हेड) टोपी

Chair (चेअर) कुर्सी

The Sun is too hot

Now let him rep

Let him sit on the chair

Why do you not ask him ?

Sit by me

Do not run

Do it for me

I do not ask you

How are you ?

सूक्ष्म बहुल तपता है

अब उसे दौड़ने दो

उसे कुर्सी पर बैठने दो

सुभ उससे क्यों नहीं पूछते ?

मेरे पास बैठो

मत दोहो

गढ़ मेरे वास्ते करो

मे तुमगे नहीं पूछता हूँ

तुम कैसे हो ?

Do not eat it

Who are you ?

Why do you run ?

May I go ?

Can you eat ?

He is my boy

Don't say to him

मत खाओ

तुम कौन हो ?

तुम क्यों दौड़ते हो ?

क्या मैं जाऊँ ?

क्या तुम खा सकते हो ?

वह मेरा लड़का है

उसे मत कहो

LESSON 4th (केसन) पाठ चौथा

What (क्या) क्या

Rate (रेट) भाव, दर

This (इस) यह

Take (टेक) लेना

Will (विल) गा

Want (वांट) चाहना

Send (सेन्ड) भेजना

Less (लेस्) कम

Soon (सून) जल्दी

Give (गिव) देना

Name (नेम) नाम

Don't (डोन्ट) मत

Split (स्प्लिट) भेजा

Book (बुक) किताब

Come (कम) आना

Here (हियर) यहाँ

Very (वेरी) बहुत

Your (योर) तुम्हारा

That (देड) जो, वह, जोकि, कि

Moro (मोर) ज्यादा, अधिक

Tell (टेल) कहना

News (निउन्स) खबर, समाचार

Many (मेनी) बहुत

Upon (अपोन्) ऊपर, पर

Gave (गेव) दे दिया

When (वेन्) जब, कब

Glad (ग्लेड), खुश, आनंद

Good (गुड) अच्छा

What is your name ?

I can not take at this rate

Tell him to come here

Who is that man ?

तुम्हारा क्या नाम है ?

इस भाव में मैं नहीं ले सकता

वहाँ आने के लिये उससे कहो

वह कौन आदमी है ?

Send me what I want
 I am very glad of you came here
 When will you give my book ?
 I gave him my cap
 Don't give more work upon him
 Give me your book
 Don't buy any more
 I want to send him soon
 It is a very good news

जो कुछ मैं चाहता हूँ मेरे पास भेजो
 तुम्हारे यहाँ आनेसे मैं बहुत खुश हूँ
 मेरी किताब तुम कब दोगे ?
 मैंने उससे अपनी टोपी दी
 उसपर अधिक काम मत छोड़ो
 अपना किताब मुझे दे दो
 और मत खरीदो
 मैं उसको जल्दी भेजना चाहता हूँ
 यह खबर बहुत अच्छी है

LESSON 5th (लेसन) पाठ पाचवाँ

Daily (देली) रोज़-रोज़	Ready (रैडी) तैयार
Start (स्टार्ट) खाना होना	Delay (डिले) ढील
Water (वाटर) पानी, जल	There (देअर) वहाँ
Wrong (रोंग) गलत	Speak (स्पीक) बोलना
Write (राइट) लिखना	Where (व्हीअर) जहाँ, कहाँ
Remit (रेमिट) भेजना	Angry (ऐंग्री) खूब
Bring (ब्रिङ्ग) लाना	Again (एगेन्), फिर
Night (नाइट) रात	House (हाउस) घर, मकान
Every (एवरी) हर एक	Empty (एम्पटी) खाली
Knife (नाइफ) छुरी	Cause (काँज) सबब, कारण
Shall (शैल) गा, गे, गो	Glass (ग्लास) प्याला, दर्पण
Happy (हैपी) खुशी	Abuse (एब्यूज) गाली देना
Money (मनी) रुपया, दौलत	Rupee (रूपी) रुपया

I am very much angry upon you
 Bring me a glass of water
 Come to my house every night
 Why do you not speak to me ?

मैं तुम पर बड़ा नाराज़ हूँ
 मेरे वास्ते एक गिलास जल लाओ
 तुम मेरे घर रात-रात आना करो
 तुम मुझसे क्यों नहीं बोलते ?

Don't delay to remit money
When will you start again ?
Where is your knife ?
I am very happy to see you
Send me all empty bags
Where is your house ?
Be ready to send rupees
What is the cause of this ?
He writes very well
Don't abuse any one

धन्य भेजने में ढील मत करो
फिर तुम कब खाना होगे ?
तुम्हारा चाकू कहाँ है ?
मैं तुमको देखकरके बहुत खुशी हुई
माली बालियाँ सब मेरे पास भेज दो
तुम्हारा घर कहाँ है ?
रुपया भेजने के लिये तैयार रहो
इसका क्या सबब है ?
वह बहुत अच्छा लिखता है
कोई को माली मत दो।

LESSON 6th (लेसन) छठा पाठ

Please (प्लीज) कृपा करके	Market (मार्केट) बजार
Detain (डिटेन) अटकाना	Arrive (ऐराइव) पहुँचना
Credit (क्रेडिट) उधार देना	Accept (एक्सेप्ट) स्वीकार करना
Health (हेल्थ) खेम कुशल	Profit (प्रॉफिट) फायदा
Little (लिटिल) कम, थोड़ा	Matter (मैटर) काम
Detail (डिटेल) धीरे-धीरे	Remind (रिमाइन्ड) याद दिलाना
Report (रिपोर्ट) खबर	Permit (परमिट) परवानगी देना
School (स्कूल) पाठशाला	Reason (रीजन) सबब, कारण
Advice (ऐडवाइस) राय	Refund (रिफण्ड) जमा देना
Belong (बिलॉन्ग) अधिकार	Article (आर्टिकल) चीज, वस्तु
Silent (साइलेन्ट) चुप	Return (रिटर्न) पीछा खीटाना
Unable (अनैबल) अयोग्य	
Object (ऑब्जेक्ट) मतलब	

Please write me your health
What school do you belong to?
I can not give you on credit

कृपा कर अपने खेम कुशल के समाचार लिखो
तुम किस पाठशाला में पढ़ते हो ?
मैं तुमको उधार नहीं दे सका

Send me all the market reports
I am unable to come, send your
advice

Send me all details of your case.
Don't detain Lalchand on his
way to home

Lalchand arrived here this night

Don't accept Motilal's Hundi

What is the matter with you ?

Permit me to go home

What is your object ?

मेरे पास बाजार की सब खबरें भेजो
मैं नहीं आसक्त अपनी सलाह भेजो

अपने मुकदमे का हाल सब व्यौरेवार लिखो
घर जानेके थक लालचन्दकी मत अटकाओ

आज रातको लालचन्द यहां पहुंचा

मोतीलाल की हुन्डी मत सकारो

तुम्हारा क्या हालत है ?

मुझे घर जाने की परवानगी दो

तुम्हारा क्या मतलब है ?

Grammar.—इंग्रेजी व्याकरण.

Grammar (ग्रामर) صرف و نحو (सफ व नहव) अर्थात् व्याकरण वह विद्या है जिस से बोलने, खालने और लिखने पढ़ने का ज्ञान होता है.

English Grammar, Orthography (आर्थोग्राफी), Etymology (एटिमोलॉजी) Syntax (सिन्टैक्स) और Prosody (प्रॉसीडी) में विभक्त है

I. ORTHOGRAPHY वर्णविचार رسم الخط علم

Orthography (आर्थोग्राफी) رسم الخط (रसुलखत) वर्णविचार व्याकरण का वह भाग है जो वर्णों के रूप, स्थान और उनके लिखने की रीतियां बतलाता है

जिस शब्द के अक्षर का उच्चारण एक साथ हो उसे Syllable (सिलेबिल) حرف (हुरफ) कहते हैं जिस शब्द में एक Syllable हो उसे Monosyllable (मोनोसिलेबिल) कहते हैं जैसे — he, she

दो Syllables के शब्द को Dissyllable (डिसिलेबिल) कहते हैं जैसे Serpent (सरपेंट) सांप तीन Syllable के शब्द को Trisyllable कहते हैं और तीन Syllables से अधिक Syllables जिन शब्दों में होते हैं उनको Polysyllable (पोलीसिलेबिल) कहते हैं जैसे — Incomprehensibility (इन्कम्प्रिहेंसिबिलिटी) समझ के बाहर

गदि फोफा में शब्द क सम्पूर्ण रूप से लिखो का स्थान १ हो तो Syllable के टुकड़े १ करने चाहिये पर शब्द क Syllable को अलग कर देना चाहिये जैसे ; he, she, Serpant, In-com-pre-hen-si-bi-li-ty

जबकि लिखना प्रारम्भ किया जाता है तो पहले प्रथम का अक्षर बड़ा (Capital) होना चाहिये और आदमी सहर दिन महीना आर इशर क समस्त नाम बड़े अक्षरों से प्रारम्भ करना चाहिये

कॉरना क प्रत्येक पद (Line) का प्रथम वण बड़ा (Capital) होता है जैसे —

Why tell me in your every Tone my God is also

Is God yours only and not at all mine ?

मरा भा इरवात म बालत है भगवान

का तरा भगवान है मेरो नहा भगवान ?

شراب میں کہتے ہو کہ میرا ہی خدا ہے * کنا آپنی کا خدا ہے ہمارا خدا نہیں

I और O सदा Capital मेहा लिख जाते हैं , जम,— Wait O man ! I come ,
हे मनुष्य ठहर ! मैं आता हूँ

प्रधान शब्द का प्रथम वण भी Capital स होता है

सकेत वण محصور حروف (ह्रस्व सुखतसर) भी Capital से लिखा जाता है

II ETYMOLOGY (शब्द विचार)

Etymology (एतिमोलोजी) शब्द विचार اقسام الفاظ (इतिहास के अलफाज) से शब्दों के भेद और उन के परस्पर सम्बन्ध का ज्ञा होता है Parts of speech (पाठस आफ एगज) صرف (मर) अथवा शब्दों के भेद जो कि English Grammar में आठ प्रकार १ होते हैं उनके नाम यह हैं—Noun (नाउन) Pronoun (प्रोनाउन), Adjective (ऐडजेक्टिव) Verb (वर ,) Adverb (ऐडवर्ब), Preposition (प्रिपोजीशन), Conjunction (कनजक्शन), और Interjection (इन्टरजेक्शन)

1—NOUN (संज्ञा)

Noun (नाउन) संज्ञा اسم (इस्म) उस शब्द को कहते हैं, जिस से किसी पुरुष, स्था या किसी वस्तु के नाम का बोध होता है जैसे—Book (बुक) पुस्तक किताब, Bombay (बोम्बे) मुम्बई Gobind गोविंद इत्यादि

संगे ५ भेद यह हैं—Proper (प्रॉपर), Common (कॉमन), Abstract (ऐबस्ट्रेक्ट), Material (मेटीरियल) Collective, और (कलेक्टिव)

(१) Proper Noun (ग्रापर नाउन) व्यक्ति वाचक शब्द اسم خاص (इस्मे खास) वह शब्द है जिन से किसी निदिष्ट (खास) पुरुष या स्थान के नाम का बोध हो, जैसे, Mitha bharat (महामात), Ram (राम), Benares (बनारस)

(२) Common Noun (कॉमन नाउन) जाति वाचक शब्द या اسم عام (इस्मे आम) उन शब्दों को कहते हैं जिन में केवल जाति का बोध होता है, जैसे, Book (बुक) किताब, City (सिटी) शहर, नगर

(३) Abstract Noun (ऐबस्ट्रेक्ट नाउन) भाव वाचक शब्द (जोकि उर्दू में नहीं है) वह शब्द हैं जिनमें किसी वस्तु के आभा या गुण का बोध होता है, जैसे Goodness (गुडनेस) भलाई, Manliness (मैनलनेस) पुरुषत्वता आदि

(४) Material Noun (मेटारियल नाउन) द्रव्य वाचक शब्द اسم مادي (इस्मे मादी) उन शब्दों या اسمों (इस्म) को कहते हैं जिन से किसी द्रव्य या मादे का बोध हो जैसे -Wheat (व्हीट) गेहूँ گندم (गडुम), Gold (गोल्ड) सोना زر (जर)

(५) Collective Noun (कलेक्टिव नाउन) समुदाय वाचक शब्द اسم مجموع (इस्मे मजमूआ) उस शब्दों को कहते हैं जिस से किसी समूह या झुण्ड का बोध होता है, जैसे - Army (आर्मी) فوج (फौज), सेना, Library (लाइब्रेरी) पुस्तकालय, کتب خانه कुतुब खाना

Noun के साथ में Gender (जेंडर) Number (नम्बर) Person (परसन्) और Case (केस) का होना आवश्यक है

GENDER (लिंग)

यह बात जानने के लिये है कि Noun से जो नाम प्रगट होता है उस से Gender पुरुष जाना जाता है या स्त्री जाना जाता है या दो में से एक का भी बोध नहीं होता अथवा कोई नपुंसक वस्तु या कोई और पदार्थ जाना जाता है, इस अभिप्राय में जो कुछ समझा जाता है, उस समझाने वाले शब्द को Gender (जेंडर) लिङ्ग वा جنس जिस कहते हैं Gender (जेंडर) तान प्रसार के होते हैं

Masculine (मैसकुलिन) Feminine (फेमिनिन्) और Neuter (न्यूटर) जिन जिन शब्दों से कि पुरुष वाचक नाम समझे जाते हैं उन को Masculine Gender (मैसकुलिन जेंडर) पुलिङ्ग مُذكر (मुज्कर) कहते हैं, जैसे - घोड़ा जिन २ शब्दों से कि स्त्री वाचक नाम समझे जाते हैं वह वह Feminine Gender (फेमिनिन् जेंडर) स्त्रीलिङ्ग مؤنث (मौन्थ) कहते हैं, जैसे - घोड़ी

और निम्नसे कि किसी वस्तु या पदार्थ का नाम जाना जाता है पर पुरुष और स्त्री वाचक नाम नहीं जान जाते, तो ऐसे शब्दों का नाम को Neuter Gender (न्यूट्रर जेंडर) नपुमक लिग या صمد (मुत्तप्रस) कहते हैं जैसे - मेज, चुरगी इत्यादि और भा जानो

जब निर्जीव पदार्थों का सञ्ज्ञा के समान सम्बोधन होता है तो उन का प्रथम वण Capital letter से लिगा जाता है और उनका जेंडर Masculine या Feminine होता है जो वस्तु एक शक्ति, दौरता, बढाई या महत्त्वता प्रगट करते हैं वह Masculine Gender समसे जाते हैं जैसे - Sun (सन) सूरज آفتاب (आफताब) Winter (विंटर) जाड़ा سرما (सर्मा), Time (टाइम) समय وقت (वक्) War (वार) सामान, लड़ाई, جنگ (जङ्ग), Giant (जाएण्ट) राक्षस غول दाना आदि

जिन शब्दों से छोटाई, दयालता, सुदृग्ता और हरियाली प्रकाश होती है व Feminine Gender समसे जाते हैं जैसे Moon (मून) चन्द्रमा ماهتاب (माहताब) The Earth (अर्थ) पृथ्वी زمین Spring (स्प्रिंग) बसन्त بهار (बहार) Hope (होप) आशा امید (उमेद) Virtue (वर्चु) भलाइ نیکی (नेकी) Truth (ट्रूथ) सच्चाई راستی (रास्ती) Pride (प्राइड) घमण تکبر (तफखुर) Fame (फेम) प्रतिष्ठा شهرت Justice (जस्टिस) न्याय انصاف (इन्साफ) Peace (पीस) शांति صلح (सैरियत) Jealousy (जेलसी) ईर्ष्या رقابت (रवाबत) Flattery (फ्लैटरी) चापलूसी حوشامد Modesty (मॉडेस्टी) नमनदारी انصاف Humility (अमि लिटी) नम्रता عاجزی (आजिजी) Ship (शिप) जहाज को Feminine Gender म लिखा करते हैं छोटे छोटे बौद्ध मकोझ की गणना सदा Neuter Gender म होती है

Gondol (गिण्ड) के पहचानने की तीन रीतिया हैं—पहले भिन्न भिन्न शब्दों से, दूसरे भिन्न प्रत्यय से और तीसरे कोई शब्द किसी शब्द के आगे या पीछे रखने से, जैसे —

Masculine (पुलिङ्ग)

Feminine (स्त्रालिङ्ग)

Bachelor (बैचलर) कुंवारा
Boy (बाय) लड़का
Brother (ब्रदर) भाद
Buck (बक) हरिण
Bull (बुल) बैल

Maid (मेड) कुंवारी
Girl (गर्ल) लड़की
Sister (सिस्टर) बहिन
Doe (डो) हरिणी
Cow (काउ) गौ

<i>Masculine (पुलिङ्ग)</i>	<i>Feminine (त्रिलिङ्ग)</i>
Cock (कॉक) मुर्गा	Hen (हेन) मुर्गी
Colt (कोल्ट) बछेडा	Filly (फिली) बछेनी
Dog (डॉग) कुत्ता	Bitch (बिच) कुतिया
Father (फादर) पिता	Mother (मदर) माता
Gentleman (जेंटिलमैन) सभ्य	Lady (लेडी) सभ्य स्त्री
Horse (हॉर्स) घोड़ा	Mare (मेयर) घोड़ी
Husband (हस्बैंड) पति	Wife (वाइफ) पत्नी
King (किंग) राजा	Queen (क्वीन) रानी
Lord (लॉर्ड) धामान	Lady (लेडी) धामनी
Man (मैन) आदमी	Woman (वूमन) स्त्री
Nephew (नेफ्यू) भताजा	Niece (नास) भतीजा
Ram (रैम) भेडा	Ewe (यू) मडा, भेडा
Sir (सर) महाशय	Madam (मैडम) महाशया
Son (सन) पुत्र	Daughter (डॉटर) पुत्री
Uncle (आंकल) चचा	Aunt (आँट) चाचा
Ward (विजार्ड) जादूगर	Witch (विच) जादूगरा

(२) मित्र प्रत्यय मे, जैसे—

Abbot (ऐबॉट) महापाश	Abbes (ऐबस) महाधिकारिणी
Ambassador (एम्बेसाडर) राजदूत	Ambadress (एम्बेसेड्रेस) राजदूता
Actor (ऐक्टर) नाटक पात्र	Actress (ऐक्ट्रेस) नाटकपानी
Adulator (ऐडल्टर) व्याभिचारी	Adulteress (ऐडल्ट्रेस) व्याभिचारिणी
Author (आथर) ग्रन्थ कर्ता	Authoress (ऑथरेस) ग्रन्थकारिणी
Chante (चैन्टर) गानेवाला	Chantress (चैन्ट्रेस) गानेवाला
Emperor (एम्पेरर) महाराज	Empress (एम्प्रेस) महारानी
Giant (जाएंट) राक्षस	Giantess (जाएन्ट्रेस) राक्षसी
God (गॉड) परमेश्वर, देव	Goddess (गॉडैस) देवी, परमेश्वरी
Governor (गवर्नर) शासक	Governess (गवर्नेस) शासिका

Masculine (पुलिग)

Heir (एयर) वारिस
 Hunter (हटर) व्याध, मिकारी
 Lad (लैट) लडका, युवा
 Lion (लाय) सिंह
 Master (मास्टर) स्वामी
 Prince (प्रिंस) राजकुमार
 Prophet (प्रोफेट) भविष्यवाणी
 Shepherd (शेफर्ड) गडरिया
 Sorcerer (सोरसेर) इन्द्रजालिक
 Tiger (टाइगर) व्याघ्र, चीता
 Tutor (ट्यूटर) गुरु
 Widower (विडोवर) रजुआ
 Beau (बो) गुडा
 Fox (फोक्स) लोमड़ी
 Hero (हिरो) नायक
 Gzar (जार) रुस, नरेश
 Sultan (सुलतान) सुलतान

Feminine (स्त्रीलिग)

Heiress (एयरेस) वारिसा या वारिसनी
 Huntress (हन्ट्रेस) शिकारिणी
 Lass (लैस) लडकी, युवती
 Lioness (लायनेस) सिंहनी
 Mistress (मीस्ट्रेस) स्वामिनी
 Princess (प्रिसेस) राजकुमारी
 Prophetess (प्रोफेटेस) भविष्यवाणी
 Shephordess (शेफर्डेस) गडरिनी
 Sorceress (सोरसेरेस) इन्द्रजालिका
 Tigress (टाइग्रेस) व्याघ्री
 Tutress (ट्यूट्रेस) गुरानी
 Widow (विडो) राड, विधवा
 Belle (बेल) गुडी
 Foxes (फोक्स) लोमडिनी
 Heroine (हिरोइन) नायिका
 Czarina (जारिना) रुसकीरानी
 Sultana (सुलताना) सुलताना

(१) आगे या पीछे शब्द रखने से

(१) आगे शब्द रखने से, जेते—

Bull-Calf (बुल-काल्फ) बछड़ा
 Tho-ass (थो ऐस) गधा
 He goat (ही गोड) बकरी
 Man servant (मेन-सरवन्ट) नौकर
 Man-kind (मेन-काइण्ड) पुरुष जाति

Cow-Calf (काउ-काल्फ) बछड़ी
 She-ass (शी ऐस) गधी
 She-goat (शी-गोट) बकरी
 Maid-servant (मेड सर्वन्ट) नौकरनी
 Woman-kind (वूमन-काइण्ड) स्त्रीजाति

(२) पीछे शब्द रखने से

Bride groom (ब्राइड ग्रूम) ब्रूहा
 Gentle-man (जेंटिल मेन) महाशय

Bride (ब्राइड) दुल्हिन
 Gentle woman (जेंटिल-वूमन) महाशया

Masculine (पुलिंग)	Feminine (स्त्रिलिंग)
Grand father (ग्रैंड-फादर) पितामह	Grand mother (ग्रैंड-मदर) मातामही
Milk-man (मिल्क-मैन) ग्वाला	Milk-maid (मिल्क-मैड) ग्वालिन
Pheasant (पीकॉफ) मोर	Peahen (पीहेन) मोरनी
Washer man (वाशर-मैन) धोवी	Washer-woman (वाशर वूमन) धोबिन

NUMBER — (वचन)

एक या एउ से अधिक के अभिप्राय को Number (नम्बर) **عدد** (सींग) या वचन कहते हैं इंग्रेजी भाषा में दो Number होते हैं Singular Number (सिंगुलर नम्बर) **واحد** (सागावाहेद) एक वचन और Plural Number (प्रल नम्बर) **جمع** (सींग जमा) बहुवचन Singular से एक का बोध होता है और Plural से बोध एक से अधिक का होता है जैसे—लडका आम खाता है लडके आम खाते हैं

इंग्रेजी भाषा में Singular से Plural बनाने का साधारण नियम यह है कि शब्द के शेष में **s** बड़ा देते हैं जैसे, boy (बाए) लडका, boys (बॉएज) लडके

यदि किसी शब्द के अन्त में **s, sh, ch, x, z** या **o** हों तो शब्द के शेष में **es** लगा देते हैं जैसे—loss (लॉस) हानि से losses (लॉसेज) हानियाँ, bush (बुश) झाड़ी से bushes (बुशेज) झाड़ियाँ, watch (वॉच) घड़ी से watches (वॉचिन) घड़ियाँ, box (बॉक्स) सन्दूक से boxes (बाक्सेज) सन्दूकों, topaz (टोपाज) पुसराज से topazes (टोपाजेज) पुसराजों, mango (मैंगो) आम में mangooes (मैंगोज) आम

यदि किसी शब्द के शेष में **y** हो और **y** के प्रथम यदि कोई व्यंजन हो तो **y** को **ies** से बदल देते हैं जैसे city (सिटी नगर) cities (सिटीज) तगरियाँ इत्यादि किन्तु यदि **y** के प्रथम में व्यंजन नहीं हो और स्वर हो तो केवल **s** के लगाने से बहुवचन हो जाता है जैसे day (डे) दिन, days (डेज) दिनों, boys (बॉएज) लडके

यदि Noun के अन्त में **f** या **fe** हो तो **f** या **fe** के स्थान में **ves** कर देते हैं जैसे—thief (थीफ) चोर में thieves (थीव्ज) चोरों, calf (कॉफ) बछड़ा में calves (कॉव्ज) बछड़े

स्वर भेद से कितने हा Noun का Plural होता है, जैसे—

Singular (एकवचन) واحد
Ox (ऑक्स) बैल
Man (मैन) मनुष्य آدمی
Woman (वूमान) स्त्री عورت औरत
Tooth (टूथ) दात دندان
Child (चाइल्ड) बाल بچہ
Mouse (माउस) चूहा
Louse (लाउस) चू चوں
Goose (गूज) हंस

Plural (बहुवचन) جمع
Oxen (आक्समन) बैलों
Men (मेन्) मनुष्यों
Women (विमन) स्त्रियाँ
Teeth (टीथ) दातों
Children (चिल्ड्रेन) बाल बच्चे
Mice (माइस) चूहे
Loose (लाइस) जूए
Geese (गाज) हंस

कितन हा Noun के अन्त में f or fo होने पर भा Plural बनाने के लिये केवल s लगा देते हैं, जैसे—

Singular (एकवचन) واحد
Chief (चीफ) सरदार
Strife (स्ट्राइफ) झगडा
Dwarf (ड्वार्फ) बूना
Belief (बिलीफ) विश्वास

Brief (ब्रीफ) सक्षेप
Gulf (गल्फ) खाड़ी
Roof (रूफ) छत
Proof (प्रूफ) सबूत

Plural (बहुवचन) جمع
Chiefs (चीफ्स) सरदारों
Strifes (स्ट्राइफ्स) झगडे
Dwarfs (ड्वार्फ्स) बुने
Beliefs (बिलीफ्स) विश्वास की बात

اعتبار کی باتیں

Briefs (ब्रीफ्स) सक्षेप
Gulfs (गल्फ्स) खाड़ीया, नहरियाँ
Roofs (रूफ्स) छतें
Proofs (प्रूफ्स) सबूतें

कितने ही Noun के Plural बिना नियम के होते हैं, जैसे—

Singular (एकवचन) واحد
Grotto (ग्रोट्टो) गुफा
Stomach (स्टमाक) पेट
Cuckoo (कुकू) कौआ
Bamboo (बैम्बू) बांस
Spoonful (स्पूनफुल) चमचा भर

Plural (बहुवचन) جمع
Grottoes (ग्रोट्टोस) गुफाएँ
Stomachs (स्टमाक्स) पेटों, शिवमहा
Cuckoos (कुकूज) कौआएँ, कौआ
Bamboos (बैम्बूज) बांसों
Spoonfuls (स्पूनफुल्स) चमचे भर

इमेजी शब्द जो man से बनता है उन का Plural men से बनता है, जैसे—

Singular (एकवचन) واحد	Plural (बहुवचन) جمع [कताओं]
Statesman (स्टेट्समैन) देशका प्रबन्धकर्ता	Statesmen (स्टेट्समैन) देश के प्रबन्ध-
Milkman (मिल्कमैन) ग्वाला شیردوش	Milkmen (मिल्कमेन) ग्वाले شیرمردان
Washerman (वाशरमेन) धोषी	Washermen (वाशरमेन) धोषियाँ
Washerwoman (वाशरवूमेन) धोषिनी	Washerwomen (वाशरवूमेन) धोषिनें

किन्तु अन्य भाषा के शब्द जो man से बने हैं उन में Plural के लिये केवल ३ लगाना चाहिये, जैसे—

Singular एकवचन واحد	Plural बहुवचन جمع
Muselman मुसलमान	Muslimans (मुसलमान्स) मुसलमानों
German (जर्मन) जर्मनी का निवासा	Germans (जर्मन्स) जर्मनी के निवासियों

किसी २ Noun के डबल Plural होते हैं, जैसे—

Singular एकवचन	Plural बहुवचन
Man servant (मेन्सवेंट) नौकर	Men servants (मेन्सवेंट्स) नौकरों

कोई २ Noun का Singular और Plural एक ही सा होता है, जैसे—

Cannon (कैनन) तोप توپ	Sheep (शीप) भेड़ شتر
Deer (डियर) हिरा हर	Swine (स्वाइन) सूअर سور
Shot (शॉट) गोली گولی	Sail (सेल) याल بال

कोई कोई Noun का Singular नहीं होता—

Tidings (टाइडिंग्स) खबर	Scissors (सीजर्स) कतराणी, کترانی	Pincors (पिन्कोर्स) विमटा (दस्तपनाह) دسپناہ
Customs (कस्टम्स) महसूल	Goods (गूड्स) माल, असबाब	Trousers (ट्राउजर्स) पजामा پاجامہ

कितने ही Nouns के भिन्न २ वचनों में २ अर्थ होते हैं—

Singular (एकवचन) واحد	Plural (बहुवचन) جمع
Spectacle (स्पेक्टैकल) तमाशा تماشا	Spectacles (स्पेक्टैकल) चशमा چشمه
Air (एअर) हवा, वायु هواء	Airs (एअरस) चाल चलन حال چال
Manner (मैनर) रीति	Manners (मैनर्स) चाल चलन حال چال

गण्यवाचक शब्द और अवयव और शब्दों का Plural इस ('s) चिह्न के द्वारा बनाया जाता है, जैसे—

Singular	Plural	Singular	Plural
21	21's	Yet	Yet's
50	50's	If	If's
B A	B A's	No	No's
F A	F A's		

मुख्य शब्द का Plural रूप करनेमें समास युक्त शब्दों का Plural होता है, जैसे—

Singular (एकवचन) واحد	Plural (बहुवचन) جمع
Father-in-law (फादर-इन-लॉ) ससुरا سسر	Fathers-in-law (फादर-इन-लॉ) ससुरे سسرون
Brother-in-law (ब्रदर-इन-लॉ) सासु سالا	Brothers-in-law (ब्रदर-इन-लॉ) सासु سالا
Commander-in-chief (कमान्डर-इन-चीफ) प्रधान सेनाध्यक्ष, फौज का सब से बड़ा अधिकारी (फौज के सब से बड़े अधिकारी) (فوج کاسب کے بڑا افسر)	Commanders-in-chief (कमान्डर-इन-चीफ) प्रधान सेनाध्यक्षों (फौज के सब से बड़े अधिकारी) (فوج کاسب کے بڑے افسر)
Uncle in law (अंकिल-इन-लॉ) चाचा ससुरा خاا سسر	Uncles-in-law (अंकिल-इन-लॉ) चाचा ससुरे خاا سسرون
Mother in law (मदर-इन-लॉ) सास ساس	Mothers in law (मदर-इन-लॉ) सास ससु ساسن
Grand father in law (ग्रैंड-फादर-इन-लॉ) दादा ससुरा ددا سسر	Grand fathers in law (ग्रैंड-फादर-इन-लॉ) दादा ससुरे ددا سسرون
Grand mother in law (ग्रैंड-मदर-इन-लॉ) दादी सास ددا ساس	Grand mothers in law (ग्रैंड-मदर-इन-लॉ) दादी सास ददा ساسن

Proper Noun का Plural नही होता पर जब कि वह Common Noun के समान किसी पद में प्रयोग किया जाता है तब उसका Plural रूप होता है, जैसे—I have seen many Gowri shankers like you (आइ हैव सीन मैनी गौराशंकर लाइक यू) मैंने तुम से गौरीशंकर बहुत देखे हैं

Collective Noun का Plural नहीं होता है पर जब Common Noun की तरह प्रयोग किया जाता है तब इस का भी Plural रूप होता है जैसे Armies are sent to port Arther by Russia (आर्मीज आर सेंट टु पोर्ट आर्थर बाइ रशिया) इस में बहुत सी सेना आर्थर बन्दर पर भेजी है

जब कि Material Noun भिन्न भिन्न प्रकार के वस्तु प्रगट करता है तब वह Common Noun होता है और ऐसे समय में उस का Plural होता है जैसे—Some of the oils are best (सम ऑफ दि ऑइल्स आर बेस्ट) इन में से कुछ तेल अच्छे हैं

जब कि Abstract Noun की तुलना किसी और Abstract Noun से की जाती है तब उसका Plural होता है और ऐसे समय में यह Common Noun के समान होता है, जैसे—Her beauty is admired among all the beauties (हर बिउटी इज एडमायर्ड एमग ऑल दि बिउटीज) सब सुन्दरताओं के बीच उस की सुन्दरता का गुण प्रगट किया जाता है

लैटिन भाषा के Singular और Plural का रूप देखो—

Singular	واحد	Plural	جمع
Memorandum (मेमोरैण्डम) याद दास्त	یادداشت	Memoranda (मेमोरैण्डा) याददास्तें	یادداشتیں
Addendum (ऐडेण्डम) तितम्मा	طول	Addenda (ऐडेण्डा) तितम्में	طوالب
Erratum (इरैटम) अशुद्ध	غلطی	Errata (इरैटा) अशुद्धियाँ	غلطیاں
Datum (डैटम) आश्रय (पनाह)	نساء	Data (डेटा) आश्रयों	نساءیں

PERSON

Noun में तीन Person (पर्सन् पुर्ष्य) वा संज्ञे صیغہ होते हैं (१) First Person (फर्स्ट पर्सन्) उत्तम पुर्ष्य شخص मुतवल्लिम अर्थात् बात करने वाला जैसे I Ram do claim, मैं राम दावा करता हूँ - (२) Second Person (सेकण्ड)

परसन्) मध्यम पुरुष वा हाजिर حاضر कि जिस से बात करें, जैसे Gopal ! Come here गोपाल ! यहा आओ (३) Third Person (बर्ड परसन्) अन्यम पुरुष वा عام गाएद कि जिस की बात करें, जैसे Gobind came गोविंद आया

CASE

जिस किसी Noun का संबंध किसी और शब्द के साथ वाक्य में प्रगट किया जाता है उस को Case (केस) حالت हालत या कारक कहते हैं इमेजी में तीन कारव होते हैं Nominative (नोमिनेटिव), Possessive (पोसेसिव) और Objective (ऑब्जेक्टिव)

(१) Nominative Case (नॉमिनेटिव केस) حال ماعل हालते फाएल या कता कारक किसी काम के करने वाले को कहते हैं , जैसे Ram Comes (राम कम्स) राम आता है He sleeps (ही स्लीप्स) वह सोता है

(२) Possessive Case (पोसेसिव केस) حال مملک हालते इजाफत किसी पस्तु के मालिक या उस पर अधिकार करने वाले को प्रगट करता है, जैसे Krishna's Book (कृष्णान बुक) कृष्ण की किताब

(३) Objective Case (ऑब्जेक्टिव केस) कर्म कारक حال معول हालते मफकल) उस पुरुष या वस्तु को कहते हैं जिस के वास्ते कुछ काम रिया जाता है—

जैसे Gopal gave a book (गोपाल गेव ए बुक) गोपाल न एक किताब दी

Nominative और Objective दोनों Cases का रूप एर ही सा होता है बहुधाकर Nominative क्रिया क पहले आता है और Objective क्रिया के पाँछ, पर कभी कभी ये दोनों इस नियम के विरुद्ध भी आते हैं इस लिये इन के पहिचाने की रीति यह है कि Nominative क्रिया के पहले Who' (हु) 'कीन' या 'What' (हाट) 'क्या' क द्वारा प्रश्न करने से पहचाना जाता है, जिस के उत्तर से Nominative का बोध होता है—जैसे He came (ही केम) वह आया इस पद में Came किया है इस के पहले Who प्गाने से प्रश्न हुवा Who came ? यानी कीन आया ? तो उत्तर मिला 'He' 'वह' इस लिये 'He Nominative Case है उरी तरह पर The stone fell (ही स्टोन फेल्) वह पत्थर गिरा इस में fell क्रिया के पहले 'What' प्गाने से प्रश्न हुवा What fell ? क्या गिरा ? उत्तर मिला 'The stone' 'वह पत्थर' इस लिये 'The stone' Nominative है

Objective के पहचानने की यह रीति है कि क्रिया के पहले 'Whom' या 'What' (हम या छोट) किसे या किस को रगना चाहिये—जैसे, Gopal saw him (गोपाल साँ हिम) गोपाल ने उस को देखा इस पद में क्रिया के पहले 'Whom' (हम) 'किसको' या 'किसे' रखने से Whom saw? (हम सा ?) प्रश्न हुआ कि किसे या किस को देखा ? तो उत्तर मिला 'him' (हिम) 'उसको' इस लिये 'him' Object है और case इसका Objective case है इसी प्रकार Ram saw a bird (राम सा ए बर्ड) राम ने एक पक्षि देखा उसी प्रकार इस में भी क्रिया के पहले 'what' लाने से प्रश्न हुआ What saw? क्या देखा ? उत्तर मिला 'a bird' 'एक पक्षि' इस लिये 'a bird' भी Object है और इस का case भी Objective case है यदि इसी प्रकार किसी पद में दो Objects हों तो एक Direct Object (डाइरेक्ट ऑब्जेक्ट) प्रधान कम कहलाता है, और दूसरा Indirect Object (इण्डरेक्ट ऑब्जेक्ट) गौण कम कहलाता है, जैसे—He gave him a ball (ही गेव हिम ए बाल) उस ने उसको एक गेंद दिया

Direct Object और Indirect Object के मालूम करने की यह रीति है कि verb के पहले 'what' रगने से direct Object जाना जाता है, जैसे, What gave? (व्हाट गेव) क्या दिया ? 'उत्तर मिला 'a ball' (एबॉल) 'एक गेंद' इसलिये 'a ball' direct Object है इसी प्रकार verb के पहले 'Whom' शब्द के रखने से Indirect Object जाना जाता है, जैसे - Whom gave? प्रश्न हुआ कि किस को वा किसे दिया उत्तर मिला कि 'him' 'उसको' वा 'उसे' इसलिये 'him' Indirect Object है

Direct Object को accusative (ऐक्यूजेटिव, केस) भी कहते हैं और Indirect object को कभी कभी Dative case (-डेटिव केस) संप्रदान, कारक حالت معवौलियत या हालते मफळलियत कहते हैं कि जिस के लिये कोद काम किया जाता है या जिसको कोद वस्तु दी जाती है

Nominative रूपके ('s) Apostrophe and s (अपॉस्ट्रफा और s) के लगाने से Possessive case आता है जैसे Hari's Horse (हरीज हॉर्स) हरी का घोड़ा यदि Plural के अंत में s हो तो केवल apostrophe लगा देना

चाहिये, जैसे, King's Horses राजाओं के घोड़े Men's Horses लोगों के घोड़े Possessive case शब्द "of" से भी विदित किया जाता है, जैसे Horses of Kings राजाओं के घोड़े इस से किसी शब्द या श्रेष्ठ पर अधिक भार पड़ता है ।

Possessive case केवल जीवधारी, सूर्य, चंद्र स्थान, समय और प्राणवत् सत्ताओं के लिये प्रयोग किया जाता है जैसे, Ram's bull राम की गेंद Two day's work दो दिन का काम, Court's decree कोर्ट की डिमी Moon's path चन्द्रमाका मार्ग Sun's rays सूर्यकी किरणें Two month's time दो महिने का समय

निर्जीव पदार्थों के लिये Possessive case शब्द "of" से प्रयुक्त किया जाता है जैसे, The roof of the building इमारत की छत The building's roof का लिपना अशुद्ध है किसी को संबोधन करने या बुलाने के लिये संबोधन फारक या حال (हालते निदा) अर्थात् Vocative case (वोकेटिव केस) को प्रयोग में लाते हैं जैसे, O Ram ! (ओ राम !) हे राम इत्यादि

2—PRONOUN (सर्वनाम)

A Pronoun is a word used instead of a noun ضمير (जमीर) या सर्वनाम यह शब्द है जिसका प्रयोग सत्ता के बदले किया जाता है

इन के मुख्य भेद ४ हैं—

(1) Personal (परसनल) + ضمير सीमा या पुरुषवाचक

(2) Demonstrative (डिमान्स्ट्रेटिव) اسم اشاره (इस्मे इशारा) दिश्यवाचक

(3) Relative (रिलेटिव) اسم موصول (इस्मे मौसूल) सम्बन्धवाचक

(4) Interrogative (इन्ट्रोगेटिव) حرف استعلاमी (हर्फ इस्तफहामी) प्रश्नवाचक

इन के अतिरिक्त और भी चार भेद हैं, जो उद् में नहीं हैं ।

(1) Adjective Pronoun (एड्जेक्टिव प्रोनाउन) गुणनामक सर्वनाम

उद् में केवल छ साते एक ध्वन और बहुध्वन के दोनों मिला कर होते हैं और ضمير (जमीर) सर्वनाम के और कोई भेद नहीं होते

(2) Reflexive (रिफ्लेक्सिव) निजवाचक

(3) Indefinite (इन्डिफिनिट) अनिश्चय वाचक

(4) Reciprocal (रेसिप्रोकल) परस्पर सम्बन्धवाचक

(1) PERSONAL PRONOUN (पुरुष वाचक सवनाम)

Personal Pronoun पुरुष वाचक सवनाम या **شخص** सीमे ये शब्द हैं कि जिन से कहने वा सुनने वाले या जिस पुरुष या वस्तु का वर्णन किया जावे उस का बोध हो ये तीन प्रकार के होते हैं इनका वर्णन पहले भी हो चुका है

(1) First Person (फर्स्ट परसन) **أنا** मुतफात्तिम या उत्तम पुरुष से बोलने वाला जाना जाता है जैसे—

Masculine or Feminine

Case	Singular	Plural
Nominative	I मैं, मेने	We हम, हम ने
Possessive	My or Mine मेरा, मेरी	Our or Ours हमारा, हमारी
Objective	Me मुझे	Us हमें, हम को

(2) Second Person (सेकण्ड परसन) **أنت** (हाजिर) या मध्यम पुरुष सुनने वाले का बोध होता है, जैसे—

Masculine or Feminine

Case	Singular	Plural
Nominative	Thou तू, तुझे	Ye or you तुम, तुम ने
Possessive	Thy or thine तेरा, तेरी	Your or yours तुम्हारा, तुम्हारी
Objective	Thee तुझे	You तुम को, तुम्हें

(3) Third Person (थर्ड परसन) **هو** गायब या अन्यम पुरुष से किसी पुरुष या वस्तु के वर्णन किये जाने का बोध होता है, जैसे—

Case	Mas	Fem	Neut	3rd	Plural of all Genders
Nom	He	She	It	वह, उस ने	They वे, उन्हों ने, उन ने
Poss	His	Her or hers	Its	उसका, उसकी	Their or Theirs उनका
Obj	Him	Her	It	उसे उस को	Them उन को, उन्हें

'Thou' का उपयोग बहुत करके काव्य और प्राचीन ही म होता है इसी में केवल एक पुरुष के लिये भी you हा लते हैं पर इस का verb मदा Plural Number में ही रहता है Personal Pronoun के Possessive case क शब्द my, thy, our, your और their का प्रयोग केवल Noun के पहले ही होता है जैसे - This is my pen यह मेरी कलम है परन्तु mine, thine, his, ours, yours, theirs का प्रयोग सदा Noun के अन्त म हुया करता है जैसे - This pen is mine यह मेरी ही कलम है

My, Thy, आदि शब्द Noun के पहले प्रयोग किये जाने और adjective के समान होने के कारण Adjective Pronoun कहलाते हैं

Possessive Personal Pronoun के साथ own (ओन) शब्द जोर दार बनाने के कारण कभी कभी बडा देते हैं जैसे - It is my own cat यह मेरी ही बिल्ली है

इसी प्रकार self (सेल्फ) शब्द के लगाने से myself, thyself, yourself, himself, herself, itself और इन्ही के Plural हुवे ourselves, yourselves, और themselves, जिन से कि Reflexive Pronoun निज वाचक सर्वनाम बनते हैं जैसे - I know it myself मैं इसको खुद जानता हूँ

(2) DEMONSTRATIVE PRONOUN (निश्चय वाचक सर्वनाम)

Demonstrative Pronouns निश्चय वाचक सर्वनाम اسم اشاره इस्मे इशारा ये शब्द हैं जिन से कि निश्चय पूर्वक किसी वस्तु का बोध होता है जैसे - This is my book यह मेरी किताब है 'This' पास के लिये और 'That' दूर के लिये लाया जाता है one शब्द adjective है पर कभी कभी Pronoun भी होता है, जैसे - Your Coat is black mine is a white one तुमारा कोट काला है, मेरा सफेद है None (नन) कोई नहीं No one का संक्षेप रूप है Other (दुसरा) another (दुसरा) और such (ऐसा) भी Demonstrative Pronoun हैं

(3) RELATIVE PRONOUN

Relative Pronoun اسم موصول इस्मे मौसूल सन्ध सूचक ये शब्द हैं जो पूर्वोक्त Noun या Pronoun के साथ अपना संबंध बतलाते हैं और उक्त पूर्वोक्त

Noun या Pronoun को antecedent (एन्टीसीडेण्ड) 'مرح' मर्जी अर्थात् पूर्वोक्त कहते हैं who, which, what और that और कभी कभी as और but भी Relative Pronoun होते हैं

Case	who	which
Nom	who जो	which जो
Pos	whose जिसका	whose जिस का
obj	whom जिसे	whom जिस को

Singular और Plural में 'who' और 'which' का रूप एक ही सा होता है 'That' और 'what' का कोई रूपान्तर नहीं है 'who' केवल मनुष्य के लिये 'Which' निर्जीव वस्तुओं और पशुओं के लिये और 'That' को who और 'which' के बदले प्रयोग में लाते हैं जब कि शब्द 'as' जैसे—'such' या 'same' अर्थात् 'ऐसे' वैसे या वही के पश्चात् में आता है तब वह Relative pronoun होता है

जब but का अर्थ that not 'जो नहीं' का होता है तब वह Relative pronoun होता है जैसे—There was no one but wept वहाँ कोई ऐसा नया जोकि न रोया हो Such is not the book as I want ऐसी किताब यह नहीं है जैसी कि में चाहता हूँ The boy who came now went away वह लड़का जोकि आया था अभी चला गया

(4) INTERROGATIVE PRONOUN

Interrogative Pronoun के शब्द हैं जोकि प्रश्न के लिये प्रयोग किये जाते हैं जैसे—who is there? वहाँ कौन है? which समूह में से एक सदस्या का बोध होने के लिये प्रयोग किया जाता है जैसे—which is he who slapped you? जिसने तुमको थप्पड़ मारा वह कौन है? अज्ञात के प्रश्न के लिये 'what' प्रयोग में आता है निम्नलिखित पदों को पदों और समस्तों Who is he? वह कौन है? अर्थात् क्या नाम है Which is he? वह कौन है? अर्थात् इन में से कौन है? What is he? वह कौन है? अर्थात् उसकी आजीविका क्या है?

Indefinite pronoun अनिश्चय बोधक सन्नाम के निर्दिष्ट पूर्व किति Noun या बोध नहीं होता जैसे—all, some, none, any

Reciprocal pronoun परस्पर संबंध सूचक सर्वनाम केवल परस्पर सम्बन्ध प्रकाश करते हैं

(3) ADJECTIVE विशेषण

An adjective is a word which qualifies a noun or pronoun विशेषण या اسم صفت इससे सिफ़्त वह शब्द है, जोकि सज्ञा या اسم (इस्म) और सर्वनाम या ضمير (जमीर) का गुण प्रगट करता है जैसे—He is a good boy, वह अच्छा लड़का है He is good, वह अच्छा है

मुख्य adjectives ४ प्रकार के होते हैं

(1) Adjectives of quality (ऐडजेक्टिव ऑव क्वालिटी)

(2) Adjectives of quantity (ऐडजेक्टिव ऑव क्वाण्टिटी)

(3) Numeral adjectives (न्यूमरल ऐडजेक्टिव्स)

(4) Demonstrative adjectives (डिमॉन्स्ट्रेटिव ऐडजेक्टिव्स)

(1) Adjectives of quality (ऐडजेक्टिव ऑव क्वालिटी) صفت و صفة

(सिफ़्त वस्तिफ़ा) गुण वाचक विशेषण ये शब्द होते हैं जो किसी वस्तु का गुण वर्णन करते हैं जैसे—Good boy अच्छा लड़का

(2) Adjectives of quantity (ऐडजेक्टिव ऑव क्वाण्टिटी) परिमाण वाचक विशेषण صفت مقدار (सिफ़्त मिद्दारिया) माप या परिमाण बताते हैं, जैसे—much sugar बहुत चीनी

(3) Numeral adjectives (न्यूमरल ऐडजेक्टिव्स) संख्या वाचक विशेषण صفت تعداد (सिफ़्त तादादिया) ये शब्द हैं, जिनसे कि संख्या का बोध होता है जैसे—Two days दो दिन

(4) Demonstrative adjectives (डिमॉन्स्ट्रेटिव ऐडजेक्टिव्स) संकेत वाचक विशेषण صفت اشارة (सिफ़्त इशारिया) ये शब्द हैं जो किसी Noun को संकेत या इशारे से बताते हैं जैसे—This boy यह लड़का That man वह मनुष्य

Proper Noun से जो adjectives बनाए जाते हैं ये adjectives 'proper adjectives' कहलाते हैं जैसे, Japanese, English, German—जापानी, इंग्लिश, जर्मनी का निवासी

(1) ADJECTIVE OF QUALITY

बहुत से adjectives of quality के शब्दोंमें ३ degrees of comparison (डिग्रीज आब कंपैरिजन्) अर्थात् ३ सीगे صیغے या रूप होते हैं

(१) Positive (पॉजिटिव) साधारण गुण बोधक या صیغہ عوامیہ सीगे अव्यामिया जिस से साधारण गुण प्रगट होता है जैसे—Ram is a good boy, राम एक अच्छा लड़का है

(२) Comparative (कंपैरेटिव) صیغہ تحصیل (सीगे तफजील) अधिक गुण वाचक जिससे अधिक गुण बोध होता है और जब दो Nouns की तुलना आपस में की जाती है तभी इसका प्रयोग किया जाता है जैसे—Ram is cleverer than Gopal, राम गोपाल से अधिक चलाक है

(३) Superlative अतिशय गुण बोधक या सीगे मुवालाग صیغہ عالیہ उसे कहते हैं जो सब से अधिक Noun का गुण वर्णन करे और इसका प्रयोग उस समय होता है कि जब दो सँ अधिक Nouns के गुणों की तुलना की जाती है जैसे,—Man is the best of all beings सब जीवधारियों से मनुष्य बढ कर है

DEGREE बनाने की रीति

एक syllable के adjectives में r या er लगाने से comparative और st या est के लगाने से superlative बनता है जैसे—sharp, तीक्ष्ण تیز (तेज) sharpor अधिक तीक्ष्ण, या زیادہ تیز ज्यादा तेज, sharpest अतिशय तीक्ष्ण, या زیادہ تیز ज्यादा तर तेज यदि positive के अंत में c हो तो केवल r या st के लगाने से Comparative या Superlative degree बन जाता है जैसे—wise बुद्धिमान عاقلید अवलमन्द wiser अधिक बुद्धिमान زیادہ عاقلید ज्यादा अवलमन्द, wisest अतिशय बुद्धिमान زیادہ تر عاقلید ज्यादा तर अवलमन्द

यदि Positive के अंत में एक ही Consonant हो और उस Consonant के पहिले एक ही Vowel हो तो er और est लगाने से यह, Consonant द्वित्व अर्थात् डबल होजाता है जैसे Thin पतला, Thinner थिन्नेर زیادہ پتلا ज्यादा या अधिक पतला, Thinnest, अतिशय थिन्नेर زیادہ تر پتلا ज्यादा तर पतला और यदि Positive के अन्त में दो Consonants हों या एक ही Consonant हो पर उसके पहले दो Vowels हों तो er या est के लगाने से Comparative और Superlative degrees बन जाते हैं जैसे—Old, पुराना پرانا Older अधिक या ज्यादा पुराना

Oldest, अतिशय पुराना या ज्यादा तर पुराना زیادہ تر Oldest, इसी प्रकार
 Dear प्यारा عزیز Dearer, Dearest, Fast तेज تیز Faster, Fastest,
 Thick मोटा موٹا Thicker, Thickest

यदि Positive के अंत में y हो और y के पहले कोई Consonant हो तो or
 या est के लगाने से y के बदले i हो जाता है, और यदि y के पहले कोई Vowel होतो
 केवल or और est लगा दिया जाता है, जैसे—Pretty, सुन्दर, خوشدل

Prottrior, Prettiest Easy सहज, आसान آسان Easier, Easiest Gay
 खुश Gajor, Gayost, Sandy रेतलाल بالودار Sandier, Sandiest बहु-
 तेरे adjectives दो Syllable के होते हैं और बहुतेरे दो से अधिक के हुये करते हैं

जिनका Comparative और Superlative 'More' वा 'Most' अधिक या
 'अतिशय' अथवा 'Less' or 'Least' बहुत कम या 'बहुत ही कम' को Positive
 के पहले बदलने से बनता है जैसे—Rightful हक्दार حقदार More rightful अधिक

या ज्यादा हक्दार زیادہ حقदार Most rightful अतिशय या ज्यादातर हक्दार
 Intelligent चतुर هوشیار Least intelligent कम चतुर کم هوشیار
 Least intelligent कम चतुर बहुत ही कम चतुर इसी प्रकार, Favourable फायदालا مہربان

मिह्रवान More favourable, Most favourable or Less favourable
 or Least favourable इत्यादि इन्हीं में से कितने ही Adjectives का Compara-
 tive और Superlative दोनों प्रकार से बनता है जैसे—Handsome सुसूरत, More

handsome, Most handsome, handsome, handsomer handsomest
 निम्न लिखित जो Adjectives प्रकाश किये गए हैं उनके Comparative और
 Superlative नियम के विरुद्ध हैं

Positive	Comparative	Superlative
Bad, evil, ill बुरा	حارث worse	worst
Far दूर	دور Farther	Farthest
Forth आगे, बाहिर	اگرے - باہر Further	Furthe t
Fore आगे, सामने	آگے - سامنے Former	Foremost, first
Good, well अच्छा	عمدہ Better	Best
Hind पीछे	پشت - Behind	Hindermost

Positive	Comparative	Superlative
In भीतर अन्दर	اندر Inner	Innermost, Inmost
Late देरमे	دیر { Later ज्यादा देरसे Latter ज्यादा पिछला	Latest Last
Many अधिक (संख्या) (تعداد) زیادہ	More	Most
Much अधिक (माप) (مقدار) زیادہ	More	Most
Little छोटा या थोडा چھوٹا یا تھوڑا	Less	Least
Near पास	نزدیک Nearer	Nearmost next (दुसरा)
Old पुराना, बूढ़ا پرانا - سبھا	Older, older (जुना)	Oldest, eldest
Out बाहर	ماہر Outer, utter	Outmost outermost Utmost, uttermost

Beneath नीचे

نیچے

Nether Nethermost

Top सिरा, चोटी

سرا - چوٹی

Topmost

Up ऊपर

اوپر

Upper Uppermost unmost

जानना चाहिये कि Comparative के बाद सदा 'than' आता है और Latin भाषा के कुछ Comparative इमेजी भाषा में सम्मिलित हैं और उनके बाद than के बदले सदा to आता है, जिन का Positive degree नहीं होता

Superior (सुपीरियर) अधिक ऊंचा वा ऊंचे दर्जे का کالی درجہ کا

Inferior (इन्फीरियर) अधम तर वा नीचे दर्जे का ادنیٰ درجہ کا

Anterior (ऐन्टीरियर) आगे वाला آگے والا Posterior (पोस्टीरियर) पिछला پچھلا

Prior (प्रायर) पूर्वगत Senior (सीनियर) बड़ा ज्येष्ठ بڑا جلیل

Junior (जूनीयर) छोटा چھوٹا Latin भाषा के वह Comparatives जिनका Comparative Degree नाम माप है और उनका Positive degree कभी नहीं होता और न उनके आगे to कभी आता है

वह यह है —

Interior (इन्टीरियर) भित्तरी, اندرونی Exterior (एक्सटीरियर) बाहर

Major (मेजर) - دورتر - بزرگتر Ulterior (अल्टीरियर) दूरतर, पिछला

Minor (माइनर) - سامان - باریک

(2) ADJECTIVES OF QUANTITY.

Adjectives of quantity مع مقدار (सिफते मिक्दारीया) या परिमाण वाचक विशेषण से कितनी वस्तु के प्रमाण का बोध होता है जैसे Some कुछ Small छोटा, Any कोई, Great बड़ा, Little थोड़ा, Much ज्यादा, Adjective of quantity की भी तन degrees होती हैं जोकि adjective of quality की degrees के नियमानुसार चलती हैं—जैसे great, greater, greatest

(3) NUMERAL ADJECTIVES

Numeral adjectives مع عداده सिफते तादादीया या सख्या बोधक विशेषण से सख्या का बोध होता है यह तीन प्रकार के होते हैं—Definite (डेफिनिट), Indefinite (इन्डेफिनाईट) और Distributive (डिस्ट्रिब्यूटिव)

(a) Definite Numeral adjectives निश्चित सख्या बोधक विशेषण या مع تعداد حقيقي सिफते तादादीया हकीकीसे ठीक ठीक सख्या का बल होता है जैसे—१५, २० यह भी तीन प्रकार के होते हैं—Cardinal (कॉर्डिनल) Ordinal (ऑर्डिनल) और Multiplicative (मल्टिप्लिकेटिव)

(a) Cardinal numeral adjectives निश्चित सख्या गणित बोधक विशेषण या مع شماره حقیقی सिफते शुमारिया हकीकी से गिनती की सख्या का बोध होता है जैसे Three men तीन मनुष्य

(b) Ordinal Numeral Adjective निश्चित क्रम सूचक विशेषण مع ترتیب सिफते जसफिया से स्थान का बोध हुवा करता है जैसे—Tenth boy दस वा लड़का, Fourth class चौथी श्रेणी

(c) Multiplicatives गुणन बोधक सख्या विशेषण مع ضرب सिफते जर्दिया (सिफते जर्दिया) गुणा बतलाते हैं, जैसे double treble fourfold दूना, तिगुना, चौगुना इत्यादि

(2) Indefinite Numeral adjectives अनिश्चित सख्या बोधक विशेषण مع تعداد غیر حقیقی सिफते तादा दिया और हकीकी से ठीक ठीक सख्या का बोध नहीं होता जैसे—all सब few कुछ no नहीं none कोई नहीं much बहुत सा, more बहुत most सबसे अधिक any कोई, some कुछ, Certain फलान् several कई, sundry इतरा

(३) Distributive Numeral Adjective विभाग वाचक विशेषण या सिफते तक्सीमी से एक २ और अलग २ वस्तु का बोध होता है जैसे—where are your other caps तुम्हारी और और टोपियाँ कहा है ?

Each, every, either, neither का व्यवहार सदा singular nouns के साथ में हुवा करता है जैसे Each man had his own gun प्रत्येक मनुष्य के निज की बन्दूक थी He walks every morning वह हर सुबह हवा खाने जाता है Either he should go or I चाहे वह जाए या मैं जाऊँ, -Neither he should go nor I न वह जाए न मैं जाऊँ several और other दोनों numbers के साथ उपयुक्त होते हैं जैसे where is your other pen or pens तुम्हारा दूसरा कलम या और कलमें कहा है, Several men are coming बहुत से आदमी आते हैं

—(4) DEMONSTRATIVE ADJECTIVE (सकेत वाचक विशेषण)

Demonstrative adjectives सकेत वाचक विशेषण या اشاره مع सिफते इशारिया वे शब्द विशेषण के हैं जो कि Noun को सकेत वा इशारे से प्रगट करते हैं वे यह हैं a, an, the, this, that, you इधर yonder उधर और such ऐसा 'a, an और the' articles सूचक तनकीर अर्थात् निश्चायक कहलाते हैं 'a और an, Indefinite articles' हफेत्तनकीर या अनिश्चायक कहलाते हैं, क्यों कि यह निश्चय पूर्वक किसी शब्दकी ओर समेत या इशारा नहीं करते जैसे—a man एक आदमी अर्थात् कोई आदमी जिससे कि मनुष्य मान का बोध होता है किन्तु विशेष व्यक्तिका नही 'The' Definite article अर्थात् निश्चायक या حرب दल्लत हफ तालीस कहलाता है क्यों कि इस से केवल एक पुरुष या वस्तु का बोध होता है जैसे the boy यह लड़का अर्थात् वही लड़का जिसका कभी पहले वर्णन हो चुका है उसीकी ओर फिर मानो Definite article 'the, के द्वारा सकेत किया गया है 'The, that का संक्षेपरूप है और 'a, और 'an, one का संक्षेपरूप है और इन दोनों का अर्थ भी 'any, से कुछ ही कम है जिस सज्ञाका वर्णन पूर्व में न हुवा हो तो उनके पहले 'a या an लाना चाहिये इस के उपरान्त यदि फिर उसी का वर्णन किया जाए तो फिर दूसरे बार 'a, या 'an, उस सज्ञा के पहले न लाकर, अब जब उतावा वर्णन हो तब २ उतावा सज्ञा के पहले article 'the, लाना चाहिये जैसे—I saw a boy walking along, the

public road मैंने एक लडके को सकारी सड़क पर जाते हुए देखा The boy was good and mild वह लडका सीधा और नैक था

Proper Noun के पहले article नहीं आता जब तक कि उसका Common Noun के समान प्रयोग नहो Proper Noun का उस समय common noun के समान प्रयोग किया जाता है, कि जब वह किसी वस्तु या मनुष्य की श्रेणी का वर्णन करे अथवा एन्ही नाम कई मनुष्यों का हो, या पदवी के लिये एन्ही नाम किसी का रखा गया हो तो ऐसे समय में 'article' की आवश्यकता Proper noun के पहले भी होती है जैसे-Gulam was the Rustani of India गुलाम (पहलवान) हिन्दु स्थान का स्वतन्त्र था The Czar of Russia स्वराज्य और अर्थात् स्वराज्य की जो गद्दी पर बैठता है वह जार कहलाता है इस लिये Czar common noun हो गया इसीलिये इस के पहले 'the' रचना चाहिये इस लिये कि अतिरिक्त River नदी, Island in group-टापुओं के झुंड, Chains of mountains पर्वत की श्रेणियाँ Straits-दर्ज, Gulf-खाई, Bay-खाड़ी, Sea-सागर, Ocean-महासागर, Book-पुस्तक, News papers समाचार पत्र के नाम के पहले सदा 'the' रचना चाहिये जैसे the Ganges, the Indies, the Andamans, (कालापानी के टापू) the East Indies, the Himalayas (हिमालय पर्वत की श्रेणीयाँ), The Vindhya, the straits of Babel mandeb, the Persian Gulf, the Gulf of Cambay, the Bay of Bengal, the Arabian sea, the Red sea the Indian ocean, the Atlantic ocean, the Bible (इस्राइल की पवित्र पुस्तक) the Ramayan, the Quran, the Mahabharat, the Vaisishyopkarak, पदवी आदिपद अथवा देशों के नाम जो कि Proper noun के पहले आते हैं उनके नामों के पहले 'the' वा कोई article नहीं आता जैसे-Queen Victoria, Lord Curzon, King George -I, General Roberts, Father William, Victoria, Queen of England, George I, king of England आदि Town-नगर cape-तट countries-देश, continents-महाद्वीप Single Island-अकेले टापू और Mountains-पहाड़ और lake-झील के पहले अथवा यदि पुस्तक का नाम पुस्तक के बनाने वाले ही का हो तो उसके पहले 'the' article नहीं रखा जाता है जैसे-Calcutta, Cape Comorin, Asia, India, Beagal, Ceylon, Mount abu, Paras Nath, Sambhar Lake, I have read shakspeare मैंने शेक्सपीयर नाम पुस्तक और पुस्तक विरचित महाकाव्य का) पढ़ा है

Collective Noun का common noun के समान ही प्रयोग किया जाता है जैसे—
an army, a flock एक फौज, झुंड (भेड़ा का) इस लिये इस में भी 'article' com-
mon noun के समान ही प्रयोग करना चाहिये

जब कि material noun से भिन्न भिन्न जाति का बोध होता है तब वह com-
mon noun के समान प्रयोग में आता है जैसे sugarcane is one of the grasses
—गन्ना या पोहड़ा घासकी जाति में से एक घास है Some of the oils are good-
तेलों में से कोई कोई तेल अच्छे हैं

इसी तरह abstract noun भी जब common noun के समान प्रयोग हो तब
उसके पहले 'article' आता है, जब कि किसी वस्तु या पुरुष में कोई गुण पाया जाता है
जैसे—He is a Justice of the peace उस में शांति का न्याय है

Common noun के पहले कभी article प्रयोग करने से Abstract noun
का अर्थ उत्पन्न होता है जैसे—Acted the lord wherever he went—जहाँ
कहीं वह गया उसने प्रभुता का काम किया जब कि proposition—उपसर्ग **حرب** (हर्क)
अपने कर्म **معمل** (मफउल) के साथ आता है तब उस common noun के पहले
'article' कोई नहीं आता जैसे—some came by land and some by water
कोई खुसकी और कोई तरी के रस्ते से आए

Proper adjectives के पहले article लाने से उस देश वासी का बोध होता है
के जिस proper noun से वह proper adjective बना है जैसे—an English
एक इंग्लिश; the Japanese वह जापानी।

कभी कभी किसी वस्तु की जाति या श्रेणी का बोध होने के लिये 'the' प्रयोग किया जाता
है, जिससे कि समग्र श्रेणी या जाति का बोध एक ही शब्द से होता है नीचे लिखे दृष्टान्तों का
मतलब एक ही है —

The lion is a noble beast—शेर कुलीन पशु है, अर्थात् पशुओं की जाति
में वह जाति जो सिंघ की है, कुलीन है A lion is a noble beast—शेर की जाति
कुलीन है अर्थात् पशुओं की जाति में एक जाति सिंघ की कुलीन है Lions are
noble beasts—सिंघ की जातियाँ कुलीन हैं अर्थात् सब जातियों में सिंघों की जातियाँ
कुलीन हैं

जब adjective के पहले 'the' प्रयोग किया जाता है तब उस से 'तान' अर्थ निकलते हैं—

(१) Common noun के समान जो कि किसी पुरुष को बहुधा plural number में प्रसार करते हैं जैसे—To the pure all things are pure पवित्र के लिये सब वस्तु पवित्र हैं अर्थात् पवित्र मनुष्यों के लिये सभी कुछ पवित्र है

(२) Abstract noun के समान केवल singular number में जैसे—All the motions of the nature were towards the true, the natural, the sweet and the gentle—सृष्टि की सब चाल सच्ची, असली, मनोहर कोमल के और थी अर्थात् सृष्टि का सब चाल सच्चाई, अमलियत, मनोहरता और कोमलता की ओर थी

(३) किसी वस्तु के मुख्य स्थान के विभाग का नाम बतलाने के लिये उपयुक्त होता है जैसे—the white of the eye आँख की सफेदी (विभाग) the thick of the forest जंगल का घना (विभाग)

जब कि Comparative degree के द्वारा किसी वस्तु से तुलना कर अलग करना हो तो उस Comparative के पहले 'the' का प्रयोग करना उचित है जैसे—This man is cleverer than that—यह आदमी उस से अधिक चलाक है This man is the cleverer of two दोनों में से यह आदमी अधिक चलाक है

जब कि Superlative degree में एक ही प्रकार के पुरुष वा वस्तु अपने गुण द्वारा और पुरुष वा वस्तु को पीछे हटा कर आप अग्रिम बन बैठते हैं तो उस समय उस Superlative degree के पहले 'the' की ओर उसका पश्चात् 'of' की आवश्यकता होती है जैसे—He is the best of all वह सब से अच्छा है He is the cleverest of all वह सब से सब पर चलाक है

जातना चाहिये कि इन व्यवस्था में सदा 'the' का प्रयोग करना बहुत आवश्यक है लेकिन जब कि Superlative degree के पहले Possessive pronoun हो या किसी संबोधन किये जाने वाले Noun का गुण प्रकाश करने के लिये प्रयोग किया जाय तब उसके पहले 'the' नहीं आता जैसे—He is my greatest friend यह मेरा सब से बड़ा मित्र है O dearest son ! when shall I see you again ? हे प्रिय पुत्र ! मैं तुमसे फिर क्या देखूँगा

जातना चाहिये कि Consonant के पहले जब उस Vowel के पहले निम्न

यह शब्द जोकि ऐसे स्था पर वाक्य के अर्थ को संपूर्ण करते हैं वह Complement कहलाते हैं जैसे—They made him king उन्होंने ने उसको राजा बनाया Verbs में voice, mood, tense, number और person के कारण जोड़ स्थानंतर होते हैं

VOICE

Voice उसे कहते हैं, जिन से यह प्रगट होकि कर्ता काम करता है या वह किस से बना कराया जाता है

Active voice **معررب** माहक या कर्तृ वाच्य यह प्रगट करता है कि Subject काम करता है जैसे—I saw him मैंने उसें देखा Passive voice **مفعول** मद्दक या अकर्तृ वाच्य प्रगट करता है कि Subject से कुछ काम कराया जाना है जोकि verb 'to be' के स्थानंतर के पश्चात Verb के Perfect participle के लगाने से बनता है—जैसे He was seen by me यह मुझे दिखाई दिया था

जानना चाहिये कि Passive voice में Active voice के दो Object म सोंदे एक Object Passive voice में Subject बन जाता है जैसे—He gave me a mango उसने मुझ को एक आम दिया A mango was given me by him उस से मुझ को एक आम मिला था I was given a mango by him मेरे को एक आम उस से मिला था इत्यादि और भी जानो

Intransitive verb में कोई Object न होने के कारण उसका Passive voice नष्ट होता है

कभी कभी Intransitive verb में अपने ही Verb से बने हुए Object की आवश्यकता होती है जैसे—He lived a sad life वह दुःखमय जीवन से ही जिया ऐसे Object को Cognate या Kindred object **مطلق** 'مفعول' मफ़ऊल मुतलक या सामान्य कर्म कहते हैं, यथा कि जिस Verb से वे Noun बनावे गए हैं उनसे उस Verb के समान ही अर्थ निश्चिता है Cognate या Kindred का अर्थ समान है ऐसे समय में इसका Passive voice बाना जाता है, जैसे—A sad life was lived by him दुःखमय जीवन से वह जिलाया गया था और जब कि Intransitive verb स Preposition के द्वारा Transitive verb बाना जाता है, तिसको कि Propositional verb भी कहते हैं तो इस हालत में भी इसका Passive voice होता है जैसे—They were laughed at by her उसकी तरफ से वे हँसाए गए थे

MOOD (मूड)

Mood (मूड) रूप صورت (सूरत) से निर्गम किया की रीति जानी जाती है Mood चार प्रकार के होते हैं—Indicative, Imperative, Subjunctive और Infinitive mood, Indicative mood (इण्डिकेटिव मूड) नियार्थक रूप صورت بیانیه (सूरते ययानिया) से साधारण किसी कथ्य के किये जानेवा यणन या किसी प्रश्न के पूछे जाणा पोष होना है जैसे—Where are you? तुम कहाँ हो I go home में घर जाता हू

Subjunctive mood वह है जिन से एक Verb हमरे verb के अधान रहा करता है इसको हिन्दी में सधयाथ कहते हैं और उद् में صورت شرطیه (सूरते शर्तिया) कहते हैं जैसे—If the storm is raging I can not come यदि अपड चलरहा है तो मैं नहीं आसक्ता Imperative mood صورت حکمیه सूरते हुकमिया या अनुज्ञान रूप से विधि, आज्ञा, प्रार्थना आदि का पोष होता है जैसे—Do not steal मतचुराओ Go soon जल्दी जाओ Please give me your pen इपाकर मुझे अपनी कलम दे दीनीये

Infinitive mood صورت مصدریه सूरते मतदरी या भाव वाचन रूप से केवल कार्य का पोष होता है जैसे—To write लिखना इसमें tense (काल) person पुरुष Number (वचन) नहीं होते यह वस्तुतः, कोई Mood नहीं है किन्तु Verb का एक रूप है जोकि Noun के समान प्रयोग किया जाता है इसके पहले Preposition "to" आता है जोकि इसका चिन्ह है इससे केवल कार्य का जाना प्रगट होता है किन्तु कार्य के करने वालेका नाम प्रगट नहीं होता

Can, may, dare आदि शब्दों के पहले to नहीं आता जैसे—I can go मैं आसक्ता हू I dare not go मुझ में जाने की साहस नहीं है

कुछ काल पहले English भाषा में एक और Potential mood صورت امکانیه सूरते हमकानिया या शक्यार्थ रूप जिस में कि Can, may, should आदि शब्द इसी Mood में गिने जातेथे, पर अब वे Indicative mood में गिने जाते हैं

Infinitive of purpose (परपञ्च) या Indirect object को Gerundial Infinitive भा कहते हैं जैसे—He came to teach वह खाने को आया जो Noun कि Verb से बनते हैं इनको Verbal Noun वातु साधित सज्ञा या اسم فاعل इस्म फाएल कहते ह यदि उसके अन्त में ing होतो उसको Gerund कहते हैं

जैसे—Running is useful दौड़नालाय कारक है Participle दृढ़त या اسم حالیه
इस्मे हालिया वह शब्द है जिस से कि Verb और Adjective दोनों का बोध होता है
जैसे—I saw an ant coming मैंने एक चींटी को आते हुए देखा, यहां
'Coming' ant (चींटी) का गुण प्रकाश करता है इस लिये Coming adjective है और इसी कारण इस को Verbal adjective धातु साधित राजा विशेषण या صفتی موصوری सिफते मुखदरी भी कहते हैं यह क्रिया का बोध भी verb के समान करता है Participle के दो भेद हैं Present participle और Past participle. Present participle क्रिया के आगे ing के लगाने से बनता है जिसका कि रूप Gerund से मिलता है पर Gerund केवल Verbal noun है जैसे—His writing is good उसका लिखना अच्छा है, पर Participle शब्द सदा Verb हुआ करता है जैसे—He has been writing वह लिखता रहा है Past participle के बनाने की रीति आगे है

TENSE (टेन्स) काल

जिस से किसी कार्य के समय का बोध होता है, उसे Tense काल या زمانه जमाना कहते हैं यह तीन प्रकार के होते हैं Present (प्रेजेन्ट) वर्तमान حال (हाल) Past भूत ماضی (माजी) और Future (फ्यूचर) भविष्यत مستقبل (मुस्तकबिल)

English भाषा में Verbs के Present और Past tenses क्रिया के रूपांतर से बनते हैं Future tense और Verb की सहायता से बनता है

Present tense वर्तमान काल या زمانه حال जमाना हाल से उस काल या समय का बोध होता है जो कि इस समय जारी है जैसे—he is writing वह लिख रहा है He writes वह लिखता है Future tense से होने वाले कार्य प्रगट होते हैं यह tense Infinitive के पहले 'shall' या 'will' के लगाने से बनता है जैसे—I will write मैं लिखूंगा Past tense से व्यतीत काल या गुजरे हुए जमाने का बोध होता है जैसे—I wrote (आईरोट) मैंने लिखा

प्रत्येक tense के तीन रूप होते हैं—Indefinite सामान्य रूप जिस में क्रिया या कृपा साधारण रीति से किया जाता है जैसे—he comes वह आता है we teach हम सिखाते हैं यह उर्दू में नहीं होता पर इसे میآموزیم सुपरिद कहना चाहिये

Imperfect अपूर्ण या ناقص नातमाम से काव्य के आरम्भ होने का बोध होता है किन्तु उस के सम्पूर्ण होनेका बोध नहीं होता यह Present participle (जोकि Imperfect participle भी कहलाता है) और Verb to be के रूपों के जोड़नेसे बनता है जैसे—You are coming तुम आ रहे हो He is coming वह आ रहा है I will be coming—मैं आता रहूँगा They were coming वे आ रहे थे

Perfect tense सम्पूर्ण काल या مكمل زمان जमाना मुकम्मिल से किया के करने की सम्पूर्णता पाई जाती है यह Past participle के पहले Verb "to have" के रूपों के लगाने से बनता है, जोकि Perfect participle भी कहलाता है जैसे—I have come मैं आ चुका हूँ He has come—वह आ चुका है They had come वे आ चुके थे We shall have come हम आ चुके हैं

यदि कार्य की समाप्ति अभी हो चुकी हो तो Present perfect का प्रयोग में लाना उचित है जैसे—I have done it—मैं इसे कर चुका हूँ यह हिन्दी में आसन्न भूतकाल और उर्दू में ماضی قریب (माजी करीब) कहलाता है यदि किसी वाक्य में समय प्रगट करना हो तो Past indefinite सामान्य भूत या माजी मुतलक का प्रयोग करना उचित है जैसे—I did it yesterday मैंने इस को कल किया I have done it yesterday यह मैं कर चुका हूँ यह वाक्य English Grammar के अनुसार असुद्ध है

Past perfect tense को Pluperfect tense भी कहते हैं, जो कि सम्पूर्ण भूतकाल या ماضی معتمد माजी बइद कहलाता है इस से एक काव्य की समाप्ति के पहले दूसरे कार्य की समाप्ति का बोध होता है जैसे—I had gone before you come मैं तुम्हारे आने के पहले चला गया था यदि एक काव्य की सम्पूर्णता जब तक किसी और दूसरे वाक्य के पहले न पाई जाए तब तक Past perfect tense या Pluperfect tense का प्रयोग करना बिल्कुल असुचित है

Future perfect tense सम्पूर्ण भविष्य या مستقبل تامیद तमामिया जब भविष्य में किसी एक क्रिया की समाप्ति के पहले किसी दूसरे कार्य के समाप्ति की सम्भावना पाई जाती है तभी Future perfect tense का प्रयोग किया जाता उचित है जैसे—I shall have done it before you come तुम्हारे आने के

पहले मैं इसे कर चुकता इन tenses के सिवाय Perfect continuous tense पूर्ण पूर्ण या مبرور کامل जमाना कामिल मजारिया कभी कभी Active voice में हुवा करता है जोकि किसी कार्यके आरम्भ होनेके समय से वर्तमान तक उस कार्य की असंपूर्णता को प्रकाश करता है जैसे— I have been writing मैं लिखता रहा हूँ He had been writing वह लिखता रहा था you shall have been writing तुम लिखते रहोगे

NUMBER AND PERSON

Verbs में भी noun के समान Singular और Plural दो 'numbers' हुवा करते हैं जिनसे कि यह मादूम होता है कि उस के Subject का क्या 'number' और क्या 'Person' है और इसका number और 'Person' subject के 'number' और 'Person' के समान ही होता है, इस के ऊपर खूब ध्यान देना उचित है, क्योंकि बहुत से विद्यार्थी इसी में बड़ी भूल किया करते हैं

I go मैं जाता हूँ (First person singular) Thou goest तू जाता है (Second person singular) He she or it goes वह जाता या जाती है (third person singular) Plural में person का बिह डूब नहा है जैसे— We go हम जाते हैं You go तुम जाते हो They go वे जाते हैं

Verbs के Mood, Voice, Tense, Number और Person से जो रूपान्तर होते हैं उन्हीं के प्रगट करने को Conjugation विधान या सरदान گردان कहते हैं

Verbs के past tense के बनाने के दो प्रकार हैं 'Strong' और 'Weak' जिन Verbs के Present tense से Past tense के बनाने में उस के Vowel को बदलते हैं उन Verbs को strong verbs कहते हैं जैसे—write का Past tense हुआ wrote, Abide (बसना) से abode, Forgive (क्षमा करना) से forgave, give (देना) से gave जिन verbs के Present tense में dया t लगा कर past tense पाते हैं उन Verbs को 'Weak verbs' कहते हैं जैसे— Moan (समझना) से हुआ 'meant, समझा 'love (प्यार करना) से loved 'प्यार किया हुआ

बहुत से द्रष्टेनी भाषा के व्याकरणी (Grammarians) weak verbs को Regular verbs और Strong verbs को Irregular verbs भी कहते हैं

Strong verbs के दो संग्रह हैं—(१) तो वह जिन के Past participle en,

या no से बनता है (२) वह भिन का Past participle बनता on, n या ne के बनता है

(१) समूह

Present (वर्तमान)	Past (भूत)	Past participle (पूर्ण कृत)
Arise उठना اُرخا	Arose उठा اُرخا	Arisen उठा हुआ اُرخا ہوا
Bear उत्पन्न करना	Bore उत्पन्न किया	Born उत्पन्न किया हुआ
Beir लेजाना لے جانا	Bore ले गया لے گیا	Borne ले गया हुआ لیا ہوا
Begot उत्पन्न करना	Begot, उत्पन्न किया	Begotten, begot उत्पन्न किया हुआ
Bid आह्वान देना حکم دینا	Bade, bid आह्वान देना حکم دینا	Bidden, bid आह्वान दे दिया حکم دیا ہوا
Bite काटना کٹنا	Bit काटा کٹا	Bitten, bit काटा हुआ کٹا ہوا
Bind बाधना باندھنا	Bound बांधा باندھا	Bounden, bound बाधा हुआ
Blow फूकना پھونکنا	Blew फूका پھونکا	Blown फूका हुआ پھونکا ہوا
Break तोड़ना توڑنا	Broke तोड़ा توڑا	Broken तोड़ा हुआ توڑا ہوا
Chide धमकाना	Chid धमकाया	Chidden, chid धमकाया हुआ
Choose चुनना چننا	Chose चुना چنا	Chosen चुना हुआ چنا ہوا
Draw खींचना کھینچنا	Drew खींचा کھینچا	Drunken, drunk खिया हुआ
Drink पीना پینا	Drank पिया دیا	Drawn पिया हुआ دیا ہوا
Drive हाकना هانکنا	Drover drive हाका هانکا	Driven हाका हुआ هانکا ہوا
Eat खाना کھانا	Ate खाया کھا	Eaten खाया हुआ کھا ہوا
Fall गिरना گرا	Fell गिरा گرا	Fallen गिरा हुआ گرا ہوا
Fly उड़ना اُڑنا	Flew उड़ा اُڑا	Elown उड़ा हुआ اُڑا ہوا
Forbear बचारहना	Forbore बचारहा	Forborne बचारहा हुआ
Fliget भूलना	Forgot भूल गया	Forgotten भूला हुआ
Forsake भूलना	Forsook भूला	Forsaken भूला हुआ
Freeze जमना बरफका	Froze जमा	Frozen जमा हुआ
Get पाना پا	Got पाया پا	Gotten, got पाया हुआ پا ہوا
Give देना دینا	Gave दिया دیا	Given दिया हुआ دیا ہوا
Go जाना جانا	Went गया گيا	Gone गया हुआ گیا ہوا
Grow उगना اُگنا	Grew उगा اُگا	Grown उगा हुआ اُگا ہوا

Present (वर्तमान)	Past (भूत)	P, participle (पूर्ण कृत)
Hide छिपाना چھپانا	Hid छिपाया چھपाया	Hidden, hid छिपाया हुआ چھपाया
Know जाना जाना	Knew जाना जाना	Known जाना हुआ जाना
Lie झूठबोलना, लेटना	Lay झूठबोला, लेटा	Lain झूठबोला हुआ, लेटा हुआ
Ride सवार होना سواری	Rode सवार हुआ	Ridden सवार हुआ
Rise निकलना, उठना	Rose निकला, उठा	Risen निकला हुआ, उठा हुआ
See देखना دیکھا	Saw देखा دیکھا	Seen देखा हुआ دیکھا
Shake हिलाना हलना	Shook हिलाया हलना	Shaken, हिलाया हुआ हलना
Shrink सकोड़ना سکڑنا	Shrank सकोड़ा	Shrunk, Shrunken सकोड़ा हुआ
Sink डूबना ڈوبنا	Sank डूबा ڈوبا	Sunken, Sunk डूबा हुआ डूबा
Slay मारडालना مار ڈالना	Slew मारडाला	Slain मारडाला हुआ
Slide फिसलना پھسلنا	Slid फिसला	Slidden, Slid फिसला हुआ
Smite मारना مارنا	Smote मारा	Smitte n, smit मारा हुआ
Speak बोलना بولنا	Spoke बोला	Spoken बोला हुआ
Steal चुराना چران	Stole चुराया	Stolen चुराया हुआ
Stride जलदी २ चलना	Stride जलदी २ चला	Stridden जलदी २ चला हुआ
Strike मारना مارना	Struck मारा	Stricken, struck मारा हुआ
Strive यत्नकरना	Strove यत्न किया	Striven यत्न किया हुआ
Swear सौगंध खाना	Snore सौगंध खाई	Sworn कमस खाई हुई
Take लेना لینا	Took लिया	Taken लिया हुआ
Tear फाड़ना پھاڑنا	Tore फाड़ा	Torn फाड़ा हुआ
Throw फेंकना	Threw फेंका	Thrown फेंका हुआ
Tread कुचलना	Trod कुचला	Trodden, trod कुचला हुआ
Wear पहनना	Wore पहना	Worn पहना हुआ
Weave बुनना	Wove बुना	Woven बुना हुआ
Write लिखना	Wrote लिखा	Written लिखा हुआ

जानना चाहिये कि सार Participle नीचे लिखे किसी tense के विभाग नहीं है और
 का प्रयोग सदा Verbal adjectives के समान हुआ करता है जैसे कि —

Verbal adjectives

Our bounden duty

हमारे आवश्यकीय कर्तव्य

A drunken man

परा धरावा आदमी

A sunken ship

पड़ा हुआ जहाज

A stricken deer

तार ग बेधा हुआ हिरण

The shrunken stream

सकुचित नदी

Illgotten wealth

नीच बर्माईका धन

A hidden meaning

अनमाना अर्थ

Part of some tense

They were bound by their promise

वे अपना प्रतिज्ञा से बंधन बंधे गये थे

They had drunk much wine

उन्हो ने बहुत मदिरा पीलीया

The ship had sunk under the water

जहाज पानी में पड़ गया था

The deer was struck with an arrow

हिरण तीर से बेधा गया था

The stream had shrunk in its bed

नदी अपने तल हट्टी से लग के सकुचित

हो गई थी (सूख गई थी)

He had got wealth by ill means

उसने बुरी बर्माई से धन प्राप्त किया था

The meaning is hid (or hidden)

इसका अर्थ छिपा हुआ है

(२) समुह

Present (वत्तमान)

Past (भूत)

P. participle (वृत्तकृत)

Abide बसना

Abode बस गया

Abode बसा हुआ

Awake जागना

Awake जागा

Awake जागा हुआ

Become होना

Became हुआ

Become हुआ

Begin आरम्भ करना

Began आरम्भ किया

Begun आरम्भ किया हुआ

Behold देखना

Beheld देखा

Beheld, Beholden देखा हुआ

Cling चिपके रहना

Clung चिपका रहा

Clung चिपका हुआ

* Beholden का अर्थ उपचारा है

Present (वर्तमान)	Past (भूत)	P Participle (पूर्णकृत)
Come आना	Came आया	Come आया हुआ
Dig खोदना	Dug खोदा	Dug खोदा हुआ
Fight लड़ना	Fought लड़ा	Fought लड़ा हुआ
Find पाना	Found पाया	Found पाया हुआ
Fling फेंकना	Flung फेंका	Flung फेंका हुआ
Grind पीसना	Ground पीसा	Ground पीसा हुआ
Hold पकड़ना	Held पकड़ा	Held पकड़ा हुआ
Ring बजाना	Rang बजाया	Rung बजाया हुआ
Run दौड़ना	Ran दौड़ा	Ran दौड़ा हुआ
Shine चमकना	Shone चमका	Shone चमका हुआ
Sing गाना	Sang गाया	Sang गाया हुआ
Sit बैठना	Sat बैठा	Sat बैठा हुआ
Sling गोफन चलाना	Slung गोफन चलाया	Slung गोफन चलाया हुआ
Slink पेट गिराना	Slunk पेट गिराया	Slunk पेट गिराया हुआ
Spin कातना	Spun काता	Spun काता हुआ
Spring उछलना	Sprang उछला	Sprung उछला हुआ
Stand खड़ा होना	Stood खड़ा हुआ	Stood खड़ा हुआ
Stave तोड़ना	Stove Staved तोड़ा	Stove, Stoved तोड़ा हुआ
Stick चिपकना	Stuck चिपका	Stuck चिपका हुआ
Sting डक मारना	Stung डक मारा	Stung डकमारा हुआ
Stink दुर्गंध आना	Stank दुर्गंध आई	Stunk दुर्गंध आई
String पिरोना	Strung पिरोया	Strung पिरोया हुआ
Swim तैरना	Swam तैरा	Swam तैरा हुआ
Swing झुलना	Swung झुला	Swung झुला हुआ
Win जीतना	Won जीता	Won जीता हुआ
Wind घुमाना	Wound घुमाया	Wound घुमाया हुआ
Wring निचोड़ना	Wrung निचोड़ा	Wrung निचोड़ा हुआ

Group 111 (१) समूह Mixed verb

यह verbs आधे Strong और आधे Weak verbs हैं

Present (वर्तमान)	Past (भूत)	P participle (पूण कृदन्त)
Beat मारना	Beat मारा	Beten मारा हुआ
Cleave चारना	Clove, cleft चारा	Cloven cleft चारा हुआ
Climb चढ़ना	Clomb, Clumbed चढ़ा	Climbed चढ़ा हुआ
Crow काय २ करना कीवका	Crew, Crowed	Crown crowed
Do करना	Did (Irregular किया)	Done किया हुआ
Grave खोदना	Graved खादा	Graven, graved खोदा हुआ
Hang लटकाना	Hung लटकाया	Hung लटकया हुआ
Hang फासा देना	Hanged, फासा दया	Hanged फाँसी दिया हुआ
Hew कुल्हाड़ा से काटना	Hewed कुल्हाड़ा से काटा	Hewn कुल्हाड़ा से काटा हुआ
Lade लादना	Laded लादा	Laden लादा हुआ
Melt गलना	Melted गला	Molten, Melted गला हुआ
Mow काटना, घतना	Mowed काटा	Mown काटा हुआ
Prove सिद्ध करना	Proved सिद्ध किया	*proven proved सिद्ध किया हुआ
Rive फाड़ डालना	Rived फाड़ डाला	Riven फाड़ डाला हुआ
Rot सड़ना	Rotted सड़ गया	Rotten Rotted सड़ा हुआ
Saw आरसे चारना	Sawed आर से चारा	Sawn आर से चारा हुआ
Shape बढना	Shaped बडा	*Shapon, Shaped बडा हुआ
Shave मूँडना	Shaved मूँडा	Shaven मूँडा हुआ
Shear कतरना	Sheared कतरा	Shorn, Sheared कतरा हुआ
Show दिखाना	Showed दिखाया	Shown दिखाया हुआ
Seethe उमलना	Seethed उमाला	Sodden, Seethed उमाला हुआ

Present (वर्तमान)	Past (भूत)	P Participle (पूर्ण कृदन्त)
Sew साना	Sowed सीया	Sewn सीया हुआ
Sow बोना	Sowed बोना आगे	Sown बोया हुआ
Stave ढकेलना आगे	Stove Staved ढकेल	Stove Staved आगे ढकेला हुआ
Straw छितराना	Strewed छितराया	Strowed or Strown छितराया हुआ
Swell फूला, सूजना	Swelled सूज गया	Swollen सूजा हुआ
Thrive उन्नति करना	Throve, Thrived } उन्नतिक्रिया	Thrived Thriven } उन्नतिक्रिया हुआ
Wash धोना	Washed धोया	Washen, Washed धोया हुआ
Wither मोड़ना	Withed मोड़ा	* Writen, Writied मोड़ा हुआ

- इन Participles का प्रयोग verbal adjective के समान हर समय हुआ करता है जैसे—A graven image पड़ी घटाई वा खुदी उदाई मूर्त A molten image—गली गलाई मूर्त A rotten सड़ी timber—सड़ी ई लकड़ी Sodden rice—रधा रधाया भात A shorn goat—(बनारा सारा बकग) A well senn cloth—खुसासिला तिलाया कपडा Unwashed hand—निगर धूले हाथ A hewn log—बुझा बुझाया लकड़ी का लट्टा

यदि Weak verbs के शेष में एक ही Consonant हो या उस के पहले ए ही Vowel हो या उस Consonant पर भार दे कर उसका उच्चारण होता हो तो वह Consonant ed लगायेद्वित हो जाएगा जैसे—Drop dropp'd गिरना Control, (बरदास्त करना) contrall'd, पर ऐसे शब्द जैसे—Lengthen जिन के कि शेष के Syllable पर उच्चारण के समये भार न पड़े या वह शब्द जिनमें कि एक Vowel न हो जैसे—Boil या ऐसे शब्द जिनमें कि एक ही Consonant न हो तो ऐसे शब्दों में Consonant double नहीं होता जैसे—Fold Folded मोड़ा Boiled उबाला up कमी कमी किसी शब्द के शेष में L होता है तो उस पर उच्चा

*यह Participles सदा काव्य ही में प्रयोग कियाजाता है

रण के समय भार न पड़ने पर भी L द्रित हो जाता है जैसे travel (यात्रा करना)
Travelled यदि L के पहले दो Vowel हो तो L द्रित नहीं होता जैसे—travel
(छाती तोड़ मेहनत करना)—travled

यह Verbs मिल का कि Past tense में जाती हैं और जो कि Weak verbs कहलाते हैं।

Present (वर्तमान)	Past (भूत)	P Participle (पूण कृदन्त)
Burn जलाना	Burnt जलाया	Burnt जला हुआ
Creep रेंगना	Crept रंगा	Crept रंगा हुआ
Deal व्यापार करना	Dealt व्यापार किया	Dealt व्यापार किया हुआ
Dream स्वप्न देखना	Dreamt, dreamed	Dreamt, dreamed
Dwell बसना	Dwelt बसा	Dwelt बसा हुआ
Feel मालूम करना	Felt मालूम किया	Felt मालूम किया हुआ
Keep रखना	Kept रखा	Kept रखा हुआ
Knell घुन्नों के बल बँठना	Knelt घुन्नों के बल बँठा	Knelt घुन्नों के बल बँठा हुआ
Lean झुकना, टिकना	Leant झुका	Leant झुका हुआ
Mean चाहना	Meant चाहा	Meant चाहा हुआ
Sleep सोना	Slept सोया	Slept सोया हुआ
Spell हिज्जे करना	Spelt हिज्जे किया	Spelt हिज्जे किया हुआ
Spill छिड़कना	Spilt छिड़का	Spilt छिड़का हुआ
Spoil नष्ट करना	Spoilt, spoiled नष्ट किया	Spoilt, Spoiled } नष्ट किया हुआ
Smell सूँघना	Smelt सूँघा	Smelt सूँघा हुआ
Sweep झाड़ना	Swept झाड़ा	Swept झाड़ा हुआ
निम्न लिखित शब्द भा हुआ समूह में हैं		
Cleave चीरना	Cleft चिरा	Cleft चिरा हुआ
Flee भागना	Fled भागा	Fled भागा हुआ
Have रखना	Had रखा	Had रखा हुआ
Hear सुनना	Heard सुना	Heard सुना हुआ
Lay रखना	Laid रखा	Laid रखा हुआ

Present (वर्तमान)	Past (भूत)	P Participle (पूर्णवृत्त)
Leave छोड़ना	Left छोड़ा	Left छोड़ा हुआ
Lose खो देना	Lost खो दिया	Lost खो दिया हुआ
Make बनाना	Made बनाया	Made बनाया हुआ
Pay चुकती करना	Paid चुकाया	Paid चुकाया हुआ
Say कहना	Said कहा	Said कहा हुआ
Shoe नाल जड़ना	Shod नाल जड़ा	Shod नाल जड़ा हुआ

उन Weak verbs का समूह जिन के मध्यस्थ Vowel के बदल देने से उनका past tense बनता है

Beseech विनती करना	Besought विनती किया	Besought { विनती किया हुआ
Bring लाना	Brought लाया	Brought लाया हुआ
Buy मोल लेना	Bought मोल लिया	Bought मोल लिया हुआ
Can सकना	Could सका	Could नहीं है
Catch पकड़ना	Caught पकड़ा	Caught पकड़ा हुआ
Dare साहस करना	Durst, dared साहस	Dared साहस किया हुआ
May सकना	Might सका	Might (नहीं है)
Owe मालिक होना	Owed, मालिक हुआ	Owed मालिक हुआ
Seek ढूँढ़ना	Sought ढूँढ़ा	Sought ढूँढ़ा हुआ
Sell बेचना	Sold बेचा	Sold बेचा हुआ
Shall गा	Should गा	Should (नहीं है)
Teach सिखाना	Taught सिखाया	Taught सिखाया हुआ
Tell कहना	Told कहा	Told कहा हुआ
Think सोचना	Thought सोचा	Thought सोचा हुआ
Will गा, इच्छा करना	Would गा, ईच्छा किया	Would (नहीं होता)
Work काम करना	Worked काम किया	Wrought, worked

इन Verbs का तृतीय रूप समान है

Bot शर्त बंदना	betted, bet शर्त बंदा	bet, betted { शर्त बंदा हुआ
Burst खिल गा, फूटना	burst खिल पड़ा	Burst { खिला हुआ फूटा हुआ

Present (वत्तमान)	Past (भूत)	P participles (मूणहृदंत)
Cast फेंका	cast फेंका	cast फेंका हुआ
Cost खर्च करना	cost खर्च किया	cost खर्च किया हुआ
Cut काटना	cut काटा	cut काटा हुआ
Hit ठोकर मारना	hit ठोकर मारा	hit ठोकर मारा हुआ
Hurt चोट लगना	hurt चोट लगा	hurt चोट लगा हुआ
Knit गाठ लगाना	knit, knitted गाठलगा	knit, knitted } गाठ लगा हुआ
Let परवानगी देना	let परवानगी दिया	let परवानगी दिया हुआ
Put रखना	put रखा	put रखा हुआ
Quit छोड़ना	quit, quitted छाड़ा	quit, quitted छोड़ा हुआ
Rid अलग रहना	rid अलग रहा	rid अलग रहा हुआ
Set अलग होना	set अलग हुआ	set अलग हुआ
Shed गिराना	shed गिराया	shed गिराया हुआ
Shred टुकड़े २ करना	shred टुकड़े २ किया	shred टुकड़े २ किया हुआ
Shut बंद करना	shut बंद किया	shut बंद किया हुआ
Slit चीरना	slit चीरा	slit चीरा हुआ
Spit थूकना	spit, spat थूका	spit, spat थूका हुआ
Split चीरना	split चीरा	split चीरा हुआ
Spread फैलाना	spread फैलाय	spread फैलाया हुआ
Sweat पसीजना	sweat पसीजा	sweat पसीजा हुआ
Thrust धुसेटना	thrust धुसेटा	thrust धुसेटा हुआ
Wed शादी करना	wed, wedded शादीकिया	wed, wedded } शादीकिया हुआ

इसी संग्रह में कुछ verbs ऐसे हैं जिन के शेष में d होता है और उस d को t में बदल देते से उन का Past tense और Past participles बनता है

Bend झुकाना	bent झुका	bent झुका हुआ
Build बनाना	built बनाया	built बनाया हुआ
Gild सुनहला करना	gilt, gilded सुनहला किया	gilt, gilded } सुन हली किया हुआ

Present (वर्तमान)	Past (भूत)	P Participle (पूर्ण कृदन्त)
Gird लपेटना	girt, girded लपेटा	girt, girded लपेटा हुआ
Lend उधार देना	lent उधार दिया	lent उधार दिया हुआ
Rend फाड़ डालना	rent फाड़ डाला	rent फाड़ डाला हुआ
Send भेजना	sent भेजा	sent भेजा हुआ
Spend खर्च करना	spent खर्च किया	spent खर्च किया हुआ
Wend जाना	went गया	went नहीं है

उन शब्दों का समूह जिन का Past tense vowel के बदलने से बनता है

Present (वर्तमान)	Past (भूत)	P Participle (पूर्ण कृदन्त)
Bleed बहना खून का	bled खून बहा	bled खून बहा हुआ
Breed पैदा करना	bred पैदा किया	bred पैदा किया हुआ
Feed खिलाया	fed खिलाया	fed खिलाया हुआ
Speed जल्दी करना	sped जल्दी किया	sped जल्दी किया हुआ
Meet मिलना	met मिला	met मिला हुआ
Lead लेजाना	led लेगया	led लेगया हुआ
Light उजाला करना	Lighted, lit उजाला किया	Lighted { उजाला किया हुआ
Read पढ़ना	read पढ़ा	read पढ़ा हुआ
Shoot मारना	shot मारा	shot मारा हुआ

निम्न लिखित दृष्टान्तों में जहाँ जहाँ Participle का प्रयोग Adjective वा tense के समान हुआ है उस पर ध्यान दो —

Verbal adjective	Part of some tense
A lighted candle	The candle is lit or lighted
जली जलाई बत्ती	बत्ती जलाई गई है
Roast meat	The meat is roasted
भुजा भुजाया मांस	मांस भुजा गया है
Wrought iron	The ox is worked too hard
बरता भरताया रोहा	रोह से बड़े तरह काम लिया गया है

Conjugation of auxiliary and Defective verbs

(1) Be

Tenses and Moods		Singular			Plural of
		1st Person	2nd Person	3rd Person	all Persons
Present	Indicative	Am	Art	Is	Are
	Subjunctive	Be	Be	Be	Be
Past	Indicative	Was	Wast	Was	Were
	Subjunctive	Were	Wert	Were	Were

Infinitive	Imperative	Present Participle	Perfect Participle
To be	be	Bring	Having been

इस verb का प्रयोग ३ प्रकार से होता है

(१) Intransitive verb के Complete predication के समान केवल कायम होने के तात्पर्य में जैसे—God is=God exists परमेश्वर है अर्थात् कायम है

(२) Intransitive verb के Incomplete predication के समान जैसे—Ram is a good boy

(३) Auxiliary verb के समान जिस से कि Passive verb के सब tenses और Active verb के सब Continuous tenses इसी की सहायता से बनते हैं

(2) Can

Tenses	Singular			Plural of
	1st Person	2nd Person	3rd Person	all Persons
Present	Can	Canst	Can	Can
Past	Could	Couldst	Could	Could

इसका प्रयोग परवानगी, बल और शक्ति के अभिप्राय से किया जाता है जैसे— He can go—वह जा सकता है, अर्थात् वह उसकी इच्छा थी कि वह जाए या न जाए पर उस की परवानगी दे दी है ' He can not run as fast as you वह तुम्हारी तरह तेज नहीं दौड़ सकता, अर्थात् उस में बल और शक्ति तुम्हारे इतनी नहीं है

(3) Do

Tenses	Singular			Plural of
	1st Person	2nd Person	3rd Person	all Persons
Present	Do	Dost	Does	Do
Past	Did	Didst	Did	Did

Infinitive	Imprative	Present participle	Past Participle
To do	Do	Doing	Having done

जब 'do' का भये करने का होता है तो यह Transitive verb के सब moods और tenses में उसका Conjugation होता है, जैसे—You are doing what I have done already—जो कुछ मैं पहले ही से कर चुका हूँ तो तुम अब कर रहे हो। जब कि "do" का विधान auxiliary verb के समान होता है, तब do present और past tense में होता है। यह Indicative mood में सार देने, इनकार करने आदि देने और प्रश्न पूछने के लिये भी प्रयोग किया जाता है। जैसे—I do not go—मैं नहीं जाता। Do not go—मत जाओ। Do you go? क्या तुम जाते हो?

Do का प्रयोग किसी आये हुए verb को दूसरी बार न प्रयोग करने के लिये भी किया जाता है, जैसे—You need not go as soon as you did yesterday तुम्हारे इतने जल्दी जानेकी आवश्यकता नहीं है जैसे कि तुम कल गए थे।

(1) Dare

Tenses	Singular			Plural
	1st Person	2nd Person	3rd Person	all Persons
Present	Dare { Durst Dared	Darest { Durst Dared	{ Dares { Dare Durst Dared	Dare { Durst Dared
Past				

Infinitive	Imperative	Present Participle	Past Participle
To dare	Dare	Daring	Having Dared

इसका प्रयोग verb के Incomplete predication के समान 'साहस करने' के अर्थ में होता है इस अवसर में यदि इसका प्रयोग अस्वीकारक वाक्य में किया जाय तो—सदा इसका third present singular 'dare' होता है और 'dares' कभी नहीं होता जैसे—
he dare, not go home—घर जाने का वह साहस नहीं करता है यदि इसी वाक्य को स्वीकारक पद में प्रयोग करें तो इसका third present singular 'dares' होगा और dare कभी नहीं होगा जैसे—He dares to go home वह घर जाने का साहस करता है

यदि इसका प्रयोग अस्वीकारक वाक्य के Past tense में किया जाए तो इस के Past tense "durst" को प्रयोग में लाना चाहिये 'Dared' तो प्रायः कभी कभी ऐसे अवसर में प्रयोग किया जाता है किन्तु बहुधाकर 'durst' ही प्रयोग में आता है जैसे—He durst not (or dared) not go home उसने घर जाने की साहस नहीं की यदि इसीका प्रयोग स्वीकारक वाक्य में किया जाय तो इस के Past tense dared को प्रत्येक व्यवस्था में प्रयोग करना चाहिये और durst का ऐसे अवसर में प्रयोग करना उचित नहीं मुहावरे में 'I dare say' का अर्थ है "कदाचित्त मैं कहता हूँ"

और जब कि इसका प्रयोग Transitive verb के साथ होता है तब इसका अर्थ 'सामना करने' का होता है ऐसे समय में इसका विधान regular verb के समान प्रत्येक mood और tense में होता है जैसे—He dares me to fight वह मुझ से लड़ने के लिये साम्ना करता है He dared me to my face उसने मेरे स्वरूप मेरा साम्ना किया

(5) Have

Tenses with moods		Singular			Plural of
		1st Person	2nd Person	3rd Person	all Persons
Present	Indicative	Have	Has	Has	Have
	Subjunctive	Have	Have	Have	Have
Past	Indicative	Had	Hadst	Had	Had
	Subjunctive	Had	Hadst	Had	Had
Infinitive		Imperative		Present Participle	
To have		Have		Having	
				Past Participle	
				Having had	

जब कि "have" का Transitive verb के समान प्रयोग किया जाता है तो वह अधिकार प्रगट करता है ऐसे समय इसका विचार Regular verb के समान प्रत्येक mood और tense में किया जा सकता है जैसे—We have four goats and twenty sheep हम चार बकरी और २० भेड़ रखते हैं अर्थात् हमारे अधिकार में है वा पास है और जब कि इसका प्रयोग auxiliary verb के समान होता है, तब इसी को सहायता से Perfect tenses के moods, active और passive बनाए जाते हैं

(6) May

Tenses		Singular		Plural of
	1st Person	2nd Person	3rd Person	All Persons
Present	May	Mayest	May	May
Past	Might	Mightest	Might	Might

यह verb परवानगी, सभाषना, अभिलाषा और आशय प्रगट करने के लिये प्रयोग किया जाता है। जैसे—you may leave the room. तुम कमरा छोड़ सकते हो अर्थात् तुम को छोड़ने की परवानगी दे दी गई है I might go, if I tried यदि मैं चेष्टा करता तो (कदाचित्) जा सकता था Ram may yet come राम (कदाचित्) -किर भी आए May, Heaven, protect thee ईश्वर तुझे बचाए अर्थात् ईश्वर से-अभिलाषा वा प्रार्थना है के ल. वच जाय ईश्वर करे लु वचे इसी प्रकार I ran fast and I worked hard that I might win the prize मैं दृढता से दौड़ा और मेने बड़ी परिश्रम की, कि मैं पारितोषिक जीत लू

(7) Might

इस मिया के अब रूपान्तर नहीं हैं आदि से यह एक प्राचीन किया motan का Past tense है जिस का अर्थ लाचार होनेका है और यह अब प्रयोग में नहीं आता "Must" अब Past tense से कोई संबंध नहीं रखता, किंतु वह वर्तमान और भविष्य काल में आवश्यकता-वा मलात्कार-पिछां बड़े प्रबल अभिप्राय, निश्चितार्थ प्रवृत्त वा बहुत ही बड़े निर्णय सूचक वाक्य और कर्तव्य अथवा बहुत ही कठिना लाचारी को बोध करने के लिये प्रयोग में आता है जैसे—

(1) What must come, must—जो कुछ होना है, अवश्य होगा

(2) I must finish this, before they come मैं उन के आनेके पहले इस को अवश्य समाप्त करूँगा

(3) He must be dead by this week—बह इसी सप्ताह में अवश्य मरेगा

(4) You must pay your rent—तुम को अपना भाड़ा चुक्ति कर देना चाहिये

(8) Need

इस स्वाधीन किया का अर्थ 'आवश्यकता' का है ऐसे समय में इसका विधान इस के सब काल और रूप रूपान्तर में किया जाता है जब कि इसका प्रयोग अस्वीकारक वाक्य में किया जाता है, तब इसका third person singular "need" होता है और 'needs' नहीं होता, जैसे—कि dares के बदले dare प्रयोग में आता है जैसे—He need not go any way—उस को किसी रस्ते जाने की आवश्यकता नहीं है

ऐसे ऐसे वाक्य जैसे कि "he must needs go" "उस को अवश्य करके जाना चाहिये," needs वास्तव में s के साथ प्रयोग किये जाने के कारण Possessive case है, जिस के पहले कि apostrophe छूट गया है, इसलिये needs=need's=of need=of necessity=necessarily इस लिये needs 'adverb' हो गया, क्योंकि यह 'go' का गुण वर्णन करता है

(9) Ought

Tenses	Singular			Plural of all Persons
	1st Person	2nd Person	3rd Person	
Present or Past	Ought	Oughtest	Ought	Ought

आदि से यह verb 'owe' का Past tense है जैसे—you ought (owed) him a hundred rupees तुम उस के १०० रुपये के कर्जदार हो वर्तमान की श्रेणी भाषा में "ought" का प्रयोग केवल "कृतव्य" का बोध करने के लिये किया जाता है जैसे—you ought to obey your parents, and you are expected to do so

तुम को अपने माता पिता को आशकारी होना चाहिये और तुम से ऐसा होने की आशा है
 You ought to have done it, but you did not do it तुम को इसे करना चाहिये था, पर तुमने इसे किया नहीं

(10) Quoth

Quoth का अर्थ "कहता है" या "कहा" होता है इस लिये यह past और present दोनों में प्रयोग किया जाता है यह केवल third person singular number में प्रयोग किया जाता है और अपने कर्ता के सदा पहले प्रयोग में आता है जैसे—"Fate would have its way" quoth he उसने कहा कि जो कुछ नसीब में यदा है, सो अवश्य होगा

(11) Shall

Tenses	Singular			Plural of all Persons
	1st Person	2nd Person	3rd Person	
Present	Shall	Shalt	Shall	Shall
Past	Should	Shouldst	Should	Should

इस verb का और कोई tense नहीं है और इस का Infinitive mood नहीं होता केवल Future indicative के first person में 'shall' और Subjunctive mood के सब persons में 'should' का प्रयोग होना सदा सर्वदा उचित है Future Indicative Mood के Second और third persons में 'shall' के प्रयोग करने से भविष्यकाल के अतिरिक्त सदा आज्ञा का बोध हुवा करता है जैसे—you shall come if he should see—यदि वह मुलाकात करे तो तुम को जाना पड़ेगा He shall come by a week वह एक सप्ताह में आएगा

यदि कर्तव्य और निर्णय प्रगट करना होतो 'shall' का प्रयोग न कर के केवल 'should' का ही प्रयोग करना चाहिये जैसे—I should do this यह मुझे करना चाहिये, अर्थात् इस के करने का कर्तव्य मेरा है—I should have done this—यह मुझे कर लेना चाहिय था, अर्थात् इसका करना मेरा कर्तव्य था

He should have arrived by this time इस समय वह पहुच गया होगा अर्थात् इस समय में उसके पहुचने का नियम हो चुका है

यदि आशय प्रगट करना होतो Conjunction 'lest' के पश्चात् केवल should ही का प्रयोग में लाना सदा उचित है। जैसे—He worked hard lest he should fail उसने कड़ी परिश्रम की कि उसका किया निष्फल न जाए।

(12) WILL

Tenses	Singular			Plural of all Persons
Present	1st Person Will	2nd Person Wilt	3rd Person Will	Will
Past	{ Would Willed	{ Wouldst Willedst	{ Would Willed	{ Would Willed
Infinitive	Imperative	Present Participle		Past Participle
To Will		willing		having willed

इस क्रिया का प्रयोग कई प्रकार से होता है।

(१) केवल second और third persons के Future Indicative (moods) 'will' को सहायता ही से बनते हैं और Subjunctive mood के सब persons केवल 'would' को सहायता से। जैसे—you will go—तुम जाओगे। He will go—वह जाए गा। If he should see he would know—यदि वह मिलेगा तो वह जानेगा।

यदि बोझने वाला कोई अपनी अभिलाषा प्रगट करना चाहे तो shall के बदले 'will' का प्रयोग हम अवसर में सदा first person में हुवा करता है। जैसे—I will not go मैं नहीं जाऊंगा।

'Will' का प्रयोग auxiliary verb के समान स्वभाव प्रथमा आदत प्रगट करने के लिये किया जाता है। ऐसे अवसर में 'will' शब्द पर Present Indicative और 'would' पर Past Indicative का भार आकर पड़ता है। जैसे—He will come every day वह प्रतिदिन आया करेगा अर्थात् वह ह्वा स्वभाव और आदत प्रतिदिन आने का है। ऐसे ही He would come वह आया करता था। जब कि 'will' auxiliary अर्थात् सहायक क्रिया नहीं होता तब इसका अर्थ होता है कि "लिखा पढ़ी करके किसी के नाम पर अपनी सपनी को छोड़ देना।" ऐसे अवसर में हमें 'will' का Past tense willed होता है, would कदापि नहीं।

होता। जैसे—He willed that all his property should go to his son
उसने लिखा पढीसे निर्णय किया कि उस की सब संपत्ति उस के पुत्र को मिले।

(13) Wit

“Wit” क्रिया का अर्थ है, ‘जानना’। केवल इसके थोड़े ही से रूपान्तर का प्रयोग हुवा करता है और शेष एक मात्र प्रयोग में नहीं आते। इस के Infinitive रूप (to wit) का अर्थ “अर्थात्” है, जोकि आज दिन न्यायालय की लिखा पढी के प्रयोग में अधिक आता है। जैसे—He left me by will all his buildings, to wit three—वह लिखा पढी के साथ अपने सब भवन मेरे वास्ते छोड़ गया, अर्थात् तीन (भवन)।

इस का Present participle का प्रयोग negative adverbial form अर्थात् अस्वीकारक क्रिया विशेषण के रूप unwittingly में होता है जिसका अर्थ है “न जानकर के”। जैसे—He can not blame you for it, since he did it unwittingly—वह तुम को इस के लिये कलक नहीं लगा सकता, क्योंकि कि उसने यह अनजाने किया है। Indicative mood के Present और Past में भी इस का प्रयोग होता है। जैसे—He wot neither what he babbles nor what he means—जो कुछ कि वह बक्ता है या जो कुछ कि वह चाहता है उस को वह आप नहीं जानता। अर्थात् वह नहीं जानता है कि मैं क्या बकता हूँ या क्या चाहता हूँ।
(Past) They wist not what had become of him वे नहीं जानते थे कि उस का क्या हुवा।

(14) Worth

ऐसे वाक्यों में इसका प्रयोग होता है कि जैसे —woe worth the day—ऐसे दिन का बुरा हो यहा ‘worth’ का अर्थ be अर्थात् होना है। ऐसी जगह day ob-
jective case में होता है। ‘worth’ उस verb का subjunctive mood है जिस का अर्थ ‘होना’ “to be” “to become” है।

जिस क्रिया का कर्त्ता (Subject) ‘It’ होता है और किसी Personal pronoun के पढ़ने Objective case में प्रयोग किया जाता है तो Impersonal verbs कहलाता है। जैसे—It shames me to hear this इसके सुनने से मुझे लज्जा मालुम होती है। निम्न लिखित तीन दृष्टान्त ऐसे हैं, जिन में कि

'It, के बदन 'me' आता है Methinks=it thinks me=I think=मुझे सोच आता है। Mesems=it seems to me=मुझे मालूम होता है। Melists=it seems to me or pleases me=मुझे मालूम होता है या अच्छा लगता है।

Transitive Irregular verb 'To take' का पूर्ण विधान।

ACTIVE VOICE

Present take लेते हैं Past 'took' लिया Perfect participles taken लिया हुआ।

INDICATIVE MOOD निश्चय रूप صورت निश्चय

Present Indefinite—सामान्य वर्तमान (مجرد) حال

Singular एकवचन

Plural बहुवचन

- | | |
|---|--------------------------|
| 1 I take—मैं लेता हूँ | 1 We take—हम लेते हैं। |
| 2 Thou takest—तू लेता है | 2 You take—तुम लेते हो। |
| 3 He, she or it takes or taketh वह लेताया लेती है | 3 They take वे लेते हैं। |

Past Indefinite—सामान्य भूत—ماضي مطلق

Singular एकवचन

Plural बहुवचन।

- | | |
|--------------------------------|----------------------------|
| 1 I took—मैंने लिया | 1 We took—हमने लिया। |
| 2 Thou tookest—तूने लिया | 2 You took—तुमने लिया। |
| 3 He, she or it took—उसने लिया | 3 They took—उन्होंने लिया। |

Future Indefinite—सामान्य भविष्य—مستقبل (مجرد)

Singular एकवचन

Plural बहुवचन

- | | |
|------------------------------------|---------------------------------------|
| 1 I shall or will take—मैं लूंगा | 1 We will or shall take हम लेंगे। |
| 2 Thou wilt or shalt take तू लेगा | 2 You will or shall take तुम लोगेंगे। |
| 3 He, she or it will or shall take | 3 They will or shall take वे लोगेंगे। |
- वह लेगा या लेगी।

होता। जैसे—He willed that all his property should go to his son
उसने लिखा पट्टीसे निर्णय किया कि उस की सब संपत्ति उस के पुत्र को मिले।

(13) Wit

“Wit” क्रिया का अर्थ है, ‘जानना’। केवल इसके छोटे ही से रूपान्तर का प्रयोग हुया करता है और शेष एक मात्र प्रयोग में नहीं आते। इस के Infinitive रूप (to wit) का अर्थ “अर्थात्” है, जोकि आज दिन न्यायालय की लिखा पट्टी के प्रयोग में अधिक आता है। जैसे—He left me by will all his buildings, to wit three—वह लिखा पट्टी के साथ अपने सब भवन मेरे वास्ते छोड़ गया, अर्थात् तीन (भवन)।

इस का Present participle का प्रयोग negative adverbial form अर्थात् अस्वीकारक क्रिया विशेषण के रूप unwittingly में होता है जिसका अर्थ है “न जानकर के”। जैसे—He can not blame you for it, since he did it unwittingly—वह तुम को इस के लिये कलक नहीं लगा सकता, क्योंकि कि उसने यह अनजाने किया है। Indicative mood के Present और Past में भी इस का प्रयोग होता है। जैसे—He wot neither what he babbles nor what he means—जो कुछ कि वह बोलता है या जो कुछ कि वह चाहता है उस की वह आप नहीं जानता। अर्थात् वह नहीं जानता है कि मैं क्या बकता हूँ या क्या चाहता हूँ।
(Past) They wist not what had become of him वे नहीं जानते थे कि उस का क्या हुवा।

(14) Worth

ऐसे वाक्यों में इसका प्रयोग होता है कि जैसे —woe worth the day—ऐसे दिन का बुरा हो यहा ‘worth’ का अर्थ be अर्थात् होना है। ऐसी जगह day ob jective case में होता है। ‘worth’ उस verb का subjunctive mood है जिस का अर्थ ‘होना’ “to be” ‘to become’ है।

जिस क्रिया का कर्त्ता (Subject) It होता है और किसी Personal pronoun के पहले Objective case में प्रयोग किया जाता है तो Impersonal verbs कहलाता है। जैसे—It shames me to hear this इसके सुनने से मुझे लज्जा मांलुम होती है। निम्न लिखित तीन दृष्टान्त ऐसे हैं, जिन में कि

Past perfect or pluperfect—पूर्ण भूत ماضی

Singular एक वचन

Plural एक वचन

- | | |
|---------------------------------|-------------------------------|
| 1 I had taken मैंने चुका था | 1 We had taken हमने चुके थे |
| 2 Thou hadst taken तूने चुका था | 2 You had taken तुमने चुके थे |
| 3 He, she or it had taken | 3 They had taken वेले चुके थे |
- वहले चुका (या खु की थी) था ।

Future perfect पूर्ण भविष्य (مستقبل) (اردو میں ہے)

Singular एक वचन

Plural बहु वचन

- | | |
|--|---|
| 1 I shall or will have taken मैंले चुकु गा | 1 We shall or will have taken हम ले चुके गे |
| 2 Thou shalt or wilt have taken तूने चुके गा | 2 You shall or will have taken तुम ले चुको गे |
| 3 He, she or it shall or will have taken वह ले चुके गा (या गी) | 3 They shall or will have taken वे ले चुके गे |

Present perfect Continuous (पूर्ण पूर्ण वर्तमान हिन्दी और उर्दू में नहीं होता) (کامل مضارع اردو میں نہیں ہے)

Singular एक वचन

Plural बहु वचन

- | | |
|---|---|
| 1 I have been taking मैं लेता रहा हूँ | 1 We have been taking हम लेते रहे हैं |
| 2 Thou hast been taking तू लेता रहा है | 2 You have been taking तुम लेते रहे हो |
| 3 He she or it has been taking वह लेता रहा या लेती रही है | 3 They have been taking वे लेते रहे हैं । |

Past perfect continuous पूर्ण पूर्ण भूत काल (کامل مضارع ماضی)

Singular एक वचन

Plural बहु वचन

- | | |
|-------------------------------------|-----------------------------------|
| 1 I had been taking मैं लेता रहा था | 1 We had been taking हम लेते रहते |
|-------------------------------------|-----------------------------------|

Present Imperfect or progressive—अपूर्ण वर्तमान (حال نامایه)

Singular एकवचन

Plural बहुवचन

- | | |
|--|----------------------------------|
| 1 I am taking मैं ले रहा हूँ | 1 We are taking हम ले रहे हैं। |
| 2 Thou art taking तू ले रहा है | 2 You are taking तुम ले रहे हो। |
| 3 He, she or it is taking वह ले रहा या रही है। | 3 They are taking वे ले रहे हैं। |

Past Imperfect or progressive—अपूर्ण भूत (ماضی نامایه)

Singular एक वचन

Plural बहु वचन

- | | |
|---|----------------------------------|
| 1 I was taking मैं ले रहा था | 1 We were taking हम ले रहे थे। |
| 2 Thou wast taking तू ले रहा था | 2 You were taking तुम ले रहे थे। |
| 3 He, she or it was taking वह ले रहा या रही थी। | 3 They were taking वे ले रहे थे। |

Future Imperfect or progressive—अपूर्ण भविष्य (ماضی مستقبل)

Singular एक वचन

Plural बहुवचन

- | | |
|--|--|
| 1 I shall or will be taking मैं लेता रहूँगा | 1 We shall or will be taking हम लेते रहेंगे |
| 2 Thou shalt or wilt be taking तू लेता रहेंगा | 2 You shall or will be taking तुम लेते रहो गे |
| 3 He she or it shall or will be taking वह लेता रहे गा या लेती रहे गी | 3 They shall or will be taking वे लेते रहें गे |

Present perfect पूर्ण वर्तमान (ماضی ماضی)

Singular एक वचन

Plural बहुवचन

- | | |
|---|-----------------------------------|
| 1 I have taken मैं ले चुका हूँ। | 1 We have taken हम ले चुके हैं। |
| 2 Thou hast taken तू ले चुका है। | 2 You have taken तुम ले चुके हो। |
| 3 He she or it has taken यह ले चुका या चुकी है। | 3 They have taken वे ले चुके हैं। |

Past perfect or pluperfect—पूर्ण भूत ماضی بعید

Singular एक वचन

Plural एक वचन

- | | |
|---------------------------------|-------------------------------|
| 1 I had taken मैंने चुका था | 1 We had taken हमने चके थे |
| 2 Thou hadst taken तूले चुका था | 2 You had taken तुमले चुके थे |
| 3 He, she or it had taken | 3 They had taken वेले चुके थे |
- वहले चुका (यावु की थी) था ।

Future perfect पूर्ण भविष्य (تمامیہ) مستقبل (اردو میں نہیں ہے)

Singular एक वचन

Plural बहु वचन

- | | |
|---|---|
| 1 I shall or will have taken मैंले चुक् गा | 1 We shall or will have taken हम ले चुके गे |
| 2 Thou shalt or wilt have taken तूले चुके गा | 2 You shall or will have taken तुम ले चुको गे |
| 3 He she or it shall or will have taken वह ले चुके गा (या गी) | 3 They shall or will have taken वे ले चुके गे |

Present perfect Continuous (पूर्णा पूर्ण वर्तमान हिन्दी और उर्दू में नहीं होता) حال (کامل معاصرہ اردو میں نہیں ہے)

Singular एक वचन

Plural बहु वचन

- | | |
|---|---|
| 1 I have been taking मैं लेता रहा हूँ | 1 We have been taking हम लेते रहे हैं |
| 2 Thou hast been taking तू लेता रहा है | 2 - You have been taking तुम लेते रहे हो |
| 3 He she or it has been taking वह लेता रहा या लेती रही है | 3 They have been taking वे लेते रहे हैं । |

Past perfect continuous पूर्णा पूर्ण भूत काल (کامل معاصرہ) ماضی بعید

Singular एक वचन

Plural बहु वचन

- | | |
|-------------------------------------|-------------------------------------|
| 1 I had been taking मैं लेता रहा था | 1 We had been taking हम लेते रहे थे |
|-------------------------------------|-------------------------------------|

- | | |
|--|--|
| 2 Thou hadst been taking
तू लेता रहा था । | ■ You had been taking
तुम लेते रहे थे |
| 3 He, she or it had been taking
वह लेता रहा था या लेती रही थी | 3 They had been taking
वे लेते रहे थे । |
-

Future perfect continuous पूर्ण पूर्ण भविष्य काल (مستقبل کامل متناهی)

Singular एक वचन

Plural बहु वचन

- | | |
|--|---|
| 1 I shall or will have been taking
मैं लेता रहूँगा | 1 We shall or will have been taking
हम लेते रहेंगे |
| 2 Thou shalt or wilt have been taking
तू लेता रहेगा | 2 You shall or will have been taking
तुम लेते रहोगे |
| 3 He she or it shall or will have been taking
वह लेता या लेती रहेगी | 3 They shall or will have been taking
वे लेते रहेंगे |
-

SUBJUNCTIVE MOOD (مood شرطیه) सङ्केत वाचक रूप ।

Present Indefinite—सामान्य वर्तमान (حال (مجرد)

Singular एक वचन

Plural बहु वचन

- | | |
|-----------------------------------|---------------------------|
| 1 If I take यदि मैं लू | 1 If we take यदि हम लें |
| 2 If thou take यदि तू ले | 2 If you take यदि तुम लो |
| 3 If he, she or it take यदि वह ले | 3 if they take यदि वे लें |
-

Past Indefinite—सामान्य भूत (ماضي مطلق)

Singular एक वचन

Plural बहु वचन

- | | |
|-------------------------------------|----------------------------|
| 1 If I took यदि मैं लेता | 1 If we took यदि हम लेते |
| 2 If thou tookest यदि तू लेता | 2 If you took यदि तुम लेते |
| 3 If he, she or it took यदि वह लेता | 3 If they took यदि वे लेते |
-

Future indefinite—सामान्य भविष्य مستقبل مجرد

Singular एक वचन

Plural बहु वचन

1 If I should or would take

1 If we should or would take

यदि मैं लूँ

यदि हम लें

2 If thou shouldst or wouldst take यदि तू ले

2 If you should or would take

take यदि तू ले

यदि तुम लो

3 If he, she or it should or would take यदि वह ले

3 If they should or would take

यदि वे ले

Present Imperfect—अपूर्ण वर्तमान حال نامع

Singular एक वचन

Plural बहु वचन

1 If I am taking यदि मैं ले

1 If we are taking यदि हम ले

रहा हूँ

रहे हैं

2 If thou art taking यदि तू ले

2 If you are taking यदि तुम ले

रहा है

रहे हो

3 If he, she or it is taking यदि वह ले रहा या ले रही है

3 If they are taking यदि वे ले

रहे हैं

Past Imperfect—अपूर्ण भूत ماضی (نامع)

Singular एक वचन

Plural बहु वचन

1 If I were taking यदि मैं लेता होता

1 If we were taking यदि हम

लेते होते

2 If thou wert taking यदि तू

2 If you were taking यदि तुम

लेता होता

लेते होते

3, If he, she or it were taking यदि वह लेता होता (या लेती होती)

3 If they were taking

यदि वे लेते होते

Future Imperfect—مستقبل باتمام अपूर्ण भविष्य

Singular एक वचन

Plural बहु वचन

1 If I should be taking

यदि मैं लेता रहूँ

1 If we should be taking

यदि हम लेते रहें

2 If thou shouldst be taking

यदि तू लेता रहे

2 If you should be taking

यदि तुम लेते रहो

3 If he, she or it should be tak-

ing यदि वह लेता या लेती रहे

3 If they should be taking

यदि वे लेते हों

Present perfect continuous—पूर्णपूर्ण वर्तमान حال کامل محاربه

1 If I have been taking

यदि मैं लेता रहा हूँ

1 If we have been taking

यदि हम लेते रहे हैं

2, If thou hast been taking

यदि तू लेता रहा है

2 If you have been taking

यदि तुम लेते रहे हो

3 If he she or it have been tak-

ing यदि वह लेता रहा या लेती रही है

3 If they have been taking

यदि वे लेते रहे हैं।

Past perfect continuous—पूर्णापूर्णा भूत ماضی (कامل محاربه)

1 If I had been taking

यदि मैं लेता रहा था

1 If we had been taking

यदि हम लेते रहे थे

2 If thou hadst been taking

यदि तू लेता रहा था

2 If you had been taking

यदि तुम लेते रहे थे

3 If he she, or it had been taking

यदि वह लेता रहा था या लेती रही थी

3 If they had been taking

यदि वे लेते रहे थे

Future perfect continuous पूर्णापूर्ण भविष्य مستقبل کامل محاربه

1 If I should have been taking

यदि मैं लेता रहा होऊंगा

1 If we should have been taking

यदि हम लेते रहे होंगे

2 If thou shouldst have been

2 If you should have been tak-

taking यदि तु लेता रहा होएगा
3 If he, she or it should have
been taking यदि वह लेता रहा
होवे गा या लेतो रहो होवे गो

ing यदि तुम लेते रहें होगे
3 If they should have been tak-
ing यदि वे लेते रहें होएंगे

Imperative mood—आज्ञा सूचक रूप

३ Take ले or take thou लेतू

2 Take लो or take ye or you लोतुम

Infinitive mood—सामान्य रूप

Indefinite, to take लेना

Perfect to have taken लेचकना

Imperfect, to be taking लेते रहना

Perfect continuous, to have been
taking लेते हुए रहचुकना

GERUND

Taking लेना

To take लेना

PARTICIPLES

Imperfect, taking लेता हुआ

Compound perfect participle having taken लिया हुआ

Perfect or past taken लिया हुआ

Perfect continuous, having been taking लेते रहते हुए

PASSIVE VOICE

TRANSITIVE REGULAR VERB TO 'REACH'

-INDICATIVE MOOD

Present Indefinite सामान्य वर्तमान

1 I am reached मैं पहुँचाया
गया हूँ

I, We are reached हम पहुँचाए
गए हैं

2 Thou art reached तू पहुँचाया
गया है

2 You are reached तुम पहुँचाए
गए हो

Future Perfect—पूर्ण भविष्य

- | | |
|--|--|
| 1 I shall have been reached
मैं पहुँचाया जा चुका गा | 1 We shall have been reached
हम पहुँचाए जा चुकेगे |
| 2 Thou wilt have been reached
तू पहुँचाया जा चुकेगा | 2 You will have been reached
तुम पहुँचाए जा चुकेगें |
| 3 He she or it will have been
reached वह पहुँचाया जा चुकेगा
या पहुँचाई जा चुकेगी | 3 They will have been reached
वे पहुँचाए जा चुकेगे |

Perfect continuous—पूर्णापूर्ण काल

Wanting—नहीं होता

SUBJUNCTIVE MOOD

Present Indefinite—सामान्य वर्तमान

- | | |
|---|---|
| 1 If I be reached यदि मैं पहुँ-
चाया जाऊँ | 1 If we be reached यदि हम पहुँ-
चाए जाएँ |
| 2 If thou be reached यदि तू पहुँ-
चाया जाय | 2 If you be reached यदि तुम पहुँ-
चाए जाओ |
| 3 If he, she or it be reached यदि
वह पहुँचाई जाए या पहुँचाया जाए | 3 If they be reached यदि वे पहुँ-
चाए जाएँ |

Past Indefinite—सामान्य भूत

- | | |
|---|---|
| 1 If I were reached यदि मैं पहुँ-
चाया जाता | 1 If we were reached यदि हम
पहुँचाए जाते |
| 2 If thou wert reached यदि तू
पहुँचाया जाता | 2 If you were reached यदि तुम
पहुँचाए जाते |
| 3 If he, she or it were reached यदि
वह पहुँचाया जाता या पहुँचाई जाती | 3 If they were reached यदि वे
पहुँचाए जाते । |

Future Indefinite सामान्य भविष्य

- | | |
|---|---|
| 1, If I should be reached
यदि मैं पहुँचाया जाऊँ | 1, If we should be reached
यदि हम पहुँचाए जाएँ |
| 2, If thou would be reached
यदि तू पहुँचाया जाए | 2, If you would be reached
यदि तुम पहुँचाए जाओ |
| 3, If he, she or it would be
reached यदि वह पहुँचाया जाए | 3 If they would be reached
यदि वे पहुँचाए जाएँ |

Present Imperfect—अपूर्ण वर्तमान

Wanting—नहीं होता

Past Imperfect—अपूर्ण मृत

- | | |
|---|---|
| 1 If I were being reached यदि मैं
पहुँचाया जाता था | 1, If we were being reached
यदि हम पहुँचाए जाते थे |
| 2, If thou wert being reached
यदि तू पहुँचाया जाता था | 2, If you were being reached
यदि तुम पहुँचाए जाते थे |
| 3, If he, she or it were being
reached यदि वह पहुँचाया जाता
था या पहुँचाई जाती थी | 3 If they were being reached
यदि वे पहुँचाए जाते थे। |

Future Imperfect—अपूर्ण भविष्य

Wanting नहीं होता

Present Singular—पूर्ण वर्तमान

Singular एकवचन

Plural एकवचन

- | | |
|--|--|
| 1, If I have been reached
यदि मैं पहुँचाया गया हूँ | 1, If we have been reached
यदि हम पहुँचाए गए हैं। |
| 2 If thou hast been reached
यदि तू पहुँचाया गया है। | 2, If you have been reached
यदि तुम पहुँचाए गए हैं। |

- 3, If he, she, or it has been reached यदि वह पहुँचाया गया है या पहुँचाई गई।
- 3, If they have been reached यदि वे पहुँचाये गये हैं।

Past Perfect—पूर्ण भूत

Singular एकवचन

- 1, If I had been reached

यदि मैं पहुँचाया गया था

- 2, If thou hadst been reached

यदि तू पहुँचाया गया था

- 3, If he, she or it had been reached

यदि वह पहुँचाया गया था या

पहुँचाई गई थी।

Plural बहुवचन

- 1, If we had been reached

यदि हम पहुँचाए गए थे

- 2, If you had been reached

यदि तुम पहुँचाए गए थे

- 3, If they had been reached

यदि वे पहुँचाए गये थे।

Future Perfect—पूर्ण भविष्य

Singular एक वचन

- 1, If I should have been reached

यदि मैं पहुँचाया जा चुकेगा

- 2, If thou would have been reached

यदि तू पहुँचाया जा चुकेगा

- 3, If he, she or it would have been reached

यदि वह पहुँचाया जा चुकेगा या

पहुँचाई जा चुकेगी

Plural बहुवचन

- 1, If we should have been reached

यदि हम पहुँचाये जा चुकेगे

- 2, If you would have been reached

यदि तुम पहुँचाए जा चुकेगे

- 3, If they would have been reached

यदि वे पहुँचाए जा चुकेगे

Perfect continuous—पूर्णपूर्ण काल

Wanting नहीं होता

जानना चाहिये कि जिन verbs के अन्त में ss, sh, ch, x या o हो तो उनके Indicative mood के Present tense के third Person Singular का रूप

verb के पद्यात os बढ़ा देने से बनता है। जैसे—she dresses वह कपड़े पहनती है। He marches वह कूच करता है। It goes वह जाता है। इसी प्रकार जिन verbs के अन्त में y होंगे उन में est, es, eth और ed बढ़ाने के पहले y को 1 से बदल देना चाहिये। जैसे—Thou driest तू सुखाता है। she dries or drieth वह सुखाती है। We duel हमने सुखाया। और यदि y के पहले कोई vowel होतो कभी 2 y जैसी की तैसी बनौ रखती है। जैसे—he played उसने प्रार्थना की। she said उसने कहा।

जानना चाहिये कि Subjunctive mood जिस समय मनोरथ प्रगट करता है तब उस वाक्य के पहले जा कि Subjunctive mood के वाक्य पर निर्भर करता है उस वाक्य के पहले 'that' अथवा 'lest' प्रयोग में आता है और 'that' के पद्यात 'may' या 'might' आता है और 'lest' के पद्यात 'should'। जैसे—

I keep your book } lest you should lose it
that you might not lose it

मैं तुम्हारी पुस्तक इस मनोरथ से रखता हूँ कि तुम उसे खो न दो।

जब verb किसी प्रकार की शर्त प्रगट करता है तब उसके पहले 'if' लगाते हैं। और उस verb में जो उस शर्त का फल प्रगट करता है उसके पहले 'would' लगाते हैं। जैसे—If he should see me he would know me at once यदि वह मुझसे मिले तो वह मुझको तत्काल पहचान लेगा।

कभी २ ऐसा भी होता है कि if, को प्रयोग में नहीं लाते और nominative के पहले should, 'had' या 'were' को लाते हैं। जैसे—should he see me he would know me at once यदि वह मुझसे मिलता तो वह मुझ को तत्काल पहचान लेता। And he seen me he would have known me यदि वह मुझसे मिला होता तो वह मुझको पहचान गया होता। now I there I would pay you यदि मैं वहा होता तो मैं तुमका तुम्हार टाम चुका देता।

5—Adverb।

An adverb is a word which qualifies a verb an adjective or an other adverb क्रिया विशेषण या (जर्फ) वह शब्द है जो किसी क्रिया विशेषण या क्रिया विशेषण का गुण प्रगट करे। यह स्थान, रीति, स्वीकारण अस्वीकरण, कारण, दशा आदि के प्रगट करनेके निम्न प्रयोग में आता है।

- 3, If he, she, or it has been reached यदि वह पहुँचाया गया है या पहुँचाई गई।
- 3, If they have been reached यदि वे पहुँचाये गये हैं।

Post Perfect—पूर्ण भूत

Singular एकवचन

Plural बहुवचन

- | | |
|---|---|
| 1, If I had been reached
यदि मैं पहुँचाया गया था | 1, If we had been reached
यदि हम पहुँचाए गए थे |
| 2, If thou hadst been reached
यदि तू पहुँचाया गया था | 2, If you had been reached
यदि तुम पहुँचाए गए थे |
| 3, If he, she or it had been reached
यदि वह पहुँचाया गया था या
पहुँचाई गई थी। | 3, If they had been reached
यदि वे पहुँचाए गये थे। |

Future Perfect—पूर्ण भविष्य

Singular एक वचन

Plural बहुवचन

- | | |
|--|---|
| 1, If I should have been reached
यदि मैं पहुँचाया जा चुकेगा | 1, If we should have been reached
यदि हम पहुँचाये जा चुकींगे |
| 2, If thou would have been reached
यदि तू पहुँचाया जा चुकेगा | 2, If you would have been reached
यदि तुम पहुँचाए जा चुकींगे |
| 3, If he, she or it would have been reached
यदि वह पहुँचाया जा चुकेगा या पहुँचा जा चुकीगी | 3, If they would have been reached
यदि वे पहुँचाए जा चुकींगे |

Perfect continuous—पूर्णापूर्ण ज्ञान

Wanting नहीं होता

जानना चाहिये कि जिन verbs के अन्त में es, sh, ch, \ या o हो तो उनके Indicative mood के Present tense के third Person Singular का रूप

verb के पश्चात् es बढा देने में बनता है। जैसे —she dresses वह कपडे पहनती है। He Marches वह कूच करता है। It goes वह जाता है। इसी प्रकार जिन verbs के अन्त में y हों तो उन में est, es, eth और ed बढाने के पहले y को 1 से बदल देना चाहिये। जैसे —Thou driest तू सुखाता है। she dries or drieth वह सुखाती है। We dried हमने सुखाया। और यदि y के पहले कोई vowel हो तो कभी 2 y जैसी की तैसी बनी रहती है। जैसे —he prayed उसने प्रार्थना की। she said उसने कहा।

जानना चाहिये कि Subjunctive mood जिस समय मनोरथ प्रगट करता है तब उस वाक्य के पहले जा कि Subjunctive mood के वाक्य पर निर्भर करता है उस वाक्य के पहले 'that' अथवा 'lest' प्रयोग में आता है और 'that' के पश्चात् 'may' या 'might' आता है और 'lest' के पश्चात् 'should'। जैसे —

I keep your book } lest you should lose it
that you might not lose it

मैं तुम्हारी पुस्तक इस मनोरथ से रखता हू कि तुम उसे खो न दो।

जब verb किसी प्रकार की शर्त प्रगट करता है तब उसके पहले 'if' लगाते हैं। और जब verb में जो उस शर्त का फल प्रगट करता है उसके पहले 'would' लगाते हैं। जैसे —If he should see me he would know me at once यदि वह मुझसे मिले तो वह मुझको तत्काल पहचान लेगा।

कभी 2 ऐसा भी होता है कि if, को प्रयोग में नहीं लाते और nominative के पहले 'should', 'had' या 'were' को लाते हैं। जैसे—should he see me he would know me at once यदि वह मुझसे मिलता तो वह मुझको तत्काल पहचान लेता। Had he seen me he would have known me यदि वह मुझसे मिला होता तो वह मुझको पहचान गया होता। were I there I would pay you यदि मैं वहा होता तो मैं तुमको तुम्हारे ढाम चुका देता।

5—Adverb।

An adverb is a word which qualifies a verb an adjective or an other adverb क्रिया विशेषण या (जर्फ) वह शब्द है जो किसी क्रिया विशेषण या क्रिया विशेषण का गुण प्रगट करे। यह स्थान, रीति, स्वरूप, प्रसी-करण कारण, दशा आदि के प्रगट करनेके लिये प्रयोग में आता है।

Adverb दो प्रकार के होते हैं—Simple और compound मयित र सुरक्षित Simple adverb- केवल शब्दोंका गुण बतलाते हैं। जैसे—He went away quickly वह गीघ्रता के साथ चला गया। Compound adverbs शब्द का गुण प्रगट करते हैं और वाक्यों को भी जोड़ते हैं। जैसे—He went there when all had come वह वहा चला गया जब सब आगए थे।

Adverbs अनेक प्रकार के होते हैं —

- 1 Adverbs of quality गुण वाचक या जफे जमा हालिया जो क्रिया कागु बताने, जैसे—ill well आदि।
- 2 Adverbs of time काल वाचक या जफे जमों जो क्रिया काल प्रगट करते हैं जैसे—Afterwards पीछे again फिर, too भी already अभी, always सर्वदा, while थोड़ी देर।
- 3 Adverbs of Place स्थान वाचक, या जफे सका जैसे—above ऊपर afar दूर, apart अलग, around चारों ओर आदि।
- 4 Adverbs of degree or Quantity परिमाण वाचक क्रिया विशेषण या जफे निकटारिया जैसे—almost—प्राय altogether बिलकुल आदि।
- 5 Numeral Adverb या संख्या वाचक, जैसे—once एकवार—twice दोवार—thrice—तीनवार आदि।
- 6 Relative or conjunctive संबंध वाचक, जैसे when जब while जबतक why जिस कारण, whence जहा से, as जैसे, how कैसे आदि।
- 7 Interrogative या प्रश्न वाचक या जफे इत्तफहामी। जैसे—why क्यों ? where कहा ?

इसके अनिश्चित adverbs के और भी कई भेद होते हैं। जैसे—adverbs of manner रानिस्चक क्रिया विशेषण या जफे तफजील जैसे—wisely बुझिमानी से, foolishly—मूर्खता से, quickly—जल्दी से। ऐनों का Comparison भी होता है जैसे—wisely, more wisely, most mostly, soon, sooner, soonest ill, worse, worst, well better, best Adverb of belief विश्वासक क्रिया विशेषण जफे ऐतकादी and disbelief अविश्वासक क्रिया विशेषण जफे नाऐतकादी जैसे—no नहीं, surely निश्चय पृथक Perhaps कदाचित, indeed सचमुच। Adverbs of negation अस्वीकरण क्रिया, जैसे—no नहीं not नहीं। Adverbs

of Comparison तुलना सूचक क्रिया विशेषण या जर्फ़ मुशायरत जैसे—than से, so ऐसा, as जैसा आदि।

बहुत से adverbs Preposition के जोड़नेसे बनते हैं। जैसे—there-in उसमें, there-from उससे, there with उसके साथ, here upon इस पर आदि।

जो adverbs दो या तीन शब्दों में मिलकर बातें हैं वह adverbial Phrase क्रिया विशेषण सम्बन्धित वाक्य खण्ड या फ़िरा दर्फ़ या कहलाते हैं। जैसे—at random निरुद्देश्य, at last अन्त में, by and by याही देरमें, now and then कभी २, In Particular विशेषकर, at least कमसे कम, Non-adverb आज कल, बहुत से adverbs केवल adjective में ly लगाने से बनते हैं। जैसे—bad, badly, wise, wisely

कभी कभी noun से भी adverb बनते हैं, जैसे—day, daily, week, से weekly, foot से १-foot (पेहने) shore से १shore किनारे किनारे

८-PREPOSITION

Preposition उपसर्ग या हफ़ अक्षिफ़ एक शब्द है जो किसी noun या pronoun का सम्बन्ध किसी दूसरे noun या pronoun के साथ प्रगट करने के लिये किसी वाक्य में उसी noun या pronoun के पद ले रक्खा जाता है। जैसे—He went from Patna to Kashi वह पटना से काशी को गया। यहाँ 'from' यात्रा के उस स्थान को प्रगट कारता है जहाँ से वह प्रारम्भ हुआ और 'to' लक्ष्य, मसाम हुई। जिस noun या pronoun के पहले to आता है वह सदा Objective case में होता है।

Preposition अनेक प्रकार के होते हैं—स्थान सम्बन्धक जैसे—in भीतर on पर upon ऊपर, under नीचे। preposition of 'time काल वाचक या हफ़े जमा जैसे। after sunset सूर्यास्त के पश्चात्, within 5 minutes पांच मिनटों भीतर। बहुत से agent, cause या purpose प्रगट करते हैं जैसे—by/से with साथ, through भीतर से between बीचमें आदि।

एक ही शब्द adverb और preposition और conjunction भी होते हैं, जिन का कि निश्चय भेद प्रयोग के समय अत्र से जाना जाता है। जैसे—but जो नहीं सिवाय परन्तु केवल।

LIST OF PREPOSITION

Words शब्दार्थ

About (ऐबाउट) लगभग	Amidst (ऐमिडस्ट) }	बीच में
Before (बिफोर) पहले	Among (ऐमग) }	
	Amongst (ऐमगस्ट) }	
Above (एबव) ऊपर	Beyond (बियौड) परे	
Below (बिलो) नीचे	But (बट) सिवाय	
Across (ऐक्रास) पार पार	By (बे, पास)	
Behind (बिहाइन्ड) }	Around (ऐराउंड) चारों ओर	
After (आफ्टर) }	At (ऐट) ओर	
Against (एगेस्ट) विरुद्ध	Concerning (कंसर्निंग) बाबत	
Beside (बिसाइड) पाम	Except (एक्सेप्ट) सिवाय	
Besides (बिसाइड्स) अतिरिक्त	For (फॉर) लिये	
Along (एलॉग) साथ साथ	From (फार्म) से	
Amid (ऐमिड) }	Down (डाउन) नीचे	
Between (बिटवीन) }	Throughout (थ्रूआउट) आदिसे अन्ततक	
During (ड्युरिंग) में, तक	To (टू) को	
In (इन) }	Up (अप) }	
Into (इन्टू) }	Upon (अपॉन) }	
Near (नीयर) }	Till (टिल) }	
Nigh (नाइ,) पाम	Until (अटिल) }	
Of (ऑफ) का	Toward (टवार्ड) }	
Off (ऑफ) दूर	Towards (टुवार्ड्स) }	
Over (ओवर) ऊपर	Under (अण्डर) }	
Save (सेव) सिवाय	Underneath (अण्डरनीड) }	
Since (सिंस) जब से	Within (विदीन) भीतर	
Regarding (रिगार्डिंग) सम्बन्ध में	With (विथ) साथ	
Through (थ्रू) बीचमें हो कर	Without (विदाउट) बिना	

7—CONJUNCTIONS

Conjunctions are words which join two words and sentences या

सम्बन्ध हफे अलिफ वे शब्द हैं जोकि दो शब्दों ओर वाक्यों को मिलाते हैं।

Sentences वाक्य ३ तीन प्रकार होते हैं —

(१) जिस वाक्य में एक ही subject उद्देश्य और एक ही predicate विधेय हो उस sentence को simple sentence—साधारण वाक्य कहते हैं। जैसे—*rain falls*—मेघाच्छन्न हो रहा है।

(२) जिन वाक्य में दो वा दो से अधिक साधारण वाक्य स्वाधीनता पूर्वक होते हैं वह वाक्य Compound sentence मिश्रित वाक्य या जुमला सुराक्षक कहलाते हैं, जैसे—*He was fatigued, for he worked* वह थक गया था क्योंकि उसने कठिन परिश्रम की।

(३) जिन वाक्य में वह वाक्य मुख्य हो और उसपर उससे छोटे छोटे वाक्य उससे अधीनहो तो ऐसे वाक्य को Complex sentence विषम वाक्य या जुमला मुदाहम कहते हैं। जैसे,—*If rain will fall, I can not go* यदि पानी बरसे गा तो मैं नहीं आ सकता। इसी प्रकार से Conjunction दो प्रकार के होते हैं—Co-ordinate (को ऑर्डिनेट) स्वाधीन या हम दर्जा Subordinate (सबोर्डिनेट) अधीन। Co-ordinative, conjunction स्वाधीन समन्वय या प्रतिफेडम दर्जा इस नियम से जानते हैं कि वे अपने समानान्तर श्रेणी के वाक्यों को जोड़ते हैं। जैसे—*He will come and I will go* वह आयेगा और मैं जाऊंगा। Co-ordinative conjunctions चार प्रकार के होते हैं Copulatives (कॉपुलेटिवज) जो कि एक वाक्य का दूसरे वाक्य से केवल जोड़ देते हैं वह यह हैं *and, both and, also, too, as well as, no less than, not only, but, also, now, well* Alternatives (आल्टरनेटिवज) जिस से यह प्रगट होता है कि दो वाक्यों में से कौन सा वाक्य पसंद किया गया है। वह यह हैं—*Either or, neither nor other wise, else, or*

Adversatives (ऐडवर्सरीटिवज) से एक वाक्य से दूसरे वाक्य का मिलान किया जाता है। वह यह हैं—*But, still, yet, nevertheless, however, whereas, while, only*

Illatives (इल्लेटिवज) से एक वाक्य का दूसरे वाक्य से परिणाम या फल प्रकाश होता है। वह यह हैं—*Therefore, then, so, for*

Subordinative conjunctions अधीन समन्वय या प्रतिफेडम दर्जा इस नियम से कहलाए जाते हैं कि वे मुख्य वाक्य में छोटे छोटे वाक्यों को अधीनता

Hark ! सुनो ! Hush ! चुप चुप ! Hist ! चुप चुप ! खामोश खामोश !
 Reproof—फिटकी मनामत—Fie ! fie ! छी ! छी ! लाहील ! Contempt or
 Ridicule—घृणानकरत या मसखरीमजाक
 Stuff ! वाहियात ! Bosh ! खुगपात !
 Tut-tut ! छी ! छी ! लाहील !
 pooh ! छी ! छी ! लाहील !
 Pish ! छी ! छी !
 ' Pshaw (शॉ) छी ! छी ! फिग !
 Tush ! (टश) छी ! छी ! वाहियात !

111 SYNTAX

Syntax वाक्य पद्धतिया नहू से शब्दों के द्वारा पदों की रचना करने का बोध होता है ।

(1) Verb और subject सदा एकही Number और Person के होते हैं जैसे—He comes वह आता है । Thou sitest तू बैठता । I see मैं देखता हूँ ।

(2) मुख्य नियमानुसार subject अपने verb के पहले आता है, पर कभी कभी इस नियम के विरुद्ध भी हो जाता है—

(१) जब कि verb Intransitive हो और उसके पहले adverb "there" हो जैसे—there was a king—एक कोई राजा था, इस अवकाश पर 'there' केवल वाक्य के आरम्भ करनेके लिये आता है और उसके कोई मानी नहीं होते ।

(२) जब कि verb प्रश्न पूछने के लिये प्रयुक्त होता है । जैसे—How came you here ? तुम यहाँ कैसे आए ?

(३) जब कि verb Imperative mood में होता है । जैसे—Go ye unto all the world and preach the Gospel to every creature तुम सारे ससार में जाओ और प्रत्येक जीव को यीशु के धर्म का उपदेश करो ।

(४) जब कि verb subjunctive mood में अभिनाया वा मनोरथ के अभिप्राय से प्रगट किया जाता है या auxiliary verb "may" की सहायता से अभिनाया प्रगट को जाती है । जैसे—Long live the king—महाराज कि चिरायु हो may he never come again—बड़ फिर कभी न आवे ।

(५) जब कि verb-subjunctive mood में शर्त प्रगट करता है और 'if' प्रयोग में नहीं आता। जैसे—had he met me, he would have known me यदि वह मुझ से मिलता तो मुझे पहचान लेता।

(६) जब कि verb किसी के सटीक वाक्य की सूचना देता है और जब कि वह सूचित वाक्य के मध्य में प्रयोग किया जाता है। जैसे—"agreed" said the prince "we will go there to night" राज पुत्रने कहा "माना" "हम आज की रात वहा चलेंगे"। "let me not live", quoth he अपने कहा 'मुझ की मत् जीने दो'।

(७) जब कि वाक्य के प्रारंभ में adjective या participle का प्रयोग उस पर भार देने के लिये किया जाता है। जैसे—Great was the delight of our king हमारे महाराजका आनंद बड़ा भारी था। Blessed is the man that walketh not on the path of the wicked—वह मनुष्य धन्य है जो कि दुष्ट जन की मार्ग पर नहीं चलता।

(८) जब कि वाक्य के पहले adverb का प्रयोग उसपर भार देने के अभिप्राय से किया जाता है। जैसे—Up rose the men at the word of command आज्ञा पाती ही लोगो ने अपनी अपनी हथियार सभासे।

(९) जब दो Simple sentences (साधारण) वाक्यओ बराबर बराबर Conjunctions से जोड़े जाते हैं तब subject किसी एक वाक्य के verb या auxiliary के पश्चात रखा जाता है। जैसे—so rotten was the boat that it very soon sank नाव ऐसी सड़ गई थी कि वह बहुत ही शीघ्र डूब गई। As men sow, so will they reap जो कुछ मनुष्य बोते हैं वैसे ही फल पाने हैं।

(१०) जब कि Object किसी verb के पहले भावने के लिये आता है तब Subject की अवश्य उस verb के पश्चात प्रयोग में जाना चाहिये। जैसे—Silver and gold have I none मेरे पास चांदी और सोना नहीं है।

POSITION OF OBJECT

३—जब कि Object Relative या Interrogative pronoun होता है या वाक्य पर भार देने के वाक्य प्रयोग किया जाना है तो सदा verb के पहले प्रयोग किया जाता है। इसके विवाय object सदा verbal के पश्चात ही प्रयोग में आता है।

जैसे—The house we live in has fallen down वह घर गिरपड़ा है जिस में हम रहते हैं। What kind of food do you relish well कौन सा भोजन आप को स्वादिष्ट मालूम होता है Silver and gold have I none मेरे पास चादी और सोना नहीं है।

He gave him a book—उसने उसको एक पुस्तक दी।

Adjective Participle या noun या Pronoun जोकि Possessive case में हो या noun या Gerund का प्रयोग Adjective के समान होने के सिवाय और किसी शब्द को verb और adjective के मध्य में कदापि नहीं प्रयोगमें लाना चाहिये जैसे—I have selected the best boys of the school मैंने उस पाठशाला के अत्युत्तम लड़के चुन लिये हैं। I found my friend's house मुझ को अपने मित्र का घर मिला गया। Call for the village watch man उस दिहाती चौकीदार को बुला भेजो।

RELATIVE AND ANTECEDENT

5—A Relative pronoun या Relative adverb जहातक सम्भव हो antecodent के निकटस्थ अवस्थ रखना चाहिये। जैसे—He is man, who comes to you यह वही मनुष्य है जो तुम्हारे पास आया करता है।

PREPOSITION AND OBJECT

5—केवल गद्य में Preposition अपने object के पहले बहुत ही पास रखा जाता है, पर जब कि object "whom" "which" या "what" होता है तो object पहले और Preposition वाक्य के अंत में रखा जाता है। जैसे—That is the boy whom we were looking for यह वही लड़का है जिस को कि हम लोग ढूँढ़ रहे थे। Which of these chairs did you sit on? इन कुर्सियों में से तुम किस पर बैठे ?

6—पद्य में वही कभी object के पश्चात् Preposition आता है। जैसे—The banks of the river he went along—वह उस नदी के किनारे किनारे गया।

7—कौई एक Noun किसी दूसरे noun के या Pronoun के साथ में समान

धिकरण कहनाता है जब कि उन दोनों के case एक ही हों। जैसे—*I, the man you were looking for, am here*—मैं, वही आदमी यहाँ पर हूँ, जिस को कि आप ढूँढ़ रहे थे।

8—Finite verb (not auxiliary) सहायक क्रिया का number और person वही रहना चाहिये, जोकि उस के subject का number और person हो।

9—Personal pronoun के first और second person के सिवाय subject के verb का person सदा third person में हुवा करता है। जैसे—

(Noun) *An ant is crawling* एक चींटी रेंग रही है।

(Pronoun) *He returns to us tomorrow* वह हमारे पास कल लौटेगा।

(Infinitive) *To err is human* चूक आदमी हो से होती है

(Gerund) *Sleeping is useful* निद्रा लाभदायक होती है

* (Phrase छोटा वाक्य) *How to do this was unknown to every one*

* (Clause वाक्य का बड़ा विभाग) *How to do this is not known* यह मालूम नहीं होता इसे कैसे करें।

10—जब कि दो वा दोसे अधिक subject एक ही person के न हो और 'and' से जोड़े जावे तो second person की अपेक्षा verb का first person और third person की अपेक्षा second person होता है और first person को धन में रखना चाहिये। जैसे—*Ram, you and I are (we are) great friends* राम तुम और हम (मैं) बड़े दोस्त हैं।

11—जब कि दो Subject 'or' या 'nor' से मिलाए जाते हैं तो verb अपना सम्बन्ध उस subject से रखता है जो कि उस के निकटस्थ रहता है। जैसे—*Either you or Ram is going* राम चाहे तुम जा रहे हो।

12—जब कि दो subject "as well as" से मिलाए जाते हैं, तो verb अपना संबंध पहले subject से रखता है। जैसे—*My friends as well I were going* मैं वैसे ही मेरे दोस्त भी जा रहे थे।

13 जब कि दो या अधिक singular nouns "and" से मिलाए जाय तो verb

* शब्दों का समूह किन से पधूरा मतलब मिलता है phrase कहलाता है।

* बड़े वाक्य के विभाग को clause कहते हैं।

जैसे—The house we live in has fallen down यह घर गिरपड़ा है जिस में हम रहते हैं। What kind of food do you relish well कौन सा भोजन आप को स्वादिष्ट मालूम होता है Silver and gold have I none मेरे पास चांदी और सोना नहीं है।

He gave him a book—उसने उसको एक पुस्तक दी।

Adjective Participle या noun या Pronoun जोकि Possessive case में हो या noun या Gerund का प्रयोग Adjective के समान होने के सिवाय और किसी शब्द को verb और adjective के मध्य में कदापि नहीं प्रयोगमें लाना चाहिये जैसे—I have selected the best boys of the school मैंने उस पाठशाला के श्रेष्ठतम लड़के चुन लिये हैं। I found my friend's house—मुझ को अपने मित्र का घर मिला गया। Call for the village watchman उस दिहाती चौकीदार को बुला भेजो।

RELATIVE AND ANTECEDENT

5—A Relative pronoun या Relative adverb जहा तक सम्बन्ध हो antecedent के निकटस्थ अवश्य रखना चाहिये। जैसे—He is man, who comes to you यह वही मनुष्य है जो तुम्हारे पास आया करता है।

PREPOSITION AND OBJECT

5—केवल वाक्य में Preposition अपने object के पहले बहुत ही पास रखा जाता है, पर जब कि object "whom" "which" या "what" होता है तो object पहले और Preposition वाक्य के अंत में रखा जाता है। जैसे—That is the boy whom we were looking for यह वही लड़का है जिस को कि हम लोग ढूँढ़ रहे थे। Which of these chairs did you sit on? इन कुर्सियों में से तुम किस पर बैठे?

6—वाक्य में वही कभी object के पश्चात् Preposition आता है। जैसे—The banks of the river he went along—यह उस नदी के किनारे किनारे गया।

7—कौन एक Noun किसी दूसरे noun के या Pronoun के साथ में समान

Reported speech को ऐसे समय Inverted commas (इनवर्टेड कामान)
 धर्यात चयतरण चिन्ह " " के मध्य में लिखा चाहिये। जैसे — कि उपर
 दृष्टात में दिखाया गया है।

याद रखना चाहिय कि Direct narration होता English भाषा में 'that'
 नहीं जोड़ा जाता।

यदि बोलने वाले शब्दों के भावार्थ को Reported speech प्रगट करता है
 तो उसको Indirect narration कहते हैं जैसे = He said that he would
 go उसने कहा कि मैं जाऊंगा ऐसे समय Indirect narration में 'that' उपयुक्त
 हुवा करता है, Reporting verb का tense कभी नहीं बदला जाता पर Report-
 ed speech का tense direct narration से Indirect narration के बनाने
 में बदलता रहता है।

यदि Reporting verb का tense 'present' या 'Future' हो तो Repor-
 ted speech का tense नहीं बदलता।

Reporting verb

Reported speech

Direct He tells you

" I am coming "

Indirect He tells you

that he is coming

Direct He will say

" Thou art wrong

Indirect He will tell

that thou art wrong

ऐसे समय में 'he' से तात्पर्य का बोध भली प्रकार से न होने के कारण 'he' के
 पचात नाम लिख देना चाहिये

यदि 'Reporting verb' past tense में हो तो 'Reported speech' भी past
 tense में होना चाहिये, यदि 'Reporting verb' past indefinite में हो तो Re-
 ported speech past perfect में होना चाहिये, और यदि Past continuous
 'Reporting verb' में हो तो 'Reported speech' में Past perfect continuous
 होना चाहिये

Reporting verb से

Reported speech में

Shall

should

Will

would

May

might

भार देना हो तो *adverb* की *sentence* के प्रथम में रख 11 चाहिये। जैसे—*luckily* all were not inside, when the beam gave way देव सयोग सब भीतर न थे जिस समय कि कड़ी (धरन) गिर पड़ी।

Only शब्द का अर्थ इसके स्थानोप प्रयोग पर निर्भर है। जैसे—*only* he promised to go to calcutta—केवल उसी ने कलकत्ते जानने की प्रतिज्ञा की। यहाँ *only* *adverb* नहीं, किन्तु *adjective* है क्योंकि यह सर्वनाम 'he' का गुण प्रगट करता है। He *only* promised to go to calcutta उसने कलकत्ते जानने की केवल प्रतिज्ञा की, यहाँ "only" *adverb* है और "promised" का गुण प्रगट करता है। जिस का अर्थ होता है कि केवल प्रतिज्ञा ही की पर गया नहीं। He promised *only* to go to calcutta उसने कलकत्ते केवल जानने की प्रतिज्ञा की (पर कब और कबतक वहाँ उठरने की नहीं)। यहाँ 'only' *verb* "to go" को qualify करता है और 'only' यहाँ इसलिये *adverb* है। He promised to go *only* to calcutta city उसने केवल कलकत्ते ही (और कहीं नहीं) जानने की प्रतिज्ञा की यहाँ 'only' *adverb* है क्योंकि *proper adjective* calcutta का गुण वर्णन करता है। He promised to go to calcutta *only* केवल उसने कलकत्ते जानने की प्रतिज्ञा की अर्थात् केवल उसके मुँह से इतना वाक्य निकला कि मैं कलकत्ते जानने की प्रतिज्ञा करता हूँ।

DIRECT AND INDIRECT NARRATION

जब कि एक *sentence* का *verb* बोलने वाले के उस तात्पर्य को प्रगट करता है कि जो कुछ कि उसने दूसरे वाक्य में वर्णन किया है तो पहले *sentence* के *verb* को *Reporting verb* (सम्पादक क्रिया) कहते हैं और दूसरे वाक्य के *verb* को *Reported speech* (सम्पादित वचन) कहते हैं। जैसे—

Reporting verb

He said उसने कहा

Reported speech

"He will go" कि वह जाएगा

Reported speech बोलने वाले के सटीक शब्दों में वा उसकी भावाय से प्रगट किया जाता है। इसी प्रकार जब कि बोलने वाले के सटीक शब्दों में जिस *Reported speech* को प्रगट करते हैं तो उस *speech* को *Direct narration* कहते हैं।

Reported speech को ऐसे समय Inverted commas (इनवर्टेड कॉमाज़) पर्याप्त अवतरण बिंदु " " के मध्य में लिखा चाहिये। जैसे — कि उपर दृष्टान्त में दिखाया गया है।

याद रखना चाहिये कि Direct narration होता English भाषा में 'that' नहीं जोड़ा जाता।

यदि बोलने वाले शब्दों के भावार्थ को Reported speech प्रगट करता है तो उसको Indirect narration कहते हैं जैसे = He said that he would go उसने कहा कि मैं जाऊंगा ऐसे समय Indirect narration में 'that' अवश्य प्रयुक्त होता है, Reporting verb का tense कभी नहीं बदला जाता पर Reported speech का tense direct narration से Indirect narration के बनाने में बदलता रहता है।

यदि Reporting verb का tense 'present' या 'Future' हो तो Reported speech का tense नहीं बदलता।

Reporting verb	Reported speech
Direct He tells you	"I am coming"
Indirect He tells you	that he is coming
Direct He will say	"Thou art wrong"
Indirect He will tell	that thou art wrong

ऐसे समय में 'he' से तात्पर्य का बोध भली प्रकार से न होने के कारण 'he' के पर्याप्त नाम लिख देना चाहिये

यदि 'Reporting verb' past tense में हो तो 'Reported speech' भी past tense में होना चाहिये यदि 'Reporting verb' past indefinite में हो तो Reported speech past perfect में होना चाहिये, और यदि Past continuous 'Reporting verb' में हो तो 'Reported speech' में Past perfect continuous होना चाहिये

Reporting verb से	Reported speech में
Shall	should
Will	would
May	might

Can	could
Come	came
Is coming	was coming
Has been coming	had been coming
Direct He said "the man shall come"	Present
Indirect He said that the man should come	Past
उसने कहा कि वह मनुष्य आवेगा	
Direct He said "the man will come"	Present
Indirect He said that the man would come	Past
उसने कहा कि वह मनुष्य आएगा	
Direct He said "the man may come"	Present
Indirect He said that the man might come	Past
उसने कहा कि वह आसमी या सक्ता है	
Direct He said "the man can come"	Present
Indirect He said that the man could come	Past
उसने कहा कि वह मनुष्य आ सक्ता है	
Direct He said "the man comes"	Present Indefinite
Indirect He said that the man came	Past Indefinite
उसने कहा कि वह मनुष्य आता है	
Direct He said "the man is coming"	Present Continuous
Indirect He said that the man was coming	Past continuous
उसने कहा कि वह मनुष्य आ रहा है	
Direct He said "the man has come"	Present perfect
Indirect He said that the man had come	Past perfect
उसने कहा कि वह मनुष्य आ चुका है	
Reporting verb	Reported speech
Direct He said the man has been coming	Perfect continuous
Indirect He said that the man had been coming	PP continuous
उसने कहा कि वह मनुष्य आ रहा है	

Direct He said 'the man came' = Past Indefinite

Indirect He said that the man had come Past perfect

उमने कहा कि वह मनुष्य आ गया ।

Direct He said "the man was coming" Past contin

Indirect He said that the man had been coming Past per-contin

उमने कहा कि वह मनुष्य आ रहा था ।

यदि Reported speech का verb भावनीतिक अथवा स्वाभाविक वृत्तान्त का बोधक होतो Present Indefinite जैसे का तैसा ही बना रहता है जैसे —

Reported verb Reported speech

Direct He said 'the earth moves round the sun

Indirect He said that the earth moves round the sun

उमने कहा कि पृथ्वी सूर्य के चहुं ओर घूमती है ।

Direct He warned me when the cat is away the mice play

Indirect He warned me that when the cat is away the mice play

उसने मझ को चैतन्य किया जब बिल्ली दूर रहती है तब चूहे खेलते हैं ।

जब कि Reported speech में Present को Past से बदलते हैं तो adjective या verb या adverb जो कि निकटमा प्रकाश करते हैं तो उन को अनुरूप में बदलते हैं जोकि दूरी प्रकाश करते हैं । इसी तरह से

Now	को	then	में	Come	को	go	में
This or these	को	that या those	में	Today	को	that day	में
Hither	को	thither	में (उधर)	Tomorrow	को	previous day	में
Here	को	there	में	Yesterday	को	previous day	में
Hence	को	thence	में	Last night	को	previous night	में
Thus	को	so	में	Ago	को	before	में

किन्तु जब कि बोलनेवाले मझ में वाक्य के निकलते समय उक्त तालिका में से कोई भी उसके सामने उपस्थित हो तो Reported speech में उस में से किसी का भी परिवर्तन नहीं होता । जैसे—

Direct Gobind said "this is my coat"

Indirect Gobind said that this was his coat

गोबिन्दने कहा कि यह कोट मेरा है ।

Can	could
Came	came
Is coming	was coming
Has been coming	had been coming
Direct He said "the man shall come"	Present
Indirect He said that the man should come	Past
उसने कहा कि वह मनुष्य आवेगा	
Direct He said "the man will come"	Present
Indirect He said that the man would come	Past
उसने कहा कि वह मनुष्य आएगा	
Direct He said "the man may come"	Present
Indirect He said that the man might come	Past
उसने कहा कि वह आदमी आ सकता है	
Direct He said "the man can come"	Present
Indirect He said that the man could come	Past
उसने कहा कि वह मनुष्य आ सकता है	
Direct He said "the man comes"	Present Indefinite
Indirect, He said that the man came	Past Indefinite
उसने कहा कि वह मनुष्य आता है	
Direct He said "the man is coming"	Present Continuous
Indirect He said that the man was coming	Past continuous
उसने कहा कि वह मनुष्य आ रहा है	
Direct He said "the man has come"	Present perfect
Indirect He said that the man had come	Past perfect
उसने कहा कि वह मनुष्य आ चुका है	
Reporting verb	Reported speech
Direct He said the man has been coming	Perfect continuous
Indirect He said that the man had been coming	PP continuous
उसने कहा कि वह मनुष्य आ रहा है	

Direct He said 'the man came' = Past Indefinite

Indirect He said that the man had come Past perfect

उसने कहा कि वह मनुष्य आ गया।

Direct He said "the man was coming" Past contin

Indirect He said that the man had been coming Past per-contin

उसने कहा कि वह मनुष्य आ रहा था।

यदि Reported speech का verb भावबोधक अथवा स्वाभाविक वृत्तान्त का बोधक होतो Present Indefinite जैसे का तेसा ही बना रहता है जैसे —

Reported verb

Reported speech

Direct He said "the earth moves round the sun"

Indirect He said that the earth moves round the sun

उसने कहा कि पृथ्वी सूर्य के चहुँ ओर घूमती है।

Direct He warned me when the cat is away the mice play

Indirect He warned me that when the cat is away the mice play

उसने मुझ को चेतावनी किया जब किसी दर रहती है तब चूहे खेलते हैं।

अब कि Reported speech में Present को Past से बदलते हैं तो adjective verb या adverb जो कि निकटता प्रकाश करते हैं तो उन को वनरूप में बदलते हैं जोकि दूरी प्रकाश करते हैं। इसी तरह से

Now	को	then	में	Now	को	go	में
This or these	को	that or those	में	Today	को	that day	में
Hither	को	thither	में (उधर)	Tomorrow	को	previous day	में
Here	को	there	में	Yesterday	को	previous day	में
Hence	को	thence	में	Last night	को	previous night	में
Thus	को	so	में	Ago	को	before	में

किन्तु जब कि बोधनेवाले मनुष्य से वाक्य के निकलते समय उक्त तालिका में से कोई भी उसके सामने उपस्थित हो तो Reported speech में उस में से किसी का भी परिवर्तन नहीं होता। जैसे—

Direct Gobind said "this is my coat"

Indirect Gobind said that this was his coat

गोविन्दने कहा कि यह कोट मेरा है।

Can	could
Come	came
Is coming	was coming
Has been coming	had been coming

Direct He said "the man shall come" Present

Indirect He said that the man should come Past

उसने कहा कि वह मनुष्य आवेगा

Direct He said "the man will come" Present

Indirect He said that the man would come Past

उसने कहा कि वह मनुष्य आएगा

Direct He said "the man may come" Present

Indirect He said that the man might come Past

उसने कहा कि वह आदमी आ सकता है

Direct He said "the man can come" Present

Indirect He said that the man could come Past

उसने कहा कि वह मनुष्य आ सकता है

Direct He said "the man comes" Present Indefinite

Indirect, - He said that the man came Past Indefinite

उसने कहा कि वह मनुष्य आता है

Direct He said "the man is coming" Present Continuous

Indirect He said that the man was coming Past continuous

उसने कहा कि वह मनुष्य आ रहा है

Direct He said "the man has come" Present perfect

Indirect He said that the man had come Past perfect

उसने कहा कि वह मनुष्य आ चुका है

Reporting verb

Reported speech

Direct He said the man has been coming Perfect continuous

Indirect He said that the man had been coming PP continuous

उसने कहा कि वह मनुष्य आ रहा है

Direct He said 'the man came' = Past Indefinite

Indirect He said that the man had come Past perfect

उसने कहा कि वह मनुष्य आ गया।

Direct He said "the man was coming" Past contin

Indirect He said that the man had been coming Past per-contin

उसने कहा कि वह मनुष्य आ रहा था।

यदि Reported speech का verb सावर्नीकिक अथवा स्वाभाविक वृत्तान्त का बोधक होतो Present Indefinite जैसे का तैसा ही बना रहता है जैसे —

Reported verb

Reported speech

Direct He said "the earth moves round the sun

Indirect He said that the earth moves round the sun

उसने कहा कि पृथ्वी सूर्य के चहुं ओर घूमती है।

Direct He warned me when the cat is away the mice play

Indirect He warned me that when the cat is away the mice play

उसने मुझ को चेतावनी किया जब बिल्ली दूर रहती है तब चूहे खेलते हैं।

जबकि Reported speech में Present को Past से बदलते हैं तो adjective verb या adverb जो कि निकलता प्रकाश करती है तो उन को उनरूप में बदलदेते हैं जोकि दूरी प्रकाश करती हैं। इसी तरह में

Now	को	then	में	Now	को	ago	में
This or these	को	that or those	में	Today	को	that day	में
Hither	को	thither	में (उधर)	Tomorrow	को	previous day	में
Here	को	there	में	Yesterday	को	previous day	में
Hence	को	thence	में	Last night	को	previous night	में
Thus	को	so	में	Ago	को	before	में

किन्तु जब कि बोलनेवाले मह सेवाके के निकलते समय उक्त तात्त्विक में से कोई भी उसके सामने उपस्थित हो तो Reported speech में उस में से किसी का भी परिवर्तन नहीं होता। जैसे—

Direct Gobind said "this is my coat"

Indirect Gobind said that this was his coat

गोविन्दने कहा कि यह कोट मेरा है।

जब कि Reported speech Interrogative sentence होता है तो उसके 'say' या 'tell' को 'ask' या 'inquire' से बदल देते हैं जैसे —

Direct He said to me "where are you going"

Indirect He asked me where I was going.

उसने मुझ से कहा कि तुम कहा जा रहे हो

Direct .He said to us "are you going away" this day ?

Indirect He inquired of us whether we were going away that day ?

उसने हम से पूछा कि तुम किधर जा रहे हो ?

जानना चाहिये कि यदि कोई Interrogative pronoun Reported speech में न हो तो उसके Indirect करने के समय 'of' या 'wether' को उस के स्थान पर जाते हैं। इसी प्रकार यदि Reported speech में Imperative sentence हो तो Reporting verb के say या tell को किसी ऐसे शब्द में बदल देना चाहिये कि जिस से Command आज्ञा विलि या उपदेश या शिक्षा प्रगट हो और Imperative mood के स्थान में Infinitive mood रखना चाहिये। जैसे —

Direct he said to his sarvents, " go away at once"

Indirect he ordered his servants to go away at once

उसने अपने सेवकों से कहा कि तत्काल चले जाओ

Direct He said to his friends " work steadily"

Indirect He advised his friends to work steadily

उसने अपने मित्रों को धैर्यता से काम करने की सुमति दी

Direct He said to the student, "do not sit there "

Indirect .He forbade the student to sit there उसने उस विद्यार्थी को

बाहर बैठने के लिये मना किया

Direct He said to his master "pardon" me sir

Indirect He begged his master to pardon him

उसने अपनी स्वामि से क्षमा मांगी ।

Direct . He said to his friend, "please lend me you your book"

Indirect He asked his friend to be kind enough to lend him his book

उसने अपनी मित्र से कहा कृपा कर आप अपनी पुस्तक मुझे दे दो ।

जब कि Reported speech में Exclamatory sentence हो तो Reporting verb के say या tell का exclaim, cry out (चिल्लाया) pray इत्यादि में बदल देना चाहिये ।

Direct He said "hurrah! my friend has come"

Indirect He exclaimed with delight that his friend had come

वह खुश हुआ कि उसका मित्र आया ।

Direct He said to them all 'good bye my friends'

Indirect He bade good bye to all his friends

उसने अपने सब दो मित्रों को प्रणाम किया ।

Direct He said "may God pardon this sinner"

Indirect —He prayed that God would pardon that sinner

उसने कहा कि परमेश्वर इस पापीको क्षमा करे ।

SEQUENCE OF TENSES

जब कि दो वाक्य Subordinative conjunction या Relative Interrogative pronoun या adverb से मिले हो तो उन में से पहली को principle sentence (मुख्य वाक्य) और दूसरी को Dependent sentence चाधीन वाक्य कहते हैं । जैसे —

Principal

I shall let you know,

मैं तुमको ज्ञात दूंगा

Dependent

when I shall start

कि मैं कब चलूंगा

यदि principal sentence का verb past tense में हो तो Dependent sentence का verb भी Past tense में जाना चाहिये । यदि Principal sentence present या Future का verb में हो तो dependent sentence में जो चाहे सो tense रह सकता है और यदि dependent sentence स्वभाविक वा सवर्णिक हस्ताक्षर प्रगट करे तो principal sentence में past tense होनेपर भी Dependent में present Indefinite रहेगा, जैसे कि ऊपर कह आये हैं ।

यदि dependent sentence के पहले than या as well as हो तो जो चाहे सो tense उसका हो सकता है और principal sentence के सामान्यता की कोई शर्तक नहीं रहती । जैसे —He likes you better than he liked me यह तुमको

सुझावे अधिक चाहता है। यदि dependent sentence में गुप्त हो तो उसका tense principal sentence के verb के समान होगा। जैसे—He liked you better than me

ANALYSIS प्रयुक्तरण

Grammar के वाक्य में Subject क्रिया, विशेषण और क्रिया विशेषण के विभाग को जुदा करके दिखाने को व्याकरण में analysis प्रयुक्तरण या तपशील कहते हैं।

Simple Sentence के analysis में प्रयुक्तरण के काम में ३ विभाग होते हैं—

(1) Subject (2) adjuncts to the subject कर्त्ता विशेषण (3) Predicate विशेष (4) adjuncts to the Predicate verb विशेष क्रिया का क्रिया विशेषण।

Subject कर्त्ता सदा Noun होता है या वह शब्द जिसमें Noun की शक्ति हो।

	Subject	Predicate
(A)	{ A Noun A Noun understood	Rain is falling The poor (men) are begging
(B)	Pronoun or adj used as noun	We go
(C)	A Noun Infinitive	To work is healthy
(D)	A Gerund	Working is healthy
(E)	Phrase,	Whither to go can be known

जब कि Noun Infinitive Subject होता है तो कभी २ Predicate के पदार्थ रखा जाता है और वह Pronoun 'it' का Apposition होता है जैसे—It is sad to see this इसका देखना खेद है। कर्त्ता का विशेषण-जिनका कि attributive या adjuncts to the subject या Complement to the subject कहते हैं। वह adjective होता है या वह शब्द जिसमें कि adjective की शक्ति हो।

Analysis में Definite और Indefinite articles की गणना adjuncts में मानी जाती है।

मुख्य Attributive adjuncts यह हैं।—Adjective, A heavy rain अधिक हटि। (2) A participle or verbal adjective A falling rain बरसता मेघ (3) Gerundial, Infinitive Water to drink can be taken पानी पीने के लिये किया जा सकता है। (4) A Noun or pronoun in the possessive case My son's teacher calls me मेरे पुत्र का गुरु मुझे बुलाता है। (5) A noun

या Grand जिस का प्रयोग adjective के समान हो। जैसे—Village watch man—दीहाती चौकीदार। Drinking water पीनेवाला पानी (9) A noun in apposition समानाधिकरण मज्ञा जैसे—Ram the son of Gopal is here गावान का पुत्र राम यहाँ है। (7) A preposition with its objects A man of virtue (a virtuous man) भूमिक (8) An adverb जिस का कोई Participle न हो। the then king—the then (Reigning) king—तब का (राज्य कर्ता) महाराजा।

PREDICATE

Predicate या तो finite verb ही होना चाहिये और नहीं तो एक *FINITE VERB* (सुद्ध क्रिया) अवश्य होना चाहिये। यदि जिस किसी verb से पूर्ण रूप से अर्थ निकलता हो और किसी शब्द वा वाक्य की आवश्यकता हो तो उसको भी Predicate का विभाग समझना चाहिये। Predicate के सभ्य रूप दिखाए जाते हैं।

Subject	Predicate		
	Finite verb	Object with qualifying words	Complement with qualifying words
(1) { A dog एक कुत्ता An Owl एक उल्लू	barked भौंका had flown उड़ गया था		
(2) { My brother मेरा भाई The thief चोर को	Became हो गया was ordered		एक अच्छा गुरु a good teacher to be sent to jail
(3) { The master बड़ गुरु The snake उस साँप ने	can teach सिखा सकता है killed मार डाला	my brother Geography मेरा भाई को भूगोल that large mouse उस बड़े गुरे को	जेल भेजे जाने की
(4) They उन्होंने	found पाया	the weary man उस थके हुए मनुष्य को	sound asleep घोर निद्रामें सोया हुआ

ANALYSIS OF COMPOUND SENTENCES

Compound sentence दो co-ordinate बराबर बराबर स्वाधीन वाक्यों का होता है।

Compound sentence के analysis की रीति यह है—

- (१) कि प्रत्येक वाक्य के 'Finite verb' को निकाल रखो।
- (२) यदि 'Finite verb' प्रकाश नहीं हो और गुप्त हो तो उसे प्रकाश करना चाहिये।
- (३) प्रत्येक 'Finite verb' को क्रमशः टूट कर बताना चाहिये।
- (४) यदि किसी 'Finite verb' का subject understood (गुप्त) हो तो उसको प्रकाश करना चाहिये।
- (५) तब प्रत्येक clause को उसके subject, predicate और adjuncts समेत लिखो।
- (६) जोड़ने वाले शब्द को अलग रखो जो एक clause को दूसरे clause से मिलाता है। जैसे—

Ram and I went there—राम और मैं वहाँ गया।

(a) Ram went there—राम वहाँ गया

(b) I went there—मैं वहाँ गया

CONNECTIVE जोड़ने वाले शब्द "and"

1 Sukhdeoji was habituated to bathe himself in the holy waters of the Ganges, who took his bath on the ghat and after praying, God began to read the Vishnu Sahasranam, a holy book—सुखदेव जीक नियम नित गंगा स्नान करने का था जिन्होंने घाट पर स्नान किया और परमेश्वर की उपासना के पश्चात् उन्होंने पवित्र पुस्तक विष्णु सहस्रनामिका पाठ करना प्रारम्भ किया।

ANALYSIS OF COMPOUND SENTENCES WORKED OUT

The clauses	Connec- tive	Subject	Attributive adjuncts (to subject)	Predicate			Adverbial Adjunct (to verb or Predicate)
				Finite Verb	object with qualify- ing words	complement with qualifying words	
(a) Sukhdeo ji was habituated to batho himself in the holy waters of the Gangas		Sukhdeo ji		was habit- uated	himself	to batho	in the holy waters of the Gangas
(b) who took his bath on the ghāt	who	who		took	his bath		on the ghāt
(c) and after praying God began to read the Vishnu Sahasranam, a holy book	and	he (under- stood)		began	the Vish- nu Sahasra- nam, a holy book	to read	after praying God

ANALYSIS OF COMPLEX SENTENCE

Complex sentence में Principal clause के साथ में एक या दो Subordinate clauses होते हैं। जैसे —

who comes here, comes to go

Subordinate clauses तीन प्रकार के होते हैं:—The noun clause, the adjective clause and the adverbial clause

(I) Noun clause वह है जो कि किसी दूसरे clause के सम्बन्ध में noun का काम देता है। इस के connective तीन प्रकार के होते हैं जिन से कि noun clause पहचाना जाता है।

(1) एकतो यह कि जब conjunction 'that' apposition (समानाधिकरण) के अभिप्राय से प्रयुक्त होता है। जैसे—we know that he would go to Calcutta

(2) दूसरे Relative या Interrogative adverb में यदि कोई antecedent न आया होवे तो। जैसे—where he will go is not known to any one (यह) किसी को भी विदित न था कि वह कहा जायगा। जैसे—Let us know if (or whether) he comes to day यदि वह आज आवे तो हमको जास करने दो।

(3) तीसरे Interrogative pronoun में यदि कोई antecedent न प्रगट किया गया हो। जैसे—I went to inquire who came there to day मैं वहाँ तलाश करने गया कि यहाँ कौन आया हुआ है।

क्योंकि Noun clause noun का काम देता है इस लिये यह 'verb' का Subject, object, Complement और preposition का object और In apposition to a noun (किसी सत्ता का समानाधिकरण) होता है। जैसे—to whom he was going is known to all—वह किसके पास जाता था (यह) सब को विदित है। That he shall never come is certain (यह) निश्चय है कि वह कदापि न आवेगा। whom the gods love die young—जिनको भगवान चाहते हैं वे जल्दी मरते हैं।

यह सब verbs के Subjects हैं। He promised that he will soon come उसने प्रतिज्ञा की कि वह शीघ्र आवेगा। I shall be glad to know when

he will come—मैं यह जान और आनन्दित होऊँगा कि वह कब आवेगा। यह सब verbs के object हैं। His success in future depends upon who is to come—इसकी भावि उत्पत्ति (उस) पर निर्दिष्ट है जो कि आनेवाला है। except that he speaks fast he is an excellent teacher वह अपने तेज बोझने के सिवाय अच्छा गुरु है। यह सब 'preposition' के object हैं। This is exactly what I expected—जो कुछ कि मैं आशा करता था यह सटीक वही है This is what all can understand यह (वह) है जो कि सब समझ सकते हैं। यह सब verbs के complements हैं। The news that he is released to come soon gives pleasure to all यह समाचार कि उसकी शीघ्र आनेकी इच्छा है इसने सबके लिये आनन्द है। यह सब In apposition to the nouns—समानाधिकरण सन्ना के हैं।

Conjunction "that" apposition के द्वितीय verb के पश्चात् प्रयुक्त नहीं होता जबकी वह noun प्रगट नदो गिया जाता जिसके लिये कि apposition प्रयुक्त होता है किन्तु जब noun प्रयुक्त हो तो "that" का प्रयोग करना आवश्यक है। जैसे —It seems that he is not good—मान्य होता है कि वह अच्छा नहीं है। इस बात को अवश्य मनमें रखना चाहिये कि जिस वाक्य में सटीक वही शब्द हो जोकि घोलने वाले के मुखसे निकले तो वह भी noun clause के अर्थ के धारते प्रयुक्त समझा जाता है। जैसे —"He saw the man" was the only reply he made—उसने केवल इतना ही उत्तर दिया कि उसने उस मनुष्य का देखा था।

ADJECTIVE CLAUSE

सब से पहले यह जानना चाहिये कि वह connective word जिस से कि adjective clause प्रारम्भ किया जाता है वह Relative pronoun है या Relative adverb अर्थात् 'who' और 'which' दोनों होते हैं। अब इनके दो प्रकारक प्रयोग होते हैं एक तो Restrictive अर्थात् सधक और दूसरे continuative सुनिर्धारक। जैसे —The man who lived there died today वह आदर्श जोकी वहाँ रहा आन मर गया। यहा Relative clause 'adjective' के समान प्रयुक्त है क्योंकि वह noun 'man' के अर्थ को वाधता है जोकि वहाँ रहा। अब देखो कि I have

known that man who recognised me at once मैंने उस आदमी की जान लिया है जिसने कि मुझको तत्काल पहचान लिया। यहाँ who recognised me at once यह 'man' के अर्थको यद्यन नहीं करता यह केवल उसीकी बात को दिखाने के लिये वर्णन करता है जोकि पहले clause में कहा गया है। यदि Relative pronoun या adverb का प्रयोग Restrictive है तो वह sentence 'complex' है और यदि Continuative है तो वह 'Compound sentence' होगा। यदि Relative pronoun objective case में हो और continuative प्रयोग में न हो कर Restrictive प्रयोग में हो तो Relative pronoun कभी गुप्त रहता है। जैसे—The food he needed (which or that he needed) was scarcely to be had जिस भोजन की उसको आवश्यकता होती थी वह कठिनाई से उसकी प्राप्त होता था।

ADVERBIAL CLAUSE

Adverbial clause किसी verb के adverb, adjective या किसी दूसरे clause के adverb का काम करता है।

Adverbial clause सब subordinative conjunction के साथ में प्रारम्भ होता है सिवाय एक Subordinative conjunction 'that' के जब कि वह noun in apposition के साथ में प्रयुक्त होता है। जानना चाहिये कि Subordinative किस रीति से जानी जाते हैं।

Principal clause	Adverbial clause	Subordinative conj
He will go	because he is ready	cause कारण
वह जायगा	क्योंकि वह तैयार है।	
He went so fast	that he was tired	effect परिणाम
वह इतनी जल्दी गया	कि वह थका गया।	
He went fast	that he might reach there	Purpose मनोरथ
वह जल्दी गया	कि जिससे वह वहाँ पहुँच जाए।	
I will go	if you allow me	Condition शर्त
मैं जाऊँगा	यदि आप मुझे परवानगी दें।	
He is good	although he is poor	Contrast प्रतिपक्षता
वह अच्छा है	यद्यपि वह गरीब है	

He likes you more than (he likes) me Comparison तुम्हना

यह तुम को अधिक चाहता है मेरी अपेक्षा

Men will reap as they sow Extent or manner

जैसा लोग बोएंगे वैसा फल पाएंगे विस्तार या रीति

The sun will rise as long as the world lasts Time समय

जब तक सप्ताह है तब तक सूर्य उदय होगा

Though if, till when unless, whether or, और while conjunctions

के पद्यान कभी २ verb 'to be' के रूपान्तर गुप्त रहते हैं। जैसे —

{ Though much alarmed at the news } यद्यपि वह समाचारसे
{ Though he was much alarmed at the news } भयभीत हो गया था

जब कि Adverbial clause 'than' से प्रारम्भ किया जाता है तो उसका Predicate सदा प्रगट नहीं रहता और वह किसी दूसरे clause से लेकर प्रगट किया जाता है जिन पर कि वह निर्भर रहता है। जैसे—He likes me more than (he likes) you वह तुम्हारी अपेक्षा मुझ को अधिक चाहता है।

जब कि 'who' और 'which' से कारण या समीप्य का अर्थ निकलता है और subordinate conjunction होती है तो उन में भी adverbial clause बनता है। जैसे—He should pardon him who never come before = उस को उस पर क्षमा करना चाहिये जो कि पहली वहाँ कदापि नहीं आया।

The post man was sent who should deliver the letters = डाकिया भेजा गया था कि वह चिट्ठी बाँटे।

EXAMPLE OF THE COMPLEX SENTENCE ANALYSED

The judge of the court cried out who saw the thief and ordered him to explain how he was against the rules and regulation of the High court that he was given to stealing and robbing which preferred rather to punish than release him न्यायालय का न्यायाधीश चिल्ला उठा जिसने कि उस और को देखा और उसको बणन करने की आज्ञा दी कि वह हाई कोर्ट (विश्वन्यायालय) के नियम और नियमावली विरुद्ध कैसे हो गया कि जिस से वह चोरी और डकैती का काम करने लगा जिन ने कि उसका छोड़ देने की अपेक्षा दण्ड देना उत्तम समझा।

No	The clauses	Kind of clause	Conne- tive	Subject	2 attributive adjuncts (to subject)		predicate		Adverbial adjuncts (to verb of predicate)
					of the judge	of the court	finite verb	object with qualifying words	
A	the judge of the court cried out	principal clause		the judge			cried out		
B	who saw the thief	coordinate clause to (A)	who	who			saw	the thief	
C	and ordered him to explain	coordinate clause to (A)	and	the judge understood			ordered	him	to explain
D	how he was against the rules and regulations of the high court	Noun clause	how	he			was		against the rules and regulations of the high court
E	that he was given to stealing and robbing	adjectival clause to (D)	that	he			was given	to stealing and robbing	
F	which preferred rather to punish	adjectival clause to stealing & robbing	which	which			preferred	to	rather to punish
G	than release him	adjectival clause in continuation of (F)	than	(it)			(preferred)		

PARSING शब्दार्थ या तरकीब

(1) Noun

Kind of noun	Gender	Number	Case
Proper	Masculine	Singular	Nominative
Common	Feminine	Plural	Possessive
Collective	Common		Objective
Material	Neuter		
Abstract			

(2) Pronoun

Kind of pronoun	Gender	Number	Case
Pers { simple	Masculine	Singular	Nominative
reflexive	Feminine		Possessive
demon { definite	Common	Plural	Objective
Indefinite	Neuter		
Relative	Agreeing in Gender, Number and Person		
Interrogative	with its antecedent		

The classes of nouns or pronouns

Nom to verb	Obj to verb direct	Obj in apposition
" as compl to verb	" Indirect	" to preposition
" in Apposition	" Retained	" adverbial
" of Address	" Cognate	" after certain
" Absolute	" as Compl to verb	adjectives
089099170		" Interjectional

Adjectives

The kind of adjectives	Degree	Use
Proper	Positive	Attributive
quantity, number { Definite	Comparative	Predicative
quantity { Indefinite	Superlative	
Distributive Demons { Definite		
{ Indefinite		

Adverb

Kind of adverb	Degree	Use	Attributive Use
Simple	Positive	Attributive	To qualify verb
Relative	Comparative	Predicative	" " Adjective
Interrogative	Superlative		" " Adverb
			" " Preposition
			" " Conjunction
			" " Sentence

Finite verb

Kind of verb	Person	Number	Tense	Form
Transitive	First	Singular	Present	Indefinite Continuous Perfect continuous
Intransitive	Second	Plural	Past	
Auxiliary	Third		Future	
Defective				

Mood	Voice	
Indicative	Active	Agreeing with its subject or subject expressed or understood governing its object or objects expressed or understood
Imperative	Passive	
Subjunctive		

Infinitive

Form	(a) Use as noun Inf	(b) Use as gerundial Inf
Indefinite	Subject to verb	To qualify a verb " " a noun { attributive " " " " { predicative " " an adjective
Continuous	Object to verb	
Perfect	Complement to verb	
For continuous	Object to preposition Exclamatory	

Participle or verbal adjective

Form	Voice	Kind of verb	Use
Present	Active	Transitive	Attributive Predicative Gerundive
Past	Passive	Intransitive	
Perfect			

Gerund

Form	Voice	Kind of verb
Present	Adjective	Transitive
Perfect	Passive	Intransitive

CONJUNCTION

Coordinative	Subordinative
--------------	---------------

PARSED SENTENCE

The Vāśhyopākāraḥ, 'a monthly paper' in Hindi language is at its greatest circulation in India for the progress of the Vāśhyopākāraḥ.

The—Demonstrative adjective 'this' pointing out the Vāśhyopākāraḥ.

Vāśhyopākāraḥ—proper noun singular number, neuter gender, nominative case subject to the verb 'is'.

A—demonstrative adjective 'that' pointing out the noun 'paper'.

Monthly—adjective formed from the noun 'month', qualifying the noun 'paper'.

Paper—common noun, neuter gender, singular number, nominative case Subject to the verb 'is'.

In—preposition having language for its object

Hindi—proper adjective qualifying 'language'

Language—common noun, neuter gender, singular number, objective case after the preposition 'In'

Is—auxiliary, verb of incomplete predication, Indicative mood, present tense, having 'at its greatest circulation' for its complement agreeing with its subject 'Vaishyopakarak' and 'paper' in gender, number and person

At—preposition having "circulation" for its object

Its—personal pronoun, third person, neuter gender, singular number, possessive case, qualifying the noun 'circulation'

Greatest—Adjective of quality with superlative degree, qualifying the noun 'circulation'

Circulation—common noun neuter gender, singular number, objective case after the preposition 'at'

In—preposition, having 'India' for its object

India—proper noun, neuter gender, singular number, objective case, after the preposition 'in'

For—preposition having the noun 'progress' for its object

The—demonstrative adjective, definite article, qualifying the noun 'progress'

Progress—Abstract noun, neuter gender, singular number, objective case, after the preposition 'for'

Of—preposition, having Vaishyas for its object

Vaishyas—common noun, common gender, plural number, objective case, after the preposition "of"

The—demonstrative adjective, definite article, qualifying the noun 'caste'

Trading—present participle verbal adjective, regular transitive verb of active voice, used attributively to qualify the noun 'caste'

Caste—common noun, common gender, singular number, objective case, in apposition to 'Vaishyas'

THE SYNTHESIS OF SENTENCES

Synthesis तरकीब आमेकिय या मियण यह है जिस से Sentence के अनेक विभाग को एक करने का सोच होता है। इस लिये यह Analysis का उल्टा है।

Simple Sentences को केवल एक Simple Sentence बनाने के लिये Participles, absolute phrases, Gerunds के साथ Prepositions नाकर, Infinitives, Nouns या phrases समानाधिकरण में नाकर Adverbs या adverbial phrases को प्रयोग में लाते हैं। जैसे—He had come वह आया था। He had seen his enemy उसने अपना शत्रु देखा था। Seeing his enemy He had fled वह अपने शत्रु को देखकर भाग गया। They come वह आए। He got away वह चला गया। They having come, he got away उनके आने पर, वह चला गया। He advised him उसने उसको सुझा दिया। He helped him उसने उसकी सहायता की। Besides advising, he helped him सुझा देनेके सिवाय उसने उसकी सहायता की। He has three sons उसका तीन पुत्र हैं। He must get them married, उस को उनका विवाह कर लेना चाहिये। He has three sons to get them married उस को अपने तीन पुत्र का विवाह करना है। He died of cholera वह हैजे से मर गया। Cholera is mortal disease हैजा प्राण घातक रोग है। He died of cholera—a mortal disease वह प्राण घातक रोग, हैजे से मर गया। He was fool वह मूर्ख था। His foolishness was very much उसकी मूर्खता बहुत अधिक थी। He was fool very much वह बड़ा भारी मूर्ख था।

(1) Copulative (2) alternative (3) adversative (4) चौर Illative Conjunction (5) चौर Relative pronoun या Relative adverb के विस्तार पूर्वक प्रयोग में आनेसे (6) चौर Illative Conjunction के जोड़ने से भी Simple Sentences से compound Sentences बनते हैं। जैसे—

(1) He was declared to be thief by the judge even his Companions believed the fact to be true न्यायाधीशने उसकी चौर ठहराया। उसके साथी भी इस मामले की सच समझें। Not only he was declared to be thief by the judge, but even his friends declared the fact to be true

केवल न्यायाधीश होने उसको चोर नहीं ठहराया परन्तु उसके साक्षियोंने भी इस बात को सच समझ कर मान लिया ।

(3) That animal may be a fox It may be a cat It must be one of them वह जानवर लोमड़ी होवे। वह बिल्ली होवे। वह उनमें से एक हो।

That animal may be either a fox or a serpent वह जानवर लोमड़ी
हो या साँप हो ।

(3) He is poor but honest. वह गरीब है लेकिन ईमानदार है। He is poor but honest. वह गरीब है लेकिन ईमानदार है।

(4) At the sight of a dog the cat gets into a house कुत्ते को देख कर बिल्ली घरमें घुस जाती है। The cat fears the dog बिल्ली कुत्ते से डरती है। At the sight of a dog the cat gets into a house, for it fears the dog कुत्ते को देखकर बिल्ली घरमें घुसजाती है, क्योंकि बिल्ली कुत्ते से डरती है।

(5) I started for Howrah yesterday. I shall stop there four days. कल मैं हुवड़ा के लिये रवाना हुआ वहाँ मैं चार दिन ठहरूँगा। I started for Howrah yesterday where I shall stop four days. कल मैं हुवड़ा के लिये रवाना हुआ जहाँ कि मैं चार दिन ठहरूँगा।

(6) The dog is faithful. The dog is barking. The dog is cunning.
The dog is cruel. The cat runs away into the house. कुत्ता भोक्ता है।
कुत्ता चलाक होता है। कुत्ता निटई होता है। बिल्ली घरमें घुस जाती है। The dog
is faithful and barking, but cunning and cruel and hence the cat
runs away into the house. (कुत्ता भोक्ता है। बिल्ली घुस जाती है।)

॥ Simple sentence च 'complex sentence' तर्जि (प्रकार) के अन्तर्गत आता है

(1) Noun clause (2) adjective clause (3) adverbial clause
(4) (i) Conjunction 'कि' द्वारा Noun clause-प्रारम्भ किया जाता है

जिसका कि प्रयोग हम समाधि के रूप में (को) निम्नलिखित अर्थों में किया गया है। या, किसी
 Relative pronoun यह Relative Adverb को चार प्रकारों में बाँटा जा सकता है।
 जिसका कि Antecedent न हो, या किसी शब्द के द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

1

को एक Direct Noun-phrase में प्रकाश किया गया है। जैसे—The rose is the sweetest of flowers। It is certain फूलों में गुलाब बहुत अच्छा होता है। इस में संदेह नहीं है। It is certain that the rose is the sweetest of the flowers इस में संदेह नहीं है कि गुलाब फूलों में अच्छा होता है।

He is going to some place, No one knows it वह किसी जगह जाने वाला है। यह कोई नहीं जानता। No one knows where he is going कोई नहीं जानता कि वह कहाँ जाने वाला है।

(२) Adjective clause Relative pronoun या Relative adverb के द्वारा प्रारम्भ किया जाता है, जिन के प्रयोग से इसका गुण बोध होता है। A man once had a goose The goose laid every day a golden egg, एक समय एक आदमी के पास हंसनी थी। वह हंसनी प्रतिदिन सोनिका प्रदा देती थी। A man once had a goose that every day laid a golden egg, एक समय एक मनुष्य के पास एक हंसनी था जो कि प्रतिदिन सोने का अण्डा देती थी।

(३) Adverb clause किसी Subordinate Conjunction या Relative pronoun या Relative adverb के द्वारा प्रारम्भ किया जाता है, जिस का कि वह adverb के समान हो। जैसे He retired from his services He could not work so hard वह अपनी नोकरी से चलन छोड़ गया। वह इतना परिश्रम नहीं कर सकता था। He retired from his services as he could not work so hard वह अपनी नोकरी से चलन छोड़ गया, क्योंकि वह इतनी मेहनत नहीं कर सकता था। My son had no sleep last night. He must be tired to day कल रात्रि में मेरे नन्हेको निद्रा नहीं थी। आज वह अवश्य थक जाएगा। My son, who had no sleep last night must be tired to day कल रात्रि में मेरे पुत्र की निद्रा नहीं थी इस से कि आज अवश्य थक जाएगा।

PUNCTUATION

Punctuation (पक्षपुष्पन) पद चिह्न, अक्षरांशों के किसी चिह्न द्वारा किसी Sentence या उसके विभागों को चलन करनेका बोध होता है। इसके चिह्न हैं (,) comma अल्पविराम (:) Semicolon, अर्धविराम (—) Colon अल्प-

विराम () Fullstop विराम Note of Interrogation प्रश्न चिह्न, ? Note of Exclamation ! आश्चर्य चिह्न Brackets () (), [] मैकेट Apostrophe (') अर्धवृत्त, Dash डैश—Hyphen हाइफन Inverted Commas “ ” अवतरण चिह्न ।

THE COMMA

जरासी दूरी के लिये Comma लाते हैं । Simple Sentence में Noun या Pronoun के मध्यमें, जब कि वे समानाधिकरण में हों । जैसे—Ram, a brother of Gopal, inhabitant of Jhansi गोपाल का भाई राम भासी का रहनेवाला ।

एक ही Parts of speech के अनेकशब्द जिनमें जोकि शेष के दो शब्द and से मिले रहते हैं । जैसे—India, Burma, Arabia, and Kathiawar are the Peninsulas of southern Asia

After the Nominative of address संबोधित कर्त्ता के पश्चात् । जैसे—Ladies, Lords and Gentlemen, listen to me श्रीमान, श्रीमती और भद्र गणो, मेरी बात सुनो ।

Absolute construction के पश्चात् जैसे—The sun having risen, we all returned सूर्य के उदय हो जाने पर हम सब सोट आए । एक ही जाति के शब्दों के जोड़ जो पदों में आते हैं उन सब के पश्चात् comma लगाया जाता है । By night or by day, at home or abroad, asleep or awake, he prays God दिन हो या रात, घर हो या जङ्गल, सोता हो या जागता वह भगवान को वदना किया करता है ।

किसी वाक्य के प्रारम्भ में adverbial phrase के पश्चात् जैसे—At last, he won the prize शेष में उसने इनाम जीत लिया ।

Participial phrase के पढ़ने और पश्चात् जब कि वह विस्तार पूर्वक प्रगट किया गया हो और केवल उस का प्रयोग गुण बोध करने के लिये न किया गया हो, जैसे—The man, having retired from his services, went to his home वह आदमी अपनी नौकरी से अलग हो जाने के कारण अपने घर चला गया । लेकिन जब कि Participial adjective के समान noun का गुण प्रकाश करता है तो comma को प्रयोग में नहीं लाते । जैसे The man being sick is likely to die— वह बीमार आदमी बहुत करके मर जाएगा ।

किसी Co-ordinative conjunction के पहले comma लगाया चाहिये।
He is not an honest, but a knave वह निमक इंसान नहीं है, बि
भाग है।

समझाने वाले वाक्य खण्ड comma से चलग किये जाते हैं। जैसे
filed was square, 20 yards in length, 20 yards in breadth खेत
या, अर्थात् २० गज लंबा था, २०, बी गज चौड़ा था।

Gerundial Infinitive जब कि समझाने वाले पद के समान प्रयोग
है तो उसके पहले और पश्चात् में comma लगाया जाता है। जैसे— I
tell you the truth, very sick मैं तुम से सच कहता हूँ, कि मैं बहुत
हूँ। Direct narration में वाक्य के प्रारंभ करने के लिये comma लगाया
है। इस अवसर पर ऐसे sentence को सदा capital letter से प्रारंभ
चाहिये। Bravo! Bravo! the king cried out, look here, इधर
बादशाह बोल उठा ग्राहस! ग्राहस! कभी २ comma इस अभिप्राय से
किया जाता है, कि, उस से यह प्रगट होता है कि कोई बात रह गई है,
किया को बार बार दोहराना नहीं पड़ता, जैसे—My train left for Cal
yours, for Patna तुम्हारी गाड़ी पटना के लिये और मेरी (गाड़ी)
के लिये छूट गई।

Compound sentence के Co-ordinate clause जब विस्तार पूर्वक
जाये है तो Comma लगाया जाता है। जैसे—His wisdom is greater
than knowledge, and he deserves promotion उस की बुद्धि अपनी
अधिक है, और वह सचि के योग्य है। पर जब कि वाक्य विस्तार
लिखे हुये हैं और बहुत पास २ लिखे हुए हैं तो comma नहीं
है—I ran and caught him मैं दौड़ा और उस को पकड़ लिया।

जब कि Coordinate clauses II Conjunction नहीं होता तो
semi-colon लगाया जाता है। जब कि वे छोटे होते हैं तो comma
जैसे—He sleeps, works, reads walks, wakes, in habit,
thing वह सोता है, काम करता है, पढ़ता है, चलता है,
सब काम करता है। पर जब कि ये बड़े होते हैं तब

Between Him and 'Gopal' there is great

विराम (.) Fullstop विराम Note of Interrogation प्रश्न चिह्न, ? Note of Exclamation ! आश्चर्य चिह्न Brackets () (), [] ब्रैकेट Apostrophe (') अर्धवृत्त, Dash डैश—Hyphen हाइफन Inverted Comma " " अवतरण चिह्न ।

THE COMMA

जरासी दूरो के लिये Comma लाते हैं । Simple Sentence में Noun या Pronoun के मध्यमें, जब कि वे समानाधिकरण में हों । जैसे—Ram, a brother of Gopal, inhabitant of Jhansi गोपाल का भाई राम भासी का रहनेवाला ।

एक ही Parts of speech के अनेकशब्द जिनमें जोकि शेष के दो शब्द and से मिले रहते हैं । जैसे—India, Burma, Arabia, and Kathiawar are the Peninsulas of southern Asia

After the Nominative of address संबोधित कर्ता के पश्चात् । जैसे—Ladies, Lords and Gentlemen, listen to me श्रीमान, श्रीमती और भद्र मणो, मेरी बात सुनो ।

Absolute construction के पश्चात् जैसे—The sun having risen, we all returned सूर्य के उदय हो जाने पर हम सब सोट आए । एक ही जाति के शब्दों के जोड़ जो पदों में पाते हैं उन सब के पश्चात्, comma लगाया जाता है । By night or by day, at home or abroad, asleep or awake, he prays God दिन हो या रात, घर हो या जङ्गल, सोता हो या जागता वह भगवान को बदना किया करता है ।

किसी वाक्य के प्रारम्भ में adverbial phrase के पश्चात् जैसे—At last, he won the prize शेष में उसने इनाम जीत लिया ।

Participial phrase के पहले और पश्चात् जब कि वह विस्तार पूर्वक प्रगट किया गया हो और केवल उस का प्रयोग गुण बोध करने के लिये न किया गया हो, जैसे—The man, having retired from his services, went to his home वह बादमी अपनी नौकरी से अलग हो जाने के कारण अपने घर चला गया । लेकिन जब कि Participial adjective के समान noun का गुण प्रकाश करता है तो comma का प्रयोग में नहीं लाते । जैसे The man being sick is likely to die— वह बीमार बादमी बहुत करके मर जाएगा ।

किसी Co ordinative conjunction के पहले comma लगाया चाहिये, जैसे—
He is not an honest, but a knave वह निमक इंसान नहीं है, किन्तु बद-
माश है ।

समझाने वाले वाक्य कुछ comma से भलग किये जाते हैं । जैसे—The
field was square, 20 yards in length, 20 yards in breadth खेत चौखुटा
था, पर्यात् २० गज लंबा था, २० ही गज चौड़ा था ।

Gerundial Infinitive जब कि समझाने वाले पद के समान प्रयोग में आता
है तो उसके पहले भीर पर्यात् में comma लगाया जाता है । जैसे— I am, to
tell you the truth, very sick मैं तुम से सच कहता हूँ, कि मैं बहुत बीमार
हूँ । Direct narration में वाक्य के प्रारंभ करने के लिये comma लगाया जाता
है । इस अवसर पर ऐसे sentence को सदा capital letter से प्रारंभ करना
चाहिये । Bravo ! Bravo ! the King cried out, look here इधर देखो,
बादशाह बोल उठा ग्रावस ! ग्रावस ! कभी २ commas इस अभिप्राय से प्रयोग
किया जातो है कि उस से यह प्रगट होता है कि कोई बात रह-गई है जिस से
क्रिया को बार बार दोहराना नहीं पड़ता, जैसे—My train left for Calcutta,
yours, for Patna तुम्हारी गाड़ी पटना के लिये और मेरी (गाड़ी) कलकत्ते
के लिये छूट गई ।

Compound sentence के Co-ordinate clause जब विस्तार पूर्वक लिखे
जावे है तो Comma लगाया जाता है । जैसे—His wisdom is greater
than knowledge, and he deserves promotion उस की बुद्धि अपनी विद्या से
अधिक है, और वह उन्नति के योग्य है । पर जब कि वाक्य विस्तार पूर्वक न
लिखे हुवे हों और बहुत पास २ लिखे गए हों तो comma नहीं लगाया जाता ।
जैसे—I ran and caught him मैं दौड़ा और उस को पकड़ लिया ।

जब कि Coordinate clauses में Conjunction नहीं होता तो comma या
semi-colon लगाया जाता है । जब कि वे छोटे होते हैं तो comma लगाने हैं ।
जैसे—He sleeps, works, reads, walks, wakes, in short, he does every
thing वह सोता है, काम करता है, पढ़ता है, चलता है, जागता है, निदान वह
सब काम करता है । पर जब कि वे बड़े होते हैं तब semi-colon लगाने हैं । जैसे,
Between Rain and Grief there is great difference, the former

यह महादूर था, मैं उसका सम्मान करता हूँ, and as he was ambitious, I slew him और क्योंकि यह लालचो था, मैंने उसको मार डाला।

दो clauses कि alternative या Illative conjunctions से जोड़े जाते हैं, उनके प्रयोग करने के लिये semi colon लगाया जाता है। जैसे I met him as he was leaving his house, other-wise I were unable to see him again क्योंकि वह अपना सम्मान छोड़ता था सो मैं उस से मिला, नहीं तो मैं उस से फिर न मिल सकता। I refused him to work at that time, for I was tired मैंने उससे काम करने के लिये इनकार किया क्योंकि मैं थका गया था।

COLON

कहो हुई बात को दिखा सम्झा के या प्रकरार करने के लिये यह करने में colon प्रयोग किया जाता है। जैसे—Keep from all things advisable at all times to preserve "your health there is no happiness without it सदा परहेज की चीज़ों से बचो अपनी तन दुरस्ती के लिये इसके नष्ट होने से कोई खुशी नहीं है।

किसी वाक्यके प्रारम्भ करने के लिये colon के आगे (—) dash लगाकर प्रयोग करते हैं। जैसे—He stood and said—"I always see that God in me" उसने खड़े होकर कहा कि मैं सदा भगवान को अपने में देखता हूँ।

वर्णन किये हुये clauses को फिर शुरू करने के लिये colon के आगे dash लगाकर प्रयोग करते हैं और इसी प्रकार बहुत से clauses को शुरू करने के लिये भी colon के आगे dash देकर प्रयोग करते हैं। जैसे—The rain had passed, the sun was set in the west and the night was approaching—such were the pleasant views when the dancing began पाँच बरस चुका था सूर्य पश्चिम में अस्त होगया था, और रात्रीका समय होता जाता था—ऐसा सुन्दर दृश्य था, व व कि नाच शुरू हुआ। There are many uses of wood we sleep on wood, we live in wood, we float on wood in fact, the wood is very serviceable लकड़ी बहुत से कामों में लाई जाती है, हम लकड़ी पर सोते हैं, हम लकड़ी में रहते हैं, हम लकड़ी पर तैरते हैं—वास्तव में लकड़ी बड़े काम की वस्तु है।

किसी नियम के दृष्टान्त के प्रारम्भ करने के लिये colon के स्थाने dash लगा कर प्रयोग करते हैं। जैसे — A pronoun is a word used instead of a noun, as—Ram went to Gopal and he saw him. सर्वनाम वह, शब्द है जो कि सच्चा के बदले प्रयोग किया जाता है, जैसे —राम गोपाल के पास गया और उसने उसको देखा।

FULL STOP, OR PERIOD

The full stop या period विराम से किसी वाक्य की समाप्ति का बोध होता है। इसके उपरांत दूसरे sentence को Capital letters से लिखना चाहिये इसका प्रयोग सच्चे वषों के पश्चात् भी हुआ करता है। जैसे—A D (for anno domini) Bart (for baronet)

NOTE OF INTERROGATION

Note of Interrogation अथ बोधक चिह्न अथ सूचक वाक्य के पश्चात् लगाया जाता है। इसके पश्चात् जो वाक्य लिखना हो उसे Capital letters से प्रारम्भ करना चाहिये। जैसे—who is he? Whence did he come? वह कौन है? वह कहाँ से आया?

NOTE OF EXCLAMATION

Note of exclamation आश्चर्य सूचक वाक्य के पश्चात् लगाया जाता है, जैसे—How pretty she is! वह कौसी सुन्दर है!

BRACKETS

बड़े वाक्य के मध्य में उपन्यस्त वाक्य को Bracket में बट कर देते हैं, जैसे—दस वर्ष की अवस्था में (उसकी बुद्धि इतनी तीव्र है कि) वह संस्कृत पढ़ सका है।

APOSTROPHE

Apostrophe के प्रयोग से यह बोध होता है कि कोई वष निकाल दिया गया है, जैसे—Hon'ble या Honourable, o'en या even, don't या do not

DASH

जब एक बात छोड़ कर याक़ायक दूसरी बात प्रारम्भ करते हैं तब dash का प्रयोग करते हैं। सामानाधिकरण या समझाने में जो शब्द आते हैं उनका बोध करने के लिये भी dash का प्रयोग होता है। जैसे—

Here lies the great—false marble where ?

“Nothing but wordy dust lies here” यहाँ पर मसीनता के मसीन पैदाय के सिवाय और कुछ नहीं ? (जहाँ) कि बड़ी बड़ी चीज़ें—ऊपर से सँग सर सर के समान सुन्दर मानुस होती हैं पर भीतर में उसके मसीनता का निवास रहता है।

They plucked the seated hills with all their loads—

Rocks, waters, woods, and by the shaggy tops

Uplifting bore them in their hands

ये जमी जमाई पहाड़ियों की भट्टूनी चोटियों और बीभत्त समेत जङ्गल समुद्र और चट्टानों को उठा कर अपनी हाथों में ले गए। किसी वाक्य के शुरु करने के लिये dash के पहले colon प्रयोग करना चाहिये, जैसे—He stood and said—
“God is the creator of all” उसने बड़े-ही कर कहा—ईश्वर हम सब, ता, जग्य दाता है। उपन्यस्त वाक्य के आगे पीछे दोनो ओर मिला कर दो dash लगाए जाते हैं, जोकि बड़े वाक्य के मध्य में प्रयोग किया जाता है। जैसे—At the age of ten—such is the power of understanding—he can read and write sanscrit well दस वर्ष की उम्र में—उसकी बुद्धि इतनी तीव्र है—(कि) वह संस्कृत लिख-पढ़ सकता है।

HYPHEN

मिश्रित शब्दों के भाग को मिला देने के लिये Hyphen को प्रयोग में लाते हैं। जैसे—bathing place नहाने की जगह।

INVERTED COMMAS

किसी वाक्य या दोहरे वाले की सटीक बात के प्रगट करने के लिये उसके आदि में (‘) दो commas उल्टे ओर उसके अन्त में दो commas सीधे (”) प्रयोग में लाते हैं जोकि Inverted commas कहलाते हैं। जैसे—“Ram said, the student” राम ने कहा कि वह पागल है।

इनके प्रतिरिक्त * * * '† dagger' | double dagger, ‡ perllal भी होते हैं जिन से कि यह प्रगट होता है कि किगारे पर कुछ लिखा है जोकि उन शब्दों से सम्बन्ध रखते हैं जिन पर कि वह चिह्न लगाया गए हैं। यह चिह्न प्रायः note (टीका) के वास्ते प्रयोग में आते हैं। किसी बात के कोट देने के लिये यह * * * चिह्न प्रयोग में लाते हैं।

(') यह accent का चिह्न कहलाता है और जिस Syllable पर accent (भार) हो उसके शेष के अक्षर के सिरे पर इसको प्रयोग में लाते हैं। जैसे—Victor विजयी।

(^) इस चिह्न को सतर के नीचे लाने से इस से यह बोध होता है, कि सतर के ऊपर भी लिखा है वह भुन से छूट गया था।

WORD BUILDING

शब्द रचना

जिस शब्द का कोई साधारण रूप नहीं किया जा सकता उसको साधारण या मूल शब्द कहते हैं। जैसे—Man, pen इत्यादि को Roots (मूल) भी कहते हैं। जब कि दो roots से मिलकर एक शब्द बनता है तो उसको compound word (मिश्रित शब्द) कहते हैं। इसके दो भेद (१) Unrelated (असम्बन्धि) या वह जिन में कि roots या simple words किसी व्याकरण के सम्बन्ध द्वारा नहीं जोड़े जाते, और वे juxta Positional भी कहलाते हैं (२) Related (सम्बन्धि) या वे जिन के कि साधारण शब्दों के मेल मिलानों में व्याकरण का सम्बन्ध रहता है जोकि Syntactical कहलाते हैं।

UNRELATED OR JUXTA POSITIONAL COMPOUND

Noun के आगे noun लगाने से noun बनता है। जैसे—oil-lamp, lamp-oil, ear-ring (बाली) Ring finger अगूठी noun के पहले gerund लाने से noun बनता है, जैसे—Looking-glasses (दर्पण) Blotting-paper झाड़ी पत्र। कभी २ रूपघटाने के लिये ing छड़ा देते हैं। जैसे—grind-stone for grinding

stone (स्तिन) noun के पड़ने adverb लगाने से noun बनती है। जैसे—over-coat, In-side (भीतर) In mate भीतर के लोग Adjective या participle के पड़ने उस noun के स्थाने Adjective बनता है, जिस से कि तुलना, सम्यक्, मूल कारण और विस्तार या माप उस गुण से प्रकाश हो जोकि विशेषण से प्रगट किया जाता है। जैसे—Snow white बरफ सा सफेद air tight (जिस में हवा न जाए) Heart broken दिल टटा purse proud ऐसे में दिवाना, "home sick (घर में घुसे रहने के कारण बीमार), world-wide अपार ससार breath high छाती, इतना ऊँचा ।

Noun को noun से मिलाने से adjective बनता है पर श्रेय के noun में d या ed रहती है। जैसे—one eyed काया chicken-hearted सुर्ग दिन ।

Adjective या Participle के पड़ने Adjective लगाने से adjective बनता है जिस में एक adjective दूसरे adjective का गुण प्रकाश करता है। जैसे—Blue black, red hot, dark blue, आदि, verb के पड़ने noun के स्थाने से verb बनता है। जैसे—To brow-beat मौलौ पीनौ भाखों से डराना। To back-bite चुगलौ खाना To bow-peck, (मतानो) जोड़ जब खमस को सगाती है तब उसके सगाने को कहने है ।

Verb के पड़ने adjective के लगाने से भी verb हो जाता है। जैसे—To white wash सफेदी करना ।

-RELATED OR SYNTACTICAL COMPOUNDS -

(१) Transitive verb अपने noun के साथ objective case में जब आता है तब उस verb से noun बनता है। जैसे—A tell tale (कहानी कहनेवाला) a part time अंशक समय ।

(२) Transitive verb के पड़ने noun जब कि objective case में होता है, तो इस अवसर में उस verb के स्थाने ० बटा देत हैं जिस से कि common noun का मतलब कर्ता से निकलता है और verbal noun या abstract noun के श्रेय में जब कि ing होता है। जैसे—shoe maker, मोची watch-maker चढी साज snake-charmer सपेरा shoe-making जूता बनवाई, watch making घड़ी बनवाई। पर इसमें कभी २ ० या ing उठा दिया जाता है ।

जैसे—Blood shed खून गिरना for blood shedding tooth pick for tooth picker दंत खुदनी ।

(३) जब कि adverb किसी verb के पहले या पीछे आकर उसका गुण प्रकाश करता है तब भी उस से noun बनता है जैसे an-~~in~~-come-आमदनी, off-spring औनाद A runaway मगेड, a waste-hway कुडा ।

(४) जब कि किसी noun का गुण किसी adjective से या present या Past participle से प्रकाश किया जाता है पर इस अवसर में कभी उसका ing या ed उड़ा दिया जाता है । जैसे—A noble man भद्र पुरुष, screech owl, 'छिन्नू की' शीख glon worm 'धमकीना कीडा skom milk मलाई बतरा दूध । Charcoal कीएना (लकड़ोका)

(५) जब कि Possessive noun किसी noun का गुण प्रकाश करता है या जब कोई noun दूसरे noun या Pronoun के साथ सम्बन्धितकरण में होता है या जब कि noun के पहले कोई Proposition आता है और वह उससे सम्बन्ध रखता है । जैसे—Sales-man (sale's man) बेंचनेवाला, Oars-man (oar's-man) सिंहाई King's bench राज्यासन, (floods-and पृथ्वी का चत), washer man धोवो Oak-tree साखू का पेड, he goat बकरा, she goat बकरी, after-noon, तीसरे पहर, fore-noon दुपहर के पहले ।

(६) जब कि किसी noun के पहले adjective आकर उसका गुण प्रकाश करता है । इस अवसर में noun के पद्यात् ed लगा देते हैं । और जब कि किसी noun के पद्यात् किसी Prepositive Verb का present participle आकर उसकी govern करता है या जब किसी noun के पहले preposition आ कर उस को govern करता है । जैसे—Over-hearted, बुरमेनवाला narrow minded कजूस, a man eating tiger मर्दम खोर चोता a self-sacrificing act निज की बलिदान देने का काम, over-land खुशको Over-time work नियुक्त समय के ऊपर काम ।

Adverb को verb के पास या पीछे रखने से verb को मिश्रित शब्द आता है । जैसे—Over-hear किसी की आठ में से सुन लेना, cross-question दुवाराग्र्य करना, turn out निकाल बाहर करना, come on आने आना ।

Derivative word संश्लेष्य शब्द या संयोजन मुगुक्त की Primary

आदिय शब्द लज्ज मन्दरी कहते हैं। जोकि आदि शब्द के रूप बदलने से बनता है।
 जैसे—Write, wrote और प्रत्यय या उपसर्ग या दोनों लगा देनेसे Secondary
 प्रथमानुगामी या दर्जासामी कहनाते हैं।

Verbs और adjectives के मध्यस्वर या उपके अन्तिमस्वर के बदलने से Noun
 बनता है।

Verb	Noun
advise उपदेश करना	Advice उपदेश
Bake बेकना	Batch बान
Bear बेजाना	Bier ठठरी
Bind बाधना	Bond दस्तावेज
Bite काटना	Bit घास
Bulge उभरना	Boil फोड़ा
Chap काटना	Chip टुकड़ा
Fly उड़ना	Flea पिंपूसू
Float बहना	Fleet बेडी
Shear कतरना	Share भाग
Sneak चुपचाप जाना	Snake साँप
Speak बोलना	Speech बोली
Stick टाँकना	Stitch सीवन

Adjective	Noun
Black काला	Blotch ददोड़ा
Crisp किरकिरा	Crape कपड धून
Grave गंभीर	Grief दुःख
Heat गर्म	Heat गर्मी
Proud घमण्डी	Pride घमण्ड

Strong मजबूत

Stung डोरी

White सफेद

What नेह

Verbs या Nouns के मध्यस्थ या अन्तिमस्वर के बदलनेसे adjective बनते हैं—

Verb	Adjective
Blink बहाना करना	Blank सादा
Float तैरना	Fleet बेहा
Lie लोटना	Low नीचा
Milk दूधना	Milch दुधारी
Wit जानना	Wire जानकार
Wrong मडोड	Wrong चपुड

Nouns के मध्यस्थस्वर के बदलने या उसके अन्तिम Consonant को आवाज कमकर देनेसे अथवा दोनों प्रकार से verbs बनाए जाते हैं—

Nouns	Verb
Bath स्नान	Bathe स्नान करना
Belief विश्वास	Believe विश्वास करना
Blood रक्त, खून	Bleed खून बहाना
Breach दरार	Break तोड़ना
Brooch क्रांति का गड़ना	Broach छेदना
Brood बच्चे	Breed जनना
Calf बछेडा	Calve वियाना
Cloth कपड़ा	Clotho कपड़ा पहना
Dike खाई	Dig खोदना
Food भोजन	Flood खिना

Nouns	Verbs
Glass काच	Glass ग्रीस मलना
Grass घास	Grazे चरना
Grease चिकनाई	Grease चिकना करना
Gold सोना	Gild मुनहना करना
Half आधा	Halve आधा करना
House मकान	House घरमें रखना
Knit गांठ	Knit गांठ लगाना
Sale बिक्री	Sell बेचना
Skim फेन	Skim फेन छतारना
Sooth तसल्ली	Sooth तसल्ली देना
Tell कहानी	Tell कहना
Tooth दांत	Teeth दांत निकलना
Use लाभ	Use व्यवहार करना
Wreath हार	Wreath लपेटना

Adjective के मध्यस्थ Vowel के बदलनेसे भी verbs बनते हैं —

Adjectives	Verbs
Chill ठण्डा	Chill ठण्डा करना
Fawn खुशामद	Fawn खुशामद करना
Defile गन्दा	Defile गन्दा करना
Frisk ताकत	Frisk चुन चुमाना
Fill पुरा	Fill भरना
Heal भरा चक्का	Heal चंगा करना

और Verbs से भी verbs बनते हैं जिनके कि Roots एक ही समान होते हैं उनके अर्थ में प्रभेद रहा करता है, जैसे —

Verbs	Verbs
Bend मोड़ना	Bend झुकना

Blur दाग लगाना	Blair किचड़ाना
Can भवना	Con याद करना
Chop काट डालना	Cope मुकाबला करना
Lark घातमें रहना	Lurch धोका देना
Slit चीरना	Slash फाड़ना
Smack मजालेना	Smash चूर चूर करना

Intransitive verbs के vowel को बदल देनेसे Transitive verb बन

जाता है जैसे —

Intransitive	Transitive
Bite काटना	Bait कटाना
Can सकना	Ken सोचना
Dive डूबना	Dip डबाना
Drink पीना	Drench पित्राना
Fall गिरना	Fell गिरना
Fare पार उतरना	Ferry पार उतराना
Lie लेटना	Lay लिटाना
Rise उठना	Rise उठाना
Sit बैठना	Set बिठाना

जब कि किसी मूल शब्द के आगे या पीछे कोई वर्ण बटा दिया ज ए तो उस शब्द को Secondary Derivative माधित शब्द या सफल मुत्तक कहते हैं। जैसे—un-man-ly नामदीसे जो वर्ण कि किसी शब्दके पहले लगाए जाते है उनको Prefixes उपसर्ग या हफे अब्ज कहते हैं। जैसे—Mis-deed बुरा काम। जो वर्ण कि किसी शब्द के पीछे लगाते है उनको, Suffixes प्रत्यय या हफे आखिर कहते हैं। जैसे,—Wisely बुद्धिमानोसे।

इन Prefixes और Suffixes की आदि उत्पत्ति (१) English या Teutonic (२) Latin या French और (३) Greek शब्दों से पाई जाता है।

I—PREFIXES

(I) ENGLISH OR IF TONIC

- A, (में पर) a bed बिस्तर पर a-sleep नींद में
 A-, (दूर ऊपर, से) a-rise उठना, a light उतरना, a-wake जागना
 Al-, (सब) al-one चनेला, al most प्राय ।
 At, (की) at one बदला देना ।
 Be (से) be-calm तपस्वी देना be friend सहायता करना, be-stir चलावा
 होना, be-guest वसतिगृह माली, but मित्राव केवल,
 By, (उन बाजू पर) by path पगडण्डी, by word कहावत by stander गवाह
 For, (मेंसे, बिलकुल) for get भूलना for bid मना करवा
 Fore, (आगे) fore head माथा, fore leg चंगले पांव, fore- tell भविष्यवाणी
 कहना ।
 Forth, (प्राज्ञ हीसे) forth-coming जागिर होना, forth with सभी से
 G- (विरुद्ध) g-annoy विरुद्ध कहना
 In, (भीतर) in-to भीतर, in land खल में in let खाड़ो
 Mis, (भ्रमहता से) mis-deed कुकर्म, mis take भूल
 N, (अस्वीकरण) none कोई नहीं, neither नहीं तो, never कभी नहीं
 nor न ।
 On-, on-set दूर, on slaught आक्रमण, धावा ।
 Out, (बाहर) out cast दैत्य निकालना out post जमात से बाहर, out look
 निगहबानी करना out : un सामने दीढ़ता ।
 Over (ऊपर परे) over-coat लयादा, over flow अधिकता, over leap छूट
 पड़ना ।
 To (को, वास्ते) to-day आज, to-morrow कल, to gether साथ, to ward
 की तरफ ।
 Un (नहीं) un-truth झूठा, un real, नकली, un ripe कच्चा, -
 Un, (पीछा) un-tie खोलना, un-do अन किया करना
 Under, under go सहन करवा, under stand समझना, under tale हाथ

में लेना, under neath तले, नीचे, under mine सेंद खोदना, under
hing कमीना, under sell दूसरे से कममें बेचना

Up, up right ईमानदार, up on ऊपर, पर up-lift उठाना

Well, (अच्छी दशमें) well fare कुशलता, wel-come शुभागमन

With, (विरुद्ध, पीछे) with draw दुर्करना, with stand रोकना with hold
रोकना।

(2) LATIN OR FRENCH

A, ab, abs, (दूसरे) a void अलग रहना, abuse गालीदेना, absent
गैर हाजिर,

Ad, ad, passing into a, ac af, ag, al, an-, ap, ar, as, at, जिस
से किसी वस्तुके "पास", "तरफ", "की" "की तरफ" का बोध होता है।
जैसे -ad vice उपदेश

A, loof दूर, ac cept स्वीकार करना, affection स्नेह, ag-grieve दुःख देना
allow परवानगी देना, annoy दुःख देना, ap-point नियत करना ar-
rive पहुंचना, as-sume अधिकार करना, at tend ध्यान देना, at tempt
चेष्टा करना, as pire ललचाना।

Ambi, amb, am, (चारों तरफ) ambi-dexter दो तर्फों ambition
लालच am bush घातकी जगह।

Ante, anti, (पहले) ante-cedent पूर्वोक्त, anticipation भविष्यवाणी।
Bene, (अच्छा) bene fit नेकौ।

Bi, bis, bin, bisect दो भागबराबर करना, bis-cuit सौंठी टिकिया,
bin ocular दो चश्मा

Circum, circou-circum ference गोलाकार, circuit परिक्रमा।

Co, con, com, जिन के col, cor coj आदिरूप हैं और जिनसे मतलब
"समूह" का निकलता है। जैसे —com bat लड़ाई, conflict झगडा co-
heir हम वारिस, collect इकट्ठा करना, cor rect सुदकरना Cog nate
एक ही सन्तान का, Coun-cil पञ्चायत।

Contra-, contro-, cunter-, (विरुद्ध) Contra-band अनुचित । व्यापार
Contro-versial झगड़ा सम्बन्धि ।

De-, (नीचे फेरफार) de-scent उतरना, de-camp तबू उतारना ।

Dis, di, dif, (बलग नहीं फेरफार) dis please नाखुश करना, digest
पचना, dif ficult कठिन, dis-close बन्द करना, dis mount उतारना

Ex, e, ef- (में से, से) examine परिचा करना, e-ducate विद्यासाध करना,
effort कोशिश, चेष्टा ।

Extra, (पर) Extra ordinary अद्भुत, Extra work अधिक काम ।

In, on—Im (में, भीतर, पर) in vade धावा करना, En-close or in-close
बन्द करना, embrace निपटाना In-bitter or em-bettir कड़ुवा
करना । En rich समीर करना En large बढ़ाना ।

In—(नहीं) In fant बच्चा, Il-legal अनियम, Ir regular अनियम, Il liter ate
चिड़चिड़ा । Latin 'in' और English 'un' का spelling एक हीसा
होता है, जैसे—In-cautious or un-cautious नाजानकार

Inter, intro-, enter-, (भीतर) inter rupt मना करना, Intro-duce प्रारंभ
करना, Enter tain दावत करना

Juxta- (पास) Juxta-position पास पास ।

Male-, mal, (बुरा) male factor कुकर्म, mal practice कुकर्म

Mis-, (मध्यम) Mis chief बदमाश, mis-ecnduct कुचाला ।

Ne-, neg, ne farious पापी, neg lect शफ़क्त करना

Non, (नहीं) non sense बे समझ ।

Ob-, (विरुद्ध, सामने) ob-ject मन्तव्य, oc-cupation पेगा । op-press सताना ।

Per pel (में से) per form करना, pel lucid निर्मल ।

Pene- (प्राय) pen insula प्राय द्वीप, pen ultimate अन्त (last but one)
शेषका एक छोड़ कर बाकी ।

Pos- (पीछे और डाक) post-age डाक खर्च post-date बिछसो तारीख ।

Pre-(पहले) pre-pare तयार करना, pre-face प्रस्तावना

Preter (पर) preter it पूर्ण भूतकाल, pretor mit छोड़ना

Pro, por-, pol, pur- (प्राप्ति) project निकलना, poi tend चिताना, pol luto घाँटना, बिगाड़ना pur-chase खरीदना ।

Re-, red- (फिर, पीछे) re-join फिर मिलाना, red undant व्यर्थ

Retro (पीछे की तरफ) retro vert वापिस लौटना ।

Semi, demi- (आधा) semi-circle गोलार्ध demi god आधा देव आधा आदमी ।

Se-, sed- (सलग) se parate सलग, sed-ition राजद्रोह

Sine, (बिना) sine-cure बिनाकाम का रोजगार

Sub- (मध्यम) sub-ject प्रज्ञा, success सफलता, suffer भोगना, sustain सहना sup port सहना, sur-render शर्णागत होना

Super-, sar (ऊपर, पर परे) super natural ,सुसुत, super-ior उच्च श्रेणीका surface ऊपरीभाग

Subter-, (नीचे) subter fuge प्रपञ्च

Trans, tra- (आरपार) trans-late अनुवाद करना, tra verse देवि बाधा ।

Tri- (त्रि) triangle त्रिकोण

Ultra (परे) ultra montane पहाड़ के पश्ची तरफ

Vice, vis (बदले में) vice roy राज्य प्रतिनिधि, vi count विनायत के अगली श्रेणी का सदाँर ।

Quasi (बहाना) a quasi judge झूठान्यायी

Quondam- (पूर्वोक्त) a quondam judge पूर्वोक्त चाची ।

(3) GREEK

A, am, an- (नहीं, बिना English 'an' के समान) a pathy के परवाही am biosial मधुर, an archy अन्धेर राज्य ।

Amphi (प्राय दोनों तरफ) amphi-bious स्थल जलचर ।

An-, ana- (तक, फिर) an-curism एक नस बदल को ana-lysis घुटकरणा

Ant-, anti विरुद्ध ant-agonist विरोधी, anti-pathy द्वेष ।

Aph-, apo- (से) aph-ism सूत्र, वचन, apo-logy क्षमा

Arch-, archi- (सदाँर) arch-bishop मुख्य धर्माध्यक्ष, archi-pelago टापुओं का समूह ।

- Auth, auto (स्वयं) authentic प्रामाण्य, auto cracy स्वान्त अधिकार।
- Cat, cata, cath-(नीचे) cat-achism प्रतीतिरी 'हारा' सिद्धांतन cata-rrh कफ
cath-edra) वडा गिर्जा
- Dia-(में से) dialogue संगत dia meter व्यास।
- Di-(दी में) di-syllable दोखण्ड का शब्द
- Dys-(दुरा) dyspeptic अजीर्ण रोगो dys-entery सपद्धनी, अतिसार।
- Ec-er (बाहर, से) : ec-lipsis ग्रहण, ex-loss अजर दम्ती से लेना
- En-(में, अन्दर) enthusiasm उत्साह, emphasis भार el lipsis पद घूनतो
- Endo (अहित) endo jenous भीतर २ फौलने वाला
- Ep-,eph-,epi-(पर) ep-och मन, सोरोख, 'epi-mor :। छोडे दिन जीने वाला,
ep-gram गवान
- Ev-,en (अच्छी तरह से) . or angelize ईसा के धर्म की प्रकाश करना eu-
logy तारीफ।
- Exo-(बना) exo-toric प्रगट।
- Hemi (आधा) hemi spheric गोलार्ध।
- Hept, hept'a-(सात) hept-archy एक देस में सात नरेशों का राज्य, hepta-
gon सप्तकोण।
- Hetero (छुदे २) Hetero-duxy सुपन्न।
- Hex-(छ) hex-gon छ कोण।
- Hom, homo-(समान) hom-iletic उपदेशक homogeneous अनुसार।
- Hyper-(अपर) hyper hole अधिकता।
- Hyp-,hypo-(नीचे) hyph-en हारमन (-) hypocrite बगुना भक्त।
- Met nota, methi (घोडे, बदला) mét physician वैद ज्ञानवान meta-
phrise यथा शब्द अनुवाद meth od रीति।
- Mon-mono-(अकेला) mon-arch नरेश राजा mono-tone एक राग
mono syllable एकाक्षरी शब्द।
- Pan, panto-(सब) -pan-orama दृश्य, panto-graph नक्का घटाने घटाने
वाना।
- Par-, para (बाजू) par allol-दो बराबर सीधी रेखा para lysis नक्का, भोला।

Penta (पाच) penta-gon पाच कोन ।

Peri-(चारों ओर) • peri od गर्दिश, अमण ।

Poly-(बहुत) poly syllable अधिकालरी शब्द ।

Pro-(पहले) • pro-gramme मनसूचा, विचार, pro phet भविष्यद्वक्ता ।

Pseud,pseudo-(झूठ) , pseud-onyx झूठा सुलैमानी पत्थर pseudo-critic झूठा दारौक बोन वाला ।

Syn-(साथ) : syn-tax वाक्य-पद्धति, syl-lable शब्द खण्ड, sym-pathy स्वभाव, समता system रीति, व्यवहार ।

Tele-(दूरी) tele graph तार समाचार

Tri-(तान) tri-cycle तीन पहिये गाड़ी

II SUFFIXES

(1) ENGLISH OR TUTIONIC

Ar,-er ,or (कर्ता बोधक) begg ar भिखारी, bak-er भटियारा, tail-or दर्जी ।

-Ster (स्त्रीलिङ्ग बाधक) Spin ster कातनेवाली ।

-En (स्त्रीलिङ्ग बोधक) Vix-en सोमडी या चलाक औरत ।

-Ard,-art cow-ard डरपोक, drink-ard शराबी bragg-art अभिमानी ।

Nd frie-nd मित्र, wi-nd वायु,-हवा ।

-Der,-ter ther • spi-der मकड़ी, daugh-ter लड़की mo-ther माता, fa-ther पिता ।

ABSTRACT NOUNS,

Dom • wis-dom बुद्धि, king-dom राज्य

-Head,-hood : child-hood बचपन, god-head, ब्रह्मत्व ।

-Ing learn ing, सिखाव, writ-ing लिखाई ।

-Ledgo,-lock • know ledge- विद्या wed-lock गठ जोड़ा ।

-Ness good-ness नैका, holi ness पवित्रता ।

Red : hat-rod नफरत, kind-red संगीतता ।

- Rise, bishop-ric विषय (पादरी) के गोचे की जगह ।
- Ship, -Scape Friendship मित्रता Wor-ship पूजा, land scape दृष्टि गोचर देय ।
- T or d · heigh-t छँदाई, dee-d काय ।
- Ter slaugh-ter हिंसा, कत्तल ।
- Th Steal th चोरी, bread th चोड़ाई, long-th लंबाई ।

DIMINUTIVES लघु प्रचारक शब्द या इत्तेतमगोर ।

- En, gon Chick-en मुर्गीका बच्चा, Kitten बिल्ली का बच्चा, Wag-gon गाड़ी
- El, -le Corn दाना से kern el गुद्दा, मिमी, चिनगारी से Spark le छोटी चिनगारी Bund le गद्दा hand le दस्ता ।
- Is or y brid le चिड़िया का बच्चा, lass-is छोटी लुत्ती या बच्ची, baby छोटी बच्ची ।
- Ing · Farth ing एक मित्रा, wild ing छोटा जङ्गल Whit ing छोटा कारा ।
- Kin lamb-kin छोटा भैंसना, nap-kin हमाल, गमका ।
- Lin duck ling बत्तक का बच्चा, gos ling इसका बच्चा hire ling छोटी से मजदूरन, under-ling कमौना ।
- Ock hill ock छोटीसी पहाड़ी, bull ock छोटा सा सांड ।

ADJECTIVES

- Ed (समान) Wretch-ed कष्टवृत्त, Lotter-ed विहीदार land-ed जमीनदार ragg-ed चिथड़ेदार ।
- En (काटना) wood-en लकड़ी का, Earh-en मिट्टी का, Wax-en मोमका Silk en रेशम का ।
- Ern (दिग्गोचक) South-ern दक्षिणी, west-ern पश्चिमी ।
- Fold (गुण) two-fold दो गुणा, man fold कई गुणा भी hundred fold ही गुणा, thousand-fold हजार गुणा ।
- Ful (पूरा) Fear-ful भयङ्कर play-ful खिलावड़ी wil-ful हठीला ।

-Ish (कुछ २ समान) 'girl-ish कुकड़िया' सा, whit-ish सफेद सा, (जाति बोधक) 'Engl-ish Turk-ish Spain-ish

Less (बिना) shame less शर्म, fear-less निहत्तर ।

Like God-like पवित्र, ईश्वर सा, war-like युद्ध संबंध 'lady-like गम्भीर सभ्य ।

-Ly (समान) friendly दोस्ताना, निराल, king-ly राज्यत्व ।

Some (भूरपूर, भुकावट) burden-ome बोझेल, wear-some थकावट, hand some सुन्दर ।

-Teen, ty (दस) nine-teen उन्नीस, twen-ty बीस ।

-Ward (की तरफ) south-ward दक्षिणकी और North-ward उत्तरकी तरफ, down-ward नीचे की तरफ ।

-Y (का, की) hill-y पहाड़ी, storm-y तूफानी ।

ADVERB

Ly (समान) god-ly ईश्वर सा, पवित्र, on-ly केवल ।

-Ing, long (दग) dark-ling दुन्दारा, head-long विरकेवल ।

-Meal (विभाग) piecemeal टुक टुक खण्ड ।

-N whe-n कब, the n तब ।

-Om seld-om कभी कभी ।

-Re where कहाँ, the re वहाँ ।

-S, -ce beside-s सिवाय, on ce एक बार, twi-ce दोवार ।

-Ther whether किधर, thi ther उधर, hi-ther इधर ।

-Ward, -wards (की तरफ) for-ward आगे की तरफ down-wards नीचे की तरफ ।

-Way, ways 'any way किसी तरफ straight-way सीधी तरफ al-ways 'सदा' ।

Wise (रीति) other-wise नहीं तो, like-wise उसी तरह ।

VERB

- Er, ling er (long से) देरी करना, flutt-er फड़फड़ाना, घर बदलना, (flit से) Climb से हुवा Clamb-er दु खसे बठना, glitt-er चमकना (glint से)
 En flatt-en चपटा करना, length en लम्बा करना, black en काला करना ।
 -K Walk चलना, har-k सुनो ।
 -Lo, l spark-lo चमकना, dazz-le चौंधियाना knee-l घुटनों बैठना,
 -M, -oin, on glea m चमकना, bloss om फूलना reck on गिनना ।

(2) LATIN AND FRENCH

Nouns denoting Agent

- An, -ain, -en Guardi-an प्रतिपालक, chapt ain कप्तान,
 Ant, -ent merch-ant सोदामर, stud-ent विद्यार्थी ।
 -Aire, -ar, -ary million-aire लखपतो, schol-ar विद्यार्थी secret-ary रक्षी
 -Ato, -ite, -it candida te पदार्थिषायी, Israelite यहूदी, jesu-it ईसाईयो
 के पय का लन ।
 -Es, y trustee धरोहरी (जिसके पास धरोह रखी जाए) deput-y प्रतिनिधी
 डिप्टी ।
 Eer, -ier engineer यन्त्रकारी, इन्जिनियर, sold-ier सिपाही ।
 Ess (स्त्रिलिङ्ग बोधक) tigi ess चीता (मादा) lion-ess सिघमौ ।
 -Iff, -ive plaint-iff विवादी, मुद्दे, capt ivo बधुषा, कैदी ।
 -Er, -eur, -ror, -our, robb er डाक, लुटेरा, amat eur किसी विद्या का
 चतुरागी, empe ror सम्राट, savi our मुक्तिदाना ।
 -Trix (स्त्रीलिङ्ग बोधक) execu trix कर्म निर्वाहिणी ।

ABSTRACT NOUNS

- Acy priv-acy एकान्त रहस्य intim acy प्रतिमित्रता ।
 -Age bond-age दामत्वा, दास भाग, marri-age विवाह, covr-age साहस
 hom-age सेवकार ।

- Al,-als : refus al निषेध, nupti als मनोरथ nupti als विवाह ।
- Ance,-ence , disturb ance दुष्ट व्याकुलता, obedi ence आज्ञा पालन ।
- Ancy,-ency : brilli-ancy चम चमाइट, reg-ency राजप्रतिनिधि ।
- Ess,-ice,-ise : prowess शूरता, वीरता, serv-ice चाकरी Merchand-ise व्यापार ।
- Eur Grand-eur प्रताप ।
- Its, . by real-ity प्रसन्नियत, cruel-ty निर्दयता ।
- Lence • turbu-lence खलवली, Vio-lence प्रवसता ।
- Ment • Conceal-ment छिपाओ, enchant-ment जादूगरी ।
- Mony- • Cere-mony रीति रसम, testi-mony प्रमाण ।
- Or,-our err-or भूल ; -our fav-our जग ।
- ry,-ery poetry कविता, slav-ery दासत्व ।
- Sion : Conver-sion विकार, confu-sion गड़बड़ ।
- Som,-son,-tion ran-som, redemp-tion कुड़वारी poi-son, विष por-tion भाग ।
- Tude • longi-tude लघाई, magni-tude बढाई ।
- Ure Creat-ure प्राणी, meas-ure माप भाव ।
- Y industr-y परिश्रम, victoi-y विजय ।

NOUNS DENOTING COLLECTION AND PLACE

- Ade • brig-ade सैन्य, दल, crus-ade ईसाई धर्मका युद्ध ।
- Age foli-age पत्तों का झुण्ड, vill-age ग्राम, cott-age भोंपड़ी ।
- Arium,-ary • sanita-rium तनू दुखती की जगह, libr-ary पुस्तकालय, gran-ary भण्डार ।
- Ery,-ory,-ry • Machin-ory कल, यन्त्र समूह, .fact-ory कोठी, cava-try घुड़सवार पलटन ।

DIMINUTIVES .

- El le • cast-le महल, किला, mod el नमूना, mora-el पाष ।
- Et, let locket छोटा लोका, thick-et छोटी भाडी root let जड़की छोटी र खटा, ring-let छोटा कला, book-let काटीसी पुस्तक ।
- Ette Cigar ette पीनेको घोड़ी, सिपेट, waggon-ette छोटी गाड़ी, ediqu ette मर्यादा ।
- Icle,-cule • Art icle चीज, animal-cule छोटे कोड़े को बिना दुर्वीनके दिखाई नहीं देते । इसी प्रकार curri-cul पाठशास्त्री का पुस्तक का चीनक Codi-cil दान पत्र का अनुवन्ध ।
- Ule : गोली, रवा, Caps-ule बीज पात्र, बीज कोष ।

ADJECTIVES

- Al Loy-al राज भक्त ।
- Ain, an ane court-ain कोई Rom-an रोमका निवासी hum an मनुष्य जातीय hum-ane दयालु ।
- Aneous Simult-aneous एकसमयका । instant aneous देवी, इतिहासिक ।
- Ant,-ent, vac-ant खासी, indiga ant बड़ा लोपो pati-ent बीमार, innoc ent निर्दोषी)
- Ar • solar सूर्य संबंधी, Lunar चन्द्र संबंधी regul ar नियम शील, singul ar एक वचन ।
- Arian,-arious,ary a-r-arian भूमि संबंधित prog-arious स्थाय रहने वाला, contri-ary विरुद्ध ।
- Ate separ-ate अलग, fortun ate भाग्यवान ।
- Ble, ple,-able sta ble स्थिर, अस्थायी ; drink-able पीनेयोग्य, dou ble दूना, tre ble तिगुना, sim ple सादा, सरल, tri ple तिगुना ।
- Eol,-il,-le-el gent eel सुकुमार, gentle कोमल cruel निर्दयी frail निर्बल ।
- Escent conval-escent चंगा होना, meal-cent बहुत गरम ।

-Ese . Chin-ese चीनका निवासी, Burm-ese बर्मा का निवासी, Siam ese
-श्याम का निवासी ।

-Erious dolit-erious हासि कारक ।

-Ete, -et, : Compl-ete परिपूर्ण, disor-der सावधान ।

-Fic, terri-fic भयकर, horri fic भयानक ।

-Ic, -ique publ-ic, सर्व साधारण un-ique अनूठा, अनोखा ।

-Id ac id खड़ा, plac-id कोमल, rig-id कड़ा ।

-Ian Austral-ian ओस्ट्रेलिया का निवासी, Ind-ian भारतवासी ।

-Ile serv-ile आधीन, Juvon ile तरुण, जवान ।

-Ine div-ine इश्वरीय, infant-ine बालक संबंधी ।

-Ite appos-ito विरुद्ध, सामने, Vishnu-ite विष्णु, भगवान का, Shiv-ite
शिवजी का ।

-Ive act-ive उद्योग, फर्तीला, capt-ive बंधुषा, कैदी, relat-ive संबंधी,
नातेदार ।

-Lent pesti-lent मरी, vio-lent प्रबल ।

-Orious, -ory lab orious परिश्रमी, compuls ory दबायी ।

-Ose, -ous verb ose बहु वाक्य, danger-ous भयानक ।

~VERBS~

-Ate agit ate हिलाना, चबरोना captiv-ate कैद करना ।

-Ece efferv esco उबालना ।

Fy : terri-fy डराना, simpli fy सरल करना ।

-Ish fin-ish समाप्त करना पुराकरना, खतम करना pun-ish दण्ड देना,

publ-ish प्रकाश करना ।

-It, -ite credit उधारदेना inhab it रहना, expod ite शीघ्र भेजना ।

(3) GREEK SUFFIXES

NOUNS

AGENT

Ast enthusi ast बहुधा सोचनेवाला ।

Io horet-ic नास्तिक, crit-ic छाता ।

Ist dent ist दात बनानेवाला, optim ist ससार की इरवात का जानकर ।

Ob pati ot देग हितकारी, idl ot मूढ़ ।

ABSTRACT NOUNS

Asm enthusi-asm जोश, उद्यता, Sarc-asm बोलीबोली ।

-Ic, -ics logic तर्कशास्त्र, मन्तिक music गानविद्या ethics नीतिशास्त्र, नसी-
हत नाम ।

-Ism patriot-ism स्वदेश प्रीति । critic-isms छात ।

Se, -is sy relip se ग्रहण, ba sis मूल, जड़, drop-sy जलम्बर ।

-y monarch y राज्य, philosoph y तत्त्वविचार ।

DIMINUTIVE

Esque, -isk statu esque 'पुतले' की तरह, obol-isk नाटो मोनार ।

ADJECTIVE

Esque pictur esque चित्र के समान ।

Ic dramât-ic नाटक, सबधी, trag ic दुःखजनक नाटक ।

VERBS

ise, -ize civil ise सिखसाना real-ize सिख करना, पानो ।

IV PROSODY

Prosody इन्मे उद्गुज या छन्द, मास्त्र इ प्रोजी, भाषा के व्याकरण का वह वह है
जिससे कि छन्द रचना का ज्ञान होता है । इसके दो खण्ड हैं — Orthoepy
जिससे उच्चारण का बोध हो, और Versification जिससे छन्दों का ज्ञान हो ।
एक Syllable के शब्द में accent नहीं होता, पर काव्य में होता है । दो
syllables के शब्द पर पहिले Syllable पर-accent चक्कर दवा करता है । पर

जब कि वही शब्द noun, adjective और verb हो तो noun और adjective में पहले syllable पर और verb में दूसरे syllable पर accent डूबा करता है जैसे Curr'ency, Curr'ents, और Current'

अब एक शब्द से दूसरा शब्द बनाते हैं तो दूसरे शब्द के उच्चारण में भेद हो जाता है। जैसे—Know में O long और Knowledge में o short है तीन syllable के शब्द पर अक्षर पहले या दूसरे Syllable पर accent डूबा करता है।

Ga'ity खुशी। इसी प्रकार चार Syllable के शब्द में दूसरे तीसरे Syllable पर accent डूबा करता है। जिससे पूरा भार प्रगट हो उसे Primary accent और जिससे कुछ काम भार प्रगट हो उसको secondary accent कहते हैं। Primary accent का चिह्न यह है (') और secondary का (") यह है। दु खजनक उत्तान्त को धीरे और सुखदायक उत्तान्त को मधुर आवाज में पठना चाहिये।

VERSIFICATION

साधारण बोल चाल को Prose शब्द या गद्य कहते हैं। मन भावन भाषा को poetry पद्य या गज्ज कहते हैं Poetry में सब सतरे syllable के अनुसार बराबर होती हैं। Prose में सब सतरे बराबर नहीं होती। Poetry में पहली या तीसरी सतर बराबर होती है या सभी सतरे, बराबर होती हैं या दूसरी और चौथी बराबर हों या नौ नौ सतर का एक एक Paragraph हो और हर Paragraph पाठ सतरे बराबर हों और नवीं सतर नवीं सतर के बराबर हो यह अच्छी तरह से समझना चाहिये कि इस जीके छन्द रचना में सतर Syllable के हिमाव से बराबर रखे जाते हैं न कि वर्ण के विचार से।

Rhymed verse मित्राक्षर या काफिया बन्दी वह काव्य या गज्ज है जिसके सतरी के अंत में मेल हो इस मेल को Rhyme मित्राक्षर या काफिया बन्दी कहते हैं, जैसे—

O, 'Virtuous Queen', Victorious Queen !

Thou art not any longer seen,

हे सम्राज्ञिस्त्रिनी शानी ! हे जय' कारिणी महाराणी ! अब तेरा दिखाई देना दुर्लभ हो गया। इस मेल के लिये तीन बातों पर ध्यान देना चाहिये (१) अन्त का vowel और उसका उच्चारण और उसके पश्चात् का अक्षर हो वह सब एक से हो।

(२) कि अन्तिम *or el* के पड़ने जो अक्षर हो वह एक न हो (३) जिन *Syllable* का मेल हो उन में से यदि एक पर *accent* हो तो सब पर *accent* होना चाहिये जिसका हृत्तान्त ऊपर दिया चुके है उन को *perfect rhyme* कहते हैं । यदि मित्राक्षर इस नियमके विरुद्ध हो तो उसको *approximate rhyme* कहते हैं *Perfect rhyme* का प्रयोग अङ्ग्रेजीमें बहुत कम होता है । जब कि पदक अन्त और मध्य दोनों अंग *rhyme* होता है तो वे *middle* और *final rhyme* कहलाते हैं ।

Chorus (ध्रुव) काव्य के दो एक सतर को कहते हैं जो कि कई सतर के पद्यात् जोड़गई जाती है । जैसे—

Oh Virinous Queen ! Victorious Queen !
Thou art not any longer seen,
High thy manner and high thy mien,
But thou thyself no longer seen

Blank verse अमित्राक्षर यह काव्य है जिस में *rhyme* (मेल) नहीं ।

Now stir the fire and close the shutters fast
Let fall the curtains wheel the sofa round,
And while the bubbling and loud hissing urn
Throws up a steamy column and the cups
That cheer but not inebriate wait on each
So let us welcome peaceful evening in

—Cowper

अस छन्द में विग्रह और सुप्रसिद्ध हृत्तान्त का संग्रह होता है जिस को कि *opics* (महा काव्य) कहते हैं । इस में ऐसी बातें भी होती हैं जो वच से ऐसा सम्बन्ध रखते हैं कि जिस का लिखना न लिखना बराबर हो तो इस लिखावटी सबधको *episode* कहते हैं जिसके लिखनेका तात्पर्य यह है कि अमल किरते में जोन घवराए इस *episode* का हृत्तान्त थोड़ा और उमड़ा होना चाहिये । असल हृत्तान्त में कोई मनुष्य मुखिया समझा जाता है जिसको कि *hero* (धोर) कहते हैं जिस से काव्य में एक ही हृत्तान्त समझा जाता है । इस से कवि अपनी लिखावट पर जोर दे सक्ता है और यह हृत्तान्त नष्टा कर पुरातन भाग का होना चाहिये ।

Ramayan का hero (वीर) Ram है epic के अन्त में दुःख का वर्णन न होना चाहिये मगर Milton साहबने paradise lost के शेष में Adam का दुःख प्रकाश किया है।

जिस Syllable पर accent हो उसे long syllable कहते हैं और जिस Syllable पर accent न हो वह short syllable कहलाता है। काव्य में प्रत्येक पद long और short syllable से मिल कर बनता है और दोनों का परिमाण एक सा होता है—

When the British warrior Queen
Bleeding from the Roman rods,
Sought with an indignant mien
Counsel of her country's gods

पद्य देखी कि पहली सतर में छ Syllable है और इसी प्रकार हर सतर में छ २ Syllable है, और फिर हर जोड़ वाला Syllable (long) है और वे जोड़ वाला Syllable (short) इसी प्रकार हर line में long और short हैं। इसी प्रकार हर line में ऐसा ही हिसाब long short और accent का रखना चाहिये ऐसा होना भी सम्भव है कि पहली तीसरी line भी उनी तरह पर बराबर रहे। जैसे कपर के दृष्टांत से पाया जाता है। ऐसी २ नियमावली का हिसाब काव्य में ठीक २ बराबर रीति के अनुसार रहना चाहिये, कहीं पर भी और का और न होना चाहिये।

काव्य की प्रत्येक line (पंक्ति या सतर) को पद मिसरा या verso कहते हैं। काव्य में दो या तीन Syllable मिलकर एक foot चरण या ककुन कहलाता है कोई २ छन्द या नम दो दो Syllable के foot का और कोई २ तीन २ syllable के foot का होता है।

प्रत्येक foot में दो long syllable (शुब) और short syllable (लघु) होते हैं जोकि verse के बीच में कहीं २ प्रयोग में लाए जाते हैं कि जिसमें एक ही चान्त के foot के लगातार प्रयोग से मनन उखताने पाय।

Verse के सब feet मिलकर metre या measure अथवा पद्य, वृत्ति या वजन कहलाते हैं।

Foot के आठ भेद होते हैं—

(1) Iambus दो Syllable का foot होता है जिसमें पहिला syllable short और दूसरा long जैसे—depend

(2) Trochee दो syllable का foot होता है कि जिसमें पहिला syllable long और दूसरा short हो । जैसे—Noble

(3) दो Long syllable के foot को spondee कहते हैं । जैसे—Lame man (लमहा आदमी) ।

(4) दो Short syllable के foot को Pyrrhic कहते हैं । जैसे—for a bill

(5) तीन syllable के foot को Dactyl कहते हैं । जिसमें पहिला syllable long होना है और दूसरा और तीसरा syllable short होता है । जैसे—gradual

(6) जिस foot में पहिला और तीसरा syllable short हो और दूसरा syllable long होतो उस foot को amphibrach कहते हैं । जैसे—Abatement

(7) Anapaest वह foot है जिस में कि पहिला और दूसरा syllable long और तीसरा, syllable short होता है । जैसे—Interpreto उग्या करना ।

(8) जिस foot में तीनों syllable short होते हैं उस को tribrach कहते हैं । जैसे—Benrable

जानना चाहिये कि एक foot को line को Monometre, दो feet को line को dimetre, तीन feet को line को trimetre चार feet को line को tetrametre, पांच feet को line को pentametre, छ feet को line को hexametre, सात feet को line को septametre, और आठ feet को line को octonetre कहते हैं । Monometre और di metre से पुरा काव्यवाता है । भा लगे रहने के लिये इसके साथ tetrametre आदि का भी प्रयोग होता है । इसी प्रकार केवल Spondee, pyrrhic और tribrach से verse नहीं बनता, किन्तु केवल सनने लगे रहने के लिये यह कही २ दूसरी verse में आए जाते हैं ।

Iambus से जो verse बनता है उसे iambic verse कहते हैं । इसी प्रकार Trochee से Trochaic, anapaest से anapaestic और dactyl से दने हुए verse को dactylic कहते हैं । Iambic verse प्रायः trimeter tetrametre और Pentametre होता है जोकि किसी भारी विषयके वर्णन करने के लिये

प्रयोग में आता है। इसी प्रकार Trochaic verse भी metre में Iambic verse के समान होता है। जिसमें आनन्द की बातें और भजन लिखे जाते हैं और Anapestic verse भी metre में Iambic verse के समान होता है जिसमें भारी २ विषय और आनन्द की बातें सब प्रकार को लिखी जाती हैं। टिल लगाने के लिये Iambic में कभी एक आधा trochee भी लाते हैं और Anapestic यदि तीन syllable वाले foot के verse के साथ प्रायः Iambic इत्यादि दो syllable वाले feet लाते हैं। किन्तु १०१० को syllable और accent के हिसाब से गिनकर जांच करनेका नाम Scanning है। परखने के समय short syllable (') इस चिह्न से प्रकाश किया जाता है और long syllable की इस (|) चिह्न से और हर एक foot (-) इस चिह्न से प्रकाश करते हैं। Verse के बीचमें ठहरनेकी Caesura (सिजोरा) पति या वक्तव्य मिसरा कहते हैं। इसके साथ पढ़नेमें सधुरता प्रगट की जाती है और इसीलिये इसका प्रयोग किया जाता है। इस की Scanning में इस चिह्न (||) से प्रकाश करते हैं और यदि कोई दो syllable भ्रष्टाटे से बोलने के कारण एक syllable के समान सुनाई दे तो उसकी एक ही syllable में समझना चाहिये।

Couplet or distich दोहा और दो और triplet तीनसतर का होता है जोकि त्रिपदी या सेमिसरी कहलाती है। एक चरण या तुक अर्थात् आधी सतर को hemistich कहते हैं। यदि किसी verse में प्रत्येक शब्द के आदि या मध्य में एक ही अक्षर प्रयोग में आवे तो उसे alliteration कहते हैं जैसे —

Soul is not sold for thy sake,

Body and heart I ever can stake,

कई verse के समूह को एक stanza या stave कहते हैं।

Iambic Pentameter को Heroic Measure या Epic measure कहते हैं जिसमें कि महाकाव्य लिखते हैं और जिसके अंत में कभी २ क १० verse के Iambic feet का भी होता है जोकि alexandrine verse कहलाता है। आठ Heroic जो प्रत्येक verse के अंत में और उसके पश्चात् एक alexandrine जो आठवीं सतर से मेल रखे जिसमें नौ सतर मिलकर एक sponserian stanza कहलाता है।

Figures of speech (अनन्तर शुभ घयानी) शब्दों के spelling सजावट
 र अर्थ में प्रभेद का होना figure कहलाता है। यह तीन प्रकारका होता है।
 orthography (spelling में हेरफेर) जैसे—beneath से'neath, vally से vale
 प्रकार से syllable के काट छाट की Elision कहते हैं। शब्द के बढ़ाने
 Prothesis कहते हैं। जैसे—chain से Euch'm बनता है। compo-
 nd word अर्थात् दो शब्द से जो शब्द बना है उसकी दोनों अंश के मध्य में एक
 शब्द बिठाकर अलग करनेकी Timesis (मिसिज) कहते हैं। जैसे—toward
 Ram के बदले to Ram ward

दूसरे figure of syntax जिसमें शब्दों का लिखावट का हेर फेर रहता है।
 जैसे—He reads and writes well इस में 'and' के पद्यात् जो he गुप्त है इस
 का Ellipsis कहते हैं। और बिना प्रयोजन के किसी शब्द को बिठा कर
 रखना pleonasm कहलाता है। और आगे के शब्द को पीछे और पीछे के शब्द
 को आगे लाना Hyperbation कहलाता है जिससे काव्य में इबारत पर जोर पड़ता
 है। जैसे—

God moves in a mysterious way
 His wonders to perform

दूसरी पक्ति असल में है to perform his wonders तीसरा Figures of
 Rhetoric कहलाता है। इसके द्वारा शब्दों का पर्यवदना जाता है और उन
 को भली प्रकार से सजाया जाता है जिसमें बदलने को Figures of words कहते
 हैं और सजाने को figures of thought कहते हैं।

दो मित्र जाति की चीजों में किसी गुण के मेल को simile या comparison
 कहते हैं। जैसे—He is like a lion वह सिंह के मानिन्द है। like और as
 यह दोनों simile के चिन्ह हैं। यदि यह चिन्ह न हो तो उसे metaphor कहते हैं।
 जैसे—He is lion वह सिंह है अर्थात् उस में सिंह के गुण हैं। जिस शब्दों
 में किसी प्रकार का सम्बन्ध है उन में से एक शब्द के बदले दूसरे शब्द के लाने
 को metonymy कहते हैं। जैसे—I am reading milton में मिल्टन की
 पनाई किताब पढ़ता हूँ। पशु और वे जान चीजों को आदमी के समान प्रगट करने
 को Personification कहते हैं। जैसे—O Ganges!

असली वृत्तान्त को छोड़ कर किसी मनुष्य या वस्तु से इस प्रकार बात करे कि
 माने वह सामने उपस्थित हो तो इस अनन्तर को apostrophe कहते हैं। जैसे—

O luxury ! thou curst by heavens decree
How ill exchanged are joys like these to thee

—Goldsmith

बहुत metaphor मिल कर किसी कहानी में आते हैं तो allegory कहलाते हैं ।

जिम अलङ्कार में एक चीज दूसरी चीज के विपरीत हो तो उसको antithesis कहते हैं । जैसे—*he can sell but cannot 'gain'* यहाँ gain antithesis है ।

सुप्रसिद्ध कहानी रुतबे में लिखी हुई जल्दी से जो समझ में आजाए उसे allusion कहते हैं । साधारण वस्तु को बड़ा कर दिखाना Hyperbole कहलाता है । जैसे—*He was stronger than lion* वह सिंघ से अधिक बलवान था ।

जो विषय कहा जाए और उल्टा समझा जाए यह irony कहलाता है । *He is clever indeed* अर्थात् वह मूर्ख है ।

Interrogation वह सवाल काव्य में समझा जाता है जिस में जवाब की जरूरत नहीं । जैसे—*Is there any who loves his pain ?* कोई ऐसा है जो दुःख भोगना चाहता है ।

Exclamation से क्रोध आनन्द और अजीब प्रगट होता है । जैसे—

O what a fall was there my countrymen हे मेरे स्वदेशीयो गिरान काँसी थी ।

जिस Present tense से past या future का अर्थ निकलने और उससे दिन पर पसर हो उसे vision कहते हैं । जैसे—*Alexander comes (came) to India* climax वह अलङ्कार है जिसमें कोई विषय क्रम के साथ चढ़ाव या उतार से प्रगट किया जाता है । जैसे—

It is Pinctie that makes every thing easy, when found easy, it gives pleasure, when gives pleasure, we do it अर्थात् सब काम सहज होजाते हैं, जब सहज होजाते हैं तो आनंद होता है, और जब आनंद होता है तो हम उस काम को करते हैं ।

काव्य में कभी २ Noun के साथ ऐसे adjective आते हैं जोकि उस noun का गुण प्रगट नहीं करते जैसे—*The birds are the tenants of the warbling shade* वह पक्षि गुं गुगाती हुई छाया के रहनेवाले हैं । यहाँ पक्षि का गुण छाया को सौंपा गया है । इसी प्रकार और भी जानो ।

काव्य का लेख जहाँ तक हो सके, मत्तनव बहुत, व्याकरण और पुराने कवियों के अनुसार होनी चाहिये ।

ENGLISH AND HINDI DICTIONARY.

अंग्रेजी और हिन्दी डिक्शनरी

A

Abandon (एबैण्डन) कमकरना, छोड़ना

Abate (एबेट) हनका करना, घटाना

Abbreviation (एब्रिविएशन) संक्षेप

सक्षेप

Able (एबिल) हाशियार, नायक

About (एबौट) लगभग, आसपास

Above (एबव) सबके ऊपर सर्वापरि

Aboard (एबोर्ड) परटिस बिदेस

Abruptly (एब्रप्टली) अकस्मात,

बेधडक

Abscond (एब्सकॉण्ड) भागना, निकल

जाना

Absent (एबसेन्ट) गैरहाज़िर

Absolutely (एब्सोल्यूटली) बिल्कुल

Abundant (एब्डेण्ड) बहुत

Abuse (एब्यूज) गालीदेना, विपरीत

Accent (एक्सेण्ट) आवाज़

Accept (अक्सेप्ट) कबूलकरना

Access (एक्सेस) पहुच

Accident (एक्सिडेण्ट) अघातक,

घात

Accompany (एकम्पनी) साथ जाना

Accordance (एकॉर्डेन्स) सुताविक

According (एकॉर्डिंग) मूज़ब, प्रमाण

Account (एकौण्ट) हिसाब

Accumulate (एक्क्यूमुलेट) जमाकरना

Accurate (एक्जुरेट) ठीक

Ache (ऐक) वेदना, पीडा, दर्द

Acid (ऐसिड) खट्टा

Acknowledge (एक्नोलेज) कबुल

करना

Acquiesce (एक्क्वीएस्) प्रमथ होना,

मानना, सन्तोष करना

Acquaint (एक्क्वेण्ट) समाचार वाहना,

जनावना

Acquire (एक्क्वायर) प्राप्ती कमाना

Acquit (एक्कट) छोडना

Across (एक्क्रोस) पार, बार, पारपार

Act (एक्कट) करना, आर्दन

Action (एक्कशन्) युध, मुकदमा, कर्म

Active (एक्क्टिव) उद्योगी, चालाक,

मेहनती

Actual (ऐक्चुएल) यथार्थ, हकीकत,
ठीक

Acute (ऐक्यूट) चतुर, बुद्धिमान, तीज

Adapt (ऐडैप्ट) योग्यकरना, ठीककरना

Add (ऐड्) अधिककरना, जोड़ना,
बढ़ावना

Addict (ऐडिक्ट) बाध डालना, चढाना
रना

Address (ऐड्रेस) पता, ठ काना

Adequate (ऐडिक्वेट) काफी

Adjoining (ऐडजोयनिङ्ग) लगाव

Adjudge (ऐडजज्) विचार करना,
निर्णय करना

Adjust (ऐडजस्ट) निश्चय करना

Administer (ऐड्मिनिस्टर) बन्दोबस्त
करना

Admire (ऐडमायर) प्रशंसा करना

Adopt (ऐडोप्ट) गोदबैठालना, लेले ना

Adoration (ऐडोरेशन) पूजा, भजन

Adore (ऐडोर) पूजना, अचना, भजन
करना

Adorn (ऐडोर्न) शोभितकरना

Adultery (ऐडलटेरी) व्यभिचार

Adulation (ऐडुलेशन) खुशामद

Advance (ऐडवान्स) आगेचलाना
बढाना

Advantage (ऐडवाण्टेज) लाभ, प्राप्त

Adversary (ऐड्वरसेरी) वैरी, शत्रु, अरि

Advertise (ऐड्वरटाइज्) समाचार देना

Advice (ऐड्वाइस) सलाह

Advise (ऐड्वाइज) सलाह देना

Affection (ऐफेक्शन) प्रीति, प्रेह, प्रेम

Affix (ऐफिक्स) योग्य करना, लगाना

Afflict (ऐफ्लिक्ट) दुःखदेना, ताड़नादेना

Afraid (ऐफ्रेड) भयभीत

Alliance (ऐलाएन्स) सम्बन्ध, नाना

Allot (ऐलौट्) हिस्सादेना

Aid (ऐड्) मदद, उपकार

Aim (ऐम्) इरादा करना

Air (ऐयर) हवा, वायु, आकाश

Airing (ऐयरींग) हवाखाना

Alarm (ऐलार्म) डराना, भडकाना

Alight (ऐलाइट्) उतरना, निचेआना

Alike (ऐलाइक्) समान, सादृश्य

Alive (ऐलाइव) जीवता, जीवताहुवा

All (औल्) समस्त, सर्व, तमाम

Alley (ऐली) गलियारा

Among (ऐमङ्ग) बीच

Amount (ऐमाउण्ट) सब बढना

Aged (ऐजिड्) वूढा, प्राचीन, वृद्ध

Agency (ऐजेन्सी) आदत

Agent (ऐजेण्ट) गुमास्ता, आदतिया

Ago (ऐगो) आगे, पहिले, बीते

Agree (ऐग्री) कबूलकरना, एक मन
होना

Agreed (ऐग्रीड्) कबूल किया

Ague (ऐगू) शीतज्वर, ऋषज्वर	Ambush (ऐम्बुश) घातकी जगह
Ah (आह) आह, हाय	Amond (ऐमेण्ड) सुधारना
Afternoon (आफ्टरनुन्) तीसरा पहर	Amonds (ऐमेण्डस्) एवज
Afterwards (आफ्टरवर्ड्स) इसके पीछे	Amiable (ऐमीराबिल्) सुन्दर
Again (ऐगेन्) वारवार, फिर	Amid (ऐमिण्ड) बीच
Against (ऐगेन्स्ट) विपरीत	Appearance (ऐपीयरन्स) चैहरा, मूरत
Age (ऐज) ऊपर, चावटी, आयुम	Appease (ऐपीन्) धीरज देना, समझाना
Allow (ऐलाउ) परवानगी देना, इजाजत देना	Ample (ऐम्पिल्) बड़ा, बहुत
Almanac (ऐल्मैनाक्) पञ्चाङ्ग	Amuse (ऐम्यूज) मस फेरना, मन रञ्जन करना
Almighty (औलमाइटी) परमेश्वर, सर्वशक्तिमान	An (ऐन्) एक
Almond (औलमण्ड) बादाम	Analyse (ऐनेनाइज्) न्याय करना
Almost (औलमोस्ट) निकट, लगभग	Ancient (ऐन्जिएण्ट) पुराना, प्राचिन
Alma (आल्मा) दान, भिक्षा	And (ऐण्ड) और
Aloft (ऐलौफ्ट) ऊचा ऊपर	Anger (ऐङ्गर) क्रोध, गुस्सा
Alone (ऐलोन्) फकत्, अकेला	Angry (ऐङ्ग्रि) गुस्से, खूबर
Aloof (ऐलूफ) न्यारा, दूर, भलग	Anguish (ऐन्विग्) दरद, क्रोध
Along (ऐलौग) सह, साथ, सहित	Animal (ऐनिमल्) जानवर ।
Aloud (ऐलाउड्) ऊचे स्वरसे चिल्लाके	Annex (ऐनेक्स्) मिलावना जोड़ना
Also (औलसो) फिरभी	Announce (ऐनाउन्स) खबरदेना जानना
Already (औलरेडी) अभी, इसीक्षण में, चुका	Annoy (ऐनोय्) दिक्करना सतावना
Altar (आल्टर्) बटमना	Another (ऐनादर) दूसरा, दूसरा
Although (औलदो) यद्यपि, भगरचे	Answer (ऐन्सर) जवाब, उत्तर
Altogether (औलटुगेदर) बिल्कुल, तमाम	Antimony (ऐन्टीमनि) सुरमा, पञ्चन
Alum (ऐलम्) फिटकडी	Anxiety (ऐगजाइटी) फिकर
Always (औलवेज) हमेशा, सबदा नित्य	Any (ऐनी) कोई कोई भी
	Apartment (ऐपार्टमेण्ट) कोठरी, कमरा
	Apparel (ऐपैरेल्) कपडा, वस्त्र

Apparent (ऐपैरेंट) जाहिर
 Appeal (ऐपील) कजु करना, अपील
 Appear (ऐपीयर) मजलूम करना,
 हाजिर होना
 Arrived (ऐराइव्ड) पहुँचा
 Art (आर्ट) विद्या, गुण
 Article (आर्टिकिल) चीज
 Appetite (ऐपेटाइट) चुषा, भूख
 Apply (ऐप्लाइ) लगाना, जोड़ना
 Applicable (ऐप्लिकेबिल) लायक
 Appoint (ऐपॉइन्ट) नियुक्त करना,
 ठहराना
 Appraise (ऐप्रेज) भाव ठहराना, जाचना
 Apprehend (ऐप्रिहैण्ड) समझना
 Approach (ऐप्रोच) पहुँचना
 Approve (ऐप्रूव) मञ्जूर करना, पसन्द
 करना
 April (ऐप्रिल) एप्रेजी महीना
 Arbitor (आबिटर) पक्ष
 Arbitration (आबिट्रेशन) पक्षायत
 Are (आर्) हैं हो
 Argue (आर्ग्यू) तर्कार करना
 Aright (ऐराइट) ठीक, दुरुस्त
 Arise (ऐराइज्) उठना
 Arm (आर्म) नाह, डालो, हथियार
 Armory (आरमोरी) सिखनागा
 Army (आर्मि) फौज, जस्का, क. क. दल
 Around (ऐराउण्ड) आसपास, चातरफ
 Arouse (ऐराउज) जगाना, उठाना

Arrange (ऐरेंज्) बन्दोबस्त करना
 Arise (ऐरियर) बाकी
 Arrest (ऐरेस्ट) रोकना, अटकाना
 Arrive (ऐराइव) पहुँचना, आजाना,
 दाखल होना ।
 Artifice (आर्टिफिस) कपट, व्यापार,
 हिकमत
 Artisan (आर्टिजन्) कारीगर
 Artist (आर्टिस्ट) गुणी, निपुण
 Artless (आर्टलेस्) भोला, अनाही
 As (ऐज) जब, क्यों, जैसा
 Ascend (ऐसेण्ड) चढाना, ऊपरजाना
 Ascertain (ऐसर्टेन्) निश्चय करना,
 दरियाफूज करना
 Aside (ऐसाइड्) एक तरफ
 Ask (आस्क) पृच्छना, मांगना, चाहना
 Aspect (ऐस्पेक्ट) रूप, डोल
 Ass (ऐस) गधा, खर
 Assemble (ऐसेम्बल्) समान होना
 Assembly (ऐसेम्ब्ली) मजलिस, सभा
 Assign (ऐसाइन्) देना
 Assist (ऐसिस्ट) मदद करना
 Assistent (ऐसिस्टेण्ट) मददगार
 Assure (ऐश्योरैस) बीमा
 Asunder (ऐसण्डर्) अलग, न्यारा
 At (ऐट) नजदिक, तरफ पक्ष, की
 Ate (ऐट्) खाया
 Atheist (ऐथीस्ट) नास्तिक ।
 Alone (ऐटन्) मिट

Attach (ऐटेच) बिलगना, लगाना
 Attain (ऐटेन्) हासिल करना
 Attempt (ऐटेम्प्ट) हाजरो, ताबीज,
 विचार
 Attend (ऐटेण्ड) हाजिर
 Attendance (ऐटेन्डेन्स) हाजरो
 Attendant (ऐटेन्डेण्ट) भौकर, विदमत
 Attentive (ऐटेण्टीव) खबरदार, हांगियार
 Attention (ऐटेन्शन्) ध्यान, इरादा
 Attest (ऐटस्ट) गवाही
 Attorney (ऐटोर्नी) वकील, मुखत्यार
 Attorney general (ऐटोर्नि जेनेरल)
 सरकारी वकील
 Attract (ऐट्रैक्ट) खेचना, भेचना
 Attribute (ऐट्रिब्यूट) रिगवत, धूस
 Attune (ऐट्यून्) मिलाना
 Auction (औक्शन) नीलाम, नीनामी वस्तु
 Aught (औट्) कोई चीज
 Augment (औगमेण्ट) अधिककरना,
 बढ़ाना
 August (औगस्ट) इंग्रेजी महीनेका नाम
 Aunt (औण्ट) चाची मासी, मामी
 Austere (औसैयर) कठिन, कठार
 Authentic (औथेण्टिक्) सच्चा
 Authority (औथोरिटी) गणतियार
 Authorize (औथोराइज) मुखतियार करना
 Avail (ऐवैल्) फायदा, लाभहोना
 Avail (ऐवैल्) फायदा, लाभहोना
 Avance (ऐवार्स) लानच
 Avenger (ऐवेञ्ज) बदलागी

Avon (ऐवाउ) कदूल करना
 Avenge (ऐवेंज) दहा, फाला
 Averse (ऐवर्स) नापसन्द
 Avert (ऐवर्ट) दूर करना
 Await (ऐवेट) राह देखना
 Away (अवे) गायब
 Awe (आ) डर
 Aye (ऐ) हाँ, हमेशा

B

Baboon (बेयून्) लंगुर
 Bachanal (बैचेन) मतवाला
 Back (बैक) पीछा, पीठ
 Backbite (बैकबाइट) चुगनीखाना
 Bad (बैड) खराब, बुरा
 Badger (बैड्ज) निगानी
 Badness (बैडनेस) बुराई
 Bag (बैग्) बोरा बैग
 Bagatelle (बैगटेल) बेफायदा
 Baggage (बैगेज) असबाब सामान
 Bail (बैल्) हाजिरकामिनी
 Bake (बैक्) सेकना, पकाना
 Balance (बैलैन्स) तराजू काटा, बाकी
 Balcony (बैल्कनी) दलान, बरामदा
 Bile (बैल्) बस्ता, गाँठ
 Bamboo (बैम्बू) बांस
 Ban (बैन) इस्तिहार
 Banana (बैनाना) केला

Bank (बैंक) सर्गाफा, कोठी, किनारा
 Banker (बैंकर) कोठीवाल, महाजन,
 हुण्डीवाला
 Bankrupt (बैंकरप्ट) दिवालिया
 Bar (बार्) रोकना, भटकाना
 Barber (बारबर) नार्, हल्लाम
 Baro (बैर) दीन, कद्दाल, खाली
 Bargain (बार्गेन्) सौदा
 Barge (बार्ज) बाजरा
 Barrister (बैरिष्टर्) वकील, कौंसली
 Base (बेस) अधम, नीच
 Bashful (बैशफुल्) शरमिन्दा, लजालू
 Basin (बेसिन्) वर्तन, कुण्डा
 Bash (बास्त) धूप खाना तापना
 Basket (बासकेट्) डाली, टोकरी
 Bathe (बेट) स्नानकरना, नाहना
 Battle (बैटिल्) लडाई, युद्ध
 Bay (बे) खाड़ी
 Bayonet (बायोनेट्) सङ्कीर्ण
 Be (बी) होना
 Bear (बेयर) रौद्र, भालु, लेजाना
 Beard (बियर्ड) दाढ़ी
 Bearer (बैयर) मोटिया, कशर
 Beast (बीस्ट) जानवर, हिरान
 Beat (बीट्) मारना, पीटना, मलना
 Beautiful (ब्यूटिफुल्) खूबसूरत
 Because (बिक्कोज़्) इस लिये, क्योंकि,
 क्योंकि
 Bed on (बेकिन्) इशाराकरना

Bed (बेड्) बिछौना, सेज
 Bee (बी) मधुमक्खी
 Before (बिफोर) अगाही, आगे
 Beg (बेग्) मागना, अर्ज करना, जापना
 Began (बिगेन्) चालुकिया, आरम्भकिया
 Begot (बिगेट) पैदाकरना
 Begin (बिगिन्) चालुकरना, आरम्भकरना
 Beginning (बिगिनीन्ग्) चालुकरना,
 शुरुकरना
 Behalf (बिहाफ्) चरना, निवाहना,
 तरफ
 Behind (बिहाइण्ड) पीछे
 Behold (बिहोल्ड) देखना, निहारना
 Belief (बिलीफ्) प्रतीति, विश्वास, धर्म
 Bell (बेल) घण्टा, घड़ी
 Belly (बेल्लो) पेट, उदर
 Belong (बिलौन्ग) होना
 Below (बिन्नो) नीचे, तले
 Bend (बेण्ड्) टेढ़ाकरना नवाना, झुकाना
 Benefit (बेनिफिट्) फायदा, कृपा,
 उपकार, हित
 Berry (बेरि) फल, भडवरी
 Beside (बिसाइड्) नज्दीक
 Besides (बिसाइड्स्) इसवाय
 Besiege (बिसीज्) घेरना
 Best (बेस्ट) उत्तम, सबसेभला
 Bestow (बेस्टो) देना
 Bet (बेट्) शर्त, हड
 Betel (बिटिल्) पान

Betelnut (बिटलनट) सुपारी
 Better (बेटर) बेहतर, उत्तम, भला
 Between (बिटवीन्) बीच में
 Beware (बिवेयर) सावधान होना, सचेत
 Beyond (बियौण्ड) पार, उसतरफ़, परे
 Bid (बिड) हुकुम देना
 Big (बिग्) बड़ा
 Bile (बाइल्) पित्त
 Bill (बिल्) चोंच, ठोर, लेखा, नेम
 Bilow (बिलौ) तरङ्ग, लहर
 Bind (बाइन्ड) बाधना, कसना, जकड़ना
 Bird (बर्ड) पक्षि, पखेरु, चिड़िया
 Birth (बर्थ) जन्म
 Bit (बिट) टुकड़ा
 Bitch (बिच्) कुतिया, कुत्ती
 Bite (बाइट) ठग, काटना
 Bitter (बिटर) कड़वा
 Black (ब्लैक) काला, श्याम
 Blacksmith (ब्लैकस्मिथ) लोहार
 Blame (ब्लैम्) बदनामी, निन्दा, अपराध
 Blank (ब्लैन्क) कोरा, सादा
 Blond (ब्लौन्ड) मिलाना
 Blind (बाइन्ड) अन्धा
 Blockade (ब्लॉकेड) घेरना
 Blood (ब्लूड) खून
 Blow (ब्लो) चोट, मुका, धक्का
 Blue (ब्लू) नीला
 Blunder (ब्लण्डर) भूल, भ्रम
 Blush (ब्लश) शर्मिन्दा होना

Board (बोर्ड) तखता
 Boast (बोस्ट) गर्भ करना, घडाई करना
 Boat (बोट) नाव, डोंगी, नौका
 Body (बीडी) शरीर, देह
 Bold (बोल्ड) सुरवीर निभा, निडर
 Bond (बौण्ड) नासा, सनद, पट्टी
 Bone (बोन्) हड्डी, हाड
 Bonnet (बौनेट) टोपी
 Book (बुक) पुस्तक, पोथी, किताब
 Booty (बूटी) लूट
 Bore (बोर्) छेदना, नाथना
 Borrow (बोरो) उधार लेना, मगनी लेना
 Bosom (बुसम्) छाती
 Both (बोथ) दोनों, उभय
 Bottle (बोटल्) बोतल, गीशी
 Bought (बौट) खरीद किया
 Bound (बाउण्ड) कड़ना, मारना
 Bow (बो) कमान
 Bowl (बाउल्) पियाना, कटोरा, तूखा
 Box (बौक्स) सन्दूक, पेटी
 Boy (बीय्) लड़का, छोकरा
 Brace (ब्रेस्) कसना, बाधना
 Bracer (ब्रेसिप्) कसेरा, ठठेरा
 Brass (ब्रास) पीतल, निर्लक्ष्यता
 Bravo (ब्रेव) बहादुर
 Bread (ब्रेड) रोटी
 Breakfast (ब्रेक्फास्ट) कलेवा, अन्नपान
 Breast (ब्रेस्ट) छाती, स्तन
 Breath (ब्रेथ) दम, स्वास

Brick (ब्रिक्) ईंट
 Bride (ब्राइड्) दुल्हन, बीदनी
 Bridge (ब्रिज्) पुन
 Bright (ब्राइट्) चजला, चमकदार
 Bring (ब्रिग्) लाया
 Brisk (ब्रिस्क) चालाक, चञ्चल
 British (ब्रिटिश्) इंग्लिश
 Broad (ब्रोड्) चौड़ा
 Broil (ब्रोइल्) झगडा
 Broker (ब्रोकर) दलाल
 Brokerage (ब्रोकरेज्) दलाली
 Bronx (ब्रोंक्) (पीतल, क सा
 Brook (ब्रूक्) नाला, छोटी नदी
 Brother (ब्रदर) भाई
 Brother-in-law (ब्रदरइनलॉ) सासल,
 बहनीई ।
 Brown (ब्राउन्) भूराभंग
 Brush (ब्रुश्) कूँचि
 Brute (ब्रुट्) जानवर
 Buck (बक्) चिरण
 Bud (बड्) कली
 Bug (बग) खटमल
 Build (बिल्ड) सटाना, बमाना
 Bull (बुल्) सोड बैल
 Bundle (बण्डल्) गठडी, पुनन्दा
 Burden (बर्डन्) बोझा, भार
 Burn (बर्न्) जमाना, बालना
 Business (बिजिनेस्) काम, धदा
 Busy (बिजी) काजी, चखोगी

But (बट्) परन्तु, लेकिन
 Butter (बटर) मक्खन
 Button (बटन्) बोताम
 Buy (बाइ) खरीदकरना
 Buyer (बायर) खरीदनेवाला
 Buying (बाइइङ्) खरीद करताई
 By (बाइ) पास, से

C

Cago (केज्) पिजरा
 Cake (केक्) रोटो, पापडो
 Calamity (कैलेमिटी) विपत्ति, कलेश
 Calculate (कैलकुलेट्) लेखाकरना
 Calendar (कैलेंडर्) पञ्चाग, पत्रा
 Calico (कैलिको) छीट, कपडा
 Call (कोल्) पुकारना, बुलाना
 Calling (कॉलिङ्) धधा, व्यवहार
 Calm (काम्) धामना, दिलासादेना
 Camel (कैमेल) ऊट
 Camphor (कैम्फर) कपूर
 Can (केन्) सकना, प्याला
 Cancel (कैंसल्) मिटाना, रद्दकरना
 Candid (कैंडिड्) सीधा, सचा, खरा
 Candle (कैंडिल्) मोमबत्ती
 Cane (केन्) बैत, छडी
 Cap (कैप्) टोपी
 Capable (कैपिबल्) लायक
 Caprice (कैप्रिस्) बहम

Cu (कार) गाडी	Chair (चेयर) कुर्सी, चौकी -
Card (कार्ड) तास, गजफा	Chalk (चौक्) खडिया -
Care (केयर) चिन्ताकरना होशियारी	Chamber (चैम्बर) कोठरी, कचेडी
Care of (केयरफाव) ठिकाना, पता	Chance (चान्स) देवगती भाग्यसयोग ।
Careful (केयरफुल) होशियारी, सावधान	Change (चेन्ज) बदलना, हिराफेरोकरना
Careless (केयरलेस्) चचेत होना	Chant (चैण्ट) गाना, गीत
Cargo (कारगो) भरती, नावकौ	Charge (चार्ज) वटनामो
चोभाई	Charm (चार्म) मन्त्र टोना
Carpet (कार्पेट) गमोचा, जाज़िम,	Cheap (चीप्) सस्ता -
घतरन्नी	Cheat (चीट्) धोखादेना, ठगाना
Carriage (केरिज्) गाडी	Check (चेक) घटकाना रोफना
Carry (कैरी) लेजाना	Cheek (चिक्) गाल, कपोल
Cart (कार्ट्) हफडा	Chess (चेस) शतरन्ज
Case (केस्) मुकद्दमा	Chest (चेस्ट) मन्दूक, पेटी
Cashier (कैशियर्) खजानचो, रोकडीया	Chief (चीफ्) सर्दार, जेष्ठ, प्रधान
Cash (कैश) रोकडो, नगद	Child (चाइल्ड) बालक, बच्चा
Cash (काश्) पौपा	Chill (चिल्) शीतल, ठण्ड
Cast (कास्ट) डालना, सांचा	Chit (चिट्) पुरजा
Cat (कैट्) बिल्ली	Chitchat (चिट्चैट्) बोलचाल, बातचित
Catch (कैच) पकडना	Choose (चुस्) छाटना, चुनना
Cause (काँज) मुद्दा, कारण	Church (चर्च) गिरजा, पादरायोका
Caution (काँशन्) सावधान, चौकस	समुदाय
Cede (सेड्) सोपना, देहालना	Cinnamon (सिनेमन्) दानचीनी
Cent (सेन्ट) सें, सैकडा	Cipher (सायफर्) बिंदो, शून्य
Centra (सेन्टर्) मध्य, बीच	City (सिटी) नगर, पुरी, शहर
Century (सेचुरी) शतक, शौबरस	Clan (क्लेन्) जाति, कुल, वंश
Certain (सर्टन्) निश्चय	Clasp (क्लेप्) गीदमैयेडाना गहनेगाना
Certainly (सर्टनली) बेगुन, बेधडक	Class (क्लास) दरजा
Certificate (सर्टीफिकेट्) सगद	Clay (क्ले) कौच, चिकनोमडी

Cleru (क्लीन्) निर्माण, विमान
 Clear (क्लीयर) साफ, निर्माणकरना
 Clerk (क्लर्क) लेखक, धर्मोपदेशक
 Clever (क्लेवर) चानाक, निपुण
 Climb (क्लाइम्ब) चढ़ना, उठना
 Clock (क्लॉक्) घड़ी, घण्टा
 Close (क्लोज्) सून्दना, बन्दकरना
 Cloth (क्लौथ्) कपडा
 Cloud (क्लाउड्) बादल, मेघ
 Coach (कोच्) चारपहियेकी गाडी
 Coat (कोट्) चट्टरवा, कुटनी
 Cock (कोक्) सुर्गी, कुकडा
 Coconut (कोकोनट्) नारियल
 Coffee (कोफी) कहुवा
 Coffin (कोफ़िन) पेटी, रोकड़की पेटी
 Coin (कोइन) सिक्का, मुद्रा
 Coldly (कोल्डली) ठण्डसे
 Colleague (कलौग्) मट्टी, साथी
 Collect (कलेक्ट) इकट्ठाकरना
 College (कॉलेज्) पाठशाला
 Colour (कलर्) रंग
 Comb (कोम्) कागसो, कबी
 Come (कम्) आना
 Comedy (कमेडी) नाटक, प्रहस्य
 Comely (कौमली) सुन्दर, रूपवान
 Comfort (कम्फर्ट) सुप्त, चैन, धीरज
 Commence (कमेन्स्) आरम्भकरना
 Commerce (कौमर्स्) व्यापार, वाणिज्य
 Commission (कमिगन्) आह्वान

Committee (कमिटी) सभा
 Commodity (कमोडिटी) लाभ, प्रार्थना
 Company (कम्पनी) भागीदार, सभा
 Compare (कम्पेयर) मुकाबलाकरना
 Compartment (कम्पार्टमेण्ट) हिस्सा
 Compassion (कम्पेगन्) करुणा, दया
 Complain (कम्प्लेन) विनायकरना,
 करियादकरना
 Complete (कम्प्लेट्) पूरा, समाप्तकरना
 Compose (कम्पोज) मिनायना, जमाना
 Compound (कम्पाउण्ड्) जोड़ना,
 मिश्राना
 Comprehend (कोम्प्रिहेण्ड्) मुझाना,
 समझाना
 Compromise (कम्प्रोमाइज्) आपस
 में मेलकरना
 Comrade (कौमरेड्) साथी, दस्त, मित्र
 Conceal (कन्सील) छिपाना, तुकाना
 Conceit (कन्सेट्) तरङ्ग, ध्यान
 Conceive (कन्सीव्) समझना, सोचना
 Concern (कन्सर्न) व्यापार, प्रयोजन
 Concert (कौन्सर्ट) ठहराना, उपाय
 करना
 Concourse (कौन्कोर्स) भौड, मेला,
 सभासंगीका समूह
 Conduct (कौण्डक्ट) लेजाना, प्रहृषाना,
 चलना
 Confection (कन्फेक्शन्) मिठाई

Confer (कन्फ़र) बातचीत करना,
मिलाना
Confidence (कौन्फिडेन्स) भरोसा,
विश्वास
Confirm (कन्फर्म) स्थीरकरना,
प्रमाण करना
Conflict (कन्फ्लिक्ट) युद्ध, लड़ाई
Congress (कौग्रेस) सभा
Conjure (कन्ज्योर) जादुकरना
Connect (कनेक्ट) जोड़ना, लगाना
Conscience (कौन्सैन्स) विवेक, हित
Considering (कन्सिडरिंग्) धारताहु
Consign (कन्साइन) देना
Consist (कन्सिस्ट) रहना, ठहराना
Consistent (कन्सिस्टेण्ट) स्थिर, दृढ
Console (कन्सोल) दिलासादेना
Consort (कौन्सोर्ट) साथकरना, मिलना
Constantly (कौन्स्टेण्टली) हरदम हमेशा
Construe (कौन्स्ट्रु) समझाना, अर्थ
करना
Consult (कन्सल्ट) उपाय करना,
विचारकरना
Consummate (कन्सुमेट) संपूर्णकरना
Contagion (कन्टेजियन्) मरी, रोग
Contaminate (कन्टेमिनेट) विगाड़ना
Contemplate (कण्टेम्प्लेट) ध्यानकरना
Content (कण्टेण्ट) सन्तुष्ट, दम
Contest (कण्टेस्ट) युद्ध, लड़ाई
Contingent (कण्टिजेण्ट) पराधीन

Contract (कन्ट्रैक्ट) झोड, नेम,
व्यवहार
Contrast (कन्ट्रैस्ट) विरोध
Control (कन्ट्रोल) अधीनकरना,
रोकना
Controversy (कण्ट्रोवर्सी) झगडा
Convenco (कन्वेन्स) वटीरना,
एकट्ठा करना
Converse (कन्वर्स) बातचीत करना
Convey (कन्वे) लेजाना, पहुचाना
Cook (कुक) पकाता, रसोईदार [साला
Cookroom (कुकरूम) रसोईघर, पाक
Cool (कूल) ठण्डा, शीतल
Coolie (कुली) मोटिया
Cope (कोप्) झगड़ना, विचारकरना
Copper (कोप्पर) ताबा
Copy (कौपि) नकल, छायाका लिखा
Coral (कारल्) मूंगा
Coriander (कौरिएण्डर) धनिया
Corn (कोर्न) चनाज, दाना
Corporeal (कोर्पोरियल्) देही
Correct (करेक्ट) निर्दोष सुध
Correspond (कौरिस्पण्ड) मिलना,
लिखना
Cost (कोष्ट) मोल, लागत, खर्चा
Cotton (कौटन) रुई कपास, सेमल
Couch (कउच्) बैठना, लेटना
Cover (कवर्) ढापना, छिपाना
Covetous (कवेचुस्) लालची

Cough (कफ्) खासी
 Counsel (काउन्सिल्) मताकरना,
 विचारकरना
 Count (काउण्ट) गिनना, जोडना
 Countenance (काउण्टिनेन्स्) मुह,
 चेहरा, रूप
 Counterfeit (काउण्टरफोर्ट्) झूठा
 Countinghouse (काउण्टिङ्हाउस्)
 --दफ्तरखाना

Country (कण्ट्री) सुलक, देश
 Country men (कण्ट्रिमेन्) स्वदेशी
 Couplet (कप्लेट्) दोहा, सोरठा
 Court (कोर्ट) अदालत, कचहरी
 Cousin (काउजिन्) चचेराभाई, ममेराभाई
 Cow (काउ) गाय
 Coward (कयार्ड) कायर, डरपीक
 Crack (क्रैक्) फाडना, तोडना
 Craft (क्रौफ्ट) ठगई, छल, कपट
 Creator (क्रियेटर्) विधाता, सृष्टिकारक
 Credit (क्रेडिट) आवर, जमा
 Creditor (क्रेडिटर्) महाजन, धनी
 Crime (क्राइम्) पाप, अपराध
 Crop (क्रोप्) खेती, फसल
 Crowd (क्राउड) भीड

Cruel (क्रूएल्) निर्दय, कठोर
 Cry (क्राइ) रोना, बिजाना
 Crystal (क्रिस्टेन्) बिजोर, स्फटिक
 Cucumber (कुकम्बर्) ककडी, खीरा
 Culprit (कल्प्रिट्) अपराधी

Cup (कप्) प्याला
 Curb (कर्ब) धामना, रोकना
 Curd कर्ड) दही, दधि
 Cure (क्योर) चद्दाकरना, इलाजकरना
 Curious (क्यूरियस) चद्दूत
 Curve (कर्व) टेढाकरना
 Custardapple (कस्टर्डएपिल) सीताफल
 Custom (कस्टम) चाल, रीति
 Cut (कट्) काटना

D

Dagger (डैगर्) खञ्जर, कटार
 Daily (डेली) प्रतिदिन, हररोज
 Damage (डेमेज्) नुक्सान, हानि
 Damp (डैम्प्) गीला
 Dance (डैन्स्) नाच, नृत्य
 Dangor (डैङ्गर्) जोखम, भय, आफत
 Dark (डार्क) अन्धेरा, अन्धकार
 Darling (डार्लिंग्) दुन्दारा, प्यारा
 Dirt (डार्ट) बरकी, भाला
 Dash (डैश्) पटकना, टकरमारना,
 झपटना
 Date (डेट्) तारीख, मिति, ठहराव,
 खजूर
 Daughter (डौटर्) लडकी, बेटा, कन्या
 Dawn (डौन्) फुजर, भोर, प्रातःकाल
 Day (डे) दिन, इभा
 Day-break (डेब्रेक) सुबह भोर,
 --प्रभातका उजाला

Decline (डिक्लाइन) मन्दना, नाशहोना
 Decipit (डिक्सीपिट) कमजोर,
 कमताकत
 Decrease (डिक्सीज) घटाना
 Dedicate (डेडिकेट) समर्पणकरना
 Deduct (डिडक्ट) निकालडालना,
 काटना
 Deduction (डिडक्शन) नतीजा, निका
 सना
 Deed (डीड) काम, प्रमाण, कर्म, लेख
 Deem (डीम्) विचारना, सोचना
 Deep (डीप्) गहिरा, समुद्र, गभीर
 Deer (डीयर) हिरण, रंग
 Deface (डिफेस) बिगाडना, मिटाना
 Defacement (डिफेसमेण्ट) बरबादी
 Defamation (डिफैमेशन) झूठ, हल
 ज़ाम, बदनामी
 Default (डिफॉल्ट) चूक, भूल
 Defect (डिफेक्ट) कमति दीप
 Defective (डिफेक्टिव) खंटा दामी
 Defeat (डिफीट) हारना
 Defence (डिफेन्स) बचाव, हिफाजत,
 हिमायत
 Defend (डिफेण्ड) बचाना
 Deference (डिफरेन्स) आदर, सम्मान,
 रज़ामन्दी
 Defile (डिफाइल) गली, नाका
 Defraud (डिफ्राड) फसात
 Defy (डिफाइ) समकारना, धमकाना

Deject (डिजेक्ट) नीचे फेंकना, उदास-
 होना
 Deity (डिटी) ईश्वर, परमेश्वर, देवता
 Deliberate (डेलिबरेट) विचारना
 Delicate (डिलिकेट) खोद, उत्तम,
 कोमल
 Delay (डिले) ठीक
 Delight (डिनाइट) हुलास, पानन्द,
 हर्षदायक
 Delightful (डिनाइटफुल) मनोहर
 Delirious (डेलीरियस) अचेत
 Delivor (डिलिवर) सौंपना, देडालना
 Delude (डिल्यूड) भुलाना, धोकादेना
 Deluge (डेलुज) जलमयौ, जलप्रलय
 Demand (डिमाण्ड) पूछ, चाह
 Demolish (डिमौलिश) गिराना
 Demon (डोमन) पिशाच, भूत प्रेत
 Demonstrate (डिमोन्स्ट्रेट) दिखाना
 Den (डेन) बिल, गुफा
 Deny (डिनाइ) नकारना
 Depart (डिपार्ट) चलाजाना
 Department (डिपार्टमेण्ट) विभाग
 Dependent (डिपण्डेण्ट) पराधीन
 Deplore (डिप्लोर) बिलापकरना, रोना
 Deposit (डिपोजिट) अमानत
 Depress (डिप्रेस) दबाना, झुकाना
 Deprive (डिप्राइव) हरलेना, छीनलेना
 Depth (डेपथ) गहरा
 Deputy (डिपुटी) नायब, गुमास्ता, वजीर

Descend (डिसेण्ड) उतरना, गिरना
 Descondant (डिसेण्डेण्ट) वस, सन्तान
 Describe (डिस्क्राइव्) बयानकरना
 Desert (डेसर्ट) लजाना, जङ्गल, आरम्भ
 Desire (डिक्वायर्) चाहना
 Desk (डेस्क) मेज लिखनेकी
 Despair (डिस्पेयर) निराश
 Despatch (डिस्पैच) उतावण
 Despise (डिस्पाइज्) धिनकरना
 Destine (डेस्टिन) मुक़ररकरना
 Destiny (डेस्टिनी) भाग्य, कर्म, होनो
 Destitute (डेस्टिट्यूट) कडास, दरिद्र
 Detach (डिटेच) फलनकरना
 Detail (डिटेल्) ब्यौरा, बहयाल
 Detect (डिटेक्) पकडना
 Determine (डिटर्मिन्) ठहरना
 Develope (डेवेलप्) खोलना, प्रकाश
 करना

Devil (डेविल) भूत, प्रेत
 Devote (डिवोट्) चढाना, सहस्यकरना
 Dew (डिउ) ओस, शीत
 Dialogue (डायलौग्) सवाद, बातचीत
 Diamond (डायमण्ड) होरा
 Diary (डायरी) रोजनामा, बहीरोज
 मेलकी

Diction (डिक्शन्) भाषा, बोली
 Dio (डाय) सरना
 Diet (डाइट्) आहार, भोजन
 Differ (डिफर्) भलग, न्यारा

Different (डिफरेंट्) भलग, न्यारा
 Diffidence (डिफिडेन्स्) अविश्वासी
 Difficult (डिफिकल्ट) कठिन
 Dig (डिग्) खोदा, खीणना
 Dim (डिम्) धुधला
 Dimension (डाइमेन्शन) परिमाण
 Diminish (डिमिनिश्) घटाना
 Dine (डाइन) भोजनकरना, खिलाना
 Dinner (डिनर) भोजन, दिनकाखाना
 Direct (डाइरेक्ट) सीधा, खुला
 Dirt (डर्ट) कचरा, धूल
 Disaster (डिज्वास्टर) विपत, अपद्रव
 Discern (डिस्सर्ण) देखना, विचारना
 Discharge (डिस्चार्ज) देदना, चुकाना
 Disclose (डिस्क्लोज्) खोलदेना, कहना
 Discretion (डिस्क्रेषन) विवेक, विचार
 Disdain (डिस्डेन) तुच्छ, जानना
 Disease (डिजीज) रोग, व्याधि
 Dish (डिश्) थाली, भोजनपात्र
 Disjoin (डिस्जौइन) न्यारा करना
 Disorder (डिस्ऑर्डर) गड़बड़
 Display (डिस्प्ले) खोलदेना, पसारना
 Dispose (डिस्पोज्) धरना, चाहना
 Disposition (डिस्पोजीशन) मिजाज,
 स्वभाव

Dispute (डिस्प्यूट) झगडाकरना
 Dissolve (डिस्सोल्व) गलाना
 Distant (डिस्टैण्ट) दूर, न्यारा, अलग
 Distinct (डिस्टिक्ट) भिन्न, न्यारा

Distress (डिस्ट्रेस्) दुःख, विपत्ती
 Distribute (डिस्ट्रिब्यूट) बाटना, भाग
 करना
 District (डिस्ट्रिक्ट) जिला
 Ditto (डिटो) वही, तथा
 Divert (डाइवर्ट) बहलाना, खेलना
 Divide (डिवाइड) भागकरना
 Divine (डिवाइन) हीनहार, भविष्यत-
 कहना
 Divorce (डाइवोर्स) त्यागकरना,
 छोडना
 Do (डू) करना
 Doctor (डोक्टर) हकीम वैद
 Doctrine (डोक्ट्रिन) शिक्षा, उपदेश
 Dog (डोग) कुत्ता
 Dome (डोम) गुम्बज
 Door (डोर) दरवाजा
 Done (डन) किया
 Dot (डॉट) शून्य
 Double (डबल) दूना
 Doubt (डाउट) शङ्का
 Dove (डव्) कबूतर, कपोत
 Down (डाउन) नीचे, तले
 Downfall (डाउनफॉल) हीनदशा
 Downright (डाउनराइट) सीधा, सष्ट
 Doze (डोज) मारना, सघना
 Dozen (डोजन्) दोजन, बारह
 Draft (ड्राफ्ट) हुण्डी
 Drag (ड्रैग्) घसीटना, खींचना

Drain (ड्रेन्) पाना, नीचपाना, छोडना
 Drama (ड्रामा) नाटक
 Dread (ड्रेड्) धास्ती, डर
 Dreary (ड्रेअरी) भयङ्कर, उदास
 Dress (ड्रेस) पोशाक
 Drift (ड्रिफ्ट) चलाना, हाकना
 Drink (ड्रिङ्) पीना, पानकरना
 Drive (ड्राइव्) गाडीहाकना, दौडाना
 Drop (ड्रॉप्) बन्दी, भुमखा, छुण्डल
 Drowsy (ड्रोस्यी) आलसी, सुखी
 Druggist (ड्रगिस्ट्) पसारी, औषधि-
 बेचनेवाला
 Drum (ड्रम) ढोल, मृदङ्ग
 Dry (ड्राइ) सुखाना
 Duck (डक्) बत्तक, हंस
 Due (ड्यू) उचित, योग्य
 Dull (डल) मन्दा
 Dumb (डम्ब) गूंगा, मौन, चुप
 Dunce (डन्स) मूर्ख, मूठ
 Dust (डस्ट्) धूल
 Duty (डिउटी) कर्त्तव्य, कर्म
 Dwell (ड्वैल्) रहना
 Dysentery (डिसेण्ट्री) अतिसार

E

Each (ईच्) हरएक, प्रायेक
 Eager (ईअर्) चाहनेवाला, कुतुहली
 Ear (ईयर) कान, कर्ण

Earless (इयरलेस्) कनकटा) वृक्षा	Emerge (एमर्ज) उठना, निकालना
Earl (अर्ल) शीघ्र	Emit (एमिट) निकालना
Early (अर्ली) शीघ्र, उचितकालमें	Empty (एम्पटी) खाली, रीत
Earn (अर्न) कामकरना, योग्यहोना	Enclose (एनक्लोज) बन्दकरना
Earnest (अर्नेस्ट) धीरता, बन्धक, बयान	Encourage (एन्कुरेज) साहसदेना, भरोसादेना
Earth (अर्थ) जमीन	End (एण्ड) अन्त, समाप्ति
Ease (ईज) सुख, चैन, विश्राम	Endeavour (एण्डेवर) चेष्टा, उद्योग
East (ईस्ट) पूर्व पूर्व	Endorse (इण्डोर्स) सकारना, हस्ताक्षर कौ पीठ पर लिखकर देना
Easy (इजी) सहज, सुगम	Enemy (एनिमी) शत्रु, विरोधी
Eat (ईट) खाना	Energy (एनर्जी) बल, शक्ति, पराक्रम
Eclipse (ईक्लिप्स) ग्रहण	Enforce (एनफोर्स) अमलमें लाना, साधार
Edifice (एडिफिम्) घर, धाम, इवेली	Engine (इन्जिन) कल
Edition (एडिशन) छापा	English (इंग्लिश) इङ्गरेजी
Efface (इफेम्) मिटाना	Engrave (एनग्रेव) खोदना
Effect (एफेक्ट) करना, सिद्धकरना	Enhance (एन्हैन्स) अधिककरना
Effects (एफेक्टस्) माल, सम्पत्ति	Enjoin (एन्जौन्) आज्ञाकरना
Efficacy (एफिकैसी) शक्ति, गुण	Enjoy (एनजोय) भोगकरना, विलास- करना
Efficient (एफिशिएन्ट) फलकारी, गुण कारी	Enlarge (एनलार्ज) बढाना
Effort (एफर्ट) चेष्टा	Enmity (ऐनिमटी) विरोधी, वैर
Egg (एग्) अण्डा	Enough (एन्फ) बहुत, धस
Either (ईदर) कोई दोमेंसे एक	Enquire (एन्क्वायर) पूछना
Elder (एल्डर) बढा, प्राचीन, जेष्ठ	Enter (एण्टर) प्रवेशकरना
Eloct (इलेक्ट) फाटलिना, चुनलिना	Entice (एण्टाइस) फुसलाना, लुभाना
Elegant (एलिगैण्ट) सुन्दर, मनोहर	Entire (ऐंटायर) सारा, सम्बूचा
Elephant (एलिफेण्ट) हाथी	Entitle (ऐंटाइटिल्) अधिकारदेना
Else (एल्स) दूसरा, नहींतो, अथवा	
Embassador (एम्बैसेडर) एलची, राजदूत	
Emerald (एमेरेल्ड) पन्ना, मरकत	

Envelope (एनवेलप्) लिफाफा
 Equal (ईक्वल) बराबरकरना
 Equity (ईक्विटी) न्याय, विचार
 Eradicate (इरेडिकेट) मीटादेना,
 उखाड़ना
 Ere (इयर्) पूर्व, आगे
 Errand (एर्रण्ड) समाचार, मन्देश
 Erroneous (एरोनियस) असुद्ध मिथ्या
 Escape (एस्केप्) भागना, बच निकलना
 Especial (एस्पेशेल) प्रधान, श्रेष्ठ
 Espouse (एस्पौज) विवाहकरना
 Essence (एसेन्स) सार, तत्व
 Esteem (एस्टीम्) आदरकरना, विचारना
 Estimate (एस्टीमेट) आंकना, कृतना
 Eternal (एटरनैल्) नित्य, अनन्त
 Even (ईवेन्) समान, चौरस
 Evening (ईवनिंग) साज शाम
 Event (इवेण्ट) शेष, अन्त, घटना
 Every (एवरी) प्रत्येक हर एक
 Evidence (एविडेन्स) (साक्षीगवाह)
 Evident (एविडेण्ट) स्पष्ट, प्रत्यक्ष
 Evil (ईविल्) बुरा, दुष्ट
 Ewe (यू) भेड़ी, भेड़ी
 Exact (एग्जैक्ट) यथायथ, ठीक, पूरा
 Examine (एग्जैमिन्) परिष्कारकरना
 Examiner (एग्जैमिन्) परिष्कार
 Exceed (एक्सीड) अधिकतर, अधिक-
 होता
 Excellent (एक्सेलेन्ट) उत्तम, अच्छा

Except (एक्सेप्ट) मिवाय
 Exchange (एक्स्चेंज) बदलना
 Exclude (एक्स्क्लूजिव्) छोड़कर
 Excuse (एक्स्कुज) क्षमाकरना,
 माफ़करना
 Exempt (एग्जैम्प्ट) छोड़देना
 Exert (एग्जर्ट) उद्योगकरना
 Existence (एग्जिस्टेन्स) जीवन, स्थिती
 Exit (एग्जिट्) गमन, प्रस्थान
 Expand (एक्सपैन्ड) फैलना, प्रसारना
 Expedient (एक्सपेडिएण्ट) योग्य
 Expense (एक्सपेंस) खर्च, लागत
 Experiment (एक्सपेरिमेंट) परिक्षा
 Expert (एक्सपर्ट) चतुर, चालाक
 Expire (एक्स्पायर) स्वासछोड़ना,
 मरना
 Explain (एक्सप्लेन्) समझाना, बताना
 Express (एक्सप्रेस) कहना, बोलना
 Extend (एक्सटेण्ड) प्रसारना फैलाना
 Extant (एक्सटेण्ट) विस्तार, प्रसार
 Extol (एक्सटोल) सराहना, बड़ाईकरना
 Exult (एग्जल्ट) खुशहोना
 Eye (आई) आंख, नेत्र, चक्षु
 Eye brow (आईब्रो) भ्रुकुटी भी
 Eyelash (आईलैश) बलुनी, पलक
 F
 Fabric (फैब्रिक्) घर, भवन

Fabulous (फेबुलम्) कल्पितवनाया

हुवा, झुठा

Face (फेस्) मुख चेहरा

Fact (फेक्ट्) काम, सत्यता

Factory (फैक्टुरि) कोठी, वाणिज्यस्थान

Fail (फैल) चुकना, न्यूनहोना

Faint (फेण्ट) कमजोर

Fair (फैर्) सेना, स्वरूप, सुन्दर

Faith (फ़ेथ) विश्वास, भरोसा

Faithful (फ़ेथफुल्) खरा, सच्चा

Faithless (फ़ेथलेस्) निमकहराम

Fall (फॉल) गिरना, पडना

False (फॉल्स्) झुठा, खोटा

Fame (फ़ेम) यश, कीर्ति

Family (फ़ैमिलि) कुटुम्ब, कुल, वंश

Famine (फ़ैमिन्) भूकान, दुर्भिक्ष

Famous (फ़ेमस) प्रसिद्ध, नामी, विख्यात

Fan (फ़ेन्) पखाकरना, पखा

Far (फ़ार्) दूर, लम्बा

Fare (फ़ेअर्) खोराक, भाड़ा

Fast (फ़ाष्ट) उपवास, मजबूत

Fasten (फ़ास्टिन्) बाधना

Fat (फ़ेट्) मोटा

Fate (फ़ेट्) भाग्य

Father (फ़ादर्) पिता, बाप

Fault (फ़ौल्ट) अपराध, दोष

Favour (फ़ेवर्) मेहरबानी, कृपा

Fear (फ़ीअर्) डर, भय

Fearful (फ़ीअरफुल्) भयङ्कर, डरावना

Fearless (फ़ीयर्लेस्) निर्भय, निडर

Feast (फ़ीस) पर्व, जीमन्थवार

Foat (फ़ीट्) कर्म, चरित्र

Feather (फ़ेदर्) पंख

Fee (फ़ी) परिशोधित, वेतन, रसमखर्चा

Feel (फ़ील) खिनाना

Fellow (फ़ेलो) साथी, सङ्गी

Female (फ़ोमेल्) नारी, स्त्रीलिङ्ग

Festival (फ़ेस्टीवेल्) त्योहार

Fetch (फ़ेच्) लाकरलेना, पहुचना

Fever (फ़ीवर्) तप, बुखार

Few (फ़िउ) थोडा, ज़रा

Fiction (फ़िक्शन्) बनावट, कल्पना

Fiddle (फ़िडिल्) सारङ्गी

Fio (फ़ाई) छो छो

Fife (फ़ाइफ्) मूरली, बासुरी

Fig (फ़िग्) पञ्जीर

Fight (फ़ाइट्) लडाई, झगडा

Figure (फ़िगर्) अक्षर, अङ्क

File (फ़ाइल) कागद टाकनीका तार

Fill (फ़िल्) भरना, पूराकरना

Filter (फ़िल्टर्) छानना, नीवारणकरना

Find (फ़ाइण्ड) मिलना, पाना

Fine (फ़ाइन) दण्ड, सुन्दर, अच्छा

Finger (फ़िङ्गर्) उंगली

Finish (फ़िनिश) निवेडना, पूरा-

करना

Fire (फ़ायर्) आग, अग्नि

Firm (फ़र्म) दुकान, कोठी

First (फ़र्स्ट) पहिला
 Fish (फ़िश) मछली
 Fit (फ़िट) योग्य, उचित
 Flannel (फ़्लैन्नेल्) उनीवस्त्र, फ़्लानेल्
 Flat (फ़्लैट) चपटा, समान, फीका
 Flint (फ़्लिन्ट) चकमकपथरी
 Float (फ़्लोट) उतारना, तेरना
 Flood (फ़्लूड) जनमयी, तूफान
 Flour (फ़्लौवर) आटा, पिसान
 Flower (फ़्लौवर) फल, पुष्प
 Flute (फ़्लूट) बांसुरी
 Flutter (फ़्लटर) तड़फड़ाना, व्याकुल
 करना
 Fly (फ़्लाई) मक्खी, उड़ना
 Foe (फ़ो) दुस्मान, बैरी
 Folly (फ़ौली) मूर्खता, बेवकूफी
 Foment (फ़ोमेंट) मेंकना तप्तकरना
 Food (फ़ूड) खोराक, भोजन, चाहार
 Fool (फ़ूल्) मूढ़, बेवकूफ़
 Footpath (फ़ूटपाथ्) पगडण्डी
 For (फ़ोर) वास्ते, कारण
 Forbearance (फ़ोरबेयरन्स) बचाव,
 त्याग, क्षमा
 Forbid (फ़ोरबिड्) निषेधकरना, रोकना
 Force (फ़ोर्स) बल, जोर, शक्ति
 Forebode (फ़ोरबोड्) पहिलेसेजानजाना
 Forego (फ़ोगो) त्यागना छोड़ना
 Forehead (फ़ोरहेड्) ननाट माथा
 Foreign (फ़ोरेन्) विदेशी, परदेशी

Forest (फ़ोरैस्ट) वन, जङ्गल
 Forever (फ़ोरैवर्) नित्य, हमेशा
 Forgery (फ़ोरजरी) जान, जानसाजो
 Forgive (फ़ौर्गिव) क्षमाकरना
 Former (फ़ोरमर) प्रागे, पहले
 Forsoke (फ़ोर्सोक्) छोड़ना, त्यागना
 Fort (फ़ोर्ट) किला कीट
 Forth (फ़ोर्थ) प्रागे, सामने
 Forth with ((फ़ोर्थविथ्) तत्काल
 Fortnight (फ़ोर्टनाईट्) पखवाहा
 Fortune (फ़ोर्चन्) भाग्य, धन
 Forty (फ़र्टी) चालिस
 Forward (फ़ोर्वार्ड) निलम्ब, चालाक, प्रागे
 Foster (फ़ोस्टर) पालना, प्रतिपालन
 Found (फ़ाउण्ड) बनाना, पाना, उठना
 Fourfold (फ़ोरफोल्ड) चौगना
 Fragment (फ़्रेगमेण्ट) टकड़ा, टुक
 Fail (फ़ेन) निरदल अशक्ति
 Frank (फ़्रैड्) निष्कपट, उदार
 Freight (फ़्रेट) किराया
 Frequently (फ़्रिक्वेन्ली) बहवार
 बारबार
 Fresh (फ़्रेश) ताजा
 Friend (फ़्रेंड) दोस्त, मित्र
 Friendship (फ़्रेंडशिप्) दोस्ती
 Frigid (फ़्रिजिड्) लण्डा, शीतल
 Frog (फ़्रोग्) मोडक टादर
 From (फ़्रोम्) से
 Frost (फ़्रोस्ट्) पाना लाहा

Fruit (फ्रूट्) फल, मेषा
 Fruitful (फ्रूट्फुल्) फायदेमन्द
 Full (फुल्) पुरा, भरा
 Fume (फुम्) धुंवा, बाफ
 Fun (फन्) खेल, तमाशा
 Fund (फण्ड्) पूजी, मूलधन
 Fun (फर्) कोमल, लोम, नरमरोआ
 Furious (फुरियस्) पागल, क्रोधी
 Furlough (फर्लो) छुट्टी, रजा
 Furnish (फर्निश) सजाना, पूरापडना
 Furniture (फर्निचर्) सामग्री, असबाब
 Further (फर्दर) अगाडी, बहुतदूर
 Fury (फुरि) राग, क्रोध
 Future (फ्यूचर्) भविष्यत, आगामी
 Fair (फार्) दूर

G

Gun (गिन्) फायदा होना, लाभ
 Gait (गेट्) गति, मार्ग, चाल
 Gallant (गैलैण्ट्) वीर, साहसी
 Gallery (गैलेरी) कला, बारदा
 Gallows (गैलोज्) फाँसीकाखम्भा
 Gambler (गैम्बलर्) जुयारी
 Gander (गैण्डर्) हम
 Gap (गेप) छेद, बिस
 Gape (गेप) जमुडाना, जमुझाई
 Garb (गार्ब) पोशाक, कपडा
 Garden (गार्डन्) फुलवाड़ी बगीचा

Garland (गारलैण्ड्) फूलका माला
 Garlic (गार्लिक्) सहसन
 Gate (गेट्) फाटक, द्वार, मार्ग
 Gather (गैटर्) एकट्ठाकरना, बटोरना
 Gaudy (गौडी) चटकीला, रङ्गीला
 Gave (गेव्) देदिया
 Gazette (गेजेट्) समाचारपत्र
 Gem (जेम) मणि, रत्न
 Gender (जेण्डर्) जात, लिङ्ग
 General (जेनेरल) सेनापति, सामान्य
 Generally (जेनेरेली) अक्सर, बहुतकरके
 Generation (जेनरेशन्) पीढी दश, कुल
 Genuine (जेनुइन्) सच्चा, खरा, सत्य
 Genus (जीनस्) जाति
 Geography (जिग्रौग्राफी) भूगोलविद्य
 Gesture (जेसचर्) चेष्टा, प्रहृ
 Get (गेट्) पाना, कमाना
 Getup (गेट्अप्) उठाना
 Ginger (जिङ्गर्) सोंठ
 Gilt (गल्ट्) लडकी, छोकरी
 Give (गिव्) देना, देडालना
 Given (गिवन्) देदिया
 Glad (ग्लैड्) प्रसन्न, खुशी
 Glance (ग्लैन्स्) चमक, अचलीम
 Glass (ग्लास्) काच, सीसा, दर्पण
 Gnat (नैट्) मच्छर
 Go (गो) जाना
 Goat (गोट्) बकरा
 God (गोड्) ईश्वर, परमेश्वर, परमात्मा

Goblet (गोब्लेट) घ्याला
 Godown (गोडाउन्) गोदाम
 Godless (गोडेस) देवी
 Gold (गोल्ड) सोना, सुवर्ण
 Goldsmith (गोल्डस्मिथ) सुनार
 Gone (गवन्) गया
 Good (गुड्) अच्छा
 Goods (गुड्स) सात, समवाय
 Goose (गुम्) हंस
 Got (गौट) पाया
 Government (गवर्नमेण्ट) राज्यशासक
 Grace (ग्रेस) मेहरवानो
 Grain (ग्रेन) अन्न, चनाज
 Grammar (ग्रामर) व्याकरण
 Gram (ग्रैम) चना
 Grand (ग्रैण्ड) बड़ा ज्येष्ठ
 Grandchild (ग्रैण्डचाइल्ड) पोता,
 दीदीतरा
 Grand daughter (ग्रैण्डडौटर) पोती
 Grand father (ग्रैण्डफादर) दादा, नाना
 Grand mother (ग्रैण्डमदर) दादी, नानी
 Grand son (ग्रैण्डसन) पोता, बेटेकाबेटा
 Grant (गैण्ट) इनामदेना, देनासना
 Grape (ग्रेप्) अमूर दाख
 Grass (ग्रास) घास
 Grate (ग्रेट्) घिसना, रगड़ना
 Grateful (ग्रेटफुल) मनोहर, रसणीय
 Gratification (ग्राटिफिकेशन) सन्तोष
 Gratis (ग्रेटिस्) फोकट, सुफ्त

Grave (ग्रेव) समाधि, कबर, गम्भोर
 Gravel (ग्रेवल्) कट्टर, पथरी
 Great (ग्रेट) बड़ा, विगाल, महात्मा
 Green (ग्रीन) हरा, हरियाला, हरारंग
 Grief (ग्रीफ्) गोक, खेद, पीडा
 Grievance (ग्रावेनन्) अपकार, अप
 राध, अन्याय
 Grievous (ग्रीवस) क्षेम, पीडा
 Grind (ग्राइण्ड) पीसना दलना, दवाना
 Ground (ग्राउण्ड) जमीन, भूमी, पृथ्वी
 Grow (ग्रा) उगना, उपजना, बढ़ना
 Guarantee (गारान्टी) जामिनगौरो
 Guard (गाड) पहरा, रक्षक, चौकी
 Guava (गावा) चमरदफल
 Guess (गेस्) अटकना, ताडना
 Guest (गेस्ट) मेहमान
 Guilt (गिल्ट) अपराध दोष
 Guiltless (गिल्टलेस्) निरपराधी
 Guilty (गिल्टी) अपराधी, दोषी, पापी
 Guinea (गिनी) सोनेका सिक्का
 Gum (गम) मधुडा, गोंद
 Gun (गन) तोप, मन्दूक
 Gunpowder (गनपावडर) बारुद दाख
 Gust (गस्ट) स्वाद, रुचि, भोग
 Gut (गट्) खातडी, मार्ग, पथ
 Gutter (गटर) मोरी, परनाला

H

Habit (हैबिट) वस्त्र, अवस्था, अभ्यास
 Had (हैड) पास था
 Hail (हैल्) चोला पत्थर
 Hair (हैयर) केस, बाल
 Half (हाफ) आधा
 Hall (हाल) कचहरी, टलान
 Halt (हाल्ट) मुकाम
 Hammer (हैमर) हथोडा घन
 Hand (हैण्ड) हाथ, कर
 Handkerchief (हैण्डकरचीफ) रुमाल
 Handle (हैण्डल्) दोय लगाना, छूना
 Handy (हैण्डी) तैयार
 Hung (हैङ्ग) फाँसोदेना
 Haply (हैपली) शायद
 Happen (हैपन्) घालाना, आपटना
 Happy (हैपी) खुशी
 Harangue (हैरेङ्ग) वर्गान, कथा, बलहार
 Harass (हैरेस) सताना, कष्टदेना
 Hard (हार्ड) कडा कठिन, निष्ठुर
 Hardy (हार्डी) सुरवीर मोटा
 Hark (हार्क) सुनना
 Harm (हार्म) पाप, अपराध, दोष, हर्ज
 Harp (हार्प) विद्यानीद, वीण
 Harsh (हार्श) क्रूर, कडवा
 Hart (हार्ट) हिरण, भृग
 Haste (हैस्ट) शीघ्रता, उतावली
 Hat (हैट) टोपी

Hatred (हैटरिड्) वैर, कपट
 Haughty (हाईटी) अहङ्कारी, घमंडी
 Haunt (हाउण्ट) आयाजायाकरना
 Have (हैव) रखना, धरना
 He (ही) वह
 Head (हैड) माया, सिर, प्रधान
 Health (हेल्थ) तनदुरस्ती
 Hear (हियर्) सुनना
 Hearing (हियरिंग) सुनरहा
 Heart (हार्ट) दिल, चित्त
 Heat (होट) गरमी, उष्ण, गीष्म
 Heaven (हेवन्) स्वर्ग, आकाश
 Heavy (हेवी) भारी
 Hell (हेल) नरक
 Help (हेल्प) सहायता, उपकार
 Hen (हेन्) सुर्गी
 Hence (हेन्स) यद्वासे, इस जगद्से
 Her (हर) उसस्त्रीका, इस्का
 Herb (हर्ब) औषधि, जड़ी, वूटी
 Her (हर) उसस्त्रीको
 Here (हियर) यहाँ
 Hereafter (हियरआफ्टर) इसकेबाद
 Hereby (हियरबाद) इससे
 Herem (हीयरइन) इसमें
 Herewith (हीयरविथ) इसके साथ
 Hero (हीरो) सुरवीर, योधा, नायक
 Herself (हर्सेल्फ) वह, खुद
 Hesitate (हैज़िटेट्) सन्देहकरना,
 - शङ्का करना

Hide (हाइड) छिपाना, लुकाना	Horse (होम) घोडा, तुरङ्ग
Hideous (हिडिअस) भयानक, दारुण	Horse-race (होमरेस) घुडदौड
High (हाइ) ऊचा, तेज	Hose (होज) मोजा, जघोया
Highness (हाइनेस्) महाराज वख्खन	Hospital (होस्पिटल) धर्म शाला, रोग शाला
Hill (हिल) पहाडी	Host (होष्ट) भटियारा, अतिथि, सेवक
Him (हिम) उसको	Hot (होट) तप्त, गरम, बडा
Hinder (हिण्डर) रोकना, अटकाना	Hour (आव्) घण्टा, घडी
Hinderance (हिण्डरेन्स) रोकटोक	Hour-glass (आव्ग्लास) बालूकीघडी
Hire (हायर) भाडा, वेतन	House (हाउस) घर, भवन
His (हिज्) उसका	House hold (हाउसहाल्ड) परिवार
History (हिस्ट्री) इतिहास	How (हाउ) कसा
Hither (हिदर) इधर, यहा	House keeping (हाउसकीपींग) गृहस्थी,
Hither to (हिदरट) अगल अगतक	व्यापार
Hive (हाइव) छाता, मधुमच्छीका छाता	House-rent (हाउसरेंट) घरका भाडा
Hoard (होर्ड) धु जोसयस	Hover (होवर) घुमना, फिरना
Hog (होग) गुरा	However (हाउएव्) कितनाही सब
Hoist (होइस्ट) उठाना चढाना	रीतिसे
Hold (होल्ड) पकडना धामना, रखना	Howl (हाउल) रोना, कूकना
Homage (होमेज्) सेवा, त वेदारी	Hue (ह्यु) वर्ण, रंग
Home (होम) घर	Huge (ह्युज) बहुतबडा, अतिशयान
Honest (अनेष्ट) सचरा, सच्चा	Human (ह्युमन) मानवी मनुष्यजाती
Honey (हनी) मधु, मिठाई	Humble (अम्बल) नम्रशील, गरीब
Honour (ओनर्) प्रधानता, मान	Humour (हिउमर) मनुष्टकरना
Hoof (हूफ) खुर्, घुम	Humpbacked (हम्प्याकड) कुबठा
Hope (होप्) आशा भरोसा	Hundred (हण्ड्रेड) एकसौ
Hopeful (होपफुल) आशावान	Hunger (हङ्गर) भूख, सुधा
Hopeless (होपलेस्) निरासा	Hunt (हण्ट) टुटना, पाछेटाकरना-
Horn (होम) सिंग	Hurt (हर्ट) चीट, जनदीचलना, वेग
Horrible (होरिबल) भयानक, भयङ्कर	से निराटेना

Hurra (हुरी) जय, जय
 Hurry (हरी) जल्दी
 Hurt (हर्ट) हानी, घाव
 Husk (हस्क) छिलका, छाल
 Hut (हट) भोपडी

I

I (आइ) मैं

Ice (आइस्) बरफ

Idea (आइडिया) भावना, ध्यान, चिन्ता

Idle (आइडल) आलसी, निरुद्योगी

Idol (आइडल) मूर्ति, प्रतिमा, प्रिय

Idolatory (आइडोलेट्री) मूर्तिपूजक

If (इफ) जो, यदि, अगर

Ignoble (इग्नोबल) शल्लुलीन, नीच

Ignorant (इग्नोरन्ट) मूख, अज्ञान

Ignorance (इग्नोरन्स) अज्ञानता,

अविद्या, निर्दुष्टता

Ill (इल) रोग, माँदा

Immediately (इम्मीडिएटली) तुरन्त

Imagine (इमाजिन्) कल्पनाकरना

Imbecility (इम्बेसिलिटी) दुर्बलता, लोभता

Imbolden (इम्बोल्डेन) भरोसादेना

Immaterial (इम्मेटीरिएल) निराकार

Immature (इम्मेचर) कच्चा, अपक्व,

असुपुष्प

Immemorial (इम्मेमोरिएल) बहुत

पुराना

Immonse (इम्मेन्स) बहुत, अनन्त

Immodest (इम्मोडेष्ट) निलज्ज

Immortal (इम्मोर्टल) अमर,

अविन्यासी

Immovable (इम्मूवेबल) अचल, अखण्ड

Immutable (इम्मिउटेबल) निर्विकार

Impart (इम्पार्ट) ज्ञानना, समझाना

Impatient (इम्पेटिएन्ट) उतावला

Imperial (इम्पीरिएल) बादशाही

Import (इम्पोर्ट) आमदनी, अर्थ

Important (इम्पोर्टेंट) जरूरत

Imposter (इम्पोस्टर) ठग, कलौ

Impossible (इम्पॉसिबल) असाध्य,

असंभव

Imptoper (इम्पौपर) गैरवाजिव, अनु

चित

Improve (इम्प्रूव) सुधारना

Impure (इम्प्योर) मनीन, अपवित्र

In (इन्) में, भीतर, अन्दर

Inadequate (इन्डिक्वेट) कम, थोड़ा

Inattentive (इन्एटेंटिव) गोंफल

असावधान

Incessant (इन्सेसेन्ट) हमेशा, सदा

Incident (इन्सिडेंट) आफत

Incline (इन्क्लाईन्) चाहना, इरादा

वरना

Inclosio (इन्क्लोज़) बन्दकरना

Include (इन्क्लूड) शामिलकरना

Income (इन्कम) आमदनी, लाभ

Incompetent (इन्कोमपिटेंट) असमर्थ, मानाधिक	Inhabit (इन्हेबिट) रहना, बसना
Incorrect (इन्करेक्ट) अशुद्ध, नादुरस्त	Inherent (इन्हेयरेंट) सहज, असनी
Increase (इन्क्रिज) बढ़ाना	Injury (इन्जरी) अन्याय, नुकसानी
Incumbent (इन्कम्बेंट) अवगत, जरूर	Injustice (इन्जस्टीस) अनैति
Indebted (इन्डेब्टेड) करजदार कर्णो	Ink (इंक) मियाही
Independent (इन्डिपेन्डन्ट) खुद, मुखन्यार, स्वतन्त्र	Inn (इन्) धर्मगाना, सराय
Index (इन्डेक्स) सूचिपत्र	Inkstand (इन्कस्टैंड) दवाग
Indicate (इन्डिकेट) दिखाना, बताना	Inland (इन्लैण्ड) देशी
Indigence (इन्डिजिन्स) निर्धनता	Innocent (इन्नीसेन्ट) निर्दोष
Indignation (इन्डिगनेशन) क्रोध	Inquire (इन्क्वायर) पृच्छना, खोजना
Indigo (इन्डिगो) नील	Insane (इन्सेन्) पागल, बावसा
Indisposition (इन्डिस्पोजिशन) बीमारो	Insensible (इन्सेन्सिबिल) बेहोश
Indolent (इन्डोलेंट) ढोला सुप्त	Insert (इन्सर्ट) दाखिलकरना
Indulge (इन्डुलज) मिटरगानीकरना	Inside (इन्साइड) भीतर
Industrious (इन्डस्ट्रियस) उद्योगी, मेहनती	Insist (इन्सिस्ट) जिह्मकरना, थापककरना
Inexperienced (इन्एक्सपिरियन्सड) अनाही	Insolvent (इन्सॉल्वेण्ट) दिवानिया
Infancy (इन्फैन्सी) लडकपन, बचपन	Inspect (इन्स्पेक्ट) देखना, परखना
Infant (इन्फैण्ट) बच्चा, लडका	Instant (इन्स्टेण्ट) चालूमहीना
Infidel (इन्फिडेल) नास्तिक	Instructions (इन्स्ट्रक्शन्स) - आज्ञा
Infirm (इन्फर्म) कमजोर, निश्चल	Insurance (इन्शोरन्स) बीमा
Inflexible (इन्फ्लेक्सिबल) सख्त, कठोर	Intellect (इन्टेल्लेक्ट) बुद्धि, अकाल
Inflict (इन्फ्लिक्ट) सजादेना	Intelligence (इन्टेल्लिजन्स) समाचार
Inform (इन्फॉर्म) खबरदेना	Intelligent (इन्टेल्लिजेंट) चतुर
Ingenious (इन्जीनियस) अकालमन्द, गुणवान	Intend (इन्टेंड) इच्छाकरना
	Intention (इन्टेंशन) मनसूबा, इरादा
	Interest (इन्टरैस्ट) व्याज, नफा
	Interrupt (इन्टरप्ट) रोकना, बुझाना
	Intervene (इन्टरव्हेन्) बीचमें आना
	Intervue (इन्टरव्यू) भेट, मुलाकात

Intimation (इण्टिमेशन) समाचार
 Into (इंट) में, अन्दर
 Invalid (इन्वैलिड) बीमार, कमजोर
 Invent (इन्वेंट) बनाना
 Invert (इन्वर्ट) उल्टना
 Investigate (इन्वेस्टिगेट) दूटना
 Invite (इन्वाइट) बुलाना
 Invoice (इन्वोईस) चलानचिट्टी, बीजक
 Invoke (इन्वोक) प्रार्थनाकरना
 Ire (आयर) क्रोध कोष
 Irregular (इर्रेग्युलर) गैरवाजिब
 Iron (आयरन) लोहा
 Irony (आयरनी) ठट्ठा
 Issue (इश्यू) प्रगटकरना, निकालना
 It (इट) वह, यह
 Its (इट्स) उसका
 Itself (इटसेल्फ) खुद
 Ivory (आइवरी) हाथोदात

J

Jackal (जैकाल) गौदह
 Jackfruit (जैकफ्रूट) कटहल
 Jackit (जैकैट) कुर्ता
 Jail (जेल) कारागार, बन्दीशाला
 Jar (जार) घड़ा, गमरी
 Jew (जू) यहूदी
 Jewel (ज्युएल्) गहना, नवाहर
 Jeweller (ज्युएलर्) जौहरी

Job (जॉब) छोटाकाम
 Join (जौन्) मिलाना, लगाना
 Joint (जौइंट) जोड़, मिलायकर
 Joke (जोक) ठट्ठा, हसी
 Journal (जर्नेल) अखबार, समाचारपत्र
 Journey (जर्नी) यात्रा, पर्यटन
 Joy (जौय) आनन्द, हर्ष, हुलाम
 Judge (जज) न्यायाधीश, विवेकी
 Juice (जूइस) रस, सार
 July (जुलाई) अग्रेजी महिना
 Jump (जम्प) कूटना
 Junction (जंक्शन) योग, भेस
 Jury (जुरि) जुरि, पंच
 Just (जस्ट) ठीक, यथार्थ
 Justly (जस्टली) यथायोग्य, न्यायसे
 Juvenile (जूवेनायल्) तरुण, युवा

K

Keen (कीन्) करडा, तेज
 Keep (कीप्) रखना, धरना
 Keeper (कीपर) रखनेवाला
 Key (की) कुजी, चाबी
 Kick (किक्) लात, ठोकर
 Kid (किड) बकरीका बच्चा
 Kill (किल्) बधकरना, मारहालना
 Kin (किन्) जाति, कुटुम्ब
 Kind (काइण्ड) दाता, दयाशील, उपकारी
 Kindly (काइण्डली) मेहरबानो, दया

Kindness (काइण्डनेस) कृपा, दया
Kindle (क्वाइल) जनाना
Kindred (क्वाइरेड) जाति, सगोत्रता
King (किंग) राजा, मरपति, भूपाल
Ki-s (किन) चूमा, चूमनेवा
Kite (काइट) पतङ्ग, गुड्डो
Knife (निव) ठग, कपटो
Knee (नी) घुटना
Knife (नाइफ) चाकू, कुरी
Know (नो) जानना, बूझना
Knowledge (नौलेज) ज्ञान, विद्या
Known (नोन) जाना हुआ

L

Labour (लेबर) मेहनत, प्रयत्न
Lace (लेक) लाख, लज्ज
Lace (लैस) मोटा, किनारी
Lad (लेड) लड़का, छोकरा
Lady (लेडी) स्वामिनि, सेठानी, बीबी
Labe (लेब्) मरीयत, तालाब
Lamb (लेम्) भेड़का बच्चा
Lame (लेम्) लंगड़ा, लुला
Lament (लेमेण्ट) रोना, विनायकरना
Lamp (लेम्प) दीया, दीवा, दीपक
Lance (लेन्स) भाला, बर्का
Land (लेण्ड) भूमि, जमीन
Larc (लेन्) गन्नी, कुची
Language (लैंग्वेज) बोली, भाषा

Lantern (लैटर्न) लालटन
Large (लार्ज) बड़ा, लम्बा
Lass (लैस) लड़की, कन्या
Last (लास्ट) पीछेका, शेष
Lastly (लास्टली) अन्तमें, आखिरकी
Late (लेट) देरी
Lately (लेटली) थोड़े दिन बीते
Laugh (लाफ) हँसो, हँसना
Laughter (लाफटर) हँसनेलायक
Lavish (लेविश) बहुत बिलायदे खर्च
करना
Law (लो) कानून, नियम, भाईन
Lawful (लौफुल) दस्तूरमूजब, इक़दार
Lawyer (लौयर) वकील
Lay (ले) रखना
Lazy (लेजी) सुस्त, ठीका
Lead (लेड) पथबताना, राहदीखाना
Lead (लेड) सीसा
Leaf (लीफ) पत्ता, पन्ना
Lean (लीन) दुर्बल
Learn (लर्न) सीखना, पढ़ना
Learned (लर्नेड) विद्वान, पण्डित
Least (लीस्ट) सबसे छोटा
Leave (लेव) तजना, छोड़ना
Left (लेफ्ट) छोड़ा, त्याग
Leg (लेग्) मोड़ टांग
Legal (लीगल्) कायदेने प्रमाण
Legible (लेजिबिल) पढ़नेके योग्य
Legitimate (लेजिटिमेट) असल

Leisure (लेज़र) अवकाश, फ़रसत
 Lemon (लेमन्) नींबू
 Lend (लेण्ड) उधार देना
 Length (लेंगथ) लम्बाई
 Less (लेस्) कम, नीचा
 Lesson (लेसन) पाठ
 Lest (लेस्ट) कदाचित्, नहीं तो, शायद
 Let (लेट्) परवानगी देना
 Letter (लेटर) चिट्ठी, कागज़
 Level (लेवल) समान, बराबर
 Liable (लायबल) ज़वाबदार, ज़िम्मेदार
 Lame (लायर्) झुंटा
 Library (लाइब्ररी) पुस्तकालय
 License (लाइसेंस) चाप्पा, हुकुम
 Lock (लॉक्) चाटना
 Laid (लेड) ठका
 Laid (लाइ) झुंटा
 Laid (लाइड) जीव, जितनी
 Light (लाइट) रोशनी, जलका
 Lightning (लाइटनिंग) बिजली
 Lake (लाक) सुभाफ़िक
 Lame (लायम्) झुंटा
 Laid (लेड) कद, शेष
 Laid (लाइड) लकीर, कतार
 Laid (लेड) नैसर्गिक
 Laid (लेड) वस्तुकाष्ठ बिताना,
 टेनेसरा
 Laid (लाइड) अस्तर
 Laid (लेड) साकल, कड़ी, झुंटी

Linseed (लिनसिड्) तीसी, चकसी
 Lion (लायन्) सिंह, मृगराज
 Lip (लिप्) होंठ, अधर
 Liquidate (लिक्विडेट्) लतारना पटाना
 List (लिस्ट) टोप
 Listen (लिसन) सुनना, ध्यान देना
 Lithography (लिथोग्राफी) पत्थर का
 छापा
 Litigate (लिटिगेट) लड़ना, मुकद्दमा
 करना
 Little (लिटिल) छोटा, थोड़ा, थोड़ा
 Live (लिव्) जीवता
 Lively (लाइवली) दुशियार
 Liver (लिवर) कलेजा
 Lizard (लिज़ार्ड) छिपकली
 Lo (लो) देखो
 Load (लोड) बोझ, मोट, भार
 Loan (लोन्) रोटी
 Loan (लोन्) क़रज़ा, उधार
 Local (लोकल) जगह
 Lock (लॉक) ताका, चांय
 Lodge (लॉज) रहना
 Lodging (लॉजिंग) थोड़े दिनों के लिये
 वास्तुस्थान, मक़ान
 Lofty (लॉफ़्टि) उचा
 Loin (लोयिन्) कटि, कमर
 Loner (लौयटर्) बिलम्बकारना
 Long (लॉन्) लम्बा
 Look (लुक) देखना

Looking glass (लुकिग्लास्) दर्पण
Loom (लूम) तांत, सामथी
Loose (लूस्) नीरान्ता, चलण
Lord (लोर्ड) प्रभु, ईश्वर
Lose (लूज्) खोना
Loss (लौस्) हानि, नुकसान
Lost (लौस्ट) नुकसानो
Lot (लौट्) भाग्य, नमीव
Loud (लाउड) जोरसे, चिघाके
Love (लव्) प्रेम
Lovely (लवलि) मनोहर, सुन्दर
Low (लो) हलका, नीच
Lower (लायर) नीचाकरना दवाना
Lowly (लौली) कोमल, अधम, गरीब
Luck (लक्) भाग्य, टैययोग
Lucky (लकि) श्रीमान्, भाग्यमान्
Luggage (लगेज) गछर, सामथी
Lukewarm (लिटक्वार्म) उठामीन्
Lull (लल्) सोलाना, मिद्राकरना
Lump (लम्प्) टीला, डेर
Lunatic (लिउनेटिक्) पागल

M

Mace (मेन्) जावजो गज्जा
Machine (मेयिन्) कल
Mad (मैड्) पागल, दीवाना
Made (मेड्) बनाया, किया
Magic (मेजिक्) जादू

Magistrate (म्याजिस्ट्रेट्) मजिस्टर
Maid (मेड्) कुंवारी, दासी
Mail (मेल्) डाक
Maintain (मेण्टेन्) पालना
Make (मेक्) कबना, बमाना
Maker (मेकर) ब्रामिनाला
Malo (मेल्) पुण्य
Mamma (मामा) माता
Man (मेन्) चादमी, मनुष्य
Management (मेनेजमेण्ट) कन्दोबदा
Manager (मेनेजर) गुमास्ता
Mango (मैङ्गो) आम
Mankind (मेनकाइण्ड) मनुष्यजाती
Manner (मेनर्) तरह
Manufactory (म्याणुफेक्चरी) कारखाना
Many (मेनी) बहुत
Marble (मार्बल्) मङ्गमरमर
March (मार्च) इथेली तीसरामहीना
Mare (मेयर्) घोड़ी
Mark (मार्क) निशान, चिह्न
Market (मार्केट्) बाजार
Marriage (मेरिज्) व्याह
Maul (मास्क्) बहाना
Master (माष्टार्) उस्ताद
Mat (मैट्) चटाई
Match (मैच्) दीवासलाई
Mate (मैट) जोडा चट्टा
Material (मैटेरियल) मुग्य
Matter (मैटर) द्रव्य

Maund (मोण्ड) मण
 Maxim (मैक्सिम) काण्डा
 May (मे) मया
 Maze (मेज्) घबराहट
 Me (मी) मुझे
 Meadow (मेडो) मैदान
 Meal (मील) खोराक, भोजन
 Mean (मीन्) नीच अधम
 Meaning (मीनिङ्) अर्थ
 Means (मीन्स) उपाय
 Measure (मेजर्) नाप
 Meanwhile (मीनट्वाइल्) इतनेमें
 Medicine (मेडिसिन्) दवा
 Meet (मीट्) मिलना
 Meeting (मीटिङ्) सभा
 Melt (मेल्ट) गलना
 Member (मेम्बर) पक्ष, संगतियार
 Memory (मेमरि) याददास्त
 Men (मेन्) आदमी, लोग
 Mend (मैण्ड) सुधारना
 Merchant (मर्चेण्ट) व्यापारी
 Mercury (मर्करी) धारा
 Mercy (मर्सि) दया
 Mere (मेयर्) केवल, एकत्र
 Merely (मियर्ली) निपट, सिर्फ
 Mess (मेस्) आहारा
 Message (मेसेज) समाचार, खबर
 Metal (मेटाल्) धातु
 Method (मेथड्) क्रम, प्रकार

Metropolis (मिट्रोपोलिस्) राजधानी,
 राजस्थान

Middy (मिड्डे) टोपकर, सधाष्ट
 Middle (मिड्ड) शिथला
 Midnight (मिडनाइट) आधीरात
 Might (माइट्) पराक्रम, शौर
 Mill (मिल्ल) दृष
 Mill (मिल्ल) चाकरी, कल
 Million (मिलियन्) दसलाख
 Mind (माइण्ड) ध्यानदेना
 Mine (माइन्) मेरा
 Mirror (मिरर्) दर्पण
 Minor (माइजर) कजुम, सुम
 Misfortune (मिस्फोर्चुन्) दुर्भाग्य, कम
 बख़्त
 Miss (मिस्) कुमारीकन्या
 Mistake (मिस्टेक्) भूल
 Mistress (मिस्ट्रेस) सालखोन, सेठायी
 Mix (मिक्स) मिचाला
 Mixture (मिक्सचर) मिचाल
 Moist (मीष्ट) भीजा, गीला
 Monday (मण्डे) सोमवार
 Money (मनि) रुपया, दौलत
 Monkey (मङ्गी) बन्दर, धोतर
 Month (मन्थ) महिना
 Moon (मून्) चांद
 Moonlight (मून्लाइट) चांदनीरात
 More (मोर) ज़ियादा
 Morning (मीनिङ्ग) प्रभात, सबेरे

Most (मोस्ट) सबसे बहुत
 Mother (मदर) माता, जननी
 Motion (मोशन) चालचलन
 Mould (मोल्ड) साचा
 Mountain (माउण्टेन्) पहाड़
 Mouse (माउस्) चूहा
 Mouth (माउथ) मूँह
 Mow (मो) काटना
 Move (मूव) हिलाना, चलाना
 Much (मच्) बहुत
 Mud (मड्) कादा, कीच
 Mule (मिडल्) खच्चर
 Multiply (मल्टिप्लाई) बढ़ाना
 Murder (मर्डर) जोवहत्या
 Mungoos (मगुस्) नोलिए
 Mush (मस्क) कलुरी
 Musket (मस्कट) बन्दूक
 Muslin (मसलिन) मनमल
 Mu taid (मस्टाइ) राई, सरसों
 Must (मस्ट) चाहिये
 Muster (मस्टर) एकट्ठाकरना
 Mutiny (मिउटिनि) दह्रा
 Mutual (मिउचुएल्) आपसमें
 My (माइ) मेरा
 Myself (माइसेल्फ्) मैं, खुद
 Mystery (मिस्टिरि) भेद

N

Nail (नेल्) नाखुन

Naked (नेकेड्) नङ्गा
 Name (नेम्) नाम
 Namely (नेमली) फौसे, यर्थात्
 Naphin (नेप्किन्) भड़ोछा
 Narrate (नरैट्) बयानकरना
 Narrow (नैरो) तग
 Nasty (नैस्टि) खराब, मैला
 Nation (नेशन) जाति
 Native (नेटिव) देशी
 Natural (नैचुरल्) कोमल, स्वाभाविक
 Naughty (नौटी) बुरा, दुष्ट
 Near (नीयर्) पास, निकट
 Nearly (नियर्ली) पाससे
 Neat (नौट्) निर्मल, साफ़, करीब
 Necessary (नेसेसरी) आवश्यक, जरूर
 Neck (नेक्) कण्ठ, गला
 Necklace (नेक्लेस्) मोहनमाला, हार
 Need (नोड्) चाहना
 Needly (निड्ल) सूई, काटा
 Neglect (नेग्लेक्ट) भूलना
 Neighbour (नेबोर्) पड़ोसी
 Neither (नाइदर) दोनोमेंसे कोई नहीं
 Nephew (नेफु) भतीजा, भानजा
 Nest (नेस्ट) घोंसला
 Net (नेट्) जालोन
 Never (निवर) कभी नहीं
 New (निउ) नया, ताजा
 News (निउज्) खबर
 Next (नेक्स्ट्) दूसरा, इसके बाद

Nib (निब) कुलमकी चोच
 Nioe (नाइम्) सुन्दर, ठीक
 Night (नाइट) रात
 Nine (नाइन) नव
 Ninety (नाइण्टी) नब्बे
 Ninth (नाइन्थ) नवा
 No (नो) नहीं
 Noble (नोबिल्) कुलीन, यीमान
 Noise (नोइज़) शोला, कोलाहल
 None (नोन) कोई नहीं
 Noon (नून) दोपहर
 Nor (नोर्) यद् न वद्
 North (नोर्थ) उत्तर
 Nose (नोज़) नाक
 Not (नोट) नहीं
 Note (नोट) जांचलेना
 Nothing (नथिंग) कुछ नहीं
 Notice (नोटिस) ख़बर
 Notwithstanding (नोटविथ्स्टैण्डिंग)

तथापि धरन्तु

Nourish (नरिश) पालना
 Novel (नोवेल) कहानी
 November (नोवेम्बर्) दशेजी
 महीने का नाम
 Now (नाउ) अभी
 Number (नम्बर) गिन्ती, संख्या
 Nurse (नर्स) दाव
 Nut (नट) सुपारी
 Nutmeg (नट्मेग्) जायफल

Nuxvomica (नक्सवोमि का) कुचवीला

O

Oar (ओर्) डण्ड
 Oath (ओथ) शपथ, कसम
 Obedient (ओबीडिएण्ट) ताबेदार
 Obey (ओबे) मानना, वशहोना
 Object (ओब्जेक्ट) मतलब, अभिप्राय
 Oblige (ओब्लिज) उपकार करना
 Obscure (ओब्स्क्यूर) कठिन, गूढ
 Observe (ओब्ज़र्व) देखना
 Obstacle (ओब्स्टैकल) अटकाव
 Obstinate (ओब्स्टीनेट) आपस, जिद्दी
 Obtain (ओवटेन्) हासिलकरना, पाना
 Occasion (ओकैजन्) प्रसङ्ग, उपाधि
 Occupation (ओक्युपेशन) काम, अधिकार
 Occupy (ओक्युपाई) दखलकरना
 Occurrence (ओक्यूरन्स्) घटना
 Ocean (ओशन) समुद्र
 October (ओक्टोबर्) दशेजीमहीना
 Of (ओफ) का, के, से
 Off (ओफ़) दूर
 Offence (ओफेन्स्) अपराध दोष
 Office (ओफिस) कचहरी, दूकान
 Officer (ओफिसर्) असलदार, अधिकारी
 Offspring (ओफ़्स्प्रिंग) फल, सन्तान
 Often (ओफेन्) बराबर, अक्सर
 Oil (ओयिल्) तेल, रोगम

Old (वोल्ड) पुराना, बूढ़ा
Omit (ओमिट्) भुक्ताना, छोड़ना
On (ओन्) पर, ऊपर पास
Once (वन्स) एकसमय एकबार
One (वन) एक, कोई
Onion (ओनियन्) प्याज लहसुन
Only (ओन्ली) एकदफे, फक्त
Open (ओपन्) खोलना
Opinion (ओपीनियन्) हक
Opium (ओपियम्) अफीम
Opportunity (ओपट्युनिटी) अवसर,
भीका
Opposite (ओपोजिट्) सम्मुख, विरोधी
Option (ओप्शन्) इच्छा, रुचि
Opulence (ओप्युलेन्स) धनवाम
Or (ओर्) अथवा, या, या
Orange (ओरेंज) नारंगी
Order (ऑर्डर्) हुकुम
Ordinary (ओर्डिनरी) साधारण
Original (ओरिजिनल्) असक
Ornament (ओर्नामेण्ट) गहना, दामोदर
Orphan (ओर्फान्) अनाथ
Other (अदर) दूसरा
Others (अदरवाल्) गहींतो
Ought (ओट्) चाहीये
Ounce (आउन्स) आधौकटाक
Our (ओवर्) अपना, हमारा
Out (आउट्) बहार
Outline (आउटलाइन्) नक़्शा

Outrage (आउटरिज्) चन्दा
Orrer (ओवर) ऊपर, पर
Overcome (ओवरकम्) जीतना
Overlook (ओवरलुक) देखना, भूलना
Overseer (ओवर्सीयर्) अधिकारी
Overweight (ओवर्साइट्) भूल, भ्रान्ती
Overtake (ओवरटेक्) धरना, पकड़ना
Owe (ओ) करजदारहोगा, चाहना
Owl (आउल्) चूहा
Own (ओन्) अपना, निजका
Owner (ओनर) मालिक
Ox (ओक्स) बैल

P

Pack (पेक) गडिड़ी पुलिन्दा
Packet (पैकेट्) गठरी, मोटरीहाककी
Padlock (पैडलोक) लाला कुलुफ
Paddy (पैडि) धान, धान्य
Page (पेज) पृष्ठ, पन्ना
Paid (पैड) भरपया, दिया
Pain (पेन्) पीडा, दुःख
Paint (पेण्ट्) रंगना
Pair (पेयर्) जोडा
Pale (पेल) फीका, पीना
Palanquin (प्यालाडिन्) पालकी
Pan (पैन) कड़ाही, घाली
Paper (पेपर) कागज
Parcel (पार्सल) बौदड़ी, पुलिन्दा

Parchment (पार्चमेण्ट) चमड़ेका कागज

Pardon (पारडन्) माफ़करना

Parent (पेरेंट) मातापिता

Parlour (पार्लर) बैठक, दिवानखाना

Parrot (पैरट्) सुवा, तोता

Part (पार्टे) हिस्सा, भाग

Partake (पार्टेक) हिस्सालेना

Partioulars (पार्टिक्यूलर्स) अहवाल,
चौकस

Partition (पार्टिशन) भाग, हिस्सा

Partner (पार्टनर) भागीदार

Pass (पास्) जाना, चलना

Passage (पासेज्) मार्ग, रास्ता

Passenger (पासेन्जर) मुसाफिर

Path (पाथ्) मार्ग, रस्ता

Patient (पैटेण्ट) धैर्यवान

Pattern (पैटर्न) बानगी, नमुना

Pay (पे) देना

Payment (पेमेण्ट) भुगतान

Pea (पी) मटर

Peacock (पिकक) मोर

Pearl (पर्स) मोती

Pebble (पेबल्) पत्थर

Pen (पेन) कलम, लिखना

Penalty (पेनेल्टि) सजा, छण्ड

Pencil (पेन्सिल) कलम, पेन्सिल

Pension (पेन्शन) जो नौकरों घरमें दे
मिलती है

People (पीपल) लोग आदमी, प्रजा

Pepper (पेपर) कालीमिर्च

Perfect (पर्फेक्ट) समाप्तकरना, पूरा
करना

Perform (परफोर्म) करना

Perhaps (पर्हैप्स्) कदाचित्, शायद

Permission (परमिशन) हुकूम, आज्ञा

Permit (परमिट्) परवानगी देना

Person (पर्सन्) रूप, शरीर

Port (पोर्ट) चञ्चल, चानाक

Pet (पेट) पियारा

Petition (पिटिशन) प्रार्थना

Phial (फायिल्) शीशी

Piece (पाइस्) पैसा

Pick (पिक्) उठाना, पसन्दगारना

Picture (पिक्चर्) तस्वीर

Pig (पिग्) सुशरका बच्चा

Pigeon (पिजन) कबूतर

Pillar (पिलर) खम्भा

Pillow (पिलो) तकिया

Pin (पिन्) चालपीग

Pinch (पिन्च) नौचना

Place (प्लेस) जगह, स्थान

Play (प्ले) खेलना

Pleader (प्लीडर) वकील

Pleaso (प्लीस्) मेहरबानगी

Pleasure (प्लेजर) खुशी

Plenty (प्लेण्टी) बहुत

Plum (प्लुम्) बेर

Pocket (पॉकेट्) खीरा, जेब

Poison (पौइज़न्) जहर
Police (पोलिस्) घाना
Policy (पौलिसि) राजनीति जोखिम-
नामा
Pomegranate (पोमिघेनेट्) चमार
Pond (पौण्ड) तनाव, बाघदी
Pony (पोनि) टहू
Poor (पूअर्) गरीब
Popular (पोपुलर्) सर्वप्रिय, सब-
काप्यारा
Port (पोर्ट) बन्दर
Portion (पोर्शन्) हिस्सा, भाग
Possession (पोस्सेजन्) अधिकार
Possible (पोसिबिल्) होनियोग्य,
बननियोग्य
Post (पोस्ट) डाक
Postage (पोस्टेज्) डाकका किराया
Postpone (पोस्टपोन) डानरचना,
फैकरगना
Potatoe (पोटेटो) चामू
Pot (पोट) बर्तन
Potter (पोटर्) कुम्हार
Pound (पाउण्ड) चाघाचेर
Powder (पाउडर्) तुकनी
Power (पावर्) पराक्रम, और
Practice (प्राक्टिस्) अभ्यास
Pray (प्रे) बिनती, प्रार्थना
Prefix (प्रिफिक्स्) आगेधरना
Pregnant (प्रेग्नेण्ट) पेटसे, गर्भवती

Premium (प्रिमियम्) गफा
Prepare (प्रिपेअर्) बनाना, तैयार-
करना
Present (प्रेजेण्ट) हाजिर
Press (प्रेस) कापाखाना
Prevent (प्रिवेण्ट) रोकना, चटकाना
Previous (प्रीविअस्) पहिला, आगला
Price (प्राइस्) दर, भाव, कीमत
Pride (प्राइड्) अभिमान, घमण्ड
Priest (प्रीस्ट) पुरोहीत
Prince (प्रिन्स) साहजादा, राजकुमार
Princess (प्रिन्सेस्) राजकुमारी
Principal (प्रिन्सिपल्) मुख्य, बडा
Print (प्रिण्ट) छापना
Prison (प्रिज़न्) कारागार, कैदखाना
Prisoner (प्रिज़नर्) कैदी, बन्दी
Private (प्राइवेट) गुप्त
Privilege (प्रिविलिज्) हक
Prize (प्राइज्) इनाम
Procession (प्रासेशन्) दल
Procure (प्रोक्यूर) लेपाना, पाणा
Profession (प्रोफ़ेजन्) व्यापार, व्यवहार
Profit (प्रोफ़िट्) लाभ, नफा
Profitable (प्रोफ़िटेबल्) फ़ायदेसे,
नफ़ेसे
Promise (प्रोमिज़्) कीलकरना, इक्-
सारकरना
Proper (प्रोपर्) वाजब, यथोचित
Property (प्रोपर्टि) दौलत, मास

Prove (प्रूव) साधितकरना

Public (पब्लिक) जाहिर

Publish (पब्लिश) जाहिर करना,
प्रगटकरना

Pull (पुल) खिंचना, तोड़ना

Pulse (पल्स) नाड़ी

Punish (पनिश) सजादेना

Purchase (परचेज) खरीदना

Purchased (परचेज्ड) खरीदकिया

Purport (पर्पर्ट) मतलब, अभिप्राय

Purposely (पर्पोजी) जानबूझकर

Push (पुश) धक्कामारना,

Put (पुट) रखना

Q

Quaff (क्वाफ) पोना

Quality (क्वालिटी) जात

Quantity (क्वाण्टिटी) परिमाण

Quarter (क्वार्टर) चौथाभाग

Queen (क्वीन्) रानी

Question (क्वेश्चन) सवाल

Quick (क्विक) जल्दी

Quickly (क्विकली) जल्दीसे

Quick-silver (क्विकसिल्वर) पारा

Quiet (क्वाइट) चुप, स्थिर

Quill (क्विल) परकीकलम

Quire (क्वायर) कागजका दस्ता

Quite (क्वाइट) बिलकुल

R

Rice (रिस) घोडदौह, वन

Radish (रेडिश) मूली

Rag (रैग्) चोथरा, गुदडा

Rail (रेल) राकडी, वा लोहेकीपट्टी

Rain (रेन्) मेह, पानी

Raise (रेज) उठाना, चढना

Raisin (रेजिन्) किसमिस, दाख

Ram (रैम्) मेंढा

Rare (रियर) दुर्लभ

Rat (रैट) बुहा

Rate (रेट) भाव, दर

Rather (रादर) बेहतर

Raw (रौ) कच्चा

Ray (रे) किरण

Razor (रेजर) लसतरा, छुरा

Reach (रीच्) पहुँचना

Read (रीड) पठना, बाँचना

Ready (रेडी) तैयार, निकट

Real (रीएल्) सत्य, असल, खरा

Ream (रीम्) कागजकी गड्डी

Reason (रीजन्) कारण, सबब

Recall (रिकौल) पीछा बुलाना

Receipt (रिसिट) रसौट

Receive (रिसीव) लेना, पाना

Received (रिसीव्ड) पहुँचा

Recollect (रिकलेक्ट) यादकरना

Recover (रिकवर) आरामहीना

Red (रेड) लाल

Reduce (रिडिउज्) घटाना, उतारदेना
 Reel (रील्) चरखा
 Reed (रीड्) सुरली, बसी
 Refine (रिफाइन) निर्मलकरना, साफ-
 करना
 Reform (रिफार्म) सुधारना
 Refresh (रीफ्रेश) वित्याम
 Refreshment (रीफ्रेश्मेण्ट) आराम
 Refuse (रिफिउज्) नटना, इकारकरना
 Regain (रिगेन्) फिरपाना
 Regiment (रेजिमेण्ट) सेना, पलटन
 Register (रेजिस्टर) नोधना, बही
 Regret (रेग्रेट्) शोक, दुःख
 Regular (रेग्यूलर्) नियम
 Reign (रेन्) राज्य, बल, शक्ति
 Rein (रेन्) लगाम, बाग
 Reject (रिजेक्ट) फेंकना, निकालदेना
 Relation (रिलेगन्) नाता, कुटुम्बी
 Release (रिलीज्) जामदेना, छाडना
 Religion (रिलीजन्) धर्म, पथ
 Rely (रिलाई) भरोसाकरना
 Remain (रिमेन्) ठहरना, रहना
 Remedy (रिमेडी) इलाज, चिकित्सा
 Remember (रिमेम्बर) याद, स्मरणकरना
 Remind (रिमाइण्ड) चेतना, जताना
 Remittance (रिमिटेन्स) भेजना
 Remit (रिमिट्) घटाना, कमकरना
 Remove (रिमुव्) सरकाना, हटाना
 Rent (रेण्ट) भाडा

Reopen (रिओपन) फिरखोलना
 Repair (रिपेयर) सुधारना, मरम्मत-
 करना
 Repeat (रिपीट) दुबाराकहना
 Repay (रिपे) फेरदेना पीडादेना
 Reply (रिप्लाई) जवाबदेना
 Repository (रिपोजिटरी) गोदाम
 Report (रिपोर्ट) खबर
 Request (रिक्वेस्ट) प्रार्थना करना
 Require (रिक्वायर्) चाहिये
 Reserve (रीजर्व) रखना, संचितवस्तु
 Residence (रेजिडेन्स) घर, मकान
 Resign (रिजाइन्) छोडना, सौपना
 Resist (रिजिस्ट) रोकना
 Resolve (रिसोल्व्) इरादाकरना
 Resolution (रिजोल्यूशन्) इरादा
 Respectively (रिस्पेक्टिव्लि) क्रमसे
 Rest (रेस्ट) आराम, निद्रा
 Restless (रेस्टलेस्) बेचैन
 Restore (रेस्टोर) फेरदेना
 Result (रिजल्ट) नतीजा, फल
 Restrain (रेस्ट्रेन्) रोकना, अटसाना
 Resume (रिज्यूम्) फिरलेना
 Retire (रिटायर्) पनैजाना
 Retribution (रिट्रीब्यूशन) बदला, एयज
 Return (रिटर्न) पीछाफेरना, लौटाना
 Reveal (रिवील) खोलना
 Revenue (रेवेन्यू) आमदनी कर, जमा

Reverse (रिवर्स) उल्टा
 Review (रिव्यू) फिरदेखना
 Reward (रिवार्ड) इनाम
 Rhinoceros (राईनोसोरस) गैंडा
 Ribbon (रिवन) फीता, रेशमी
 Rico (राइस्) चावल
 Rid (रिड्) छोड़ना, हाँकना
 Rich (रिच्) पैसेवाला, अमीर
 Right (राइट्) ठीक, अधिकार
 Righteous (राईससू) सच्चा, नेक
 Ripe (राइप्) पक्का
 Rise (राइज्) उठना, उमड़ना
 Rush (रिस्क) जोखिम, छुतरा
 Rite (राइट्) दसुन, विधि
 River (रिवर्) नदी
 Road (रोड्) रास्ता, सड़क
 Roar (रोर) डकारना, गरजना
 Rob (रीब्) चोरना, चुराना
 Robber (रोबर) चोर, डाकू
 Roof (रूफ) छत, गुम्बज
 Room (रूम) कमरा, कोठरी
 Root (रूट) मूल, कारण, जड़
 Rose (रोज्) गुलाबफूल
 Rot (रोट) गलना, सड़ना
 Round (राउण्ड) गोला
 Rub (रब) रगड़ना, मलना
 Rude (रूड) ग़वार, अनाड़ी
 Rule (रूल्) कायदा
 Rupee (रूपी) रुपया

Run (रन्) दौड़ना

S

Sack (सैक) लूटना, बीरा
 Sacred (सैक्रेड) पवित्र
 Sad (सैड्) उदास
 Saddle (सैडल्) जीन
 Safe (सैफ्) निर्भय
 Safety (सैफ्टी) बचाव
 Safely (सैफली) कुशलसे
 Sagacity (सेगसिटी) बुद्धि
 Sage (सेज्) बुद्धिमान
 Sago (सेगो) साबूदाना
 Sake (सैक्) वास्ते, खातिर
 Salary (सैलरि) पगार,
 Sale (सेल) बिक्री, नीलाम
 Saliva (सेलीवा) थूक
 Salt (सील्ट)
 Saltpetre ()
 Salutation ()
 Salute (सैल्यूट)
 Same (सेम्)
 Sample ()
 Sanctity ()
 S
 Sand ()
 Sanda
 S-+

Satisfy (सैटिस्फाई) खुशी करना
 Saturday (सटर्डे) शनिवार
 Say (से) कहना, बोलना
 Scale (स्केल्) तराजू, काटा
 School (स्कूल्) पाठशाला
 Scissors (सिजर्स) कैंची, कतरनी
 Sea (सी) सागर, समुद्र
 Seal (सील) मोहर, छाप
 Search (सर्च) तलाशकरना, पतालगाना
 Season (सीजन) मौसम, ऋतु
 Sent (सेंट) बैठक, चौकी
 Second (सेकण्ड) दूसरा
 Secret (सीक्रेट) गुप्त
 See (सी) देखना
 Seed (सीड) बीज
 Seize (सीज) पकड़ना
 Select (सेलेक्ट) चुनना
 Self (सेल्फ) खुद, आप
 Sell (सेल्) बेचना
 Selling (सेलिंग) बिक्री, बेचताइ
 Seller (सेलर्) बेचनेवाला
 Send (सेण्ड) भेजना
 Send'for (सेण्डफोर्) मगवाना
 Sense (सेन्स) बुद्धि, अकल
 Sensible (सेन्सिबल) होशियार
 Sentence (सेण्टेन्स) पद, वाक्य
 September (सेप्टेम्बर) अगस्त
 Serious (सीरियस) गम्भीर, भारी
 Serpent (सर्वेण्ट) सर्प, साँप

Servant (सर्वेण्ट) मीकर
 Service (सर्विस) नौकरी
 Set (सेट) रखना, ठीककरना
 Settle (सेटल) निबिडाकरना
 Settlement (सेटलमेण्ट) बन्दीबस्त-
 करना
 Seven (सेविन्) सात
 Seventh (सेविन्थ) सातवां
 Several (सेवरल) न्यारा, अलग
 Shall (शैल्) गा, गो
 Sow (सिड) सीमना
 Shame (शेम्) भाज, शरम
 Share (शेयर्) भाग, हिस्सा
 Sharp (शार्प) तेज
 Sho (शो) वह
 Sheep (शीप्) भेड़
 Sheet (शीट) चहर
 Shield (शील्ड) ढाल
 Ship (शिप्) जहाज
 Shipped (शिप्ट) चढाया
 Shirt (शर्ट) चद्दरखा, कुर्ता
 Shocking (शौकिङ्ग) भयानक
 Shoe (शू) पगखी, जूता
 Shop (शोप्) दूकान
 Shopkeeper (शीप्कीपर) दूकानदार
 Short (शोर्ट) छोटा, कम
 Show (शो) दिखलाना, बतलाना
 Shut (शट) बन्दकरना
 Sick (सिक्) बीमार, मादा

Side (साइड) भगुल, तरफ
 Sight (साइट) दृष्टि, नजर
 Sign (साइन) सहीकरना
 Signature (सिग्नेचर) सही, छाप
 Silent (साइलेण्ट) चुपचाप
 Silk (सिल्क) रेशम
 Silver (सिलवर) चांदी
 Similar (सिमिलर) सरखा, समान
 Simple (सिम्पल) निराला, सीधा
 Simply (सिम्प्ली) फकत
 Sin (सिन्) पाप
 Sing (सिंग) गाना
 Since (सिन्स) इसलिये
 Sincerely (सिन्सयली) दिलजानसे
 Single (सिंगल) अकेला
 Sir (सर) साहिब
 Sing (सिङ्ग) बुलना
 Sister (सिस्टर) बहन
 Sit (सिट) बैठना
 Situation (सिचुएशन) जगह
 Sixth (सिक्थ) छठवां
 Size (साइज) डोल, आकार
 Skin (स्किन) चमड़ा
 Sky (स्काई) आसमान
 Skill (स्किन) हिकमत, गुण
 Slack (स्लैक्) ढीला
 Slap (स्लैप्) थपथप
 Sleep (स्लीप्) सोना
 Sleeve (स्लीव) आस्तीन

Slight (स्लाइट) हलका, छोटा
 Slipper (स्लिपर) जूता
 Slowly (स्लोली) धीरे धीरे
 Sly (स्लाई) सयाना, चतुर
 Small (स्माल) छोटा
 Smile (स्माईल्) प्रसन्नहोना
 Smith (स्मिथ) मोनार
 Smoke (स्मोक) धुआनिकालना
 Snake (स्नेक) नाग, सर्प
 Sneeze (स्नीज) छींकना
 Snow (स्नो) पाला, बरफ़
 Snuff (स्नफ़्) सुघनी
 So (सो) ऐसा, इसरीतिसे
 Soap (सोप्) साबुन
 Society (सोसाइटी) सभा, मण्डली
 Soft (सौफ्ट) नरम, कोमल
 Solicit (सोलिसिट्) भर्जकरना
 Solid (सौलिड्) कठोर, सख्त
 Some (सम्) कुछ, जरा
 Something (सम्थिङ्ग) कुछ
 Sometimes (समटाइम्स) कभी कभी
 Son (सन्) लडका, पुत्र
 Song (सौङ्ग) गीत
 Soon (सून्) जलदी
 Sorry (सौरि) उदास
 Sort (सौर्ट) चुनना, छाटना
 Sound (साउण्ड) शब्द, आवाज
 Sour (सौवर्) खट्टा
 South (साउथ्) दक्षिण

Sovereign (सौवरिन्) राजा, बादशाह
 Speak (स्पीक्) बोलना
 Special (स्पेशल्) विशेष
 Specimen (स्पेसिमेन्) नमूना, वानगी
 Spectacles (स्पेक्टिकल्) चश्मा
 Spell (स्पेल) शब्दजोड़ना
 Spond (स्पेण्ड) लुटाना, खर्चकरना
 Spoil (स्पीयन्) खराबकरना, बिगाड़ना
 Spoon (स्पून) चमचा
 Stable (स्टेबल्) अश्वशाला
 Stamp (स्टैम्प) मोहर, छाप
 Stand (स्टैण्ड) खड़ा रहना
 Star (स्टार) तारा
 Start (स्टार्ट) रवाने होना
 State (स्टेट) अवस्था
 Statement (स्टेटमेण्ट) वक्तव्य, वृत्तान्त
 Station (स्टेशन) जगह, थागा
 Stay (स्टे) रहना, ठिकना
 Steady (स्टेडी) दृढ़, मजबूत
 Steal (स्टील) चोरी करना
 Steel (स्टील) पोनाद
 Stick (स्टिक) लकड़ी, नाडी
 Still (स्टिल) अभी तक
 Stock (स्टीक्) बाकीपूजी, भण्डार
 Stocking (स्टोकिङ्ग) मोजा
 Stone (स्टोन) पत्थर
 Stop (स्टोप) ठहरना
 Stopped (स्टोप्ड) बन्द किया
 Store (स्टोर) सग्रह

Storm (स्टोर्म) तूफान, आधी
 Story (स्टोरी) कहानी, इतिहास
 Straight (स्ट्रेट्) सीधा, सरल
 Stranger (स्ट्रेञ्जर) परदेशी
 Straw (स्ट्रो) बिचाली
 Street (स्ट्रीट्) सड़क, गली
 Strike (स्ट्राइक्) पीटना, मारना
 Strong (स्ट्रोङ्ग) मजबूत
 Student (स्टूडेंट) विद्यार्थी
 Study (स्टूडि) अभ्यास, पठना
 Stupid (स्टूपिड्) मूर्ख, विवक्षु
 Subject (सब्जेक्ट) प्रजा
 Submit (सब्मिट्) समर्पण करना
 Subordinate (सब्र्डिनेट्) ताबेदार,
 आधीन
 Succeed (सक्सीड्) फलित होना,
 सिद्ध होना
 Such (सच्) ऐसा, तैसा
 Suffer (सफ़र) सहना, भुगतना
 Sufficient (सफ़िसेण्ट्) काफी, बस
 Sugar (शुगर) चीनी, खाँड़
 Sugarcane (शुगरकेन) ईख, रसु
 Suicide (सुइसाइड्) अपघात, आत्महत्या
 Suit (सूट्) प्रार्थना, मुकद्दमा
 Sulphur (सल्फ़र) गन्धक
 Sum (सम्) तमाम
 Summons (समन्स) तनव, बुलावा
 Sun (सन्) सूर्य
 Sunday (सण्डे) दीतवार, रविवार

Superior (सुपीरिअर्) अच्छीजातका,
बढिया

Supply (सप्लाई) भर्त्तीकरण

Suppose (सपोज्) कल्पनाकरना

Sure (श्योर) निश्चय, यकीन

Surplus (सरप्लस्) बढती, बचती

Surprise (सरप्राइज) आश्चर्य, चमत्कार

Survey (सर्वे) परखना, देखना

Suspect (सस्पेक्ट) शङ्काकरना

Suspend (सस्पेण्ड) टाकना, नटकाना

Suspence (सरस्पेण्ड) सन्देह

Swear (स्वीयर्) शपथखाना, कसमखाना

Sweat (स्वेट्) पसीना

Sweet (स्वीट्) मीठा

Sweetmeat (स्वीट्मीट्) मिठाई

Sweeper (स्वीपर) मेइतर, मझी

Swift (स्विफ्ट्) तेज़

Swim (स्विम्) तिरना, पैरना

Sword (सोर्ड) तलवार

Syringe (सिरिन्ज्) पिचकारी, दमकद

System (सिस्टम्) बन्दोबस्त, रीति

T

Table (टेबिल्) मेज़

Tailor (टेलर) दरजी

Take (टेक्) लेना

Taken (टेकिन्) लेनिया

Tale (टेल) कहानी, कथा

Talk (टौक्) बातकरना

Tall (टाल्) लम्बा, ऊँचा

Tallow (टेनो) चर्बी

Tamarind (टेमेरिण्ड) इमली

Tame (टेम) पालोहुवा, तावेदार

Tank (टैङ्क) तलाव

Tape (टेप्) निवार, फीता

Taste (टेस्ट) स्वादलेना

Tax (टेक्स) जकात, कर

Tea (टी) चाह

Teach (टीच्) पढना, सिखाना

Teacher (टीचर्) गुरु, माएर

Tear (टेयर्) फाडना

Telegraph (टेलिग्राफ्) तार

Telescope (टेलिस्कोप्) दुरबीन

Tell (टेल्) बोलना कहना

Temper (टेम्पर) मिर्जाज, स्वभाव

Tempest (टेम्पेस्ट) तूफान

Temple (टेम्पल्) मन्दिर, देवस्थान

Ten (टेन्) दस

Tenant (टेनैण्ट) प्रजा, आसामी

Tender (टेण्डर्) कोमल, नरम

Tent (टेण्ट) तम्बू

Tenth (टेन्थ) दसवाँ

Term (टर्म) सीमा, मर्यादा

Testimonial (टेस्टिमोनियल्) सनद

Testimony (टेस्टिमोनी) साक्षी, गवाही

Texture (टेक्चर्) बुनावट

Than (दैन) से

Thank (थिङ्क) उपकार
 That (दैट्) वह, जो
 Theatre (थियेटर्) नाटक, तमाशेकी-
 जगह
 The (दि) वह
 Theo (टी) तुम्हो, तू
 Theft (थेफ्ट्) चोरी
 Their (दियर्) उनकी, उनका
 Them (टेन्) उनको
 Then (देन्) जब, तब
 Thence (देन्स) वहासे
 There (देयर्) वहा
 Therefore (देयर्फोर) इसवास्ते
 Thereafter (देयर्नाफ्टर्) उसकेबाद
 Thereon (देयर्अोन) उसपर
 Thick (थिक्) मोटा
 Thof (थोफ्) चोर
 Thin (थिन्) पतला, माडा
 Thine (दाइन) तेरा
 Thing (थिङ्ग) चीज
 Think (थिङ्क) सोचना
 Thinking (थिङ्किङ्ग) धारतारु
 Third (थार्ड) तीसरा
 Thirsty (थर्स्टी) प्यासा, तिसाया
 Thirty (थर्टी) तीस
 Thi (दिम्) यह
 Thither (दिटर्) उस जगह
 Thorough (थोरो) बिलकुल
 Those (दोस) उन्होका, वह

Thou (दाउ) तू
 Though (दो) अगरचे, यद्यपि
 Thought (थोट्) विचार, खयाल
 Thousand (थाउजैण्ड) हजार, सहस्र
 Thread (थ्रेड) डोरा, सूत
 Threc (थ्री) तीन
 Throat (थ्रोत्) कण्ठ, गला
 Throne (थ्रोन्) तख्त
 Through (थ्रू) मारफत
 Throw (थ्रो) फेंकना, भोंकना
 Thunder (थण्डर्) गर्जना, गडगडाना
 Thursday (थर्सडे) बुधवार
 Thus (दस्) इस मूजब
 Thy (दाइ) तेरा
 Tio (टाए) बाधना, जोडना
 Tiger (टाइगर्) बाघ, जेर
 Tight (टाइट्) तङ्ग
 Till (टिल्) तक
 Timber (टिम्बर्) लकड़ी, काठ
 Time (टाईम) वक्त, समय
 To (टू) को, पास
 Tobacco (टूबैको) तैमाकू
 To day (टुडे) आज
 Together (टुगेदर्) सबमिनाके
 Toil (टौइल्) परिश्रमकरना, मेहनत
 To-morrow (टुमोरो) कल
 To-night (टनाइट्) आजरात
 Tongue (टङ्ग) जुवान
 Too (टू) बहुत

Tooth (टूथ) दात
 Total (टोटल) सय
 Toward (टूवर्ड) तरफ
 Town (टाउन) भंडर
 Trace (ट्रेस) पतासगाना, ठुङ्गना
 Trade (ट्रेड) व्यापार, व्यवहार
 Train (ट्रेन) सिखस्राना, तानना
 Traitor (ट्रेटर्) ठग, दगायाल
 Tranquility (ट्रैन्किलिटी) चाराम
 Transaction (ट्रैन्सैक्शन) कामकाज
 Translate (ट्रैन्सलेट्) मर्जुमाकरना,
 उषयाकरना
 Transmit (ट्रान्समिट्) पहुचना, भेजना
 Traveller (ट्रैवलर्) सुसाफिर, पयिक
 Treasure (ट्रेज़र्) खज़ाना, कोष
 Tree (ट्री) वृक्ष
 Trial (ट्रायल्) परीक्षा, तपास
 Trouble (ट्रिबल्) तकलीफ, पीडा
 True (ट्रू) सच, सत्य
 Truly (ट्रूलू) ठीक, यथार्थ
 Trust (ट्रस्ट) विश्वास, पतवार
 Truth (ट्रूथ्) सत्य, खर
 Try (ट्राइ) जांचना, परिक्षालेना
 Tube (ट्यूब) नल
 Tues-day (ट्यूज़डे) मङ्गलवार
 Turban (टरबन्) प्रगडी
 Turn (टर्न) फेरना
 T-tor (ट्यूटर्) गुरु, स्नाद
 Twice (टूइस्) दोबेर, दोदफे

Twine (ट्वाइन) डोरा, सुतनी
 Two (टू) दो
 Type (टाइप) छापेका अक्षर
 Tyranny (टिरनी) उपद्रव

U

Umbrella (अम्ब्रेला) छतरी, छाता
 Unable (अनएबिल) असमर्थ
 Uncertain (अन्सर्टेन्) निश्चयनहीं,
 पक्कानहीं
 Uncle (अङ्किल्) चाचा, मामा
 Under (अण्डर्) नीचे, तले
 Understand (अण्डरस्टैण्ड) समझना,
 ध्यानमें लाना
 Undone (अन्डून्) नहीं बना
 Undo (अनडू) मतकरो
 Uneasy (अन्ईज़ी) कठिन, बेचैन
 Unfair (अन्फेयर) अनुचित
 Unfortunate (अन्फोर्टूनेट्) अभाग,
 कम्बखत
 Unhappy (अन्हैपी) दुःखी, दुर्भाग्य
 Uniform (यूनिफ़ॉर्म) एकतरह, एकरंग
 Unity (यूनिटी) सन्धति, मेल
 Unlaid (यूनिवर्स) ससार, सृष्टि
 Unless (अन्लेस्) नहींतो, जीनहीं
 Unlimited (अन्लिमिटेड्) अपर
 Until (अण्टिल्) जबतक
 Untransacted (अण्टैन्सैक्टेड्)
 सवदा नहीं बना

Up (अप) ऊपर
Upon (अपोन्) ऊपर
Upper (अपर्) ऊपरका
Upsot (अप्सेट्) उलट देना
Urge (अर्ज) दयाना, ताकीद करना
Urgent (अर्जेण्ट) जरूरी, बुझाना
Urine (यूरिन्) पेशाब, मूत्र
Us (अम्) हमको, हमने
Use (यूज्) व्यापार, व्यवहार
Useful (यूसुफुल्) फायदेसे
Useless (यूजुलेस्) निकम्मा
Usual (यूजुवेल्) साधारण, मामूली
Utter (अटर्) अतिशय
Utterly (अटर्ली) सर्वथा

V

Vacant (वैकैण्ट) खाली
Vain (वेन्) व्यर्थ, बेफायदा
Valid (वैलिड्) बलवान् मजबूत
Value (वैल्यू) कीमत, दाम
Various (वैरियस) न्यारा न्यारा
Vegetable (वेजिटेबिल्) साग, तरकारी
Vail (वैल्) छिपाना, ढकना
Velocity (वेलोसिटी) शीघ्रता
Velvet (वेल्वेट्) मखमल
Vender (वेन्डर्) बेचनेवाला
Venomous (वेनोमस्) जहरीला
Verb (वर्ब) क्रियापद

Vermilion (वर्मिलियन्) सेन्दूर
Veinacular (वैनेकुलार्) श्वदेशी
Verbo (वर्ब) कविता
Verb (वैरि) बहुत, धड़ी
Vessel (वैसिल्) जहाज, नाव
Ver (वैक्स) सताना, दिक्करना
Viceroy (वाइसराय) प्रधान
Victory (विक्टोरीया) फतेह, जीत
Vic (वाइ) सुझावलाकरना
View (व्यू) नजर, दृष्टि
Village (विलिज्) गाव
Vinegar (विनिगर्) सिरका
Violate (वायोलेट्) बिगाडना
Virgin (वर्जिन्) कुमारीकन्या
Virtue (वर्चु) धर्म, नेकी
Virtuous (वर्चुस्) धार्मिक
Visit (विजिट्) मिलना, देखना
Voice (वोइस्) आवाज
Void (वोइड्) निकालना, खालीकरना
Volume (वोल्यूम) फैलाव, दफतर
Vomit (वोमिट्) रद्द करना
Vowel (वोविल्) स्वरवर्ण
Voyage (वोयज्) जमयाव
Vulgar (वल्गर्) मूर्ख

W

Waft (वैफ्ट) हडालेजाना
Wag (वैग्) चलना हिलना

40 Forty फौरटी ...	४०
41 Forty-one फौरटीवन	४१
42 Forty-two फौरटीटू	४२
43 Forty-three फौरटीथ्री	४३
44 Forty-four फौरटीफोर	४४
45 Forty five फौरटीफाइव	४५
46 Forty-six फौरटीसिक्स	४६
47 Forty-seven फौरटीसेवन	४७
48 Forty-eight फौरटीऐट	४८
49 Forty-nine फौरटीनाइन	४९
50 Fifty फिफ्टी	५०
60 Sixty सिक्स्टी	६०
70 Seventy सेवन्टी	७०
80 Eighty ऐटी	८०
90 Ninety नैन्टी	९०
100 Hundred हण्डरेड	१००
1000 Thousand थाउजेण्ड	१०००
10000 Ten-thousand टेनथाउजेण्ड	१००००
Lac लाख	१०००००
Million (मिलियन्) दमलाख	१००००००
One-crore एककरोड	१०००००००
Hundred-crores सौकरोड	१०००००००००

गमना ।

First (फर्स्ट) पहिला

Second (सेकण्ड) दूसरा

Third (थर्ड) तीसरा
Fourth (फोर्थ) चौथा
Fifth (फिफ्थ) पाचवा
Sixth (सिक्सथ) छठा
Seventh (सेवनथ) सातवा
Eighth (ऐटथ्) आठवा
Ninth (नाइन्थ) नवा
Tenth (टेन्थ) दसवा
Eleventh (इलेक्न्थ) ग्यारवा
Twelfth (ट्वेल्फ्थ) बारवा

अमेजी महिनों के नाम

January (जनवरी)	३१
February (फेब्रुवरी)	२८
March (मार्च)	३१
April (ऐप्रिल)	३०
May (मे)	३१
June (जून)	३०
July (जुलाई)	३१
August (अगस्ट)	३१
September (सेप्टेम्बर)	३०
October (ओक्टूबर)	३१
November (नोवेम्बर)	३०
December (डिसेम्बर)	३१

* चौथे वर्षमें फेब्रुवारी २९ दिनका होता है। उस वर्षको लीपफेब्रुअरी कहते हैं।

श्रीगणेशायनमः

मलतवसंग्रहः

مطلب سنگره

भाग तीसरा

باب تیسرا

उद्

अ

अ	इ	उ	ए	ऐ	ओ	अलिफ
क	ख	ग	घ	ङ	च	ज
ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ
द	ध	न	प	फ	ब	भ
म	य	र	ल	व	श	ष
स	ह	ळ	ळ	ळ	ळ	ळ
जोय	तोय	आद	खाद	गीन	चीन	यी
मीम	नाम	गाफ	काफ	काफ	फे	गेन
धडीये	ये	हमका	लामअलिफ दीवशमीदे	ह	वोपी	नून

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०

(ते क़वर सा) (ये क़वर पा) (वे क़वर वा) (अलिफ़ क़वर भा)

(चे क़वर चा) (जीम क़वर जा) (से क़वर सा) (टे क़वर टा)

उँ	ऊँ	ट	ट
(डाल ज़वर हा)	(दाल ज़वर दा)	(खे ज़वर खा)	(हे ज़वर हा)
उँ	ऊँ	उँ	ऊँ
(जे ज़वर जा)	(डे ज़वर डा)	(रे ज़वर रा)	(जान ज़वर जा)
ऊँ	ऊँ	ऊँ	ऊँ
(खाट ज़वर मा)	(शीन ज़वर शा)	(सीन ज़वर सा)	(ये ज़वर या)
ऊँ	ऊँ	ऊँ	ऊँ
(येन ज़वर ना)	(जोय ज़वर जा)	(तोय ज़वर ता)	(ज्वाद ज़वर जा)
ऊँ	ऊँ	ऊँ	ऊँ
(काफ ज़वर का)	(खाफ ज़वर का)	(फे ज़वर फा)	(गैन ज़वर गा)
ऊँ	ऊँ	ऊँ	ऊँ
(नून ज़वर ना)	(मीम ज़वर मा)	(नाम ज़वर ना)	(गाफ ज़वर गा)
ऊँ	ऊँ	ऊँ	ऊँ
(लाम अलिफ़ ज़वर ला)	(दो चस्मौ है ज़वर हा)	(है ज़वर हा)	(धाओ ज़वर वा)
ऊँ	ऊँ	ऊँ	ऊँ
(वहौ ये ज़वर या)	(ये ज़वर या)	(हमजा ज़वर आ)	
ऊँ	ऊँ	ऊँ	ऊँ
(टे ज़ेर टे)	(ते ज़ेर ते)	(ये ज़ेर ये)	(वे ज़ेर वे)
ऊँ	ऊँ	ऊँ	ऊँ
(खे ज़ेर खे)	(हे ज़ेर हे)	(वे ज़ेर वे)	(जीम ज़ेर जे)
ऊँ	ऊँ	ऊँ	ऊँ
(से ज़ेर से)	(हे ज़ेर हे)	(रे ज़ेर रे)	(खान ज़ेर खे)
ऊँ	ऊँ	ऊँ	ऊँ
(दाल ज़ेर दे)	(शीन ज़ेर शे)	(सीन ज़ेर से)	(ये ज़ेर ये)
ऊँ	ऊँ	ऊँ	ऊँ
(जे ज़ेर जे)			

ट	ड	ड	स	स
(देन खोर ए)	(खोय खोर खे)	(तोय खोर ने)	(ख्वाद खोर को)	(ख्वाद खोर बे)
क	उ	उ	ह	ह
(काफ खोर के)	(काफ खोर के)	(फे खोर फे)	(गैन खोर मे)	
न	म	ल	न	न
(नून खोर ने)	(भीम खोर मे)	(साम खोर से)	(गाफ खोर ने)	
स	स	स	स	स
(साम खलिफ खोर से)	(हो चम्मी हे खोर हे)	(हे खोर हे)	(याभी खोर बे)	
ख	ख	ख	ख	ख
(बलीये खोर ये)	(ये खोर ये)	(हमना खोर ए)		
टि	ति	पि	पि	पि
(टि पेश हो)	(ति पेश तो)	(पि पेश पो)	(पि पेश को)	(खलिफ पेश पो)
खे	हे	खे	खे	खे
(खे पेश खो)	(हे पेश हो)	(खे पेश खो)	(जीम पेश जो)	(बे पेश खो)
खे	खे	खे	खे	खे
(खे पेश खो)	(रे पेश रो)	(खाल पेश खो)	(खान पेश खो)	(दाल पेश दो)
खे	खे	खे	खे	खे
(ख्वाद पेश खो)	(शीन पेश यो)	(शीन पेश खो)	(ये पेश यो)	(जे पेश खो)
गैन	गैन	गैन	गैन	गैन
(गैन पेश गो)	(गैन पेश खो)	(खोय पेश खो)	(तोय पेश तो)	(ख्वाद पेश खो)
गाफ	काफ	काफ	फे	फे
(गाफ पेश गो)	(काफ पेश को)	(काफ पेश खो)	(फे पेश फे)	
याभी	यम	भीम	साम	साम
(याभी पेश खो)	(यम पेश यो)	(भीम पेश खो)	(साम पेश खो)	

(साम अलिफ पेश हो) (दोचमीह पेश हो) (हे पेश हो)

(वही ये पेश हो) (ये पेश हो) (हमका पेश हो)

सद्वृत्त पक्षों का लिखने के समय का मेल जोल और उन के वर्ण माला के पठने का आल इस व्यवस्था में समझी और जानो—

(वे वे जवर बब और बिब पेश बुब)	(वे अलिफ जवर बा और वे पेश हो)
(वे ते जवर बत और बित पेश बुत)	(वे पे जवर बप और बिप पेश बुप)
(वे वे जवर बस और बिस पेश बुस)	(वे टे जवर बट और बिट पेश बुट)
(वे वे जवर बच और बिच पेश बुच)	(वे जीम जवर बज और बिज पेश बुज)
(वे खे जवर बख और बिख पेश बुख)	(वे हे जवर बह और बिह पेश बुह)
(वे डाज जवर बड और बिड पेश बुड)	(वे दाज जवर बद और बिद पेश बुद)
(वे र जवर बर और बिर पेश बुर)	(वे ज्ञाज जवर बज और बिज पेश बुज)
(वे को जवर बका और बिका पेश बुका)	(वे छे जवर बछ और बिछ पेश बुछ)
(वे खीन जवर बस और बिस पेश बुस)	(वे ये जवर बय और बिय पेश बुय)
(वे खाद जवर बस और बिस पेश बुस)	(वे शीम जवर बश और बिश पेश बुश)
(वे तीय जवर बत और बित पेश बुत)	(वे ज्वाद जवर बका और बिका पेश बुका)
(वे ऐन जवर बप और बिप पेश बुप)	(वे जोय जवर बज और बिका पेश बुका)
(वे फे जवर बफ और बिफ पेश बुफ)	(वे गैम जवर बग और बिग पेश बुग)
(वे काफ जवर बक और बिका पेश बुका)	(वे काफ जवर बक और बिका पेश बुका)
(वे साम जवर बल और बिल पेश बुल)	(वे गाफ जवर बग और बिग पेश बुग)
(वे नून जवर बन और बिन पेश बुन)	(वे मीम जवर बम और बिम पेश बुम)
(वे हे जवर बह और बिह पेश बुह)	(वे वाषी जवर बव और बिय पेश बुव)

(वे दो चमीह जवर बह और बिह पेश बुह)

(वे साम अलिफ जवर बल और बिल पेश बुल)

(वही ये जवर बय और बिय पेश बुय) (वे ये ज्ञाज और बिज पेश बुज)

इसी तरह और भी पूरी तन्पत्ती इसकी है ।

ये की तन्पत्ती के की तरह है पर ये के नीचे एक अन्य अधिक खर्गाया जाता है ।
 और ० से १ तक और, किसी से नहीं मिलते पर इन से सब मिल सकते हैं ।

गिन्ती की मख्या देखो

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ ०

जानना चाहिये कि छद्म में गणित की मख्या दहिनी ओर से बाई ओर लिखनी
 में लिखी जाती है पर इन का गुणन हिस्से ही की तरफ पर होता है, जैसे—
 (१४१५३)

उर्दू वर्णमाला के प्रयोग करने का नियम ।

जब कि अलिफ़ के ऊपर ऐसा निशान (आवर) लगाती है तब उसकी
 उच्चारण "अ" या होता है जैसे (अ) और इसी प्रकार जब कि ऐसा निशान
 अलिफ़ के ऊपर लगाती है तो उसका उच्चारण "आ" का होता है, जैसे "आ"
 (यानि दीर्घ अति) ।

जब कि अलिफ़ के नीचे ऐसा निशान लगाती है तो उसका उच्चारण फ़स
 "इ" का होता है, जैसे (इ) यदि दीर्घ इ बनाया हो तो अलिफ़ के साथ
 छोटी इ बढ़ा देना चाहिये, जैसे (ई) ।

जब कि (अलिफ़) के ऊपर ऐसा निशान (पेय) लगाया जाता है तो
 उसका उच्चारण फ़स प्रकार का होता है जैसे अलिफ़ पेय उ । यदि इसी की
 दीर्घ करना होतो इस के बाद उ (आधो) की बढ़ा देना चाहिये तो ऐसा करने के
 दीर्घ अकार हो जाता है जैसे, उ अ और उ की उच्चारण भीकार का भी होता है,
 जैसे اوس (ओस) औ (औ) ।

यदि ओकार बनाना हो तो अलिफ़ और वाओ लिखकर , वाओ के सिर पर (हमज़ा) के बठाने से ओकार होजाता है जैसे اُولی़ ओलिया ।

यदि एकार बनाना हो तो । (अलिफ़) के आगे — (बहीये) के बठाने से एकार हो जाता है जैसे اِک (एक) यदि ऐकार बनाना हो तो अलिफ़ और बहीये — लिखकर (बही ये) — के ऊपर हमज़ा , के लगाने से ऐकार होजाता है जैसे اِیسا ऐसा ।

उर्दू वर्णमाला में यदि व्यंजन का अक्षर अकार 'अव्' एकार बनाना हो तो केवल व्यंजन के ऊपर (ऊपर का) , ऐसा निशान अक्षर इकार के वास्ते और ओर का , ऐसा निशान व्यंजन के नीचे, और पेयका , ऐसा निशान अक्षर उकार के वास्ते व्यंजनके ऊपर लगाया जाता है जैसे اَب کب عطر کُش अब, कब, इतर कुश इत्यादि ।

व्यंजन का दीर्घ अकार बनाने के वास्ते व्यंजन में अलिफ़ ऊपर या मिला दिया जाता है जैसे काफ़ अलिफ़ ऊपर ک साम अलिफ़ ऊपर س परन्तु इस अवकाश में ऊपर का निशान नहीं लगाया जाता है व्यंजन का दीर्घ ईकार के बनाने के वास्ते व्यंजन में छोटी ये ی मिला दीजाती है जैसे رَام کی کُتری (राम की कतरनी) और व्यंजन दीर्घ अकार के बनाने के लिये व्यंजन में वाओ मिला दिया जाता है जैसे رَام مَوی لال (राम गोपीनाम) (राम गोपान) ।

यदि व्यंजन का ओकार बनाना हो तो वाओ के ऊपर हमज़ा बठा देना चाहिये जैसे کُتری کُتری गौरीशंकर यदि एकार बनाना हो तो व्यंजन में बही — और ऐकार के वास्ते उच्च व्यंजन और बही ये के बीच में हमज़ा , को अधिक कर देना चाहिये دِلّیٰ پرشاد تم کے لیے حاورہ देवी प्रसाद तुम के लिये आधोरी ।

यह बात याद रखना चाहिये कि उर्दू भाषा में जब कि आओ, जाओ, लाओ, इत्यादि जब लिखा जाता है तो इस में अर्धस्वर का उच्चारण होता है इस लिये उर्दू में अर्धस्वर के उच्चारण के वास्ते वाओ के पहले अलिफ़ न लगा कर उच्च के ऊपर हमज़ा लगा देते हैं तो अर्ध ओकारका उच्चारण होता है , जैसे اَو حارِہ इत्यादि ।

और यह भी जानना चाहिये कि यदि अलिफ़ के बाद दीर्घ ईकार हो तो फिर उस समय में और अलिफ़ के बठाने की कोई जरूरत नहीं है जैसे رَکائی (रक़ाई, रंगारंग, सफ़ाई इत्यादि औरभी जानो ।

उर्दू भाषा में ख ख क भ उ ट थ ध फ म वण नहीं है परन्तु जब कि इन की

درنشریکی

درنشریکی درنا رحمدلی گروت نرٹن ایک نرائیو سے حسین شہر
لندن سا ہوا ہے

سمالی معربی	آتری سچم	حریرہ	نابو	نارنگی	اندھیرا
سراع رستی کرنا	دھونڈھنا	کوشش	آپائے	درخ	بہار
بلیچی	انعاما	نکارک	مقام	حک	
جہانی	ساوک کرنا	نرنا کرنا	حاج	طرب	

گروت نرٹن حریرہ کے شمالی مغرب میں ایک حریرہ آئس لینڈ کے نام سے مشہور ہے وہاں پر گنلسٹ نام کا ایک رہندہ دار رہا اُسکے دو لڑکے تھے بڑے لڑکے کا نام جان تھا اور چھوٹے کا نام جیکس۔ ایک روز وہ لپچارے دونوں لڑکے کھیلنے ہوئے جنگل اور لُرف سے ڈھکے ہوئے پہاڑوں میں نکل گئے شام کا وقت تھا اسی اور نارنگی چھاگئی وہ دونوں راتے راتے راستہ کی سراع رستی کرتے رہے بہت کوشش کی مگر راستہ نہ پایا۔ آخر کار بڑے لڑکے نے لپچار ہو کر ایک درخت کے روبرو سایہ میں جہاں پر کہ گڑھا تھا وہاں پر اوس درخت کی پتیلیاں ٹوڑ کر اوس گڑھے لپچا کر دروں سو رہے مگر چھوٹا لڑکا سر دی کی وجہ سے بہت رونا چلا تا اسلئے بڑے لڑکے نے اپنے کپڑے اُتار کر اپنے چھوٹے بھائی کو اُڑھائے مگر جب اُسکا اس پر وہی حارا نہ گیا تو بڑے لڑکے نے اپنے چھوٹے بھائی کو اپنی چھائی سے لٹا کر اور خوف جھٹاکر سو رہا۔ انعاما اُنکے باپ دھونڈھنے ہوئے اُسی مقام پر آئیکے اور دونوں کو دیکھ کر اپنے سمدھ سے لگتا مگر بڑے لڑکے کی درد شربی اپنے چھوٹے بھائی کی طرف اس ہوشداری سے دیکھ کر اوسکو بہت دیا کرنا۔ اے چھوٹے چھوٹے لڑکے! کیا تم ہی اے چھوٹے چھوٹے بھائی بھائی سے اسطر حیر درنشریکی کے ساتھ پیش آؤ گے۔

ENGLISH—UDRU

The letters of the Hindustani language called the *huruf* *harfi*, 'letters used in spelling words' with their Roman equivalents are thus arranged

1, *Alif* (a) at the beginning of a syllable is pronounced variously like u in *bundle*, i in *bit* and u in *full*, according to the succeeding vowel sound with which its original sound is associated, when preceded and not followed by a vowel sound in any other situation of a syllable it is uttered with the said vowel sound like a in *far*

ۛ *Be* (b) as in *branch*

ۛ *Pe* (p)

ۛ *Te* (t) pronounced by pressing the tongue on the upper teeth

ۛ *Te* (t) as in *hat*

ۛ *se* (s) uttered by Persians and Indians like s in *post*

ۛ *Jim* (j)

ۛ *Ch* (ch) as in *charm*

ۛ *he* (h) as in *hundred*

ۛ *kh* (kh) guttural, sounded like ch in the word *loch* as pronounced by Soothmen

ۛ *Dal* (d) pronounced by pressing the tongue on the upper teeth

ۛ *dal* (d) as in *food*

ۛ *zil* (z)

ۛ *Re* (r) as in *register*

ۛ *re* (r) pronounced by turning the tip of the tongue towards the roof of the mouth

ۛ *Ze* (z)

ژ Zhe (zh) pronounced like z in *azure*.

س or سین Sin (s)

ش or شین Shan (sh) as in *shine*

ص sad (s) pronounced like c in *place*

ز zād (z) like z in *topaz*

ط toe (t) pronounced like *to* (t) the fourth letter of the Alphabet

ظ zoe (z) pronounced like z in *zephyr*

ع Ain (i) pronounced by the Arabs just as if the letter *a* were to be uttered by the lower muscles of the throat. In Roman characters it is represented by an apostrophe. Thus the word should be written 'ilm 'knowledge'

غ ghāin (gh) pronounced as if *g hard* were uttered by compressing the top of the throat

ف Fe (f) as in *fire*

ق kaf (k) sounded by the lower muscles of the throat. It is guttural, and is rather stronger in pronunciation than the English *k*,

ک Kāf (k) as in *kins-man*

گ Gaf (g hard) as in *garb*

ل Lām (l)

م Mīm (m)

ن Nūn (n) This letter is generally pronounced like English *n*. In many instances it is also uttered like nasal *n* as in the French word *ton*. In Roman character this nasal sound is indicated by *n* with a dot over it thus (ñ)

و Woo (w) This letter preceded by a vowel sound is uttered with its preceding vowel sound like *a* in *fall*, *oo* in *food* or *o* in *note* according as the said vowel sound is the one or the other as will be fully illustrated hereafter. In every other situation it is sounded like *u*

1 on a *Ho (h)* as in *history*

1 *Lāmaliy (la)* This is but another form of the first letter *aliy (a)* when it is not followed by any vowel sound. It is here accompanied with *J lam (l)* : a *l* followed by the vowel sound *a* for the sake of convenience

1 *Hamza* This is also a form of the first letter *aliy (a)* when it is followed by any vowel sound. In this form it always stands at the top of a letter. This standing at the top depends upon custom.

1 *Ye (y)* This letter at the beginning of a syllable is represented by *y*, when it follows a vowel sound it stands for *ay*, *er* or *e* according to the vowel sound with which it is associated

COMPOUND LETTERS

1 *Bhe (bh)* compounded with *be* and *he (h)* The two letters in this and in the following compound letters very a little in their original sounds which are not distinct in such a case, but are together uttered with one impulse of the voice before associating with a preceding or succeeding vowel sound. When they do not body in their original sounds they are not considered compound letters as *baha* value

1 *Phe (ph)* 1 *the (th)* 1 *the (th)* 1 *jhe (jh)* 1 *chhe (chh)* as *oh* in *bench* 1 *dhe (dh)* 1 *dhe* 1 *the* *dhe* in *adhere* 1 *rhe (rh)* 1 *khe (kh)* 1 *ghe (gh)*

In forming words the letters a e n t r are joined in full. The heads of the letters are joined as far as possible while the letters h y can not be joined are written in separate and full. In every word is not joined to the succeeding but is written in full

as کتاب kitabat writing Custom however in compound words and in some other instances allow the last letter of a word to be joined to the first letter of another, as کخا, khábgáh bed room from kháh sleep and gáh place The letters ا alif (a) , re (r) , re (r) , ze (z) , zhe (zh) , toe (t) , zoe (z) and , wáo (u) are always written in full These letters with the exception of toe and zoe never join a letter following them

The letters ب be (b) پ po (p) ت to te (t) ث th (th) س se (s) ن nun (n) and ي yo (y) when join to some other letter are alike in such cases and only the dots distinguish the one from the other Thus ب has one dot under it, ن nun (n) one dot over it, ت te (t) two dots over it and ي yo (y) two dots below it

The peculiar form which these letters assume on joining one letter to some others should be carefully noted in the table given here See p p 103-109

There are no vowels to represent the vowel sound but we only make the use of certain marks to indicate the vowel sounds The vowel sounds are three called ز zabar , ز zor and ش pesh that stand for the sounds of a in vulgar e in bit u in put The mark (^) inserted over a letter indicates the vowel sound like u in but and in Roman letters it is represented by 'a' Thus ب ba The mark (,) standing under a letter shows the vowel sound of 'i' in bit The mark (') coming over a letter represents the vowel sound of u in put In Roman letters it is represented by 'i' as ب hand 'a'

as ب pu Any letter preceded by a vowel sound is called حرف ساكن Harfi sakin The mark () is set over letter to show that it is sakin as دوست dost a friend فرق fark difference of the mark (-) is set over a letter to show that the letter underneath

is written once and is pronounced as if it were two, of which the first one is a *sakin* and the second followed by a vowel sound. This 'doubling' is called *tashdid* تَشْدِيد as ب be in the word مُحَبَّب muhabbat affection. *Tanwin* are the double vowel points, which are the two *zabari*, two *zars* and two *peshes*. They are sounded as *an* and *un* when three such *sakins* occur, the first none must be any of the three letters *alif* (a) : *he* (h), *woo* (w) or *ye* (y or e) as *chash* چَاش 'breakfast', *nest* نِست non existence and *post* پُست 'skin'.

Tanwin always follows the final letter of a word. If the final letters are not *ta* (t) a silent *alif* (a) is always added, as *anba* اَنْبَا *ittifāqan* by chance. The mark " is the sign of *tanwin*.

The mark (") is placed over *alif* (a) to be sounded as *d* in *vast*. The mark is called *Madd* an extension for the *alif* (a) is equal to two *alif* as *ab* آب water, when *alif* (a) is followed by *ya* (y) it sounds like vowel *o*; and *i* and *e* in some Arabic words, *wa* (w) with a curve line over it or *ye* (y) with an *alif* over it is represented for a vowel sound of 'a' as *muaddab* مُعَدَّب well trained *Isa* عِيسَى Jesus. In some Arabic word *ta* is written thus (ة) as *salwat* صَلَاة prayer. Some words are written with *b* or *p* while others with *p* or *f* as *bádshah* بادشاه or *padsháh* پادشاه a king *pil* پل or *fil* فیل 'elephant'. *Nun* (n) is not followed by a vowel sound and succeeded by *ba* (b) with vowel sound after it is pronounced as *m* as *anba* اَنْبَا pronounced *anba* stock.

The *alif* (a) of the syllable *al* ال coming between two Arabic words is never pronounced, while *lam* (l) sometimes pronounced and sometimes not when *lam* is preceded by the words beginning with *t*, *g*, *d*, *r*, *sh* ل or *n* it remains always silent and instead of it,

the two first letter of the word following it, is double in pronunciation, as ملك الشعر *malikushshuara* the prince of poets from *malik* prince and شعر *shuara* poets. When *alif* of the syllable is not between two words, but it only commences a word then 'a' being the initial letter is also pronounced as الناس *annas* people, ل is sounded before words commencing with any letter except those just mentioned above, as بلفل *bilfal* at present from *ba, al, f*

The conjunction, na with, its preceding letter is sounded like o as شاد *shab o* 102, day and night

The letters ط ط ظ and ق *kas* are sounded only in pure Arabic words, ز only pure in Persian words, ج and ع in Arabic and Persian words, ک چ پ in pure Persian and Hindi words and ر ز in pure Hindi words. The rest are common to the three languages. The compound letters are traceable only in the pure Hindi words. By this rule the learner can find out Arabic Persian and Hindi words in a sentence.

MEANINGS OF CERTAIN LETTERS

Certain letters are placed at the beginning or end of a word to assign certain meanings to it or to give 10 meanings at all

DIFFERENT MEANINGS OF ALIF (a)

- (1) Continuity as سراسر *sarasar* 'from one end to the other', entirely from سر *sar* and گوناگون various from گون *gun* colour
- (2) And as شاد *shabar* night and day
- (3) Denoting exclamation, ساقیا *sagiyā* O cupbearer, from ساقی *sāqī* a cup bearer

(4) Inserted to lengthen the sound *a* as *دارى* *darighá* 'alas' ! from *daregh*

(5) Denoting agency, as *دان* *dana* "a knowing man" from *دان* *dan* 'know thou

(6) Used as an expletive, as, *اسکندر* *Iskandar* or *سکندر* *Sik-aner* Alexander *گفت* *guftá* for *گفت* *guft*, 'said'

DIFFERENT MEANINGS OF *ب* *be* (*b*)

(1) Denoting an oath, as *بالله* *balhúdá* by God

(2) Denoting position, as, *بالحان* '*balháná* in a house'

(3) Used as an expletive; as, *بجز* *bayuz* which mean 'the same *ayuz* besides

MEANINGS OF *ک* *KAF* (*k*)

This letter followed by *ه* *he* (*h*) means 'because' 'that' used as conjunction It is also used as diminutive form as *مردک* *mardak*, a man

MEANINGS OF *ی* *ye* (*y*)

(1) Appertaining to, as *بنگالی* *Bengalí*, of *Bengal*

(2) In Persian this letter added to a past tense means thou as, *امدی* *amdi* thou comest and affixed to nouns when it stands for article "a" as, *مرد* *mard* a man

There are some Arabic words in which by custom the *الف* *alif* (*a*) is dropped in writing though not in pronunciation this *الف* *alif* is some times placed over the letter next to that uttered after it in

pronouncing such words, as, *alláh* God 'رحمن' *Rahmán* Merciful

Some words are variously pronounced, such as *zabán* or *zabán* tongue *sukhu* or *Sukhun* Speech *Lailá* or *Lailá* the mistress of *Maynu* *átish* or *átash* 'fire'

Some words are variously spelt, thus *مصراع* or *مصراع* *misrá* a single line in a poetry

و, 'WAZN' FORM

Two or more words are said to be of the same *wazn* or form when the number of letters in each are equal and the vowel sounds after the first, second etc

Thus the words *tadbr* plain *تقریر* *'aqir* speech and *tahr* writing are of the same form because each word has five letters after it of which the first letter has the vowel sound *zaber* and the third letter in each has the vowel sound *zer* after it and the remaining letters in each are not followed by a vowel sound. These forms are called etymological forms

NUMERICAL VALUES OF LETTERS

As in english the letters I V X stand for one five and ten, so in Persian, Arabic and Urdu or Hindustani the numerical values of letters are given in the following. —

alif (a) = 1, b (b), p (p) = 2, ch (ch) = 3, d (d) = 4, h (h) = 5, u (u) = 6, z (z) = 7, h (h) = 8, t (t) = 9, k (k) = 20, y (y) = 10, l (l) = 30, m (m) = 40, n (n) = 50, s (s) = 60, ' (') = 70, f (f) = 80, s (s) = 90, k (k) = 100, r (r) = 200, sh (sh) = 300, t (t) or (t') = 400, s (s) = 500, kh (kh) = 600, z (z) = 700, z (z) = 800, z (z) = 900, gh (gh) = 1000,

In compound letter, the value of each of the letters composing it are taken into account. The letters written are calculated while those not written but pronounced are not calculated. The value of Hamza, generally one, but sometimes its value is not calculated. The mahomedan era is called *Hijri* ہجری from *Hijr* ہجر, separation, so named as it commences from the year in which the prophet Mahomed departed from Mecca to Medina. Any *Hijri* may be turned into an approximate Christian era by adding 588 to it. The *Hijri* year contains 356 days while the Christian 365.

URDU GRAMMAR

قواعد اردو

صرف Etymology سے علم سے جس سے بدانا ایک لفظ کا دوسرے لفظ سے اوسکی گرداں اور طریقہ تبدیل کر کے صرف الفاظ کا معام ہوجا رہے ہیں کلامہ - حر آواز آدمی کے منہ سے نکلتی ہے اوسکو لفظ کہتے ہیں - لفظ معنی دار کو موصوع *ma'wuc* (articulate) موصوع کہتے ہیں - اور بے معنی کو مہمل *mohmil* (inarticulate) مہمل کہتے ہیں - جسے بے نام آدمی کا ہے اور اوسے کا آنا دیر لفظ بے معنی ہے - اور موصوع کی دو قسمیں ہیں مفرد *mufrad* (Simple word) یکاثری (جس سے ایک معنی سمجھ جائے) اور اوسے مرکب سے سبب *sabiq* (previous) سابق معنی وہ سمجھ جائے جس سے کلامہ *Kalima* (Parts of speech) کلامہ مفرد ہی کو کلامہ کہتے ہیں - کلامہ کی تین قسمیں ہیں اسم - *Isim* (Noun - موصوع) فعل - *fi'l* (Verb - کیا) اور حرف *Harf* (Preposition) سبب (اسم وہ ہے جو بے مدد کسی دوسرے لفظ کے اپنے معنی دے اور کوئی زمانہ اوسے معنی سے نہ سمجھا جاوے جسے کلامہ اور کلام اسم کی تین قسمیں ہیں -

وہ اسم ہے کہ نام ہو (Concrete noun) جَمِید - جامید (Common noun) اسم غیر معین *gair muatlyyan* (proper) جاتیواچک *gair muatlyyan* (Common noun) اسم غیر معین جیسے انسان سے تمام نامی سمجھے جاتے ہیں جسکو اسم عام اور اسم کلی بھی کہتے ہیں۔
معروفہ - *Ma'aruf* (Proper noun - व्यक्ति वाचक सत्ता) شخص معین اور خاص چیز کو کہتے ہیں۔

اسکی چھ قسمیں ہیں - علم - *alam* - (Proper noun - विशेष नाम) *Zamir* - ضمیر (Pronoun - सर्वनाम) اسم اشارہ - *ishārah* (شعائر) *mausul* (موصول) اسم موصول - *Relative pronoun* (Relative pronoun - संबंध वाचक सर्व नाम) *Ism-i-muzaf* (مضاف) *Governing noun* (Governing noun - संबंधकारक सत्ता) *mundad* (منوادی) *Vocative*

علم وہ ہے کہ نام ہو کسی خاص شخص یا چیز کا جیسے گنگا - حیدر - موهن لعل علم کو اسم خاص اور اسم حقیقی بھی کہتے ہیں - معبرہ ہے جو تعابیر اسم کے لائی جاوے جیسے موهن لعل آنا اوسے سبق پڑھا - پس لفظ اوستے ضمیر ہے جسکے چھ صیغہ *sigha* (Person - पद) ہوتے ہیں -

جمع	واحد	۴۴۴۰
ہم	من	منکلم
تم	تو	مخاطب یا حاضر
وہ	وہ	عائب

منکلم ذات گرد والے کو کہتے ہیں - عائب یا حاضر جس سے بات کی جاوے اور سامنے موجود ہو اور عائب وہ ہے جسکا ذکر کیا جاوے -

اسم اشارہ وہ لفظ ہے جس سے کسی کی طرف اشارہ کریں اور جسکی طرف اشارہ کیا جاتا ہے اوسکو اشارہ الہ - *Ishārah-alah* (इशारा अलह - संकेत सूचित) کہتے ہیں (Pointed out)

اسم اشارہ کے چار لفظ ہیں

Jam' جمع	u'dhed واحد	اسم اشارہ کے نام
Plural बहुवचन	(Singular-एकवचन)	
ے	یہ	اشارہ قریب (Near-पाश)-Qarib قریب
رے	وہ	اشارہ بعید (Far دूर) Bald

Relative-सम्बन्धवाचक सर्वनाम) Ism : mauzul - इसी मौसूल اسم موصول (pronoun) وہ ہے جو غیر مے کے ملے کے نورا حرو حملہ کا بھوکے یعنی نہ مندا ہو سکے نہ خبر کہ فاعل کہ مفعول - اسم موصول کے دو لفظ ہیں جو اور حوں جیسے جو لڑکا کل غیر حاضر ہوا (کل غیر حاضر ہوا) نہ حملہ اسکا ملہ ہے اسم موصول ملہ سے ملکر لٹ انا کا فاعل ہوا ملہ سینا sild کے معنی رشہ کے ہیں یعنی (Relation ship) -

حواسم کہ طرف علم یا صغیر یا اسم موصول کی نسبت کیا جاتا ہے جس سے انک طرح کی خصوصیت آجاتی ہے جسے کوئی کا باپ پیرا بھائی اسکا بیٹا جسکا چچا بھوکر ہوا وہ برحاست گردا گیا لفظ باب اور ندا اور چچا ہیں اسب مصاب ہوئی انک طور پر خصوصیت آگئی مصاب Muzaf کو (Governing noun) کہتے ہیں -

مدنی- Calling case संबोधन mundad sunada) وہ ہے جو نکارا حارے اور ام - مصدر - Masdar (verbal noun) مشتق وہ ہے جس سے فعل فعل (fel) (Verb - किया) اور اسم مشتق - Ism-i-mushduq (Derivation nouns) بنائے جاتے ہیں - آردو میں اوسکے آخر مصدر کی علامت نا ہوتا ہے جیسے کہانا جودنا اسم مشتق وہ ہے جسکی اور مصدر کے حرف مادہ اور اوسکے معنی قائم رہیں -

تذکر اور نابیت (مرد اور عورت) کے لحاظ سے اسم کی دو قسمیں ہیں مذکر - Muzakkar (Masculine gender-पुल्लिंग) اور مؤنث muannas (Feminine gender-स्त्रीलिंग) جس مذکر حایدار کے معادل میں حایدار مادہ ہو وہ مذکر جمعیتی

* جادہ maddah (Root-مूल)

کہلاتا ہے جسے مرد - نکرا - اور جس مؤنث حاددار کے مقابل مذکر ہو اور وہ مؤنث حاددار کہلاتی ہے جسے شہری نوری اور مذکر اور مؤنث لیسانکو غیر حقیقی کہتے ہیں جسکی پہچان مشکل ہے کیونکہ جس ملک میں ایک چیز کو مذکر بولتے ہیں اسی کو دیگر ملک میں مؤنث کہتے ہیں اور اوسکا کوئی قاعدہ پورے طور پر نہیں ہے اسکی درتسمیں ہیں سمائی اور میاسی سمائی (Irregular अनियमित) جسکے واسطے قاعدہ مقرر نہیں اور قیاسی Regular नियमित وہ کہ جسکے واسطے قاعدہ مقرر ہو جس اسم کے آخر الف یا ہے اصلی ہو اکثر مذکر ہوتا ہے جسے بندہ صحرا لڑکا - ہو اسم فعل کے وزن پر اور وہ مؤنث ہوتا ہے جسے عربی عربی - تفصل کے معنی کام کرنا ہے حاصل مصدر (Verbal Noun वातु साधित सगर) فارسی کے آخر ہو سن مفسور ہوتا ہے تو وہ مؤنث ہوتا ہے جسے آرماس - جس اسم کے آخر قاف مصدر عربی یا ہے حاصل مصدر ہندیکی ہو تو وہ بھی مؤنث ہوتے ہیں جسے روئی تونی مگر جونی کرسی وعدہ میسندی (Mustund exceptional) ہیں -

واحد (Singular number एकवचन) ایک کو کہتے ہیں اور ایک سے زیادہ کو جمع (Plural number बहुवचन) کہتے ہیں جسے عورت عورتوں -
 جس اسم مذکر کے آخر الف یا ہے - ساکی نہ ہو اور ایک کے آخر علامت ماعل یا معول یا ایاقب یا طرف وعدہ اسم طرف ہے اور نہ لفظ اونکی جمع کی کچھ صاحب نہیں ہے جسے بھالو آگے برس خریدے - تم اپنے اپنے گھر جاؤ - فقط ایک فعل کی وحدت اور جمع سے ایک بھی واحد اور جمع ظہور میں آتے ہیں -
 اور جس اسم کے آخر الف یا ہے اور ایک جمع سے بھالو سے بنائے ہیں - جسے گھوڑے خریدے - جس مؤنث اسم کے آخر نائے معروف نہ ہوے اونکی جمع کے واسطے آخر میں لفظ س زیادہ کرتے ہیں جسے عورتیں - جس مؤنث کے آخر یائے معروف ہو اونکی جمع لفظ آن کے بڑھائے سے بنی ہے جسے لڑکیاں بکریاں - حال ندا میں اسم کے آخر واو بھالو کے زیادہ کرنے سے جمع بن جاتی ہے - جسے اے لڑکو - اے لڑکیو - اے عورتو مگر جب کسی اسم کے آخر علامت ماعل یا معول یا ایاقب یا طرف وعدہ یا حود اسم طرف ہے اور نہ لفظ کی جمع بن سے بنی ہے جسے مردوں کے لڑکوں میں کدائی بڑھائیں -
 فعل بلا کسی لفظ کی مدد کے انکی معنی بتانا ہے اور بیدوں زمانوں ماضی حال مستقبل میں سے کوئی زمانہ پانا جانا ہے اسکو ہندی میں کیا کرنا اور انگریزی میں

पुरुष Persons	बहुवचन Plural Number	एकवचन Singular Numb	क्रियाकाल Tenses of verbs
संज्ञा —	جمع	واحد	زمانه افعال
2nd सध्यम	لکھو	لکھ	स्वीकारक क्रिया Affirmative or Imperative امر
حاضر	مت لکھو	مت لکھ	अस्वीकारक क्रिया Negative نہی
1st सकल —	हमने लका	मीने लका	सामान्य भूत
2nd सध्यम —	तुमने लका	तुमने लका	Indefinite
3rd अन्यम —	उन्होंने लका	उसने लका	मासी मुक्त
1st सकल —	हमने लका है	मीने लका है	पूर्णवर्तमान
2nd सध्यम —	तुमने लका है	तुमने लका है	Present Perfect
3rd अन्यम —	उन्होंने लका है	उसने लका है	मासी पूर्व
1st सकल —	हमने लका था	मीने लका था	पूर्णभूत
2nd सध्यम —	तुमने लका था	तुमने लका था	Past Perfect
3rd अन्यम —	उन्होंने लका था	उसने लका था	मासी भविष्य

पुरुष Persons شخص	बहुवचन Plural Number جمع	एकवचन Singular Num واحد	क्रिया ज्ञान Tenses of Verbs زمانه افعال
1st सत्तम مكتم	हम लकहे	मैं लकहा	सकितसूचक भूत
2nd मध्यम حاضر	तुम लकहे	तु लकहा	Conditional Past
3rd अन्तम عائب	वह लकहे	वह लकहा	मासी शर्طي
1st सत्तम مكتم	हम लकहे थे	मैं लकहा था	अपूर्ण भूत
2nd मध्यम حاضر	तुम लकहे थे	तु लकहा था	Imperfect Past
3rd अन्तम عائب	वह लकहे थे	वह लकहा था	मासी अस्तमारी
1st सत्तम مكتم	हम लकहा होगा	मैं लकहा होगा	सकासूचक भूत
2nd मध्यम حاضر	तुम लकहा होगा	तु लकहा होगा	Potential Past
3rd अन्तम عائب	वह लकहा होगा	वह लकहा होगा	मासी शकी
1st सत्तम مكتم	हम लकहे हों	मैं लकहा हों	वर्तमान
2nd मध्यम حاضر	तुम लकहे हो	तु लकहा ही	Present tense
3rd अन्तम عائب	वह लकहे हों	वह लकहा ही	हल

باب دوم علم نحو میں

نحو (Syntax वाक्य विचार) وہ علم ہے کہ جس سے معرود کو ملا کر کلام مانا جائے اور معلوم ہو جائے کہ وہ آپس میں کتنا علاقہ رکھتے ہیں - مرکب (सम्मिश्रण) وہ ہے جو دو حملوں یا زیادہ سے ملا کر بنے اور ٹکڑے کر کے سے اوسکا ہر لفظ جو اپنی معنی مقررہ ملاوے اوسکی دو قسمیں ہیں - مرکب معینہ اور مرکب موعید - مرکب معینہ (Complete पृथक्वाक्य) *Murakhkh* *musaid* سُرکھیا سُرکھیا معینہ مرکب موعید (Incomplete पृथक्वाक्य) *ghair musaid* وہ ہے کہ اوسکا کہنے والا کوئی بات کہہ چکے اور سامع (سننے والا) کو دوسری بات کے سننے کا انتظار نہ رہے مرکب غیر معینہ ہے جو حملہ اور کلام کہتے ہیں - مثلاً بڑھئی بٹن چڑھا کر دروازہ بیٹھا - جس سے معلوم ہوا کہ کہنے والا بڑھئی کی خبر دینا ہی چاہتا تھا کہ وہ سن کرے کہ توں آمادہ ہوا مرکب غیر معینہ *Murakhkh* *ghair musaid* سُرکھیا سُرکھیا غیر معینہ مرکب (Incomplete sentence अपूर्ण वाक्य) وہ ہے کہ سامع کو کوئی خبر معلوم نہ ہو اور کسی دیگر خبر یا مطلب کے سننے کا حواس نگار رہی - نہ حملہ پورا ہو یا نہ ہو مگر اس حملہ کا خبر ہوتا ہے - اسکی دو قسمیں ہیں معینہ اور غیر معینہ - مرکب معینہ کے معنی ہیں کہ خبر و اول خبر و دوم پر قید نہ ہو حوالہ وہ قید اضافی ہو یا قید توصیفی ہو مثلاً رند کا گھوڑا - اچھا لڑکا - اور مرکب غیر معینہ وہ ہے کہ خبر اول خبر و دوم کے واسطے قید نہ ہو - اوسکی دو قسمیں ہیں مرکب امتراحی - اور غیر امتراحی - مرکب امتراحی وہ ہے کہ دونوں خبر و اول خبر و دوم امتراحی نام ہو جائے اور مرکب غیر امتراحی وہ ہے کہ خبر و دوم میں کوئی حرف عطف مقرر ہو مثلاً ۲۵ کہ ۵ اور ۲۰ مرکب ہوا ہے - اسطر خبر مرکب معینہ کی چار قسمیں ہیں مرکب اضافی - مرکب توصیفی - مرکب امتراحی اور غیر امتراحی - مرکب اضافی مصاف اور مصاف الہ سے ملکر بنا ہے اور ایک اسم کو دوسرے اسم کی طرف نسبت کر دینا کہتے ہیں اور جسکی طرف نسبت کی جاوے اسکو مصاف الیہ کہتے ہیں اور مصاف وہ ہے جو نسبت کیا جاوے اور در میں مصاف الیہ اکثر مصاف کے پہلے آتا ہے اور کاد کی و کے اور را و ری و رے اور نا و بی و بے علامتیں اصوات کی ہمیشہ مصاف الیہ کے آخر ہوتی ہیں جیسے (رند کا گھوڑا - میرا بکرا) اوسکی گہری اپنی بیس و غیرہ اس ترکیب میں رند مصاف الیہ ہے اور کا علامت اصوات ہی اسطر خبر را اور بی وغیرہ بھی علامت اصوات کی ہے - اور گھوڑا گہری بکرا اور بھنس مصاف ہیں اور مصاف از مصاف الہ ملکر ایک خبر و حیلے کا یعنی معقول

واقع ہوا علامتیں اصابت کی تدکیر و نامت و وحدت اور جمعیت ہمہ صاف کے موافق ہوتی ہیں۔ مرکب تو جمعیتی وہ ہے جو صفت اور موصوف سے ملکر بنے۔ مفسرہ لفظ ہی جس سے کسی کی برائی یا بھلائی یا کسی قسم کی خاصیت نامی جائے اور موصوف وہ ہے جسکی کہ بھلائی برائی یا اور کوئی خاصیت بدل کی جاوے اور وہی صفت موصوف کے پیکے آتی ہے۔ جس سے وہ دشمن لڑکا ہے۔ دشمن صفت اور لڑکا موصوف ہے

جس معنوں کے آخر الف ہو اور اس میں علامت فاعل معقول اور اصناف اور طریقہ کے آئینی وحدے سے تبدیل ہوئی ہو تو اس صفت کی تدکیر و نامت وحدت جمعیت کے موافق موصوف کے ہوئی جائے جیسے اچھا گھوڑا بدصورت لڑکی۔ اور کچھ صفت عددیہ ہیں جس سے بھلا دوسرا۔ سانواں ملا بھلی لڑکی۔ ساتویں عورت وغیرہ۔ مرکب امتراحی وہ ہے جو دو لفظوں سے ملکر ایک نام ہو جاوے جس سے سنگد زبانہ۔ اسطرخر اکرانہ شاہکنج وغیرہ مرکب امتراحی ہیں مرکب غیر امتراحی در حرور سے ملکر بننا ہے اور حرور نام میں کوئی حرف عطف مقید ہونا ہے جیسے ۲۱ مقید ہوا ہے ایک اور دس ہے۔ مرکب غیر امتراحی کو مرکب بعدانی بھی کہتے ہیں۔ ایک سے ۹ تک معدوات یا اکادیں کہلاتی ہیں اور دس دس دس وغیرہ کو بعدانی کہتے ہیں اور ہزار عیرہ داخل معدوات ہیں۔ عدد گنتی کو کہتے ہیں۔ اور جو چتر گنتی حانی ہے اوسکو معدود کہتے ہیں۔ مثلاً دس روئے اس ترکیب میں دس عدد مرکب اور روئے معدود ہیں

تقسیم حملہ - حملہ کی درمیں ہیں - حملہ خبریہ اور حملہ انشائیہ - حملہ خبریہ وہ ہے کہ جس سے کسکی خبر معلوم ہوتی ہے اور اوسےں راہی و دروج کا اعتقاد رہنا ہے - اوسکی دو قسمیں ہیں - حملہ اسمیہ اور حملہ فعلیہ - حملہ اسمیہ وہ ہے جو اسے دو اسموں سے مرکب ہووے کہ اس کے سامع کو کچھ خبر معلوم ہو جاوے۔ اس میں سے ایک کو مبداء کہتے ہیں اور دوسرے کو خبر - مبداء وہ اسم ہے جس کے ماحرے کی خبر دی جاوے اور جس ماحرے کا بیان ہو رہے خبر کہتے ہیں جیسے رند امیر ہے - جس سے معلوم ہوا کہ کہنے والا رند کے امیر ہوئے کی خبر دینا ہے اس رند مبداء ہے اور امیر خبر ہے اور اسے ربط وحدت اور جمعیت میں لفظ ربط ہمیشہ مبداء کے ہوتا ہے - حملہ فعلیہ وہ ہے جو اسم اور فعل سے مرکب ہو - فعل لازمی بھی حملہ فعلیہ اور فاعل سے بنا ہے اور فعل متعدی میں فعل ماضی اور معقول نہ کے ساتھ ملکر حملہ فعلیہ بنتا ہے -

باب دوم علم نحو میں

نحو (Syntax) کا معنی ہے علم وہی کہ جس سے مفردوں کو ملا کر کلام بنانا
 سیکھو اور معلوم ہو جاوے کہ وہ آپس میں کس علاقہ رکھتے ہیں۔ مرکب (Compound
 Sentence) وہ ہے جو دو جملوں یا زیادہ سے ملکر بنے اور ٹکڑے کرنے سے اس کا ہر
 ایک جز اپنی معنی پوری رکھ سکے اور اس کی دو قسمیں ہیں۔ مرکب معینہ اور مرکب
 غیر معینہ۔ مرکب معینہ *Mura'kiḥ muftid* (مُرکِبِ مَعِیْنِہ) (Complete
 Sentence) وہ ہے کہ اس کا کہنے والا کوئی نکتہ کہے اور سامع (سننے والا) کو دوسری
 نکتہ کے سننے کا انتظار نہ رہے۔ مرکب غیر معینہ وہ ہے کہ حملہ اور کلام کہتے ہیں۔ مثلاً بڑھتی
 ہیں چڑھاکر دروازہ بند کیا۔ جس سے معلوم ہوا کہ کہنے والا بڑھتی کی خبر دینا ہی
 نہ تھا، وہ نکتہ کہنے والا کوئی نہ تھا۔ مرکب غیر معینہ *ghair muftid* (مُرکِبِ غَیْرِ
 مَعِیْنِہ) (Incomplete sentence) وہ ہے کہ سامع کو کوئی
 جملہ معلوم نہ ہو۔ اور کسی دیگر جز یا مطلب کے سننے کا حواس نہ رکھ رہی نہ حملہ پورا
 ہوا ہو مگر اس حملہ کا جز ہونا ہی۔ اس کی دو قسمیں ہیں تہیدتی اور غیر تہیدتی
 مرکب تہیدتی کے معنی ہیں کہ جز اول جز دوم پر قید ہو۔ حوالہ وہ قد اصافی
 لیا۔ قند تو صافی ہو مثلاً زرد کا گھوڑا۔ اچھا لڑکا۔ اور مرکب غیر تہیدتی وہ ہے کہ جز
 اول جز دوم کے واسطے قید نہ ہو۔ اس کی دو قسمیں ہیں مرکب امتراحی -
 اور غیر امتراحی۔ مرکب امتراحی وہ ہے کہ دونوں جزو ملکر ایک نام ہو جاوے
 اور مرکب غیر امتراحی وہ ہے کہ جزو دوم میں کوئی حرف عطف معرر ہو مثلاً ۲۵
 ۵ اور ۲۰ مرکب ہوا ہے۔ اس طرح مرکب معینہ کی چار قسمیں ہیں مرکب
 صافی - مرکب توصیفی - مرکب امتراحی اور غیر امتراحی - مرکب اصافی
 مصاف اور مصاف الہ سے ملکر بننا ہے اور ایک اسم کو دوسرے اسم کی طرف نسبت
 لہذا اس کا کہنے والے میں اور جس کی طرف نسبت کی جاوے اس کو مصاف الیہ کہتے
 ہیں اور مصاف وہ ہے جو نسبت کا حارے اور در میں مصاف الہ اکثر مصاف کے
 پہلے آیا ہے اور کا و کی و کے اور را و کی و کے اور نا و کی و کے علامتیں اصاف
 کی ہمیشہ مصاف الیہ کے آخر ہوتی ہیں جیسے زرد کا گھوڑا - میرا بکرا - اوسکی
 گھڑی اپنی بیس و غیرہ اس ترکیب میں زرد مصاف الیہ ہے اور کا علامت اصاف
 ہے اس طرح میرا اور بی و غیرہ بھی علامت اصاف کی ہے۔ اور گھوڑا گھڑی بکرا اور
 بیس مصاف ہیں اور مصاف اور مصاف الیہ ملکر ایک جزو جملے کا یعنی معمول

واقع ہوا علامتیں اصناف کی تذکر و تالیف و وحدت اور جمعیت ہمدستہ مصاف کے موافق ہوئی ہیں۔ مرکب توصیفی وہ ہے جو صعب اور موصوف سے ملکر بنے۔ صعب وہ لفظ ہے جس سے کسی کی برائی یا بھلائی یا کسی قسم کی خاصیت نائی جائے اور موصوف وہ ہے جسکی کہ بھلائی برائی یا اور کوئی خاصیت دیں کی جاوے اور وہ صعب موصوف کے پہلے آئی ہے۔ جیسے وہ دھنس لڑکا ہے۔ دھنس صعب اور لڑکا موصوف ہے

حس صعب کے آخر الف ہو اور اوں میں علامت فاعل معقول اور اصناف اور طریقت کے آنکی وجہ سے تبدیل ہوئی ہو تو اوں معات کی تذکر و تالیف وحدت جمعیت کے موافق موصوف کے ہونی چاہئے جسے احبا گھورا بد صورت لڑکی۔ اور کچھ صعب عدیدہ ہیں جسے پہلا دوسرا۔ سادیاں مثلاً بھلی لڑکی۔ سادیاں عورت وغیرہ۔ مرکب امتراحی وہ ہے جو دو لفظوں سے ملکر ایک نام ہو جسے جیسے سکندر نامہ۔ اسطرطرحر اکثر آباد شاہکنج و غیر مرکب امتراحی ہیں مرکب عتر امتراحی دو حروف سے ملکر بنا ہے اور حروف درم میں کوئی حرف عطف معید ہونا ہے جیسے ۲۱ معید ہوا ہے ایک اور دس سے۔ مرکب عتر امتراحی کو مرکب بعدانی بھی کہتے ہیں۔ ایک سے ۹ تک معرعات ۱۰ اکائیوں کہلاتی ہیں اور دس دھنس وغیرہ کو دھانیاں کہتے ہیں اور سیکڑے او غرار عترۃ داخل معرعات ہیں۔ عدد گنتی کو کہتے ہیں۔ اور جو چتر گنتی حاتی ہے اوسکو معدود کہتے ہیں۔ مثلاً دس روپیہ اس ترکب میں دس عدد مرکب اور روپیہ معدود ہیں۔

تقسیم حملہ۔ حملہ کی د قسمیں ہیں۔ حملہ خبریہ اور حملہ اسائیہ۔ حملہ خبریہ وہ ہے کہ جس سے کسی خبر معلوم ہوتی ہے اور اوسہں راسخ اور دروع کا اعتقاد رکھتا ہے۔ اوسکی دو قسمیں ہیں۔ حملہ اسمیہ اور حملہ فعلیہ۔ حملہ اسمیہ وہ ہے جو اسے دو اسموں سے مرکب ہووے کہ اوسکے سامع کو کچھ خبر معلوم ہو جسے۔ اوں میں سے ایک کو معددا کہتے ہیں اور دوسرے کو خبر۔ معددا وہ اسم ہے جسکے ماحرے کی خبر دی جاوے اور جس ماحرے کا بدل ہو اوسے خبر کہتے ہیں جسے رد امر ہے۔ جس سے معلوم ہوا کہ کہنے والا رد کے امر ہووے کی خبر دینا ہے دس دن معددا ہے اور امر خبر ہی اور ہی ربط وحدت اور جمعیت میں لفظ ربط ہمیشہ معددا کے ہوتا ہے۔ حملہ فعلیہ وہ ہے جو اسم اور فعل سے مرکب ہو۔ فعل قرضی بھی حملہ فعلیہ اور فاعل سے بنا ہے اور فعل معددی میں فعل فاعل اور معقول نہ کے ساتھ ملکر حملہ تعلیہ بنا ہے۔

باب دوم علم نحو میں

نحو (Syntax वाक्य विचार) وہ علم ہے کہ جس سے معرور کو ملا کر کلام بنانا آخترے اور معلوم ہو جاوے کہ وہ آپس میں کیا علاقہ رکھتے ہیں۔ مرکب (Compound) وہ ہے جو دو حملوں یا زیادہ سے ملا کر بنے اور ٹکڑے کر کے سے اسکا ہر ایک حر اپنی معنی معرورہ ملاوے اسکی دو قسمیں ہیں۔ مرکب معید اور مرکب عمر معید۔ مرکب معید *Murakkib muftid* (Complete पृष्ठावयव) سورکھنن سو فوید معید مرکب عمر معید *ghair muftid* (Incomplete sentence अपूर्ण वाक्य) وہ ہے کہ سامع کو کوئی بات کہہ چکے اور سامع (سننے والا) کو دوسری بات کے سننے کا انتظار نہ رہے مرکب عمر معید ہی کو حملہ اور کلام کہتے ہیں۔ مثلاً تڑھئی اسنس چڑھا کر دورانو نہتھا۔ جس سے معلوم ہوا کہ کہنے والا تڑھئی کی خبر دینا ہی کہ وہ بیان کرے کو دوں آمادہ ہوا مرکب غیر معید *Murakkib ghair muftid* سورکھنن غیر سو فوید معید مرکب غیر معید *ghair muftid* (Incomplete sentence अपूर्ण वाक्य) وہ ہے کہ سامع کو کوئی خبر معلوم نہ ہو اور کسی دیگر خبر یا مطلب کے سننے کا حواسنگار رہی نہ حملہ بوزا نہیں ہوا مگر اس حملہ کا خبر ہونا ہی۔ اسکی دو قسمیں ہیں بعدی اور عمر بعدی مرکب تعیدی کے معنی ہیں کہ حر و اول حر و درم پر قید نہو حوالہ وہ قید اضافی ہو یا قد تو معنی ہو مثلاً زند کا گھورا۔ اچھا لڑکا۔ اور مرکب عمر بعدی وہ ہے کہ حر اول حر و درم کے واسطے قد نہوے۔ اسکی دو قسمیں ہیں مرکب امتراحی۔ اور عمر امتراحی مرکب امتراحی وہ ہے کہ دونوں حر و ملا کر ایک نام ہو جاوے اور مرکب غیر امتراحی وہ ہے کہ حر و درم میں کوئی حرف غطف مترو ہو مثلاً ۲۵ کہ ۵ اور ۲۰ مرکب ہوا ہی۔ اسطرخر مرکب معید کی چار قسمیں ہیں مرکب انجائی۔ مرکب توصیقی۔ مرکب امتراحی اور غیر امتراحی۔ مرکب اضافی مضاف اور مضاف الہ سے ملا کر بننا ہی اور ایک اسم کو دوسرے اسم کی طرف نسبت کر دینا اسکا کہتے ہیں اور جسکی طرف نسبت کی حوالے اسکو مضاف الیہ کہتے ہیں اور مضاف وہ ہے جو نسبت کیا حوالے اور در میں مضاف الہ اکثر مضاف کے پہلے آتا ہے اور کا و کی و کے اور را و ری و رے اور نا و نی و نے علامتیں اصوات کی ہمیشہ مضاف الیہ کے آخر ہوتی ہیں جسے زند کا گھورا۔ میرا نکرا۔ اسکی گھورتی اننی بیہنس وغیرہ اس ترکیب میں زند مضاف الیہ ہی اور کا علامت اضافی ہی اسطرخر پر اور نی وغیرہ بھی علامت اضافی کی ہے۔ اور گھورا گھورتی نکرا اور بہنس مضاف ہیں اور مضاف اور مضاف الیہ ملا کر ایک حر و حملے کا معنی معول

واقع ہوا علامتیں اصناف کی تدکیر و تاملت و وحدت اور جمعیت ہمیشہ مصاب کے موافق ہوتی ہیں۔ مرکب تو معنی وہ ہی جو صفت اور موصوف سے ملکر بنے۔ مصاب لفظ ہی جس سے کسی کی برائی یا بھلائی یا کسی قسم کی خاصیت نائی جائے اور موصوف وہ ہی جسکی کہ بھلائی برائی یا اور کوئی خاصیت نہاں کی جائے۔ ازہو میں صفت موصوف کے پہلے آتی ہے۔ جسے وہ دہلے لڑکا ہے۔ دہلے مصاب اور لڑکا موصوف ہی

جس معدونے آخر الف ہو اور اس میں علامت فاعل معمول اور اصناف اور طرہ صفت کے آئینے وجہ سے تبدیل ہوتی ہو تو اس صفت کی تدکیر و تاملت وحدت جمعیت کے موافق موصوف کے ہونی چاہئے جسے احبا گھوڑا دوسرے لڑکی۔ اور کچھ صفت عددہ ہن جسے پہلا۔ دوسرا۔ سادواں ملا بھلی لڑکی۔ ساتویں عورت وغیرہ۔ مرکب امتراحی وہ ہی جو دو لفظوں سے ملکر ایک نام ہو چلائے جسے سنگد رنامہ۔ اسطرچہر اکدرآناک شاہکنج وغیرہ مرکب امتراحی ہن مرکب غیر امتراحی دو حروں سے ملکر بنا ہی اور حروں میں کوئی حرف عطف مفید ہونا ہی جسے ۲۱ مفید ہوا ہی ایک اور دس سے۔ مرکب غیر امتراحی کو مرکب بعدانی بھی کہتے ہن۔ ایک سے ۹ تک معدوات ۱ اکائیں کہلاتی ہن اور دس دس دس وغیرہ کو دہائیں کہتے ہن اور سیکڑے اور ہزار وغیرہ داخل معدوات ہن۔ عدد گنتی کو کہتے ہن۔ اور جو حروف گنتی حافی ہی اوسکو معدود کہتے ہن۔ ملا دس روپہ اس ترکیب میں دس عدد مرکب اور روپہ معدود ہن

تقسیم حملہ۔ حملہ کی درجہ ہن۔ حملہ خبرہ اور حملہ اسامیہ۔ حملہ خبرہ وہ ہی کہ جس سے کسی خبر معلوم ہوتی ہی اور اوسمیں اسباب و دروع کا ابعاد رہتا ہی۔ اوسکی درجہ ہن۔ حملہ اسمیہ اور حملہ فعلیہ۔ حملہ اسمیہ وہ ہی جو اسے دو اسموں سے مرکب ہووے کہ اوسکے سامع کو کچھ خبر معلوم ہو چلائے۔ اس میں سے ایک کو مہندا کہتے ہن اور دوسرے کو خبر۔ مہندا وہ اسم ہی جسکے ماحرے کی خبر دی جائے اور جس ماحرے کا نہاں ہو اسے خبر کہتے ہن جسے رد امیر ہی۔ جس سے معلوم ہوا کہ کہنے والا رد کے امیر ہوئے کی خبر دہنا ہی دس روپہ مہندا ہی اور امیر خبر ہی اور ہی ربط وحدت اور جمعیت میں لفظ ربط ہمیشہ مہندا کے ہوتا ہی۔ حملہ فعلیہ وہ ہی جو اسم اور فعل سے مرکب ہو۔ فعل لازمی بھی حملہ فعلیہ اور فاعل سے بنا ہی اور فعل مہندی میں فعل فاعل اور معمول نہ کے ساتھ ملکر حملہ فعلیہ بنا ہی۔

فاعل وہ ہی جسکی طرف فعل کو تسدست کریں کہ یہ فعل اومٹنی دات سے قائم ہوا ہی نا اوس سے قائم ہوکر دوسرے پُر واقع ہو مگر وہ آنا۔ رید فاعل ہی کیونکہ آئے کا کام ارسکی دات سے قائم ہوا ہی اور آیا فعل لازمی ہی لہذا فعل فاعل کے ساتھ ملکر حملہ علیہ خبر ہو

- معقول نہ رہا ہی حشر فاعل کا فعل واقع ہوئے اور کو اور کے اور تئیں اور یائے معمول علامتیں معقول نہ کہی ہں جیسا رید نے نکری ماری - ترکیب ماری متعدی اور رید فاعل کیونکہ ہمارے کا فعل اوسکی دات سے نکالکر نکری پر واقع ہوتی اور لفظ کے علامت فاعل اور نکری معقول نہ ہی کیونکہ مائے کا کام رید کا اوسپر واقع ہوا اور کو - لامب معقول نا فعل اپنی فعل اور معقول نہ کے ساتھ ملکر حملہ علیہ خبر نہ ہوا - پوشیدہ نہ رہی کہ فعل متعدی معروف کہی ماضی مطلق اور ماضی قریب اور ماضی بعد اور ماضی شکی کے فعل کے آخر لفظ نے علامت فاعل ہوا کرتا ہی - حوا فاعل اسم ظاہر ہو اصمیر مدہ رید نے کتاب بڑی - اوسے حظ روانہ کیا - عیدالہ کے صحیحہ اور ادک حظ لہذا ہی اور میں نے اوسکے واسطے ادک قلمدراش روانہ کیا تھا - نہ حظ اوسے لہذا ہوگا - حب متعدی لازمی اور فعل لازمی اوس میں مرکب ہوئے ہں تب باعتبار فعل آخر کے فعل کی علامت ہوتی ہی - جیسے گونا لے کریم تو ہر دگر مارا -

فائدہ فعلوں کی تدکیر و تاحدث اور وحدت و جمعیت

حق معلوں کے فاعل کے ساتھ لفظ نے علامت فاعل نہ آوے اور معقول نہ کی علامت حوا آوے نا نہ آوے تو وہ فعل حوا لازمی ہوں یا متعدی ہر حال میں ہوں ہذا و نایست اور وحدت جمعیت میں فاعل کے مواضع ہونے چاہیے جسے لڑکی آئی - لڑکا آیا - لڑکان آئیں - لڑکے آئے - ظہور نا کہا رہی ہی - عیدالہ کہا نا کہا نا ہی - لڑکے بڑھے ہں - لڑکان پڑھتی ہں حق معلونکے ساتھ لفظ نے علامت فاعل ہو مگر علامت معقول نہ ہو تو فعل معقول نہ کے مواضع ہونے چاہیے حوا وہ فاعل مذکر ہونا مبروت واحد ہونا جمع مدہ رید نے کتاب بڑی ہوئے نردہ پنا - عزتوں کے شرب آنا کے نیالے ہئے

حب فاعل اور معقول نہ کے ساتھ لڑکیوں کی علامتیں ہوں تو ہر حالت میں واحد ہذا کر ہونا چاہیگا مثلاً رید نے تھنی کو لکھا تو نے نردہ کے نالو کو پنا - حملہ معلوم میں فاعل اور معقول کے آخر فعل کا استعمال زیادہ قرصیم ہونا ہی مثلاً لڑکو رید نے مارا - فعل متعدی کی نہ لخاص معقول دو قسمیں ہں - متعدی ایک معقول - متعدی

مطلق واقع ہوا اور چلا فعل لازمی ماضی، مطلق پس فعل اپنی فاعل اور معقول مطلق کے ساتھ ملکر حملہ فعلیہ حذرہ ہوا۔ معقول نہ کا ذکر پہلے آچکا ہے۔

معقول مبدیہ وہ ہے جو کسی حکمہ یا وقت میں واقع ہو اور اسکو طرف بھی کہتے ہیں طرف کی در قسمیں ہیں۔ طرف زمان و طرف مکان۔ اکثر معقول کے آخر لفظ میں علامت ظرفیت پوشیدہ رہتی ہے اور کبھی ظاہر مثلاً آج زند مدرسہ گیا اس ترکیب میں آج طرف زمان اور مدرسہ طرف مکان اور لفظ میں علامت ظرفیت پوشیدہ ہے یعنی مدرسہ میں اور زند فاعل اور گیا ہے فعل لازمی فعل اپنی فاعل اور طرف زمان اور طرف مکان سے ملکر حملہ فعلیہ حذرہ ہوا۔

معقول نہ وہ ہے جسے سب فعل کیا جائے خواہ وہ موجود یا اوسکے حاصل کرنے کی ضرورت ہو مثلاً گوپال نامردی سے نہ لڑا۔ یعنی نسبت نامردی کے جو اوسکی ذات میں موجود تھی نہ لڑا۔ دونوں معنی دو زمر اور لفظ کو اور لئے سب یا اور الفاظ دیگر جو ان معنی میں ہوں علامتیں معقول نہ کی ہیں۔

حال حال Participle वास्तविक اسم ہے جو حالت فاعل اور معقول کی دان کرے اور جسکی حالت بیان کرے اوسکو دوالحال کہتے ہیں حال اور دوالحال ملکر حملے کا ایک حر ہونا ہے مثلاً زند ہنسنا آتا تھا۔ گوپال کے موہن کو ہنسنے دیکھا۔

تمروہ ہے جو شک وشبہ کسی چیز کا دور کرے اور ممبروہ ہے جسکا شک وشبہ دور ہو جائے

تابع اوسکو کہتے ہیں جو پیچہ اولک کلمہ کے آوے یعنی جو اسم اول کسی فعل و فاعل کے واقع ہو اوسی طرح اسم دوم بھی اسکا فاعل ہو۔ اور جو اسم اول معقول واقع ہوا ہو تو اسم دوم بھی اوسکا معقول ہو جس قلم کے پیچے تابع واقع ہوتا ہے اوسکو تنوع کہتے ہیں اور تنوع دوم بھی اوسکا معقول ہو جس کلمے کے پیچے تابع واقع ہوتا ہے تنوع ملکر اولک حر حملے کا ہونا ہے۔ اوسکی چار قسمیں ہوتی ہیں عطف حرف و ناکید و تابع مہمل بدل اور عطف بیان وہ تابع ہے کہ نسبت میں مقصود ہو۔ بس اگر مبدل مدہ اور بدل ایک ہی ذات پر دلالت کریں تو اوسکو بدل اکمل کہتے ہیں اور جس کلمے سے بدل واقع ہوتا ہے اوسکو مبدل مدہ کہتے ہیں۔ جیسے مدریہ یہاں تمہارا بھائی سکندر جاں آیا تھا یعنی جس ذات میں سکندر جاں دلالت کرتا ہے اوسی ذات پر تمہارا بھائی بھی دلالت کرتا ہے بس تمہارا بھائی مبدل مدہ ہے اور سکندر جاں بدل ہے۔ اگر مبدل مدہ اور بدل دونوں جدا جدا مہموم ہوں تو اوسکو

دل غلط کہتے ہیں گونا پنے پہلوئے سے کہہ اور کلمہ نکل حارے اور پھر درست کر کے اور کچھ بولا حارے جیسے میں گھر کو مدرسہ کو حارونکا حوکہ اکثر بولنے میں راجع ہوتا ہے۔

ناکند وہ تابع ہے حوکہ اپنی مدوع کو کسی قسم کا استحکام پہنچانا حارے مدعہ میں کل لندن حارونکا مدارس حارونکا اس میں کسی قسم کا استحکام نہیں پایا جانا۔ مگر میں کل لندن ضرور ضرور حارونکا۔ اس میں ضرور ضرور استحکام کا فائدہ دینا بھی اسی طرح کرنا رہدے نمکو مارا ہاں مارا اس کے جواب میں ناکند نہیں ہے مگر ہاں ہاں مارا اس میں ہاں ہاں ناکند ہے۔

تابع مہمل وہ ہے جو کسی لفظ کے بعد رعیت کلام کسی لفظ دہکر کے واسطے استعمال کیا جاتا ہے مثلاً۔ جلدی سے روٹی اوتی کھانگ راج کی سدر کرو۔ اس میں روٹی تو ایک حور دبی شہ کا نام ہے مگر اوتی عطف رعیت کلام کی واسطے لایا گیا ہے۔ جس چتر کے دو نام ہوں اور اُن دونوں میں سے حور بادہ تر مسہور نام ہو اس نام کو عطف نہیں کہتے ہاں مثلاً۔ اوتی بھادر شاہ۔ بھادر شاہ عطف نہیں ہے اوتی بھادر کا۔

معطوف اس تابع کو کہتے ہاں حو ایک قلم کے نیچے دوسرا کلمہ بدرجہ حرف عطف کے معطوف ہو مثلاً رام اور گونال نے کھانا کھانا اور گوند نے سوہی کو حو پینا۔

اور کا بیان پہلے ہی مذکور ہو چکا ہے جس طرح ایک معرہ دوسرے معرہ پر معطوف ہوتا ہے اسی طور پر حملہ بھی دوسرے حملہ پر معطوف ہوتا ہے اور کلمہ یا حملہ اول کو معطوف الیہ کہتے ہاں۔ حو کلمہ یا حملہ اس پر عطف ہو اسکو معطوف کہتے ہاں۔ چنانچہ مثال اول میں رام معطوف الیہ ہے اور گوند معطوف۔

حائے بالحیر

Hindi Bengali Guz Vlar pronouns प्रत्ययवाचक सर्वनाम	Hindi		Bengali		Marathi		Guzarati		Urdu			English	
	एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन	ओडिप्रधान	मडिप्रधान	شخصی واحد	شخصی جمع	personal	per Singular	plural
व्यक्ति 'पुरुष' कर्ता	हैं, मेरे	हम, हमारे	आमि	आमात्रा	मी	आम्ही	हूँ	हमारे, आपण	میں	ہم	first person Nom	I	we
सम्बन्ध	निरा सो दे	रभाचारी दे	आमात्र	आमा द्विगत्र	माफा	आमाचा	भारी	हमारे, आपण	میرا	ہمارا	pos	my mine	our, ours
कर्म	सुझको, सुझे	चरको, चर	आमा द्विगत्र	आमा द्विगत्र	मला	आम्हाला	भूने, हुने	हमारे, आपण	مجھے	مجھے	Obj	me	us
मध्यम पुरुष कर्ता	तू, तुझे	तुम, चाप तुमने, चापने	तू	तुमना आपनात्रा	तू	तुम्ही	तु	तुमारे, आपण	تو	تم	and peers Nom	Thou	you
सम्बन्ध	तेरा-नी दे	तुमारा सो- चापको, के	जोमात्र	जिगत्र आपना	तुम्हा	तुम्हाचा	ताथे, तुम	तुमारे, आपण	توہارا	توہارا	pos	thy, thine	your, yours
कर्म	तुमारे, तुमको	तुमारे, तुमको	जोदिक	द्विगत्र आपना	तुम्हा	तुम्हाला	तुमारे, आपण	तुम्हाला	توہارا	توہارا	Obj	Thice	you

[illegible]

DECLENSION OF PRONOUNS

अविद्यया	काम	सद,	कोरा	मकल	कोषी	समय	डाइ	२५	मिथिल	कुत्ती	कम	Inter Dem	all
शिवय	विद्यया	समो का	कोनेन	मकलन	कोषीवा	समयवा	डाइनी	सनी	मिथिल	कुत्ती	कम	Nom	of all
माम)	विद्योको	समो को	कोनेन	मकलन	कोषीवा	समयवा	डाइनी	सर्वने	मिथिल	कुत्ती	कम	Pos	to all
समय	विद्योको	समो को	कोनेन	मकलन	कोषीवा	समयवा	डाइनी	सर्वने	मिथिल	कुत्ती	कम	obj	else
कम	विद्योको	समो को	कोनेन	मकलन	कोषीवा	समयवा	डाइनी	सर्वने	मिथिल	कुत्ती	कम	Ref	own
निम्नोप	बाप	;	निम		बाप		५३, ५४ आये नते		मिथिल	कुत्ती	कम	Pos	self
एव मास			निम		बाप		५३, ५४ आये नते		मिथिल	कुत्ती	कम	obj	self
कर्ण			निम		बाप		५३, ५४ आये नते		मिथिल	कुत्ती	कम	Pos	own
समय	बाप		निम		बाप		५३, ५४ आये नते		मिथिल	कुत्ती	कम	obj	self
कम	बाप		निम		बाप		५३, ५४ आये नते		मिथिल	कुत्ती	कम	Pos	own
निम्नोप	बाप		निम		बाप		५३, ५४ आये नते		मिथिल	कुत्ती	कम	obj	self

[illegible]

ইকান্ন যোগ।

ই ি

দিন	দ্বি	মণি	নিধি	নি
দিন	দ্বি	মণি	নিধি	নিধি
নারি	দ্বি	মণি	দ্বি	ত্বি
নারি	দ্বি	মণি	দ্বি	মণি
কিণ	গণি	নাবিক	গণিক	বিরান
কিণ	গণি	নাবিক	গণিক	বিরান
নিবিড	শিখির	শিখির	শিখির	শিখির
নিবিড (ঘনা)	শিখির (ঘোষ)	শিখির (মুখ্য)	শিখির	শিখির

ঈকান্ন যোগ।

ঈ ি

গীত	গীত	গীত	গীত
গীত	গীত	গীত	গীত
জীবন	জীবন	জীবন	জীবন
জীবন	জীবন	জীবন	জীবন

উকান্ন যোগ।

উ ি

বুল	মূল	বুল	মূল	তুল
বুল, বশ	মূল	বুল	মূল	তুল
বুল	মূল	বুল	মূল	তুল
বুল	মূল	বুল	মূল	তুল

অপটু	মুখা	শ্রুত	বৃশল
অপটু (মুখ)	স্বধর (বাতুল)	স্বলম	স্বয়ং
গধুর	অশ্ব	বুরা	শুক্র
মধুর	অশ্ব	স্বকুর	মুকার

উকার যোগ ।

উ ২

কুপ	ভূত	স্বপ	ধূপ
কুখা	মূল	কুপ	ধূপ
কুতন	ভূষণ	বৃক্ষ	তবু
কুতল	মুখ	মুজল	অমৃত

ঋকার যোগ ।

ঋ ২

কুপ	গৃহ	কুত	কুপ
কুপ	কুত	কুত	কুপ
কুপ	অমৃত	গৃহ	কুপ
কুপ	অমৃত	কুত	কুপ

একার যোগ ।

এ ৬

কেশ,	খের	ভের	শেশ
কেশ	কেশ	কেশ	কেশ
কেশ	কেশ	কেশ	কেশ
কেশ	কেশ	কেশ	কেশ

অশেষ সময় (পূর্বা)	শেষ বিষয়	চৈত্র বিশ্ব	বৈশাখ বিশ্ব
-----------------------	--------------	----------------	----------------

ঐক্য যোগ।

ট

তৈল	তৈল	তৈল	তৈল
তাল	তাল	তাল	তাল
তৈল	তৈল	তৈল	তৈল
তৈল	তৈল	তৈল	তৈল

ঐক্য যোগ।

ও ৫

কোঁ	গোঁ	চোঁ	ঘোঁ
খোঁ	খোঁ	খোঁ	খোঁ
ভোঁ	ভোঁ	ভোঁ	ভোঁ
জোঁ	জোঁ	জোঁ	জোঁ

ঐক্য যোগ।

ও ৫

কোঁ	কোঁ	কোঁ	কোঁ
খোঁ	খোঁ	খোঁ	খোঁ
ভোঁ	ভোঁ	ভোঁ	ভোঁ
জোঁ	জোঁ	জোঁ	জোঁ

ଶିଷ୍ୟ ଉଦାହରଣ ।

ମାଧୁ	ବାୟୁ	ଗୋବୀ	ଶୌରୀ
ମାଧ	ସାଧୁ	ସୁଦ୍ଧି	ହସ
ହାସୀ	ହାସି	ଗାମି	ଗୋବୀ
ସାମୁଦ୍ରି	ହାସି	ସନ୍ଧାନିତ	ନାୟ
ଶୌରୀ	ଧାତୁ	ହୁଣ୍ଡି	ହୁଡି
ଶୌରୀ	ଧାତୁ	ସୁଦ୍ଧି	ସୁଦ୍ଧି
ବେମୁ	ସିଦ୍ଧା	ଗୋବୁ	ଜାତି
ବସୀ	ଚୌଡ଼ି	ନୌବୁ	ଜାତ
ଶୃଙ୍ଗୀ	ମ୍ୟାମୁ	ସିନ୍ଧାର	ସିନ୍ଧି
ଶୌରୀ	ହସାସା	ସିନ୍ଧାର	ନିରାସିନୀ
କୋବି	କୌଡ଼ି	ମେନ୍ଦ୍ରୀ	ସିନ୍ଧାର
କୌସଳ	ମାମା	ହୋସିଆ	ହୁ ବ
ସିଦ୍ଧା	ବାସି	ସିନ୍ଧାର	ନିବାସ
ସିନ୍ଧା	ସବୁ	ସିନ୍ଧାର	ସନ୍ଧାର ବହନୀ
ଅନୁରୋଧ	ମନୁରା	ମନ୍ତ୍ରୋଦ୍ଧ	ସିନ୍ଧାର
ସିନ୍ଧା	ମନା	ହୁଡ଼ି	ସାନ୍ଧି
ବୌଦ୍ଧି	ମନିରା	ସାନ୍ଧି	ମାନ୍ତ୍ରୋଦ୍ଧ
ସାନ୍ଧି	ହୁଡ଼ି	ହ ନଶିନ	ସନ୍ଧାର ମନ୍ତ୍ରୋଦ୍ଧ
ମନ୍ତ୍ରୋଦ୍ଧ	ଅନୁରୋଧ	ମନ୍ତ୍ରୋଦ୍ଧ	ସିନ୍ଧାର
ସମାସ	ମାନନ୍ଦିନୀ	ମାନନ ପୋଷ	ସାନ୍ଧାର ସନ୍ଧି

ଅନୁରୋଧ ଯୋଗ ।

୧

ବ.ନ	ମାନ୍ଦ	ସିନ୍ଧା	ସ.ଶି
କ.ସ	ମାନ୍ଦ	ମାନ୍ଦ	ସାନ୍ଧି

ମ.ମା.ମ	ମୌସାମା	ମ.ମନ	ମ.ମାମ
ସମାବ	ମାୟ	ଭସନା	ସମାବାର

ବିମର୍ଗ ଯୋଗ ।

୦

ଅଧଂ	ହଂସ	ହଂସୀ	ମତ୍ତ
ଗୀତ	ହୁ ଡ	ହୁ ଡା	ହୁମ୍ଭ

ଚନ୍ଦ୍ରବିନ୍ଦୁ ଯୋଗ

କାଟ	କାମ	ଟାମ	ହୀମ
କାନ୍ଦ	ଜାଲ	ଚାନ୍ଦ	ସକ୍ତକା
କାବାରି	ମିତ୍ର	ଡେଭୁନ	ବିଶାସୀ
କାକାଦି	ଚିନ୍ତୁର	ହମଳୀ	କାକିରା

ଉଦାହରଣ

କାଢ଼	କାଧିର	ମଞ୍ଜୁ	ତକା
କାଢ଼	ବଳ	ମା	ପିତ
କାଢ଼	ବିଶ୍ୱ	ଅଶ୍ୱ	କାମ
କାଢ଼	ନିର୍ମୁଖ	ଅଶ୍ୱ	ହସାସ

ପ୍ରଥମ ପାଠ-୧-ମାଠ ।

ହୋଟିଗାହ	ମନ୍ଦଜଳ	ବଡ଼ପାତା	ସାମାନ୍ୟ
ଛୋଟା ପେଡ଼	ହରାସ ପାନୀ	ବଡ଼ା ପତ୍ତା	ସାଲଫୁ
ପଥଛାଡ଼	ହାତଧର	ବୋଧା ସାଓ	କିବର
ବନ୍ଦା ଛୋଡ଼ି	ହାସ ଫକଡ଼	କାହା ଜାଣି-ହୋ	କାହା କରେ ହୋ

बाछे एस	बहे पठ	बाडी याँ
पास पाओ	किताब पढी	घर भायो
दि पठ ?	नूठा बाँ	काँ पाथर
क्या पढते है ?	नया घर	काला पत्थर
फाँटि थोला	कलम दी	माँ कागज
दिवाड खोली	काँ डकिडेछे	सफेद कागद
आनि बाँधे,	काग झोलता है	पन्नि डडिडेछे
मैं जाँच गा	हात गाँडिडेछे	पन्नि लडते है
गम डरिडेछे	हाथ हिलाओ	थोला डरिडेछे
गो चरती है	डिउरे एस	खिन्नता है
माँ पाथर	अन्दर भाओ	नागज बाँ
सफेद पत्थर	डोन हईगाछे	काग रखी
से बाँधे	सुमह हुवा है	हवि आसिबे
बह जाँचगा		हरि आवेगा
पाँड नडिडेछे		डाँडा आसिबेन
पत्ता लहराता है		ये आवे गी
आमा बाँधे		आम बापड परिजेछे
हम जाँच गी		आम कपडा पहनता है
आमा हाँपड पढा हईगाछे		गोपालेव पडिवाँ बहे गाँ
मैं कपडे पहन चुका हूँ		गोपालके पास पढनेकी किताब नहीं है
आनि नि बनिवाँ पडिन		राम एखन सुईया आछे ।
मैं किस तरह पढूँ गा		राम अभीतक सो रचा है
से माँ दि थोला करे		माँ मऊ कग बाँधे
बह दिन भर खेला करता है ।		सदा सच बात बोली
कथन मिथ्या बहाँ बहिँ ना ।		काशरु गहिँ गिवाँ ररिँ ना ।
भूट कभी मत योनी		किमी से भी भगदा मत करो
काशरु चरे गिवाँ उँगाँड डरिँ ना		माँ पिन थोला डरिँ ना ।
किमी के घर जाकर धूम मत करो		दिनभर मत खेले

मन्त्र्युक्त वर्ग-संयुक्त वर्ग ७ कला ।

श्रेणी	शब्द	आलोचना	अर्थ
मेघ युग	वास्य	चगा	चिह्नपाय
वाङ्मय	वाङ्मय	योगा	योगादिय
राज्य (राज)	वाङ्मयी	मायका	न्योतिप
परिपात्र	वाङ्मय	धातु	उपायान
स्वच्छता	पद रहित	धनवान	कहानी
जाति	आज	अज्ञान	गण
मर्दी	धनवान	अभ्यास	रसपीय
शय्या	नञ्	भूत	रावशव
विक्रीना	सु घनो	बराबर	वर्तमान
वाच	महा	विद्य	वर्णन
वाङ्मय, मन्त्र	विचारवाला	सौमन्त्र	भाग्यवान
अशय	आदिभया	आगल	शय
अकथनीय (नही जानने योग्य)	अत्यन्त	अप्यवर्ण	धात
दीपागता	अवाध	अशय	मशय
जीवित	कहात माननेवाला	अन्याय	कला

मन्त्राट	लग	ठील	हिश
सम्नाट	फप्पी	तेज़	निदंय
बाप	त्रिमान	ल.ग	लोत
चीता	थीमान	नट	धोर
डाम	डम ।	डामा	डवा
कुमहीना	भील ।	द्राघ	द्रव्य

१२ पाठ- पाठ दुसरा ।

पवेव ज्ञेयो हात दि० ना, ना बलिगा पनेर ज्ञेयो हात दिने छुरि बरा हय ।

शुशील० स्वबोध बालक सर्कसा लेखा पडा करे, गारापिन खेला करिया बेडाग ना, से कथन० मन्द कर्म करे ना ० मन्द कथा मुखे आने ना कदाच गुक लोकेर कथाय शवाधा हय ना ताहाके ये कर्म करिते बले से ताहाई करे ।

आर रौद्र नाई तोमवा के के आमाव मसे बेडाहिते याईवे आडेन, ८१ यमूनातीरे बिछूरुग बेडाईया बेडाई, आज पूर्णिमा तिथि ऐ देख अग्रथ गाछेव भित्ता-दिगा पूर्ण टट्रेव उदय हईछे एन०न०न 'कड बड देखा याईतेछे आर एवट्टे उपवे उठिने, एत बड देखाईवे ना ।

पराए धनपर हात मत डालो । बिगर कहि पराए धन पर हात डालने से चोरी कहलाती है ।

सीधे और समझदार लड़के सदा लिखते पढ़ते हैं, दिन भर खेनने की लिये बाहर नहीं निकलते, वह कभी खराब काम नहीं करते और न खराब बातें सु हने मिका लती है । अपने बड़ों की बात का वह कभी नहीं टालते उसकी जो काम करने की लिये कहा जाता है वह बड़ी करते है ।

धूप नहीं है, कौन कौन मेरे साथ बाहर चलोगे सो प्राची घनो कुछ देर लमना किनारे घुम आवे आज दिन पूर्णिमा है वह देखो वड वृक्ष के अन्दर पूर्ण चन्द्र का उदय होता है अभी कितना बडा दिखाई देता है और घोडा सचा सठने प्रतना बडा नहीं दिखाई देगा ।

७२ पाठ-पाठ तीसरा ।

आब रात नई अठ्ठाये उठिया मुं धुइया तापड पब एबं पडिते बग डाल करिया ना पडिले पडा हईवे ना, पडा ना बलिजे पारिले, शिक्षक महर्षय बाण बबिबेन ।

श्याम बड बूबोध । ताहाब बाप मा यथन, याहा बल्ले से ताहाई करे याहा देय ताहाई थाय । याहा पाय ताहाई पुवे, डाल थाव, डाल पविद, बलिया लखनओ मोरान्न करे ना, से ताहार निजेव छोटि भाई भगिनीदिगके बडई डाल बासे कथन ताहादेर सहित विवाह करे ना । सकलेव अष्ट्रे पडिते थाय, अजन्त ताहाब पीडा गाडा ताहाबे अतिशय डालबासे । श्याम यथा पडिते थाय पण थेली करे ना मरलेर अष्ट्रे पाठशालाय गिया आपनार जाग्रगाय बसे, बलिया बडे भुलिया पडिते थाके । ७२ महर्षय यथा नूतन पडा मेने मर गिया सुने ।

बेनिवार छुटी हईले यथा सकल बालक थेलिते थावे श्यामओ थेशाकरे ।

रात नहीं है मुझ धोकर कपड़े पहनना थीर पढ़ने बैठना अच्छी तरह घर न पढ़ने से पढ़ना नहीं आता पाठके फल न करने से गुरुजी गुस्से हो जाएगी ।

। श्याम बहुत समझदार है । उसकी मा बाप जो कहते हैं वा वही करता है जो देते हैं वही खाता है । जो पाता है वही पहनता है अच्छे, २ खाने अच्छे २ पहनने की लिये कमी बदमाशी नहीं करता । वह अपने मित्र (खुद) छोटे भाई बहनों को बहुत ही प्यार करता है । कभी उनकी साथ भगवा नहीं करता । सबसे पहली पढ़ने जाता है इस लिये उसके मा बाप उसको बहुत मा प्यार करते हैं । श्याम जिस समय पढ़ने जाता है (तो) रस्ते में नहीं खेनता । सब की पहली पाठशालामें जाकर अपनी जगह पर बैठता है । बैठके मुस्तक खोलकर पढ़ने शुरू करता है । गुरुजी जब नया पाठ देते हैं (तो) ध्यान देकर सुनता है ।

खेनने की कुत्ती होने पर प्रभ (कि) जब लड़के खेला करते हैं (तब) श्यामभी खेलाता है ।

ব্যাকরণ ।

व्याकरण ।

যে পুস্তক পাঠ করিলে বাঙ্গালা ভাষা শুদ্ধ বয়িয়া নিখিতে ও বসিতে পারে যার
উদ্দেশ্যে বাঙ্গালা ব্যাকরণ রচনা করা হইয়াছে।

ବର୍ଗ ନିର୍ଗଂୟ ।

১। হে, ঙে, গ ঘ ইত্যাদি এক একটি বর্ণ বহুঃ

বর্ণ দুই ভাগে বিভক্ত। যথা—ব্রহ্ম, বাহ্য, বাহ্য। ভাবায় গমুদায় আটচল্লিশটি বর্ণ আছে। তাহার মধ্যে তেরটি ব্রহ্ম ও পঁয়ত্রিশটি বাহ্য বর্ণ —

২। বর্ণগুলি শিখিনার নকশা রবম্ব আনুভিক অক্ষর বলে যথ, ঙ, ঞ, , ক, খ, গ, ঘ, ইত্যাদি ।

প্রশ্ন :

- ১। ব্যাকরণ পাঠে কেন ?
- ২। বাঙ্গালা ভাষায় কতকগুলি অক্ষর আছে ?
- ৩। বর্ণ কয় ভাগে বিভক্ত ও তাহাদের নাম কি ?
- ৪। স্বর ও ব্যঞ্জননের সংখ্যা কত ?
- ৫। স্বরবর্ণের লক্ষণ কি ?
- ৬। দীর্ঘ ও হ্রস্বের বিভিন্নতা কি ?

স্বরবর্ণ ।

স্বরবর্ণ সকল অষ্ট বর্ণের সাহায্য ব্যতীত উচ্চারিত হয় ।

১। স্বরবর্ণ যথা—অ আ ই ঈ উ ঊ ঋ ঌ এ ঐ ও ঔ ।

২। স্বরবর্ণ দুই প্রকার হ্রস্ব ও দীর্ঘ অ ই উ ঋ ঌ এই পাঁচটি হ্রস্ব । আ ঐ ঔ ঋ এ ঐ ও ঔ এই আটটি দীর্ঘ ।

৩। হ্রস্ব উচ্চারণের অপেক্ষা দীর্ঘ উচ্চারণে অধিক সময় লাগে, যথা—ঐ উ

৪। ব্যঞ্জনবর্ণের স্বর যোগ করাকে বানান বলে । ব্যঞ্জনবর্ণের অ এবং ঌ ভিন্ন স্বর বর্ণ যোগ করিতে গেলে আব এক প্রকারে করিতে হয় । যথা—

শুদ্ধস্বর আ ই ঐ উ ঊ ঋ ঌ এ ঐ ও ঔ ।

যুক্তস্বর ঐ ঐ ঐ ঐ ঐ ঐ ঐ ঐ ঐ ঐ ঐ ।

ব্যঞ্জন বর্ণ ।

পূর্বের কথা পবে স্বরবর্ণ না থাকিলে ব্যঞ্জনবর্ণ উচ্চারণ করা যাইতে পারে না বাঙ্গালা বর্ণমালা পড়িবার সময়ই সকল ব্যঞ্জন বর্ণই আকার যুক্ত থাকে । যে ব্যঞ্জনবর্ণে কোন স্বর নাই তাহাকে হসন্ত কহে হসন্ত, অক্ষরের নীচে (্) এই চিহ্ন দেওয়া থাকে ।

ব্যঞ্জনবর্ণ যথা—ক খ গ ঘ ঙ । চ ছ জ ঝ ঞ । ট ঠ ড (ড) ঢ (ঢ) ণ । ত থ দ ধ ন । প ফ ব ভ ম । য (য) র ল ব শ ষ স হ । ২০ ”

চন্দ্রবিন্দু প্রভৃৎ বর্ণ নহে, উহা সমুদায়িক বর্ণের চিহ্ন স্বরূপ । ক হইতে ম পর্যন্ত পঁচিশটি বর্ণকে স্পর্শ বর্ণ কহে স্পর্শ বর্ণ পাঁচ ভাগে অথবা বর্ণে বিভক্ত । প্রথমহইতে পাঁচ পাঁচটি বর্ণে এক একটা বর্ণ হইয়া থাকে । আদি বর্ণ ধরিয়া বর্ণের নাম হয় । যথা কবর্ণ চবর্ণ টবর্ণ, তবর্ণ ও পবর্ণ ।

ষ র ল ব এই চারিটির নাম অন্তঃস্ববর্ণ কহে । শ ষ স হ এই চারিটির নাম উপবর্ণ এবং ২ অযোগ্য বাহ বর্ণ । উচ্চারণ স্থান ভেদে বর্ণ সকলের বিশেষ বিশেষ নাম হয় ।

অ আ হ ইহাদের উচ্চারণ স্থান কণ্ঠ এই নিমিত্ত ইহাদিগকে কণ্ঠ কহে ।

ক খ গ ঘ ঙ ইহাদের উচ্চারণ স্থান জিহ্বাযুক্ত এই নিমিত্ত ইহাদিগকে জিহ্বামূলীয় বহে ।

ঐ ঐ চ ছ জ ঝ ঞ শ ৭ (য) ইহাদিগের নাম তালু, এই নিমিত্ত ইহাদিগকে তালব্য

বলে । ঙ ঞ ট ঠ ড (ড) ঢ (ঢ) ণ ষ ইহাদিগের উচ্চারণ স্থানানুসারে, এই জন্ত ইহাদিগকে নুস্কান্য বলে ।

৯ ত থ দি ধ ন ল স্ ইহাদিগের উচ্চারণ স্থান দন্ত এই জন্ত ইহাদিগকে দন্ত কহে ।

উ উ প ফ ব ভ ম ইহাদিগের উচ্চারণ স্থান ওষ্ঠ এই জন্ত ইহাদিগকে ওষ্ঠ কহে ।

* নাসিকা হইতে উচ্চারণ হয় এই জন্য ইহাকে অমুনাসিক বর্ণ বলে ।

ঙ ঞ ণ ন ম এই পাঁচটি লিঙ্গবান্ধু ঢালু প্রভৃতির য্যায় নাসিকা হইতেও উচ্চারিত হয় এই কারণে উহাদিগকে অমুনাসিক বর্ণও কহে ।

পরস্পর সম্পর্ক বিধিত বচকগুলি পদ লিঙবা এবং একটি বাক্য হয় যথা—রাম পিতৃসত্য পালনের নিমিত্ত রাজপদ পরিত্যাগ করিয়া বনে গমন করিয়াছিলেন পদ সর্বত্র পাঁচ ভাগে বিভক্ত যথা—বিশেষ্য, বিশেষণ, সর্বনাম, অব্যয় ও ক্রিয়া ।

বিশেষ্য ।

যে শব্দ দ্বারা কোন ব্যক্তি, বস্তু, জাতি, গ্রন্থ বা কার্যাদির বোধ হয় তাহাকে বিশেষ্য বলে । যথা—হরি, কৃষ্ণ, রাম, সীতা ইত্যাদি ব্যক্তি অর্থ বিশেষ লোক বাচক, যে বলিয়া দেয়, এখানে কৃষ্ণ এই শব্দটা দ্বারা কোন বিশেষ ব্যক্তি কে বুঝাইতেছে এই জন্য কৃষ্ণ এই শব্দটি ব্যক্তি বাচক বিশেষ্য পদ ।

কৃষ্ণ শব্দে যে মনুষ্যটিকে বুঝাইল যেটি বিশেষ্য পদ নয়, যেটি বৃষ্ণ এই শব্দের অন্য বৃষ্ণ এই ব্যক্তির নাম পদ । যেই পদ দ্বারা যে মনুষ্যটিকে বুঝাইবে, তাহার নাম পদার্থ । পদ ও পদার্থের ভেদ এইরূপ ইহা সর্বদা মনে থাকা উচিত ।

বস্ত্র, যেমা, জল, বায়ু, বা, মূল, ইত্যাদি জল বায়ু প্রভৃতি বর্ণনয় শব্দ গুলি বস্ত্র বাচক বিশেষ্য পদ ইহার দ্বারা যে বস্ত্র বুঝায় সে গুলি পদার্থ ।

লিঙ্গ ।

বাঙ্গালা ভাষায় লিঙ্গ দুই প্রকার । পু লিঙ্গ ও স্ত্রীলিঙ্গ । বাঙ্গালা ভাষায় ক্রীতলিঙ্গ শব্দের সহিত পু লিঙ্গ শব্দের প্রভেদ সচরাচর দৃষ্ট হয় না ।

হুতরা, ক্রীতলিঙ্গ শব্দের উল্লেখের দরকার নাই ।

পুলিঙ্গ ও স্ত্রীলিঙ্গ শব্দ ।

যে শব্দ দ্বারা স্ত্রী জাতির বোধ হয় তাহাকে স্ত্রীলিঙ্গ, তাহা তিন সমুদায় পুলিঙ্গ স্ত্রীলিঙ্গ শব্দ যথা—মানবী, হরিণী, পুলিঙ্গ যথা—মানব, হরিণ, বৃক, পর্বত, মানবী ও হরিণী এই এই দুই শব্দ উচ্চারণ করিবারাত্র কি বোধ হইল মানবী শব্দে একটা স্ত্রীলোব হরিণী শব্দে একটা স্ত্রীজাতি বোধ হইল, অতএব এই দুইটা শব্দ স্ত্রীলিঙ্গ ।

পুরুষ ।

কারকের আশ্রয়ে পুরুষ বলে, যেমন হরি পড়িতেছে বামকে বল এখানে হরি বর্ত্তা-কারক ও রাম বর্ত্তাকারক অতএব হরি ও রাম এক একটি কাবকের আশ্রয় তত্জন্য এক একটি পুরুষ বলিয়া গন্য হইয়া থাকে ।

পুরুষ তিন প্রকার উত্তম মধ্যম ও-প্রথম-আমি উত্তম পুরুষ, তুমি মধ্যম পুরুষ, ও তিনি সে, গো, মনুষ্য ইত্যাদি প্রথম পুরুষ ।

এই সকল পুরুষের রা, এরা, কে, এয, তে দ্বারা দিবা, হইতে থোক র, এব এতে প্রভৃতি যেসবল বর্ণ প্রয়োগ হয় ঐ গুলিকে বিভক্তি বা চিহ্ন বহিয়া থাকে বিভক্তি দ্বারা বচন ও কারক বুঝায় ।

পদ প্রকরণ অংশ ।

শব্দ ধাতুকে প্রকৃতি বলে । শব্দ হরি, মেঘ, ফল, জল, ইত্যাদি । ধাতু যথা—ভূ, গম, শ্রা, দৃশ ইত্যাদি ।

প্রকৃতির উত্তর বিশেষ বিশেষ অর্থে যাহা যাহা হয় তাহাব পাগ প্রত্যয় কথা—লোব ইক লৌকিক ।

বাক্যের অন্তর্গত এক একটি শব্দকে এক একটি পদ বলে । যথা, গিন্নত, পনের উপকার কবা উচিত । এখানে উক্ত বাক্যের মধ্যে যে পাঁচটি শব্দ আছে তাহার প্রত্যেকেই পদ ।

বচন ।

যাহার দ্বারা পদার্থের সংখ্যা বোধ হয় তাহাকে বচন বলে বচন দুই প্রকার এক বচন ও বহুবচন ।

এক বচনে পদার্থের একত্ব সংখ্যার বোধ হয় যেমন বালক, বালিকা, গব, লতা । বহুবচনে পদার্থের বহুত্ব সংখ্যার বোধ হয় যেমন বালকেরা বালিকাবা । লতা সকল গব গুলি ।

મતલબ-સંગ્રહ

ભાગ પાચમાં

શુભરાસી અક્ષર પ્રકરણ

મળાક્ષરના બે ભાગ છે (૧) મૂળ (૨) વ્યંજન સહ ૧. છે

અ આ ઇ ઈ ઉ ઊ

ચ ષ ક્ ક્ષ જ

એ ઐ ઓ ઔ અં અઃ

૧ ૨ ૩ ૪ ૫ ૬ ૭ ૮ ૯ ૧૦

આ સ્વરો ભાગે વ્યંજન સાથે વપરાય છે, ભાગે નીચે મુજબ દુઃશ્રવ્ય બને છે

૧ અ = () આ = ૧ (કાનો) ઇ = (સ્વધ) ઈ = ૧ (દીધઈ) ઉ = ૧ (સ્વ ઉ)
 ઊ = ૧ (દીધી) એ = ૧ (જોડમાત્ર) ઐ = ૧ (જોમાત્ર) ઔ = ૧ (કાનોમાત્ર)
 ઓ = ૧ (કાનોજોમાત્ર) અં = ૧ (અનુસ્વાર) અઃ = ૧ (વિસર્ગ)

વ્યંજનને આકૃષ્ટ લગાડતા બારાક્ષરી બને છે

ઔજનવિધે .

યુજરાતી લાપામા વપરાતા ઔજનો ૩૬ છે

ક	ખ	ગ	ઘ	ઙ	ચ	છ	જ	ઝ	ઞ
ટ	ઠ	ડ	ઢ	ણ	ત	થ	દ	ધ	ન
પ	ફ	બ	ભ	મ	ય	ર	લ	વ	શ
ષ	સ	હ	ઝ	ઞ	જ	ઝ	ઞ	જ	ઝ

ઔજન પરીક્ષા

ધર (ઘર)	ખજદ (વૈન)	હજદર (હસ્ટી)	રમત કર (ચેલો)
મગ (મુગ)	જમણ (મોજન)	વણકર (વુનલેવાલા)	જમણજમ (જીમો)
તય (તિલ)	મગન (નામ)	મણતર (અમ્યાસ)	સગસ ખડ (અષ્ટાઘાસ)
જમ (જીમના)	છગન (નામ)	ચણતર (દમારત)	પડતર ધર (ચાલીઘર)
ખડ (ઘાસ)	સરત (ચણ)	ખતખસ (પોસ્ટ)	(કલમધેડ) (કનસવનામો)
વડ (વડ)	કમર (કમર)		

અંગનસ્વર=ખારસરી

આ પ્રમાણે તમામ અંગનોને સ્વર
જોડાય છે. અને સ્વર જોડાતા કૌપમા
(Bracket) આપેલું ૨૩ અંગનોને
સમાવેશ છે. આ નિયમ ધ્યાનમાં રાખી અધા
અંગનોનો આવે કોડો (table) બતાવવો.

- ક + અ () = ૩
- ક + આ () = ૩
- ક + ઇ () = ૩
- ક + ઈ () = ૩
- ક + ઉ () = ૩
- ક + ઊ () = ૩
- ક + એ () = ૩
- ક + ઐ () = ૩
- ક + ઓ () = ૩
- ક + ં () = ૩
- ક + ઃ () = ૩
- ક + ઌ () = ૩
- ક + ઍ () = ૩

મામા	સિપિ	પાદમ	અન નાસ
કાકા	રિતિ	કાદવ	સતચાર
તાતા	નીતિ	ખાગક	ગમસાલ
માગ	ખીક	મરીબ	ગિરધર
દાદા	ખીર	વકીલ	મિખામજી

કામડો કાકા કરે છે

બેસ હાથ દે છે

હાથ ખીક સામે છે

મારે ઘોડે ચડવું છે

ઘોડો સાત મારે છે

સામે સાચું મોતવું

કુકાનમાં કાપડ છે

રામજી બલો માણસ છે

હમેશા નિશાને જવું

માખાપ કહે તેમ કરજી

મહેતાજીની આજ્ઞા માનવી

આઈ બેન પર હેત રાખવું

નોડાક્ષરમકરણ ૧

	ક	ખ	ગ	ઙ
ક	ક	કમ	કય	ક
ખ	૨ક	૨ખ	૨ય	ખ
ગ	૩ક	૩ખ	૩ય	ગ
ઙ	૪ક	૪ખ	૪ય	ઙ(ન)
ચ	૫ક	૫ખ	૫ય	*
પ	૬ક	૬ખ	૬ય	પ
જ	૭ક	૭ખ	૭ય	જ
ઝ	૮ક	૮ખ	૮ય	ઝ
ટ	૯ક	૯ખ	૯ય	ટ
ઠ	૧૦ક	૧૦ખ	૧૦ય	ઠ
ડ	૧૧ક	૧૧ખ	૧૧ય	ડ
ઢ	૧૨ક	૧૨ખ	૧૨ય	ઢ

સૂચના - બીબી લીટીના અક્ષરો સાથે આ ૪ અક્ષરો
નોડાક જોડેલા બને છે તે અહીં બતાવ્યા છે

૧ એક્ષગની પહેલા ને '૨' નોડાકમાં આવે તેનો
'૩' '૪' થાય છે, તથા પછીનાં ને '૨' નોડાક છે,
તે આવા રૂપમાં '૨' નોડાક છે

જેમ ગરુડ=ગર્ગ । મરુડ=મર્ગ નમર નમ
વિપર=રિપર ।

ગુજગતી બાપામાં નોડાક્ષરમાં નોડાક શબ્દ ધણો
મોટો ભાગે અગ્રથો લખાય છે તેને પછીનો તેને અડાડીને
લખે એટલે નોડાક્ષર થાય છે ।

() બાપામાં વપરાતા રૂપો દર્શાવ્યા છે

પુનરાવર્તન

પરમેશ્વર સદા કૃપાળુ છે
વાક્યમાં બિન્દુ વાપરના
તમારો હાથ સ્થિર નથી
વાક્યમાં ચાર શબ્દ છે
નાથ રચના રસિક છે
અનુ માતા પિતાની આજ્ઞા માન્યરહતો
સર્વે બીબી તેજસ્વી છે
રોજ પ્રભુ સ્તુતિ કરવાનો સકલપકર્મો

દમ્ભર સદા દયાળુ છે
વાક્યમાં વિદિ દેના વાક્યો
તુમારા હાથ સ્થિર નહીં છે
વાક્યમાં ચાર શબ્દ છે
નાથની રચના રસિક છે
અવળ માતા પિતાની આજ્ઞા માન્યરહતો
સૂર્યની કીર્તિ તેજસ્વી છે
હરદમ પ્રભુની સ્તુતિ કરવાનો સકલપકર્મો

શકુન્તલા કપર આવીની પુત્રી થાય
કુપ્યન્ત દિન્દુસ્તાનનો રાજા હતો
પાચાણી સુધિસિરની પત્ની હતી
સરંદા પ્રાત કાથે પ્રશુન્તાન કરવુ -

શકુન્તલા કણ્ઠમુનિકી પુત્રી નાગતી હૈ
દુપ્યન્ત દિન્દુસ્તાનના રાજાથા
પાચાણી સુધિસિરની સ્ત્રી થી
હરદમ સવેરે ફેંચરવા મજગ કરના

પાઠ ૧

મોતીનાત કરીને એક છોકરા હતો, તેણે એ દિવસ નિશાળમાથી એક પેન છુપાવીને રેર
આણી, તેની માને આપી માએ કપડા ન આવતા પેન સાચવી રાખી થોડા દિવસ પછી
મોતીનાને એક છોકરાના ગળવામાંથી જાની રીતે એક પાવની લઇ ધરે આવી પોતાની માને
આપી, આવડે તેની માએ તેની કુશીઆરીના વખાણ કર્યો અને પાવલી ધરમાં મૂકી, હવે
આથી કરી મોતીનાવ ધીમે ધીમે મોગી ચોરી કરતા ચીખ્યો, અને તેમા પંકડામાંથી હુગ્ગ મા
ગયો, ત્યાં તેને બહુ દુઃખ પડ્યું

પાઠ ૨

રામજી કરીને એક છોકરા હતો, તે રાજ નિશાળે, ત્યાં લોકો વર્ગ મા પહેલો નખર રાખે, આ
છોકરા બહુ મનીષ સ્વભાવનો હતો બીજા બુધ્ધિ છોકરાઓ તેને પંજેવે તો પણ તે સામુ
દાઈ કરતો નહિ જેથી બીજા છોકરાઓ એ તેને ધીમે ધીમે પર્જાવે છેડી દીધો અને તે
૨૦ કુના ઓળી નિશાળમાં ગરીબ અને લાયકો છોકરા ગણાયો બીજા સાથે રમત ગમત મોહ
વળત ગાનતો નહિ પણ પાઠ કરતો જેથી તેનું નામ પહેલું હતું અને દરમહિને નામ મળતુ

પાઠ ૩

કૃષ્ણ વજરાળ વસુદેવના પુત્ર હતા એ બલદેવના નાના ભાઈ હતા કૃષ્ણે મંથુરાનો
કુરરાળ કસ જે પોતાનો મુખો હતો તેને માર્યો, મહાભારતના કુષ્ઠમા પાંડવોને મદદ કરી અધર્મો
કેરવોનો નાશ કર્યો દ્વારકામા યાદવોને વમાવી લીધો પોતાની રાજ્યધાની કરી લાખીમુદત રાજ્ય
બોગનુ કાઢિયાના ધણીખરા રાજા - ચુડાસમા, બડેબ વગેરે એમના વસત છે

‘અ’ કારાત નારીજાતિ—સાકર, મૂજ, ખાક, જાત, વાત, રાત, સુક વગેરે

‘અ’ કારાત નાન્યતરજાતિ—ધર, ઘટ, ગામ, શહેર, મન, માજર, રુપ વગેરે

‘આ’ કારાત નરજાતિ—રાજા, આત્મા, દેવતા, પિતા વગેરે

‘આ’ કારાત નારીજાતિ—પત્ની, કાયા, દયા, આસા, કન્યા વગેરે

નોટ—આ સિવાય બીજા ધણા બેદ ગુજરાતી બ્લાકરણ જેવાથી જણાશે

વચન

વચન બે છે ૧ એકવચન ૨ બહુવચન

એક વચન—જો વસ્તુકે વિષય એક પણ ખતાવે છે તે

બહુવચન—એક થી વધારે જણાવે તે

જેમ—

એકવચન

બહુવચન

લાડવો

લાડના

ગાય

ગાયો

ધર

ધરો, ધરા

રાણી

રાણીઓ

એકવચનના ગ્રંથમાં આ, યો, ઈ, યુ જોબાદનાથી, અર્થના અત્પ્રકાર બદલવાથી જે નામને વિશેષણ કે ક્રિયાપદના રૂપ લગાડનાથી ધણેકાને બહુવચન થાય છે જેમ—

એ ૧

આ, ઈ, યુ

બાઈડી

બાઈડીઓ, બાઈડીયુ

બેમ

બેમો, બેમુ

દીડરો

દીડગ

ચણીઓ

ચણીયા

લાક

દસલાક

માણસ

બહુ માણસ

આમણજીવો

આમણીયુ જીવો

મનુર આ-યો

મનુર આ-યો

આ, યો, ઈ, યુ જોબોનાથી

અત્પ્રકાર બદલનાથી

વિશેષણ

રૂપથી

ક્રિયાપદ

મૃત્યના—કેટલાકનામો બહુવચનમાં વપરાતાનથી જેમ—પાણી મધ, તેલ, આનાનામો પ્રનાહી
જગ્યા સુચક છે

કેટલાક નામોનું એકવચન હોતું નથી જેમ—મગ, અક્ર, સાસા, મેવલા
આનામો સંગ્રહસુચક છે

વિભક્તિ (Cases)

શુભ્રાતિભાષામાં સાત વિભક્તિઓ છે તેના નામ તથા વિગત —

એક વચનમાં જે પ્રત્યય લાગે છે તે

પહેલી વિભક્તિ	સમ્પન્ન મુલરપ	રીપ.—આપ્રત્યય સમ્પન્ના
બીજી વિભક્તિ	ને	મૂલરૂપ ઉપર લગાડાય છે
ત્રીજી વિભક્તિ	ને	જો
ચોથી વિભક્તિ	ને, મારે, સાર, મને	
પાચમી વિભક્તિ	થી, મારી	
છઠી વિભક્તિ	નો, ની, ની, તુ, ના	
સાતમી વિભક્તિ	માં, એ	

આસાત વિભક્તિઓ પોતા ॥ પ્રત્યય સાથે વાક્યમાં વપરાય છે તે વખતે
શાસ્ત્રમયમાં—ઉપયોગમાં વપરાય છે તેમજબહુ જરૂર નું છે

પહેલી વિભક્તિ

કર્તા —સાત એકા છે

સામોદન —ગોરમદારાજ કાલે પધારજો

પરિમાણ —એરોટા પાણી પીવું

જગ્યા —હું અમદાવાદ જઈ છું

વચન —એક ક્યાક બેસો

બીજી વિભક્તિ

ક્રમ —મે વાધને માયા તમે ચોપડી વચ્ચી *

ગમજને લાકડી વાગી

ત્રીજી વિભક્તિ

કર્તા —સાતએ કનકમ વહેતું

કરણ —લેખણે લખ્યો

કારણ —તારે નરાઈ મર્યો

ચોથી વિભક્તિ

સંબંધ —આ લાકડા સમજને મારે છે

છઠમને લીધે મર્યો

પાચમી વિભક્તિ

કર્તા —બહુથી વચાય છે

* આ 'ઓપડી' શબ્દમાં ને પ્રત્યય અધ્યાહાર છે જેને કેટલાક ધિવાકરણી પ્રથમાગણે છે

કરણ :—મુખથી વાગ્યું	બપોરનો આવ્યો મુ
કારણ —મરમીથી માથું દુખે છે	આપનું મોઝાળ
વિશેષ —હું મુરતથી નીકળ્યો	સાતમી વિભક્તિ
અન્તર —અમદાવાદથી વાવંચું ૧૦૦ મેલ છે	જગા —મોતે કાગળ ચોડ
ન્યૂનાધિકતા —ભણ્ણી રાંજી મોરો છે	છઠ્ઠી વિભક્તિ
સામ્ય —રાજાનો મહેલ,	નદીમાં રેલ આવી
દરિયાનું માણસ	વખત —મહિને આવ્યો
	નણુ પરસમા આવડો મોરો ।

સર્વનામ (Pronoun)

ગુજરાતી ભાષાના સર્વનામો .—

અ—હું, તું, તે (આપુરુષ વાચક છે એટલે હું પહેલો પુરુષ તું બીજો પુરુષ, તે ત્રીજો પુરુષમા વપરાય છે)

આ સિવાય આપ, પોતે, કોણ એ ત્રણે પુરુષમા સામાન્ય છે

બ—કેટલાક વિશેષણ વર્તે સર્વનામના અર્થમા વાપરી

શકાય છે જેમ —આ, એ, પેલો, શું, કેવું, જો, તે, કોઈ વગેરે

વિભક્તિ લાગતા સર્વનામના રૂપો

પહેલો પુરુષ (હું)

બીજો પુરુષ (તું)

ત્રીજો પુરુષ (તે)

એ—વ	અ—વ	એ—વ	અ—વ	એ—વ	અ—વ
૧ હું	અમે, આપણે	તું	તમે, આપતમે	તે	તેઓ
૨ મને	અમને, આપણને	તને	તમને, તમોને	તો	તેઓને, તેમને
૩ મેં	અમે, આપણે	તે, તારે	તમે, તમોયે, આપને	તેણે	તેઓને, તેમણે
૪ મને, મારે	અમને, આપણને	તને	તમને તમોને	તેને	તેઓને, તેમને
૫ મુજથી	અમારાથી	તુથી	તમથી તમારા તારાથી	તેથી	તેમનાથી, તેઓનાથી
૬ મારાથી	આપણાથી			તેનાંની	તેમનોના
૭ મારામા	અમારામા	તમમા	તમારામાં	તેમા	તેઓમાં, તેમનામા

૧—પડે, પોતે કાણુ	૧—પડ
૨—પડને, પે નાને, કાણુ ને (કેને)	૨—તાને, રાંને
૩—પડે પોતે, કાણે (કાણુ)	૩—સો, હો, તાગે
૪—પડને, પોતાને, કાણુને (કેને)	૪—સાનેનાટ મેને
૫—પડથી, પોતાથી કાણુથી (કેનાથી)	૫—માથી, સાથથી, માનેથી
૬—પડનો, પોતાનો, કાણુનો (કેનો) ની નુંનાના	૬—સાનો ની નુંનાના રોનો
૭—પડમાં, પોતામાં, કાણુમાં (કેમાં)	૭—સામાં, રોમાં

વિશેષણ.

વિશેષણના પ્રકાર ?

૧ ગુણનાયક

૨ સંખ્યાવાચક

ગુણનાયક—કોઈ પણ શબ્દ નામનો વધારો બતાવી કાઢી ગુણજણાવે તે

સંખ્યાવાચક—ગણનીરાયક શબ્દો નામ, સવનામને સહાય બૂત થાય તે

જેમ —ગુણનાયક તરીકે —રાતો, પીળો, મોટો, નાનો, સારો, ઠાકરો છં.

સંખ્યાવાચક —એક, બે, પાંચ, સાત, પાંચમો, પહેલો છં.

સુચના —નામના પ્રકરણમાં બતાવ્યા મુજબ વિકલ્પિત વિશેષણો લગાડાય છે જેમ —

રાતો (નિ)		લાન (નિ)		એક (નિ-નિ)	
એ ૧	બ વ	એ ૧	બ વ	એક	બે
૧ રાતો	રાતા	લાન	લાને	એકને	બેને
૨ રાતા	રાતાઓને, રાતાને	લાલને	લાલને	એક	બેએ
૩ રાતાએ	} રાતાએ	લાને	લાને	એકને	બેને
રાતે		લાલો	લાલો	એકથી	બેથી
૪ રાતાને	રાતાને, રાતાઓને	લાવથી	લાવથી	એકનો	બેનો
૫ રાતાથી	રાતાથી, રાતાઓથી				
૬ રાતાનો	} રાતાઓના ની છં	લાલનો	લાલનો	ની નું ના નાઈ	
ની નુંના					
ના					
૭ રાતામાં	રાતામાં, રાતાઓમાં	લાનામાં	લાનામાં	એકમાં	બેમાં

* 'એક' એ સંખ્યા વાચક વિશેષણ માટે રાતો એ માફકથી નામ લખવાનું છે

સુચના — વિરોધણ એકલુ વપરાય તો વિભક્તિ લગાડવાની જરૂર છે ,

જેમ — આધનાથી ચલાયુ નહિ, ટાંગડે ખાધુ

પણુ વિરોધ્ય સાથે આવે તો વિભક્તિ ને પ્રત્યક્ ઉડીભય છે

જેમ — આધના માણસથી ચલાયુ નહિ, ટાંગડે માણસે ખાધુ

ક્રિયાપદ

ક્રિયાપદની પ્રથક ૩ જાતો છે ૧ અક્રમક ૨ સક્રમક ૩ ભારકર્તાક

અક્રમક — ક્રિયાપદની ક્રિયા કર્તામાજ રહેલી હોય અને જીભ વિષયતરફ ન દોરાય (જે ક્રિયાપદ ક્રમ વિનાતુ દોાય) તે

સક્રમક — ક્રિયાપદની ક્રિયા કર્તાથી સ્થિત જીભ વિષયથી અમળાય (જે કર્મ વાળુ ક્રિયાપદ છે) તે ભાવકર્તાક — જે ક્રિયાપદનો કર્તા અધ્યાહાર હોય અને કર્તા ક્રિયાનો ભાવજણાય તે

જેમ — અક્રમક — રામજી ઉઠ્યો

સક્રમક — બ્રાહ્મણો લાકુ જમ્યા, ઊકરો ચોપડી વળે છે

ભારકર્તાક — મને બહુ વાગ્યુ

કર્તા — કૃપાનો કરનાર જે કૃપાનો મુખ્ય નાદ છે જેમ — 'છોટાલાલ જોડયો

ક્રમ — કર્તાતુ-સ્થિત ક્રમ તે કર્મ જેમ — 'હુ લાકુ જમ્યો, તેણે લાકડી મારી

સુચના — ક્રિયાપદનો કર્તા જાણનામાટે ધાતુને 'નાર' 'કોણુ' થે પ્રત્યક્ લગાડી સવાસપૂજતા જે જવાબ આવેતે કર્તા જેમ, — 'છોટાલાલ જોડયો' એમા 'જોડ', ધાતુ છે, હવે 'જોડનાર કોણુ ? છોટાલાલ' કર્તા

કર્મજાણનામાટે 'વાતુશ ૧' આશબ્દ લગાડી મનામ પૂજના થી જે જવાબ આવેતે કર્મ જેમ — "હુ લાકુ જમ્યો" એમા 'જમ', ધાતુ એટલે 'જમવાતુ શુ ૧' જવાબ 'લાકુ,

માટે 'લાકુ' કર્મ

ધાતુ = જે શુજરાતી મૂળ ઉપરથી ક્રિયાપદના ભુજા ભુજા રૂપ બનેહે તે જેમ લખ, લખાય, લખનાર, લખતે વગેરે ક્રિયાપદમા ધાતુ 'લખ' જે પછી અનેક ક્રિયાપદો થાય છે

ક્રિયાપદનાભેદ ત્રણ છે ૧ મૂળભેદ ૨ પ્રેરકભેદ ૩ અભેદ ૪ સહપ્રેરક

મૂળભેદ — મૂળ ધાતુપર કાળના પ્રત્યક્ વપરાય બને છે જેમ — લખુ છુ,

પ્રેરકભેદ — મૂળભેતના ધાતુને મરડીને પ્રેરણાના અર્થમા લગાડાય તે જેમ — લખાવુ છુ

અભેદ — વાતુ મરડતા શક્યતાના રૂપમા વપરાયતે જેમ — લખાય છે

પ્રેરક અભેદ — શક્યતા સાથે પ્રેરણા બતાવે છે તે જેમ — લખનાય છે

આખધા ઉદાહરણો નો ધાતુ 'લખ' છે

કાળવિધે ।

મુખ્યકાળ ત્રણ છે ૧ વર્તમાન કાળ ૨ ભૂત કાળ ૩ અવિન્ય કાળ

આ ઉપરાંત વર્તમાનમા ૧ સ્પષ્ટ વર્તમાન ૨ અનિયમિત વર્તમાન ૩ નિયમિતમાન

ભૂતકાળમા ૧ સ્પષ્ટભૂત ૨ અનિયમિતભૂત ૩ સંકેતભૂત આ બધા કાળ

આરીતે કુલ સાત કાળ થાય છે જે ચારે ભેદને લખાય છે તેના ઉદાહરણ નીચે આપ્યા છે

મુળભેદ

લખ માત્ર

ત્રિરકભેદ

૧ સ્પષ્ટ વર્તમાન કાળ

એ ૧

બી-૧

એ ૨

બી-૨

પહેલો પુરુષ હુ લખુ છું અમે વખીએડીએ

હુ લખાતુ છું અમે લખારીએડીએ

બીજો પુરુષ તુ લખે છે તમે લખો છો

તુ લખાયે છે તમે લખાવો છો

ત્રીજો પુરુષ-તે લખે છે તેઓ લખે છે

તે લખારે છે તેઓ લખાવે છે

અનિયમિત કાળ કરનામાટે ઉપરના કાળમા થી '૦' રૂપ ગદીનાર્થનું જેથી હુ લખુ, હુ લખાતુ,

તુ લખે, તુ લખારે, અમે લખીએ, અમે લખારીએ છું

* ૩ નિધિ વર્તમાનકાળ

એ ૧

બી-૧

એ-૨

બી-૨

નરજાતિ લખવો

લખના

લખાવવો

લખાવના

નારીજાતિ લખવી

લખવી

લખાવવી

લખાવતી

નાન્યતરજાતિ લખતુ

લખનાં

લખાવતુ

લખાવના

* ૪ સ્પષ્ટ ભૂતકાળ

નરજાતિ લખ્યો

લખ્યા

લખા યો

લખાન્યા

નારીજાતિ લખી

લખી

લખારી

લખારી

નાન્યનરજાતિ લખ્યુ

લખ્યા

લખા યુ

લખાન્યા

* ૫ અનિયમિત ભૂતકાળ

નરજાતિ લખનો

લખના

લખાવતો

લખાવતા

નારીજાતિ લખતી

લખતી

લખાવતી

લખાવતી

નાન્યતરજાતિ લખતુ

લખતા

લખાવતુ

લખાવતા

૬ મંદિત ભૂતકાળ

ટીપ — આજાળમા બધીજાતિ અને ૧૦ વચનમા નૂળભેદમા “વખત” રૂપ છે અને ત્રેરક ભેદમા “લખઅત” રૂપથાય છે

૧ આજાળમા જાતિ મુચક છે એટલે ત્રીજી કાળ જાતિ ત્રણમા પ્રત્યક્ષ છે તે બાકીના ચાર કાળ પુરુષ વચનના પ્રત્યક્ષ ન છે

મૂળભેદ

૭ લવિધ્યકાળ

પ્રેરકભેદ

એ—વ

બ—વ

એ—વ

બ—વ

પહેલોપુરુષ—હુ લખીશ બમે લખીશુ હુ લખાવીશ અમે લખાવીશુ
 બીજો પુરુષ—તુ લખીવેશ તમે લખશે તુ લખાવીશ તમે લખાવશે
 ત્રીજો પુરુષ—તે લખશે તેઓ લખશે તે લખાવશે તેઓ લખાવશે
 મુચના —બીજા પુરુષમાં 'તુ લખને' 'તમે લખને' 'તુ લખાવને' 'તમે' 'લખાવને' આરપપણ
 વપરાય છે

સઘર્ભેદ

૧ સ્પષ્ટ વર્તમાન કાળ

સઘર્ભેદ

એ—વ

બ—વ

એ—વ

બ—વ

પે પુ હુ લખાઉ છું અમેલખાઉએછીએ હુ લખાવાઉ છું અમે લખાવાઉએછીએ
 બી પુ તુ લખાય છે તમે લખાઓ છો તુ લખાનાય છે તમે લખવો છો
 ત્રી પુ તે લખાય છે તેઓ લખાય છે તે લખાવાય છે તેઓ લખાય છે

૨ અનિયમિત વર્તમાન

ઉપરના રૂપોમાં થી 'હુ, છીએ, છો' વગેરે 'છ' ના રૂપો કમી કરતા આ કાળના રૂપ થાય છે

૩ વિધિ વર્તમાન કાળ

નરનતિ	લખાવો	લખાવા	લખાવવા	લખાવાય
નારી	લખાવી	લખાવી	લખાવાવી	લખાવાવી
નાન્યતર	લખાવુ	લખાવા	લખાવાવુ	લખાવાવા

૪ સ્પષ્ટ ભૂતકાળ

નર	લખાચો	લખાયા	લખાનાચો	લખાવાયા
નારી	લખાઈ	લખાઈ	લખાવાઈ	લખાવાઈ
નાન્યતર	લખાચુ	લખાયા	લખવાચુ	લખાનાયા

૫ અનિયમિત ભૂતકાળ

નર	લખાતો	લખાતા	લખાવાતો	લખવાતા
નારી	લખાતી	*લખાતી	લખાવાતી	લખાનાતી
નાન્યતર	લખાતું	લખાતા	લખાવાતું	લખાનાતા

૬ મકેત ભૂતકાળ

આકાળ ને જે પુરુષ બને ને વચનમાં સઘર્ભેદમાં 'લખાત' અને પ્રેરક સઘર્ભેદમાં 'લખાવાત' રૂપ થાય છે

૭ લક્ષ્મ્યકાળ

પે-પુ	દુ લખાઈશ	અમે લખાઈશુ	દુ લખાવા યા	અમે લખાવાઈશુ
ખી-પુ	તુ લખાઈશ	તમે લખાશો	તુ લખાવાઈન	તમે લખાવાશો
ત્રી-પુ	તે લખાશે	તે આ લખાશે	તે લખાનાશે	તેઆ લખાવાશે

પ્રયોગ.

ક્રિયા ૧૧નેજકે જેના પ્રમાણે જાતિ, વચન, પુરુષ ફરીતકેતે જેમ

રાદલી ખાધી, લાડુ ખા લાડુ જમ્યો લખી જમી

પ્રયોગ ૩ નજુ જે ૧ કર્તરી ૨ કમણી ૩ લાવેપ્રયોગ

કર્તરી — જેમ જતા ક્રિયા ૧૧ હોતે જેમ લઈ લાડુ જમ્યો

કર્મણી — જેમા કમ ક્રિયાનામ હોયતે જેમ જે રાદલી ખાધી

* લાવે — જેમા ક્રિયા ૧૧ ક્રિયા પદનોભાવ હોયતે — અમારાથી બેસાય છે

કૃદન્ત

ધાતુ ઉપરનામ, વિગેયણો અન્યથા પાલય આવવાથી જે રૂપ બને છે તે જેમ — ‘લખ’

ધાતુ નામ — ‘લખનાર’ વિગેયણ — ‘લખેતો’, કૃદન્ત અન્યથ — ‘લખીને’

કૃદન્તના પ્રકાર સુખ્ય નજુ છે ૧ કૃદન્ત નામ ૨ કૃદન્ત વિગેયણ ૩ કૃદન્ત અન્યથ

કૃદન્ત નામ — વિધિવતમા ૧ અને લક્ષ્મ્યકાળ સૂચક છે જેમ — ‘લખતુ, લખાતુ (નિ ૧),

લખવાનો (લા ૪)

કૃદન્ત વિગેયણ — નતમાન અને જુતકાળ સૂચક છે જેમ — ‘લખતો, લખતી (વ કા)

લખ્યો, લખી (જુ કા)

કૃદન્ત અન્યથ — જે કૃદ તત્તુ રૂપ જાતિ, વચ ૧ શી બદલાતુ નથી તે જેમ — ‘લખી,

લખીને, લખતા

અન્યથ

અન્યથા ચાગ્ય છે ૧ લક્ષ્યાન્વયી ૨ શબ્દયોગી ૩ ક્રિયાવિશેષણ ૪ કેવળ પ્રયોગી

લક્ષ્યાન્વયી — જે શબ્દ અથવા જે વાક્યને જોડનારો શબ્દ જેમ — ગામજી અને લઈતુ ગયા

દુ તથા તુ નાગીએ માકે બાપ છે સકર આ યો પણ બેટો નહિ હું આવ્યો અને

નમે ગયા ૧, અમે, કે, પણ, જો, રખેને, રખે, વળી તો, જો, તોપણ ૪૦ શબ્દ

લક્ષ્યાન્વયી છે (આઅન્યથ વાક્ય યોગીપણ કહેવાય છે)

* આ પ્રયોગ અઠમક ક્રિયાપદનો કર્તા ત્રીજી અથવા પાંચમી વિલક્ષિતમા હોય, અથવા
વિધાન નાન્યતર જાતિ એ વચનમા હોય ૨ સારે થાય છે

શબ્દયોગી —જે શબ્દ નિષક્રિયાના પ્રત્યયની પેઠે શબ્દની જોડે આવે છે તે, જેમ —ધર ઉપર
વાદરા છે મારી જોડે આવજો પગ, નાગે, ઉપર, સાથે, જોડે, પાસે, કને, છં.

(આ અવ્યય નિષક્રિયાથી પણ કહેવાય છે) ।

દ્વિયાવિશેષણ અવ્યય —જે શબ્દ દ્વિયાપદનો ગુણ બતાવતા અનિધારી હો છે તે જેમ —માર્ગે
પછી આવજો અમે હમેશા આપસુ મિલિલાવ ત્યો ગદેએ વેગેરે

ઢવારે, મટ, ઢવા, ઢવા ત્યા, ના, હિ આમ, કામ, ધણુ કરીને ગેરે

સુચના —આઅવ્યયમાં ઇગતિ, જાન, મ્યગ રીત નકાગ બતાવવાના અનિકારીનો સમામ થાય છે
કેનજપ્રયોગી —માણસના મનની કાષ્ઠ તરેહની લાગણી ॥ શબ્દો, જે વાક્યથી અવગર રહી એકલા

પરચાય છે તે જેમ —હે પ્રભુ મો બચાર

અગર, હે, વેચવેચ, વાદનાદ સાગામ, છટ, રે ઓ છીટ છં

સમાસ

એક વધારે શબ્દ એક સાથે જોડાઈ એક માફક વપરાય છે તે ને સમાસ કહે છે જેમ —
કેરી અને પુરી (કેરીપુરી), દાવ અને ગાત (દાવગાત) ગાંધે ગાપ (માગાપ)

સમાસના ભાગ ૬૬—જોડાયતા નાં પે ૧ । પડતા નામ અને ૧ કે શબ્દો ઉમેરાય તે ૬૬

સમાસ જેમ,—માગાપ=મ કે ગાપ, મા અને ગાપ રામ લક્ષમણ=રામ કે લક્ષમણ

ગમ અને લક્ષમણ શીરોપુરી=શીરો ને પુરી, શીરો કે પુરી શીરો અને પુરી

તત્પુરુષ—જોડાયવાનાં છુટા પાડતા નવમા નિષક્રિયાના પ્રત્યય ઉમેરાય તે જેમ —સુખપ્રાપ્ત=

સુખને પ્રાપ્ત (જીજી તત્પુરુષ) શાલાપ=શાલાને માટેપત્ર (ચોથી તત્પુરુષ)

હનતકૃત=હાતે કરેતુ (ત્રીજી તત્પુરુષ) ધમાધ=ધર્મથી અધ (પાંચમી તત્પુરુષ)

ગુરુવચન=ગુરુ વચન (છઠી તત્પુરુષ) સ્વગનાસ=સ્વર્ગના વામ (સાતમી તત્પુરુષ)

કર્મધાર્ય—જે સમાસને છુટાપાડતા તેના તેજશબ્દો મૂળતા જામન ઉમેરાય તે જેમ —પરમેસ્વર=

પરમ + ઇશ્વર=મોટાઈશ્વર મહારાજ=મહા + રાજ=મોટારાજ દીવચન=

દી + વચન=શરીરવચન લીવો=લી + લોક=નણુલોક

બહુપ્રીહિ—જે શબ્દોની વચ્ચેમાં જેઠે અથવા જેનેઠે એના શબ્દો ઉમેરાય જેમ —

મનુર્જન=મનુર્ + જન=ચાંછે હાથજેને પિતાગર=પિતા + અગર=જેનેપીણુ ગમ

છે તે (ભગવાન)

મધ્યમપદનોપી—આસિનાય વચમાં ગમેતે શબ્દ ઉમેરાય તે જેમ —મૃગજાલ=મૃગને છેતરના

જળ મધમાપી=મધ બનાવનારી માપી વરાળવલ=વરાળથી ચાલનાર યન

मत्तलबसंग्रह

मत्तलबसंग्रह

भाग ६

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 अ आ इ ई उ ऊ ए ऐ
 ओ औ अं अः

ल्यङ्गण

म ॐ ग घ ङ उ छ ञ झ ञ
 क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ
 ठ ठ ड ढ ण त थ द ध न
 प फ ब भ म य र ल व श
 ष ष ष ष ष ष ष ष
 १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

म	म	मि	मी	मि	मी	मे	मे	मो	मो	मं	मः
क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
ङ	ङा	ङि	ङी	ङु	ङू	ङे	ङै	ङो	ङौ	ङं	ङः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झं	झः
ञ	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	दं	दः
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धौ	धं	धः
न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	नं	नः

उ	ऊ	ऊ	ॠ	उ	ऊ	उ	ऊ	उ	ऊ	उ	ऊ
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	ड	डः
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढ	ढः
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढ	ढः
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णौ	ण	णः
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णौ	ण	णः
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	त	तः
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	त	तः
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थ	थः
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थ	थः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घ	घः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घ	घः
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	द	दः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घ	घः
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धौ	ध	धः
न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	न	नः
न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	न	नः
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ	प	पः
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ	प	पः
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फौ	फ	फः
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फौ	फ	फः
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ	ब	बः
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ	ब	बः
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भे	भै	भो	भौ	भ	भः
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भे	भै	भो	भौ	भ	भः

म	म	मी	मी	मु	हु	मे	मे	मे	मे	मं	मः
म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
य	या	यी	यी	यु	यु	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
र	रा	रि	री	रु	रु	रे	रै	रो	रौ	रं	रः
र	रा	रि	री	रु	रू	रे	रै	रो	रौ	रं	रः
ल	ला	लि	ली	लु	लु	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
व	वा	वि	वी	वु	वु	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
श	शा	शि	शी	शु	शु	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
ष	षा	षि	षी	षु	षु	षे	षै	षो	षौ	षं	षः
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षे	षै	षो	षौ	षं	षः
उ	ऊ	उी	उी	उु	उु	उे	उै	उो	उौ	उं	उः
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ	सं	सः
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ	सं	सः
घ	घा	घि	घी	घु	घु	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
ङ	ङा	ङि	ङी	ङु	ङु	ङे	ङै	ङो	ङौ	ङं	ङः
ङ	ङा	ङि	ङी	ङु	ङू	ङे	ङै	ङो	ङौ	ङं	ङः
क्ष	क्षा	क्षि	क्षी	क्षु	क्षु	क्षे	क्षै	क्षो	क्षौ	क्षं	क्षः
क्ष	क्षा	क्षि	क्षी	क्षु	क्षू	क्षे	क्षै	क्षो	क्षौ	क्षं	क्षः
ज्ञ	ज्ञा	ज्ञि	ज्ञी	ज्ञु	ज्ञु	ज्ञे	ज्ञै	ज्ञो	ज्ञौ	ज्ञं	ज्ञः
ज्ञ	ज्ञा	ज्ञि	ज्ञी	ज्ञु	ज्ञू	ज्ञे	ज्ञै	ज्ञो	ज्ञौ	ज्ञं	ज्ञः

धडा पहिना ।

पाठ पहिना ।

दो अक्षरी शब्द ।

घर	फळ	मठ	कर	खप	तप
धर	सर	जर	पर	रथ	चट
घर	नट	नथ	सथ	खण	वक
भय	सन	धन	जान	आण	धैय

धडा दुसरा ।

पाठ दुसरा ।

तीन अक्षरी शब्द ।

भीळख	रकम	पदक	मजक	गपक
जखम	ठणक	तवक	कपट	शरम
नरम	नगर	नगर	गवत	कलम

धडा तौसरा ।

पाठ तिसरा ।

चार अक्षरी शब्द ।

दलदल	गडगड	करवत	अजगर	करपट
चटपट	भागमन	सरवत	खळखळ	आपकर

धडा चौथा ।

पाठ चौथा ।

घोडा	चागला	सुलगा	आवा	खाती
पिहिर	सुवा	भाकर	माभा	के-दा

धडा पाचवा ।

पाठ पाचवा ।

तो घोडा कोठे आहे ?
तो घर कोणाचे आहे ?

वह घोडा कहाँ है ?
वह घर किसका है ?

तो सुलगा फार याइठ, आहे
वाप मसताळ आहे
रामचन्द्र कान रीता
रायसिध आज आला
हाकावा चागला आहे
तो सुलगाआला
ही आई आली

वह लडका बहुत खराब है
वाप मसताळ है
रामचन्द्र कान गया
रायसिध आज आगया
यह आव अच्छा है
वह लडका आया
वह मा आई

धडा सहावा ।

पाठ कर्ता ।

तोपडा बागवानाचा सुलगा
त्या विहिरीवर काय करित आहेस ?
त्यास तू त्रास देठ नकोस
माझा कुत्रा कोठे गेला ?
तू मला हात लावू नको हो
आई, मला भाकरदे
रामा, माझे बरोबर चल
हा आगरखा चागला आहे
हे पहा कडुनिवाचे भाड
तुम्हा कोण हाका मारितो ?
सकाळी लवकर उठावे
आपण केव्हा आला ?
आजची गोष्ट उद्यावर जावू देवू नये

यह देखो मालीका लडका
उस कुयेपर क्या करता है ?
उम्को तुम दिक मतकरो
मेरा कुत्ता कहां गया ?
तुं मेरे हाथ मतलगा
मां, मेरेको गोटोपानियो दे
रामा, मेरे साथ चल
यह अजरखा अच्छा है
यह देखो निन्यका भाड
तुमको कैसा बुलाता है ?
मात कालकी जनदी उठगा चाहिए
आप कब आये ?
आजका काम कलपर मत छोडो

धडा सातवा ।

पाठ सातवा ।

द्वितीयपदेष्ट ।

परे रामा, तू कधीखोटे बोलू नको, खोटेबोलणे हे मोठे पाप होय, तुम्हा खोटे
पणा जरी दुसऱ्यास करूना नाही तरीतो इश्वरास कळतो, जो माणुम खरा असतो तो
सर्वांस भावडतो जो सुलगा आपल्या आईबापाचे हुकमात रहातो याजवर सर्वांचो

प्रीति घसते या साठी पाडेवापाच्या आणि-गुरुजीच्या आज्ञेत रहाण्या सारखे दुसरे काही नाही ।

धडा आठवां

पाठ आठवां ।

चांगला मुलगा नवकर उठून शाळेत जातो, आई बाप सांगतील तसे करीतो, गुरुजीच्या आज्ञेत रहातो, खोटे सांगत नाही, आपल्या कामात कधी चुक करीत नाही आणि जे काम आज करावयाचे आहे ते उद्यावर टाकीत नाही

धडा नववा

पाठ नवा ।

वाईट मुलगा हट्ट करून मार खात असतो, शाळेत जाताना रडतो, चापला धडा घरावर पाठ करीत नाही आणि नेहमी खोटे बोलतो

धडा दहावा

पाठ दहावा ।

अहमदाबाद येथे सागरेचा कारखाना काढण्या करिता एक मडळी स्थापन होऊन तिने पाच लाख रुपयांचे भाडविले जमाविले आहे त्याचे, दोन हजार भाग विकावयाचे अशा प्रत्येक भागाची किंमत अडीचशे रुपये आहे

आमचा धर्म ।

आजकाल आमचा धर्म आमचाधर्म अशी ह्वाकाटी जिकडे तिकडे फारच माललेली आढळते, आमच्या धर्माचा फास होत आहे, आमचा धर्म बुडत चालला,

आमच्या धर्मावरील आमच्याच लोकांची निष्ठा नष्ट होत चालली व आम्हीच आमच्या हाताने धर्म शिळ्यांचो उपेक्षा चालविनी असून आमच्यात धर्मशिळ्या देण्यात येत नाही अशी हाकाटी माजवीत, सुटने आहे ! धर्माचा अभिमान सारखा गळत चालला आहे, धर्माभिमानाची कोणी नाही, धर्माचा कवार धरणारे पाहिजेत व धर्म निष्ठा वाढविण्याच्या कामी कोणी काहीच करीत नाही ही ओरड नुसती कोठे कानी यावयास लागलेली आहे, लचणे चांगली आहेत, चिन्हे शुभदिसतात, सशय नाही ?

पण आमची धर्म सम्बन्धी स्थिति आहे कशी, होती कोणत्या प्रकारची, ही अशी झाली का आणि आमच्या धर्मसंक्रान्त सध्या करावयास हवे काय ? इत्याद्यांचा एकत्र विचार ही सध्या फार महत्वाची बाब होय, आम्ही इतर बाबतींतही सारखे अवनती कडे घसरत चाललो आहो, त्याचप्रमाणे धर्म संवर्धातही गाल्हो अवनतीतच असून उन्नतीकडे जाण्याच्या तयारीचा तेंपही पण आमच्यात अद्याप आढळून येत नाही केवळ दुर्दैवच होय, असे म्हणावे लागते !

आमचा धर्म सनातन आहे, आमचा धर्म सर्वान्त श्रेष्ठ होय, केक-हजार वर्षांचा असा पुरातन आमचा धर्म, कितो व्यापक, केवढा गूढ आणि कसला उदात्त आमचा धर्म इत्यादि शेखी आणि तोंडी केवळ शब्द मात्ताचीच मिरविण्याच्या कामी मात्र आम्ही पूर्ण पटाईत आहो, पण प्रसला सनातन, असला पुरातन, इतका श्रेष्ठ, एवढा उदात्त असा धर्म आम्ही आज कोणत्या प्रकारे आवरीत आहो, किंवा पसल्या श्रेष्ठ धर्मावरील आमची निष्ठा कितो अपूर्ण व चवचव आहे, याचा आपल्या मनाशीच आणि आपला आपण विचार करून पहावा म्हणजे काय आढळून येते हे काही सांगायला नसते !

आमच्यातली धर्म निष्ठा कमी कमी होत चालली आहे, आमच्या धर्माचेच आमच्यात जास्त अनाग्न अमलेने आढळते, धर्म शिळ्या आणि धर्माचे ज्ञान कोठेच व काहीही मिळू नवे नाहीच सर्वत्र परिमिती दिसते, धर्म हा केवळ उपेक्षेचाच मात्र विषय असे मागण्याची प्रवृत्ति जिकडे तिकडे पहावयास मिळते आणि धर्मा पासून उदय पावणारे इशार निष्ठा व नीतिमत्ता हे कारड ठणठणीत असेच होऊन वसले आहेत ! धर्माचा सच्चाट चालला आहे, धर्माचा यत्न होत आहे आणि धर्माची सोगे व ढोंगेची तेंपही जिकडे तिकडे मिरवताना आढळतात ! शिव ! शिव ! आप ही स्थिति ! !

पण त्यांना उपाय नाही, त्या तो काळ आला, नगावी तशी स्थिति प्राप्त झाली आणि निरूपयोगी असा प्रकार फार साजला आहे त्याचा शोक करून काहीच उप योग नसतो, त्यात शत्रुपणा नाही तसा तो पुरुषवर्मही पण नव्हे, आली आहे ती वेळ, देवाने दिली ती परिस्थिति आणि कर्मांनी ओढविली ती सद्दृष्टे प्राप्त झाली असता धैर्यवान व शत्रुपणा आणि चतुर माणसाने कसे वागावयाम पाहिजे ते सर्वास ठाऊकच असते, आमच्या धर्माच्या परिस्थितीचोडो तोच व रागीच मोष्ट आहे, आम्हाला आमच्या सद्दृष्टकालान्त आपला रस्ता नोट व चागला घसा शोधून काढावयास ह्या, आणि ज्या कारणाने ही सद्दृष्टे ओढवली, अशी परिस्थिति प्राप्त झाली, ती कारणे ज्ञानाने अनाग आणि उपेक्षा याचे निर्मूलन करीत सुस्थिति प्राप्त करून घेण्याच्या तयारीस लागले पाहिजे ।

म्हणजे आम्हाला धर्मोन्नति पाहिजे आहे, पण ती धर्मोन्नति म्हणजे काय ? धर्म सम्यग्धी सध्या आम्हाला काय काय करावयास पाहिजे ? अर्थात धर्म म्हणून जी बाब त्याविषयीच आमचे राष्ट्रीय व व्यक्तिविषयक कर्तव्य कोणते आहे याचा एकदा आणि आधी ठाम निर्णय ठरावयाला पाहिजे । नुसता आणि केवळ किनकिलाट कितीही साजविना तरी त्याचा वास्तविक घसा उपयोग काहीच होणें नाही, म्हणून महाराष्ट्र देश, तीक्ष्ण धर्मसम्यग्धी, सध्या आहे ती परिस्थिति आणि अशा स्थितीत आमचे कर्तव्य, या सध्याचा विचार आणि खून होईल तितका व तेंजडा घोडाच आहे आणि तसा खल होऊन याही तरी निर्णय ठरला पाहिजे ही मोष्ट मुख्य व महत्वाची होय असे कोणासही घाटल्यावाचून रहावयाचें नाही ।

धर्मसम्यग्धात आरडा माहाराष्ट्रीयभाठी काय काय करावयाम पाहिजे असे आ मण्या मते घाटतें, त्या सर्वांचा एकवार उल्लेख करून त्या सध्याची पक्षां करावी, विचार व्हावा, निर्णय ठरवावा असे आमच्या धर्मसु पाणी आमचे मागणे आहे आम्हांला रास्त वाटतात, योग्य दिसतात, आवश्यक भासतात अशा तर्काचा पक्ष उल्लेख आम्ही करून ठेगीत आहो । म्हणजे कर्तव्यमर्यादा किंवा कार्याचा व्याप यांचे सुस्ते टावण आम्ही सादर केले आहे असेच समजावे, त्या मर्म भाता एकाच करून व्यवस्थित असे त्याचे टांचण सादर करणे आम्हाला आवश्यक वाटते थोडो फार पुनरुक्ति हाटून, चर्चित चर्चण असे घाटण्याचा सभाव नाही, पण त्याला श्लाज नाही ।

आमच्या धर्मावरील आमच्याच लोकांची निष्ठा नष्ट होत चालली व आम्हीच आमच्या हातानें धर्म शिष्टाचारचा उपेचा चानविनी असून आमच्यात धर्मशिनय देखावत येत नाही अशी हाकाटी माजवीत सटने आहे ! धर्माचा अभिमान सारखा गळत चालला आहे, धर्माभिमानाची कोणी नाही, धर्माचा केवळ धरणाऱे पाहिजेत व धर्म निष्ठा घाटविण्याच्या कामी कोणी काहीच करीत नाही ही भोरड मुक्ती कोठें काहीं यावयास लागलेली आहे, लक्षणे चांगली आहेत, चिन्हे शुभदिशतात, सशय नाही ?

पण आमची धर्म सम्वन्धी स्थिति आहे कशी, होती कोणत्या प्रकारची, ही अशी झाली ना आणि आमच्या धर्मतत्त्वान्त सव्या करावयास हवे काय ? इतक्याचा एकतर विचार ही सध्या फार महत्वाची बाब होय, आम्ही इतर वाजतीतही सारखे अवनती कडे घसरत चालतो आहे, त्याचप्रमाणे धर्म सवधातही आम्ही अवनतीतच असून सवतीकडे जाण्याच्या तयारीचा लेशही पण आमच्यात अद्याप आढळून येत नाही केवळ दुर्दैवच होय असे, म्हणावे लागते ।

आमचा धर्म सनातन आहे, आमचा धर्म, सर्वांत येष्ट-होष्ट, केवळ हजार वर्षांचा असा पुरातन आमचा धर्म कितो व्यापक, केवळा गूढ आणि कसला उदात्त आमचा धर्म इत्यादि श्रेणी आणि तीही केवळ शब्द मात्राचीच मिरविण्याच्या कामी मात्र आम्ही पूर्ण पटाईत आहो, पण असला सनातन, असला पुरातन, इतका येष्ट, एवढा उदात्त असा धर्म आम्ही आज कोणत्या प्रकारे आचरीत आहो, किन्वा असल्या येष्ट धर्मावरील आमची निष्ठा कितो अपूर्ण व चवन आहे, याचा आपल्या मनाशीच आणि आपला आपण विचार करून पहाव म्हणजे काय आढळून येते, हे काही-सांगा-यद्याला नवी !

आमच्यातही धर्म निष्ठा कमी कमी होत चालली आहे आमच्या धर्माचेच आमच्यांत जास्त अज्ञान असलेने भाडळते, धर्म शिष्टाचार आणि धर्माचे ज्ञान कोठेच व काहीही मिळू नये अशीच सर्वत्र परिस्थिती दिसते, धर्म हा केवळ उपेक्षेचाच मात्र विषय असे माण्याची प्रवृत्ति जिकडे, तिकडे पहाण्यास मिळते आणि धर्मा पासून उदय पाण्याने इतर निष्ठा व नीतिमत्ता हे वारड ठण्ठणीत असेच होऊन बसले आहेत । धर्माचा उच्चाट चालला आहे, धर्माची घटा होत आहे आणि धर्माची सोगे व टोमोची तीव्रते जिकडे, तिकडे, मिरवतांना आढळतात ! शिव ! शिव ! काय ही स्थिति ! !

पण त्यांना उपाय नाही, नका तो काळ आला, नगावी तशी स्थिति प्राप्त झाली आणि निरुपयोगी असणं प्रकार फार माजला आहे त्याचा शोक करून काहीच उपयोग नसतो, त्यात शक्यपणा नाही तसा तो पुरुषवर्मही पण नव्हे, आली आहे ती वेळ, देवाने दिली तो परिस्थिति आणि कर्माने ओढविली ती सद्दृष्टे प्राप्त झाली असता धैर्यवान व शचाण्या आणि चतुर माणसाने कसे वागावयास पाहिजे ते सर्वस ठाकाच असते, आमच्या धर्माच्या परिस्थितिचीही तौच व तशीच गोष्ट आहे, आम्हाला आमच्या सद्दृष्टज्ञानान्त आपला रस्ता नोंट व चागना असा शोधून काढावयास हवा, आणि ज्या कारणाने ही सद्दृष्ट ओढवली, अशी परिस्थिति प्राप्त झाली, तीं कारणे छानने अनाम आणि उपेक्षा यांचे निर्मूलन करीत सुस्थिति प्राप्त करून घेण्याच्या तयारीस लागले पाहिजे ।

म्हणजे आम्हांला धर्मोन्नति पाहिजे आहे, पण तो धर्मोन्नति म्हणजे काय ? धर्म सभ्यतेच्या आम्हाला काय काय करावयास पाहिजे ? अर्थात धर्म म्हणून जी बाब त्याविषयीचे आमचे राष्ट्रीय व व्यक्तिविषयक कर्तव्य कोणते आहे याचा एकदा आणि आधी ठाम निर्णय ठरावयाला पाहिजे । मुक्ता आणि केवळ किलकिलाट कितीही माजविना तरी त्याचा यास्तविक असा उपयोग काहीच होणे नाही, म्हणून महाराष्ट्र देश, तीक्ष्ण धर्मसभ्यतेच्या आह्मी ती परिस्थिति आणि अशा स्थितीत आमचे कर्तव्य, या संपूर्ण विचार आणि खून होईल तितका व तेंवढा थोडाच आहे आणि तसा खून होऊन काही तरी निर्णय ठरला पाहिजे ही गोष्ट मुख्य व महत्वाची होय असे कोणासही वाटण्यावाचून रहावयाचे नाही ।

धर्मसभ्यतेत आम्हा माहागंडीयासाठी काय काय करावयास पाहिजे असें या सभ्यतेवाटते, त्या सर्वांचा एकावर उल्लेख करून त्या संपूर्णची पर्वा करावी, विचारव्याया, निर्णय ठरवावा असे आमच्या धर्मधु पाशी आमचे मागणे नाही आम्हाला रागा दाटतात, योग्य दिसतात, आवश्यक भासतात अशा सर्वांचा पणत उल्लेख आम्ही करून ठेगीत आहो । म्हणजे कर्तव्यमर्यादा किंवा सार्यांचा व्याप याचे मुक्ती टाचण आम्ही सादर केले आहे असेच समजावे, त्या सभ्य आता एकाच करून व्यवहृत असे त्याचे टाचण सादर करणे आम्हांला आवश्यक वाटते । अर्थात फार पुनर्कृति झालून, चर्चित चर्चण असे वाटण्याचा समय आहे, पण त्याला झाला नाही ।

हवा खाणे ।

हवा खाणे हे शब्द आपल्या कानावरून पुष्कळ वेळा जातात व आपण स्वताहि कधी कधी येथेच्छ हवा खाऊन येतो । पण हवा खातो म्हणजे आपण तिना मेवा-मिठाईप्रमाणे किंवा फळफळावळी प्रमाणे खातो की काय ? तसे असते तर जितकी हवा जास्त खावी त्या मानाने आपले पोट भरून भूक कमी झाली असती । वास्तविक याच्या अगदीं चलट प्रकार दृष्टिम पडतो । म्हणजे आपण जीं जीं जास्त हवा खावी, तीं तीं चुधाहि जास्तच प्रदीप्त भाव्याचा अनुभव येतो ।

आपण हवा खायाला गेलों असता थोडी बहुत हवा पोटात जाते, हें खरे आहे । तरी त्यापासून आपणाला तादृश नफा नुकसान काही नसते । मात्र त्या हवा खाण्यापासून जी व्यायाम होतो व जो शुद्ध व आनंदाकारक हवा आपल्या म्हासोच्छासाला म्हणजे फुप्फुसांला खायाला मिळते, त्यापासूनच आपली खरोखर दृष्टि होते । सारांश, आपण जी हवा खातो ती तोंडाने नहो तर मुख्यत नाकाने खात असून ती पोट भरण्या करिता नहो तर फुप्फुसांची चुधा शांत करण्याकरिताच होय ।

शरीर निरोगी व सुदृढ रहावयाला जसे उत्तम अन्नपाणो पाहिजे, तशीच उत्तम व स्वच्छ हवा त्याच्या फुप्फुसांना मिळणे अवश्य आहे । मात्र आश्चर्य इतकेच की, उत्तम अन्न मिळण्याकरिता मनुष्याचा प्रयत्न जसा दिसून येतो तसा तो उत्तम पाण्या करिता नसतो व हवेसंबंधानंतर कित्येकांच्या स्वप्नातहि विचार येणे कठीण । अन्नपाण्याच्या अभावी मनुष्य काहीं दिवसतरी जगू शकेल, पण तोच हवा न मिळाल्याने किती वेळ दम धरील हे पहाणे असल्यास थोडा वेळ नाक तोंड बंद केल्याने सहज कळून येते । अर्थात् अन्नपाण्यापेक्षा हवेलाच जास्त महत्त्व आहे, असे कवृा करणे भाग पडते । प्राणिमात्राच्या अस्तित्वाला ती इतकी महत्वाची आहे म्हणूनच की काय, काहींसुद्धा प्रयास न पडता प्रत्येकाला ती सुवलक मिळावी अशीव्यवस्था परमेश्वराने केली आहे । आपण आपल्या आपल्याला काय उपयोग होतो, असे साधारण समजुतदार मनुष्याला आपण विचारल्यास तो लगेच उत्तर देईल की, अन्नपाण्याचे रस आपल्या शरीराच्या अवयवाना मिळून त्याचे पोषण होते । परंतु तसाच प्रश्न हवेसंबंधाने केला असता त्याजकडून समाधानकारक उत्तर मिळेल की नाही याची शका आहे ।

मराठी म्हणी proverbes

प्रचाट खाणे मरणाग्न जाणे
 पडकची माय फटके त्राय
 चाडना तारायण गाढवाचे पायघरो
 प्रचरुण पाहून पाय पसरवें
 आई जळ घातीना य बाप भिन्न माणू
 देईना
 आकाशाची कुडाड कोणत्याचे दांतावर
 पागीबाचून कट नाही य मायेवाचून
 रडे नाही
 आज चांगले तर उद्या कामास येईल
 आज मना तर उद्या तुना
 भाडवे घाले तर कापून काढावें
 आदाय पाहून खर्च कराया
 आधीं करावा विचार मग करावा सचार
 आधीं पहावे तोलून मग दाखवावे-
 बोलून
 आधळ्याचा हात लाटावर
 आपण बुडून दगड दुसऱ्यास बुडवितो
 आप मीना जग वडता
 आपली माय दुष्टाचे वेल खाव
 आपलें तीड आपणास आरग्यावाचून
 टिमत नाही
 आपल्याची लाय परक्याची खेय
 कामापुरता मामा
 काल मीना य आज पितर भाना
 खटपट करो तो पोटा भरी
 खालि घरचे वासे भोजणे

घोराचे भाड व म्हाताऱ्याचें हाड
 गंगेतले पाणी गंगेत सोडणे
 गरज सरो वेद्य सरो
 गाजराची पु गो वाजलोतर वाचनी
 नाहीतर कराडून खाली
 घर लागलें जळूं विहीर लागला खणू
 घरात नाही दाणा व मना श्रीमंत म्हणा
 घोंगडीला मी सोडते पण घोंगडी मना
 सोडीत नाही
 चण्याच्या भाडावर चढणे
 चार दिवस बासुचे चार दिवस सुनेचे
 चेत्याचे कान गुरूचे दाती
 चोराच्या मनात चांदणे
 चोराची पाचले चोरास ठाऊक
 ज्याचे कुटे त्याचे पुढे
 ज्याचे लागवें त्याला द्यावें
 जिकडे गेली वांम तिकडे भाली मांज
 तहान लागल्यावर विहीर खुणणे
 तिकडून दुष्ण मणभर कुणणे
 टहा मरावे परंतु टहाचा पालनकर्ता-
 मरू जाये
 द्रव्याचे परी द्रव्य गेले आपी वायकीचे
 परी वायकी गेली
 दुष्ण घाले जोरावर पद्य गेली घेराय
 देईल दाता तर खडून मगता
 नाव मागाचे पण गांव मांगू नये
 पायाचा छदा मरला म्हणजे फुटतो

मराठी के प्रचलित शब्द ।

मराठी	हिन्दी	मराठी	हिन्दी
घोट	पेट	मोगणे	गणने
बावको	झो	जिकणे	जितना
पुस्तक	सहुत	वरा	अच्छा
भोवताळो	आसपास	पोरगा	छोकरा
गिरी	गाली	मुन्नगा	लठका
म्हणणे	कहना	नवरा	घर
घोळणणे	पहचानना	खोखना	खाँसी
तोड	मुट	खरा	सच्चा
विद्दि	हुवा	मेडी	मिखा
अपय	सौगद	बारट	खराब
येठ देणे	पानेदेना	इकडे	इहाँ
लवकर	जलदो	तोकडे	वहाँ
उग्रीर	देरी	भावा	हुवा
चल	चल	मना	मेरेको
उचल	चल	तुला	मेरा
परवा	परसों	आमचा	हमारा
पुढे	अगाडी	तुमचा	तुम्हारा
मागी	पीछे	पाहे	दे
आगि	पौर	माभा	मेरा
फार	ज्यादा	मेला	सरनया
ये	आ	तुप	छत
कोटे	कहा	ठेवणे	रखना
मेला	गया	वेगळे	अलग
पहा	देखो	खाणे	खाना
म्हातारा	हड	लघाड	भुठा
हीव	थड	वेगळे होणे	अलग होना
गोड	मिष्ट	मिजणे	मिटना

मराठी व्याकरण ।

१ व्याकरण विद्याहून शुद्धाशुद्धा ज्ञान होतो ।

२ ह्याचे मुख्य भाग तीन आहेत (१) वर्ण विचार, (२) शब्द विचार आणि (३) वाक्य रचना ।

३ चक्षराद्या आणि त्या पासून त्याचे रूप होणाऱ्यास वर्णविचार म्हणतात । ह्याचा मोठा विषय हिन्दो व्याकरणांत (पृष्ठ न० २४—२८) पहा ।

४ एक किंवा अधिक चक्षरां पासून जो अर्थ उभय होतो त्या स शब्द म्हणायचे । ह्याची मराठी भाषेत चाठ जाति आहेत—नाम, सर्वनाम विशेषण, क्रियापद, क्रिया विशेषण उभयात्म्यी शब्द योगी आणि केवळ प्रयोगी ।

५ प्रत्येक पदार्थाचे नांवाला नाम म्हणतात, जसे मनुष्य, पोद्दी इत्यादि । नामांत तीन भेद आहेत सामान्य विशेष आणि भाव वाचक ।

६ ज्या जातिचा धर्म अनेकां वर असतो त्याला सामान्य नाम म्हणायचे, जसे—मनुष्य, भाऊ इत्यादि ।

७ एव एक व्यक्ति वाचक शब्दास विशेषनाम म्हणायचे, जसे—काशी, गंगा इत्यादि ।

८ पदार्थाचे भाव आणि त्याचे धर्मास भाववाचक नाम म्हणायचे, जसे—मनुष्यपण, शत्रुत्व, इत्यादि ।

९ नामास निद्र वचन आणि विभक्ति, ही घडतात ।

१० नामास तिस्र असते हैं तीन आहेत—पुलिग, स्त्रीलिग आणि नपुंसकलिग ।

११ पुरुष वाचक शब्द पुलिग म्हणायचे, जसे—पुरुष ।

१२ स्त्री वाचक शब्द स्त्रीलिग म्हणायचे जसे—स्त्री ।

१३ ज्या नामा वरून पुरुष आणि स्त्रीजाति वा बोध होत नाही अथवा ज्यास ऐ, ते सर्वनाम नागते त्यास नपुंसक निद्र रड्वावे जसे धन, फून इत्यादि ।

वचन विचार

१४ वसते दोन आहेत,—एक वचन, आधी अनेक वचन ।

१५ नामाची एक अश्यास एक वचन म्हणायचे, जसे—घोडा मुलगा इत्यादि । नामाची एकापेक्षा अधिक अश्यास बहुवचन वा अनेकवचन म्हणायचे, जसे—घोडे, मुलगे इत्यादि ।

विभक्ति विचार

१६ माहा भाषा चा कोटक ४२ घटा मधे पहा ।

सर्वनाम विचार

१७ सहा भाषा चा दोटक ४२—४६ घटा मधे पहा ।

विशेषण विचार ।

१८ नामा चा गुण अथवा त्याची सख्या दाखविणारा जो शब्द ते विशेषण म्हणजे जसे—शाहणा, लगडा, मूर्ख इत्यादि ।

१९ सख्या दाखविणारा जो विशेषण असतो त्यास सख्या विशेषण जाणावे, जसे—दीन, तीन ग्रंथर आदि । या विशेषणा चे तीन भेद आहेत—क्रमवाचक, सख्या वाचक आणि आह्वति वाचक जसे—(१) पहिला, दुसरा, पाचवा दहावा (२) अर्धा, पाच पाठण, दोड, अडोच, साडे सात (३) दुप्पट, तिप्पट, चौपट, दसपट, दश गुणित, अत गुणित ।

क्रियापद विचार ।

२० ज्या शब्दा च्या योगे कोणत्याही शब्दास क्रियापद म्हणावे जसे—करणे, बोलणे ।

२१ सकर्मक, अकर्मक, उभयविध भावकर्तृक आणि सहाय जसे अर्थावरून पाच आणि शक्य, प्रयोजक, गोण अथवा सिद्ध ।

२२ ज्या क्रियाचा व्यापार कर्त्या पासून दुसऱ्या पदार्था वर असतो त्यास सकर्मक क्रिया म्हणावे, जसे—बाळा पोथी वाचतो ज्या दुसऱ्या पदार्था वर क्रियाचे व्यापार तिघतो तो कर्ता, जसे रामा पुस्तक वाचतो ।

२३ ज्या क्रियाचा व्यापार कर्तावरच असतो ते अकर्मक जाणावे, जसे—रामा असतो ।

२४ क्रियापदाचे मूळ रूप धातु म्हणावे ।

२५ जो धातु सकर्मक आणि अकर्मक ही असतो त्यास उभय विध धातु म्हणावे, जसे—मोडिले, मोडले इत्यादि ।

२६ ज्या अकर्मक क्रिये चा भाव म्हणजे मूळ तोच कर्ता असतो व ज्याचा प्रयोग तृतीय पुरुष एक वचनी मात्र हो तो त्यास भाव कर्तृक क्रियापद जाणावे, जसे—फावले इत्यादि ।

२७ जे क्रियापद धातु रूपांशी योजिले असता त्याचा काळ व गर्थ फिरविते

ते मष्टाय क्रियापद म्हणवे, जने अस, नस, जा ये, दे, लाग, वस पाहिजे, नको, नय, नवीन इत्यादि ।

२८ एता क्रियापदांत अति चा रूप आणी अर्थ असतो ते शक्य क्रियापद म्हणवे, जसे—६ पुस्तक तुम्हाजि दाखविते म्हणजे हे पुस्तक याचण्या ची तुला शक्ती आहे ।

२९ जर एक मूल कर्ता असून दुसऱ्या काडून पक्षादी क्रिया घडविण्या चा अर्थ होव्हा मूल धातूस अर्थ मूल धातूस प्रत्यय लागून उत्पन्न हो तो, तर त्या क्रिया, पदाम प्रयोजक क्रियापद म्हणवे, जसे—राम गोविंदा काडून ते काम करवितो । जर यात मूल धातु एकाजरी असना “विवणे” प्रत्यय लागतो, जसे—वाविवणे, नाविवणे इत्यादि, आणी, अनेकाजरी असल्या तर “इवणे” प्रत्यय लागतो, जसे—करवीणे बोलाविवणे, इत्यादि ।

३० सहाय्य रूपे धातूतून पद्याची रूपे मूलची मिळ असतात आणी ती नियमित काळी, आणी नियमित पुरुषी मात्र साधतात त्यास गौण अथवा सिद्ध क्रिया म्हणतात, ती पाहिजे, नको, न लगे आणी नवे होत ।

३१ क्रियापदास रूप, भेद, अर्थ, प्रयोग काळ, पुरुषनिष्ठ आणी वचन असतात ।

३२ रूप दोन असतात करण जसे—होतो, करितो आणी अकरण, जसे—नाहीं नव्हतो ।

३३ अर्थाच्या भेदाने मूल धातूच्या रूपाना विकार होऊन जो नवा क्रिया रूप शब्द सिद्ध होतो तो भेद म्हणावा । मूलरूप भेद प्रयोजक भेद आणी शक्य भेद असे हे तीन भेद आहेत असे मी पाहिलो (१) म्या पाहिले, मी पाहिल, (२) मी पाहवीन, म्या पाहविले मी पाहवील (३) माझ्याने पाहवते, पाहवो पाहवेन ।

३४ कौणा क्रिया विषयीचा समांतला निर गिराला भाव लेणे करून त्यास अर्थ जाणवे । अर्था चे पाच भेद आहेत (१) स्वाय अर्थात् करण अथवा अकरण जाण विचार, जसे—तो मला नाही (२) आचार्य अर्थात् आज्ञा उपदेश अथवा प्राप्ता जाणविणार जसे—रामा तू हे काम कर, तिकड जाऊ न को (३) विध्यर्थ अर्थात् धन, शक्तता अथवा योग्यता जाणविणार, जसे त्याने पहावे म्याजामे तुम्हीं त्याची बोलू नये (४) रुक्तेतार्थ अर्थात् शरत जाण विचार जसे—तो मला निश्चिंत तर मी जातो (५) समर्थार्थ अर्थात् समर्थ बोधक अस—तो सिद्धला असेल ।

૩૫ જેથી વાક્યાંત કર્તા, કર્મ આપી ભાવ ય વ્યા નિપ્પ વચના વહન ક્રિયાપદા
 ચે રૂપ ફિરતે તેથી ત્યા વિકારાસ પ્રયોગ જાણાવે, એસે પ્રયોગ ચાર પ્રાજેત (૧)
 કર્તૃત્રી પ્રયોગ—રામા નિજતો (૨) કર્મણી પ્રયોગ—ત્યાણે પુસ્તક વાંચિલે (૩)
 ભાવે પ્રયોગ—ત્યાણે ત્યાસ માગિલે (૪) ભાવ કર્તૃત્રી પ્રયોગ તુભા પાઘલે તર તૂં જા
 ૩૬ ક્રિયા કરતે ક્રિયા જોતે જો કાઠ્ઠ બોધ જો તો ત્યાસ કાઠ્ઠ જાણાવે કાઠ્ઠ
 તોન પ્રાજેત વર્તમાન (જો મધ્યા ચાનત પ્રાજેતો) જસે-તો લિહિતો, આપી જો મારો
 મેના તો ભૂતકાઠ્ઠ, જસે તિણે વાંચિલે, પુઠે યેણરાતો ભવિષ્ય, જસે તો યેણાર પ્રાજે ।

અક વચન	{	પ્રથમ	શુદ્ધિ	ઓડિય	મગુ વચ લિહ
		પ્રથમ	જો કરિતો	જો કરિયે	જો કરિતે
		રિતીય	મૂ કરિતોય	મૂ કરિયેય	મૂ કરિતેય
અક વચન	{	ત્રતીય	તો કરિતો	તો કરિતી	તે કરિતે
		પ્રથમ	આપી કરિતો	આપી કરિતો	આપી કરિતો
		રિતીય	તુમો કરિતા	તુમો કરિતા	તુમો કરિતા
અક વચન	{	ત્રતીય	તે કરિતાય	ત્યા કરિતાય	તો કરિતાય

ક્રીયાધિશેષણ રૂપજે ક્રિયાયા ગુણ પ્રગટ કરનાર, જસે—લૌકર, ભટકન,
 અભયાન્વયી મ્હણતે જો શબ્દ દોન શબ્દ વા દોન વાવ્ય અન્વય કરનાર, જતે—
 પરન્તુ, જર, તર, વ્યા શબ્દા વ્યા દુસયા શબ્દાશે યોગ જોકન વ્યાયા યોગ ત્યા
 દુસયા શાબ્દચે નામાન્વ રૂપ હોતે તો શબ્દ શબ્દયોગી મ્હણાવે જસે—વર,
 જાનો, પુઠે ।

વ્યા શબ્દા વ્યા યોગી મનાયા વજારાયા મોધ હોતો તો શબ્દ કૈવઝ પ્રયોગી મ્હણાવે
 જસે—વજારા ! કિ ।

વાક્યાત શબ્દો રચના કસ કશી કરાજી હે વાક્ય રચના સી જાણાવે ।

હતિ ।

छ भाषा कौ शब्दावली
Vocabulary of the six Languages

شرح شش زبانی

ছয় ভাষায় শব্দার্থ
छ भाषानो शब्द कोष
सहा भाषा वि शब्दार्थ ।

कपडा सम्बन्धो

हिन्दी ।	इंगेजी ।	उर्दू ।
अगिया	Bodice	अकिया
अच कन	Tunic	अचिक
आम्दीन	Sleeve	अस्तर
अस्तर	Lining	अस्तर
एकरगा लाल	Scarlet	अक रंग सرح
ओढना	Covering	ओरुहा
कपडा	Cloth	कटरे
कलाबचु, लैस	Lace	लिस - कलत्तु
काल्वन	Blanket	कसल
कसरबध	Belt	कसबंद
कालीन	Turkish carpet	कालिन
किरमिच	Canvas	कर्मिच
कुरता, कमोज	Shirt	कमन्स कुरता
किनारी	Border	कनार
कोट	Coat	कोरुब
कोरो मलमल	Grey mulls	कुरी मल्ल
कोरालकलाट	Grey shirting	कुरा लकलाट
खोली तकिये की	Pillow case	तकिये की क्खोली
गज	Yard	गर्
गद्दी	Cushion	गद्दी
गलीचा	Carpet	दरि علیچه
गलाबध	Neck-tie	गलबंद
गमछा	Napkin	गमछा
गांठ	Bale	कान्हे
गिलाफ	Cover	علاف
घाघरा	Gown	कहाकुरा

PIECE GOODS

વસ્ત્રલા ।	ગુજરાતી ।	મરાઠી ।
ત્રીલોકનિગર ઝાગા	કામળી, ચોળી	કાચોલી
એકપ્રકાર ઝાગા	પડ, ધર, પેગ્લુ	એકા પ્રકાર ચે ચીવઢી
આશીમ	બાધ	ઘાઢી ચમ્તની
અરુ	અસ્તર	ચમ્તર
એક રકમ લાલ કાપડ	કચુળી રંગ	વિલાયતી કાપડ
અલ્હેદામન	ચાદર	વસ્ત્ર
કાપડ	કુચડ	કાપડ
કરિગોટી	કીત	કાલાવસ્તુ, કીમ
કચન	કામળી, કામળી	ઘોગઢી, કાવઢે
લોગર વસ્ત્ર	પટી	પટ્ટા
ગાલિઝા	કચુળી રોનજી	કાનાન
કાગવિન	કે. નાન	કાનવિન
કાગિજ	આશીમ	કામીચ
પાડ	પર	કિનારા
કોટ, કૂનઢા	કાગો, પાટ	કુડતો, અગરચા
કોરા મનપન	કારી મનમન	પાટરી મનમન
કોરા લાંબાપાટ	કારીનેનમન	પાટરીલકાનાટ
ગુરાંડ	આશીમનુ મપેક	તકાચી ચોલી
ગજ	વાર, મજ	ચાર
ગી	ગોગીડ, ગદી તકીયો	ચાદી
ગાલિઝા	ગાલીચો, જાગમ, ગેનજી	ગલીચા
ગાનવિન	ગાનપડો	માનવધન
ગાનિહા	રમાન	તોંડ ધુસગી
ગોંટ	ગામઢી	ચમ્ત
ગોન	ગિયોઢ	આડ, પઢતા
ચાંચા	ધાધરો	મગા

कपडा सम्बन्धी

हिन्दी ।	इंग्ली ।	उर्दू ।
नैनसुख	Jaconet	नस सकेह
नैनूनामदानी	Lappet	صلون حامدانی
चद्दर	Sheet	چادر
चपकन	Tunic	چپكى
बोली	Bodico	چولى
छॉट	Calico, chintz	چھندست
जाघिया	Breeches	حانگہا
जामा	Robo	حامہ
जेब	Pocket	حیب
जीम	Drill	زس
टोपी	Cap	توپى
ढोरा	Threand	دهاگا
डारिया	Dimity, stripes	توردا
तकिया	Pillow	تکيه
तोपक	Matthess	توشک
तोलीया	Towel	تولیا
थान	Piece	تہاں
दामन	Skirt	دامى
दुगाल	Shawl	دوشالہ
दुपट्टा	Scarf	دوپٹا
धोती	Dhooti	دهوتی
पगड़ी	Turban	پگڑی
पुनिन्हा	Packago	پلده
पीला नैनसुख	Orange-jaconet	رنگ ناس سکه
पेटी	Chest	پتی
फर्श	Carpet	فرشہ

PIECE GOODS

વજ્રલા ।	ગુજરાતી ।	મરાઠી ।
મથનસુથ કાપડ	નેનસુથ	નેનસુથ
મરસુજાકાનિ	લપેટા	નેનુવાપડ
વિજ્ઞાનોવ ઠામવ	આદર	ચાદર
એકપ્રકાર જામા	પડ આમજાદન	एका प्रकारची बंडी
ઢીલાદેવર જામા	ચોળા, કાચની કમખો	काचोळी
હિટ	છીટ	छीट, चीट
ગાંધાળા	ચોરચો	चोलणा
પોપાક	ખખો, જખો	भुगा, जामा
જેવ	ખીસું	खोसा
હીન	શારડી કાણુપાડનાનુઓઆ	वेधन
ટુમિ	ટાપી	लहान टोपी
સૂઝા	દોરા, સુતર	दोरा, सूत
ગિર્ટિ ડોરો	કાથલો, ચુણી	पट्टे काटलीका
ચાલિંગ	તકીચો	तख्त
ગર્દી ટોમક	મુજવી, તકાધ, જોડી રમખ	लेप
ટોમોલે	દુનાલ	हमाल
થાન	થાન	थान
જાત્રાવ ધાર ટોડો	પોશાકનો વાધરો (ઝીનો)	सोगा
ગાન	ચાલ, કુચાલ	शाल, पाघोडी
ઉડી	કુપટા પીઠોડી	गलपट्टा, दुपट्टा
શૂડી	વારનેચ અપવનેક પડ	घोळ
ગાંઢિ	પાધડી	पगोट
જાંટિ	થાચડી ઘાંડીનો	गद्दा
ગીઝરખેત્ર તગલક	પીરો નેનસુથ	पीवळे नैनसुथ
મિદુલ	પેડી	सन्दूर
ગાંભીજ	ગાંભીચો, નેનડ	गाभीचा

कपडा सम्बन्धी

हिन्दी ।	इंग्लिश ।	उर्दू ।
फतूई	Jacket	हालत - पहनूनी
फलासेन	Flannel	वलासेन
बक्ख	Box	बक्स
बनात	Broad-cloth	बानात
बिस्तर	Bed	बिस्तर
बैगनी नैसुख	Purple jaconet	अरुआनी बिस्केट
मलमल	Muslin, mulls	मलमल
मखमल	Velvet	मखमल
माटापिलाम	Matapalam	माटापिलाम
मोजा	Stockings	मोजा
रजाई	Quilt	रजाई
रेशम	Silk	रेशम
रेशमी कपडा	Cauzo	रेशमी कपडा
रुमान	Handker-chief	रुमान
लंकलाट	Shirts	लंकलाट
लहंगा	Calico	लहंगा
लहंगा	Petticoat	लहंगा
सतरजी	Carpet	सतरजी - शेरबन्दी
सफेदलंकलाट	White-shirting	सफेद लंकलाट
सफेद मलमल	White-mulls	सफेद मलमल
सनका बोरा	Gunny bag	सन का बोरा
सनका वस्त्र	Canvas	सन का कपडा
सा	Hemp	सा
साटिन	T-cloth	सास
सीटा	Shooting	सुती सीट
सुता	Twist, yarn	सुता

PRICE GOODS

वङ्गला ।	गुजराती ।	मराठी ।
डाकिट	भाडी, पदन	बडी
मगमेर रत्न, कुानेल	दुपारी ।	लोकरीचे मंड कापड
वाग्न	पेटी	पेटी
बनांत	पनात	बनात
विहाना	मिठानु, मिस्तरे	बिकाना
गेडनी र. देकर नयनसुख	लापणी ने. सुख	जावळा नैनसुख
मलमल	भयभन	मलमल
गामल	भयभन	मखमल
माटीपालांग	माटापनाम	माटापिलाम
मोजा	मोजा	पायमोजा
लेप	रंगध, गोडी	रजई लॅप
रेगम	रेशम	रेशीम [कापड]
रेशमोर हापड	मोकमतनु रेशमी हापड	एका प्रकारचे रेशम
बमाल	रमा	रुमाल
ला. कलाट	लकनाट	लकनाट
केनिको	लडो, थार पाट	कापसाचे कापड छीट
घाघना	धाधरे, यधुये	घागरा
गालिजा	रोनछ, भाथीये	गलिजा, बिकायत
धोबा ला. कलाट	धोनु लेकनाट	पाठरेलकनाट
नादा मलमल	धाधु भयभन	पाठरे मलमल
शर पोले	थेरी शुधु, हाथला	तागाचे येले
बजाविश	डेनवास	तागाचे कापड
शम	सधु	ताग
ठिकिन बांगड	साटिन	साटण
टादनेर बांगड	थादर	चादर
गुडा	सुतर	लोकरीचे सुत

गहूँ और रुई

हिन्दी ।

इंग्रेजी ।

उर्दू

अरवाचावल

Raw-rice

अरु चاول - برنج

अलसी

Lin-seed

السي

अरह

Rahar

ارهر

अनाज

Grain

غله

उस्राचावल

Boiled-rice

अरु चاول

उडद

Black hly

अरु

कपास

Cotton

कपास

कुलथी

Horse gram

गहूँ का दान

खली

Oilcakes

कली

खाली

Empty

हाली

खाद

Manure

कपा

गहूँ

Grain

غله

गेहूँ

Wheat

गहूँ - گندم

चना

Gram

चना

चावल

Rice

चाल

जी

Barley

हल

जुवार

Jowari

हवार

लीसी

Lin seed

السي - लीसी का बीज

तिन

Sesamum

तल

दाल

Pulse

दाल

धान्य

Paddy

दहान

बाजरा

Bajra

बाजरा

भुटा

Maize

भुटा - मका

मटर

Pea

मटर

मसूर

Lentil

मसूर

रुई

Cotton

रुई

GRAIN AND COTTON

વઢ્ઢલા ।	ગુજરાતી ।	મરાઠી ।
ઠાઉન	ઢાયાચોખા	ઢોધલાતાદુઢ
ઢિમિ	અળસી	અઢસી, જમ્મ
અવશવ	અડદ	દૂર
આનાઢ	દાણો, અનાજ	ધાન્ય, ગજ્ઢા
ંવ ંકાર ંજ	લાત	વસા તાદુઢ
ગામકનાઢે	ંઢેક મકારનુ' ધાન્ય	વઢદ
વાંપીગ	ફે	કાપુસ
રૂનથકનાઈ	કુળથી	વળે
ધોન'	ખોળ	ઁલો
ગાંધિ	અધી	રિકામા
ગોર	ખાદ	ઁલ
ખંચ	અનાજ	ધાન્ય
'ગમ -	ધણે	ગજ
હોના	ચણા	દરમરે
ઢધૂન	ચોખા	તાદુઢ
જવ	જવ	યય, જય
ંવ ંકાર ંજ	જુનાર	જોધલે
ઢિમિ	અળસી	અઢસી
ઢિલ	તઢ	તીઢ
ઢાન	કઢોળ	ટાઢ
શન	ધાન્ય	ધાન્ય
વાઢરા	ખાઢરી, ખાઢરો	વાઢરી
હુધો	મકાઈ	મખે
મટેર	વટાણો	વટાને
મુસરઢાલ	મસુરની દાળ	મસુર
દૂખા	ફે	ફે

मसाला और दुसरा ।

हिन्दी ।	इंग्रजी ।	उर्दू ।
अद्रक	Ginger	ادرك
आमला	Myrabalan	ادونه
इलायची	Cardamom	الانچی
कपूर	Camphor	कामूर
रेवचीनी	Rhubarb	रमوند चीनी
कस्तूरी	Musk	مسک - کستوری
केशर	Saffron	زعفران
चीनी	Sugar	شکر
जायफन	Nutmeg	حائے پهل - حور
जीरा	Cummin-seed	زیره
तेजपता	Cassia leaf	تیرپتا
धनिया	Coriander-seed	کوب منر دھینا
पसारो	Druggist	پساری
पीपल	Long-pepper	پیدل
बहेडा	Beliric	بہیڑا
मिथी	Sugar-candy	مداب - مصری
मोमवत्ती	Candle	موم بتی
मोम	Wax	موم
लहसुन	Garlic	لہسن
लौंग	Cloves	لٹوالگ
सिन्दूर	Vermillion	سندور
सोंठ	Dry Ginger	سوندھ
सोडा	Soda	سودا
सोंफ	Aniseed	سونف - بادام
हल्दी	Turneric	ہلدی
हींग	Assafoetida	ہینگ

SPICES AND OTHERS

वगला ।	गुजराती ।	मराठी
आता	आहु	सुठ
आमनकी	आमणां	पावळा
एलाटी	अेलशी	एलची
कपूर	कपूर	कापूर
बेडेडिनि	बेडी	बेयाचीनी
गुगनाडी	गुगुरी	कस्तूरी
जागरांग	जेगर	केगर
डिनि	भाड	माखर
जायफल	जयफल	जायफल
जिमे	जुड	जीरा
तेजपत्र	तेज	तेजपात
धने	धापा	धणे
प्रेषक निकोडा	गाधी	गाधी
मिपुल	पीपल	पीपळ
बहडा	गहडा	बहडा
मिहरी	साकर	मिथो
बाडी	गीझपती	मिणवती
गोम	गीझ	मिण
रुग	लसख	लसूण
लवण	लवंग	लवण
मिन्दुन	सिंदूर	सिंदूर
सुठ	सुठ	भळे सुठ
सोडा	सोडा	सोडा
मोरी	सुवा	मोवा
हरिडा	हलद	हळद
हि	हींग	हींग

फलोंका

हिन्दी ।	इंग्रेजी ।	उर्दू ।
अजरोट	Walnut	अमरुत
अजीर	Fig	अजीर
अंगुर	Grapes	अंगूर
अनूरस	Pine apple	अनूरस
अनार	Pomegranate	आनार
अमरुद	Gurur	अमरुद
आम	Mango	आम - आम
नारंगी	Orange	नारंगी - नारंग
बटखल	Jack-Fruit	बटखल
भाङ्गवेरी	Berry	भाङ्गवेरी
किसमिश	Raisin	किसमिश
केला	Plantain	केला
खिरा	Cucumber	कहूरा
गुलाब जासुन	Rose-apple	गुलाब जासुन
तरबूज	Water-melon	तरबूज
नासपाति फल	Pear	नासपाति
नारेल	Cocoanut	नारेल
पका	Ripe	पका
पिस्ता	Pistachio nut	पिस्ता
पेनलीघर	Plum	पेनली
फल	Fruit	फल
मदाम	Almond	मदाम
वैगण	Brinjal	वैगण
सीताफल	Custard apple	सीताफल
सुपारी	Betelnut	सुपारी
सेब	Apple	सेब

FRUITS

वङ्गला ।	गुजराती ।	मराठी ।
आकरोटि	अभरोट	अखरोट
डूधुर	अथुर	अजीर
कुदजगूर	अथुर	अगुर (तीफळ)
आंगारग	अ ॥२३	एका प्रकारचेयिलाय-
डालिग	डडेग	अनार
मिग्राव	०२३५	वेरू
आंठ	डरी	भावा
कमालेगू	नांगी	नारंगे
बीठांग	डूधुरगु आंठ	फळसाचेभाड
छांग	भोग जेवु नांगु ६१	लहान घोर
डिन्गुमि	डाक्ष	दिससिध
गंगा	डेगा	बेळी
मंसा	डाक्षरी, अीकड	डिरा
गोगांग छांग	अनांग गालु	गुलाबजामळे
डवगुल	डा ॥११, तालुग	तरबूज
एक प्रकारे वन	नासपती	निवडुग
गानिलेग	ना ॥३२	नारळी
गद गांका	पाडेग	पिक्कलेफळ
पेडा	पिस्ता	पिस्ता
नारंगुली वृग	भोटामोर	भोटेघोर
वग	इग	फळ
वादांग	गदान	वादांग
वेगुग	रागल	घोळाळा
आडांग	सीताइल	सोताफळ
गुपावी	सोपादी	सुपारी
आपंग	सेपईग	एकाप्रकारचीवनस्पति

तरकारी (शाक) सम्बन्धी ।

हिन्दी ।

इंग्रेजी ।

उर्दू

परडकाकडी

Pappaya

اربد کازي

परुई

Aurum

ازري

पालू

Potato

آلو

शामला

Hog-plum

آمرا

इमली

Tamarind

املى - تمرهند

ककडी

Cucumber

ککڑی

करींदा

Goose berry

کروانده

कैरी

Raw Mango

کیری

किन्ना

Plantain

کیلا

गाठ गोबी

Cabbage

کرم کله

चना

Gram

چنا - چنه

घिया

Pumpkin, Gourd

لٹوکی

जमीकद

Sweet potato

زمینی کد

धनिया

Corriander

کوتہیر

पेठा

White pumpkin

دیهہ

सुदीना

Mint

پودینہ

फूलगोबी

Cauliflower

بھول کوہی

बैंगन

Brinjal

بیبنکی

मटर

Pea

مٹر

मूली

Raddish

मूली

रतालू

Ging stalked-yam

رڈالو - شعدالو

सकरकद

Yam

شکر مندہ

मूठ

Dry Ginger

ادرك

हरीमिर्च

Green chilly

هري میرچ

VEGITABLES

વજ્રજ્ઞા ।	ગુજરાતી ।	મરાઠી ।
બેલ	પપમ	કકઢી
કઠૂ	અળની	ચલ્લો
આલુ	આલુ	ચટાટે
આમઢા	આમળાં	ચામઢા
કેંકડળ	આમળી	ચિચ
શમી	કાકડી	ચિરા
કેળાવી	કરમઢા	અકામકારચંપલ
કાંજા આમ	કાંચી કેરી	કાચા પાંચા
ચણા	ચણા	કેલે
ચાંચાલી	કાળી	મોશીસાચ
કોના	ચણા	ચરમરા
લાઉ	ધીયા	મોંપળા
શકચકમ્મ આમ	કુમ્ભળ	મૂલ, કદ
ચણ	ધાણા, કાચમીર	કોચમ્બીર, ધળા
કુખાંધ	કુધી	કુમ્મઢા
કુમ્મક પુદિનાચાક	પુદિના	પુદિના
ચૂનકપી	કુખાંધ, કુલકોની	કોચી
ચેલન	ધીંગળુ	ચીજાજા, ચામો
મટેર	ચટાણા	ચાટાણા
ચૂલા	ચુલી	ચુલા
ચાલ આમ	ચટાણુ સકરીયા	અકામકારચીંવનચાતિ
ચાંચાંચુ	સકરકુદ	મોહચટાટા
ચાંચા	આલુ	ચલે
ચાંચા ચકા	કરી મરચા	ચિરવે મિરવે

धातु ।

हिन्दी ।	इंग्रेजी ।	उर्दू
अश्वक	Tal mica	अरु
इरपात	Steel	मोलान
कसीटो	Touch-stone	कस्तूरी
कान्नी	Bell-metal	कासे
गन्धक	Sulphur	गन्धक
चकसवा	Flin	सिंका मरमर
चादी	Silver	सिम
चुम्बक	Magnet	चमक
जस्ता	Zinc	जस्ता
ताम्र	Copper	ताम्र
धातु	Metal, Mineral	धातु
पत्थर	Stone	पत्थर
पारा	Mercury	पारा
पीतल	Brass	पीतल
फिटकरी	Alum	फिटकरी
खिलोर काच	Crystal	खिलोर
शोहन	Talc	शोहन
रामा	Pewter	रामा
लोहा	Iron	लोहा
संगमरमर	Marble	संगमरमर
खिलकी चादी	Bar silver	खिलकी चादी
सीसा	Lead	सीसा
सुलेमाणी	Agate	सुलेमाणी
सुरमा	Antimony	सुरमा
सोना	Gold	सोना - र
सोना चादी	Bullion	रुद्र सिम

METAL

वङ्गना ।

गुजराती ।

मराठी ।

अञ्ज

हेम्बार्ज

नदी गात्र

दीगा

शङ्ख

हृन्मूर्त्तौ

नभा

चर्मकि भाण्ड

मृदा

अञ्ज

धातु

अञ्ज

भाण्ड

भीतल

गटेकिरि

गात्रा मीट

अञ्ज

रत्न

मूर्त्तौ

अञ्ज

नोभा

मीगा

अञ्ज अञ्ज अञ्ज

नभा

रत्न

रत्न अ नोभा

अञ्ज

पोरा, गम्भेय

कसेटी, कस

काञ्च

अञ्ज

अञ्ज

इष्ट आदी

लोहयुग्म

अञ्ज

आञ्ज

अनील धातु

अञ्ज

आञ्ज

भीतल

इष्टकडी

जियोनी अञ्ज

लोह

अञ्ज

लोह

लोह

लोह अञ्ज

आदी

सीस

सुरोभाणी

सुरोभा

सोनु

अञ्जिनु सोनु

अञ्ज

पोलाद

कसेटी, कस

धातु

गम्भेय (वाधोडा)

गारगोटी चकमकी-

वादी

लोहयुग्म

अञ्ज

तवि

धातु

देगड, धोळ

पारा

पितल

पाटकी

विशोर

अञ्ज

अनील

लोह

अञ्ज

अञ्ज

अञ्ज

अञ्ज

अञ्ज

अञ्ज

अञ्ज

अञ्ज

मनुष्यभेद

हिन्दी ।

इंग्लिश ।

उर्दू ।

अधा

Blind

अंधा

ऐंछाताना

Squint eyed

ऐंछाताना

कनकटा

Crop eared

कमना

काला

Black

काला

कुवड़ा

Hump Backed

कुवड़ा

कुवारो

Bachelor

कुवारी

कुवारी

Virgin-Spinster

कुवारी

खूबसूरत

Beautiful

खूबसूरत

गूगा

Dumb

गूगा

सगा

Healthy

सगा

तीतला

Stammered

तीतला

दुबला

Thin

दुबला

नकटा

Noseless

नकटा

नाकबैठा

Flat-nosed

नाक बैठा

पगुल

Cripple

पगुल

पुरुष

Male

पुरुष

बदसूरत

Ugly

बदसूरत

बहरा

Deaf

बहरा

बावना

Dwarf

बावना

बोखा

Toothless

बोखा

मोटा

Fat

मोटा

रडवा

Widower

रडवा

रोगी

Sick

रोगी

लम्बा

Tall

लम्बा

लंगडा

Lame

लंगडा

हिजड़ा

Eunuch

हिजड़ा

NATURAL OBJECT

वङ्गला ।

गुजराती-।

मराठी ।

अक
ट्रेडा
बानकाटी
कान्
बूड
अगुडा
बुमानो
इमव
बोवा
नवल
डोतना
पांडना
नाजिवा रहित
टोपटोनाक
थडा
पुवपकाति
बूडसित
बाना बरिव
बामन
मछशोन
बुडपुछे
बुडपश्रीव
गोडित
दीर्घवाग, ट्रेडा
थोडा
थोडा

आधण
वडदरी-गण
धूया
काण
अगुडा
कुमारी
कुमारिका
सुन्दर, गोभिपु
गुगा
रिवागी, आरोग्य
तोनायो
सतागु
नकटा
सपाटपडु
थामिना
नर
भेडाव, कुश
अडेइ
हामिना
हातमगरु थोडु
बुड, भोड
रडिवा, विधुर
भाडु
उडु
सगडा
दीन्डा, नपुसक

आधळा
तिरवापा हाणे
कनकटा
काळा
कुवडा
अविवाहिता पुरुष
कुमारी
सुन्दर
सुका
निरोमी
तोतला
पातळ
नकटा
नाकवेडा
पगुल
पुरुष
कुरुष
बहिरा
वामन
बोथरा
पुष्ट (चाहितो)
अधावीवायको मेत्ती-
रोमी
साव
सगडा
डिजरा

पशुवोका ।

हिन्दी ।	इंग्रेजी ।	उर्दू
बकरा	Ho Goat	نکرا
बकरी	She Goat	نکری
बकरी का बच्चा	Kid	नकरी का बच्चा
बन्दर	Monkey	نورنگه - بندر
बन्दरी	Female Monkey	نندریا
बछेरा	Filly	لچھیرا
बछेरी	Colt	لچھیری
बिल्ली	Cat	بلی
बैल	Ox	بیل
भालू	Bea	بھالو
भैस	Female Buffalo	بھیس
मिडक	Frog	میدک
रीछ	Bea	رچھ
लंगूर	Ape	لنگور
लोमड़ी	Fox	لومڑی
साड	Bull	ساند
साप	Adder	سانپ
सुअर	Hog	سور
सुआ	Parrot	طوطا
सिंह	Lion	شیر
सिंहि	Lioness	شیری
सियाल	Jackal	گندم
शेर	Tiger	شیر
शेरनी	Tigress	شیری
हाथी	Elephant	ہاتھی
हिरन	Deer	ہرن

QUADRUPE

वङ्गला ।

गुजराती ।

मराठी ।

झांग
झांगी
झांगलर बाष्ठा
बांगर
बांगरी
अधेर बांगीबाष्ठा
अधर्भावद
बिडाल
दणद
डालुन
महिबी
बाड
डालुनी
बांगर
गेक गिरान
बाड
विषधरगर्ग
भूकर
उकगनी
निरु
मिरी
गिरान
गाय
गानगी
हरी
हरिन

भङ्गरी
भङ्गरी
भङ्गरीनु भङ्गु
बाङ्गरी
बाङ्गरी
बङ्गरी
बङ्गरी
गिडाडी
भङ्गरी
रीङ्ग
नेस
गेटा
रीङ्ग
बाङ्गरी, भाङ्गु
सिथान, बोङ्गरी
गोथी, साङ्ग
सरप, साप
हुङ्गरी, सुपरी
पोपट, भङ्ग
सिङ्ग
मिङ्ग
सिथान
बाङ्ग
बाङ्गु
हाथी
हरपु, हरिपु

वकरा
वकरो
वकरु
वानर
वानरी
घोडी
घोडयाचामुलगा
माजर
बैल
भालू
हिला
बेडक
भालु
माकड
कोरवा
सुपभ
सर्प
डकर
पोपट, राघु
सिङ्ग
सिङ्गीग
कोरवा
बाघ
बाघीन
हरी कुघर
हरिले

पेशेदार ।

हिन्दी ।	इंगेजी ।	उर्दू ।
अंग भाग	Member	عضو
अंगूठा	Thumb	انگوٹھا
अंगुली	Finger	انگلی
आंख	Eye	آنکھ
आँसू	Tear	آنسو
एड़ी	Heel	انزلی
इन्द्रिय	Senses	نفس
ओंठ	Lip	لسا بهونٹھ
कपाल	Forehead	مآدھا - پیشانی
कमर	Loin, Waist	کمر
कन्धा	Shoulder	کدھا
कलेजा	Liver	حکیر
कनपटी	Temple	کانکلی
कलाई	Wrist	کلائی
कान	Ear	کان گوش
काख	Armpit	بعل
काह	Groin	حنکھاسا
कोहनी	Elbow	کوشلی
केश	Hair	کف
खून	Blood	خون
खोपड़ी	Skull	کھوپڑی
गला	Throat	گلا
गाल	Cheek	چسار گال
घुटना	Knee	زانو
गर्भपात	Miscarriage	اساعت - حمل
गर्भवती	Pregnant	حامله

शरीरका OF BODY

बङ्गला	गुजराती	मराठी
अग्र	अग्र, अवयव	गात्र, भाग
इकोष्ठ	अग्रोष्ठ	अग्रठा
अग्रलि	आगणी	बोट
अग्र	आप्य	डोळे
अग्र	आसु	बासू
गोडोली	अग्री	टाच
वृकि, इस्त्रि	अद्वि	इन्द्रिय
उष्ठ	होठ	घोंठ
कण्ठ, कलाटे	कपाल	कपाळ
कटी, टोमर	कमर	कमर, कटि
कफ	अधु, आध	काध
कफ	कलेख	काळोज
कानपाठि	कमल	कानपट्टी
काष्ठेय कजि	काष्ठेय	मणगठ
कर्ण	कान	कान
रगल	काप, अगल	माडीचासाधा
कटकी	कमर, कड	बगल
कमूह	काष्ठी	कोपर
हृल, केश, लोम	निभाणा, पाण	केश
रक्त	लोही	रक्त
माथेन थुलि	माथरी	कपाळ
गला	गणु, कड	गला, कण्ठ
गाल	गाल	गाल
होठ	ग्रुष्ट	गुहघा
गर्भपाठ	गर्भपात	गर्भपात, दुराचार
गर्भरडी	गर्भरती	गरोदर, गर्भपती

शरीरका

हिन्दी ।	इंग्रेजी ।	उर्दू
चमड़ा	Skin	چمڑا - چرم
चर्बी	Fat	چربی
चूतड़	Buttock	چوत्र
चेहरा	Face	चेहरा
छाती	Breast	سینه
जबाहा	Jaw	حدک
जाघ	Thigh	زان
जीभ	Tongue	زبان
जुवान	Language	زبان
टाँग	Leg	ٹانگ
डाढी	Beard	داری
तन	Body	بدن
तिल	Mole	تل
थूक	Saliva	بہونک
दस्त	Stools	داری
दात	Tooth	دایب
नख	Nail	ناخن
नस	Sinew	بسن
नाकका छिद	Nostrils	نہنہ ناک کا سوراخ
नाडी	Pulse	دنب
नाभी	Navel	نامہ
पगकी अंगुली	Toe	پیر کی انگلی
पलक	Eye Lash	پلک
पसीना	Sweat	پسیا
पसली	Rib	پسلی

OF BODY

વક્ત્રલા ।	ગુજરાતી ।	મરાઠો ।
ઠમ્, હાલ	આમડી	ધામડી
ઠર્નિ ખુલ્લે	ચરખી	ચરખી
પાહા	ફૂલો	ટુમળ, મિતલ્લ
મૂથ	ચહેરા	તોંડ
વક્ત્ર.દલ	ઝાતી	હર, છાતી
ઠોંચાલ	જડખુ	જવડી, વટવટ
ઉવલ	જગ, સાયળ	માહી, જાઘ
જિહ્વા	છબ	જીભ
ઢાવા	ભાષા	ભાષા
પદ પા	પગનો નંગો	પાય, ટાંગ
નાડિ	દાડી	દાઢી
અન્ન	શરીર	ભાગ
ઢિલ	તથ	તીલ
ધૂ ધૂ	મૂક, લાળ	ધુવા
નાજ	દસ્ત, જોડો	ખાડા
નીંત	દાત	દત
નથ	નખ	નથ
નસ	નસ, રનાયુ	છાયુ
નાલેર હિપ્ત	સમરો	નથનો
નાડિ	નાડી નાડ	નાહો
નાડિ	કુટી, નાખી	ધેધો, નામિ
પગપ્રાપ્તિ	પગનીઆમગી	પાયાચેમોટ
છાત્ર પાટા	પલક	પલક
ધર્મ	પસિનો, પગેવે	ધામ
પછર	પસની	પામોટી

शरीरका

हिन्दी ।

इंग्रजी

उर्दू ।

पीठ

Back

پیشہ

पुचा

Wrist

کلائی

पेट

Belly

بطن

पैर

Foot

پیر

पैरकातला

Sole

پیرلا

बगल

Ankle

بدر کی کلائی

बांह

Han

دال

बाह

Arm

بار - باہ

भौ

Fye-brow

انرو

पलक

Eye lid

پلک

मगज

Brain

مغز

मन

Heart

دل

मांस

Flesh

گوشت

मुठो

Fist

مٹھی

मुह

Mouth

مہ

मुत

Urine

پیساب

मूछ

Whiskers

مٹوچہ

मेजा

Abdomen

مٹہ

रो

Fur

سدر

सांस

Breath

سانس دم

सिर

Head

سر

सीना

Breast

سینه

शरीर

Body

بدن

रुची

Taste

دائقہ

सुनना

Hearing

سنا

हड्डी

Bone

هڈدی

OF BODY

वङ्गला ।

गुजराती ।

सराठी ।

शुष्ठ

पीठ

पृष्ठ

नड

पोडुयो

मणगट

पेट

पो ड०

पोट

पद

पग

पाय

पायेर निखा दूडार उमा

पगनु तणीयु

तळपाय

पायेर गीडे

पगन

बगला

फुम

प्या, हाथ

केग गिटा पर्यन्त

बाह

भभर

बाहुल्यापामून मन

ज

अभर

भुवई

छन्न भाडा

पोपयु

पापणी

गळिद

भगल, क्षभल

मगज

मन

मन

मन

मांस

भास

मास

मुठि

मुठी

मूठ

गुथ

भो भोडु

तोड

अंजान

भुन

मूत

गौण

भोभा

मूछ

उम पेट

भगल, भेष्ट

मगज

लोम

इना

लोकरीचीकातडो

निमीग

भ, रथास

दम

मस्तक

माथु

कपाळ

गर्भ मूल

गर्भ

छर, कातो

शरीर

शरीर

अग

आयुधन

रसद, इथी

रुचि

अवन

सावणनु

ऐकणे

कलि

काल

हाड

पेशेदारोंका

हिन्दी ।

इंग्रेजी ।

उर्दू ।

अंग्रेज

Englishman

انگریز

कसेरा

Brazier

کسیرا

कासाई

Butcher

مصائی

कलवार

Distiller

کلوار

क्रिस्टान

Christian

کرسٹان عیسائی

काबूली

Afgan

کابلی

कारीगर

Workman

کارنگر

किरानी

Clerk

مکسر

किसाण

Cultivator

کسان

कुम्हार

Potter

کھار

कुजडा

Vegetabler

کدوا

खुरादी

Turner

کھرا دی

गवैया

Singer

گاندوالا

ग्रन्थकार

Author

مؤلف

गाडीवान

Coach man

گاڑی وान

गाठ बांधनेवाला

Baler

گاٹھ باندھے والا

ग्वाला

Milkman

گوالا

चरवादार, सहीस

Groom

سہنس

चमार

Cobler

چमार

चित्रकार

Painter

مصور

छापावाला

Printer

چھاپندوالا

जज

Judge

منصف

खगोलवेत्ता

Astraloger

علم خدات دان

जन्मादा

Weaver

حوالا -

भीर्वर

Fisher-man

ماشی گنر

योतिषी

Astronomer

لحمومي

OF OCCUPATION

वङ्गला ।

गुजराती ।

मराठी ।

इन्नाम

बैंगानि

कमाई

जाति ठगाना

थुकेन

काबुली

कारिगव

केरानी

चाना

बूडकाव

उद्धिद विज्जेता

कम्पक

गायक

अथकडी

कट्टाव

गौटे बांध ये

घोडांठगाना

गहीन

छूताठगानाई ठगाना

चित्रकर

छापाकर

विद्यावता

दैवज्ज

ठाति

वीवर

ज्योतिर्विद

धत्रेण

कसारो

कसाध

क्या न

प्रीस्ती

अइमान, पडाधु

अरीगर

शुभास्ता, भडेता

भेकुत

कुम्हार

शाक वेयनार

आधी

अयेथो

अथकार, कर्ता

गाडीवान

गासडीगाधनार

घोडेवाणे

अरवादार

अभार

बितारे

छापनार

नायाधिस

अगोखवेता

चण्डर, शाणवी

अलीवारे, अलीभारनार

अथोतपी

इयेज लोक

कसेरा

कसाई

कलाल

खोस्ती

पठाण

कारागीर

कारफून

शेतकरी, कुणबी

कुम्हार

भाली वीकणारा

फिरेसाकरणे

गाणारा

अन्यकर्ता

गाडीवान

गाठवाधनार

चाकर

घोडेवाळा

आभार

चित्रकार

छापावाला

नायाधीश

खगोलवेता

विणकरी

मासेधरणारा

ज्योतिषी

पेशदारीका

हिन्दी ।	इंग्रेजी ।	उर्दू ।
जौहरी	Jeweller	खजुहरी
तिरदाज	Archer	तिरन्दार
तनोली	Betel seller	तमली
तेली	Oil man	तली
प्यादा	Foot man	प्यादा
दफतरी	Book-Binder	दफतर
दरजी	Tailor	दरजी
हारपाल	Porter	दरबान
दलाल	Broker	दलाल
दुकानदार	Shop keeper	दुकानदार
धोबी	Washerman	धोबी
नचवईया	Dancer	नाचवियाला
भट्टीयारा	Baker	बान नाँ
भिखारी	Beggar	बेकहारी
नाई	Barber	हकाम
मजदूर	Labourer	मजदूर
मजतर	Sweeper	मेहर
मोची	Shoe maker	मोची
मुटिया	Coolie	मुठिया
यहूदी	Jews	यहूदी
माली	Gardner	माली
मोदी	Grocer	मोदी
रसोइया	Cook man	दाउरजी
रंगरज	Dyer	रंगरज
राधा	King	राजा
रानी	Queen	रानी

OF OCCUPATION

વક્ત્રલા ।

ગુજરાતી ।

મરાઠી ।

જહવી

કીરનાજ

ગમલી

તેલી

ગાંધારી

મણ્ડરી

મગ્ગી

ઘાંધારી

માનાલ

દોલનાદ

વજદ

તડક

વટિધવાના

ભિંબ

તાપિત

તજુર

ચેપાટિદેવ, મેઠવ

ગુટિ

કારનાર

જેહરી

ગાંધી

ગુરો

વક્ત્રનારો

દ. કરે એ

કુખડી

રાણી

જવેરી

તિરનાજ

તથોલી

ધાંધી

પટાવાગી

પુનઝા પાધનાર

દરજી

દરનાન

દલાલ

દુકાનદાર

ધોળી

નૃત્યનાચક્રમાર

ભટ્ટીઆર

ભિંખારી

દળમ

મણુર

બુદ્ધાર, મેઠર

મેઠી

હેરરી મણુર

ચાકુદી

માળા

ગાંધી

રમોળી

રમરેજ, રગાં

રાગ

રાણી

જવાહરી

તિરનાજ

પાનવાલા

તેલી

ચપરાસી

જસદગાર

ગિળી

દરવાન

દાનાલ

દુકાનદાર

ધોળી, પરીદ

નાચનારા

માજણાચે કામ કરનારા

મિથારી

દાવો, નાપિત, જામ

મેહનતી

મંગી

મોંચી, ચામાર

હિલકર

ચ હુદ

માની, વાગવા

વાળી

ચયવાકી

રગારી

રાના, મુવાલ

રાણી

पक्षियोंका ।

हिन्दी ।	इंग्रेजी ।	उर्दू ।
अण्डा	Egg	انڈا
उड़ना	Flying	آزنا
उलू	Owl	ألو
कबूतर	Pigeon	کبوتر
काग	Crow	کٹوا
कोचरी	Stork	لق لقا
कोयल	Cuckoo	کوکیل
गरुड	Eagle	عقاب
गिध	Vulture	گدھه
घोंसला	Nest	گھوسلا
चमगौड़	Bat	چمگانر
बीच	Beak	چونچ
बील	Kite	چیل
चिड़िया	Bird, sparrow	چڑیا
डोडकाग	Raven	رافع دشتی
तीतर	Portridge	تیتر
पपैया	Swallow	انامل
पखर	Bird	پرندہ
पाख	Wings	نارو
पिजरा	Cage	پنجرہ
बभक	Goose	بطخ
बाज	Hawk	نار
बुलबुल	Nightingale	بلبل
सुरगा	Cock	مترعا
सुरगी	Hen	مترعی
मोर	Peacock	مور

BIRDS.

वङ्गना ।	गुजराती ।	मराठी ।
डिघ	धडु	अडे
डेडिग्राजाय	डेडुते	सडणे
पेठक	धु-ड	घुघड
पापडा	डधुतर	कधुतर
काव	डागडे	कावळा
वक	कणकुडडी	एक जातीचापक्षी
कोकिन	डायल	कोयल
गूँडाजातीय पक्षी	गडड	गरुड
शकुनी	गीध	गिधड
बासा	भाजा	घरटे, खोपा
बाड्ड	वागोज	पाकोळी
ढोँटे	माय	चवु
चिन	सभणी	बायटी, पतंग
छटेव	अड-री	चिडिया
राडकाव	रधुकागडे	डोँडाकावळा
टिटीव पक्षी	नेतर	तितर
छातक	अडली	चिमणी
पक्षी	पक्षी	पारपद, पक्षी
डागा, पक्षी	पाप	पक्ष
खाँठा	पाण्ड	पिंजरा
छ ग	दण	दण
शेन पक्षी	पान	सगाणा
शामा पक्षी	धुवधुन	वुनवुन
मोतंग	डुडो	कोम्बडा
मुतनी	डुडो	कोम्बडी
मग्न	मोत	मीर

अफिम सम्बन्धी

हिन्दी ।	इंग्रेजी ।	उर्दू ।
अगाडीका	Before	پہلے کا
अफिम	Opium	अपियुम
आसरे	About	قریب
आवरेज	Average	اوسط
आखर, अक	Figure	عدد
ईस्टाक	Stock	مستور - دھन
ऊचा	High	اولیّا
उपर	Above	اوپر
आठवा	Eighth	آہواں
कमती	Less	کم
करो	Do, make	کر
क्याकिया ?	What did ?	کیا کیا
खरीदना	Buy, purchase	خریدنا
खरीददार	Buyer	خریدار
खरीदकिया	Bought	خرید
खावो	Eat	کھاؤ
खाया	Ate	کھا
खिला	Fraud	کھल
ग्यारवा	Eleventh	گیارہواں
घबराताह	Fear	گھबरانا ہوں
घटाना	Declining	گھٹانا
चलानीवाना	Shipper	چلان والا
चीन	China	چین
चौकस	Certain	بیشک
चौथा	Fourth	چوتھا
छठा	Sixth	چھٹا

OF OPIUM

दगला ।

गुजराती ।

मराठी ।

पूर्व

आगणतु

पहिल्याचा

आकिम

अदीलु

अफु

आग्र.

आशरे

भोवताळी

गाटे

सरेरास

सरासरीने भरणे

अकर

आकडा

अक

मीन

नद्वे

भाडवल

उफ

उभ्यु

खच

उपन

उप

वर, वरती

अर्कम

आठमे

आठवा

का

ओधु

महान

कर

करो, करतु

करणे

दि करियाह

शु र्थु ?

कायकीने

जय करा

अरीपु

विकतघेणे

जय कडा

अरीना

विकतघेणार

जगत

अरीधु

विकतघेतलेना

शोधवा

आपु

खाणे

थडिगाडिन

आधु

खातला

प्रतापना

हगे

ठकवाजी, लबाडी

एकामना

अआरमे

अकरावा

डीत इग्रा

लय, भीपु

भय

पठन हय

धटतु, धटाडे

कमकरणे

काशजला

अशववावाणे

मलवतायरचटवीणे

चिनमना

थिन

चीना

निमन

नमी

निमनय

चतुर्थ

ओशे

चौथा

सष्टम

छडे

सहावा

अफिम सम्बन्धी

हिन्दी ।	इंग्रेजी ।	उर्दू - ।
जवाबदेना	Reply	جواب دینا
जनदी	Soon	جल्दी
जहाज	Ship	جہاز
ज्यादा	More	زیادہ
ठिकनही	Uncertain	کے ٹھیک
तमाम	All	تمام
तक	Till	تک
ताजा	Fresh	تازہ
तेज	High	گرم
तीसरा	Third	تیسرا
दहा	Average	دھڑ
दसवा	Tenth	دسواں
दुसरा	Second	دوسرا
दुतरका	Both, Dull and high	دو جانب
धारताह	Considering	خیال کرنا ہوں
नका	Profit	بفع
नवा	Ninth	نواں
नहीबना	Undone	نہ مل سکا
निशय	Certain	بیشک - ضرور
पहिला	First	اول
पांचवा	Fifth	پانچواں
पीछा बेचना	Resell	دوباره بیچنا
पीछा बेचा	Rosold	دوباره فروخت کیا
पेटी	Chest	پتی
राना	Old	پراانا
फरेब	Fraud	فرب

OF OPIUM

વજ્રલા ।	ગુજરાતી ।	મરાઠી ।
ઉઠવ	જાળદેવો	જત્તર દેળ
શીષ	ગુતજ	નવકર
જાશાજ	વહાણ	ગન્નવત
અધિક	વધારે	અધિક
અનિશ્ચિત	અસ્થિર	અનિશ્ચિત
મર્વ	અધુ	મર્વ
યે પર્ગાહ	જાયાસુધી	પાસેતો
નૂતન	નવુ	નવીન
ઉક્ત	અહીં, આરે	જવ
પૂતીય	ગીળે	તતીયા
પાંડ, મોટ	સરેરાશ	મધ્યમ, સરાસરીનેમરણે
મશમ	દગમે	દહાવા
શિટીય	ખીળે	દુસરા
હુતરફા તેજીગ મનિ	તેજ, ખરી	તેજખાળી મંદી
વિવેચના કરા અનુમાન કરા	ધારે છુ	મનાસખાળે
લાંઠ	દાખદો	નફા
તરવ	નરમે	નવવા
કર્મ નિષ્કર્મ થાં ઘણા	અધુર	ખાલેનાહી
અન્યાયિક	નિશ્ચય	નિરસદેહ
અંગ	પહેલુ	પહિલા
પનાવ	પાચમુ	પાચવા
પૂનરાગ્ર વિવ્રજ	ખી-વારવેચુ	પુન વિક્રી કરણે
પૂનરાગ્ર વિવ્રજ કવિગ્રાહિ	પાછાથી વેચાવેચુ	પુન વિક્રીખાલેચા
મિદૂર	પેટી	પેટી
પૂજાતન	જુગ	મ્હાતારા
વિધાપચાકરકા	જુગ્યાક	સવાટી ઠકવાળી

जवाहरातुका ।

हिन्दी ।

इंग्रजी

उर्दू ।

अंगुठी

Ring

چھٹا

कसीटी

Touch stone

کستورنی

किमती हीरा

Brilliant diamond

قیمتی هیرا

खान

Mine

کان

गोमेदज

Zircon

گنومیرک

चकमच पत्थर

Flint

چمک

जवाहर

Jewel

جواهر

तामड़ा

Garnet

تامرا

नीलम

Sapphire

نیلم

पत्थर

Pebble

سنگ

पद्मा

Emerald, ruby

پدما

पारा

Mercury

پارہ

पुखराज

Topaz

نکراج

प्रवाल

Coral

مورتکا

पिरोजा

Turquoise

نمورہ

मणि

Amethyst

مندی

मुगा

Coral

مورتکا

मोती

Pearl

گوهر

रत्न

Gem

رتن

लहशगिया

Beryle, Bestaye

لشديا

लाल

Ruby

لال

सोना

Gold

لد

अकिक

Agate

عقیق

हीरा

Diamond

هیرا

OF JEWELLER

वङ्गला ।	गुजराती ।	मराठी ।
अन्नदो	वाटी	आगठी
बर्फा अलत	कसोटी	कसोटी
उज्ज्वल शीतल	दुग्धो, दूध	हीरा
थनि	आधु	खाण
गोमेदक	गोमेदक	गोमेदक
चक्रगवि पाथर	चक्रम	चक्रमकीचा घोडा
मणि गुला	जवेशत	जवाहिर
रत्न वर्ग मणि	तामडा	तामडा
फिटोडा	निधम	नील
लुडि पाथर	पथर	दगड
पद्मवाग मूनि, लाल मूनि	पाथ	पद्मा
पाथर	पाथ	पारा
नाना रत्नमय मूनि	पोथरा	पुष्कराज
पला अवाग	परवाथ	प्रवाल
फिटोडा	पिरा	पेरुजा
वेणुगी रत्नमय मूनि	मणि	मणि
गु. गा	मुगा	सु गा
मोनि	मोती	मोती
मूला	रत्न	रत्न
लहरीगुला	लमणीये	लहरीनोया
लाल मूनि	लाव	लाल
सुवर्ण	सोनु	सोने
रत्न निशेस	अडीक	दिक
हीदक	हीरा	हिरा

FORM OF LETTERS

इंग्रेजी में प्रत्येक पत्र के छ विभाग होते हैं —

(१) पत्र लिखनेवाले का पता और पत्र लिखने की तारीख व मिति

(२) मान के साथ संबोधन ।

(३) पत्र का सार वा भावार्थ ।

(४) मान के साथ समाप्त करना ।

(५) हस्ताक्षर ।

(६) पत्र पानेवाले का नाम ठिकाना ।

(१) पत्र लिखने वाले का पता और तारीख पत्र के दाहिनी ओर के सिरे पर लिखना चाहिये मकान का नम्बर और ठिकाना पहिले पंक्ति में नगर का नाम दूसरी पंक्ति में लिखना चाहिये उसके उपरांत तारीख मिति या मास का दिन और मास का नाम और सन का नाम तीसरी पंक्ति में लिखना चाहिये । यदि ठिकाना छोटा हो तो दूसरी पंक्ति में नगर का नाम लिख कर इस प्रकार लिखना चाहिये Salakia, Howrah

परन्तु पुर्जा में नगर का नाम न लिखकर केवल इसी प्रकार लिखा जा सकता है — जैसे कि Monday, March 6th 1905 जिस लिखित तारीख (Late) में से Date चाहे जिस प्रकार से लिख सकते हैं 6th March 1905, March 6th 1905 or the 6th March 1905 or — 6 ' 03 or 6/30/5 यह सब रूप रूपांतर केवल व्यापार सम्बन्धि पत्र में लिखे जाते हैं और Dated the 6th March 1905 केवल सरकारी पत्रों में लिखा जाता है ।

पर याद रखना चाहिये कि व्यापार सम्बन्धि पत्रों में पत्र पानेवाले का नाम बाईं तरफ के सिरे पर लिखा जाता है । संबोधन शब्द के कुछ ऊपर ।

(२) मान के साथ संबोधन शब्दों का प्रयोग इंग्रेजी भाषा के पत्रों में पत्र प्रेषक और पत्र पानेवाले के मध्य में मित्रचारी पर निर्भर है जोकि पत्र के उद्देश्य और प्रवकाश के अनुसार अनेक प्रकार से लिखे जाते हैं ।

Sir अथवा Madam अनजान पिछ्छवाले आपममें लिखा करते हैं और सरकारी और व्यापार सम्बन्धी पत्रों में लिखा जाता है ।

“Sir” सदा प्रयोग में आता है किन्तु व्यापार सम्बन्धी पत्रों में “Sirs” के स्थान में Gentleman का प्रयुक्त होना अति उत्तम है ।

Dear Sir या Dear Madam का उस समय प्रयोग करना उचित है जब कि पत्र भेजनेवाले और पत्र पानेवाले दोनों में भलीप्रकार ज्ञान पहचान हो।

My Dear Sir अथवा My Dear Madam गाढ़े हेलमेल के अवकाश पर लिखा जाता है। यह रूप केवल गाढी मित्रवार्ता या माता पिता भाई बंधु या और और निकटस्थ स्नेही नातेदारों को लिखा जाता है, जैसे—My Dear God, My Dear Father

(३) पत्र के भावार्थ में यह ध्यान रखना चाहिये कि पत्र को भाषा भली प्रकार से सरल स्वभाविक और सुन्दर रीति में होना चाहिये और उस में किसी अन्य भाषा का वाक्य सजेन वा अनद्वार का होना निषेध है अतिशय अलंकारी कठिन गुठार्य अनावश्यक अमानित सब अनोपयोगी वाक्य, पुनर्लेख कोई अधिक वाक्य और समस्त व्याकरणिय खाट को एक मात्र प्रयोग से निकास देना चाहिये।

(४) सम्बोधन के समाप्ति के अनेक प्रभेद हैं

सरकारी पत्र में साधारण रीति यह है —

I have the honour to be
Sir
Your most obdt servant
Friend & co

} or I remain
Sir
Your most obdt servant
Friend & co

प्राणिज्य वा व्यापार सम्बन्धि रीति यह है —

We beg to remain
Gentleman
Your most obdt servant
Friend & co

} or Yours faithfully
Friend & co

जब कि Dear sir या Dear madam से सम्बोधन करते हैं तो Yours truly या yours obediently yours very sincerely, yours very truly, sincerely yours या yours sincerely का प्रयोग उस समय होता है कि जब my dear sir या madam से किसी पत्र को सम्बोधन करते हैं।

नातेदार को सम्बोधन कर पत्र लिखने में भेजने वाला साधारणतः अपना माता लिख मता है Your affectionate son, loving son कभी कबल yours affectionately भी लिखा जाता है

(५) हस्ताक्षर—स्पष्ट और सुडोल अक्षरों में होना चाहिये और बड़ी चतुराई से जोखना चाहिये कि कोई २ अक्षर कहीं २ पर छोटा और कहीं २ पर बड़ा न हो।

(६) पता—लिफाफे के बाहर और के किनारे से कुछ नीचे इटकर पहली पंक्ति में पत्रपाने वाले का नाम लिखना चाहिये । European लोगों को या उन लोगों की जिन का की रहन सहन European लोगों के ढग का है उनके नाम के पहले M (मिस्टर) अथवा उनके नाम के पश्चात् Esquire (इस्क्वायर = साहब) लिखना चाहिये किंतु दोनों को एक साथ प्रथम और पश्चात् प्रयोगमें लाना कदापि न चाहिये । और हिन्दू स्थानियों के नामों केवल "बाबू," शब्द उनके नाम के पहले प्रयुक्त हुआ करता है । University (युनिवर्सिटी) अर्थात् विश्वविद्यालय की उपाधि भी कभी २ नाम के पश्चात् लिखी जाती है । यदि किसी पत्र में 'Care of (साकेत)' किसी के लिखना हो तो उसको दूसरी पंक्ति में लिखना चाहिये । care of का संक्षेप रूप C/o है इसके पश्चात् नाम वा डाकघर का नाम लिखना चाहिये जिसमें कि पत्र का पानेवाला रहता है फिर उसके जेब में उसके लिने का नाम लिखना चाहिये ।

दुन्नावे और नीचे के रुकने और पुर्जे सदा अन्यम पुरुष Third person में लिखना चाहिये ।

POSTAL APPLICATIONS

To

The director General Post office of India

CALCUTTA

Sir,

We, the inhabitants of Chakia, in the District of Mirzapur submit our humble application for your kind Consideration —

The Village is not provided with a Post office and the nearest one is nearly at the Distance of 6 miles, consequently we get our letters once a week. The letters sent from this Village numbering about 200 every week, in the shape of state Revenue, and shop keepers bills, Parcels, money orders &c The average remittance of Money is about 700 in a week you should not surprise at the small number of articles sent herefrom, but we say to our entire satisfaction that the amount will considerably increase by the establishment of a post office

We are ready to erect a suitable building for or the post office and, on account of rent, we promise to charge nothing

Hoping to receive your early and favourable attention on the subject mentioned above

We have the honour to be

Sir,

Your most obdt servant

Village Chakia
District Mirzapur
Dated the 4th March 1905

(Names of some influential Villagers)

डाक घर सन्वन्धिक निवेदन पत्र ।

(डाक घरके स्थापन करने के लिये)

श्रीमान

डाइरेक्टर जेजरत महोदय चाव पोस्ट आफिसका चाव इण्डिया

कलकत्ता ।

मान्यवर महोदय,

हम लोग बकिधा ग्राम जिन्ना सिर्गापुरके निवासी मन्त्रालय पुर्यक निवेदन पत्र आपकी दयालु विचारके लिये आपकी सेवा में समर्पण करते हैं। हम ग्राममें कोई डाक घर नहीं है और जो डाक घर है भी वह लग भग खाली के अक्षर पर है जिस से हम लोग अपना पत्र सप्ताहमें एक बार पाते हैं। जो पत्र कि इस ग्राम से भेजे जाते हैं उन की सख्या प्रति सप्ताह दो सौ की होती है। सर्कारी, ग्रामदानी दुकानदारों के विला, मनिअर्डर आदि का साधारण चलान प्रति सप्ताह यहाँ से लग भग ७००) का होता है। यहाँ से चिट्ठीपत्री की जो छोटीसौ सख्या चलान की जाती है उस पर आपको आश्चर्य न करना चाहिये किन्तु हम निश्चय करके इस बात को प्रकाश करते हैं कि डाक घरके बग जानेपर यहाँ से रकम खूब अच्छी तरहसे बढ़ जाएगी।

हम लोग डाक घरके लिये एक भूकान बनवा देंगे और आप में प्रतिष्ठा करते हैं उसका भाड़ा नहीं लेने।

हम लोग आशा करते हैं कि आप कृपाकर उक्त विषय पर जोर ध्यान देंगे।

भवदीय

(छोड़ेसे सम्मानित ग्राम निवासियोंके नाम)

(TO OPEN AN ACCOUNT WITH SAVING BANK)

10

The post master, Bara Bazar post office,

Calcutta

Sir,

I have a mind to open an account with your Saving bank and for the same reason I send herewith Rs 150 (one hundred and fifty) only per bearer I request your favour to deposits the money properly As regards my identification I beg to enclose the certificates from P Manick Lal Joshi Deputy Collector and Lalla Bansidhar Tahsildar who personally know me for a long time

I Have &c

(सेविग बंक मे खाता खोलने की विनंती पत्र)

श्रीमान

पोस्ट मास्टर महोदय, बडावाक़ार छाकघर

कलकत्ता

मान्यवर महोदय ।

मैं आपकी सेविग बैंक में अपना खाता खोलना चाहता हूँ और इसी कारण मैं आपको सेवा में इस बाहक (बैरे) के साथ केवल १५० (डेढ़ सौ रुपये भेजता हूँ) भेरी यह प्रार्थना है कि आप कृपाकर इस रकम को मेरे नाम जमा करें और इस बाहक के साथ पासबुक भेज कर मुझे बाधित करें ।

भवदीय

(INFORMING LOSS OF A PASS BOOK)

To

The Post master,

JHANSI

Sir,

With an entire sorrow I beg to report that my S B pass book No 18539 has been lost I request that you will kindly stop payment on the same being until the Pass is Signed & I want to know how to get a Duplicate Copy of the Pass book .

I have & c

(पास बुकके खोजाने की सूचना)

श्रीमान

पोस्ट मास्टर महोदय,

भासी

मान्यवर महोदय,

अत्यन्त शोकके साथ मैं आपको सूचित करता हूँ कि मेरा पासबुक जिसका नं० १८५३९ था चोरी चला गया । मैं निवेदन करता हूँ कि भिवाय मेरे आप किसी को रुपये न चुकावें । मैं यह भी जानना चाहता हूँ कि उक्त पास बुक की दूसरी प्रति किस प्रकार से मिलेगी ।

भवदीय

COMPLAINING OF ERRORS IN CALCULATING INTERESTS IN SAVINGS BANK PASS BOOK

To

The Post Master General

BENGAL

Sir,

By means of calculation I have found out that Rs 200 is due to me on account of interests on the money deposited in the saving bank with account No 2604 but only Rs 180 have been credited to my account I request for the favour of your early attention for finding out the difference

I have &c

सेविंग बैंक की पासबुक में अशुद्ध व्याज फेलाने की रिपोर्ट ।

श्रीमान

पोस्टमास्टर जनरल महोदय

बेंगाल

मान्यवर महाराज,

हिसाब फेलाने से मालूम हुआ कि खाते नं० २६०४ के साथ जो रुपये जमा किये गए हैं, उनके व्याज के कारण मेरा २०० रुपये का पाठना होता है किन्तु मेरे नाम केवल १८० रुपये जमा किये हैं। आपकी सेवा में सविनय प्रार्थना करता हूँ कि आप कृपा कर इस ग़लती को शीघ्र ही ग़िकाने डालें।

COMPLAINT AGAINST POST MASTER FOR NON-PAYMENT ON A SUSPICION OF SIGNATURE

To

The Post master General

BENGAL

Sir

I regret to report that the post Master Dharmtollah has not paid Rs 20 to my bearer on account of the interests for the money deposited in S B account No 8842 I signed the form of withdrawal but on the pretext of incorrect signature refused payment and for the same I am put to a great trouble I accordingly, request you for the favour of an early order of the payment on examining the same.

I have &c

सही से शका पाए जाने के कारण रुपये चुकती न करने के लिये पोस्ट मास्टर की रिपोर्ट

बैंगल ।

मान्यवर महाशय ।

मैं आपकी सेवा में आपके सूचनाय निवेदन करता हूँ कि खाते न० ८८४२ में मेरे नाम की रुपये जमा हैं उनके ब्याज के २० रुपये मेरेवाइक के हाथ धर्मतखा के पोस्ट मास्टर ग्राहकने नहीं दिये । मैंने अधिकार पत्र पर अपनी सही कर दी थी परंतु प्रशुद्ध सही का बहाना करके उन्होंने रुपये चुकाने के लिये नहीं कर दी और इसी कारण मुझे बड़ी बिपता भोगनी पड़ी । इसी के अनुसार मैं आप से प्रार्थना करता हूँ कि आप कृपा कर उसकी परिचा करके रुपये चुकाने की उनको शीघ्र आणा दीजिये ।

आपका

FOR TRANSFERRING ACCOUNTS OF SAVING BANKS
To

The Post master, Bara Bazar Post Office

CALCUTTA

Sir,

As I am going to Lucknow to reside there for a long time I beg that you will kindly allow me to draw the balance of my Saving Bank accounts I sent the Pass book per bearer

I have &c

निवेदन पत्र सेविंग बैंक की हिसाबकी स्थानांतर
करने का निवेदन पत्र ।

मान्यवर महाशय ।

क्योंकि मैं लखनऊ को जानेवाला हूँ । मैं वहाँ बहुत दिन तक रहूँगा । इस लिये आपकी सेवामें निवेदन करता हूँ कि मुझे अपने नामकी रोकड़ बैंक का घर के सेविंग बैंक में भरपाई की परवानगी दे और यह पासबुक मैं आपकी सेवा में भेजता हूँ ।

भवदीय

AN ORDER FOR PAYMENT ON AN APPOINTED MAN'S SIGNATURE

To

The Post master, Sham Bazar " " CALCUTTA

Sir,

Pandit Pooran chand Trivedi is authorised to sign for me in future and draw Rs 50 from my accounts in your Post office savings bank A form to withdraw as signed by me is sent here with

I have &c.

किसी नियुक्त मनुष्य की सही करने का अधिकार देकर
रोकड की भरपाई के लिये निवेदन पत्र।

श्रीमान् पोस्टमास्टर

भारतवाजार—बलकत्ता

मान्यवर महोदय। पण्डित पुरनन्द त्रिवेदी का अधिकार दिया जाता है कि मेरे बदले में वह भविष्यत के लिये सही किया करे और मेरे नाम के ५० रुपये वसूल किया करे जो कि आपके डाक घरके सेविंग बक में जमा है। अधिकार पत्र पर सही कर दी है।

भवदीय

बुक पाकेट की खोजाने की रिपोर्ट।

To
The Post Master General

BENGAL

Sir,
I have been informed that a packet containing two books was sent to me by Brij Basi Lall Bookseller from Jhansi on sunday last as per in voice enclosed but I have not received the packet nor can be traced out I therefore request the favour of your, making an early inquiry in the matter

I have &c

मान्यवर महोदय।

मुझे को मालुम हुआ है कि दो पुस्तकों का एक पाकेट भासी की किताबघाने बजवासी जानने मेरे नाम रवाना किया था जिसका कि इनवाइस मदकर दिया है। पर वह पाकेट मुझे नहीं मिला और न उसका कोई पता लगता है। इस लिये निवेदन है कि कृपाकर शीघ्र उसकी तलाश करे।

भवदीय

बी० पी० पाकेट की खोजाने की रिपोर्ट।

To
The Post Master General

CALCUTTA

Sir,
I sent a value payable packet to Kedar Nath 19 Chandni Chauk Delhi about a month ago, but I have neither received the packet nor the equivalent money I accordingly request your favour either to restore me the packet or to equivalent money

I have &c.

मान्यवर महाशय !

एक महीना हुआ कि मैंने दिल्ली शहर चादनी चौक न० १८ के पते पर केदार नाथ के नाम एक बी० पी० पाकेट रवाना किया था। पर न तो मुझे वह पाकेट मिला और न उसका रुपया। इस लिये निवेदन है कि आप कृपाकर वह पाकेट या उसका रुपया दिला दें।

भवदीय

चिठी खोजाने की रिपोर्ट ।

To

The Post Master General

CALCUTTA

Sir,

On sunday last my son addressed a letter to me from Delhi but I have not received it nor any one else in my family I therefore request you to make an enquiry and restore the letter to me

I have &c

मान्यवर महाशय !

मेरे लड़के ने गत रविवार को मेरे नाम दिल्ली से एक पत्र भेजा था जो न तो वह पत्र मुझे मिला और न वह किसी घरके आदमी को मिला। कृपाकर उसकी तलाश करें और वह पत्र मुझे दिनावे

भवदीय

लेटरबक्स से प्रतिदिन चिठी न निकलनेकी रिपोर्ट ।

To

The Post Master General

CALCUTTA

Sir,

I have the honour to inform you that the letter box at the head of the Sonapatti is not regularly cleared It causes, consequently a great deal of trouble from the delay in despatching the letters of those men, who post their letters in it, I, therefore, request your favour to stop the irregularity

I have, &c

मान्यवर महाशय !

आपके सूचनार्थ मैं आप की सेवा में निवेदन करता हूँ कि सोनापट्टी के सिरे पर जो लेटरबक्स है उस में से चिट्ठियाँ प्रतिदिन नहीं निकाली जाती इस से चिट्ठियों की रवागरी में विलंब होने के कारण उन लोगों को बड़ी अड़चन होती है जो अपनी चिट्ठियाँ उस में छोड़ा करते हैं। इसी लिये मेरी प्रार्थना है कि आप इस कष्टको दूर करें।

भवदीय

किसि नातेदार को मनीआर्डर पर सही करनेका अधिकार
देने के लिये निवेदन पत्र ।

To

The Post Master General

GWALIOR STATE

Sir,

I have the honour to request the favour of your kindly advising the post man to deliver money orders addressed to me, to my son who will sign for me for, their redirection from place to place causes sometimes a great delay and difficulty

I have &c

मान्यवर महाशय ।

मैं आपकी सेवा में मविनय प्रार्थना करता हूँ कि आप कृपा कर डाकिये को सूचित कर दें कि वह मेरे नाम के मनीआर्डर मेरे पुत्रके हाथ सौंप दिया करें जो कि मेरे बदले सही कर दिया करेगा, क्योंकि उनके सरनामे में बार २ खान २ से बदल हो जाने के कारण कभी २ यही बिलब हो जाती है और बड़ा कष्ट उठाना पड़ता है ।

भवदीय

(मनीआर्डरकी तलाश)

To

The Post Master

ARRAH

Sir,

I despatched a money order No 2145 for Rs, 10 only from the above Post Office on Monday last, but no receipt is acknowledged as yet I therefore, ask you to kindly find out the cause and let me know

I have, &c

मान्यवरमहाशय ।

मैंने सहा डाकघर से गत रविवार को केवल १० रुपये का मनीआर्डर नं० २१४५ भेजा था पर उसकी रसीद अभीतक न मिली । सेवा में निवेदन करता हूँ कि आप कृपा कर इसकी जाच करके मुझे सूचित करें ।

भवदीय

मान्यवर महाशय ।

एक महिला हुआ कि मैंने दिल्ली शहर चाटनी चौक न० १८ के पते पर
केदार नाथ के नाम एक बी० पी० पाकेट रवाना किया था । पर न तो मुझे
वह पाकेट मिला और न उसका रुपया । इस लिये निवेदन है कि आप कृपाकर
वह पाकेट या उसका रुपया दिना दें ।

भवदीय

चिठी खोजाने की रिपोर्ट ।

To

The Post Master General

CALCUTTA

Sir,

On sunday last my son addressed a letter to me from Delhi but
I have not received it nor any one else in my family I therefore
request you to make an enquiry and restore the letter to me

I have &c

मान्यवर महाशय ।

मेरे लड़के ने गत रविवार को मेरे नाम दिल्ली से एक पत्र भेजा था जो न तो
वह पत्र मुझे मिला और न वह किसी घरकी चादमी को मिला । कृपाकर उसकी
तलाश करें और वह पत्र मुझे दिनावे

भवदीय

लेटरबक्स से प्रतिदिन चिठी न निकलनेकी रिपोर्ट ।

To

The Post Master General

CALCUTTA

Sir,

I have the honour to inform you that the letter box at
the head of the Sonapatti is not regularly cleared It causes,
consequently a great deal of trouble from the delay in despatching
the letters of those men, who post their letters in it, I, therefore,
request your favour to stop the irregularity

I have, &c

मान्यवर महाशय ।

आपके सूचनार्थ मैं आप की सेवा में निवेदन करता हूँ कि
सोनापट्टी के सिरे पर जो लेटरबक्स है उस में से, चिट्ठियाँ प्रतिदिन नहीं निकाली
जाती इस से चिट्ठियों को रवानगी में विलंब होने के कारण उन लोगों को बड़ी
बुझभुन होती है जो अपनी चिट्ठियाँ उस में छोड़ा करते हैं । इसी लिये मेरी
प्राथना है कि आप इस कष्टको दूर करें ।

भवदीय

किसि नातेदार को मनीषार्डर पर सही करनेका अधिकार
देने के लिये निवेदन पत्र ।

To

The Post Master General

GWALIOR STATE

Sir,

I have the honour to request the favour of your kindly advising the post man to deliver money orders addressed to me, to my son who will sign for me for, their redirection from place to place causes sometimes a great delay and difficulty

I have &c

मान्यवर महाशय !

मैं आपकी सेवा में सविनय प्रार्थना करता हूँ कि आप कृपा कर डाकिये को सूचित कर दें कि वह मेरे नाम के मनीषार्डर मेरे पुत्रके हाथ सौंप दिया करें जो कि मेरे बदले सही कर दिया करेगा, क्योंकि कि उनके सरनामे में बार २ स्थान २ से बदल हो जाने के कारण कभी २ बड़ी बिलब हो जाती है और बड़ा कष्ट उठाना पड़ता है ।

भवदीय

(मनीषार्डरकी तलाश)

To

The Post Master

ARRAH

Sir,

I despatched a money order No 2145 for Rs, 10 only from the above Post Office on Monday last, but no receipt is acknowledged as yet I, therefore, ask you to kindly find out the cause and let me know

I have, &c

मान्यवरमहाशय !

मैंने उक्त डाकघर से गत रविवार को केवल १० रुपये का मनीषार्डर न० २१४५ भेजा था पर उसकी रसीद अभीतक न मिली । सेवा में निवेदन करता हूँ कि आप कृपा कर इसकी जाच करके मुझे सूचित करें ।

भवदीय

मनी आर्डर न मिलने की रिपोर्ट ।

To

The Post Master General

CALCUTTA

Sir,

My son from Karachi sent a money order to me in my address No 5 instead of No.6 Tara Chand Dutt's Street It appears that the money order is Missing Will you be kind enough to make a suching enquiry about the same and oblige

I have &c

मान्यवर महशय !

मेरे पुत्र ने कराची से मनी आर्डर द्वारा २५) रुपैया भेजा है पर ताराचंद दत्त स्ट्रीट न० ६ के बदले न० ५ का ठिकाना दिया है। इस से भालुम होता है कि मनीआर्डर भारा गया। क्या आप 'कंपापूर्वक' उसका पता लगा कर मुझे बावित करेगे।

भवदीय

जिस दिन रुपया जमा करने के लिये दिया जाए उसी दिन जमा न करके किसी और आनिवाली तारीख में जमा करने के कारण :-

पोस्ट मास्टरकी रिपोर्ट

To

The Post Master General

BENGAL

Sir,

I beg to report that I deposited Rs 100 to my account No 6492 on the first instant, but it is clear from the Pass book that the amount was deposited on the 6th. Thus in the account of my interest I sustain a loss For the proof of which, the receipt is attached herewith I accordingly request your favour for the payment of my credit on account of the deposit from the first instant

I have &c

मान्यवर महाशय !

मैं आपकी सूचनाएँ आपकी सेवामें निवेदन करता हूँ कि मैंने अपने नाम खाते न० ६४८२ में इस मासकी पहली तारीख के दिन १००) जमा किये थे परन्तु खाते से अष्ट भ्रगट होता है कि वह रकम ८ तारीख के दिन जमा की गई थी। इस हिसाब से मेरे व्याज में टोटा पड़ता है। जिसकी परिधा के लिये मैं उस की रसोद इसी के साथ आप की सेवामें भेजना हूँ। इसी के अनुसार आप से मेरी प्रार्थना है कि आप कृपा कर वह रकम पहली तारीख से मेरे नाम जमा करके मेरा रुपया मुझको चुका दें।

भवदीय

हाकब्यय घटाने के लिये

निवेदन पत्र ।

To

The Post Master General

CALCUTTA

Sir,

I have started a newspaper below five tohs in weight, the circulation of which is 10000 per week I request the favour of your kindly granting me the privilege of paying half postage rates for all the future issues

I have &c

मान्यवर महाशय !

मैंने एक समाचार पत्र निकाला है जो कि तीस में पाँच तोले से कम है और जिस की १०००० प्रतियों का वितरण (वॉट) प्रति सप्ताह दिया करता है। इस लिये मेरी आप से भविष्य प्रार्थना है कि आप मुझ पर कृपा कर इसके भविष्य की समस्त प्रतियों के लिये हाकब्यय का दर आधा कर दें।

भवदीय

डाकमहसूल के लिये उचुर करना।

To

The Post Master General

BENGAL

Sir

I beg to inform you that the packet returned is under 5 tolahs while one anna the postage due is charged by your officials I shall feel highly obliged by your kindly cancelling the excess due, and ordering the immediate delivery of the packet.

I have &c

मान्यवर महाराज ।

वेदामें निवेदन है कि यह पाकेट जो कि सौटकर आया है पाँच तोली से कम है और आपके कर्मचारियों ने इस पर महसूल एक आना लगाया है। इस लिये वेदामें मेरी प्रार्थना है कि आप कृपाकर जो कुछ महसूल अधिक लगा है उसे खारिज कर दें और पाकेट के जल्दी पहुँचने की आज्ञा देकर मुझे बाधित करें।

देरी से पत्रादि के मिलने की रिपोर्ट ।

भवदीय

To

The Post Master general

BENGAL

Sir,

The post marks on the cover enclosed show that the letter which was posted at Benares on the 10th Instant was due here on the 11th but owing to the carelessness of some of your officials, it was wrongly directed to chowringhee post office where it was detained for one day. The delay placed me under a great deal of trouble. I request your favour to take the proper steps to remedy the irregularity in future.

I have &c

मान्यवर महाराज ।

बंद किया हुआ लिफाफा जो कि मैं आपकी वेदा में भेजता हूँ उसकी मोहर से प्रगट होता है कि जो पत्र इसमें दस तारीख के दिन बनारस से भेजा गया था उसकी यहाँ पर ११ तारीख के दिन पहुँचना था पर आपकी किसी कर्मचारी ने अपनी गसावधानी के कारण उसको भूल से चौरघी के डाकघर में रवाना कर दिया जिस से कि वह मेरे पास उस दिन पहुँच न सका। इस देरी के कारण मुझको बड़ी विषता भोगनी पड़ी। मेरी प्रार्थना है कि आप कृपा कर भविष्य के लिये इसका उचित प्रबंध करें।

भवदीय

पोस्टमास्टर की रिपोर्ट ।

To

The Post Master General

ALLAHABAD

Sir,

Babu Bankey Bohari Lall, the present post master of Etawah post office is leading himself in a very rude and rough manner. In complaining against him, we beg to observe, that he employs the peon for his private works. There is always a great delay in the payment of money orders. These are the irregularities on his part, which led many of us to draw out our savings bank deposits. We pray, therefore, that an order may be issued for his removal.

I have &c

मान्यवर महाराज !

आपू आपके विहार के नाम को अभी एटावा डाकघर के पोस्ट मास्टर हैं वह बहुत बुराई और जल्दी जान पड़ते हैं। उनकी रिपोर्ट करते समय हम लोग आपकी सेवा में निवेदन करते हैं कि आप इस पर विचार करिये कि वह अपराधी से अपना घर काम लिया करते हैं और मनीआर्डर को भेदाई में हरटम बड़ी देर हुआ करती है। उनकी ऐसी चाल चलने के कारण हम लोगों में से बहुतों ने सेविङ बक से अपने जमा किये हुए रुपये सौटा लेने के लिये सोच विचार कर चुके हैं। इस लिये आपकी सेवा में हम लोगों को प्रार्थना है कि आपा कर उनको इस डाकघर से हटा कर दें।

भवदीय

(पता बदलने के लिये निवेदन पत्र)

To

The Post Master

Bara Bazar—Calcutta

Sir,

As I shall change my residence on the first Proximo from 5 Tara-chand Dutt's to 21 Dhakuria Road, I request you to redirect all the letters &c to my new address

I have, &c

मान्यवर महाराज !

सेवा में निवेदन है कि मैं अबकी पहली तारीख से नं० ५ ताराचंद दत्त स्ट्रीट छोड़कर २४ नम्बर डाकुरिया रोड जाकर रहूँगा इस लिये उस तारीख से मेरे नामके पत्रादि उसी ठिकाने पर पहुँचाने।

भवदीय

तार सवन्धिक पत्र व्यवहार ।

टेलीग्राफ आफिस खुलनेके लिए
निवेदन पत्र ।

To

The Director General

Government Telegraph Deptt

Calcutta

Sir,

We most humbly and respectfully beg to inform you that the public of this locality finds a great difficulty in the Telegraphic Communication. There is a great want of a Telegraphic branch office owing to the place being the centre of business. We therefore request the favour of your kindly opening the said branch for the convenience of the public.

Name of the Village
Name of the District
Full Date _____

We have the honour to be
Sir

Your most sers
(The names of respectable persons)

मान्यवर महाराज !

हम लोग बड़े मान आदर में आपकी सेवा में आपकी सूचित करनेके लिये निवेदन करते हैं कि हमारी यहा के सर्व साधारण को तार संचार के पाने और भेजने में बड़ी बाधा हुआ करती है। यहा पर टेलिग्राफ आफिस की शाखा के खुलने की बड़ी आवश्यकता है। इस लिये आपकी सेवा में हम लोग निवेदन करते हैं कि आप कृपाकर सर्व साधारण के सुभीते के लिये उक्त शाखा के खोलने की दिया करे।

नाम ग्राम

नाम जिला

पूरी तारीख

भवदीय

आज्ञाकारी सेवक

(कुहरईमों के नाम)

अधिक महसूल की रिपोर्ट ।

To

The Superintendent

Government Telegraph office

Check Department

Calcutta

Sir

I have the honour to inform you that the booking clerk of Bara Bazar telegraph office charged for my telegram as 12 instead of as 8 to the rule, for the proof of which I submit a copy and receipt of the telegram I request therefore to refund me as 4 and instruct the booking clerk to be very full care in future

59 Cotton St

Calcutta

The 4th April 1905

I have the honour to be

Sir

मान्यवर महाराज ।

मैं आपको सूचित करने के लिये आपकी सेवा में निवेदन करता हूँ कि बड़ी बाजार आफिस के बुकिङ्ग क्लर्क ने मेरे तारका महसूल पाठ पाने के बदले बारह पाने लेलिये । इसके सबूत के लिये मैं आपकी सेवा में उक्त तार समाचार की प्रति और उक्त रसीद भेजता हूँ । इसलिये निवेदन है कि मेरे ८ बार पाने फिरती किये जावें और उक्त बुकिङ्ग क्लर्क को आगेसे सावधान होने के लिये सूचित करें ।

भवदीय

खारिज (कैसिल तारका महसूल वापिस लेने के लिये विनयपत्र) ।

To

The Superintendent

Government Telegraph office's

Check Department

Calcutta

Sir

I have the honour to ask you for the refund of a telegram, already cancelled on the last monday the 13th Instant and the receipt of which is attached herewith

Awaiting for the favour of an early attention

I have &c

मान्यवर महाशय ।

बड़ा बाज़ारके तार घरके बाबू जो हाल में बाबू रामनाथ सुकर जी है उनकी चाम चमन बहुत खराब है, यह तारकी जिम्माई और जफदी र चन्ना करारकी फीम दीहातियों और अनाइतियों से मांगा करते है। ऐसे घेलेके लिये भागडा भी किया करते है, हम कारवार के चमने से लोग तार घरसे फायदा नहीं उठाने पावे से। इस लिये आपकी सेवा में हम लोगो की प्रार्थना है कि आप जवा कर इसकी जाच और उचित प्रबन्ध करें।

भवदीय

फुटकर दरखास्त ।

पुलिस ।

To

The Commissioner of Police

Calcutta

Sir,

I most humbly and respectfully beg to invite your attention to the sad neglect of duty on the part of the constable, posted in our quarter No 4, ward No VIII Last night he was not found at his post nor on his rounds and the result was that a large number of thieves whom we could not get over in the dark, committed burglary and made away with a large sum of money and ornaments to the value of 2000 in all Such a neglect of duty on the part of the constable is one of the hundreds of cases, and on account of which a great loss is sustained by me and others

Praying for the prompt action to be taken and to warn the constable to be more careful in future

I have &c

मान्यवर महाशय ।

मैं बड़े मन्त्रता के साथ आपकी सेवा में सर्विन्य निवेदन करता हूँ कि जो सिपाही कि हमारे इला के न० ४ व वलका न० ८ में नियत किया गया है वह अपने काममें बड़ी बेपरवाही किया करता है। गत रात्रिकी रातों वह अपनी चौकी पर था और न गस्त पहर पर पाया गया और फल यह हुआ कि बहुतसे चोरों ने आकर सध जगाई और बहुत सा रुपया पैसा ले देकर चलतू बने जिनको कि हम अंधरे में पकड़ न सके २ सध मिलाकर २००० रुपये की चोरी हो गई। बेपरवाही के सकेडों मामलों में से हम सिपाही की यह एक बे परवाही है और इसके कारण चोरों की और सुभी बड़ा नुकसान पहुँचा है।

उचित प्रबन्ध किये जाने और उस सिपाही को चागे से अधिक सावधान करने के लिये आपकी सेवा में निवेदन करता हूँ।

भवदीय

(किसी को डूब जाने की रिपोर्ट)

To

The Officer in charge of

Kalbhaira Thana

Benares

Sir,

The deadbody of a boy aged nine, the son of Babu Gopi Nath Agarwal a resident of this locality has been found floating in the tank of Company's Bagh within the jurisdiction of the Kalbhaira Thana kindly send soon an officer for a local enquiry

Date _____

Address _____

Yours faithfully,

मान्यवर महाराज !

काल भैरों के थाने की ज़म्सदारी के दरमियाँ बघनी बाग के तालाब में इस इलाके के रहस बाबू गोपी नाथ अग्रवाल के नौ वर्ष के लड़के की लाश तैरती हुई दिखाई दी है। कृपाकर इस की जाच के लिये एक अफसर जल्दी से भेज दीजियेगा।

भवदीय

(बालक खोजाने की टुट)

To

The Inspector

Kolutola Thana

Calcutta

Sir,

With a great anxiety I beg to request the favour of your assistance in finding out a boy of six who is missing since this evening, he was along the Road to the Pathshala as usual but did not re-

मान्यवर महाराज ।

बड़ा बाजारके तार घरके बाबू जो हाल में बाबू रामनाथ सुकर जी है उनकी चान चनन बहुत खराब है, वह तारकी निखाई और जस्दी २ चकान कराईकी फीस दीहातियो और अमाहियों से मांगा करते है। ऐसे घेलेके लिये भगडा भी किया करते हैं, इस कारवार के चलने से लोग तार घरसे फायदा नहीं उठाने पावेगे। इस भिये आपकी सेवा में हम लोगो की प्रार्थना है कि आप कृपा कर इसकी जाच और उचित प्रबन्ध करें।

फुटकर दरखास्त ।

पुलिस ।

To

The Commissioner of Police

Calcutta

Sir,

I most humbly and respectfully beg to invite your attention to the sad neglect of duty on the part of the constable, posted in our quarter No 4, ward No VIII Last night he was not found at his post nor on his rounds and the result was that a large number of thieves whom we could not get over in the dark, committed burglary and made away with a large sum of money and ornaments to the value of 2000 in all Such a neglect of duty on the part of the constable is one of the hundreds of cases, and on account of which a great loss is sustained by me and others

Praying for the prompt action to be taken and to warn the constable to be more careful in future

I have &c

मान्यवर महाराज ।

मैं बड़े नम्रता के साथ आपकी सेवा में सर्विस निवेदन करता हूँ कि जो सिपाही कि हमारे इलाके नं० ४ व वार्ड नं० ८ में नियत किया गया है वह अपने काममें बड़ी बेपरवाही किया करता है। गत रातकी नती वरु अपने चौकी पर था और न गस्त पहर पर पाया गया और फल यह हुआ कि बहुत से चोरों ने आकर संध लगाई और बहुत सा रुपया पैसा ले देकर चला गे जिनको कि हम अंधेरे में पकड़ न सके ७ सव भिनाकर २००० रुपये को चोरी हो गई। बेपरवाहीके मिकडो मामलों में से इस सिपाही को यह एक बे परवाही है और इसके कारण चोरों को और सुझे सदा सुकसास प्रहृ वा है।

उचित प्रबन्ध किये जाने और उस सिपाही को आगे से अधिक सावधान करने के लिये आपकी सेवा में निवेदन करता हूँ।

भवदीय

(किमी के डूब जाने की रिपोर्ट)

To

The Officer in charge of

Kalbhaira Thana

Benares

Sir,

The deadbody of a boy aged nine, the son of Babu Gopi Nath Agarwal a resident of this locality has been found floating in the tank of Company's Bugh within the jurisdiction of the Kalbhaira Thana kindly send soon an officer for a local enquiry

Date_____

Address_____

Yours faithfully-

मान्यवर महोदय !

काल भैरों के थाने की प्रमत्त दारी के दरमियाग यहाँ बाग में तानाव में इस इलाके के रहस बाबू गोपी नाथ अग्रवाल की नौ वर्ष की लड़की की हाग तैरती हुई दिखाई दी है। कृपाकर इस की जाच के लिये एक अफसर जल्दी से भेज दीजियेगा।

भवदीय

(बालक खोजाने की दृढ)

To

The Inspector

Kolutoja Thana

Calcutta

Sir,

With a great anxiety I beg to request the favour of your assistance in finding out a boy of six, who is missing since this evening, he was along the Road to the Pathshala as usual but did not re-

मान्यवर महाशय ।

बड़ा बाज़ारके तार घरके बाबू जो हाल में बाबू रामनाथ मुकर जी है उनकी चाल चलन बहुत खराब है, वह तारकी लिखाई और जल्दी २ चलाय करवाई की फीम दीहानियों और अमाहियों से मागा करते है। ऐसे घेलेके लिये भगडा भी किया करते हैं, इस कारवार के चलने से लोग तार घरसे फायदा नही उठाने पावेगे। इस लिये आपको सेवा में हम लोगो की प्रार्थना है कि आप कृपा कर इसकी जाच और उचित प्रवन्ध करें।

भवदीय

फुटकर दरखास्त ।

पुनिम ।

To

The Commissioner of Police

Calcutta

Sir,

I most humbly and respectfully beg to invite your attention to the sad neglect of duty on the part of the constable, posted in our quarter No 4, ward No VIII Last night he was not found at his post nor on his rounds and the result was that a large number of thieves whom we could not get over in the dark, committed burglary and made away with a large sum of money and ornaments, to the value of 2000 in all Such a neglect of duty on the part of the constable is one of the hundreds of cases, and on account of which a great loss is sustained by me and others

Praying for the prompt action to be taken and to warn the constable to be more careful in future

I have &c

मान्यवर महाशय ।

मैं बड़े गम्भता के साथ आपकी सेवा में सर्विनय निवेदन करता हूँ कि जो सिपाही कि हमारे इला के न० ४ व वलका न० ८ में नियत किया गया है वह अपने काममें बड़ी बेपरवाही किया करता है। गत रात्रिको नतो वह अपनी चौकी पर था और न गस्त पहर पर पाया गया और फल यह हुआ कि बहुतसे चोरों ने आकर संध लगाई और बहुत सा रुपया पैसा ले देकर चलनू अने जिनको कि हम अंधेरे में पकड़ न सके, सब मिनाकर २००० रुपये की चोरी होगई। बेपरवाहीके सैकड़ों मामलों में से इस सिपाही को यह एक बे परवाही है और इसके कारण चोरोंको और सुभे बड़ा उत्साह मिल रहा है।

उचित प्रवध किसे जानी और उस सिपाही को भागे से अधिक सावधान करने के लिये आपकी सेवामें निवेदन करता हूँ।

भवदीय

मान्यवर महाशय !

आज दो पहर के समय जब कि मैं आफिस चला गया तो मेरी माकी मालुम हुआ कि उसके सोनेकी चुड़िया और चार नग हीरे की घांठी नहीं मिलती, जोकि उसने अपनी सोनेके घरमें चलमारी के दरवाजे में रखी थी। चलन में मेरी शंका घरकी दाईं ओर रसोइये पर है क्योंकि माकी चादमी जमान खाने तक नहीं पहुँच सक्ता। छपाकर आप इसकी जख्मी जाँच करें। मुझ पर आपका बड़ा जस होगा।

भवदीय

स्वास्थ्य सधधिक ।

To

The Resident Medical Officer, Memorial Hospital

Su,

As I have been suffering from liver complaints for a long time it has become absolutely necessary for me to be admitted into a hospital so that a sufficient Medical aid and attendance of a nurse may be available for myself

I Therefore, request the favour of your kindly providing me a separate room in your Hospital and quote the charges for the same

I remain &c.

मान्यवर महाशय !

ने बहुत दिनों से घट रोग में काट सठा रहा हूँ इसलिये मुझे किसी अस्पताल में रहने की वही जरूरत है, क्योंकि वहाँ पर मेरे रोग का उपाय और मेरी टहल सेवा अच्छी तरह पर होगी। इसलिये आप अपने अस्पताल में मेरे चलन रहने के लिये एक कमरा दे और इस विषय में उसकी फीस मुझको बतला दे।

ना _____

पता _____

}

भवदीय

turn since then He had full dress on him with a slate and the primary books in his arm He had also a gold Chain round his neck He is of fair complexion with a mole on his nose, about ft. 4 in height more over his foto is submitted herewith

I remain &c

मान्यवर महाशय ।

मैं यहाँ सोच विचार में पड़कर आपकी सेवा में निवेदन करता हूँ कि आप लपाकर मुझ को छ वर्ष के लड़के के ठूँने की सहायता दे जोकि आज से नायब है। वह प्रतिदिन पाठगाना जाया करता था, सन्ध्या समय से, अभी तक लौटा नहीं। वह कपड़े लत्ते पहने हुये था, बगलमें उसके सिलेट और किताब थी और उसके गलेमें सोनेकी सिकली पड़ी हुई थी। उसका रंग गीरा है, नाक पर उसके तिल है और वह कदमें ५ फुट लम्बा है। इसके सिवाय उसकी फोटो मैं आपकी सेवा में भेजता हूँ।

भवदीय

(गङ्गे के घोरों की रिपोर्ट)-

To

The Superintendent of

Canning Street Thana

Calcutta

Sir

To day at midday, when I was at office My mother became aware that her gold bangles and four rings of diamond, which she had kept in a drawer of the shelf at her bedroom, were found missing My suspicion naturally falls upon the maid servant, the servant and the cook, for, it is not possible for an outsider to get into the zenana

I shall be highly obliged for the favour of your kind order for an early enquiry.

I have &c

मान्यवर महाशय !

आज दो पहर के समय जब कि मैं आफिस चला गया तो मेरी माँको मालूम हुआ कि उसके सोनेकी छूडियाँ और चार नग छीरे की चूड़ी नहीं मिलती, जोकि उसने अपने सोनेके घरमें बलमारी के दरवाज़ में रखी थी। उसल में मेरी शका घरकी दाई नौकर और रसोइये पर है क्योंकि माएकी चादमी ज़मान खाने तक नहीं पहुँच सक्ता। छपाकर भाप इसकी ज़रदोसे जाँच करें। सुभ पर आपका बड़ा जस होगा।

भवदीय

स्वास्थ्य संधिक ।

To

The Resident Medical Officer, Memorial Hospital

Sir,

As I have been suffering from liver complaints for a long time it has become absolutely necessary for me to be admitted into a hospital so that a sufficient Medical aid and attendance of a nurse may be available for myself

I Therefore, request the favour of your kindly providing me a separate room in your Hospital and quote the charges for the same

I remain &c.

मान्यवर महाशय !

मे बहुत दिनों से छूट रोग से कट उठा रहा हूँ इसलिये मुझे किनी चमत्ताक में रहने की बड़ी ज़रूरत है, क्योंकि वहा पर मेरे रोग का उपाय और मेरी टहन सेवा अच्छी तरह पर होगी। इसलिये आप अपने अस्पताल में मेरे अलग रहने के लिये एक कमरा दें और इस विषय में उसकी फीस मुझको बतला दें।

सा _____

पता _____

}

भवदीय

पथ्यकी रिपोर्ट ।

To
The Resident Medical Officer

HOSPITAL

Sir,

I was ordered to take sago, milk and pomogranate for my diet by Dr Watson, the surgeon but I am sorry to report that the diet mentioned above was not allowed to me

I, therefore, request your favour to direct the nurse to carry out the orders of the surgeon

The ——— Hospital

I remain,

Date in full ———

Your most obdt Servt

मान्यवर महाराज ।

डाक्टर वाटसन साहब ने मेरे पथ्यके लिये दूध, सागू और अनारकी आद्या दी है जो कि इस अस्पताल के सर्जन हैं । परंतु मैं बड़े खेद के साथ प्रकाश करता हूँ कि उक्त पथ्य मुझको न मिला ।

इस लिये आपकी सेवा में निवेदन है कि आप कृपाकर हम बीमार दार को आद्या दें कि जिस में यह सर्जन साहब की आद्या को पालन करे ।

भवदीय

किसी नातेदारकी लाश मांगने के लिये दरखास्त ।

To

The Resident Medical Officer

Of the ——— HOSPITAL

Sir,

I am informed that Debi Sahai an indoor patient No 21 ward No 8 died last night As I am his brother in relation I ask your dermission to kind remove his deadbody from the Hospital to

enable me to perform the last ceremony according to our custom

Date _____

Address _____

I have the honour to be

Yours most Obedt Servant

मान्यवर महोदय !

मुझे मालूम हुआ है कि आपके अस्पताल में वार्ड नं० ८ का रोगी नं० २४ जिसका नाम देवीसहाय था वह कल रात को मर गया। क्योंकि मैं उसका नाते में भाग लगता हूँ इस लिये मैं आपकी परवानगी चाहता हूँ कि आप कृपा कर उसकी लाश मुझे अस्पताल से निकाल लेने दें कि जिस से मैं उसको अन्तिम क्रिया करने अपने काम काण्डके अनुसार कर सकूँ।

परिच्छाके लिये किसी नातेदारकी लाशकी न काटे

जाने की दरखास्त।

To

The Superintendent

HOSPITAL.

Sir,

I have come to know that my mother died last night in ward No 4 of your Hospital As we belong to the caste of a high class Brahman and as her parents, husband and children are still alive it would be a great sin to our caste to see her deadbody subject to a Post Mortem Examination.

Most humbly, therefore I pray that you may be kind enough to permit me to take away the deadbody and perform our sacred ceremony.

Yours &c

मान्यवर महोदय !

मुझे मालूम हुआ है कि मेरी माँ आपके अस्पताल के वार्ड नं० ४ में कल रात को मर गई। क्योंकि मैं उस जातिका ब्राह्मण हूँ और उसका माता पिता, स्त्रियों

और लड़के वाले अभी जीवित हैं, इस लिये परिचा के कारण उसकी कटी छटी लाश का देखना मेरी जात विरादरी के लिये बड़ा भारी पाप है ।

इस लिये अति मन्त्रता पूर्वक आपकी सेवा में सविनय निवेदन करता हूँ कि आप कृपा कर उसकी लाशके छठा ले जाने और शुद्ध रीति से उसकी क्रिया कर्म करनेके लिये मुझे परवानगी दें ।

भवदीय

एलेट्रिक् ट्रामवे कम्पनी लिमिटेड कलकत्ता के सम्बन्ध में पत्र

व्यवहार

हवड़ा से सियालदह तक एक लैन खुलने की درخواست ।

To

The Superintendent

Electric Tramway Company Limited

CALCUTTA

Sir,

We the inhabitants of Harrison Road and Bara Bazar most humbly and respectfully beg to inform you that the passengers between Howrah and Sealdah stations suffer a great loss on account of the carriage hire in arriving their proper destinations.

If for the interest of the public a line be opened between the important stations on the Harrison Road, we venture to say to your entire satisfaction, that a great source of income for the company may be had

We have, &c

मान्यवर महोदय !

हम लोग हरिसन रोड और बड़ी बाजार के रहवासी आपको सूचित करनेके लिये आपकी सेवा में सविनय निवेदन करते हैं कि हवड़ा और सियालदह स्टेशनों के मध्यके यात्रियोंकी अपने लोक २ स्थान पर पहुँचने में गाड़ी भाड के कारण बहुत हानि उठानी पड़ती है ।

यदि सर्व माधारण की भुझाई समझ कर उन प्रसिद्ध स्टेशनों के मध्य में हरिसन रोड की सड़क पर एक लैन निकाल दी जाए तो हम साइस पूर्वक चापकी सपूर्ण रीति से विश्वास देकर कहते हैं कि हम से कंपनी को बड़ा भारी लाभ होगा ।

भवदीय

(रिजर्व्ड् गाडी न मिलने की शिकायत)

To

The Station Master, Allahabad E I, Ry

Sir,

I beg to request with great respect that on the 12th instant, I duly deposited the fee for two reserved carriages to be attached to the Punjab mail running from Allahabad to Patna But, to the surprise of all the party concerned, the reserved carriages were not provided and no one had given attention to my enquiry I beg to refund my money and punish those holding themselves to be responsible for the mismanagement complained of

I have, &c

मान्यवर सहाय्य ।

मैं बड़ा दु खी हो कर चापकी सेवा में रिपोर्ट करता हू कि इस मास की १३ तारीख की मैंने पंजाब मिलके साथ अलाहाबाद से पटना पहुँचने के लिये दो रिजर्व्ड गाडियों के मिलने के वास्ते दाम जमा किये थे । परंतु मेरी समस्त सम्बन्धक मण्डली घराने में प्रह गई क्योंकि रिजर्व्ड गाडियां नहीं मिली और मेरे लिये इस विषय में किसी ने खोज न की । मैं अपना रुपया फिरती पाने के लिये और उन लोगों को दण्ड देने के लिये निवेदन करता हूँ जो कि अपने कुप्रबंध के कारण इस रिपोर्ट के उत्तर दायी हैं ।

भवदीय

रेलवे के कुलियों को रिपोर्ट ।

To
The Station Master

HOWRAH

E 1 Ry

Sir,

I beg to report the most suitable conduct of the station coolies. Last Monday I had to go to Patna and was put to a great trouble. They in a combined body, I beg to notice, ask the passengers too much charges for the conveyance of their luggage. I asked a coolie No 3 to convey my single bundle 'luggage' to the platform, he asked me Rs 8 to be paid for it. I then asked No 5, 6, 7, 8, turn by turn one after the other, but all of them asked for the similar charges.

Thus they are the hunters of the poor passengers. I therefore request the favour of your kindly preparing a list of their proper charges for the consultation of the passengers to protect themselves from such grievances.

I have &c

मान्यवर महाशय ।

मैं स्टेशन के बड़े ठिरे कुलियों की रिपोर्ट आपकी सेवा में करता हूँ । गुरु सोमवार को मुझे पटना जाना था और मुझे बड़ी इलाकानी उठानी पड़ी । आप इस बात का विचार करिये कि वे एका करके यात्रियों से असुवाद उठाने का दाम बहुतसा मांगते हैं । मैंने कुली नं० ३ से ग्रेट फार्म पर अपने असुवाद की केवल एक गठरी पहुँचाने के लिये कहा निम्नवा समझे आठ आना मागा । इसके उपरान्त मैंने एक के बाद दूसरे से बारोबार कर के नं० ४, ५, ६, ७, ८ तक से कहा पर सभीने बड़ी दाम मागे । इसी प्रकार वे लोग बेवारे यात्रियों को लूटते हैं । इस लिये आप की सेवा में निवेदन है कि आप कृपा कर यात्रियों के समुचित के लिये कुलियों के दर दाम की एक तालिका तैयार करावें कि जिस से वे अपने आपको इस आपत्ति से बचावें ।

भवदीय

(पानीपाण्डे की शिकायत)

To

The District Traffic Superintendent E I Ry

HOWRAH

Sir,

I beg to report against all the Pani Pandey's of the stations between Howrah and Patna. They do not supply the passengers water during the train times. They always keep the small quantity of water in their buckets. They do not pay heed to the passengers exclaiming them for water. The thirsty passengers on relising their buckets and leather bags holding the small quantity of water begin to rain their pices on account of their helplessness. The coming Pani Pandes then Collecting the remaining pices from the passengers and supplying a very few number of them a very few drops hastily disappear from the sight of them with a pretext to supply them water for the next time, while the train with a whistle leaves the station behind. Such is the miserable condition of the passengers on stations after stations that they can not quench their thirst on any station even at the cost of their money. I therefore, request you to take proper steps on the matter and to remove such grievances for the times in future.

I have, &c

मान्यवर महोदय ।

मैं आपकी सेवा में हुवड़ा से लेकर पटना तक के स्टेशनों के समस्त यात्रीयों और पानी पाण्डे की रिपोर्ट करता हूँ । गाड़ी के समय वे यात्रियों को पानी नहीं देते । वे लोग सदा अपनी बास्टी में थोड़ा सा पानी रखते हैं । जो यात्रि कि पानी ! पानी ! चिल्लाते हैं उनकी वे परवाह नहीं करते । यदि यात्रि, उनकी बास्टी में थोड़ा सा पानी देखकर उस को वे पर

वाही के कारण पैसे बरसाना प्रारंभ करते हैं। तब धूर्त पानी पाण्डे यात्रियों से बरसते पैसे बटोर और उसमें से किसी २ यात्री को कुछ २ पानी की बूंद दे दू कर तहाक फडाक उन की निगाह से और पानी के लानेके बहाने सटक जाते हैं और इधर गाड़ी सीटी देकर खू होजाती है। यात्रि लोग स्टेशन २ ऐसी दुदशा की प्राय होते हैं और पैसा खरचने पर भी वे किसी स्टेशन पर अपनी प्यास बुझा नहीं सकते। इस लिये आपकी सेवामें निवेदन करता हूँ कि आप क्षपाकर उनको उचित दण्ड दें और भविष्यत के लिये इस दुख को दूर करें।

भवदीय

(रसीद खोजाने की रिपोर्ट)

To

The Traffic manager E I Ry

HOWRAH

Sir,

With deep regret we beg to inform you that the receipt for 840 bags marked B D containing 600 maunds of mustard despatched from Patna to Howrah on the 13th march 1898 is lost by chance. We, therefore, pray that you will be kind enough to deliver us the goods in question either on personal security or on indemnity note. Awaiting the favour of an early attention

I have, &c

मान्यवर महोदय !

हम अत्यंत खेदके साथ आपकी सेवा में निवेदन करते हैं कि ३४० बोरे तोल ६०० मन सरसों के और बी, डी, निग्राम के पटना से तारिख १३ जुलाई १८९८ के दिन हवह को चम्पान किए गए हैं जिसकी रसीद अचानक कहीं खो गई है। इस लिये हमारी यह प्रार्थना है कि आप क्षपा कर या तो किसी की जमानत पर या किसी की जवाबदेही पर माल हमको दिनवाए। आशा है कि क्षपा कर शीघ्र उत्तर दीजियेगा।

भवदीय

गाडी मे कोई वस्तु भूल जाने की रीपोर्ट ।

To

The station Master

INDORE

R M, Ry

Sir,

I beg to ask you to wue the station master Barnagarto take out my box made of bamboo from the first compartment of the carriage No 2125 left in behind by oversight

Will you be kind enough to return me the same on your possession ?

I have &c,

मान्यवर महाराज !

निम्नलिखित वस्तु भूल जाने के कारण २४२५ न० की गाडी के पहले खन में मेरी ब्रांच की पिटारो छूट गई है । सो आपकी सेवा में निवेदन है कि आप बड नगर के स्टेशन मास्टर को उसके निकाल लेने के लिये तार दे । क्या आप छपाकर उसको अपने अधिकार में लेकर मेरे पास भेजेंगे ?

भवदीय

(ठिकट कलेक्टर की शिकायत)

To

The District Traffic Superintendent G 1 P Ry

Jubbulpore

Sir,

I have the honour to bring to your kind notice the following few lines for the favour of your early disposal My brother, on the evening of the 18th instant, was very much insulted by

ing an advice for 400 bags of sugar on from Calcutta but we received only 380 We, therefore, request the favour of your kindly inquiring into the matter and letting us know the full particulars of this deficiency

I have, &c

मान्यवर महाशय !

आपको सेवा में सविनय निवेदन है कि एक रसीद न० १८५ ता ८ जुलाई सन् १८०४ ई० की हमको आज मिली है जिस में लिखा है कि ४०० बोरा, चीनी का भेजा गया है पर हमको केवल ३८० बोरे मिले हैं। हमलोग इसलिये सविनय निवेदन करते हैं कि आप कृपा कर इस मामले की जांच कर और इस कमी के संपूर्ण समाचार से सूचित करें।

भवदीय

अधिक मलमूल की शिकायत ।

To

The Traffic Manager E I Ry

HOWRAH

Sir,

We have the honour to inform you that 300 bags weighing 900 maunds of gram were despatched from Delhi to Howrah on the 20th of July 1904 as per bill of lading No, 480 for the freight of which your office clerk charged us Re 1000 instead of the prescribed sum of Re 200 we beg to ask you to kindly enquire into the matter and refund us the overcharge Rs 800

Requesting the favour of an early attention

I have, &c

मान्यवर महाशय !

हमलोग आपकी सेवामें आपकी सूचनार्थ निवेदन करते हैं कि ३०० बोरे चने के गोश में ८०० मन दिल्ली से ता० २० जुलाई सन् १८०४ ई० हवड़ा की चलाए

किए थे, पर आपके टिकट के मोहरिर ने उस माल पर किराए के १००० रुपये बैठाए हैं जो कि साधारण किराए के अनुसार २०० रुपये होना चाहिये। हम लोग निवेदन करते हैं कि आप कृपा कर इसकी जांच करें और ८०० रुपये जो कि अधिक लिये गए हैं वह फिरती दिला दें। कृपाकर इसका उत्तर शीघ्र दें।

भवदीय

(रिजर्व गाडी के लिये)

To

The District Traffic Superintendent G I P Ry

JHANSI

Sir,

I have the honour to inform you that a large marriage party requires a reserved accommodation in two 2nd class carriages on Saturday, the 18th Instant at the 5 down train

I hope that you will be kind enough to arrange for the carriages mentioned above

I have the honour, &c

मान्यवर महाशय।

मैं सूचनाएँ आपकी सेवा में निवेदन करता हूँ कि इस मास की १८ तारीख शनीवार के दिन न० ५ डाउन ट्रेन में दूने दर्जे के दो रिजर्व गाडियों की आवश्यकता एक बड़ी भारी बरात के लिये है।

मैं आशा करता हूँ कि आप कृपा कर उक्त गाडियों का प्रबन्ध करेंगे।

भवदीय

असवाव न मिलने की शिकायत।

To

The Traffic Supdt E I Ry

Sir,

I beg to bring to your kind notice for the favour of your early attention I booked some luggage from Calcutta for Allaha-

lights therein We, the rate payers, bearing our due shares of the standing rates have a legitimate claim to beg for all the privileges of the Municipality

Along with the greatest inconvenience, good many cases of a bad character are likely to take their place in a dark lane

Would you be so much kind enough as to issue an early order for lights to be introduced into the said lane

We have, &c

मान्यवर महाशय ।

(असुक) वार्ड (महल) न०—के (असुक) गली—में चन्देरी से अत्यन्त अड़चन होने के कारण वहाँ पर उनकी जाँच और प्रकाश के प्रबन्ध के लिये हम सब आपकी सेवा में सधिनय प्रार्थना करते हैं । उक्त गली के कर चुकानेवाले हम लोग म्युनिसिपैलिटी के समस्त विशेषाधिकारी के प्राप्त करने के लिये आपकी सेवा में आश्रित होते हैं । उस अड़चन के साथही साथ चन्देरी गली में अनेक दुर्गति के प्रकरण विशेषतः हुआ करती हैं । हम चाहते हैं कि आप उक्त गली में प्रकाश के लिये शीघ्र आज्ञा दे कर हम लोगों पर क्षपा करें ।

भवदीय

पानी की कलकी परिधा के लिये ।

To
The Superintendent Water Works

AGRA

Sir,

The extention and additional tap for premises No 20 of Kinari Bazar are completed and 'are ready' for the favour of your inspection

I have, &c

मान्यवर महाशय ।

किनारी बाजार के मकान नं० २० में बिस्तार पूर्वक पानी की कल और टेंटी लग कर ठीक हो गई है और परीक्षा के योग्य है ।

भवदीय

“ दुर्गन्ध आदि दूरकराने के लिये ।

To
The Health Officer
Agia Municipality

Sir,
With due respect and humble submission I have the honour to bring to your kind notice against your anticipated sanction to a privy at premises No 36 Subz Mandi by the corner of the Kinari Bazar ready for construction I can prove by all means that the privy in question is materially injurious to the health and comfort of the large family of your petitioner

Requesting, therefore, the favour of your kindly with holding the sanction or I shall have to be deprived of my lodging

I have, &c

मान्यवर महाशय !

किनारी बाजार के कोने पर सख्तमट्टी के पास मकान न० २८-की सरहद्दी में आपकी आज्ञा में पखाना बनने को तयार है जिसके सम्बन्ध में आपके सूचनार्थ निवेदन है कि यदि मैं इस बातको भली प्रकार से सिद्ध कर सक्ता हूँ कि वह पखाना अवश्य करके मेरी खीर मेरी गृहस्थि के सुख और स्वास्थ्य का बाधक है ।

इसी लिये आपकी सेवा में सविनय प्रार्थना है कि कृपा कर आप अपनी आज्ञा का विसर्जन करले नहीं तो मुझको अपने रहने से निराश हो जाना पड़ेगा ।

भवदीय

कोचडकी सफाई के लिये ।

To
The Chairman
Of the Roadcess Committee,

Sir,
I am desired by the society of the rate payers to submit the following observation for your favourable consideration —

पानी की आसन्द के लिए ।

To

The Superintendent Water Workes

BENARES

Sir,

As the premises no 10 Gaughat is now occupied I request, the favour of your kindly ordering, to restore the water connection as early as possible

I have, &c

मान्यवर सहाय्य

गाएघाट का मकान न० १० बस गया है इसलिये निवेदन है कि जितनी जल्दी हो सके फिर पानी पहुचने के लिये आज्ञा दे ।

भवदीय

(कर घटाने के लिये) ।

To

The Chairman

Cawnpore Municipality

Sir,

I most humbly and respectfully beg, to apply for a reduction of the present rate of my tax fixed by the late assessment I should never have and claim to the reduction of my tax, if my circumstance would never have grown worse than before The Collector, of my ward is fully informed of my circumstances I therefore, humbly submit my prayer that it may meet with your favourable consideration

I have &c

मान्यवर महाराज ।

मैं आपके अधीन होकर आपकी सेवा में अपने चने करके घटाए जाने के वास्ते आपकी सेवा में निवेदन करता हूँ जोकि पिछले लगान में नियत किया गया था । यदि मेरी व्यवस्था पहले से बिगड़ी हुई न होती तो मैं अपने करके लिये धियाद न करता । मेरे वार्ड के कमिश्नर साहब को मेरी व्यवस्था संपूर्ण रीति से प्रगट है, इस लिये अधीनता पूर्वक मैं अपनी प्रार्थना आपकी सेवा में भेजता हूँ कि इसका विचार दया भाव से किया जावे ।

भवदीय

इनकम टैक्स के लगाने की तालिका का आवेदन पत्र ।

To

The collector of Income Tax

BENARES

The 20 th day of July 1905

The humble petitioner of Gopal Ram Panday most Respectfully sheweth —

1 That your petitioner has been assessed at a sum of twenty five Rupees per annum

2 That the petitioner submits his account books to show that his General Merchandise in piece goods is found shorter than the taxable amount

3 That such income and profits actually found short from 1st Jany 1904 to 31st November 1904 i-e 11 Months

4 That during the period your petitioner had no other income or profits

5 Your petitioner therefore prays that he may be assessed according to the Act (signed) Gopal Ram Panday

I, Gopal Ram Panday, the petitioner named in the petition above declares that what is stated therein is quite right.

(Signed) Ram Gopal Panday

कोर्ट फी १ एक आना ।

सन १८०५ ई० के जुलाई मास को २० तारीख

गोपालराम पांडेका सविनय निवेदन पत्र

नम्रता पूर्वक प्रकाश करता है कि :—

(१) आपके निवेदन पर वार्षिक लगान २५ रुपै हैं, जिसके वर्ष का मासान्त ३१ जनवरी सन १८०५ ई० को होगा ।

(२) आपका निवेदन अपने कपडे के साधारण व्यापार के वही खाते आपकी सेवा में परिचार्ज उपस्थित करता है जो कि नियमानुसार लगान के रकम को अपेक्षा बहुत ही कम है ।

(३) वास्तव में यह आय और यह लाभ प्रथम जनवरी सन १८०४ ई० से ३१ नवम्बर सन १८०४ ई० तक अर्थात् ११ मास में प्राप्त हुआ है ।

(४) इस अवधि में आपके निवेदन को और किसी प्रकार की प्राप्ति नहीं हुई ।

(५) आपका निवेदन प्रार्थनीय है कि उस पर एक नम्बर की अनुसार लगान लगाया जाए ।

(सही) गोपालराम पांडे ।

मैं गोपालराम पांडे, उक्त आवेदन पत्र का आवेदन प्रगट करता हू कि जो कुछ इसमें उल्लेख किया गया है वह मेरे सम्भक्त में बिलकुल सत्य और दुरुस्त है ।

(सही) गोपालराम पांडे ।

पानी छिड़कने वाले की शिकायत ।

To

The Superintendent of Roads

CALCUTTA

Sir,

I beg to bring your kind notice that the road irrigators, appointed for the Bara Bazar, Harrison Road, irrigate the roads so carelessly that they do not care any 'passerby, whereby their garments are spoiled by the muddy and 'dusty' showers from the earth by the action of the water, on the other hand, those appointed in the Manohor Pokhor-lane are in the habit of scarcely att-

ending their duty, thereby a considerable heap of dust is carried away into the houses of the noble residing there I, therefore, request the favour of your kindly making an inquiry and taking action in the matter

I have, &c

मान्यवर महाशय ।

आपकी सूचनाय में आपकी सेवा में निवेदन करता हूँ कि वह पानी छिड़कने वाले जो कि बड़ीवाज़ार हरिसन रोड के लिये नियत किये गए हैं वे ऐसी असावधानी से पानी छिड़कते हैं कि किसी रस्ते चलने की परवाह नहीं करते जिसके कारण ज़मीन से धूल और मट्टी पानी के साथ उड़ कर उनके कपड़े लत्तों को नष्ट कर देते हैं। इसके सिवाय जो कि मनोहर पोखर लैन के लिये नियत किये गए हैं वे अपने काम पर बहुत नागा किये करते हैं जिससे कि मनों धूल उड़ कर वहाँ के भद्र पुरुषों के घरों में चला जाता है। इस लिये मैं आपकी सेवा में निवेदन करता हूँ कि इसकी कृपा पर्वक आज और उचित प्रबन्ध किया जाए।

भवदीय

आवेदन पत्र

श्रीश्री १०८ श्री मन्महाराजाधिराजि राजसेजीमयेशू ।

To

The King's most Excellent Majesty

The humble Petition of Gopi Nath Khetri'a
Hindu inhabitant of Allahabad for India

Most respectfully sheweth

That your majesty's unfortunate petitioner was sentenced to the penalty of transportation for life on being convicted at the criminal sessions of High Court of Judicature at Allahabad, of culpable homicide which does not amount to murder

That the case notwithstanding the favourable circumstances in apparent, excited a great horror and dismay amongst the Hindus of Allahabad, who watched the trial throughout with much

concern but to no effect 'Yours humble petitioner most respectfully approaches your majesty in the last, that all the papers in connection with the unhappy case may be called for, and the justice be done for your unfortunate petitioner

That your humble petitioner most earnestly prays that your majesty's royal mercy may be brought to the afflicted

For this act of kindness Your majesty's humble petitioner as in duty bound shall ever pray

Gopi Nath

भारत वर्षकी अलाहाबाद नगरी के रहवासी
गोपीनाथ खत्री का सविनय निवेदन पत्र ।

अत्यन्त आदर भाव से प्रकाश करता है,

कि राज राजेश्वरके अभागे निवेदक को अलाहाबाद के मन मानी हाई कोर्ट की फौजदारी ने उस पर ऐसे खूनका अपराध लगा कर उसको काले पानी का दण्ड दिया है जो कि जीव हत्या के समान नहीं है ।

कि प्रत्यक्ष में लाभ दायक व्यवस्थाकी होने पर भी इस सुकदमे ने इलाहाबाद की हिन्दू समाज में हाहाकार मचादी, जोकि इस की जांच की समाप्त इसके समस्त सम्बन्धों से लिया करते थे, पर इस से कुछ फल न निकला । श्रेय में राज राजेश्वर का निवेदन अत्यन्त आदर भाव से राज राजेश्वर की शर्णागत होता है कि इस दुःख दायक सुकदमे की जितनी लिखत पढ़त हुई हैं उन सब को राज राजेश्वर तलब करें और अपने दुःखिया निवेदक का इन्साफ करें ।

कि राज राजेश्वर की राज सेवा में राज राजेश्वरका वे बस निवेदक अत्यन्त आदर भाव से प्रार्थना करता है कि राज राजेश्वर अपनी राजेश्वरी दयालता और कृपाशता अपने दुःखिया निवेदक पर प्रकाश करें ।

इस दयालता और कृपाशता के प्रकाश किये जाने के कारण राज राजेश्वर का वे बस निवेदक अपना कर्त्तव्य पालन करने के लिये राज राजेश्वर की सदा सर्वदा ईश्वर आराधना किया करेगा ।

गोपीनाथ खत्री ।

To

His Excellency Lord Lansdown, the Most Noble, the Viceroy
and the Governor General of India

The humble petition of Gopi

Patel of Ganga pur, Benares,
united provinces

Most respectfully sheweth

That your Excellency's humble petitioner most respectfully submits to lay before your Excellency's the papers attached, setting before his legal claims to the proprietary right to a village, named Gangapur in the district mentioned above, as your humble petitioner has been deprived of his right owing to the want of justice

Your humble petitioner will not waste your Excellency's time by giving the details of his case but begs earnestly that your Lordship may be pleased to carefully examine the merits of the case and enable your petitioner that he may have his legal rights restored by a reversion of the United Provinces Court's order

Your petitioner relying on the wisdom and mercy of his Imperial Majesty's Representatives in India, humbly beseeches for an early and favourable consideration of this appeal

And your petitioner in duty bound will ever pray

Gopi Patel

To

The Lieutenant Governor of the United Provinces

The humble petition of the
inhabitants of the District
of Fyzabad

Most Respectfully sheweth

(1) That your Honour's humble petitioners submit themselves for the favourable consideration of your honour

(2) That the landed property belonging to the temple in the Oudh religious Endowment fund is squandered by the trustees and Mahants by living themselves in rich style

(3) That they should carry out the temple management according to our shastras and the schedule No—of—

(4) That the petitioners request your Honour to make the proper arrangement of the temple before inquiry—

(Names signed by some Respectable persons)

जिले फ़ैजाबादके निवासियों का निवेदन पत्र ।

बड़े नम्र भाव से प्रगट करते हैं —

(१) कि आपके आधीन निवेदक आपके दयामय विचार के लिये आपकी सेवा में आश्रित होते हैं ।

(२) कि महन्त और विज्वाभपात्रियों के चमोरी ठाठ से रहने के कारण मन्दिर की जायदाद में से अवधवासियों के धर्म खाते का धन गट हो रहा है ।

(३) कि उनकी मन्दिर का काम काज हमारे शास्त्र और दफ्तार की पुस्तक के अनुसार चलाना चाहिये ।

आपके निवेदकी की प्रार्थना है कि आप मन्दिर की जाच करके उसका उचित प्रबन्ध करें ।

(कुछ रईसोंके नाम)

गया जिलेकी देवीसिध दुबे का सविनय निवेदन पत्र ।

To

The District Magistrate or Collector

BANKIPORE

The humble petition

of Debi Singh Dubey

of Distt Gaya

Most respectfully sheweth,

(1) That your petitioner has a great portion of land, the greater part of which is covered by water

(2) That Ram Newas, the lahd lord of our village does not allow us to till the land by filling up the ditches with earth, as they are dug for the fishery purposes

(3) That your humble petitioner requests your favour prose onto the sud Ram Nath according to schedule No— of— so that I your petitioner may be able to till his land

For this act of kindness your petitioner shall ever pray

Debisingh Dabey

वह आदर भावसे प्रकाश करता है कि —

(१) आपके निवेदक के पास बहुत सी जमीन है, जिसका कि, बहुत सा भाग पानी से भरा है।

(२) हमारे ग्राम का जमींदार रामनिवास आपके निवेदक को उस पानी भरे भागको पाट कर जोतने नहीं देता क्योंकि वह मकली पकड़ने के अभिप्राय से खुदाया गया है।

(३) कि आपका निवेदक सविनय प्रार्थना करता है कि उक्त राम नाथ को जपार—के टफा न०—के अनुसार उस पर अभियोग नियुक्त करें। कि जिससे आपका निवेदक अपनी जमीन जोत सके।

(४) आपका निवेदक इस दया के बदले आपको सदा सर्वदा ईश्वर प्राराधना किया करेगा।

(दिबोसिघ हुवे)

कुट्टी के लिये।

To

The Post Master General,

BFNARES

Sir,

I most humbly beg to inform you, that, owing to my son's marriage I am obliged to ask you the leave of one month only

Hoping that you will favour me by granting the same

I beg to remain

Sir

Your most obdt Servt

मान्यवर महाराज !

अपने पुत्रके विवाह के कारण मुझको केवल एक मास के छुट्टी की आवश्यकता है । आशा है कि आप कृपाकर स्वीकार करेंगे ।

भवदीय

प्रशंसा पत्र पाने और नौकरी छोड़ने के लिये ।

To

The Deputy Commissioner

BENARES.

Sir,

With due respect and humble submission I beg to inform you that as I am to be appointed on any higher post in military department I request you therefore, to grant my resignation and favour me with a certificate

I beg to remain

Sir

Your most obdt Servt

मान्यवर महाराज !

बड़े नम्रभाव के साथ विनय पूर्वक आपकी सेवा में निवेदन है कि मैं सैन्यदलमें किसी ऊँचे पद पर नियुक्त होने वाला हूँ - इस लिये सेवा में निवेदन है कि आप मेरा पद त्याग स्वीकार करें और एक प्रशंसा पत्र मुझ को दे कर कृपा करें ।

भवदीय

To

His Highness the Maharajah

STATE

The humble petition of Gouri Shanker

May it please your Highness

(1) That the humble petitioner of your Highness has a piece of land near Charu's house, who forcibly builds a house on that land

(2) That the petitioner of Your Highness informed several times the Kanungo appointed in the village by Your Highness, but he did not listen to me

(3) That the petitioner therefore, requests the favour of your Highness to stop the progress of the building

I have the honour to remain

Sir

Your Highness most obdt Servt

दृष्टीनाथ ।

आपके दरबार में इस निवेदक की बदनामी हो कि आप के प्रभागी निवेदक की पास कुछ जमीन चारु के मकान के पास है जिस पर कि उसने जबरदस्ती से आप के निवेदक की जमीन पर घर बनवाता है ।

(१) आपके निवेदक ने कई बार इस मामले में आपके नियुक्त कानूगी साहब से कहा पर उन्होंने मेरे कहने पर ध्यान न दिया ।

(२) इस लिये आपका निवेदक आप के दरबार में प्रार्थना करता है कि उसका मकान बनना बंद हो जाय ।

केदार नाथ पांडे का सविनय निवेदन पत्र ।

To

The Secretary of the Board of Revenue

The humble petition of
Kedar Nath Pandey

Humbly and respectfully sheweth —

(1) That your humble petitioner suffering by so many calamities too numerous to mention that he is obliged submit himself under your kind control to secure any vacant post for himself

(2) That your petitioner submits his certificate for his proficiency to work as a head clerk in your office of which the post is now vacant

(3) That your petitioner hopes to be appointed on the post and pray God for your long life

Kedar Nath Pandey

मन्त्र और आदर भावसे प्रकाश करता है कि —

(१) आपका निवेदक इतनी अकथनीय आपत्तियोंका सहन कर रहा है कि आपके निवेदक को आपकी सेवामें किसी जगह के लिये स्वयं आश्रित होना पड़ा ।

(२) आप का निवेदक अपना प्रशंसा पत्र आप की सेवामें प्रधान लेखक की योग्यता के प्रकाश करने के लिये समर्पण करता है, जोकि इस समय खाली है ।

(३) आपका निवेदक उस स्थान पर निमुक्त होने और आप की ईश्वर भाराधना के लिये आशा करता है ।

केदारनाथ पांडे

नौकरी के लिये

To

The Superintendent

Central Printing Press

CALCUTTA

Sir

I have the honour to inform you with due respect that bad circumstances obliged me to secure any vacancy under your kind controul The copies of my certificates are attached herewith

Hoping the application to meet with your kind favour

I beg to remain

Sir

your most obdt Servt

मान्यवर महोदय !

सेवा में सविनय निवेदन है कि बुरी व्यवस्था के कारण मैं आपकी सेवा में नियुक्त होना चाहता हूँ । अपने प्रशंसा पत्र की प्रतिया सेवा में उपस्थित करता हूँ । आशा है कि इस निवेदन से सुझ पर आप कृपा करें ।

आपका

अटल आज्ञाकारी सेवक

सरनामा लिखने की रीति ।

राज वशियों के नाम पत्र व्यवहार

प्रारम्भ—*Madam or Sir , Most Gracious Sovereign, may it please your Majesty*

प्रत्युत्तर *I remain or I have the honour to remain With the profoundest respect or veneration Madam or Sir, your Majesty's most faithful subject and obdt Servant*

ठिकाना—*To the Queen's or King's most Excellent Majesty*

राजपुत्र के नाम में

प्रारम्भ—*Sir or Madam , May it please your Royal Highness*

प्रत्युत्तर—*उपरोक्त अनुसार*

ठिकाना—*To His Royal Highness the Prince or Princess of Wales*

प्रारम्भ— राज गोत्र के नाम में उपरोक्त अनुसार

प्रत्युत्तर—*I have, the honour to be with great respect sir or Madam your Highness, most obdt Servant*

ठिकाना—*To his Highness the Prince George or Her Highness the Princess*

THE KING IN COUNCIL

मन्त्र सभाके समय राज राजेश्वर के नाम में

Commence (प्रारम्भ) The humble petition of———of the city of Manchester, (occupation) humbly sheweth

That your petitioner, &c &c

Conclude (प्रत्युत्तर) Wherefore your petitioner humbly prays that Your Majesty will be graciously pleased to &c &c

And your petitioner as in duty bound shall ever pray

Address (ठिकाना) To The king's most Excellent majesty in Council

HOUSE OF LORDS

Commence—My Lords, may it please your Lordships, or The humble petition of ——— of the city of Portsmouth
Humbly Sheweth,

That your petitioner &c &c.

Conclude—I have the honours to be, my Lords your lordship's most obdt & humble servant or and your petitioner as in duty bound shall ever pray

Address—To The Right Honourable the Lords Spiritual and Temporal of the United Kingdom of Great Britain & Ireland in Parliament Assembled

THE HOUSE OF COMMONS

Commence—Gentlemen, may it please your Honourble House or the humble petition of ——— &c &c (as to House of Lords) I have the honour to be Gentlemen your most obedient and humble servants or and your petitioner as in duty bound shall ever pray

Address—To the Honourable the House of Commons of the United Kingdom of Great Britain and Ireland, in Parliament Assembled

THE NOBILITY AND GENTRY

Commence—my Lord Duke (or My Lady, or Madam)

Conclude—I have the honour to be, My Lord Duke or My Lady your Gracious's most Devoted and obedient servants

Address—To his Grace, the Duke or Her Grace the Duchess of Cambridge

MARQUIS OR MARCHIONESS

Commence—My Lord or My Lady or Madam

Conclude—I have the honour to be, My Lord Marquis, your Lordships or madam or your ladyship's most humble and obedient servant

Address—To the most Noble the Marquis or Marchioness of Lansdown

Earl, Countess, Viscount, Viscountess Baron और Baroness के नाम

Commence—My Lord or My Lady *Conclude*—I have the honour to be, my Lord your Lordship's or my Lady, your Ladyship's most obedient and humble servant, or obedient servant (केवल Viscount और Viscountess को)

Address—To the Right Honourable Earl or Countess Viscount or Viscountess or Baron or Baroness of—

विशेष सूचना—उपरोक्त के ज्येष्ठ पुत्रों को उपरोक्तानुसार लिखते हैं और कनिष्ठ पुत्रों के नाम में उनके नाम के साथ Right Honourable Lord लिखते हैं किन्तु Earl के कनिष्ठ पुत्र और Viscount और Baron के पुत्रों को Esquires लिखते हैं और इनकी पुत्रियों को केवल Honourable उपरोक्त मव सहाय्यणी के विनायत लिखायी रईस है ।

CLERGY (पादही)

Archbishop (पादहीयोका सर्दार)

Commence—My Lord Archbishop or May it please your Grace

Conclude—I remain with highest respect my Lord Archbishop Your Grace's most devoted and obedient servants

Address—To His Grace the Lord Archbishop of Canterbury Bishop (पादही)

Commence—My Lord Bishop

Conclude—I have the honour to be my Lord Bishop, your Lordship's most obedient servant

Address—To the Right Reverend the Lord Bishop of Connaught
उच्च विधाय सूचना Calcutta के Bishop को most reverend से सम्बोधन करते हैं ।

Dean and Archdean उत्तरती श्रेणी के पादही ।

Commence—My Dean, Mr Archdean or Reverend Sir

Conclude—I have the honour to be, Reverend Sir or Mr Dean or Mr Archdean, Your most obedient servant

Address—To the Very Reverend the Dean of Amharst

भारत वर्षके शासक गण आदि ।

VICEROY OF INDIA

Commence—May it please your Excellency

Conclude—I have the honour to be, My Lord, Your Excellency's most humble and obedient servant

Address—To his Excellency the most Honourable the Marquis of Lansdown G M S I, G, C M G-G, M I

LIEUTENENT GOVERNOR

Commence—May it please your honour

Conclude—I have the honour to be, Sir, your Honour's most humble and obedient servant

Address—To his Honour Sir Stuart Colvin Bayley K C S I C I E The Lieutenant Governor of Bengal

COMMANDER IN CHIEF

Commence—Sir, or may it please your Excellency

Conclude—I have the honour to be, Sir, your Excellency's most obedient servant

Address—To his Excellency the Commander in chief of India

MEMBER OF THE SUPREME COUNCIL OR OF A PROVINCIAL COUNCIL

Commence—Sir

Conclude—I have the honour to be, Sir, your most obdt Servt.
Commissioners, Judges, Magistrates, Superintendents of Police और
और मफ़सरो के नाम ।

Commence—Sir

Conclude—I have the honour to be Sir, your most obedient
servant

Address—To——Esquire, Commissioner—Division—name of
station obedient servant

देशी रजवाडो के नाम ।

Commence—May it please your Highness

Conclude—I beg to remain Sir Your Highnesse's most obedient
servant

Address—To His Highness the Maharajah of Udaipur

पदाधिकारी राजों के नाम ।

Commence—Sir

Conclude—I have the honour to be, sir, your most obedient
servant

Address—To Raja of BENARES

व्यापार संबन्धि चिट्ठी पत्रौ

बिलायती पत्र व्यवहार ।

मालके मागकी चिठी ।

Gentlemen,

We have the honour to inform you to ship five cases of parama of the best quality, we are in great want of the above goods and request you to insure the same on our account

Yours faithfully

महाशय ।

आपकी सेवा में निवेदन है कि आप कृपा कर परमटे के बडिया जिनिस के ५ बक्स चक्षान करें । हमको उसकी बड़ी जरूरत है और मालका बीमा हमारे नाम में करदें

भवदीय

आदत नियत करने का पत्र ।

Messrs _____

Gentlemen,

The popularity of your business is so highly entered in the commercial reports of Calcutta that our attention is attracted. We, therefore, request you to undertake the agency of our firm, we will regularly despatch your consigned goods at respectable commission

A waiting for an early reply.

Yours

महाशय ।

कलकत्ते के व्यापार सम्बन्धिक पत्र में आपका इतना भारी नाम है कि हम लोगों की इच्छा आपके साथ बारबार करने की है । इसलिये हम सविनय निवेदन करते हैं कि हमारे कारखान की आदत आप स्वीकार करें । आपके पास हम बराबर माल भेजा करेंगे और उचित कमिशन लिया करेंगे । आशा है कि आप शीघ्र उत्तर देंगे ।

भवदीय

(आदत मजूर करनेका पत्रोभर)

Messrs _____

Gentlemen !

We received your favour asking us to accept the agency of our firm We beg to inform you that we can offer you the commission at 5 per cent

Yours faithfully

महाशय !

आपका लिखा पत्र _____ का पाया जिससे मालूम हुआ कि आप हमारे बहतिवे होना चाहते हैं । इस विषय में आप से निवेदन है कि हम आप को पांच रुपैये सैंकड़ा कमिशन देंगे ।

भवदीय

(हुण्डी न सकारि जाने की पत्री)

Messrs _____

Gentlemen !

We are very sorry to inform you that your draft on Messrs _____ for _____ was refused and sent back to us

We shall feel highly obliged, if you favour us with an early remittance to cover the amount mentioned above
महाशय !

आपको सेवा में बडे खेद के साथ निवेदन है कि आपकी _____ की _____ के नाम हुण्डी सकारि न गई और हमारे पास लौटा दी गई । यदि आप उपरोक्त रकम भेजने की शीघ्र ही कृपा करें तो आपका हम पर बडा भारी बहसान होगा ।

(हुण्डी के बदले रुपया लौटाने का पत्र)

Messrs _____

Gentlemen,

We are in receipt of your favour D _____ asking us that our drafts on Messrs _____ was refused and sent back to you

We are very sorry for delay and inconvenience We have sent another draft on Messrs————— for—that covers the amount

Yours obdtly

महाशय !

आपका छपा पत्र————— का भिन्ना जिसमें आपने हम को————— के नाम हुण्डी के न सकारने और उसको आपके पास लौटा देने के लिये लिखा सो हमको अपनी भ्रष्ट और विलम्ब के कारण बड़ा खेद है हमने फिर और————— के नाम————— की हुण्डी भेजी है, जिससे कि उसका भुगतान होजाएगा ।

भवदीय

माग मंगाने वाले के जाचकी पत्री ।

Messrs—————

Dear Sirs,

Messrs————— intend to open business with us in woolen goods Both of our firms are well known to you , we request you, therefore, to let us know the standing and credit of the Calcutta firm under notice

Yours faithfully

प्रियवर महाशय !

कलकत्ते के सेठ————— हम से कनौ कपड़े का कारबार करना चाहते हैं । आप दोनों की गद्दी से जागकार हैं , इस लिये निवेदन है कि कलकत्ते के उपस्थित गद्दी के हैसीयत की आप हम को सूचना दे ।

माग मगाने वाले के लिये प्रशंसा पत्र ।

Messrs—————

Dear Sirs,

We are in receipt of your letter of————— asking us about————— we recommend you that they are very rich merchants who have

proved themselves equally honest and trustworthy during the long period, we have dealt with them as agent, we advise you to open accounts with such a long standing firm

Yours faithfully

प्रियवर महाशय !

आपकी चिट्ठी—की निम्नी मिली जिसमें आपने—के बारे में हमसे हाल मालूम करना चाहा है। हम उनको प्रशंसा करते हैं कि वे बड़े धनवान व्यापारी हैं। हम बहुत दिन से उनके अटलिये हैं जिसमें हमने उनकी मातबर और विश्वासी पाया। इस प्राचीन गद्दी के साथ कारबार खोलने के लिये हम आप की राय देते हैं।

कारबार में परिचय प्राप्त करने वाले की पत्रोत्तर ।

Gentlemen,

We received your letter of——we asked our friends messrs ——about your firm who have highly spoken of you, we are ready to open a business connection with your firm, we will execute you all orders and you will be pleased to entrust with us We have received your cut sample with thanks, we agree with you regarding remittances and hope that you will favour us with orders

Yours faithfully

महाशय !

हमने आप का पत्र—का लिखा पाया हमने अपने मित्र—से आपकी बारे में हाल मालूम किया जिन्होंने कि आपकी बड़ी भारी प्रशंसा की है। हम आपकी साथ कारबार खोलने के लिये तयार हैं। आप अपने मनमें किसी तरह का खटका न लायें और हम पर विश्वास रखें कि हम आपके सब मागका माल चलाय किया करेंगे। आपका दरसाक नमूना पाकर हम आपको धन्यवाद देते हैं। आपकी राय के अनुसार मानकी लागत देनेका राजी हैं और आशा करते हैं कि आप हमारे पास कृपालुर माग भेजेंगे।

भवदीय

जहाजी मालकी विलका स्वीकार पत्र ।

Gentlemen,

We are glad to acknowledge the receipt of your letter enclosed with invoices and policies of insurance of goods, we ordered per s s Manchester We have sent you to day 2500 through the Charter Bank and wired them to pay the payment to you

Yours faithfully

सहाय्य ।

आपने जो हमारे मागके अनुसार मेनचेस्टर जहाज द्वारा माल भेजा उसका बीजक और उसके बीजे का पड़द नामा स्वीकार करते हैं । आज दिन हमारे यहाँ से २५०० पाउण्ड चार्टर बैंक द्वारा भेजा है और आपके वहाँ भुगतान करने के लिये तार दे दिया है ।

भवदीय

(कड़ा तगादा)

Messrs _____

Gentlemen :

It is very sorry to say that on many occasions we advised you to clear off accounts, but all in vain If you would not make the remittance at our earliest convenience we shall be obliged to take the hard steps against you

सहाय्य ।

बड़े खेद का विषय है कि हमने कईबार आप से हिसाब साफ करने के लिये कहा पर आप बिलकुल ध्यान नहीं देते । यदि आप हमारे समयानुसार पाशाना जल्दी से न देंगे तो हमको आपके साथ कड़ा बर्ताव करना पड़ेगा ।

भवदीय

(पात्रीना भुगतान करने का पत्र)

Messrs _____

Dear Sir,

On receiving your favours of _____ send you herewith a bill of Exchange for _____ the balance on our accounts, hoping you will accept it—

महाशय ।

आपका छपापत्र—का मिला । हम आपके पास—की हुण्डी भेजते हैं, जो कि हमारे नाम बाकी निकलता है । आशा है कि आप स्वीकार करेंगे ।

भवदीय

परिचार्य माग का माल जहाज से चलान करने का
सूचीपत्र ।

Messrs Beatson & Co

CALCUTTA

Gentlemen,

---We on receiving your price note send you the trial order for 250 Cwt of Patna table rice the quality of the sample already sent at the price offered by you On finding this order to our entire satisfaction, we shall be very glad : The Sea insurance will only effect by us at home We regarding our payment inform to draw your invoice amount on the Bank of Manchester

Yours faithfully

Jackson & Co

मान्यवर महाशय ।

आपने जो पटनिया चावल का नमूना और दर भेजा सो पाया । आपके परिचार्य खानेके पटनिया चावल आपके भेजे हुए नमूने और दामके अनुसार २५० हुण्डर खाना करता हूँ । यह माग आपके पसन्द आने पर हमको वही खुशी

कारबार में परिचय प्राप्त करने की चिठी पत्नी ।

Messrs _____

Gentlemen

Though there is no any sort of connection between you and us, yet we send our particulars to establish business connections with your firm. We are the importers of the woolen goods from home, for the sale in the market here. We shall be happy to deal with you in whole sale business if you be able to supply our orders regularly. On receipt of the goods we shall remit the value by Telegraphic transfer or demand drafts as will suit you best.

Regarding the character of our firm we beg to refer the matter to our Liverpool agent Messrs _____ & Co. Who will satisfy you—

Yours faithfully

सहाय्य ।

यद्यपि आपके हमारे किसी प्रकार का सम्बन्ध नहीं है तथापि आपकी गद्दी के साथ कारबार चालाने के लिये हम अपना पूरा पूरा परिचय आपकी सेवा में विदित करते हैं । हम लोग बिनायती माल वहा बाजार में बेचने के लिये मगाया करते हैं और यदि आप हमारी माग बराबर भेजते रहेंगे तो हम बेचने के लिये आपसे थोक माल मगाने में राजी हैं । हमारे पास माल पहुचने पर हम आपकी मालकी लागत तार या हुण्डी द्वारा जिसमें आपका सुभोता हो भेज मक्ते हैं ।

हमारी गद्दी के चाल मर्यादा के बारे में आप हमारे लिवरपूल के अडलिते से मालुम कर सकते हैं जो कि आपकी दिल जमर्द कर देंगे ।

भवदीय

गद्दी के नाम बदलने का विज्ञापन ।

A notice is hereby given that the firm of Bell & Co No 6 Clive St Calcutta have under gone a change in their name Viz — John Bell & Co as the gentleman Mr John joined the firm as a princi

pal partner All the communications, therefore, should be made henceforth in the name of John Bell & Co

Bell & Co

सर्व साधारण को सूचना दी जाती है कि न० ६ क्लाइवस्ट्रीट, कलकत्ता क बेल ऐण्ड को० का नाम बदल गया है अर्थात् जॉन बेल ऐण्ड को० कहा जाएगा । क्योंकि मिस्टर जॉन महाशय आजसे हमारे कारबार के प्रधान सभाईदार हुए हैं । अब आगे से पत्र व्यवहार और माल चलान जॉन बेल कम्पनी के नाम में करना चाहिये ।

बेल कम्पनी ।

दलाल के लिये विज्ञापन ।

Wanted a well qualified broker with through knowledge in piece goods He should be honest and diligent in canvassing business on respectable commission

Apply with testimonials within 30th september 1905 to —

John Bell & Co

हमको एक चलती पुर्जेद्वारा की आवश्यकता है जो कि सूती कपड़े के काम में निपुण समझदार, ईमानदार और ग्राहकों का जुगाह अच्छी तरह कर सता हो । ३० सप्टेम्बर के भीतर दरखास्त प्रगसा पत्र सहित पहुंचाने चाहिये ।

जॉन बेल ऐण्ड को० ।

माल देने का पत्र ।

Dear sir,

We sent our contract No—on the 11th Inst for 50 tons of linseed to be signed and sent back to us, but we did not receive it as yet we therefore request your favour to return the same with your signature without any further delay

yours faithfully

प्रियवर महाशय ।

हमलोगों ने आपकी सेवा में इस मास की ११ वी तारीख को ५० टन लीसी का विक्री पत्र (कण्ट्रैक्ट) नं० — की सही करने और हमारे पास फिर्ती करने के

लिये भेजा था परन्तु अभी तक हमारे पास न पहुँचा । इस लिये सेवा में निवेदन है कि आप हमारे पास सही करके जल्दी से भेज दें ।

भवदीय

बिक्री पत्र की खण्डन की पत्री ।

Sir,

I did not receive the contract for goods properly signed by your firm up to this day I now therefore, consider it cancelled -
yours faithfully

महाशय ।

माल के कन्ट्राक्ट पर आप का हस्ताक्षर अब तक न हुआ, इस लिये मैं उसको खण्डित समझता हूँ ।

आपका विश्वासी

माल कुडाने की लिये ।

Dear sir,

As the delivery time has been expired and the goods are lying in our godowns, we request you therefore to pay for and take the delivery of,

yours faithfully

प्रिय महाशय ।

माल कुडाने का समय व्यतीत हो गया और माल हमलोगों के गोदाम में पड़ा हुआ है । इस लिये निवेदन है कि माल को लागत भर देवे और उसको कुडा ले ।

आपका विश्वासी

PROMISSORY NOTE पर सही लगाने का पत्र ।

Sir,

We herewith send you the promissory note for 3325, the value of the goods delivered on the—Inst We beg to draw your attention to sign the promissory note within 48 hours, if you would fail to do this, we shall have to take legal steps

yours faithfully

महाशय !

हमलोग आपके ३१२५ का परनेसरी लोट भेजते हैं जो कि ता—के लिए हुए माल की लागत है। हम आपकी सूचित करते हैं कि आप ४८ घंटे के भीतर उस पर अपने हस्ताक्षर कर देवे नहीं तो हमलोग आप पर नालिश करेगे।

आपका शुभचिन्तक

भुगतान पत्र ।

Sir,

It took a long time, but you did not pay us any amount of money due upon you. We are therefore obliged to ask you to pay us at once the sum of Rs—entered in the account books against your firm —If you would not do this within 48 hours, we should take hard steps against you.

Your faithfully

महाशय !

बहुत दिन बीत गए फिर भी आपने हमारा पाघोना न दिया। इस लिये हम लाचार हो कर आपना पाघोना—का इसी दम चुक्ती करने के लिये कहते हैं जो कि आप के नाम खाते में दर्ज है। यदि आप ४८ घंटे के भीतर न देंगे तो हम आप से कड़ी चाल चनेगे।

आपका विश्वासी

माल के पूरे भुगतान की चिठी ।

Sir,

As your payment is too small to cover the credit, we advise you to pay us a greater amount than before. During this month we received Rs—from you against your balance Rs—and the amount of the delivery of the goods Rs—to your balance Rs—we, therefore request you to pay us at least Rs—up to the current month.

Yours faithfully

महाशय !

आपने जो रुपे दिये हैं सो हमारे पाघोने में से बहुत कम मिले हैं। इस लिये हम लोगोको पहले से कुछ अधिक रुपे दे। इस मास में हम रु०— पाया और आप से हम को रु०— चाहिये और आप के पास रु०— का मान गया इस लिये आपकी पास रु०— बाकी रहा सो छपा कर इस मास में रु०— दीजिये।

आपका मित्रासी

नीलाम करने का पत्र ।

Sir,

If you would not pay for and take delivery of the goods which are lying in our godown within—48 hours, we shall be obliged to resell the same on your account and risk.

Yours faithfully

महाशय !

आप यदि ४८ घंटे में माल की लागत का भुगतान न दिजीयेगा और माल न लिजीयेगा जो कि हमारे गोदाम में पड़ा हुआ है तो हम उसको और नाममें आपकी भोकी पर नीलाम कर देंगे ।

भवदीय

निन्दित पत्र ।

Messers _____

Gentlemen,

I received the goods with their invoices sent by you on the—Instant, but on comparing the above, I find that three pairs of the cloths have been found short

I, therefore, request you to write me the cause and to send the same by Ry Or steamer at your own cost to make up the deficiency

Yours faithfully

महाशय !

आपको _____ता—को बीजक सहित माल भेजा सो पाया, परंतु मिलान करने पर तीन जोड़ कपड़ा कम हुआ । इस नित्ये क्वाकर इसका कारण लिखें और अपनी गिरह से रेलवे या स्टीमर द्वारा कमी पूरी करने के लिये उक्त जोड़ भेजिये ।

आपका विश्वासी

विलायती हुण्डी ।

Calcutta 25th July 1905

To

The Manager of National Bank of India

Dear sir,

Ld,

As we herewith send you a cheque for Rs—to cover the amo-

unt of—, we request you to write your London office to pay to—
Yours faithfully

प्रिय महाशय !

क्योंकि हमने आपके पास रु०—का चेक पावण्ड—के बदले में भेजा है।
इस लिये आप कृपाकर अपने बैंक के आफिस में—को भरपाई करने के लिये लिख
भेजिये।

आपका विश्वासी

हुण्डोका भाव मालूम करने की पत्री ।

Dear sir,

Kindly inform us about the rate of draft for Rs—which you
bought yesterday's sight on Babu—payable at Manchester and
oblige

Yours faithfully

महाशय ।

कृपाकर जो रु०—की हुण्डी कल दिन जो आपने मील लिया है और जिसका
भुगतान लंदन में मिलेगा उसका भाव बताइये ।

आपका विश्वासी

हुण्डीका नमूना ।

£ 200 Sterling

No 10

Calcutta 5th May 1905

At six month's after sight of this our first of exchange (first and
third of the same tenor and date being unpaid) pay to Messrs
_____ or order the sum of £ 200 (two hundred pounds sterling)
with or without advise for value received

To Messrs Ling & Co

John Beatson & Co

Bankers London

न० १०

पा० २०० स्टर्लिंग

कलकत्ता, ता० ५ जुलाई सन १९०५ ई०

हमने की मुद्रा पीछे हमारी यह पहली हुण्डी (पहली और तीसरी हुण्डी

उसी तारीख और उसी सिलसिले की बिन चुकी है) मेसर्स जैक्सन ऐण्ड को० को दे देना या इसके पा० २०० स्टर्लिंग अंकन (दो सौ पाचण्ड स्टर्लिंग नकद देकर सही लेलेना । इस दुण्डी का रुपया यहा जमा है ।

जीन बौटमन ऐण्ड को०

(ऊपर) किंग ऐण्ड को०

कोठीवान, लन्दन

बीजक का नमूना ।

Invoice of 100 bales of cotton bought by order of King & Co Asper s s "Indra" to London on account and risk of the concerned १०० गांठ रुईका बीजक जोकि किंगऐण्ड को० की माग आनेसे उन्ही के भीकी और खाते पर "इण्डिया" नामक जहाज में लण्डन चलान किया ।

Mark	Description जिनिस	Rs	As	P
J L & Co	100 Bales Cotton	2500		
	१०० गांठ कपास की	107		
	Wg B Mds 200 तील कुल मन २००	1000		
	Insurance @ ½% बीसाटर १) सैकडा Commission @ 5% कमिशन दर ५) सैकडा Cos Rs	3607		

Errors Excepted

Calcutta

भूल चुक लेनी देनी

Jackson & Co

बित्री जमा खर्च का नमूना ।

मानजी बित्री जमाखर्च किंग ऐण्ड को० के यहा से "इण्डिया" नामक जहाज द्वारा मिना और कलकत्ते के बीटसन ऐण्ड को० ने उनके खाते और भीकी पर

बेच दिया । Account sale of goods per s s "India" received from
ling & Co, and sold for their account and risk by Beatson & Co

100 Bales demy paper 16th @ Rs 60	}	6000 00		
१०० गठ डिमाइ कागद ६० पाउण्डके दरसे				
60 Packages red cloth @ Rs 20	}	1200 0-0		
६० बेठा कपडे की २० के दर से				
Landing charges and Godown rent	}	200 0 0	7200	
माल उतराई गोदाम भाडा				
Commission on Rs 7200 at 5% कमिशन ७२०० का	}	360 0 0		
दर ५) सैकड				
		560		

Not proceeds Rs 6610

बाकी बचे रुपै

Calcutta
11th July 1905

Errors and Omissions excepted
भूल चुक छूट छाड लेनो देनो
Beatson & Co

प्रशंसा पत्र ।

Thus to certify that Ram Nath worked under me as a Darban
for four years He is active and intelligent in his duties, -I will
be glad indeed to hear him on his progress

Kedar Nath

यह प्रशंसा पत्र राम नाथ की दिया जाता है जिसने कि मेरे यहाँ ४ वर्ष तक
दर्बानी की है। यह अपने काम में काम काजी और चतुर है। वास्तवमें में
इसकी उन्नति राग सन्तुष्ट होऊंगा।

केदारनाथ

धन्यवादित पत्र ।

My Dear Amar Nath

I am exceedingly glad on receipt of your showy card I send blessings upon you, the happy pair

Yours Truly

Gobind

प्रियवर अमर नाथ ।

मैं तुम्हारे विवाह का पत्र पा कर अत्यन्त प्रसन्न हुआ जिसके उत्तर में मैं अन्तः-कारण से आशिर्वाद देता हूँ कि परमेश्वर करे तुम दोनों का जोड़ा फला फूला बना रहे ।

तुम्हारा हार्दिक गोबिन्द

शोक पत्र ।

My Dear Gopi,

I am very sorry for death of your mother. Such a uncertain loss, an irreparable one that cannot be cured lent must be endured. Our consolation is that she is now amongst her friends and relatives that have gone before her and is in a happy land, where there is no sorrow, no grief and no parting.

May God keep her soul in peace

Yours sincerely

सुहृद् गोपी ।

तुम्हारी माता के मृत्यु ने मुझको अत्यन्त दुःख है । ऐसी होनहार स्त्रिय को अवश्य सहन करना चाहिये जिसका कि इसके सिवाय कोई उपाय नहीं है हम लोग अपने आपको यही समझ कर टाढस देते हैं कि अब वह अपने अपने ही और नाते दारों में है जो कि उसके पहले कूचकर चुके हैं श्री । उस दुःख भजन देश में चली गई है कि जहा पर न शोक है न दुःख है और न बियोग है ।

इश्वर करे उसकी आत्मा सुखी रहे ।

आपका हार्दिक

निमन्त्रण पत्र ।

Mr S's compliments to Mr D, and will feel much pleasure in his company to dinner on Thursday next at six o'clock. An early reply will much oblige

Camden villas, Thursday April 19th 1905

मिस्टर एस का सनाम मिस्टर डी का प्रगट हो और आपकी आगामी शुक्रवार को ६ बजे भोजन करने का निमन्त्रण बड़े आग्रह के साथ दिया जाता है। इसका शीघ्र उत्तर देकर बाधित कीजियेगा।

टकरासालदेखनेके लिये ।

To

THE MASTER OF THE MINT

Sir

I Will feel much obliged of your kindly granting of us the privilege of visiting the mint, at any day you may be pleased to appoint, and I hope earnestly, that you will not deny my request solicited

Calcutta
22nd April
1892

}

I beg to remain
Sir
Your most obedient servant
S L

मान्यवर महाराज !

जो दिन आप कृपाकर नियत करें उसी दिन का अधिकार पत्र टकरासाल देखने के लिये पाच आदमियों के वास्ते प्रदान करें। आपका मुक्त पर बड़ा अहसान होगा। मुझको पूरा भरोसा है कि आप मेरी प्रार्थना स्वीकार करेंगे।

भवदीय

हैण्ड नोट ।

HAND NOTE

On demand I promise to pay to Baboo Beharilall Ram Pursad or order the sum of Rs 1000 Rs one thousand only with interest at five per cent per annum for value received in cash

Calcutta
13 April
1892

}

Yours Faithfully

T C SADKHA

बाबू बिहारी लाल राम प्रसाद से केवल एक हजार १००० रुपया पाया जो की वे जब चाहे तब ५ पाच रुपया सानाना व्याज के हिसाब पर मुझसे वसूल कर सकते हैं।

हिन्दी पत्र व्यवहार ।

अपने से बड़े को सिद्धयी लिखा जाता है । परमेश्वर योगियो और राजा महा-राजो के नाम १०८ थी लिखी जाती है, पिता गुरु आदि को ६, स्वामी को ५, शत्रु को ४, मित्र को ३, भाई को २ और स्त्री तथा पुत्र को १ लिखनी चाहिये । छोटी के लिये स्वस्तो थी लिखा जाता है । बड़े को प्रणाम और छोटी को प्राणि-वाद लिखना उचित है और उनके नाम के पहले चिरञ्जीव लिखना चाहिये और वहाँ के सम्बन्धिक नाम के पहले परम पुज्य लिखा जाता है । बराबरी वाली को चिरञ्जीव नहीं लिखते इसकी जगह भाई लिख कर नाम लिखते हैं ।

व्यवहार पत्र यों लिखा जाता है —

सिद्ध थी रिवाडो शुभस्थान भाई बलदेवदास योकिशान जोर लिखी कलकत्ते से देवीदास रामलाल की जंगोपाल वचना । आगे (हाल फिर मितो)

पुत्र की और से पिता को ।

सिद्ध थी सर्वोपमा परमपुज्य थी पिताजी को देवीदास का प्रणाम ।

अपरंच हाल यह है कि । मि फागुण बर्दी २ स १८६० ॥

बराबरी वाली को ।

स्वस्ती थी सर्वोपमा सकल गुण विधान भाई देवीदास को राम २ राम चरण की बनारस से मालुम हो — आगे (हाल फिर मितो)

छोटी की तरफ से बड़ोंको

बड़ों की तरफ से छोटीको

त्रिपुत्रग बालेश्वर —

वनगणेश्वर —

प्रणाम शत कोटी निवेदन गिद —

अदम सुखनिर्वाण वागव गच्छाव विशेष ।

१ । माता महाशय ।

१ । भावा ।

२ । ज्योतिषात महाशय ।

२ । बापाजि ।

३ । पितामह महाशय ।

३ । बापाजि ।

४ । भ्राता महाशय ।

४ । बापाजि ।

५ । अग्रज महाशय ।

५ । भावा ।

६ । मित्र भातामहकृपाणी ।

६ । भावा ।

७ । मातामहकृपाणी ।

७ । बापाजि ।

८ । ज्योतिषा मातामहकृपाणी ।

८ । बापाजि ।

९ । भ्रातामातामहकृपाणी ।

९ । बापाजि ।

उपदेश रत्नमाला ।

(अकल शिखरोंकी वाते)

१. तुरंत का वना, कुकर्म, और कोमल प्यारा भोजन सदैव भूख लगने पर किया करो। दूध, दही, घृत, मक्खन, मिर्चरी, काली मिर्च, हड्डें और पके मोठे फल का सेवन किया करो।
२. सुखा, भडा, बदबूदार, घासी, अप्रिय, कड़ुवा भोजन कभी मत किया करो।
३. मनुष्य को उचित है कि यावत् जीव पराचर तथा प्राणी मात्र के साथ उपकार करे अथवा वह है कि जिसका जीवन परीपकार ही में व्यतीत होता है।
४. माता, पिता, आचार्य और प्रतिधि तथा सत्त्वोपदेश के करनेवाले विद्वानों की सेवा तन, मन, धन से करना चाहिये।
५. ठण्डा और स्वच्छ पानी सर्वदा छात्र कर पीयो, जहा देयवश से गर्दनां चोड़-मिला, रंग बेरंग और वर्षा का कड़ा पानी मिले उसे प्रथम भाग पर गर्म करो, फिर ठण्डा करके छान कर पीयो। बिगर छाने पानी कभी न पीयो।
६. रात्री में कभी दही मत खाओ, उससे मजला व खांसी पैदा होती है।
७. आठ गुण सदा काल सर्व मनुष्यों को शोभित करते हैं सुवृत्तिका धारण करना, कुत्तों से बचना, इन्द्रियों को दुष्ट भाग से रोकना, अध्ययन करना, बले शौर्य का बढ़ाना, छोटा बेलना, शक्ति अनुसार दानदेना और किये हुए उपकारको मानना।
८. समय का एक क्षणभी हथा न जाने दो, समयानुसार सर्व कार्य करना चाहिये।
९. बालकपन से ही खटाव, नालमिक, मोठा कड़ुवा आदि अधिक मत खाओ।
१०. अफीम, भग, गांजा, और तम्बाखू आदि वस्तु मत खाओ और न पीयो।
११. परावर तौल के शब्द, घी, तथा शब्द, पानी मत खाओ व पीयो, क्योंकि वह विष हो जाता है।
१२. प्रातःकाल के समय टहनी जाने के पहिले, थोड़ा सा ठण्डा पानी पीयो तो दन्त साफ होगा। मगर पानी पीकर बोली देर न जाना चाहिये।
१३. क्रोध करना परकार्य है इस वास्ते क्रोध कभी मत करो।

- १४ संतोष, मादम और धैर्यता से अत्यंत कठिन कार्य भी सहि हो जाते हैं ।
- १५ परमात्मा अपने भक्त उपामकों की सहायता किया करता है ।
- १६ किसी तुच्छ जीव की भी निरादर दृष्टि से नहीं देखना चाहिए ।
- १७ मन, मूत्र, र्छीक, आंम, भूख प्यास आदि के वेगों को रोकना न चाहिए ।
- १८ प्रातः काल और संध्या के समय, मंद सुगंध शीतल हवा में टहलना उत्तम है ।
- १९ पाच तथा सात दिन में चौर (हजामत) करवाया करो ।
- २० लोभ मद्य पापों का मूल है और उसका आनंदभी तुच्छ तथा अल्प होता है ।
इस लिए उसकी त्याग देना ही अच्छा है ।
- २१ आपत्ति काल में केवल इश्वर ही से उसकी निवृत्ति के लिये प्रार्थना करनी चाहिये परन्तु यदि मनुष्य प्रथम ही ईश्वराधन में दक्षचित्त है तो आपत्तिका आना भी असम्भव है ।
- २२ हाथ, पैर, नाक, कान, गिर आदि, सदैव स्वच्छ रखना चाहिए ।
- २३ गिर, कान, पैर और सब शरीर में चौथे दिन तीन की मालिश किया करो ।
- २४ किसी भी कष्टकी आपत्ति क्यों आये मनुष्य को स्वधर्म कदापि नहीं त्यागना चाहिए । क्योंकि स्वधर्ममें कल्याण तथा परधर्म में दुःख होता है ।
- २५ कसरत का अभ्यास रक्खो, इस से शरीर मजबूत रहता है ।
- २६ आँखों में अजून दातों में अजून हर दिन लगाया करो ।
- २७ यदि धर्मात्मा बगने की इच्छा है तो इन आठ बातों का सदैव ध्यान रक्खो १ प्राणी मात्र पर दया २ परोपकार ३ दान ४ क्षमा ५ समानभाव ६ मत्त ७ उदारता ८ विनय ।
- २८ सदैव ठण्डे जल से, और शीतकाल में गर्म जल से स्नान किया करो तो कभी रोग नहीं होगा ।
- २९ वर्षा में मत भौंगो, क्योंकि उससे सर्दी आदि, तुरत ही हो जाया करता है ।
- ३० सुखको, इच्छा है तो नम्रता, प्रियवादित्र् धैर्य, चित्तकी शान्ति धारण करो ।
- ३१ सदा याद रक्खो कि जो तुम्हारा शत्रु तुम्हारे अधिक बलवान् होता तो तुम्हें बड़ा से, हट जाना चाहिये अथवा उससे सम्मुख होना ठीक नहीं ।

- ७२ आपत्ति काल में सदा धैर्य रखना चाहिये, और सुख प्राप्त होने पर अधिक हर्ष में मग्न होना उचित नहीं ।
- ७३ अधिक प्रकाश वाली वस्तु और मूर्त्य आदि की तीव्र रोगनी की कभी नहीं देखना चाहिये, उससे आँख की रोगनी कम हो जाती है ।
- ७४ जो सर्व जगत का निन्दापात्र हो उससे उदासीनता रखना, अपना उसकी सगति कदापि नहीं करना चाहिये ।
- ७५ कीर्ति का सम्पादन करना मनुष्यमात्र का मुख्य कर्त्तव्य है ससार में उसीका जन्म सुफल है जिसने ससारी पुरुषों से कीर्तिवान् नाम प्राया ।
- ७६ सर्वदा निर्मल वस्त्र धारण करना चाहिये, उससे रोग और आनस नहीं आता ।
- ७७ अपने २ चरों को सुगन्धित धूप तथा ज्वन आदि से सुगन्धित रखना अति आवश्यक है । प्रातः और सन्ध्या को संधि में भोजन, पठना, सोना स्त्री सग, आदि मुक्ति नायक है ।
- ७८ किसी मनुष्य को जीविका का माग नहीं करना चाहिये क्योंकि ऐसा करने से तुमको कुछ लाभ न होगा ।
- ७९ जिसको मृत्यु की याद सदा चित्त में लगी रहती है उससे पाप होना असंभव है इस लिये मनुष्य को मृत्यु कदापि मनसे नहीं विस्तराना चाहिये ।
- ८० अपनी पत्नी से ही ऋतु समय में सगम करना चाहिये, दूसरे समय नहीं । रजस्वला, रोगणी पराई स्त्री के सग से सदा बचे रहो ।
- ८१ गिर से अधिक बोझ मत लीजाओ उसकी हारत से बूझ जाती रहती है ।
- ८२ जो मनुष्य भूखा हो, कसरत करने, मार्ग में चलने या अन्य किसी कारण से थका हो, अथवा पैग़ाव पायथानेकी हाजत वाला हो, वह स्त्री सग कदापि न करे ।
- ८३ सेवक का मुख्य धर्म यही है कि अपने स्वामी को सदा सर्वदा प्रसन्न रखे और उसीसे उसका कल्याण भी होना सम्भव है अन्यथा कदापि नहीं ।
- ८४ अधिक ऊँचे और अधिक नीचे स्वर (आवाज) से और जल्दी २ मत पढ़ो इससे स्वर खराब होता है ।
- ८५ ऊँचे और कठोर आसन (विस्तर) पर बैठना, सोना अच्छा नहीं ।
- ८६ नाक में सगली और कान में तिनका कभी मत करो ।
- ८७ दाँतों को कभी मत चबाओ और नाखूनों को आपस में कभी मत घिसो ।
- ८८ नोखूनों से पृथ्वी को कभी मत खोदो ।

- ४८६ पुरवैया व तेज हवा और भीम व तेज धूप में मत सोना और मत बैठो ।
- ५० सदा धारण रहे कि प्रत्येक कार्य की सफलता उपयोगसेही होती है केवल मनोरथों से नहीं योग्य और लाभकारी वार्त्ता यदि बालक भी कहे तो मानना चाहिये परंतु अयोग्य और हानिकारक वृत्तकी भी नहीं मानना चाहिये यदि दुर्गचरण से निर्वाह भी होताहो तोभी त्यागना चाहिये ।
- ५१ गो पेरों, नने गिर, खानी घाय, बिना कतरी, बिना कडी, और बिना डुपट्टा ने कभी कहों मत जाओ ।
- ५२ हवा, अग्नि, जल सूर्य, चंद्रमा, गो, ब्राह्मण, गुरु और हड्ड पुरुष की और सुख करके छूकना, पेगाव या पायखाना करना अच्छा नहीं होता है ।
- ५३ बालक, बूढ़े, लालची, बेवकूफ, हत्यारा, कठोर, नपुंसक, राजद्रोही, डाकू, नशे-झाज, कम विद्वान्त, नास्तिक, डरपीक, निर्लज्ज, पागल, ऐसे २ आदमियों से मित्रता मत करो, उनके पास मत बैठो, उन की बातें मत सीखो, तो तुमको वभी भय नहीं होगा ।
- ५४ बुद्धिमान् पुरुष को चाहिये कि किसी कार्य के अर्थ उपाय सोचने से प्रथमही उसको हानि और लाभ भी सोच ले नहीं तो पीछे पकवाना पड़ता है ।
- ५५ दान देकर पकवाना न चाहिये क्योंकि इससे उसके प्रतिफलका नाश होता है ।
- ५६ मनुष्य को अपने को अमर समझ कर विद्या और धन संचय करना चाहिये और यह समझकर कि मृत्यु सदा काल मस्तक पर ही आरुढ़ हो रही है धर्माचरण रखना चाहिये । जगतमें अन्न लेना और जीवन उसी मनुष्य का सफल है कि जो अपने वर्ग और जाति के उपकार तथा उन्नति के अर्थ सदैव उपयोग किया करे ।
- ५७ जुआ मत खेलो, और, कभी रडी बाजी मत करो, न ऐसे लोगों के पास जाओ, न अपने पास दुलाओ घर की छिपी हुई धन गेरो की मत मुनाओ, तिरस्कार की घाट मत करो । अपने को छोटा, और दूसरों को सदा बड़ा मानते रहो ।

- ६१ मनुष्य का परम शत्रु आत्म है इस्का त्याग करना चाहिये ।
- ६२ सभा में जाने वाले मनुष्यों को उचित है कि सभा में जाकर पक्षपात रहित सम्पत्ति दिया करे । यदि सम्पूर्ण मनुष्यों को प्रमत्त तथा अपने बग में करना चाहते हो तो पर पुरुष की निन्दा मत करो ।
- ६३ क्षण २ में क्रोध क्षण में हर्ष मत करो । दूसरे के दोषोंको मत देखो और उनके गुणों को सदा याद किया करो । राग द्वेष, क्रोध और चिन्ता पैदा करने वाले कामों को मत करो ।
- ६४ किसी के ऐश्वर्य को देखकर दुःखित मत होओ ।
- ६५ दूसरे की छिपी हुई बातों को कभी प्रगट मत करो ।
- ६६ स्त्रियों को छिपी हुई बातें सुनाने और उनका विश्वास करने से अन्त में दुःख होता है ।
- ६७ सर्प और घातक पशुओं के पीछे मत दोड़ो । उदय हुए, तथा क्षियते हुए सूर्य को मत देखो क्योंकि इससे दृष्टि में अन्तर आता है ।
- ६८ मुख को फाड़कर जम्हाई लेना, लीकना, चूमना, और सोना उत्तम नहीं है ।
- ६९ पानी में तैरना, नंगे होकर घुमना, और उसमें पेशाब, पायखाना करना अपनी छाया को देखना ठीक नहीं है ।
- ७० शान्ति दया और धर्म का पालन करो, सदा मोठे वचन बोली और सबसे मीति पूर्वक बर्ताव करो ।
- ७१ घर के काम कानों से फुरसत पाने पर सदा धर्म ग्रन्थोंका अवलोकन करो ।
- ७२ सूर्योदय के पड़ने और संध्या के समय नित्य संध्या करो इससे शिस्त शुद्ध होकर सदैव अच्छे कामों की और लगता है ।
- ७३ स्वामी को योग्य है कि नौकर चाकर ऐसा नियत करे कि जिसपर अपना पूर्ण रूपसे विश्वास हो नहीतो नाम के बदले हाथि उठानी पड़ेगी ।
- ७४ नदियों के बगका, सिद्धादि घातक जन्तुषा का, सींगशाले हयभादिकों का, शस्त्रधारी शत्रु का, स्त्रियोंका तथा राज कुलका विश्वास कदापि नहीं करना चाहिये ।
- ७५ व्यायाम करो घूमो फिरो, मानसिक शिक्षा या उत्पत्ति के विचार से शरीर को निर्बल बनाना बड़ी भूल है । कुछ न कुछ हाथ से भी काम किया करो । धरती

- ८६ जिस मनुष्य ने अपनी इन्द्रियाँ का बश में कर लिया उसने तीनों लोक बश लिये । अपने स्वभाव को दुष्ट बनाना मानो अपनी आत्मा का रोगी करना ।
- ८७ किसी मादक द्रव्य का सेवन न करो । कोई शारीरिक या मानसिक काम न करो जिस से बहुत थक जाओ और न अलस्य से बेकाम पड़े रहो ।
- ८८ अपने किसी काम पर अधिक पयाताप न करो और किसी बात का शोक न करो । अपना शरीर और वस्त्र मले न रखो ।
- ८९ कुलागत अर्थात् दुष्टों की सभा में कदापि न बैठो क्योंकि वहाँ मद्यपान, भ्रमण, उपहास, दम्भ, आभय, परनिन्दा, निर्लज्जता, द्यूत, चोरी आदि विचित्र भ्रमणत दोष सदैव विद्यमान रहते हैं । प्रत्येक मनुष्य को चाहिये कि अपने आवश्यकता से अधिक वस्तु का संग्रह कदापि न करे ।
- ९० मनुष्य के प्रत्येक व्यवहार दृष्टि देने से उसका यथार्थ आचरण प्रतीत होता है ।
- ९१ याद रहे कि सुख भोग मनुष्यों का नहीं बिगाड़ते किन्तु मनुष्य ही सुख भोगों को बिगाड़ते हैं ।
- ९२ ऐसी खुराक खाओ जो भूट हजम हो जाय और पुष्टिकारक हो ।
- ९३ खानेसे आध घण्टा पहले और आध घण्टा बाद तक मित्रात नहीं करनी चाहिये परन्तु रातके समय ब्यालू करने के बाद ही सो जाना अच्छा नहीं । ब्यालू करनेके उपरान्त एक घण्टे तक कोई अनुकूल परिश्रम करके सोना चाहिये ।
- ९४ मटा अर्थात् पाप को ईश्वर की इच्छा पर छोड़े रहा निश्चय यह तुमको लाभकारी होगा । उद्योग को सुकृण समझना चाहिये जो दिन सत्कर्म ईश्वर के ध्यान में व्यतीत हो ।
- ९५ ईश्वर को सब जगत् उससे सदा डरते रहता सर्वदा सब बोलना भूठ कदापि न बोलना । सदा अच्छे मनुष्यों की सङ्गति करना यदि अच्छे लोग न मिले तो सङ्गति ही न करना । कहना छोड़ा पर करना अधिक स्वयं परिश्रम कर किसी काम की एक बारगी दूसरों पर ही आश्रित न रहना ।
- ९६ गुप्त भेद किसी से न कहना । अपने आचरण (चाल चलन) को सर्वदा उत्तम रखना । किसीसे ईर्ष्या (डाढ़) न करना । अपनी निन्दा सुन क्षाधित न होना और अपनी गोशरी सुन प्रसन्न भी न होना ।

हिन्दुस्थानी और परशोयन ग्रामर

वितावने अथेजो जानने वाला उर्दू फारसी और उर्दू फारसी जाननेवाला बहुत सी छोटे अभ्यास से जिनका किसी कीमहायना खुट्टा सोए मक्ता है। ताव रोयन पाठ पेनी २२२ पृष्ठकी है विनायती चिकने कागज पर सुन्दर कपो हुइ है विनायती कपड़े की सुन्दर भगवत जिन्ट बधी हुइ है इतनी कीताव होने पर भी कीमत केवल रुपये ३५ डाक खर्च १५ रखा गया है तारीफ हम अपने मुहसे क्या करें अच्छे अच्छे अथेजोने और समाचारपत्रोंने तारीफ की है रामनान निमाणी न० ५८ तुनापटी कनकता।

भारतमित्र ता० १३, अगष्ट मन १८०४ ई०

बु दोननाथ देव बगानी है पर उर्दू फारसी यह इतनी जानते हैं कि अच्छे अच्छे दुस्थानी सतनी नहीं जानते। हम समयबूढ़े हो चुके हैं तथापि कुछ किये जाते हैं। को बनाई हुइ पुस्तकके सहारेकितनेही बादमोबिना माटरकी अगरेजीने प्रविष्ट और उन्हें आगे भीखनेकी माग मिला। कइ नामी अगरेज विद्वानोंने उसकी शप्ताकी है। हालमें उनकी बनाई एक और कामकी पुस्तका ऊपरकर प्रकाशित हुई है। उसका नाम है हिन्दुस्थानी एन्ड परशियन ग्रामर। इस पोथीसे अगरेजी पढ़े लोगकी उर्दू और फारसी सीखनेका अच्छा सुभेता होगा। उस्तादकी बहुत कम मदद की जरूरत हम पोथीकी हाथमें लेनेमें रह जातो है। इससे एक और लाभ है कि उर्दू जानने वाले अगरेजी ग्रामरकी जरूरी बातें मजेमें जान सकते हैं। हरक बात इनकी मलाई खुता और थोड़े शब्दोंमें निखी है कि पढ़कर प्रशंसा किये बिना रहा नहीं जाता। हिन्दुस्थानी और फारसी सीखने वाले यूरोपियनों के लिये यह बहुतनी कामकी चीज है। हिन्दुस्थानीभी इसमें बहुत कुछ लाभ उठासकते हैं। ग्रामरके अन्तमें कइ एक सुन्दर टुकड़े गुनिस्ता, करीमा दीवाने हाफिज आदिसे छांटकरदिगे हैं। उनका अगरेजी अनुवाद साथ साथ दिया है। फिर तुलसीदासरासाधन संस्कृतके माहमुद्गर, बङ्गलाको महाभारत आदिके टुकड़े अगरेजी तरजुमे सहित दिये हैं। मोहमुद्गरका अनुवाद अगरेजी और उर्दू दोनों भाषाओंमें पद्यमय किया गया है। अन्तमें दीनानाथदेव महाशयकी कुछ खराबत कविता है। आपकी फारसी, उर्दू, हिन्दी संस्कृत और अगरेजी सबमें पूरा दखन है और बगानी तो उनकी साल भाषाही है। पोथी सुन्दर कागज पर छपा है। टाइपमें अच्छी है उस पर विनायती कपड़ेकी जिन्द बन्धी हुई है।

नि अनग। मिलने का पता बाबू रामनान निमाणी न० ५८

- ८६ जिस मनुष्य ने अपनी इन्द्रिया का वश में कर लिया अपने लिये । अपने स्वभाव को दुरु बनाना मानी अपनी आत्मा बाँधे लिये ।
- ८७ किसी मादक द्रव्य का सेवन न करो । कोई शारीरिक वा काम न करो जिस से बहुत थक जाओ और न प्रलस्य से ।
- ८८ अपने किसी काम पर अधिक ध्यातापन करा और किसी शोक न करो । अपना शरीर और यज्ञ मंले न रखो ।
- ८९ कुलगत अर्थात् दुष्टों की सभा में कदापि न बैठो क्योंकि अज्ञान, उपहास, दम्भ, आभिमन, परनिन्दा निर्लक्ष्मता, दूत, चोरी अगाधत दोष छुट्टेन विद्यादान रहते हैं । प्रत्येक मनुष्य को चाहिए आवश्यकता से अधिक वस्तु का संग्रह कदापि न करे ।
- ९०० मनुष्य के प्रत्येक व्यवहार दृष्टि देने से उसका धर्म्य आचरण
- ९०१ याद रहे कि सुख भोग मनुष्यों का नहीं बिगाड़ते किन्तु मनुष्य ही दो बिगाड़ते हैं ।
- ९०२ ऐतौ खुराक खाओ जो भूट हजम हो जाय और पुष्टिकारक हो ।
- ९०३ खानसे आध घण्टा पहले और आध घण्टा बाद तक मिहनत नही परन्तु सोके समय व्यानू करने से बादर्हो से जाना अच्छानही । बाद उपरान्त एक घण्टे तक कोई अनुकूल परिश्रम करके सोना चाहिये ।
- ९०४ मंदा अपने आप को इश्वर की इच्छा पर छोड़े रहा निरादेह यह तुमको कारी होगा । उद्योग की सुफल समझना चाहिये जो दिन उत्तम कारण में व्यतीत हो ।
- ९०५ इश्वर का रुख जानो उससे सदा डरते रहना सर्वदा सब चीजना भूत कर चीनना । सदा अच्छे मनुष्यों की सङ्गति करना यदि अच्छे लोग न मिल सङ्गति ही न करना । कहना थोड़ा पर करना अधिक कथं परिश्रम कर काम को एक बारगी घूमरो पर ही आश्रित न रहना ।
- ९०६ गुप्त भेद किसी से न कहना । अपने आचरण (चाल चलन) को सर्वदा रक्खे । किसीसे ईर्ष्या (डाह) न करना । अपनी निन्दा सुन क्रोधित न और अपनी प्रशंसा सुन मसन्न भी न होना ।

हिन्दुस्थानी और परशौयन ग्रामर

वितावने प्रयेजो जानने वाला उरदू फारसी और उरदू फारसी जाननेवाला इतनी थोड़े प्रयास में बिना किसी की मद्दत या खुद ही सोच सका है। ताद रंजन पाठ देने की २२२ छंदों के बिनायती चिकने कागज पर सुन्दर छपी हुई है बिनायती कपड़े की सुन्दर मजबूत जिन्द बधी हुई है इतनी कीमती होने पर भी कीमत केवल रुपये १५ डाक खर्च १५ रखा गया है तारीफ हम अपने मुँह से करा करें अच्छे अच्छे प्रयोजनों और समाचारपत्राने तारीफ की है ग्रामनाम नेमाणी न० ५८, तुलापट्टी कनकता।

भारतमित्र ता० १३ अगष्ट सन १९०४ ई०

डू टोननाथ देव बगानी है पर उरदू फारसी यह इतनी जानते हैं कि अच्छे अच्छे हिन्दुस्थानी उतनी नहीं जानते। हम समयपूर्व ही चुके हैं तथापि कुछ किये जाते हैं। को बनाई हुई पुस्तक के सहारे कितने ही आदमों बिना सादर से अंगरेजी में प्रविष्ट और उन्हें भागि भीखी की मांग मिला। कई नामी अंगरेज विद्वानों ने उसकी श्रद्धा की है। जहाँमें उनकी बनाई एक और कामकी पुस्तका इयकर प्रकाशित हुई है उसका नाम है हिन्दुस्थानी पण्ड परशियन ग्रामर। इस पोथी से अंगरेजी पठे लोगों को उरदू और फारसी सीखनेका अच्छा सुभेता होगा। उस्तादकी बहुत कम मदद की जरूरत हम पोथी को हाथ में लेने में रह जातो है। इससे एक और लाभ है कि उरदू जानने वाले अंगरेजी ग्रामरकी जरूरी बातें मजे में जान सकते हैं। हरक बात इतनी मुकाम शायद और थोड़े शब्दों में लिखी है कि पढ़कर प्रशंसा किये बिना रहा नहीं जाता। हिन्दुस्थानी और फारसी सीखने वाले यूरोपियनों के लिये यह बहुत ही कामकी चीज है। हिन्दुस्थानी भी हममें बहुत कुछ लाभ उठा सकते हैं। ग्रामरके अन्त में कई एक सुन्दर टुकड़े गुलिस्ता, करीमा टीबाने हाफिज आदि से छांट कर दिये हैं। उनका अंगरेजी अनुवाद साथ साथ दिया है। फिर तुलनी अंतरासायन मस्कृत के माहमूद व इनाको महाभारत आदिके टुकड़े अङ्गरेजी तरजुमे सहित दिये हैं। सोचगुहाका अनुवाद अङ्गरेजी और उरदू दोनों भाषाओं में पद्यमय किया गया है। अन्त में दो दो खर्चात कविता है। आपकी फारसी, उरदू हिन्दी मस्कृत और अङ्गरेजी और बगानी तो उनकी साद में छपी है उस पर बिनायती कप-मूल क आगे अलग। मिलने का बाजार कनकता।

TESTIMONIALS

LUZACS ORIENTAL LIST LONDON

March, April 1905

Hindustani and Persian Grammar, with pleasing thoughts
By Dina nath Deva, Calcutta, 1904. The author has taken considerable pains in presenting to the student the principal rules relating to the orthography and etymology of the Hindustani and Persian languages. These however, are not always expressed with sufficient accuracy or clearness, and may be occasionally puzzling to a beginner, though perfectly intelligible to an advanced student. The alphabetical vocabulary of Hindustani, Persian, and Arabic words (pp 65—190) will be found very useful. The words are transliterated according to the system generally adopted by Orientalists but several mistakes—as “buht” for “bahut”—and omissions of long vowel marks and diacritical points, occur. Some of the words are italicized, without any apparent reason. It would have been better if the author, in place of this extensive vocabulary, had devoted a greater portion of the work to a more complete explanation of the etymology and syntax of these two languages. The work concludes with ‘pleasing Thoughts’ (pp 197—272), comprising selections from the Gulistan, and the Karima of Sadi, with English translation,—the latter in verse,—also a small extract from the Hindi Raṅgīyān of Jūlī Dās, the Sanskrit text of Śankarā Achārya’s Mohamudgarā, with a Hindustani metrical translation, and excerpts from the Bengālī Mahābhārata of Kṛṣṇān Dās all of which are accompanied by English metrical translations, followed by a few Hindustani verses. These form an interesting and instructive Reader, but the portion in Hindi, Sanskrit, and Bengālī seems to be out of place, and quite unnecessary, in a work purporting to impart instruction in the grammar of the Hindustani and Persian languages with which these languages have no affinity either in character or in grammatical structure.

Babu Dina Natha Devas has rendered a service to the cause of oriental literature by compiling an Urdu Grammar with the help of the English Language. The absence of a work which would assist a beginner unacquainted with Urdu to learn the language has hitherto been a drawback to students preparing for examinations especially Government Officials who are located far from educational centres, and where a competent teacher of the vernacular can rarely be procured. This desideratum has been supplied in the present work. In compiling it the author has consulted not only the current grammars on the subject but has also supplemented them with the ripe experience of such eminent scholars as Maulana Hakim Sayid Muhammad Sajjad of Lucknow and other learned men of Calcutta and the North West. We wish the author every success in his undertaking.

31 May 1885
 Statesman

